सत्यमेव जयते

PPVFRA

वार्षिक प्रतिवेदन

2023 - 2024







पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

(संसद के अधिनियम द्वारा निर्मित सांविधिक प्राधिकरण)

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

प्लांट अथॉरिटी भवन, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, एनएएससी कॉम्प्लेक्स के पास,
टोडापुर गांव के सामने, नई दिल्ली –110 012

www.plantauthority.gov.in

वार्षिक प्रतिवेदन 2023–2024

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

PPVFRA

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

एन.ए.एस.सी. परिसर, डी.पी.एस. मार्ग, नई दिल्ली-110012.

www.plantauthority.gov.in

विषय-सूची

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
	प्रस्तावना	i
	आभार	iii
	विशिष्ट सारांश	iv
1.	परिचय	1
2.	पौधा किस्म रजिस्ट्री	10
3.	डीयूएस परीक्षण केंद्र	19
4.	डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास और जीन बैंकों की स्थापना पर परियोजनाएं	121
5.	किसानों से संबंधित गतिविधियां	128
6.	भारतीय पौधा किस्म जर्नल, पौधा किस्मों का राष्ट्रीय रजिस्टर एवं प्राधिकरण के प्रकाशन	147
7.	डेटाबेस का विकास, आई आई एन डी यू एस, एनओआरवी, वेबसाइट और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी)	148
8.	प्रशासन, अभिशासन एवं अन्य विविध गतिविधियां	154
9.	प्राधिकरण के वित्तीय विवरण, 31.03.2024 तक	175
10.	नागरिक आचार संहिता (सिटीजन चार्टर)	183
	अनुबंध	
I	पीपीवी और एफआरए प्राधिकरण के सदस्यों का विवरण (31 मार्च, 2024 तक)	186
II	पीपीवीएफआर प्राधिकरण के मानव संसाधनों का विवरण (31 मार्च, 2024 तक)	188
III	वर्ष 2023-24 के दौरान नए डीयूएस केंद्रों/परियोजनाओं को जारी की गई निधियों का विवरण	189
IV	वर्ष 2023-24 के दौरान वर्तमान डीयूएस केंद्रों/परियोजनाओं को जारी की गई निधियों का विवरण	192
V	वर्ष 2023-24 के दौरान फील्ड जीन बैंक को जारी की गई निधियों का विवरण	198
VI	वर्ष 2023-24 के दौरान प्रशिक्षण और जागरुकता फैलाने के लिए संगठनों/केंद्रों को जारी की गई निधियों का विवरण	199
VII	पंजीकरण के अधीन किस्में	200
VIII	वर्ष 2023-24 के दौरान जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण-प्रत्र	208
IX	संक्षिप्ताक्षर	276

प्रस्तावना



"The secret of improved plant breeding, apart from scientific knowledge is love"
अर्थात
"उन्नत पौध प्रजनन का रहस्य वैज्ञानिक ज्ञान के अलावा, प्रेम है"

- लूथर बरबैंक

प्रख्यात बागवानी विशेषज्ञ के उपरोक्त कथन का तात्पर्य यह है कि पौध प्रजनन न केवल ज्ञान का रहस्य है, बल्कि इसमें रचनात्मकता, जुनून और प्रेम भी शामिल है, जो वास्तव में वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान करने के लिए नई फसल किस्मों के विकास को बढ़ावा देता है।

लूथर बरबैंक ने अपना पूरा जीवन सैकड़ों नई फसल किस्मों को विकसित करने में बिताया। यद्यपि उन्होंने अपनी विधाओं और प्रेक्षणों का उचित अभिलेख नहीं रखा, परन्तु यह वास्तव में एक बौद्धिक गतिविधि थी, जिसके लिए उन्होंने पेटेंट कराकर अपनी किस्मों की सुरक्षा के बारे में सोचा। लूथर बरबैंक द्वारा विकसित किस्मों को देखने के बाद थॉमस अल्वा एडिसन नें पौधों की किस्मों के बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के लिए समर्थन दिया, जिसमें प्रसिद्ध आलू किस्म रसेट बरबैंक भी शामिल थी। अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष एडिसन की गवाही के साथ, अमेरिकी पादप पेटेंट अधिनियम, 1930 अस्तित्व में आया। अमेरिकी पादप पेटेंट अधिनियम, 1930 के माध्यम से संरक्षण प्राप्त करने वाली प्राचीन पादप किस्मों में से एक वर्ष 1932 में पीपी 12 'प्लम' थी, जिसे लूथर बरबैंक द्वारा विकसित किया गया था।

भारत ने एक अद्वितीय मॉडल को चुनते हुए वर्ष 2001 में पौधा किस्म संरक्षण कानून बनाया । पौधा किस्म संरक्षण का भारतीय कानून, पौध प्रजनकों के अधिकारों की रक्षा के अतरिक्त, किसानों के अधिकारों की भी रक्षा करता है। अत:, भारतीय कानून अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों से अलग है क्योंकि यह मानता है कि किसान विभिन्न किस्मों के विकास के लिए जीन के संरक्षक, अग्रदूत और दाता हैं।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण (पीपीवीएफआर) प्राधिकरण वर्ष 2005 में अपनी स्थापना के बाद पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पौधा किस्मों को पंजीकृत करने में प्रयासरत है। वर्तमान प्रतिवेदन अवधि 2023-24 ऐतिहासिक विकासों को द्योतक है। प्राधिकरण ने अपनी तरह की पहली वैश्विक कृषक अधिकार संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति ने 12 सितंबर, 2023 को किया। माननीय राष्ट्रपति ने पौधा किस्मों के पंजीकरण के लिए एक ऑनलाइन अनुप्रयोग प्रणाली का भी शुभारंभ किया जिसका नाम है पोर्टल टू अप्लाई फार रजिस्ट्रेशन ऑफ़ वैरायटीज (पीए आर वी) है । पौधा प्राधिकरण भवन का भी उदघाटन किया गया जिसमें अब प्राधिकरण का कार्यालय स्थित है। वैश्विक संगोष्ठी में कई देशों ने भाग लिया और किसान अधिकारों पर दिल्ली फ्रेमवर्क/ रुपरेखा प्रस्तुत की गई, जो किसानों के अधिकारों के अध्याय में एक नए युग का प्रतीक है।

इस वर्ष सबसे अधिक पंजीकरण प्रमाण पत्र (1763) दर्ज किए गए, जो भारत में पौधा किस्म पंजीकरण के इतिहास में एक मील का पत्थर है। प्राधिकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए अतिरिक्त 17 स्टाफ पदों की स्वीकृति दी गई। पंजीकरण में आने वाली बाधाओं की पहचान करने और पौधा किस्मों के पंजीकरण को सुगम बनाने के लिए कई उच्च स्तरीय समितियों का गठन किया गया। दो प्रमुख बाधाओं, जिनके कारण आवेदनों की संख्या कम हो गई थी और पौधा किस्मों के पंजीकरण में रुकावट आ रही थी, का समाधान किया गया। ये बाधाएं थीं - मिश्रित पंजीकरण और मौजूदा पौधा किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदनों को बंद करना। मिश्रित पंजीकरण सम्बंधी अधिसूचना वापस लेने से कई अदालती मामलों का समाधान हो सका । यह बीज उद्योग के लिए भी एक बड़ी राहत है। किसानों की किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदनों को सुगम बनाने हेतु जागरुकता कार्यक्रमों को बढ़ाने के प्रयास किए गए।

मैं, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं। मैं, श्री मनोज आहूजा, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को उनके द्वारा यथासंभव समर्थन प्रदान करने क लिए आभार व्यक्त करता हु, क्योंकि उसके बिना प्राधिकरण का सुचारू संचालन संभव नहीं हो पाता। मैं, श्री राकेश रंजन, अपर सचिव (बीज), श्री पंकज यादव, संयुक्त सचिव (बीज) और नोडल विभाग के बीज प्रभाग को प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में उनके अपार सहयोग प्रदान करने हेतु

धन्यवाद देता हूं। मैं , प्राधिकरण के अधिदेशित तकनीकी कार्यों को पूरा करने में सहयोग देने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप)/ राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) द्वारा निभाई गई भूमिका की प्रशंसा करता हूं।

मैं, प्राधिकरण के सम्मानित सदस्यों, डॉ. डी. के. अग्रवाल, महापंजीयक और प्राधिकरण के अन्य अधिकारियों को प्राधिकरण के कार्यों में उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं, पीपीवीएफआर प्राधिकरण के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग, समर्थन और सक्रिय भागीदारी के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने प्राधिकरण की अधिदेशित गतिविधियों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री डी.एस. राज गणेश को का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ , जिन्होंने जिन्होंने इस वार्षिक प्रतिवेदन का गंभीरतापूर्वक संकलन किया है।

(टी. महापात्र)
अध्यक्षपौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण,
नई दिल्ली

आभार



मैं, पीपीवीएफआर प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र के गतिशील और जीवंत नेतृत्व के लिए, और प्राधिकरण को उसके अधिदेशित कर्तव्यों और कार्यों को पूर्ण करने में मार्गदर्शन और समर्थन देने तथा कई उपलब्धियां प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उनके प्रति कृतज्ञता के साथ असीम आभार व्यक्त करता हूं। मैं, भाकृअनुप के सभी संस्थानों/एसएयू/बीज उद्योग को भी धन्यवाद देता हूं, उन्होंने इस प्रतिवेदित अवधि को अविस्मरणीय बनाया है, क्योंकि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में 1763 पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। नोडल मंत्रालय के तत्वावधान में, प्राधिकरण ने 12 सितंबर, 2023 को किसानों के अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्घाटन भारत की माननीय राष्ट्रपति ने किया। मैं, इस आयोजन को अविस्मरणीय बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आभार व्यक्त करता हु । मैं, प्राधिकरण के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने प्राधिकरण के कई महत्वपूर्ण निर्णयों को लेने में महत्वपूर्ण योगदान दिया । मैं, प्राधिकरण के तकनीकी कार्यों के निर्वहन में पूर्ण हृदय से समर्थन प्रदान करने के लिए भाकृअनुप को धन्यवाद देता हूं, उनके सहयोग के बिना डीयूएस परीक्षण संचालित करना और पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान करना, डीयूएस दिशानिर्देश तैयार करना तथा डीयूएस परीक्षण केंद्रों को अधिसूचित करना संभव नहीं हो पाता। मैं, प्राधिकरण के डीयूएस परीक्षण केंद्र के रूप में सांविधिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए भाकृअनुप के संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के अधिकारियों को भी धन्यवाद देता हूं। मैं, डीयूएस परीक्षण केंद्रों के सभी प्रधान अन्वेषकों को धन्यवाद देता हूं, क्योंकि उनके समय पर आउटपुट के बिना इस प्रतिवेदन का प्रकाशन संभव नहीं होता। मैं, श्री मनोज आहूजा, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, श्री राकेश रंजन, अपर सचिव (बीज), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और श्री पंकज यादव, संयुक्त सचिव (बीज) तथा नोडल बीज प्रभाग के पदाधिकारियों को इस प्राधिकरण के दक्षतापूर्ण कार्य निर्वहन में दी गई दैनंदिन सहायता के लिए धन्यवाद देता हूं। धन्यवाद करता हूं यूपीआरएनएन का जिसने पौधा प्राधिकरण भवन का निर्माण किया। मैं प्राधिकरण के अधिकारियों नामत:, श्री विपिन त्यागी, वित्तीय सलाहकार, श्री दीपल रॉय चौधरी, संयुक्त पंजीयक, श्री यू. के. दुबे, उप पंजीयक और श्री आर. एस. सेंगर, पूर्व उप पंजीयक के प्रयासों एवं इनपुट की सराहना करता हूं। मैं, डॉ. ए. के. सिंह, पौधा किस्म परीक्षक और डॉ. डी. एस. पिलानिया, तकनीकी सहायक, पीपीवीएफआरए के प्रयासों की भी सराहना करता हूं। मैं, श्री राज गणेश, विधिक सलाहकार और उनकी टीम श्री अरुण कुमार, विधिक सलाहकार तथा विधिक प्रकोष्ठ को इस रिपोर्ट के संकलन एवं प्रकाशन में समन्वय के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं, प्राधिकरण के मुख्यालय और उसके शाखा कार्यालयों में कार्य कर रहे सभी परियोजना कर्मचारियों और अन्य संविदा कर्मियों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने सौंपे गए कार्य को पूर्ण लगन और ईमानदारी से किया। मैं, इस प्रतिवेदन के प्रकाशन में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं।

(डी.के. अग्रवाल)
रजिस्ट्रार जनरल
पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण,
नई दिल्ली

विशिष्ट सारांश

"पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम" (2001 का 53) एक विशिष्ट अधिनियम है जो खाद्य एवं कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि का अनुपालन करता है। प्राधिकरण राष्ट्रीय अपेक्षा के अनुसार प्रजनकों और किसानों के अधिकारों के बीच संतुलन भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2005 में अपनी स्थापना के बाद, प्राधिकरण पौधों की किस्मों को पंजीकृत करने की प्रणाली में निरंतर सुधार करता आ रहा है। प्राधिकरण हितधारकों को आपस में जोड़ता है, बीज क्षेत्र में नवोन्मेष को प्रोत्साहित करता है, पौधों के आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण करने में तथा उन्हें पादप प्रजनकों को उपलब्ध कराने की दिशा में किसानों/समुदायों के योगदान को मान्यता प्रदान करता है। प्राधिकरण ने एक राष्ट्रीय जीन कोष की स्थापना की है, और जीन बैंकों का निर्माण एवं रखरखाव आदि किया है।

इस प्रतिवेदन को प्रकाशन हेतु भेजे जाने तक, भारत सरकार ने पौधा किस्मों के पंजीकरण के लिए पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पी.पी.वी.एफ.आर.ए.) की सिफारिशों पर 197 फसल प्रजातियों को अधिसूचित किया है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, प्राधिकरण ने *कोकम, लेमन, पुमेलो, लिलियम, चमेली, अश्वगंधा, जैतून एवं एंथुरियम* को अधिसूचित किया है। 2023-24 के दौरान, विभिन्न श्रेणियों के तहत सार्वजनिक और निजी, दोनों से तथा कृषक किस्म क्षेत्र से पंजीकरण के लिए कुल 235 आवेदन प्राप्त हुए।

वर्ष 2023-24 में, कुल 1763 पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किए गए। किसानों की किस्मों (1546), विद्यमान अधिसूचित किस्मों (82), नई किस्मों (75),और वीसीके (60) को पंजीकृत किया गया। इसी तरह से, अनाजों (1364), फलियों (97), तिलहनों (84), सब्जियों (67), रेशा फसलों (61), फलों (53) और मसालों (31) के संदर्भ में सबसे अधिक प्रमाण पत्र जारी किए गए।

प्राधिकरण के विधिक प्रकोष्ठ ने विभिन्न न्यायालयों में दायर मुकदमों/वादों की पैरवी की। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 33 मुकदमों में से 12 मुकदमों का निपटारा किया गया।

भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचनाओं में, राजपत्र अधिसूचना **एस.ओ. 2028 (ई)** दिनांक **2 मई, 2023** डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए की नियुक्ति के बारे में; **अधिसूचना एस.ओ. 2221 (ई)** दिनांक **18 मई, 2023** सात (07) फसल प्रजातियों अर्थात सागौन, कालाजीरा, केसर, डोलिचोस बीन, पेठा, चिचंडा और आइवी गार्ड के संबंध में; अधिसूचना **एस.ओ. 1540 (ई)** दिनांक **22 मार्च, 2024** कोकम, नींबू, पुमेलो, लिलियम, चमेली, अश्वगंधा, जैतून और एंथुरियम के पंजीकण के संबंध में थी।

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 40 फसल प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाली 487 प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए परीक्षण एवं मूल्यांकन देश के 45 केंद्रों में किया गया।

प्राधिकरण ने वर्ष 2023-24 के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से अनुदान सहायत के रूप में 3852.04 लाख रुपये प्राप्त किए और पिछले वर्ष के 257.15 लाख रुपये के अव्ययित शेष के समायोजन के बाद 3322.21 लाख रुपये का उपयोग किया तथा 786.98 लाख रुपयों का शेष रहा। प्राधिकरण के वार्षिक लेखाओं की लेखापरीक्षा कराकर निर्धारित समय-सीमा के भीतर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) को प्रस्तुत की गई।

वर्ष 2023-24 के लिए प्राधिकरण के वार्षिक लेखाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अंतिम रूप प्रदान किया गया और उनकी लेखापरीक्षा कराई गई । प्राधिकरण के वार्षिक प्रतिवेदन को अधिनियम की धारा 85 के तहत अग्रेसित किया जा रहा है।

1 : परिचय

मानव और पशुओं की उत्तरजीविता के लिए पौधों की किस्में महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि ये हर समाज में घरेलू परिवारों और उद्योगों के लिए खाद्य, रेशा, चारा, वन्य और कच्ची सामग्रियों की स्रोत होती हैं। 19वीं शताब्दी के अंत में आनुवंशिकी विज्ञान की खोज से पहले, और पादप प्रजनन विज्ञान एवं तकनीकों के वैज्ञानिक आधार के उपरांत, मानव ने अपनी उत्तरजीविता व जीवन-यापन हेतु फसलों की बुवाई करना शुरु कर दिया था। किसानों ने उस पादप समष्टि व प्रजाति जिसकी वह खेती करते थे, के प्रदर्शन और उपजवर्धक कारकों का मूल्यांकन करके फसल की उत्पादकता को पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ाने के लिए पादप प्रजनन उपाए अपनाए। लाखों वर्षो से किसान समुदाय और वनवासियों ने मौजूदा विविधता को इस तरह से पोषित किया कि वे प्राकृतिक रूप से अनुकूलित एवं उपलब्ध पादप किस्मों, जैसे की स्थानिक प्रजातियों के भीतर बेहतर प्रकृति वाले और बेहतर उपज वाले पादपों का चयन कर अपने उपयोग के हिसाब से पादप उत्पादित कर सकें। आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विज्ञान के उद्भव के उपरांत, औपचारिक रूप से प्रशिक्षण प्राप्त पादप प्रजनकों ने जैव-विविधता समृद्ध क्षेत्रों में अन्वेषण करके आनुवंशिक विविधता संगृहीत की, खेती की उपयोगिता को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपकरणों व औजारों का उपयोग किया। पादप प्रजनक ही ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पादपों की विविधता का पता लगाने में अद्भुत कौशल से, विविधता के पीछे छुपी आनुवंशिकी की व्याख्या करने से और तदनुसार प्रजनन विधियों को रणनीति के रूप में अपनाने से नई और अतीत की तुलना में भिन्न-भिन्न पादप किस्मों को विकसित करने में सहायता मिलती है। अत:, किसी भी समाज में पादप प्रजनकों का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण बौद्धिक संपदा अधिकारों में से एक है, क्योंकि खाद्यन्न विकसित और विकासशील, दोनों समाजों के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। इसलिए, पादप प्रजनकों को दिए गए ये अधिकार उनके योगदान का संज्ञान लेने का एक उपाय जैसा है जिसके परिणामस्वरूप एक पारिस्थितिकी का निर्माण होता है, जो नवोन्मेष निरंतरता को बनाए रखती है। इस तरह की प्रणाली से एक ऐसी कार्यपद्धति स्थापित हो सकती है, जो जर्मप्लाज्म विषय पर कर्तव्यनिष्ठ स्टीवार्डशिप सृजित करने में, और दीर्घकालिक अनुसंधान तथा विकास को समर्थन देने में, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में पादप प्रजनन को प्रोत्साहित करने में, कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में तथा उद्योग को प्रतिस्पर्धी रूप से उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराने और किसानों को रोपण सामग्रियां उपलब्ध कराने हेतु बढ़ावा देने में अहम हो सकती है।

यद्यपि प्राचीन भारतीय इतिहास ऐसे अभिलेखों का उजागर करता है कि लोग पौधे की किस्म का नाम किसी व्यक्ति या कम्यून (संप्रदाय/समाज) या उस गांव के नाम पर रखते थे जहाँ किस्म की उत्पत्ति होती थी, मगर कानूनी दृष्टि से कृषि में प्रयुक्त पादप बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) का प्रथम औपचारिक प्रवर्तन व अंगीकरण यूएसए में "प्लांट पेटेंट अधिनियम, 1930" के रूप में किया गया, जिसे यूरोप में यूनियन इंटरनेशरनेले पाउर लॉ प्रोटेक्शन डेस ऑबटेन्शन्स वेजीटेल्स (UPOV) अथवा इंटरनेशनल यूनियन फॉर द् प्रोटेक्शन ऑफ न्यू वैरायटीज़ ऑफ प्लांट्स के रूप में सन् 1961 में लागू किया गया था। इसे भी बाद में सन् 1972, 1978 और 1991 में संशोधित किया गया था। वर्तमान में, यूपीओवी संधि से 78 सदस्य देश जुड़े हैं जिनमें यूरोपीय संघ, ओएपीआई जैसे क्षेत्रीय संघ भी शामिल हैं। भारत ने यूपीओवी संधि को अंगीकृत नहीं किया है, लेकिन वह यूपीओवी में पर्यवेक्षक की श्रेणी में सूचीबद्ध है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने वाली एक बहुपक्षीय लिखित (इंस्ट्रूमेंट) के रूप में शुल्क और व्यापार अर्थात टैरिफ ऐंड ट्रेड (GATT) पर सामान्य समझौता से पादप प्रजनकों के अधिकारों के साथ-साथ पौधों किस्म संरक्षण पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया। उरुग्वे शिखरवार्ता में शुल्क और व्यापार पर सामान्य समझौता (जी ए टी टी) पर की गई वार्ता के फलस्वरूप वर्ष 1995 में विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना हुई। विश्व व्यापार संगठन के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों (TRIPs) के व्यापार से संबंधित पहलुओं पर समझौते के अनुच्छेद 27.3 (b) में प्रावधान किया गया है कि सदस्य देश पौधा किस्मों को या तो पेटेंट के माध्यम से या एक अनोखी (sui generis) प्रणाली या इनके किसी भी संयोजन के माध्यम से संरक्षण प्रदान करेंगे।

भारत सरकार ने पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण (पीपीवीएफआर) अधिनियम को वर्ष 2001 (2001 का 53) में लागू किया था ताकि पौधों की किस्मों, किसानों और पौधा प्रजनकों के अधिकारों के संरक्षण के लिए एक अनोखी यानी sui generis प्रणाली की स्थापना की जा सके और आर्थिक महत्ता की नए पौधा किस्मों के विकास को प्रोत्साहित किया जा सके।

पीपीवीएफआर नियम दिनांक 12 सितंबर, 2003 को अधिसूचित किए गए थे और उसके बाद समय-समय पर संशोधित किए गए थे। तत्पश्चात, अधिनियम के प्रयोजनों हेतु, भारत सरकार ने इस अधिनियम की धारा 3 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 11 नवंबर, 2005 को राजपत्र अधिसूचना एस.ओ. 1588 (ई) के माध्यम से पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना की।

1.1 पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के उद्देश्य

अधिनियम के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- पौधों की किस्मों, किसानों और पौधा प्रजनकों के अधिकारों के संरक्षण के लिए एक प्रभावकारी प्रणाली स्थापित करना तथा पौधों की नई किस्मों के विकास को प्रोत्साहित करना।
- नए पौधों की किस्मों के विकास के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, सुधार और उन्हें उपलब्ध कराने में किसी भी समय पर किसानों द्वारा दिए गए योगदान के लिए उनके अधिकारों को मान्यता एवं संरक्षित करना।
- नई पौधों की किस्मों के विकास के लिए सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के लिए निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु पादप प्रजनकों के अधिकारों को संरक्षित करना।
- देश में बीज उद्योग के विकास को सुगम बनाना एवं सुविधा प्रदान करना, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों और रोपण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

1.2 अधिनियम की मुख्य विशेषताएं

पीपीवीएफआर अधिनियम उन देशों के लिए TRIPS समझौता/ के अधीन दिए गए विकल्प पर आधारित है, जो पादप प्रजनकों के अधिकारों को विधायन लागू करके एक सुइ जेनेरिस अर्थात अनोखी प्रणाली से संरक्षित नहीं करते हैं और यूपीओवी (यूनियन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ न्यू वैरायटीज़ ऑफ प्लांट्स, जिनेवा) कन्वेंशन/संधि का विकल्प नहीं चुनते हैं, अर्थात उसे लागू नहीं करते हैं। यह संधि इस दृष्टि से भी अद्वितीय है कि इसमें

उन पादप प्रजनकों, किसानों (पादप प्रजनकों के अधिकार सहित), खेतिहर समुदायों और अनुसंधानकर्ताओं (जो नई किस्मों का प्रजनन कराते हैं या जिन्होंने पूर्व में किसी किस्म का प्रजनन कराया हो और उक्त किस्म संरक्षण प्रदान किए जाने से पहले प्रचलन में व मौजूद थी) के अधिकारों को समवर्ती रूप से मान्यता दी गई है। यह अधिनियम प्रजनकों या उसके उत्तराधिकारी, एजेंट या लाइसेंसधारक को पंजीकृत किस्म की खेती करने और उसके उत्पाद को बेचने, उसका विपणन व वितरण करने, आयात या निर्यात करने के लिए अनन्य/पूर्णरूपेण अधिकार प्रदान करता है। जहाँ तक किसानों के अधिकारों का प्रश्न है, अधिनियम किसान को एक खेतिहर, संरक्षक और प्रजनक के रूप में मान्यता देता है। अधिनियम में यह प्रावधान किया गया है कि किसानों की किस्म को भी पंजीकृत किया जा सकता है। इसके अलावा, अधिनियम में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि किसी किस्म के बीज/बहुगुणन सामग्री जनता को उचित मूल्य या मात्रा में उपलब्ध नहीं हो रही है, तो वह उन्हें पंजीकृत किस्म के अनिवार्य लाइसेंस धारक से खरीद सकती है। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह या कोई भी संगठन किस्म से प्राप्त लाभ के बंटवारे के लिए दावा कर सकता है, यदि उनसे संबंधित पादप आनुवंशिक सामग्री का उपयोग किसी पंजीकृत किस्म को विकसित करने में किया जाए। अनुसंधानकर्ताओं को ऐसा अधिकार दिया गया है कि वे परीक्षण करने या अनुसंधान करने के लिए किसी भी पंजीकृत किस्म का और अन्य किस्मों को विकसित करने के उद्देश्य से किसी भी व्यक्ति की किस्म का प्रारंभिक स्रोत के रूप में उपयोग कर सकते हैं। भारत इस दृष्टि से एक पथ-प्रदर्शक देश है कि उसने किसानों के अधिकारों को परिरक्षित व सुरक्षित करने के लिए एक राष्ट्रीय कानून बनाया है। यह अधिनियम खेतिहर समुदायों के अतीत, वर्तमान और भविष्य के योगदान को भी मान्यता देता है और कृषि-जैव विविधता के संरक्षण में उनके योगदान के लिए खेतिहर समुदायों/ किसानों को पुरस्कार देने का अवसर भी प्रदान करता है।

1.3 पीपीवीएफआर प्राधिकरण

पीपीवीएफआर प्राधिकरण एक सांविधिक निकाय है जिसकी स्थापना पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 के माध्यम से भारत की संसद द्वारा की गई थी। प्राधिकरण एक कॉर्पोरेट निकाय है, जिसके पास चल और अचल संपत्तियों के अधिग्रहण, धारण और निपटान तथा करार करने की शक्ति के साथ सतत उत्तराधिकार की शक्तियां हैं। प्राधिकरण को उपरोक्त नाम से ही जाना जाएगा। प्राधिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है और राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र परिसर, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, पूसा परिसर, नई दिल्ली के परिसर में एक पट्टे पर कामकाज कर रहा है। प्राधिकरण में दिनांक 31 मार्च, 2024 (अनुबंध-I) के अनुसार एक अध्यक्ष और प्राधिकरण द्वारा नियुक्त रजिस्ट्री के साथ पंद्रह सदस्य हैं।

1.4 पौधों की किस्मों का पंजीकरण

पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने 197 फसल प्रजातियों (अनुलग्नक-VII) के पंजीकरण के लिए विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता (डीयूएस) परीक्षण दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया है। प्राधिकरण ने रिपोर्टिंग ईयर अथवा प्रतिवेदित वर्ष 2023-24 के दौरान पौधों की किस्मों (नई, विद्यमान और किसानों की किस्म श्रेणी के तहत) के पंजीकरण के संबंध में 1763 प्रमाण-पत्र (अनुलग्नक-VIII) जारी किए हैं। पौधों की किस्मों के संरक्षण की मांग करने वाले विभिन्न हितधारकों से अधिकाधिक संख्या में आवेदन प्राप्त करने हेतु, प्राधिकरण नियमित रूप से जागरुकता और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन/समर्थन करता है।

पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत देशभर में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के कार्यान्वयन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्रों का नेटवर्क भी स्थापित किया है, ताकि आवेदकों द्वारा प्रत्याशी किस्मों (यानी कंडिडेट वैरायटीज़, अर्थात कोई ऐसी किस्म जिसे किसी सरकारी एजेंसी व प्राधिकरण द्वारा किसी श्रेणी के तहत संभावित अधिसूचना के लिए एक प्रत्याशी/कैंडिडैट के रूप में वर्गीकृत/चयनित किया है) के दावों को सत्यापित किया जा सके, मैंटेनेंस ब्रीडिंग, रेफरेंस/एग्जाम्प्ल किस्मों / बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित किस्मों का बहुगुणन किया जा सके, और फसल विशिष्ट डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता) दिशानिर्देशों के अनुसार किस्मगत विशिष्टताओं के लिए डेटाबेस तैयार किया जा सके। इसके अलावा, फसल विशिष्ट केंद्रों पर प्रत्याशी किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण किए जा रहे हैं। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड किए गए डेटा इन केंद्रों द्वारा आगे के विश्लेषण के लिए प्राधिकरण को प्रस्तुत किए जाते हैं। प्राधिकरण ने भाकृअनुप के संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के परामर्श से आर्थिक महत्व वाली संभावित फसल प्रजातियों की पहचान की है और डीयूएस दिशानिर्देशों के विकास के लिए प्राधिकरण परियोजनाओं का समर्थन देता है। प्राधिकरण ने देशभर में अपना राष्ट्रीय जीन बैंक, फील्ड जीन बैंक स्थापित किया है। प्राधिकरण भारतीय पौधा किस्म जर्नल को नियमित रूप से प्रकाशित करता है और अपने मुख्यालय तथा अपने शाखा कार्यालयों में पौधा किस्मों के राष्ट्रीय रजिस्टर को कायम रखता है।

1.5 पौधों की किस्मों के संरक्षण की श्रेणियां

अधिनियम में उल्लेखित पादप प्रजनकों के अधिकारों के माध्यम से पौधे की किस्म को संरक्षण प्रदान करने की प्रक्रिया, मुख्य रूप से डीयूएस की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता-प्राप्त प्रणाली और नई किस्म की नवीनता के सिद्धांत पर आधारित है। कोई भी व्यक्ति निम्न श्रेणी में से किसी एक के पंजीकरण हेतु आवेदन कर सकता है:

- अधिनियम की धारा 29 (2) के तहत निर्दिष्ट किसी वंश (जेनरा) एवं प्रजातियों की नई किस्म।
- विद्यमान किस्म (प्रजातियों के अधिसूचित होने के बाद सीमित अवधि तक (नई और वीसीके किस्मों के मामले में), जैसा कि प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर घोषित किया जाता है)
  - बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित,
  - कॉमन नॉलेज किस्म (वीसीके),
  - किसानों की किस्म
  - किसानों द्वारा अपने खेतों में विकसित की गई और पारंपरिक रूप से खेती की जा रही किस्म
  - वन्य प्रजाति या किसी किस्म की स्थानिक प्रजाति (लैंडरेस) जिसके जिसके बारे में किसानों को सामान्य ज्ञान हो।
- मूल रूप से व्युत्पन्न किस्म (ईडीवी)

  कोई ऐसी किस्म जिसे मुख्य रूप से किसी प्रारंभिक किस्म से, अथवा किसी ऐसी किस्म से व्युत्पन्न किया गया हो जिसे भी उक्त प्रारंभिक किस्म से व्युत्पन्न किया गया हो, और उक्त किस्म के जीनप्ररूप या जीनप्ररूपों के संयोजन के मूल अभिलक्षणों एवं गुणों की विशिष्टता को धारित किया गया हो।

1.6 कृषकों के अधिकार

अधिनियम में किसानों के लिए निम्नलिखित अधिकारों का प्रावधान किया गया है जो TRIPS और विश्व व्यापार संगठन में शुमार सभी सदस्य देशों में से केवल भारत के लिए विशिष्ट हैं। इसी कारणवश भारत ने यूपीओवी अधिनियम 1991 को अंगीकृत नहीं किया है:

- **अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने का अधिकार:** यदि किसी किसान ने किसी नई किस्म का संकरीकरण किया है या उसे विकसित किया है, तब वह इस अधिनियम के तहत पादप प्रजनक के रूप में पंजीकरण और अन्य संरक्षण के लिए पात्र है।
- **बीज पर अधिकार:** कोई भी किसान इस अधिनियम के तहत संरक्षित किस्म के बीज सहित अपने कृषि उत्पाद को बचाने, उसका उपयोग करने, बुवाई करने, पुन: बुवाई करने, उसका आदान-प्रदान करने, उसे साझा करने या बेचने का हकदार है; बशर्ते कि किसान इस अधिनियम के तहत संरक्षित किस्म के ब्रांडेड बीज को बेचने का हकदार न हो।
- **पुरस्कार और मान्यता का अधिकार:** पादप आनुवंशिक संसाधनों (स्थानिक प्रजातियों और आर्थिक महत्ता के पौधों की वन्य प्रजातियों) के संरक्षण और सुधार से जुड़ा कोई भी किसान या किसानों का समुदाय पादप जीनोम संरक्षक पुरस्कार, पुरस्कार और मान्यता का हकदार है, बशर्ते कि उनके पौधे की सामग्री को इस अधिनियम के तहत पंजीकरण-योग्य किस्मों के विकास में उपयोग किया गया हो।
- **अज्ञानतावश हुए उल्लंघन के प्रति संरक्षण:** यदि किसी किसान ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 65 के अनुसार किसी अधिकार का उल्लंघन किया है, तो वह न्यायालय के समक्ष यह साबित कर सकता है कि उल्लंघन के समय पर उसे ऐसे अधिकारों के अस्तित्व के बारे में पता नहीं था; तब उक्त किसान को आरोपी नहीं माना जाएगा।
- **शुल्क में छूट:** किसी किसान या किसानों के समूह को इस अधिनियम के तहत किसी भी प्रकार के निर्णय या आदेश की प्रति प्राप्त करने, अथवा किसी भी दस्तावेज का निरीक्षण करने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क अदा नहीं करना होगा। किसानों को उन सभी प्रकार के शुल्कों या अन्य भुगतानों को अदा करने से पूरी तरह छूट प्राप्त करने का विशेषाधिकार है जिन्हें किस्म पंजीकरण के लिए; पीपीवीएफआरए द्वारा प्रदान की गई किस्मों और अन्य सेवाओं के परीक्षण के लिए; और न्यायालयों, अभिकरणों, आदि में उल्लंघन या अन्य मामलों से संबंधित कानूनी कार्यवाही के लिए सामान्य रूप से अदा किया जाता है।
- **बीजों का उचित मूल्य:** किसानों के पास यह अधिकार है कि वे पंजीकृत किस्मों के बीज उचित और लाभकारी मूल्य पर प्राप्त कर सकते हैं। जब ऐसी स्थिति नहीं होती है और इस शर्त की पूर्ति नहीं होती है, तब किस्म पर प्रजनक के अनन्य अधिकार को अनिवार्य लाइसेंसिंग से संबंधित प्रावधान के तहत निरस्त किया जा सकता है, और प्रजनक बीज के उत्पादन, वितरण और किस्म की बिक्री का लाइसेंस किसी भी सक्षम व्यक्ति को देने के लिए बाध्य है। पौधों की किस्मों के संरक्षण से संबंधित अधिकांश कानूनों में किसानों को पर्याप्त बीज आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संरक्षित किस्मों के अनिवार्य लाइसेंस देने के प्रावधान हैं।
- **किसान किस्म का प्राधिकार:** किसान किस्म से, मूल रूप से व्युत्पन्न किस्म के विकास और उसके व्यावसायीकरण के संबंध में, प्राधिकार किसान या किसानों के समूह की सहमति से दिया जाना चाहिए

जिन्होंने उक्त किस्म के संरक्षण या विकास में योगदान दिया है। इस तरह की प्रक्रिया किसानों को प्रजनकों के साथ प्राधिकार की शर्तों पर मोल-भाव करने की सुविधा प्रदान करती है, जिसमें रॉयल्टी, लाभ-साझाकरण आदि जैसे लाभ शामिल हो सकते हैं।

- **क्षतिपूर्ति अथवा मुआवज़े का अधिकार:** जब इस अधिनियम के तहत पंजीकृत किसी किस्म की बहुगुणनशील सामग्री किसी किसान को बेची जाती है, तो उक्त किस्म के प्रजनक को संबद्ध शर्तों के तहत किस्म के अपेक्षित प्रदर्शन का खुलासा करना चाहिए। यदि बहुगुणनशील सामग्री उक्त संबद्ध शर्तों के तहत अपेक्षित प्रदर्शन करने में विफल रहती है, तो किसान प्राधिकरण के समक्ष क्षतिपूर्ति व मुआवज़े का दावा कर सकता है। तदनुसार, प्राधिकरण प्रजनक को उक्त किस्म के मुद्दे के बारे में सूचित करेगा और उसे अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान करने के बाद, उसे निर्देश दे सकता है कि वह किसान को क्षतिपूर्ति का भुगतान करे, जो प्राधिकरण उचित समझे या तय करे।

प्राधिकरण की रजिस्ट्री, अधिनियम में प्रदत्त अधिकारों के अनुसार किसानों और पादप प्रजनकों के बीच समानता सुनिश्चचित करके किसानों की किस्मों के आईपीआर पंजीकरण में सुविधा प्रदान करती है, देशव्यापी प्रशिक्षण-एवं-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है, और जर्मप्लाज्म के संरक्षण में और नई किस्मों के विकास में दिए गए योगदान के लिए किसानों और किसान समुदायों की पहचान करती है।

1.7 पादप प्रजनकों के अधिकार

किसी किस्म का पंजीकरण किए जाने से, उक्त किस्म तथा उसके मूल्यवर्ग (डिनोमिनेशन) के साथ उसके उत्पादन, बिक्री, विपणन, निर्यात या आयात का विशेष अधिकार प्राप्त होता है। यह अधिकार इस बात पर आधारित है कि किसान गैर-ब्रांडेड तरीके से पंजीकृत किस्मों के बीजों का उपयोग कर सकते हैं, जो उनका अधिकार है।

प्रजनकों का अधिकार इस अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों में से एक है, जिसके भारतीय कृषि और वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में दूरगामी निहितार्थ हैं। प्रजनकों के पास अपनी किस्म के पंजीकरण के लिए आवेदन दाखिल करने और प्राधिकरण द्वारा लिए गए अंतिम निर्णय के बीच की अवधि के दौरान किसी तीसरे पक्षकार द्वारा किए गए किसी भी अनुचित कृत्य के विरूद्ध अनंतिम व अस्थायी संरक्षण का भी अधिकार है। इसी प्रकार से, अनुसंधानकर्ता के अधिकार भी हैं। किंतु, किसी नई किस्म विकसित करने के प्रयोजनार्थ, किस्म के प्रारंभिक स्रोत के रूप में, पंजीकृत किस्म के बार-बार उपयोग के लिए पंजीकृत किस्म के प्रजनक का प्राधिकार आवश्यक है।

1.8 पौधों की किस्मों का पंजीकरण

किसी पौधा किस्म और उसके मूल्यवर्ग के पंजीकरण के लिए आवेदन निम्नलिखित श्रेणियों के तहत किया जा सकता है:

- नई किस्म: पंजीकरण के लिए आवेदन दाखिल करने की तिथि के दिन, यदि किस्म का व्यवसायीकरण एक वर्ष से कम अवधि के लिए किया गया है, तो वह किस्म नई मानी जाएगी।
- विद्यमान किस्म: इसके अंतर्गत निम्नलिखित श्रेणियां हैं :

- बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित विद्यमान किस्में: बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित किस्में इस श्रेणी के तहत पंजीकरण के लिए पात्र हैं।
- किसानों की किस्म: पारंपरिक रूप से खेती की जा रही और किसानों द्वारा अपने खेतों में उगाई जा रही किस्म, जिसमें वन्य प्रजाति या स्थानिक प्रजाति या कोई ऐसी किस्म शामिल है जिसके बारे में किसानों को सामान्य ज्ञान हो।
- कॉमन नॉलेज किस्म (वीसीके): ऐसी किस्में जो बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित नहीं हैं और एक वर्ष से अधिक समय से वाणिज्यिक श्रृंखला में सम्मिलित हैं।

- मूल रूप से व्युत्पन्न किस्म: किसी प्रारंभिक किस्म से मुख्यतया व्युत्पन्न कोई किस्म जो नई या विद्यमान किस्म श्रेणी के अंतर्गत होनी चाहिए।

पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 15 (2) के तहत जारी की गई सार्वजनिक सूचना संख्या 2021 की 16 के अनुसार, वीसीके के लिए विद्यमान किस्म और अधिसूचित विद्यमान किस्मों की श्रेणी जनवरी 2021 से निम्न फसल प्रजातियों में उपलब्ध नहीं है।

1.9 किस्मों के खेत-परीक्षण (डीयूएस परीक्षण) की सीमा और प्रकृति

किस्म के पंजीकरण के लिए दावा की गई किस्म की श्रेणी के आधार पर, आवेदन पर कार्रवाई की जाती है, और तदनुसार आवेदक को डीयूएस परीक्षण, पंजीकरण और किसी भी अन्य शुल्क, जैसा आवश्यक हो, जमा करना होता है। आवश्यक शुल्क और बीज प्राप्त होने के बाद और पौधा किस्म रजिस्ट्री में आवेदन की संतोषजनक विवेचना के पश्चात, रजिस्ट्रार डीयूएस परीक्षण संचालित करने के लिए किस्म को फसल-विशिष्ट केंद्रों को भेजेगा। डीयूएस परीक्षण की अवधि इस प्रकार है:

- **नई किस्में:** दो स्थानों पर दो सदृश फसल मौसम।
- **किसानों की किस्म और वीसीके:** दो स्थानों पर एक फसल मौसम।
- **बीज अधिनियम, 1966 की धारा 5 के तहत अधिसूचित विद्यमान किस्म:** इस संबंध में कोई डीयूएस परीक्षण नहीं किया जाता है, लेकिन किस्म को एक ईवीआरसी समिति द्वारा प्रोसेस किया जाता है जो उसके पंजीकरण के लिए सिफारिश करती है।
- **ईडीवी:** इस संबंध में डीयूएस परीक्षण अनिवार्य नहीं है, लेकिन डीयूएस मानदंड प्राप्त व स्थापित करने के लिए खेत में परीक्षण किया जाता है।

डीयूएस परीक्षण के परिणाम प्राप्त होने के बाद, आवेदन को प्रोसेस किया जाता है और किस्म की विशिष्टता डीयूएस परीक्षण के माध्यम से प्राप्त की जाती है तथा डेटाबेस में शामिल किस्मों के साथ उसकी तुलना की जाती है। तत्पश्चात, किस्म के लघु व पासपोर्ट डेटा को भारतीय पौधा किस्म जर्नल में प्रकाशित किया जाता है।

आवेदन को भारतीय पौधा किस्म जर्नल में प्रकाशित किया जाता है और प्रकाशन की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर मतभेद आमंत्रित किए जाते हैं। यदि कोई मतभेज दर्ज नहीं किया जाता है, या यदि दाखिल किए गए मतभेद खारिज कर दिए जाते हैं, तब किस्म को पंजीकरण के लिए भेजा जाता है। किस्म की संरक्षण की अवधि निम्न प्रकार है:

1.9.1 विभिन्न प्रकार की फसलों में सुरक्षा अवधि

वर्तमान में, कुल 197 फसल प्रजातियां संरक्षण के लिए पात्र हैं (अनुलग्नक VII)। खेत में उगाई जाने वाली फसलों यानी फील्ड क्रॉप्स के लिए संरक्षण की कुल अवधि 15 वर्ष है, यानी पंजीकरण के समय पर 6 वर्षों की अवधि और तत्पश्चात अगले 9 वर्षों की नवीनीकरणीय अवधि। जबकि वृक्षों और वाइन्स के संबंध में संरक्षण अवधि 18 वर्ष की है, यानी पंजीकरण के समय पर 9 वर्ष की अवधि और तत्पपश्चात अगले 9 वर्षों के लिए नवीनीकरणीय अवधि। अधिसूचित की गई विद्यमान किस्मों के लिए खेतों में उगाई जाने वाली फसलों या वृक्षों एवं वाइन्स हेतु, संरक्षण अवधि बीज अधिनियम, 1966 के तहत अधिसूचना की तारीख से क्रमशः 15 या 18 वर्ष की है।

1.10 किसानों/ खेतिहर समुदायों को पुरस्कार/प्रोत्साहन

पीपीवीएफआर नियम, 2003 के नियम 70 (2) (ए) के साथ पठित अधिनियम की धारा 45 (2) में विशेष रूप से राष्ट्रीय जीन कोष से कृषि-जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किए गए क्षेत्रों में उन किसानों, किसान समुदायों, खास तौर पर आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए समर्थन और पुरस्कार देने का प्रावधान किया गया है जो आर्थिक महत्ता के पौधों और उनकी वन्य प्रजातियों के आनुवंशिक संसाधन के संरक्षण, सुधार और परिरक्षण से जुड़े हैं। इन प्रावधानों को लागू करने के लिए, प्लांट जीनोम सेवियर कम्यूनिटी अवार्ड यानी पादप जीनोम संरक्षक समुदाय पुरस्कार वर्ष 2009-10 में अधिष्ठापित किया गया था। यह पुरस्कार अधिकतम पांच किसानों को प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता सकता है। इसके साथ-साथ, दस किसानों को पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार (प्लांट जीनोम सेवियर फार्मर रिवार्ड) प्रदान किए जा सकते हैं और बीस किसानों को पादप जीनोम संरक्षक कृषक अभिज्ञान प्रमाण-पत्र (प्लांट जीनोम सेवियर फार्मर रिकॉग्निशन सार्टिफिकेट) प्रदान किए जाते हैं। प्रदान किए गए पुरस्कारों का विवरण तालिका 1 में दिया गया है। पुरस्कार-प्राप्तकर्ता का चयन विशेषज्ञों/ वैज्ञानिकों की टीम द्वारा किया जाता है जिसका प्रमुख प्रख्यात वैज्ञानिक/ विषय-विशेषज्ञ होता है।

तालिका 1 : पादप जीनोम संरक्षक पुरस्कार, प्रोत्साहन और मान्यता का विवरण

पुरस्कार	विवरण	आवेदन
पादप जीनोम संरक्षक समुदाय पुरस्कार	पांच खेतिहर समुदायों को प्रति वर्ष पुरस्कार दिए जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कार के साथ एक प्रशंसा-पत्र, एक स्मृति-चिन्ह और रु. 10 लाख का नकद होता है।	इन पुरस्कारों के लिए विज्ञापन को राष्ट्रीय समाचार-पत्रों में तथा प्राधिकरण की वेबसाइट (http://www.plantauthority.gov.in/forms.htm) पर विज्ञापित किया जाता है। इन पुरस्कारों के लिए आवेदन संबंधित पंचायत जैवविविधता प्रबंध समिति के अध्यक्ष/सचिव द्वारा या संबंधित जिला कृषि अधिकारी या राज्य कृषि विश्वविद्यालय के
पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार	दस किसानों को प्रति वर्ष पुरस्कार दिए जाते हैं।	

	प्रत्येक पुरस्कार के साथ एक प्रशंसा-पत्र, एक स्मृति-चिन्ह और रु. 1.5 लाख का नकद होता है।	अनुसंधान निदेशक या संबंधित जिले के जनजातीय विकास अधिकारी द्वारा भेजा जाना चाहिए।
पादप जीनोम संरक्षक कृषक मान्यता पुरस्कार (रिकॉग्निशन)	बीस किसानों को प्रति वर्ष पुरस्कार दिए जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कार के साथ एक प्रशंसा-पत्र, एक स्मृति-चिन्ह और रु. 1.0 लाख का नकद होता है।	

2 : पौधा किस्म रजिस्ट्री

2.1 फसल प्रजातियों के लिए डीयूएस परीक्षण संबंधी दिशानिर्देशों का प्रकाशन

वर्ष 2023-24 के दौरान, डीयूएस दिशानिर्देश आठ फसल प्रजातियों के लिए विकसित किए गए जिन्हें *भारतीय पौधा किस्म जर्नल* में प्रकाशित किया गया, जिनका विवरण तालिका 2 में दिया गया है। अब कुल 197 फसल प्रजातियां हो गई हैं जिनके लिए प्राधिकरण ने डीयूएस दिशानिर्देश विकसित किए हैं और उन्हें भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया है। इन विभिन्न फसल प्रजातियों के अंतर्गत किस्मों के लिए *पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001* के अधीन पादप किस्म संरक्षण हेतु, पंजीकरण खुले हैं। भारत के राजपत्र में इनकी अधिसूचना के लिए भारत सरकार को सलाह भेजने हेतु प्रस्ताव विचाराधीन है ताकि भविष्य में इन फसल प्रजातियों की किस्मों के पंजीकरण में सुविधा प्रदान की जा सके।

तालिका 2 : वर्ष 2024-24 के दौरान विभिन्न फसल प्रजातियों के लिए विकसित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश

क्र. सं.	फसल एवं प्रजातियां	पीवीजे प्रकाशनों का विवरण
1.	कोकम (*गार्सिनिया इंडिका* चोइसी),	वॉल्यूम -17, सं.-8 (अगस्त 2023) (प्रकाशन की तिथि: 01 जनवरी, 2023)
2.	नींबू (*सिट्रस लेमन* (एल.) बर्म. एफ.)	
3.	पमेलो (*सिट्रस मैक्सिमा* (जे. बर्म.) मेर.)	
4.	लिलियम (*लिलियम प्रजा.* (एशियेटिक, एलए, ओटी और ओरिएंटल हाइब्रिड)	वॉल्यूम 17, सं.-12 (दिसंबर 2023) (प्रकाशन की तिथि: 01 जनवरी, 2024)
5.	चमेली (*जैस्मिनम* प्रजा.)	
6.	अश्वगंधा (*विथानिया सोम्नीफेरा* (एल.)	
7.	जैतून (*ओलिया यूरोपिया* एल.)	
8.	एंथुरियम (*एंथुरियम एंड्राएनम*)	

2.2 वर्ष 2023-24 के दौरान प्राप्त किए गए आवेदनों की संख्या

वर्ष 2023-24 के दौरान, विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र तथा किसान किस्म क्षेत्रकों (सेक्टर) से पंजीकरण के लिए, कुल 235 आवेदन प्राप्त किए गए। अधिकांश आवेदन अनाजों, सब्जियों और फल फसलों से संबंधित थे (तालिका 3)।

तालिका 3क : वर्ष 2023-24 के दौरान प्राप्त किए गए आवेदनों की कुल संख्या (क्षेत्रक-वार)

श्रेणी	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	किसान
नई किस्में	17	110	-
विद्यमान अधिसूचित किस्में	14	7	-
विद्यमान वीसीके किस्में	5	50	-
विद्यमान किसानों की किस्में	-	-	28
ईडीवी	-	4	-

तालिका 3ख : वर्ष 2023-24 के दौरान प्राप्त किए गए आवेदनों की कुल संख्या (फसल समूह-वार)

स

क्र. सं.	फसल समूह	कुल
1.	नकदी फसलें	1
2.	अनाज फसलें	77
3.	रेशा फसलें	10
4.	पुष्प फसलें	6
5.	फल फसलें	21
6.	फली फसलें	10
7.	औषधीय और सुगंधीय पौधे	1
8.	तिलहन फसलें	11
9.	मसाला फसलें	2
10.	गन्ना फसलें	4
11.	वृक्ष, वन और रोपण फसलें	2
12.	सब्जी फसलें	90
	कुल योग	**235**

धान फसल के संबंध में सर्वाधिक संख्या में आवेदन (47) प्राप्त किए गए जिसके बाद मिर्च (23), भिंडी (15), खीरा (12), कद्दू (12), बाजरा (9), टमाटर (9), आदि के संबंध में प्राप्त किए गए (तालिका 4)।

तालिका 4 : प्राप्त किए गए आवेदनों की कुल संख्या (फसल-वार)

क्र. सं.	सामान्य नाम	कुल
1.	सेब	5
2.	अश्वगंधा	1
3.	बेल	3
4.	केला	1
5.	जौ	1
6.	करेला	4
7.	उड़द	2
8.	काली मिर्च	1
9.	लौकी	6
10.	गाजर	1
11.	काजू	2
12	अरंडी	2
13	काबुली चना	3
14	मिर्च	23
15	खीरा	12
16	शरीफा (कस्टर्ड एप्पल)	1
17	दुरुम गेहूं	1
18	हरी मटर (फील्ड पी)	1

19	रागी	3
20	अदरक	1
21	अंगूर	7
22	मूंगफली	1
23	अमरूद	1
24	भारतीय सरसों	5
25	कटहल	2
26	जामुन	1
27	जूट व पटसन	2
28	मक्का	7
29	गेंदा	5
30	सहजन/मोरिंगा	1
31	भिंडी	15
32	बाजरा	9
33	अरहर	4
34	आलू	7
35	कद्दू	12
36	धान	47
37	सोयाबीन	3
38	गन्ना	4
39	त्रिगुणित कपास	8
40	टमाटर	9
41	रजनीगंधा	1
42	तरबूज	1
43	गेहूं	9
	कुल	**235**

उपरोक्त 235 आवेदनों में से, 171 आवेदनों को निजी क्षेत्र द्वारा, 37 आवेदनों को सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा तथा 28 आवेदनों को किसानों द्वारा दाखिल किया गया। विद्यमान वीसीके श्रेणी के तहत, 55 आवेदन प्राप्त किए गए, नई किस्म श्रेणी के तहत 127 और किसान किस्म श्रेणी के तहत 28 आवेदनों को पंजीकरण हेतु प्राप्त किया गया।

2.3. पौधा किस्मों का पंजीकरण

वर्ष 2023-24 के दौरान, पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करके विभिन्न फसल प्रजातियों (चित्र) की 1763 किस्मों के लिए प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, जिसमें किसान किस्म श्रेणी के तहत जारी किए गए प्रमाण पत्रों की संख्या (1546) अधिकतम है, जिसके बाद नई श्रेणी (75)) और वीसीके (69) की है। इसी तरह, सबसे अधिक प्रमाण पत्र अनाज फसलों (97) के संबंध में जारी किए गए, जिसके बाद फलियों (97), तिलहनों (84), सब्जियों (67), रेशा फसलों (61), फलों (53) और मसालों (31) के संबंध में किए गए।

तालिका 5: फसल समूह-वार जारी किए गए प्रमाण पत्रों की संख्या (2023-24)

क्र.सं.	फसल समूह	जारी किए गए प्रमाणपत्रों की सं.
1.	नकदी फसलें	1
2.	अनाज फसलें	1364

3.	रेशा फसलें	61
4.	पुष्प फसलें	1
5.	फल फसलें	53
6.	फली फसलें	97
7.	औषधीय और सुगंधीय पौधे	1
8.	तिलहन फसलें	84
9.	मसाला फसलें	31
10.	गन्ना फसलें	1
11.	वृक्ष, वन और रोपण फसलें	2
12.	सब्जी फसलें	67
	कुल	**1763**

2.4 रजिस्ट्री के शाखा कार्यालयों की रिपोर्टें

2.4.1 शाखा कार्यालय, शिवमोगा

पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय शिवमोगा की स्थापना 3 मई 2017 को कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर कैंपस, केलाडी शिवप्पा नायक कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, नाविले, शिवमोगा के परिसर में की गई थी। पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय शिवमोगा में पांच राज्यों यानी कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और दो केंद्र शासित प्रदेशों अर्थात पुडुचेरी और लक्षद्वीप को कवर करता है।

डीयूएस लक्षणवर्णन

शाखा कार्यालय का नेतृत्व डॉ. ए के सिंह कर रहे हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए निम्नलिखित फसलें स्वीकार की गईं। सभी डीयूएस प्रेक्षणों (ऑब्जर्वेशन) परियोजना कर्मचारियों द्वारा उचित चरण पर 10 औचक रूप से चयनित पौधों से दर्ज किए गए।

क्र.सं.	फसलें	प्रविष्टियों की सं.	क्र.सं.	फसलें	प्रविष्टियों की सं.
1	बाजरा	24	10	फूलगोभी	15
2	ज्वार	15	11	तरबूज	04
3	भिंडी	19	12	तुरही	01
4	मिर्च	40	13	गेंदा	04
5	बैंगन	07	14	सूरजमुखी	08
6	टमाटर	35	15	अरंडी	06
7	खीरा	10	16	सरसों	10
8	करेला	12	17	धान	55
9	लौकी	04	18	कपास	52

पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पंजीकरण के लिए प्राप्त आवेदन

पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय शिवमोगा में विभिन्न श्रेणियों के तहत मटर, धान, काली मिर्च, तरबूज, रागी, टमाटर और मिर्च फसलों के लिए बीज के साथ दस आवेदन प्राप्त हुए। प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए नई दिल्ली स्थित प्लांट वैरायटीज रजिस्ट्री के प्रधान कार्यालय को भेज दिया गया।

दौरे, सहभागिता और विस्तार गतिविधियाँ

- पीपीवीएफआरए के शिवमोगा शाखा कार्यालय के प्रभारी और पौधा किस्म परीक्षक डॉ. अजय कुमार सिंह ने *ट्रिटिकम ड्यूरम* और *ट्रिटिकम डाइकोकम* की डीयूएस निगरानी हेतु 15.03.2024 को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ का दौरा किया।
- पीपीवीएफआर, अधिनियम, 2001 के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए एमएसएसआरएफ, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा 6 अगस्त से 8 अगस्त, 2023 तक आयोजित खाद्य, पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए शक्तिशाली श्रीअन्नों (मौटा अनाज/मिलेट) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- पीपीवीएफआर, अधिनियम, 2001 पर बी.एससी. कृषि, RAWE छात्रों के साथ 20 फरवरी, 2024 को बातचीत की गई। पीजीएससी पुरस्कार विजेताओं की सुविधा के लिए एमएसएसआरएफ, वायनाड, केरल द्वारा 1-2 मार्च, 2024 के दौरान आयोजित SEED FEST-2024 और सेमिनार में भाग लिया।
- दक्षिणी क्षेत्र (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, तमिलनाडु और तेलंगाना) के विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशक (अनुसंधान) और निदेशक (विस्तार) से संपर्क किया गया, ताकि पादप प्रजनकों और किसानों से नई/विद्यमान/अधिसूचित और किसान किस्मों में पादप किस्म पंजीकरण के लिए आवेदन दाखिल करने में सुविधा प्रदान की जा सके।





ई. प्रकाशन:

1. स्थानीय भाषा (कन्नड़) में **"पौधा किस्मों और कृषक अधिकारों का संरक्षण"** शीर्षक पर एक तकनीकी फ़ोल्डर का प्रकाशन किया गया।

2. किसानों को पुरस्कार देने के लिए आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय समाचार पत्र में पादप जीनोम संरक्षक पुरस्कार के बारे में विज्ञापन दिया।

2.4.2. शाखा कार्यालय, गुवाहाटी

पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय रांची एएयू, खानापारा परिसर, खानापारा जोरहाट, गुवाहाटी, असम के परिसर में स्थित है, जिसका प्रांतीय अधिकार क्षेत्र मई, 2011 से कार्यरत है।

शाखा कार्यालय का अधिदेश पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 से संबंधित ज्ञान के प्रसार के लिए अधिकार क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों/ कृषि विश्वविद्यालयों/ कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके)/ विभागों/ संगठनों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम/ बैठकों/ सेमिनारों/ कार्यशालाओं आदि में भाग लेने के लिए प्राधिकरण की शाखाओं के रूप में कार्य करना है।

- **पंजीकरण प्रक्रिया:** प्रतिवेदित अवधि के दौरान शाखा कार्यालय गुवाहाटी ने निम्नलिखित उपलब्धियां प्राप्त की हैं:
  - **किसानों, नई और विद्यमान किस्मों के लिए आवेदन:** प्रतिवेदित अवधि के दौरान शाखा कार्यालय गुवाहाटी को एसएयू/ सीएयू/ भाकृअनुप/सीएसआईआर में डीयूएस परीक्षण के लिए किसान किस्मों के कई आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। उक्त विद्यमान और किसान किस्मों के लिए आवेदन सभी दिशा-निर्देशों के साथ आगे की प्रक्रिया के लिए मुख्यालय को प्रस्तुत किए गए।

- **बीज के नमूने:** शाखा कार्यालय गुवाहाटी ने विभिन्न फसलों के बीज नमूने प्राप्त करने के लिए भी प्रयास किए, जिनके लिए पूर्व में डीयूएस के लिए आवेदन किया गया था।
- **कृषि और वाणिज्यिक (ए एंड सी) सूचना / गुणधर्मों को एकत्र करना:** प्रतिवेदित अवधि के दौरान शाखा कार्यालय गुवाहाटी ने संबंधित केवीके/किसानों से (ए एंड सी) सूचना/ गुणधर्मों को भी एकत्र किया गया और मुख्यालय की मांग के अनुसार आगे की प्रक्रिया के लिए मुख्य कार्यालय को प्रस्तुत किया।
- **पादप जीनोम संरक्षक किसान पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित करना:** प्रतिवेदित अवधि के दौरान शाखा कार्यालय गुवाहाटी ने अपने अधिकार क्षेत्र में संस्थानों / केवीके / संगठनों / किसानों को वर्ष 2022-23 के लिए विभिन्न पादप जीनोम संरक्षक पुरस्कारों के लिए आवेदन भेजने / प्राप्त करने की अंतिम विस्तारित तिथि यानी 30.09.2023 को सूचित किया।
- **शुल्क और अन्य दस्तावेजों को जमा करने के लिए समन्वय:** शाखा कार्यालय गुवाहाटी ने संस्थानों/ संगठनों से विभिन्न शुल्कों यानी वार्षिक शुल्क, नवीनीकरण शुल्क और डीयूएस शुल्क आदि जमा करने का भी प्रयास किया।

- **उप पंजीयक की पीपीवी और एफआरए शाखा कार्यालय, गुवाहाटी के क्षेत्रों में आयोजित सेमिनार/ कार्यशाला/ किसान गोष्ठी आदि में सहभागिता:-**

माननीय अध्यक्ष और उप पंजीयक /प्रभारी प्रशासन, पीपीवीएफआरए ने एएयू; जोरहाट असम और अन्य में जागरुकता कार्यक्रमों में भाग लिया। उप पंजीयक ने 22 नवंबर 2023 को शाखा कार्यालय का दौरा किया।

विविध: - शाखा कार्यालय ने पंजीकरण के लिए संगठन/ केवीके/ किसानों आदि से किसान किस्मों और अन्य के लिए आवेदन प्राप्त करने का भी प्रयास किया।

2.4.3. शाखा कार्यालय, रांची

पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय रांची, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, रांची झारखंड के कंप्यूटर सेंटर भवन के परिसर में स्थित है, जिसका प्रातीय अधिकार क्षेत्र मई, 2011 से कार्यरत है।

शाखा कार्यालय प्राधिकरण के शाखा कार्यालय के रूप में कार्य करता है और पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 से संबंधित ज्ञान के प्रसार के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों / कृषि विश्वविद्यालयों / कृषि विज्ञान केंद्रों / विभागों / संगठनों / एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम / बैठकों / सेमिनारों / कार्यशालाओं आदि में भाग लेता है, जिसमें विभिन्न पुरस्कार और अभिज्ञान, किसानों और अन्य किस्मों के पंजीकरण को लोकप्रिय और प्रोत्साहित करना शामिल है।

- **पंजीकरण प्रक्रिया:** प्रतिवेदित अवधि के दौरान शाखा कार्यालय रांची ने निम्नलिखित उपलब्धियां हासिल की हैं:

- **किसानों, नई और विद्यमान किस्मों के लिए आवेदन:** प्रतिवेदित अवधि के दौरान शाखा कार्यालय रांची को किसानों और अन्य किस्मों के लिए विभिन्न **आवेदन** प्राप्त हुए हैं, जिसमें, लोबिया की स्वर्ण मुकुट की **01 (एक)** विद्यमान किस्म का आवेदन प्राप्त हुआ। इसके अलावा, विभिन्न फसलों के **20 (बीस)** एफ.वी. आवेदन, पीसी, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) डुनका (11) और पीसी, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) जामताड़ा, झारखंड (09) के माध्यम से भेजे गए थे।

- **बीजों के नमूने:** डीयूएस परीक्षण के लिए विभिन्न फसलों के **22 (बाईस)** बीज नमूने प्राप्त किए गए।

- **कृषि और वाणिज्यिक (ए एंड सी) सूचना / गुणधर्मों को इकट्ठा करना:** प्रतिवेदित अवधि के दौरान शाखा कार्यालय रांची ने संबंधित केवीके / किसानों से (ए एंड सी) सूचना/गुणधर्म भी एकत्र किए और आगे की प्रक्रिया के लिए मुख्यालय को प्रस्तुत किए।

- **पादप जीनोम संरक्षक किसान पुरस्कार आवेदन आमंत्रित करना:** प्रतिवेदित अवधि के दौरान शाखा कार्यालय रांची ने अपने अधिकार क्षेत्र में सभी संस्थानों / केवीके / संगठनों / किसानों को वर्ष 2022-23 के लिए विभिन्न पादप जीनोम संरक्षक पुरस्कारों

के लिए आवेदन भेजने / प्राप्त करने की अंतिम विस्तारित तिथि यानी 30.09.2023 सूचित की। भिन्न पुरस्कार, और अभिज्ञान (रिकॉग्निशन) के लिए 04 आवेदन प्रधान कार्यालय को भेजे गए।

- **शुल्क और अन्य दस्तावेज जमा करने के लिए समन्वय:** शाखा कार्यालय रांची ने संस्थानों / संगठनों से विभिन्न शुल्कों यानी वार्षिक शुल्क, नवीनीकरण शुल्क और डीयूएस शुल्क आदि जमा करने का भी प्रयास किया।

- **पीपीवी एंड एफआरए शाखा कार्यालय, रांची के प्रातों में आयोजित सेमिनारों/ कार्यशाला/ किसान गोष्ठी आदि में उप पंजीयक की सहभागिता**

पीपीवी एंड एफआर अधिनियम, 2001 पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड में 31 जुलाई, 2023 को प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन और पीपीवीएफआरए, शाखा कार्यालय रांची का दौरा

पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के विभिन्न प्रावधानों पर 31 जुलाई, 2023 को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), रांची में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. टी. महापात्रा, माननीय अध्यक्ष, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में श्री यू. के. दुबे, उप पंजीयक और प्रभारी प्रशासन, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ इस अवसर पर उपस्थित थे। किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, छात्रों तथा अन्य हितधाकरकों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति ने की, जब भाकृअनुप-आईआईएबी, झारखंड के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित; भाकृअनुप-आईएआरआई, हजारीबाग के ओएसडी डॉ. विशाल नाथ; भाकृअनुप-आरसीईआर, प्लांडू, रांची के प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. ए. के. सिंह; पीपीवी और एफआरए के उप पंजीयक श्री उमाकांत दुबे; बिरसा के डीएसएफ डॉ. एस. करमाकर; विश्वविद्यालय के डीन और निदेशक, संकाय-सदस्य, कर्मचारी एवं छात्र और विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक और झारखंड के पड़ोसी राज्यों के किसान उपस्थित थे।






डॉ. टी. महापात्रा, माननीय अध्यक्ष, और श्री यू. के. दुबे उप पंजीयक एवं प्रभारी प्रशासन, 31 दिसंबर 2023 को रांची पहुंचे। उन्होंने 01.01.2024 को आयोजित किसान मेले में भाग लिया।

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम 5.03.2024 को शिल्पग्राम सभागार देवघर में आयोजित किया गया।

पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने झारखंड के शिल्पग्राम सभागार देवघर में भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोन-IV, पटना, बिहार के साथ पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के विभिन्न प्रावधानों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया और कार्यक्रम का समन्वय केवीके, देवघर ने किया।

डॉ. टी. महापात्रा, माननीय अध्यक्ष, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 और इसके विभिन्न प्रावधानों पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की और डॉ. एस. सी. दुबे, कुलपति, बीएयू, रांची ने सह-अध्यक्षता की। इस अवसर पर पीपीवीएफआर प्राधिकरण और अन्य संस्थानों के निम्नलिखित कर्मचारी भी उपस्थित थे;

1. डॉ. निशिकांत दुबे, माननीय सांसद, गोड्डा लोकसभा।
2. डॉ. अंजनी कुमार, निदेशक, अटारी जोन-IV, पटना।
3. डॉ. डी. के. अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली।
4. श्री यू. के. दुबे, उप पंजीयक, पीपीवीएफआर, नई दिल्ली।
5. डॉ. रवि प्रकाश, सलाहकार (तकनीकी), पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली।

कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और केवीके द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की पारंपरिक किस्मों की जीवित सामग्री और बीजों को प्रदर्शित करके विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने भी प्रदर्शनी में भाग लिया और अपना एक स्टॉल लगाया जहां उसने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की गतिविधियों/प्रावधानों पर पोस्टर प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी में बिहार और झारखंड राज्य के पीजीएससी पुरस्कार विजेता किसानों और कृषक समुदाय के जीवित पौधे और बीज के नमूने प्रदर्शित किए गए।

2.4.4. शाखा कार्यालय, पुणे

शाखा कार्यालय, पुणे द्वारा प्रस्तुत किस्मों का विवरण:

श्रेणी	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	किसान
नई किस्में	01	01	--
विद्यमान अधिसूचित किस्में	06	--	--
विद्यमान वीसीके किस्में	--	--	--
विद्यमान किसानों की किस्में	--	--	05

प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव की फसल-वार सूची

क्र.सं.	फसल का नाम	प्रस्तुत प्रस्ताव
1	रजनीगंधा	01
2	मक्का हाइब्रिड	01
3	गेहूं	02
4	अरहर	02
5	लोबिया	01
6	शरीफा	04
7	ड्रमस्टिक (सहजन)	01
8	काबूली चना	01

2.4.5. शाखा कार्यालय, पालमपुर

प्रस्तुत की गई नई मूंग किस्म (JAUM0936)

पालमपुर में पीपीवी एवं एफआरए शाखा कार्यालय ने पौध किस्म संरक्षण (PVP) पंजीकरण के लिए पीपीवीएफआरए को आवेदन संख्या PL-0708230001 के तहत 7 जुलाई, 2023 को एक नई मूंग किस्म (JAUM0936) प्रस्तुत की।

अनुसंधान निदेशकों के साथ संचार

22 दिसंबर, 2023 को, पीपीवी एवं एफआर अधिनियम के तहत विद्यमान और किसानों की किस्मों के पंजीकरण के संबंध में CSKHPKV पालमपुर, PAU पंजाब, GBPUAT उत्तराखंड, SKUAST जम्मू और कश्मीर और चंडीगढ़ सहित विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के सभी अनुसंधान निदेशकों को पत्र भेजे गए।

किसानों के लिए प्रशिक्षण सत्र

केवीके कांगड़ा और सीएसकेएचपीकेवी पालमपुर के सहयोग से चार प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए:

- 12 और 15 जुलाई 2023: इसे केवीके कांगड़ा में आयोजित किया गया जिसमें कुल 170 किसानों ने भाग लिया।

- अनुसंधान निदेशालय, सीएसकेएचपीकेवी पालमपुर में दो अतिरिक्त सत्र आयोजित किए गए जिनमें 100 किसान उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में किसानों को पीपीवी और एफआर अधिनियम, 2001, विशेष रूप से अधिनियम के तहत उनके अधिकारों और किसानों की किस्मों को पंजीकृत करने की प्रक्रिया के बारे में शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। किसानों के लिए उपलब्ध विभिन्न पुरस्कारों और अभिज्ञानों के बारे में जानकारी के साथ प्रशिक्षण में विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता (डीयूएस) के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया।

3: डीयूएस परीक्षण केंद्र

3.1 सरकारी स्वामित्व वाली राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली में पीपीवीएफआर अधिनियम 2001 की धारा 19 और पीपीवीएफआर नियम, 2003 के नियम 29 (7) के तहत स्थापित डीयूएस परीक्षण केंद्र

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, 40 फसल प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाली 487 प्रत्याशी किस्मों अर्थात कंडिडेट वैरायटीज का डीयूएस लक्षण वर्णन और मूल्यांकन के लिए परीक्षण देश के 45 केंद्रों पर किया गया। ये केंद्र भाकृअनुप, सीएसआईआर, एसएयू या सीएयू सहित केंद्र सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्व वाली कृषि अनुसंधान प्रणालियों के तहत सबसे उपयुक्त स्थानों पर स्थापित किए गए हैं। संस्थान के प्रमुख द्वारा प्रत्येक केंद्र में नामित प्रधान अन्वेषक के नियंत्रण में आवश्यकतानुसार समर्पित अनुसंधान कर्मचारी और सहायता प्रदान की गई ताकि अधिनियम के तहत प्राधिकरण की मंजूरी के साथ परियोजना मोड मेंआवश्यक परीक्षण और मूल्यांकन प्रक्रियाओं का संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

3.1.1 धान फसल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र:

भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

खरीफ 2023 में डीयूएस परीक्षण के लिए कुल 131 परीक्षण वंशावलियां (एंट्री) भेजी गईं। इनमें से 69 परीक्षण के पहले वर्ष में और 62 परीक्षण के दूसरे वर्ष में भेजी गई थीं। पहले वर्ष में 48 विशिष्ट किस्मों, 12 प्रत्याशी हाइब्रिड (कंडिडेट हाइब्रिड), 3 ईडीवी एवं 3 आईवी और 3 किसान किस्मों का मूल्यांकन किया गया। परीक्षण के दूसरे वर्ष के दौरान भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में खरीफ 2023-24 के दिशानिर्देशों के अनुसार विशिष्ट किस्मों (13)और 23 हाइब्रिडों का मूल्यांकन एवम उनका डीयूएस विवर्णकों के अनुसार लक्षणवर्णित किया गया। रबी मौसम के दौरान बहुगुणन के लिए कुल 125 संदर्भ संग्रह किस्मों (आरसीवी) को उगाया गया। बुवाई 14.7.2023 (दूसरे वर्ष) और 17.7.2023 (पहले वर्ष) को की गई। बाद में, 24.8.2023 और 26.8.2023 को मुख्य खेत में लगभग 30 दिन पुराने पौधों को रोपा गया। देरी से रोपाई का कारण आईआईआरआर फार्म, इक्रीसेट परिसर में श्रमिकों की भारी कमी थी।



2023-24 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

फसलें	नई		निगरानी तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां	
धान	69	62	09/12/23

प्रविष्टियों में समूहीकरण वर्णलक्षण (तने की लंबाई, छिलका रहित दाने की लंबाई, बेसल पत्ती के आच्छद का रंग, दाना की प्रकृति, दाने का रंग, एमिलोज की मात्रा और दाने की सुगंध) अधिकतर एक समान थे।

निगरानी टीम की मुख्य टिप्पणियाँ:

- डीयूएस परीक्षणों (खरीफ 2023) की निगरानी पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली द्वारा 9 दिसंबर, 2023 को वर्चुअल/आभारी मोड में की गई। आईआईआरआर, हैदराबाद में डीयूएस परीक्षण की कुछ अप्रत्याशित स्थिति के कारण निगरानी में देरी हुई।
- निगरानी टीम में डॉ. जे. अरविंद कुमार, प्रधान वैज्ञानिक/नोडल अधिकारी, श्री दीपाल रॉय चौधरी, संयुक्त पंजीयक, पीपीवी और एफआरए, डॉ. राकेश सेठ, प्रधान वैज्ञानिक एव प्रमुख, भाकृअनुप-भाकृअसं और पीपीवी और एफआरए के अन्य कर्मी शामिल थे।
- सामान्य तौर पर, टीम ने महसूस किया कि परीक्षणों का समग्र प्रबंधन अच्छा था। खेत अच्छी तरह से संरक्षित किया गया था और खरपतवार मुक्त था।

- टीम ने राय दी कि अनाज की विशेषताओं को डीयूएस दिशा-निर्देशों में यथा विनिर्दिष्ट अनुसार दर्ज किया जाना चाहिए और यदि उनमें कोई विचलन है तो उसे तदानुसार दर्ज किया जाना चाहिए।
- टीम ने आवेदक द्वारा दावा किए गए लक्षणों व गुणों तथा परियोजना कर्मचारियों द्वारा दर्ज किए गए डाटा की गंभीरता से जांच की और डीयूएस परीक्षणों के संचालन के बारे में अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक

डीयूएस परीक्षण के लिए खरीफ 2023 मौसम में परीक्षण किया गया, जिसके कई अद्वितीय परिणाम सामने आए। प्राधिकरण के उचित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए फसल के उचित विकास चरण पर रूपात्मक से लेकर जैव रासायनिक विश्लेषण तक सभी डेटा दर्ज किए गए। सभी वंशावलियां (एंट्री) गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों के आधार पर काफी भिन्न पाई गईं। उक्त डेटा को उचित प्रारूप में कम्प्यूटरीकृत किया गया और पीपीवी और एफआरए को भेजा गया।

फसलें	नई		वीसीके	एफवी	अधिसूचित किस्में	निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां				
धान	25	31	**शून्य**	1	96	18.10.2023

154 (प्रथम वर्ष परीक्षण के लिए 25 प्रत्याशी, द्वितीय वर्ष परीक्षण के लिए 31 प्रत्याशी, 1 एफ.वी. तथा प्रथम वर्ष परीक्षण के लिए 97 अधिसूचित किस्मों) धान किस्मों का एक सेट पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली से 5 जून, 2023 को प्राप्त हुआ। बीज पैकेट प्राप्त होने के एक सप्ताह (13.06.2023) के बाद अंकुरण परीक्षण के परिणामों का अवलोकन किया गया। प्रथम वर्ष परीक्षण से एक अधिसूचित किस्म अर्थात् सी.ओ. 53 अंकुरित नहीं हुई। संदर्भ और मानक-किस्मों/चेक्स (स्थानीय और क्षेत्रीय) के साथ सभी वंशावलियों को 8 जून 2023 को नर्सरी में बोया गया और मानक अनुशंसित डी.यू.एस. परीक्षण दिशानिर्देश के अनुसार तीन प्रतिकृतियों में यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन के साथ 11 जुलाई 2023, 12.07.2023, 19.07.2023 और 20.07.2023 को प्रत्यारोपित किया गया। बुवाई के 5 दिनों के बाद कोलोप्टाइल का रंग दर्ज किया गया। फसल में पुष्पण अगस्त-अक्टूबर के महीने में हुआ। फसल के उपयुक्त विकास चरण में आकारिकीय से लेकर जैव रासायनिक विश्लेषण तक सभी डेटा (मात्रात्मक और गुणात्मक) दर्ज किए गए। अपेक्षित गुणों व लक्षणों पर खरा उतरने वाले प्रत्याशियों के विपरीत कुल 135 संदर्भ किस्मों, 10 स्थानीय मानक-किस्मों और 10 क्षेत्रीय मानक-किस्मों का इस्तेमाल किया गया। संपूर्ण डेटा को प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए उचित प्रारूप में दर्ज किया गया और 19 अप्रैल, 2024 को पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली को भेजा गया।

56 प्रत्याशियों में से, केवल एक वंशावली (22RE3) में बैंगनी कोलोप्टाइल पाया गया। कई किस्मों यथा, 23RI273111H, 2890/2071, 23RICG222, 23RICR0605, 22REH4 और 22RV13 में प्रगाढ़ रोमिलता पाई गई। वंशावली 22REH7 में नगण्य/खराब पत्ती रोमिलता पाई गई। वंशावली 2889/2137/H, 2890/2076, 23RIIR6417, 22R2H, 22RV1, 23RIB11001, 23RIB11702, 22RE2, 22RV11 (अर्ध-लंबवत) को छोड़कर, सभी वंशावलियों में सीधा तना था। वंशावली 23RIRR6701H, 2890/2076, 23RIC218, 23RICR0220, 2890/2073, 22RE2, 22RV11, 22RE8, 23RIBI1001, 23RICH404, 22 R2 H में तने की लंबाई सबसे कम थी। केवल वंशावली 22RE3 में कील/keel में लेम्मा एंथोसायनिन रंग और ऐपेक्स के नीचे लेम्मा एंथोसायनिन रंग गहरा पाया गया। कुछेक वंशावलियों यानी 2889/2162/H, 23RITM8602H, 22RV13 में मुख्य अक्ष की अधिकतम पुष्पगुच्छ लंबाई पाई गई। वंशावली 22RE6, 23RICH404, 23RIPA0206H, 23RITM0807H में प्रति पौधे अधिकतम पुष्पगुच्छ संख्या थी। प्रत्याशी किस्मों में से केवल 23RITM0807H, 23RIRR6701H, 2883/2671, 22REH3, 23RIB11702 में ब्लेड के पत्ती के फ्लैग का संव्यवहार पछेती प्रेक्षण में क्षैतिज था। वंशावली 23RICGOG19, 23RICR0605, 22RV1 में शूक/awn थीं। वंशावली 2883/2671, 22RE3 और 22REH3 में क्रमशः गहरे भूरे और गहरे बैंगनी रंग के छिलका रहित दाने थे। केवल वंशावली 22RE3, 22 RE H3 में बैंगनी लेम्मा पेलिया रंग पाया गया। वंशावली 23RIIR6417, 22 RE 8, 22REH4 किस्मों में सुनहरी और गोल्ड फ़रो लेम्मा एवं पीला रंग पाया गया। इन वंशावलियों में से, वंशावली 2890/2073, 23RIRR6701H और 2883/2671 में शाखाओं के पुष्पगुच्छ का संव्यवहार अर्द्ध-लंबवत एवं फैलाव वाला था। वंशावली 22RV5 में आंशिक और अधिकतर बाह्य पुष्पगुच्छ था। सभी वंशावलियों में



से, वंशावली 22RV13 (32 ग्रा.) में 1000 दानों का वजन अधिकतम पाया गया, जबकि वंशावली 2890/2073 और 2890/2076 में 1000 दानों का वजन (10 ग्रा.) बहुत कम पाया गया। वंशावली 23RIIMAR21 और 22RE8 को छोड़कर, सभी वंशावलियों के दानों में फिनोल प्रतिक्रिया मौजूद थी। दाने की अधिकतम और न्यूनतम लंबाई क्रमशः वंशावली 23RIRR0702H (11.23 मि.मी.), 2889/2137/H (11.14 मि.मी.) और 22REH4 (6.98 मि.मी.) में पाई गई। दाने की अधिकतम और न्यूनतम चौड़ाई क्रमशः 22RV8 (3.08 मि.मी.) और 2890/2076 (1.68 मि.मी.) में पाई गई। वंशावली 23RITM0807H (8.77 मि.मी.) और 22RE6 (7.92 मि.मी.) में छिल्का रहित दाने की लंबाई सबसे अधिक थी। वंशावली 2883/267 (2.69 मि.मी.) और 22RV8 (2.66 मि.मी.) में छिलका रहित दाना सबसे अधिक चौड़ा था। वंशावली 2890/2076, 2890/2074 और 23RIIMAR21 में छिलका रहित दाना कम लंबा था। वंशावली 2889/2136/H, 2889/2137/H, 23RITM0807H, 23RIRR0702H में छिलका रहित दाना अतिरिक्त लंबा-पतला पाया गया। वंशावली 22RE3, 22REH3 में छिलका रहित दानों का रंग गहरा बैंगनी था। वंशावली 2890/2071 (32.175) और 23RICGOG19 (10.125) में एमाइलेज क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम मात्रा में पाया गया। वंशावली 2889/2137/H, 23RITM0807, 23RIRR0702H, 23RIIMAR21, 22RE3, 23RICH404, 23RIBR7506, 22REH3 में सुगंध थी। 56 वंशावलियों में से, प्रथम वर्ष की 25 प्रत्याशी किस्मों, द्वितीय वर्ष की 26 प्रत्याशी किस्मों तथा एक किसान किस्मो के सभी डी.यू.एस. लक्षणों के संबंध में एकरूपता पायी गयी। अधिकांश किस्मों में तने की लंबाई, पुष्पगुच्छ की लंबाई, प्रति पादप पुष्पगुच्छ संख्या, पत्ती की चौड़ाई, पत्ती की लंबाई, दाने की लंबाई, छिलका रहित दाने की लंबाई, छिला रहित दाने की चौड़ाई में भिन्नता पाई गई। कई वंशावलियां दो या तीन मात्रात्मक लक्षणों के आधार पर असमान पाई गईं। पी.पी.वी.एफ.आर.ए. द्वारा केन्द्रो की ऑनलाइन निगरानी की गई।

पीपीवी और एफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन:

पीपीवी और एफआर अधिनियम, 2001 पर दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला और कृषि-जैव विविधता पर प्रदर्शनी भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में 11-12 मई, 2023 के दौरान आयोजित की गई। ओडिशा के विभिन्न जिलों के लगभग 80 किसानों; भाकृअनुप-एनआरआरआई, भाकृअनुप-सीटीसीआरआई क्षेत्रीय केंद्र, भाकृअनुप-सीएचईएस, ओयूएटी, ओडिशा मिलेट मिशन के वैज्ञानिकों और वासन एवं एमएसएसआरएफ जैसे सिविल सोसायटी संगठनों के प्रतिनिधियों; कावेरी सीड्स; बंगाल बीज उद्योग; भारत नर्सरी; देबागिरी सीड्स; सेंचुरियन विश्वविद्यालय; एग्रीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया। 11 मई को उद्घाटन सत्र के दौरान, पद्मश्री सुश्री साबरमती जी मुख्य अतिथि थीं; श्री नटबर सारंगी, किसान एवं संरक्षक पारंपरिक किस्मों, मुख्य अतिथि थे। डॉ. बी. सी. पात्रा, अधिकारी प्रभारी आईटीएमयू द्वारा कार्यशाला के बारे में परिचय देने और डॉ. एम. जे. बेग, निदेशक (ए), भाकृअनुप-एनआरआरआई, कटक द्वारा संक्षिप्त टिप्पणियां देने के बाद, पद्मश्री सुश्री साबरमतीजी ने किसानों द्वारा पारंपरिक किस्मों के संरक्षण के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने आंकड़ों के साथ "देसी से बेसी" की अवधारणा पर प्रकाश डाला, यानी किसान पारंपरिक किस्मों की खेती करके बेहतर लाभ कमा सकते हैं क्योंकि इसमें कम निविष्टियों की आवश्यकता होती है, लेकिन यह बेहतर पोषण और दबाव से सहिष्णुता प्रदान करती है। श्री नटबर सारंगी, किसान एवं संरक्षक पारंपरिक किस्मों, ने नियाली में राजेंद्र पारंपरिक किस्म अनुसंधान केंद्र नामक पहल के बारे में चर्चा की, जहाँ विभिन्न राज्यों से एकत्रित लगभग सात सौ लुप्तप्राय, पारंपरिक धान की भू-प्रजाति का संरक्षण किया जा रहा है।



डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवी एवं एफआरए और कार्यशाला के मुख्य अतिथि ने पीपीवी एवं एफआरए अधिनियम, 2001 की पृष्ठभूमि; किसानों और समुदायों द्वारा पारंपरिक किस्मों के आईपी संरक्षण का महत्व तथा किसानों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है; 2002 से भाकृअनुप-एनआरआरआई में डीयूएस केंद्र, किसानों के अधिकार और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण फसलों की स्थानिक प्रजातियों और स्वदेशी किस्मों के संरक्षक किसानों के लिए पीजीएससी पुरस्कार के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 775 पारंपरिक धान किस्में पंजीकृत हो चुकी हैं, फिर भी, किसान-अनुसंधान संस्थानों और राज्य विभाग को मोटे अनाजों, सब्जियों, कंद फसलों, फलियों और तिलहनों (जहां ओडिशा में जैव विविधता प्रचुर मात्रा में है) में किसानों की किस्मों के प्रलेखन, सूचिबद्ध (कैटलागिंग) और पंजीकरण के लिए एक साथ काम करना चाहिए । डॉ महापात्र ने बताया कि राष्ट्रीय जीन फंड में पारंपरिक किस्मों के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण का समर्थन करने के प्रावधान हैं और उनके नेतृत्व में प्राधिकरण इसे किसानों तक ले जाने के लिए उचित



पहल करेगा। अनाजों, मोटे अनाजों, तिलहनों, दलहनों, फलों, औषधीय और सुगंधित पौधे और उनके मूल्यवर्धित उत्पादों में विविधता को प्रदर्शित करने के लिए भाकृअनुप-एनआरआरआई; एमएसएसआरएफ, जेयपोर; ओडिशा मिलेट्स मिशन; ओयूएटी, भुवनेश्वर; भाकृअनुप-सीएचईएस; भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, क्षेत्रीय केंद्र, भुवनेश्वर द्वारा एक जैव विविधता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। भाग लेने आए किसानों ने संसाधन व्यक्तियों के साथ बड़े ही उत्साह के साथ बातचीत की और उनसें महत्वपूर्ण किस्मों, कृषि विधियों, पोषण लाभों एवं मूल्यवर्धन के बारे में जानकारी प्राप्त की।

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (क्षेत्रीय केंद्र), करनाल

2023-24 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण :

सोलह प्रत्याशी वंशावलियां (सीवी/विशिष्ट किस्में) पहले वर्ष के परीक्षण के अधीन थीं और तीन प्रत्याशी किस्में (सीवी) (2223-5, 2223-6 और 2223-7) खरीफ 2023 के दौरान भाकृअसं, आरएस, करनाल में दूसरे वर्ष के परीक्षण के अधीन थीं। खरीफ 2023 के दौरान तीन ईडीवी किस्में (2889/2146/ईडीवी, 2889/2147/ईडीवी, 2889/2148/ईडीवी) और तीन आईवी किस्में

फसल	नई		ईडीवी	आईवी	एफवी	निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	प्रथम वर्ष की वंशावलियां		
धान	16	03	03	03	3 (प्रथम वर्ष) + 4 (II वर्ष)	19.10.2023

(2889/2146/IV, 2889/2147/IV, 2889/2148/IV) पहले वर्ष के परीक्षण के अधीन थीं। डीयूएस डेटा को उचित प्रारूप में सारणीबद्ध किया गया और पीपीवी और एफआरए को भेजा गया। खरीफ 2023 के दौरान 3 एफवी पहले वर्ष के परीक्षण के अधीन थीं और 4 एफवी दूसरे वर्ष के परीक्षण के अधीन थीं। इसके अलावा, 64 अधिसूचित किस्में परीक्षण के अधीन थीं और 11 संदर्भ किस्में (आरवी) खरीफ 2023 के दौरान अनुरक्षित की गईं। यह ध्यान देने की बात है कि इनके अलावा, 64 अधिसूचित किस्में भी खरीफ 2023 के दौरान डीयूएस लक्षणवर्णन के तहत थीं।



प्रत्याशी किस्मों, किसानों की किस्मों और संदर्भ किस्मों की नर्सरियां 12 जून, 2023 को उगाई/स्थापित की गई और डीयूएस संलेख के अनुसार डीयूएस परीक्षण 13 जुलाई 2023 को प्रत्यारोपित किए गए। अधिसूचित किस्मों और संदर्भ किस्मों के अनुरक्षण प्रजनन ब्लॉक के लिए नर्सरी 13 जून 2023 को उगाई गई और रोपाई 15 जुलाई 2023 को की गई। एफवी को युग्मित पंक्तियों में उगाया गया (प्रति प्रतिकृति पौधों की संख्या: 120 और प्रत्यारोपित/ रोपाई: 03)। प्रेक्षण डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न चरणों में रिकॉर्ड किए गए। सी.वी., एफ.वी., ई.डी.वी., आई.वी. तथा अधिसूचित किस्मों और आर.वी. के लिए फील्ड डेटा (विशेषक संख्या 01 से 49 तक) तथा परीक्षणशाला डेटा (विशेषक संख्या 50 से 57 तक) दर्ज किए गए। 5 रासायनिक विशेषकों (विशे. संख्या 58-62) की रिकॉर्डिंग के लिए, 19 सी.वी., 7 एफ.वी., 3 ई.डी.वी., 3 आई.वी., 64 अधिसूचित किस्मों तथा 29 (क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय मानक-किस्मों सहित संदर्भ किस्में) तथा अनुरक्षण खंड की 11 संदर्भ किस्मों के नमूने नोडल अधिकारी (डी.यू.एस.), आई.आई.आर., हैदराबाद को (पंजीकृत डाक पार्सल दिनांक 10 जनवरी 2024 द्वारा) भेजे गए। डीयूएस परीक्षण की ऑनलाइन निगरानी 19-10-2024 को पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली द्वारा की गई।

2023-24 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सूची
बासमती 564, शरबती, सावित्री, धनरासी, निधि, पीआर 113, पीआर 116, मशूरी, सीओ 51, आईआर 64, जया

उपर्युक्त 19 (16 कोडयुक्त प्रत्याशी वंशावलियों (प्रथम वर्ष) + 3 सीवी (द्वितीय वर्ष) वंशावलियों में से, एक वंशावली (23RIDR4910) में बैंगनी कोलियोप्टाइल था। वंशावली 2887/2213 और 2223-5 में मूल व बेसल पत्ती के आच्छद का रंग हल्का बैंगनी था और वंशावली 23RIDR4910 में बेसल पत्ती के आच्छद का रंग बैंगनी रेखाओं का था। वंशावली 23RIJAYA02 को छोड़कर, सभी वंशावलियों में कल्म अर्ध सीधा था। 19 वंशावलियों में से, 9 वंशावलियों (2223-6, 2223-7, 23RIMT1001, 23RIKARI03,

23RIJAYA02, 23RIDR4910, 23RICR0211, 23RICGOG12, 23RIDR4910) में तने की लंबाई बहुत कम थी। वंशावली 23RIDR4910 में स्पाइकलेट का रंग बैंगनी था और अंतरग्रंथियों के तने का एंथोसायनिन रंग था। वंशावली 23RIBA104 में भूसे पर लेम्मा पेलिया रंग की भूरी धारियां थीं। वंशावलियां 23RIKARI03, 23RIIN106 और 2223-7 में भूसे की पृष्ठभूमि पर लेम्मा और पेलिया रंग और सुनहरे रंगी की धारिया थीं। सभी वंशावलियों में शाखाओं के पुष्पवृंत अर्ध सीधे थे। सभी वंशावलियों में से 23RIPU2107 में 1000 दाने का वजन (28.6 ग्रा.) अधिकतम और 23RIBA104 में 1000 दाने का वजन (11.5 ग्रा.) न्यूनतम पाया गया। वंशावली (2887/2213, 23 RIKARI 03 और 2223-5) को छोड़कर, सभी वंशावलियों के दानों में फिनोल प्रतिक्रिया मौजूद थी।

तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर

पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से 14.07.2023 को अठारह प्रत्याशी किस्में प्राप्त हुईं। प्रत्याशी किस्मों की नर्सरी बुवाई 28.07.2023 को वेटलैंड नर्सरी, टीएनएयू, कोयंबटूर में की गई। बुवाई की रिपोर्ट अंकुरण परीक्षण के परिणामों के साथ 10.08.2023 को पीपीवी और एफआरए को भेजी गई। प्राप्त की गई 18 प्रत्याशी किस्मों में से, दो किस्मों यानी 23RIINNI09 और 23RIANLI10 में कोई अंकुरण नहीं दिखा। इसलिए, 16 प्रत्याशी किस्मों को 25.08.2023 को प्रत्यारोपित किया गया और डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार लक्षणवर्णन/डीयूएस परीक्षण किया गया।

डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए, बीज अधिनियम के तहत अधिसूचित 56 किस्में पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से 18.07.2023 को प्राप्त हुईं। 28.07.2023 को वेटलैंड नर्सरी, टीएनएयू, कोयंबटूर में अधिसूचित किस्मों की नर्सरी बुवाई की गई। अंकुरण परीक्षण के परिणामों के साथ बुवाई की रिपोर्ट 10.08.2023 को पीपीवी और एफआरए को भेजी गई। राजपत्र मे अधिसूचित सभी 56 किस्मों को 29.08.2023 को प्रत्यारोपित किया गया और डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार लक्षणवर्णन किया गया।

लक्षणवर्णन के लिए राजपत्र में अधिसूचित किस्मों की सूची

बपतला महसुरी (बीपीटी 2295) (आईईटी 22188)	टीआरवाई 5 [टीआर 09030] (आईईटी 26068)	सीआर धान 506 (आईईटी 23053) (सीआर 2687-2-3-1-1-1)
जगतियाला धान-1 (जेजीएल 24423) (आईईटी 25310)	आरएनआर 15048	28एस41 (आईईटी 24891)
तेजा (बीपीटी 2595) (आईईटी 25486)	एमटीयू 1121 (श्री धृति)	भूपेश (आईईटी 23324) (सीएन 1752-18- 1-9-एमएलडी19)
सस्या (बीपीटी-2411) (आईईटी 23081)	नेल्लोर सिरी (एनएलआर 4001) (आईईटी 25273)	डीआरआर धान 47 (आईईटी 23356)
भवथी (बीपीटी-2782) (आईईटी 27124)	नेल्लोर सुगंधा (एनएलआर 40054) (आईईटी 23194)	डीआरआर धान 48 (आईईटी 24555)
टीकेएम 13	एमटीयू धान 1239 (आईईटी 26263)	डीआरआर धान 50 (आईईटी 25671)
टीकेएम 15 [टीएम 12077] (आईईटी 26645)	एनएलआर 40024	नंद्याल सोना (एनडीएलआर 7) (आईईटी नंबर 23715)
केपीआर-1 (आईईटी-23077)	एनएलआर 3041	सीएन 1272-55-105 (आईईटी 19886)
केएचपी-13 (भारत)(आईईटी 21479)	एमटीयू 1281	तेलंगाना वारी-1 (आईईटी 25330) (डब्ल्यूजीएल-739)
केकेपी-5 (आईईटी 24250)	एमटीयू 1212	वारंगल धान - 1 डब्ल्यूजीएल-915

		(आईईटी 25284)
सह्याद्रि पंचमुखी	एमटीयू 1280	डीआरआर धान 59
सह्याद्रि मेघा	एमटीयू धान 1293	डीआरआर धान 60
बीएमआर-एमएस-1-2-1	एमटीयू धान 1310	डीआरआर धान 62
सह्याद्रिकेम्पुमुक्ति (आईईटी- 29855)	एमटीयू धान 1321	डीआरआर धान 63 (आईईटी 26383)
सीओ 51	केकेएल (आर) 2 (आईईटी 28791)	डीआरआर धान 65 (आईईटी 27641)
सीओ 52	दक्ष (केएमपी-175)	डीआरआर धान 66 (आईईटी 28066)
सीओ 43 सब-1 (आईईटी 25676)	गंगावती अगेती (आईईटी-19251)	
सीओ 53 (सीबी 06803 (आईईटी 24057)	जीएनवी 10-89 (आईईटी 24716)	
सीओ 54 (सीबी 12588)	पूसा सांबा 1853 (आईईटी 28014)	
सीओ 55 (सीबी 15714) 4 (आईईटी 27873)	वीजीडी 1 (वीजी 09006) (आईईटी 24606)	

वंशावली 2890/2092, 2890/2088, 2890/2083, 2890/2087, 23RIRN4804, 23RIBARI06, 23RILUIT07, 23RIBP0408 में ब्लेड की सतह पर रोमिलता अनुपस्थित थी और अन्य सभी वंशावलियों में कमज़ोर पत्ती रोमिलता दिखाई दी। वंशावली 2890/2092, 2890/2088, 2890/2084, 23RIBARI06 में पत्ती की लंबाई अधिक थी, जबकि अन्य सभी किस्मों में मध्यम थी। वंशावली 2890/2020, 2890/2086, 23RIKA302, 23RIMT1005, 23RILUIT07, 23RIBP0408 में पत्ती की चौड़ाई संकुचित थी, जबकि अन्य वंशावलियों में मध्यम थी। वंशावली 2890/2091, 2890/2092, 2890/2083, 2890/2084, 2890/2087, 23RIKA302 में ब्लेड का फ्लैग पत्ती सीधा थी। वंशावली 2890/2091, 2890/2092, 2890/2083, 2890/2085 में पुष्पगुच्छ की संख्या कम थी। वंशावली 2890/2088 में स्टेराइल लेम्मा का रंग सुनहरा था। वंशावली 2890/2020 और 2890/2091 में फसल परिपक्वता का समय पछेती अर्थात विलंबित था।

वंशावली 2890/2091 में 1000 दानों का वजन बहुत अधिक था। वंशावली 2890/2084 और 23RIMT1005 में दाने की लंबाई मध्यम थी। वंशावली 2890/2091 और 23RILUIT07 में दाने की चौड़ाई अधिक थी, जबकि 23RIKA302 और 23RIRN4804 ने बहुत संकीर्ण थी। वंशावली 2890/2020, 2890/2091, 2890/2086, 2890/2087, 23RIKA302, 23RIBARI06, 23RILUIT07 और 23RISADA11 में लेम्मा के दाने में फिनोल प्रतिक्रिया मौजूद थी। वंशावली 2890/2091, 2890/2092, 2890/2083, 2890/2084, 2890/2087, 23RIMT1005, 2890/2085 में छिलका रहित दाने की लंबाई मध्यम थी और वंशावली 2890/2091, 23RIBARI06, 23RILUIT07 में चौड़ाई अधिक थी। छिलका रहित दाने का आकार 23RIMT1005 में लंबा मोटा था; जबकि 2890/2020, 2890/2091, 2890/2092, 23RIBARI06, 23RILUIT07, 23RISADA11 में छोटा मोटा था। वंशावली 23RILUIT07 में दाने का रंग लाल पाया गया। वंशावली 2890/2084 में एमिलोज का एण्डोस्पर्म तत्व बहुत कम था। वंशावली 2890/2091 (R1- बैंगनी स्टिग्मा में 2 सं.) और 23RIBP0408 (R2 - अगेती पुष्पण में 2 सं.) में ऑफ टाइप्स मौजूद थे। प्रत्याशी किस्म की सभी 16 वंशावलियों में एकरूपता देखी गई।



अनुरक्षण के अंतर्गत किस्मों/लक्षणवर्णित की सूची:

क्र.सं.	अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सूची	स्रोत, विमोचन/वाणिज्यिक विमोचन की तिथि, यदि हो	क्र.सं.	अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सूची	स्रोत, विमोचन/वाणिज्यिक विमोचन की तिथि, यदि हो
1.	सीओ 43 Sub-1	टीएनएयू/ 27.03.2018	6.	सीओ 55	टीएनएयू / 31.08.2022
2.	सीओ 51	टीएनएयू / 30.03.2017	7.	टीकेएम 13	टीएनएयू / 22.11.2016
3.	सीओ 52	टीएनएयू / 27.03.2018	8.	टीकेएम 15	टीएनएयू / 31.08.2022
4.	सीओ 53	टीएनएयू / 07.10.2020	9.	टीआरवाई 5	टीएनएयू / 31.08.2022
5.	सीओ 54	टीएनएयू / 24.12.2021	10.	वीजीडी 1	टीएनएयू / 05.09.2019



डॉ. डी. के. अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवी और एफआरए ने 02.02.2024 को बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का दौरा किया तथा धान और सूरजमुखी में डीयूएस परीक्षण की प्रगति की समीक्षा की। धान और सूरजमुखी के डीयूएस परीक्षण की तकनीकी और वित्तीय प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर

डीयूएस प्रदर्शन के लिए कुल 35 प्रत्याशी किस्मों का मूल्यांकन खरीफ 2023-24 के मौसम के दौरान किया गया। कुल मिलाकर परीक्षण की स्थिति बहुत अच्छी पाई गई।



- बीज सामग्री की बुवाई 22/06/2023 को की गई थी और सामग्री की रोपाई दिनांक 18/07/2023 को की गई।
- स्वर्ण उन्नत धान और स्वर्ण पूर्वी धान 3 को छोड़कर (जिनमें कुछ मात्रा में बीज मिश्रण था), सभी प्रत्याशी किस्में सभी लक्षणों के आधार पर एक समान थीं।
- किस्म वीएनआर-216, यूएस-303 और सीजी मधुराज-55 में बेसल पत्ती के आच्छद पर हल्के बैंगनी रंगी की एक समान एंथोसायनिन रंजकता देखी गई।
- किस्म वीएनआर-2111, सीओ-51, हाइब्रिड इंडैम 200-022, सीजी बरनी धान-2 में फसल परिपक्वता अवधि मध्यम थी, जबकि वीएनआर-216, सीआर-312, ट्रॉम्बे सीजी सोनागाथी म्यूटेंट, पूसा सांबा 1850 में पछेती थी। इनके अलावा, 27 किस्मों में 50% पौधों के शिरोबिंदु के साथ मध्यम अवधि पाई गई।
- किस्म यूएस-303 में अंकुरण बहुत कम पाया गया तथा और वे पारंपरिक किस्म की तरह प्रतीत हो रही थीं, जो खुले तना, बैंगनी स्टिग्मा, तने की मोटाई तथा पूर्ण रूप से विकसित 1000 दानों के वजन (29.8 ग्रा.) की दृष्टि से अद्वितीय पाए गए।

प्रकाशन तथा अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ:

- ग्रामीण कृषक समुदायों की आजीविका बढ़ाने के लिए कृषि-जैव विविधता का संरक्षण तथा स्थानीय किस्मों/पारंपरिक स्थानिक प्रजातियों के व्यावसायिकरण पर कार्यशाला के लिए सोवनियर। कृषि-कार्निवल 2022, आईजीकेवी, जीएंडपीबी, रायपुर।

- शर्मा, डी., सिंह, एस., साहू, पी., चौधरी, डी. आर., राणा, जे. सी., डिसूजा, एस. एवं अहलावत, एस. पी. 2021. छत्तीसगढ़ राज्य में पीपीवी एवं एफआरए के तहत पंजीकृत किसान किस्म। (कैटलॉग भाग-1), इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़।
- शर्मा, डी., सिंह, एस. और तिवारी, ए. 2021. छत्तीसगढ़ में पीपीवी और एफआरए गतिविधियों का परिदृश्य। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़।

भाकृअनुप-एनईएच क्षेत्रीय केंद्र, लैम्फेलपट, मणिपुर

मौसम	वंशावलियों की सं.	सामान्य फसल विकास	बुवाई-रोपाई
मौसम 1	26	अच्छा	18/7/2023-21/8/2023
मौसम 2	6	अच्छा	18/7/2023-21/8/2023



वर्ष 2023 के दौरान, मणिपुर केंद्र से 8 अनुरक्षण वंशक्रमों अर्थात मैंटेनेंस लाइन्स और पिछले वर्ष 2022 से 6 किसान किस्मों सहित 28 संदर्भ किस्मों के साथ धान की 26 विमोचित और अधिसूचित किस्मों के लिए प्रथम वर्ष डीयूएस वग लक्षणवर्णन किया गया। परीक्षण वर्षा आधारित निचली भूमि प्रत्यारोपित स्थिति के तहत तीन प्रतिकृतियों के साथ यादृच्छिक पूर्ण ब्लॉक डिजाइन में किया गया। पिछले वर्ष की किसान किस्मों और इस वर्ष नई प्राप्त, दोनों तरह कि किस्मों के लिए 48 आकारिकी गुणों तथा 14 सस्योत्तर गुणों के लिए प्रेक्षण दर्ज किए गए। संदर्भ किस्मों की तुलना में, किसानों की कुछ किस्में, जैसे कि सीएयू-आर 4 (ईनोत्फोउ), सीएयू-आर 2 (टॉमथिनफोउ), सीएयू-आर 3 (मंगल फोउ), देहांगी (एएयूडीआर 9313-14-3) आदि को कुछ लक्षणों अर्थात, 50% पुष्पण, कॉलर का एंथोसायनिन रंग, ऐपेक्स का एंथोसायनिन रंग, स्टिग्मा का रंग, ग्रंथियों का एंथोसायनिन रंग और शूक की उपस्थिति और उसका फैलाव आदि के आधार पर भिन्न पाई गईं। जिन वंशावलियों में दूसरे वर्ष परीक्षण किया गया था, उनमें से कुछ गुणों, जैसे कि ब्लेड की सतह पर उच्चतम पत्ती रोमिलता की उपस्थिति, तने की लंबाई (63-144 से.मी.), प्रति पौधे कुछ पुष्पगुच्छ संख्या, मजबूत माध्यमिक शाखाएं, 1000 दानों का उच्च वजन (≥28 ग्रा.), अनाज का आकार छोटा मोटा, छिलका रहित दाने का रंग सफेद, और छिलका रहित दाने में सुगंध की उपस्थिति के आधार पर कुछ लक्षण अलग पाए गए। पिछले वर्ष 2022-23 से किसानों की वंशावली 22 रेफ 1, 22 रेफ 2 और 22 रेफ 6 कुछ लक्षणों, जैसे कि ब्लेड की सतह पर उच्चतम पत्ती के रोएं की उपस्थिति, तने की लंबाई (117-149 से.मी.), प्रति पौधे कुछ पुष्पगुच्छ (<11 नंबर), मजबूत माध्यमिक शाखाएं, 1000 दानों का उच्च वजन (≥28 ग्रा.), अनाज का आकार छोटा मोटा, छिलका रहित दाने का रंग सफेद, और छिलका रहित दाने में सुगंध की उपस्थिति की सुगंध की उपस्थिति के आधार पर के संदर्भ में भिन्न पाई गईं। कुछ वंशावलियां अर्थात सीएयू-आर4 (ईनोतफौ) और देहांगी (एएयूडीआर 9313-14-3) में अद्वितीय डीयूएस लक्षण पाए गए, जैसे कि कॉलर का एंथोसायनिन रंग, शीरोबिंदु का एंथोसायनिन रंग, स्टिग्मा का रंग, ग्रंथियों का एंथोसायनिन रंग आदि।

भाकृअनुप-एनईएच क्षेत्रीय केंद्र, नागालैंड

भाकृअनुप, एनईएच, क्षेत्रीय केंद्र, नागालैंड केंद्र द्वारा पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से 14 जून, 2023 को कुल 26 वंशावलियां प्राप्त हुईं जिनपर अंकुरण परीक्षण किया गया और संदर्भ एवं मानक-किस्मों (स्थानीय और क्षेत्रीय) के साथ सभी वंशावलियां सफलतापूर्वक अंकुरित हुईं। संदर्भ और मानक-किस्मों (स्थानीय और क्षेत्रीय) के साथ सभी वंशावलियों को 20 जून 2023 को नर्सरी में बोया गया और 26 जुलाई 2023 को अनुशंसित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार तीन प्रतिकृतियों में यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन के साथ प्रत्यारोपित किया गया। फसल में पुष्पण सितंबर-अक्टूबर के महीने में शुरु हुआ। फसल के उपयुक्त विकास चरणों में आकारिकी एवं जैव रासायनिक विश्लेषण के अधार पर संपूर्ण डेटा दर्ज किया गया। उपरोक्त 26 वंशावलियों का

मूल्यांकन 6 मानक-किस्मों, आरसीएम-9, पूसा सुगंधा, रंजीत, भालूम-3, आईआर-64 और आईआर-8 के साथ खरीफ मौसम के दौरान निचलीभूमि पारिस्थितिकी में किया गया। यादृच्छिक रूप से चयनित 10 पौधों पर 62 डीयूएस लक्षणों के लिए प्रेक्षण रिकॉर्ड किए गए।

फसलें	नई पहले वर्ष की वंशावलियां	निगरानी तिथि
धान	26	7-11-2023

सभी 32 वंशावलियों का मूल्यांकन किया गया। CAU-R4, CAU-R2 को छोड़कर, सभी वंशावलियों में पत्ती ग्रीवा अर्थात लीफ कॉलर मौजूद था। CAU-R4 और CAU-R2, मोगमे, Mn-56 और चाहोऊ को छोड़कर, सभी वंशावलियों की कॉलर पत्ती में एंथोसायनिन की रंजकता पाई गई। CAU-R4 और CAU-R2 को छोड़कर, सभी वंशावलियों में लिगूल का विभाजित आकार देखा गया। मोगमे, Mn-56 और चाहोऊ (Chahou) को छोड़कर, सभी वंशावलियों में लिगूल का रंग सफ़ेद था। किस्म दियुंग, रंजीत सब-1, TTB 103-3-1, Cau-R3 और चाहोऊ में ब्लेड की लंबाई अधिक थी। किस्म दियुंग, रंजीत सब-1, TTB 103-3-1, मोगमे और चाहोऊ में ब्लेड की चौड़ाई अधिक थी। सभी वंशावलियों में कल्म ऊपर की ओर सीधा था। किस्म TTB 103-3-1, TTB 283-1-26, AAUDR 9313-14-3, HPR 2636, WTR1 और Hau 565 को छोड़कर (जिसमें ब्लेड का संव्यवहार अर्ध-लंबवत था), सभी वंशावलियों में ब्लेड लंबवत थी। लेम्मा के प्यूब्सेंस का स्पाइकलेट घनत्व TTB 103-3-1, TTB 283-1-26, AAUDR 9313-14-3, WTR1 एवं Hua 565 में अनुपस्थित था और MEGA SA-2 तथा कोहिमा स्पेशल में नर बंध्यता अनुपस्थित थी। चाहोऊ के नील अर्थात घुटना क्षेत्र के लेम्मा में एंथोसायनिन रंजकता प्रबल थी और उसके ऐपेक्स के नीचे तथा ऐपेक्स में लेम्मा एंथोसायनिन रंजकता गहन थी। Cau-R4 में प्यूपल रंग का वर्तिकाग्र देखा गया तथा Cau-R4, मोगमे, MN-56, MEGA SA-2, कोहिमा स्पेशल, पोइलवा तथा चाहोऊ में तने की लम्बाई बहुत अधिक पाई गई। Cau-R4, MN-56 तथा चाहोऊ में ग्रंथियों तथा अंतरग्रंथियों के तने में एंथोसायनिन रंजकता पाई गई। एचपीआर 2795 में मुख्य अक्ष की बहुत लंबा पुष्पगुच्छ पाया गया और हच्चा (Haccha), लैंगपी, रंजीत सब-1, बहादुर सब-1, एचडीआर 2656, एचपीआर 2880, एसएजी सी7, एमएन-56, मेगा एसए-2, कोहिमा स्पेशल, पोइलवा और चाहोऊ में पुष्पगुच्छ की अधिकतम संख्या पाई गई। मोगमे, पोइलवा किस्मों में बैंगनी लेम्मा पेलिया रंजकता थी और एमएन 56 और चाहोऊ में काला लेम्मा पेलिया रंजकता थी। किस्म VI 32130, Cau R4 और कोहिमा स्पेशल में बैंगनी रंग शूक पाए गए। सभी वंशावलियों में द्वितीयक शाखाओं की उपस्थिति पायी गई और कोहिमा स्पेशल के पुष्पगुच्छ में द्वितीयक शाखाएँ समूहबद्ध पाई गईं। वीएल 32224 किस्म को छोड़कर (जो फैलाव वाली प्रकृति की थी), सभी वंशावलियों की शाखाएं लंबवत से लेकर अर्ध-लंबवत थी। किस्म Haccha, AAU-KMJ-Dhan-46, TTB 283-1-26, AAUDR 9313-14-3, AAUDR 9301-14-1, WTR1, Hua 565, VL 32139, Cau R2 एवं Cau R3 में अगेती परिपक्वता पाई गई, जबकि किस्म लैंगपी, दियुंग, रंजीत सब-1, बहादुर सब-1, मोगमे, MN 56, मेगा SA-2, कोहिमा स्पेशल, पोइलवा और चाहोऊ में पछेती परिपक्वता पाई गई, जबकि बाकी किस्मों में मध्यम पाई गई। किस्म VL 32130 और Cau R4 (28.2 ग्रा.) में सबसे अधिक दाने का वजन पाया गया और सबसे कम चाहोऊ (18.1 ग्रा.) में पाया गया और दाने की अधिकतम चौड़ाई कोहिमा स्पेशल एवं चाहोऊ किस्म में पाई गई। लेम्मा की ग्रेन फिनोल प्रतिक्रिया किस्म AAUDR 9301-14-1, AAUDR 9312-13-1, HPR 2795, HPR 2880, VL 32130 और मोगमे में अनुपस्थित थी। मोगमे (7.58 मि.मी.) और पोइलवा (7.73 मि.मी.) किस्मों में छिलका रहित दाने की लंबाई अतिरिक्त लंबी पाई गई जबकि TTB 202-4, TTB 202-3, SAGC7, WTR1 और कोहिमा स्पेशल किस्मों में दाने की चौड़ाई अधिक पाई गई। किस्म मोगमे, एमएन-56 और पोइलवा किस्मों में छिलका रहित दाना लंबा पतला था, जबकि किस्म AAUDR 9313-14-1, AAUDR 9301-14-1, AAUDR 9312-13-1, HPR 2795, HPR 2656 एवं MEGA SA-2 में लाल प्रकार का दाना था, और मोगमे एवं एमएन-56 किस्मों में बैंगनी प्रकार का था। एमाइलेज की अधिकतम मात्रा एएयू-टीटीबी-धान-40 किस्म में थी। किस्म Haccha, AAU-KMJ-धान-46, बहादुर सब-1, TTB 202-4, TTB 202-3, AAUDR 9313-14-3, HPR 2795, HPR 2880, MN-56 और कोहिमा स्पेशल को छोड़कर, सभी किस्मों व वंशावलियों में छिला रहित दाने में सुगंध अर्थात एरोमा मौजूद था।



क्र.सं.	2022-23 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सूची	स्रोत, विमोचन/वाणिज्यिक विमोचन की तिथि, यदि कोई हो
1	RCM-9	आईसीएआर मणिपुर केंद्र, 2000
2	पूसा सुगंध	भाकृअसं, नई दिल्ली, 2004
3	रंजीत	एएयू, जोरहाट
4	सिक्किम धान-1	भाकृअनुप सिक्किम केंद्र, 2020
5	सिक्किम धान-2	
6	सिक्किम धन-3	
7	सिक्किम धान-4	

असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट

6 जुलाई, 2023 को पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली से द्वितीय वर्ष के परीक्षण के लिए 11 किस्मों (5 विशिष्ट किस्म और 6 हाइब्रिड) से युक्त 66 धान वंशावलियों का एक सेट प्राप्त हुआ।

दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए 11 किस्मों (5 टिपिकल वैरायटी और 6 हाइब्रिड) और प्रथम वर्ष के परीक्षण के लिए 55 किस्मों सहित कुल 66 धान किस्मों का एक सेट 6 जुलाई, 2023 को पीवीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली से प्राप्त किया गया। इन किस्मों का मूल्यांकन दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए 9 क्षेत्रीय एवं आंचलिक/जोनल मानक-किस्मों तथा पहले वर्ष के लिए 12 क्षेत्रीय एवं आंचलिक मानक-किस्मों (चेक्स) के साथ किया गया। क्षेत्रीय और आंचलिक मानक-किस्मों के साथ सभी वंशावलियों की बुवाई 14 जुलाई 2023 को की गई। सभी किस्में अच्छी तरह से अंकुरित हुईं। प्रत्यारोपण अर्थात रोपाई 10 से 12 अगस्त 2023 के दौरान की गई जिसके लिए असम में खरीफ धान हेतु मानक अनुशंसित डीयूएस दिशानिर्देश और कृषि-विधियों के पैकेज का पालन किया गया। दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए 3 प्रतिकृति में यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन में रोपाई की गई और पहले वर्ष का परीक्षण गैर-प्रतिकृति का था। इन किस्मों के आकारिकी और जैव रासायनिक लक्षणों के लिए सभी गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा फसल विकास के उचित चरणों में दर्ज किए गए। संपूर्ण डेटा प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए उचित प्रारूप में रिकॉर्ड किया गया और 22 जून, 2024 को पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली को भेजा गया।

फसलें	नई		निगरानी तिथि
	पहले वर्ष की वंशावलियां	दूसरे वर्ष की वंशावलियां	06.11.2023
धान	55 वंशावलियां	11 वंशावलियां	



पहले वर्ष में उगाई गई 55 वंशावलियों में से; SAVA 134, PAN 2423, CAU R4 में आधार पत्ती आवरण पर बैंगनी रेखाएं पाई गईं। तेईस वंशावलियों में मध्यम पत्ती में हरे रंग की तीव्रता पाई गई और 18 वंशावलियों (Haccha, CR धान 801, SAVA 134, स्वर्ण उन्नत धान, PAN 2423, CAU R4 और राजदीप) की पत्ती में गहरे हरे रंग की तीव्रता पाई गई। सात वंशावलियों (राजदीप, CAU R4, PAN 2423, स्वर्ण उन्नत धान, साबौर दीप, जलाश्री और जलकुंवारी) में ब्लेड की सतह पर मजबूत पत्ती रोमिलता पाई गई। किस्म CR धान 802, SAVA 134, PAN 2423 और उत्तर सोना में हल्के बैंगनी रंग की एंथोसायनिन रंजकता थी। CAU R4 केऑरिकल्स में बैंगनी एंथोसायनिन रंजकता मौजूद थी। कॉलर में एंथोसायनिन रंजकता किस्म CAU R4, SAVA 134 और PAN 2413 में रिपोर्ट की गई। इन वंशावलियों की पत्ती में हल्के बैंगनी रंग के लिग्यूल भी थे। किस्म CAU R3 में 50% पुष्पण अति अगेती दर्ज किया गया। 50% अगेती पुष्पण किस्म सुकुमार,



चिनसुरा नोना 1, CAU R2, PAN 2423, साबौर दीप, वीएल धान 88, उत्तर सोना, उत्तर समीर, BRRI धान 69, रोंगखांग, देहांगी और हच्चा में दर्ज किया गया। किस्म देहांगी में हल्का बैंगनी स्टिग्मा और SAVA 134, PAN 2423 एवं CAU R4 में बैंगनी स्टिग्मा दर्ज किया गया। 33 वंशावलियों, जैसे कि चिनसुरा नोना 2, राजदीप, सुकुमार, मनीषा आदि में तने की लंबाई बहुत छोटी दर्ज की गई। छोटी तने की लंबाई वाली इक्कीस वंशावलियां दर्ज की गईं, जैसे कि ढोली, नुमाली, जलकुवारी, जलश्री, कनकलता आदि। अन्य वंशावलियां में मध्यम तने की लंबाई दर्ज की गई। CAU R4 में ग्रंथ और अंतरग्रंथि पर मजबूत एंथोसायनिन रंग मौजूद था। कनकलता को लंबे पुष्पगुच्छ लंबाई (27.15 से.मी.) के लिए दर्ज किया गया। लंबे पुष्पगुच्द वाली अन्य किस्मों में साबौर संपन्न धान (25.89 से.मी.), साबौर अर्धजल (25.6 से.मी.), डीआरआर धान 64 (28.11 से.मी.), सीआर धान 909 (27.2 से.मी.), वीएल धान 88 (25.3 से.मी.), साबौर सुरभित (26.44 से.मी.), साबौर डीप (26.89 से.मी.), PAN 802 (29.94 से.मी.), चिनसुरा नोना 2 (26.88 से.मी.) शामिल हैं। उत्तर सुगंधी में लेम्मा का बैंगनी सिरा दर्ज किया गया। सीआर धान 909, साबौर सुरभित, एसएवीए 134, सीएयू आर4 और मनीषा के पुष्पगुच्छ में बालियां मौजूद थीं। बहुत जल्दी फसल पककर तैयार होने वाली किस्में सीएयू आर3 (94 दिन), सीएयू आर 2 (96 दिन) दर्ज की गईं, जबकि जल्दी पककर तैयार होने वाली फसल के रूप में किस्म सुकुमार (108) दर्ज की गई। किस्म जलाश्री (30.42 ग्रा.) में 1000 दानां का वजन अधिकतम पाया गया। किस्म चिनसुरा नोना 1 (29.74 ग्रा.), सीएयू आर 4 (26.65 ग्रा.), PAN 2423 (26.63 ग्रा.), स्वर्ण समृद्धि धान (26.63 ग्रा.), वीएल सिक्किम धान 4 (26.71 ग्रा.), सीआर धान 307 (26.52 ग्रा.), सीआर धान 508 (27 ग्रा.), साबौर हर्षित धान (28.08 ग्रा.), गीतेश (28.12 ग्रा.) और जलकुंवारी (28.96 ग्रा.) में 1000 दानों का वजन उच्च दर्ज किया गया। 21 वंशावलियों में मध्यम दाना वजन और 23 वंशावलियों में कम दाना वजन दर्ज किया गया। छोटे पतले दाने के आकार वाल किस्म बीना धान 17 थी। छोटा एवं मोटा दाना आकार वाली वंशावलियों में, ढोली, जलकुंवारी, कनकलता, इंगलोंगकिरी, रोंगखांग, सीआर धान 307, उत्तर समीर और वीएल सिक्किम धान 4 थीं। मध्यम पतले दाने के आकार की वंशावलियां रंजीत सब 1, बहादुर सब 1, गितेश, देहांगी, एमटीयू1223, साबौर सम्पन्न धान, साबौर श्री, बीआरआरआई धान 69, उत्तर सुगंधी और चिनसुरा नोना 2 थीं। बारह वंशावलियों (नुमाली, साबौर हर्षित धान, साबौर अर्धजल, बीआरआरआई धान 75, सीआर धान 909, वीएल धान 88, साबौर सुरभित, एसएवीए 134, स्वर्ण समृद्धि धान, स्वर्ण उन्नत धान, PAN 802 और सुकुमार) में अतिरिक्त लंबे एवं पतले दाने पाए गए। दो वंशावलियां यानी, देहांगी और वीएल सिक्किम धान 4 के छिलका रहित दाने का रंग लाल पाया गया। अन्य वंशावलियों के छिलका रहित दाने का रंग हल्का भूरा दर्ज किया गया। भ्रूणपोष में बहुत कम (<10%) ऐमिलोज़ वाली तीन वंशावलियां दर्ज की गईं; अर्थात, सीएयू आर4, सीएयू आर 2, सीएयू आर 3. भ्रूणपोष में मध्यम (20-25%) ऐमिलोज़ तत्व 9 वंशावलियों में दर्ज किया गया, यानी Haccha, रंजीत सब -1, नुमाली, जलकुंवारी, जलश्री, कनकलता, देहांगी, एमटीयू 1223 और डीआरआर धान 64. उत्तर सुगंधी को मजबूत सुगंध के लिए दर्ज किया गया। अन्य हल्की सुगंध वाली वंशावलियों में, बीआरआरआई धान 75, सीआर धान 506, सीआर सुगंध धान 908, सीआर धान 909, वीएल धान 88, साबौर सुरभित, साबौर डीप और PAN 802 थीं। इन वंशावलियों व किस्मों में केवल कुछ ही प्रकार के ऑफ टाइप अर्थात रुग्णता दर्ज की गई।

किस्म 22RE H1 और 22RE H2 के प्रत्याशी और SMG हाइब्रिड/हाइबिड, दोनों में आधार पत्ती आवरण के रंग में अंतर पाया गया। 1000 दानों के वजन में अंतर और छिलका रहित दाने की चौड़ाई 22RE H1 के SMG और प्रत्याशी हाइब्रिड, दोनों के मामले में प्रेक्षित की गई। SMG और प्रत्याशी हाइब्रिड, दोनों के मामले में ब्लेड के फ्लैग लीफ (प्रारंभिक प्रेक्षण), तने की मोटाई, फसल परिपक्वता समय के संदर्भ में अंतर देखा गया। संदर्भ किस्मों के साथ दूसरे वर्ष के मूल्यांकन के लिए ग्यारह वंशावलियां उगाई गईं। इनमें से किस्म 22RE3, 22RE H1(F1) और 22RE H2 (प्रत्याशी हाइब्रिड) में आधार पत्ती आवरण का रंग बैंगनी था। किस्म 22RE H1 (प्रत्याशी हाइब्रिड) और 22RE H2 (F1) को हल्के बैंगनी आधार पत्ती आवरण के साथ दर्ज किया गया। पांच वंशावलियां यानी 22RE3, 22RE H1 (प्रत्याशी हाइब्रिड), 22RE H1 (F1), 22RE H2 (प्रत्याशी हाइब्रिड) और 22RE H2 (F1) में गहरे हरे रंग की पत्तियों की सघनता पाई गई। 22RE3 में ब्लेड की सतह पर पत्ती में गहन रोमिलता पाई गई। 22RE3 के ऑरिकल्स में बैंगनी एंथोसायनिन रंग मौजूद था। ऑरिकल्स में हल्का बैंगनी एंथोसायनिन रंग किस्म 22RE H1 (प्रत्याशी हाइब्रिड), 22RE H1 (F1), 22RE H2 (प्रत्याशी हाइब्रिड) और 22RE H2 (F1) में मौजूद था। वंशावली 22RE H2 (प्रत्याशी हाइब्रिड), 22RE H2 (F1) और 22 RE H3 में अगेती 50% पुष्पण दर्ज किया गया। किस्म 22 RE H3, 22RE H2 (प्रत्याशी हाइब्रिड), 22RE H2 (F1), 22RE8 एवं 22RE2 में तने की लंबाई बहुत छोटी दर्ज की गई। किस्म 22RE H1(F1) (26.51 ग्रा.), 22RE H2 (प्रत्याशी हाइब्रिड) (26.35 ग्रा.), 22RE H2 (F1) (26.74 ग्रा.) में 1000 दानों का वजन अधिक दर्ज किया गया। किस्म 22RE3, 22RE6, 22RE8, 22RE H1 (प्रत्याशी हाइब्रिड) एवं 22RE H1(F1) में लंबा मोटा दाना दर्ज किया गया। पतला दाना आकार किस्म 22 RE H3, 22RE H4 एवं 22RE7 में मध्यम पतला दाना आकार मौजूद था। 3 वंशावलियां अर्थात 22RE2, 22RE H2 (प्रत्याशी हाइब्रिड) और 22RE H2 (F1) में लंबे पतले दाने पाए गए। एक वंशावली 22RE3 में बैंगनी रंग का छिलका रहित दाना पाया गया। अन्य वंशावलियों में हल्के भूरे रंग का छिलका रहित दाना पाया गया। किस्म 22RE3, 22 RE H3 और 22RE H4 के भ्रूणपोष में बहुत कम (<10%) एमिलोज मौजूद था।

चार वंशावलियां अर्थात, 22RE H1 (प्रत्याशी हाइब्रिड), 22RE H1 (F1), 22RE H2 (प्रत्याशी हाइब्रिड), 22RE H2 (F1) के भ्रूणपोष में कम (10-19%) एमिलोज पाया गया। दो वंशावलियों यानी 22RE6 और 22RE8 में उच्च (26-30%) में उच्च एमाइलोज तत्व दर्ज किया गया और बाकी वंशावलियों के भ्रूणपोष में मध्यम (20-25%) एमिलोज तत्व दर्ज किया गया। किस्म 22RE3 को मजबूत सुगंध के साथ दर्ज किया गया। अन्य सुगंध युक्त वंशावली 22RE H3 थी।

3.1.2. कपास के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

महात्मा फुले कृषि विश्व विद्यालय (कपास), राहुरी

वर्ष 2023-24 में, कपास सुधार परियोजना एमपीकेवी, राहुरी में, पहले वर्ष के परीक्षण के लिए चार नए हाइब्रिड थे, दूसरे वर्ष के लिए 68 वंशावलियों का परीक्षण किया गया जिसमें 32 विशिष्ट/टिपिकल और 36 प्रत्याशी हाइब्रिड थे। इसी तरह, पीपीवी और एफआरए से प्राप्त 55 संदर्भ किस्मों के साथ 68 संदर्भ किस्मों को इस केंद्र में अनुरक्षित किया गया है और नौ वाणिज्यिक मानक-किस्मों / हाइब्रिडों की बुवाई की गई। वर्ष 2023-24 के दौरान इस केंद्र पर 25 नवंबर 2023 को ऑनलाइन मोड में निगरानी की गई। निगरानी टीम के सदस्य थे: डॉ. के. रथिनवेल, (प्रधान वैज्ञानिक, सीआईसीआर, कोयंबटूर), डॉ. आर. एस. वाघ (कॉटन ब्रीडर, एमपीकेवी, राहुरी), डॉ. वी. सांति, (प्रधान वैज्ञानिक, सीआईसीआर, नागपुर) और श्री दीपाल रॉय चौधरी (संयुक्त निदेशक, पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली)। समस्त प्रेक्षण रिकॉर्ड किए गए और परिणाम निर्धारित समय में खेत की तस्वीर के साथ प्रस्तुत किए गए। परीक्षण की गई किस्मों का प्रदर्शन फसल कटाई तक एक समान, संतोषजनक और अच्छा था।



प्रथम वर्ष के परीक्षण के संबंध में, चार वंशावलियों में से तीन किस्मों (2889/2133, 2877/2495 और 23COANLI01) में पत्ती सपाट पाई गई और एक किस्म (23COG0002) में पत्ती चाय के कप की आकृति की थी। बीजकोष के आकार के संबंध में, दो वंशावलियों (2889/2133, 2877/2495) में गोल आकार का बीजकोष पाया गया और शेष दो (23COANLI01 और 2889/2133) में बीजकोष का आकार अंडाकार दर्ज किया गया। परीक्षण की गई वंशावलियों में पंखुड़ी का रंग और पराग का रंग अलग-अलग देखा गया, जिसमें दो वंशावलियों (2889/2133 और 23COANLI01) में क्रीम रंग की पंखुड़ी दर्ज की गई और दो वंशावलियों (2877/2495 और 23COG0002) में पीले रंग की पंखुड़ी दर्ज की गई।

दूसरे वर्ष के परीक्षण में, 68 प्रत्याशी हाइब्रिड में से 33 हाइब्रिड में पीले रंग की पंखुड़ी और 35 हाइब्रिड में क्रीम रंग की पंखुड़ी दर्ज की गई। पराग के रंग के संदर्भ में, 18 हाइब्रिडों में पीला रंग, 43 हाइब्रिडों में क्रीम रंग और 7 हाइब्रिडों में गहरे पीले रंग के पराग प्रेक्षित किए गए। बीजकोष के आकार के संबंध में, 68 हाइब्रिडों में से केवल 8 दीर्घवृत्ताकार पाए गए। अधिकतर प्रत्याशी हाइब्रिडों के बीजकोष का आकार अंडाकार था, जबकि 43 हाइब्रिडों में गोल आकार के बीजकोष पाए गए। पत्तियों की बनावट के संबंध में, अधिकांश हाइब्रिड (41) सपाट पत्तियों वाले पाए गए तथा 27 हाइब्रिडों में कप के आकार के पत्ते पाए गए।



निगरानी के दौरान दावा किए गए गुणों व लक्षणों तथा फसल विकास के प्रदर्शन के बारे में रिकॉर्ड किए गए प्रेक्षणों के बीच कुछ मामूली अंतर पाए गए। राहुरी और नागपुर केंद्र में दर्ज किए गए प्रेक्षण में पत्ती की बनावट और बीजकोष के आकार में भिन्नता थी। इस बिंदु पर चर्चा की गई। सभी वंशावलियां अपने उचित विकास चरण में एक समान दिख रही थीं।

मध्य क्षेत्र के लिए संस्तुत एवं राजपत्र में अधिसूचित कपास किस्में: लक्षणवर्णन सहित

क्र.सं.	अधिसूचना की तिथि	अधिसूचना सं.	किस्म का नाम
1	10.07.2020	S.O. 3482 (E)	गुजरात आनंद देसी कपास 3 (जीएडीसी 3: वगाद गौरव) (GVhu 767)
2	01.04.2019	S.O. 1498 (E)	जी.कॉट.34 (गुजरात कपास 34) (जीआईएसवी 272)

3			सेंट्रल कॉटन सीसीएच 14-1 (सुनंथा)
4	01.06.2020	S.O. 99 (E)	जी.कॉट.40 (गुजरात कपास 40) (जीएसएचवी 172)
5			जी.कॉट.42 (गुजरात कपास 42) (जीएसएचवी 180)
6			जीएन कॉट. हाई-18 (जीएसएचएच-2759)
7	09.05.2019	S.O. 3220 (E)	पीए-740
8			सेंट्रल कॉटन सीआईसीआर सीएनए 1028 (सीएनए 1028)
9	10.07.2020	S.O. 3482 (E)	सेंट्रल कॉटन सीआईसीआर सीएनए 1032 (सीएनए 1032)
10	10.07.2020	S.O. 3482 (E)	आईसीएआर- सीआईसीआर 16 बीटी
11			आईसीएआर- सीआईसीआर रजतबीटी 2
12			आईसीएआर- सीआईसीआर जीजेएचवी 374 बीटी
13			फुले जेएलए- 0906 (जेएलए-0906)
14			एनबीसी-1103 बीजी II
15			पीकेवी-081 बीटी
16			
17			जीटीएचवी 13/28
18			पीए 812
19	20.07.2021	S. O.2986 (E)	दफ्तरी-333 (बीजी-II)
20			गोल्ड स्टार बीजी II
21	22.11.2016	S.O. 3540 (E)	जीएन.कॉट.25
22			जीएन.कॉट.22
23			जी.कॉट.20 (जीएसएचवी 97/59)
24	24.12.2021	S. O. 8 (E)	नंदयाल कपास- 22 (एनडीएलएच 2005-4)
25			नंदयाल कपास- 24 (एनडीएलएच 2051-1)
26			सीआईसीआर-एच कपास 47 (सीएनएच 1111)
27			सीआईसीआर-ए कपास 46 (सीएनए 1054)
28			आईसीएआर-सीआईसीआर बीटी 9 (आईसीएआर-एच बीटी कपास 49)
29			आईसीएआर-सीआईसीआर बीटी 14 (आईसीएआर-एच बीटी कपास 50)
30			आईसीएआर-सीआईसीआर बीटी 21 (आईसीएआर-एच बीटी कपास 51)
31			सोलर 106 बीजी II
32			सोलर 108 बीजी II
33			पीए 810
34	25.08.2017	S.O. 2805 (E)	जी.एन. कॉट. हाई-14 (जी.एस.एच.एच.-2729)
35	26.12.2018	S.O. 6318 (E)	सेंट्रल कॉटन सी.सी.एच. 12-2 (सुचित्रा)
36			सेंट्रल कॉटन सी.सी.एच. 4474 (सुभिक्षा)
37			जी.एन. कॉट.-32 (जी.आई.एस.वी.-267)
38			जी.एन. कॉट.-26 (जी.वी.एच.बी. 170)
39			जी.एन. कॉट.-29 (जी.बी.ए.बी. 106)
40	29.01.2021	S. O. 500 (E)	सी.आई.सी.आर.-एच. कपास 36 (सुरक्षा)
41	29.01.2021	S. O. 500 (E)	एमसी 5431 बीजी II
42			आरसीएच 947 बीजी II
43			आरसीएच 956 बीजी II

44			आरसीएच 953 बीजी II
45			आरसीएच 929 बीजी II
46	31.08.2022	S. O. 4065 (E)	सीआईसीआर-ए कपास 56 (सीएनए1031)
47			सीआईसीआर-ए कपास 59 (सीएनए 17522)
48			सीआईसीआर- एच बीटी कपास 60 (योगांकबीटी (सीआईसीआर-183059-5)
49			सीआईसीआर - एच बीटी कपास 62 नमामि (सीआईसीआर 19-32 बीटी)
50			सीआईसीआर- एच बीटी कपास 63 (समर्टबीटी (सीआईसीआर- 183059-2)
51			जीबीसीएच-1801 बीजी II
52			SHAIV MC5444 बीजी II
53			एनबीसी 2020 बीजी II
54			जीआईएसवी 312 जीएन.कॉट.44
55			आरसीएच-971 बीजी II

अनुरक्षण के तहत/लक्षणवर्णित किस्में:

एमसीयू-10, एच-1098, एमसीयू-3, सुमन, एमसीयू-11, रेबा-बी-50, एचएलएस-329, एलएच-900, एमसीयू-13, सुप्रिया, एकेएच-07आर, जेके- 4, एएच-107, एनएच-545, एमसीयू-5, आरएमपीबीएस-155, पीएच-93, आरसीएच-001, एफ-1378, वीसी-21, सुविन, एसीपी-71, प्रतिमा, जेसीसी-1, एनसीएच-419, टीसीबी-209, एमडीएच-89, एसएच-2379, एकेएच-081, सहाना, खंडवा-3, एनएच-452, जीएसएचवी-112, जी.कॉट.18, एमसीयू-7, देवीराज, अबाधिता, एमसीयू-9, लक्ष्मी, जी.कॉट.12, कंचन, बदनावर-1, सुमंगला, गुजरात-67, जे-34, डीएचवाई-286-1, एलएच-1556, बनी-फिमेल, एनसीएच-11, टी-7, एमसीयू-8, एमसीयू-5वीटी, सुरभि, पीकेवी रजत, वीसी-32, आरएसपी-4, खंडवा-2, एफ-846, जी.कॉट.16, एमसीयू-12, जेएलएच-168, जी.कॉट.16, पीआरएस- 74, एमसीयू-4, सुजाता, एच-974, एच-1220, एलआरए-5166, फुले सुमन, फुले प्रभा, धनवंतरी, फुले धारा, एमआरसी-7351, धनदेव, एनसीएच-854, रासी-मैजिक, रासी-659, फुले-688, फुले-717, फुले 388, फुले-492, फुले-622, एनसीएस-954, अजीत-155, अजीत-199.

भाकृअनुप- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर

2023-24 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

फसलें	नई		अधिसूचित किस्में
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां	
कपास	4	98	55



खरीफ 2023 मौसम में मध्यम और समय पर वर्षा देखि गई । दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए प्राप्त 43 में से अधिकांश वंशावलियां में अंकुरण और पौध जमाव अपेक्षा से बहुत कम था। इन वंशावलियों में चूषक कीटों का संक्रमण भी भारी मात्रा में पाया गया, जिसके लिए लगातार कीटनाशक छिड़काव की आवश्यकता महसूस की गई। वंशावली 23COG1810 में, ऑफ-टाइप की उच्च संख्या (कुल 100 पौधों में से 12) थी। वंशावली 2881/2036 में, ऑफ-टाइप (कुल 50 पौधों में से 14 एफ1 एसएमजी पौधे और प्रत्याशी भूखंड में कुल 50 पौधों की संख्या में से 10) की उच्च संख्या थी। कुछ अनूठे लक्षण, जो डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश में सूचीबद्ध नहीं हैं, कुछ



वंशावलियों में प्रेक्षित किए गए। लोकप्रिय निजी बीटी हाइब्रिड (चार), सीआईसीआर द्वारा विमोचित बीटी किस्म (एक) और आंचलिक एवं क्षेत्रीय मानक-किस्मों को भी परीक्षण में शामिल किया गया था। डीयूएस निगरानी ऑनलाइन 20.11.2023 को पीपीवीएफआरए, भाकृअनुप-सीआईसीआर और अन्य केंद्रों के अधिकारियों की मौजूदगी में की गई। दूसरे वर्ष के परीक्षण में, वंशावली, 2870 /2114 का परीक्षण किया गया। पादपों को तीनों प्रतिकृतियों में पूरी तरह से रंजित किया गया। एक अन्य वंशावली, 2876/2295 को श्रृंखला में बीजकोष फटन और खुले फूल खिलने के आधार पर उत्कृष्ट पाया गया। एक वंशावली, 23CORC1103H ने उच्च बीज सूचकांक (13.88 ग्रा.) दिखाया गया था। वंशावली, 2871/2556 ने अर्ध-अंडाकार का बीजकोष आकार प्रदर्शित किया, जो अद्वितीय था।

अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सूची	स्रोत, रिलीज / वाणिज्यिक रिलीज की तारीख, यदि कोई हो
जी. हिर्सुटम (31) जी. बारबाडेंस (3)	राज्य विश्वविद्यालय, भाकृअनुप-सीआईसीआर, पीपीवी और एफआरए

निगरानी टीम ने उन वंशावलियों को भी शामिल करने का सुझाव दिया जो एआईसीआरपी के अग्रिम परीक्षणों में डीयूएस परीक्षण के लिए संदर्भ हाइब्रिड के रूप में थी। परीक्षण केंद्रों (राहुरी और नागपुर में केंद्रीय क्षेत्र) के डेटा को अंतिम रूप देने से पहले और पीपीवी और एफआरए को भेजने से पहले किसी भी विसंगतियों के लिए अच्छी तरह से जांचा गया।

भाकृअनुप-केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर

शुरु में, परीक्षण लगातार बारिश के कारण बाधित हुआ जिसके परिणामस्वरूप बुवाई में एक महीने की देरी हुई। लेकिन अंकुरण और पौध विकास अच्छा पाया गया। देरी से बुवाई के कारण गुणत्तात्मक गुणों व लक्षणों की व्यंजकता प्रभावित नहीं हुई। सभी लक्षण दर्ज किए गए, तस्वीरें ली गईं।

फसलें	नई		एफवी	राजपत्र में अधिसूचित वंशावलियां	निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां			
कपास (त्रिगुणित)	(12)	47+66	-	39	2.2.2024
कपास (द्विगुणित)	(3)	-	2		

शिमोगा से तदानुरूप F1 के साथ पच्चीस प्रत्याशी किस्मों को साइड-बाइ-साइड उगाया गया, वे एक दूसरे से तुलनीय और एक समान थे। परीक्षण उचित चरण पर दर्ज किए गए डेटा और परीक्षण-दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया।



निम्नलिखित किस्में अनुरक्षण के अधीन थीं: अबधिता (एच), अकाला ग्लैंडलेस (एच), एसीपी 71 (एच), एएच 107 (एच), अमेरिकन नेक्टरलेस, अंजलि, एआरबीएच 813 (एच), एरिजोना सुपर ओकरा लीफ (एच), बदनावर (एच), भाग्य (एच,) बाइकनेरी नर्मा (एच), बीएन रेड (एच), बीएन (एच), बीएन 1, सीए 116 (एच), सीसीएच 2623 (एच), सीपीडी 423, देवीराज (एच), डीएचवाई 286-1, डीएस 28 एफ, ईसी 344034 (एच)-नानकीन स्पॉट-ब्राउन लिंट, एक्सट्रीम ओकरा (एच)-ग्रीन लिंट, एफ 1054 (एच), एफ 1378 (एच), एफ 1861 (एच), एफ 320 (एच), एफ 505 (एच), एफ 846 (एच), फुले 492, जी.कॉट. 10, जी.कॉट. 100, जी.कॉट. 12 (एच), जी.कॉट. 16 (एच), जी.कॉट. 18 (एच), जी.कॉट. 20 (एच), जी.कॉट. 22 (एच), जीएल-सीओ2-4-4, जीएलएम 5 (एच)- ग्रीन लिंट, जीएसएचवी112, गुजरात 67, एच 1098 (एच), एच 1117 (एच), एच 1157, एच 1220, एच 1226 (एच), एच 1236 (एच), एच 974 (एच), एचसी 122-66 (एच)-ब्राउन लिंट, एचएलएस 329, एचएस 6 (एच),
जे 34 (एच), जालंधर (एच), जेसीसी 1 (एच)-ब्राउन लिंट, जेके 35 (एच), जेके4, जेएलएच 168 (एच), के-34007, कंचना, केसी

2(एच), केसी 3(एच), केकची रेड (एच), केम्प (एच), खंडवा 2(एच), खंडवा 3(एच), एल 604 (एच), एलएएचएच 5(एच), लक्ष्मी (एच), एलएच 1134 (एच), एलएच 2076 (एच), एलएच 2108 (एच), एलएच 372 (एच), एलएच 900 (एच), एलआरए 5166 (एच), एलएसएस (एच), महालक्ष्मी (एच), एमसीयू 11 (एच), एमसीयू 12 (एच), एमसीयू 3 (एच), एमसीयू 4 (एच), एमसीयू 5 (एच), एमसीयू 5वीटी (एच), एमसीयू 7 (एच), एमसीयू 8 (एच), एमसीयू 9 (एच), एमसीयू10, एमसीयू13, एमडीएच 89 (एच), मैसूर विजया, एन-1 (एच)-ग्रीन लिंट, नरसिम्हा, नर्मदा (एच), एनसी 217 (एच), एनसी-61, एनसीएच 11, एनएच 452, एनएच 545 (एच), एनएच 615 (एच), पी-15 (एच)-ग्रीनलिंट, पी-15 डीपी (एच) -ब्राउन लिंट, पी-15-1 (एच) - ब्राउन लिंट, पीजी 6 (एच), पीएच 93 (एच), पीआईएल 8, पीकेवी रजत (एच), प्रतिमा (एच), पीआरएस 72 (एच), पीआरएस 74 (एच), पूसा 8-6 (एच), राज एचएच 769 (एच), आरईबीए बी-50आरएचसी 003, आरएचसी 004, आरएमपीबीएसएस155 (एच), आरएस 2013 (एच), आरएस 810 (एच), आरएस 875 (एच), आरएसटी 9 (एच), सहाना (एच), एसएच 2379, शिवनंदी (एच), सौभाग्य (एच), सुजाता, सुमन (एच), सुमंगला, सुप्रिया (एच), सुरभि, एसवीपीआर 5 (एच), टी 7, टीसीबी 209, टीसीएच 1716 (एच), वागड़ कल्याण (एच), वीसी 21, विक्रम, एके 235 (ए), एकेए 5 (ए), एकेए 8 (ए), कैट नं.8405 (ए)-ब्राउन फ़ज़, धूमड़ (ए), डीएस 5, जी.कॉट. 15 (ए), जी.कॉट. 19 (ए), जीएमएस लाइन, एचडी 107 (ए), एचडी 226, जवाहर ताप्ती (ए), जेके5 (ए), जेएलए 794 (ए), के11 (ए), केआर 111 (ए), केआर 64 (ए), एलडी 210, एलडी 327, एलडी 491 (ए), एलडी 694 (ए), पीए 183 (ए), पीए 402 (ए), फुले अनमोल (ए), फुले धनवंतरी (ए), राज डीएच 9(ए),आरजी 18(ए),आरजी 8 (ए), वाई1 (ए), डीसीएसए 17, डीडीएचसी 11,जी.कॉट.23,जी.कॉट. 25.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

फसल	नई 2023 में वंशावलियां	फसल निगरानी की तिथि
कपास	36 प्रत्याशी हाइब्रिड (F1s और संदर्भ हाइब्रिड सहित), दो आंचलिक मानक-किस्में + 59 विशिष्ट/टिपिकल किस्में +16 संदर्भ किस्में	8/11/2023

पहले मौसम में संदर्भ हाइब्रिड, 15 SMG और 18 संदर्भ किस्मों सहित 19 प्रत्याशी हाइब्रिडों को डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार लक्षणवर्णित किया गया।

दूसरे मौसम की बुवाई 7 मई, 2023 को की गई। फसल की स्थिति अच्छी थी, केवल एक बात यह थी कि प्रत्याशी हाइब्रिड, उनके F1s और विशिष्ट किस्मों की बीज मात्रा बहुत कम थी, यहाँ तक कि प्रत्येक वंशावली की दस पंक्तियाँ बोना भी मुश्किल था। प्रत्याशी हाइब्रिड 2876/2136/H और F1 SMG के मामले में पंखुड़ी के रंग में कुछ भिन्नता थी। हाइब्रिड में फूल का रंग क्रीमी था, लेकिन F1 SMG के मामले में पीला था। प्रत्याशी हाइब्रिड 2873/2511/H और इसके F1 SMG में गोल और अंडाकार, दोनों प्रकार के बीजकोष मौजूद थे। प्रत्याशी हाइब्रिड 2871/2039/H में मिश्रण देखा गया। F1 SMGs, 59 विशिष्ट किस्मों और 16 संदर्भ किस्मों सहित 28 प्रत्याशी हाइब्रिडों का एक सेट 19 अप्रैल, 2023 को पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली से प्राप्त हुआ। संदर्भों और मानक-किस्मों (RCH 773 और ACH 177-2) के साथ सभी वंशावलियां 7 मई, 2023 को मानक अनुशंसित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार दो प्रतिकृतियों में यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन में बोई गईं। बुवाई के सात दिनों के बाद हाइपोकोटाइल का रंग दर्ज किया गया। जून-जुलाई के महीने में पुष्पण शुरु हुआ। सभी डेटा (मात्रात्मक और गुणात्मक) फसल के उपयुक्त विकास चरण में दर्ज किए गए।





38 वंशावलियों (28 प्रत्याशी हाइब्रिडों और उनके F1s, 8 संदर्भ हाइब्रिड और दो मानक-किस्मों) में से 36 के हाइपोकोटाइल में रंजकता थी। यह 52 विशिष्ट किस्मों और सभी 16 संदर्भ किस्मों में मौजूद था। 23CO54V और 23CO58V को छोड़कर, सभी वंशावलियों की पत्तियां ताड़ के आकार (सामान्य) की तरह थीं। प्रत्याशी हाइब्रिडों, विशिष्ट किस्मों और संदर्भ किस्मों में से केवल ग्यारह वंशावलियां (23CO15V, 23CO27V, L-604, लक्ष्मी, सुमंगला, F-2228, प्रतिमा, JLH-168, F-

1861, ACP-71 और खंडवा) अर्ध-फैलाव वाली किस्म थीं और शेष पूर्ण फैलाव वाली किस्मे थीं।

तीन प्रत्याशी हाइब्रिडों और तीन संदर्भ हाइब्रिडों (2876/2136/H, 2871/2041/H, 2876/2126/H, 23CORCH09H, 23COGBII11H और 23COGBII12H) में पंखुड़ी पीले रंग की थी, जबकि विशिष्ट किस्मों में, नौ किस्मों (23CO09V, 23CO12V, 23CO17V, 23CO19V, 23CO22V, 23CO27V, 23CO28V, 23CO32V, 23CO35V) में पीले पंखुड़ी का रंग था और 23CO54V में पंखुड़ी का रंग विविधतापूर्ण था। 16 संदर्भ किस्मों में से सात [कंचन, जेसीसी-1, एल-604, पीकेवी-रजत, लक्ष्मी, खंडवा, बदनावर-1 (एच)] में पंखुड़ी का रंग पीला था। शेष वंशावलियों में पंखुड़ी का रंग क्रीमी था। केवल तीन प्रत्याशी हाइब्रिडों और दो संदर्भ हाइब्रिडों यानी 2873/2511/H, 2879/2235/H, 2871/2039/H, 23CORA0708H, 23COGBII11H में पराग का रंग पीला था। 59 विशिष्ट किस्मों में से, नौ किस्में यानी 23CO20V, 23CO24V, 23CO30V, 23CO39V, 23CO40V, 23CO43V, 23CO48V, 23CO50V और 23CO54V में पराग पीले रंग का था। 16 संदर्भ किस्मों में से, दो किस्मों (लक्ष्मी और JCC-1) में पीले रंग के पराग थे और शेष में क्रीमी रंग का पराग था।



38 वंशावलियों में से (28 प्रत्याशी हाइब्रिड और उनके F1s, 8 संदर्भ हाइब्रिड और दो मानक-किस्में), आठ वंशावलियों में गोल बीजकोष थे, जबकि तीस वंशावलियों में अंडाकार बीजकोष थे। 59 विशिष्ट किस्मों में से, उनतालीस वंशावलियों में गोल बीजकोष थे और दस वंशावलियों में अंडाकार बीजकोष थे। सोलह संदर्भ किस्मों में से, तेरह किस्मों में गोल बीजकोष थे, दो किस्मों में अंडाकार बीजकोष थे, जबकि F-1861 में बीजकोष अण्डाकार था।

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, भटिंडा

58 विशिष्ट किस्मों, 9 (प्रत्याशी हाइब्रिड + F1 हाइब्रिड SMG) और 8 संदर्भ हाइब्रिडों के बीज 24 अप्रैल, 2023 को पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली से प्राप्त हुए। संदर्भ और मानक-किस्मों के साथ सभी वंशावलियां 21 मई, 2023 को मानक अनुशंसित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार दो प्रतिकृतियों में यादृच्छिक ब्लॉक डिज़ाइन में बोई गईं। सभी प्रेक्षण फसल के इष्टतम विकास चरण में दर्ज किए गए। अंकुरण अवस्था के दौरान हाइपोकोटाइल का रंग दर्ज किया गया। 5 विशिष्ट किस्मों को छोड़कर, सभी वंशावलियों के हाइपोकोटाइल में रंजकता थी। सभी वंशावलियों में पत्तियां ताड़पत्र (सामान्य) की तरह थे, विशिष्ट किस्म 23CO54V को छोड़कर, जिसमें एक पत्ती का आकार डिजिटेट (भिंडी) की तरह था। किस्म 23CO58V में पत्ती का आकार अर्ध-डिजिटेट (अर्ध-भिंडी) की तरह था। प्रत्याशी हाइब्रिड, विशिष्ट किस्मों और संदर्भ किस्मों में से केवल एक वंशावली (23CO08V) में अर्ध-फैलाव की प्रकृति देखी गई, जबकि शेष में पूर्ण फैलाव की प्रकृति देखी गई।





प्रत्याशी हाइब्रिड 2876/2136/H, 2869/2497/H और उनके F1 SMGs 2876/2136/F1, 2869/2497/F1 के मामले में पंखुड़ी के रंग में भिन्नता थी। प्रत्याशी हाइब्रिड में फूल का रंग क्रीम था, लेकिन F1 SMGs में पीला था। इसके अतिरिक्त, दो प्रत्याशी हाइब्रिडों और उनके F1 SMGs (2871/2027/H, 2871/2027/F1, 2871/2041/H, 2871/2041/F1), तीन संदर्भ हाइब्रिडों (23CORCH09H, 23COGBII11H और 23COGBII12H) और नौ विशिष्ट किस्में (23CO09V, 23CO10V, 23CO11V. 23CO15V, 23CO17V, 23CO19V, 23CO27V, 23CO32V, 23CO35V) में पंखुड़ी पीले रंग की थी। विशिष्ट किस्म 23CO54V ने पंखुड़ी का रंग भिन्न पाया गया, जबकि विशिष्ट किस्म 23CO22V और 23CO56V में पंखुड़ी का रंग गहरा पीला था। दो प्रत्याशी हाइब्रिडों और उनके F1 SMG (2871/2027/H, 2871/2027/F1, 2871/2041/H, 2871/2041/F1), तीन संदर्भ हाइब्रिडों (23CORCH09H, 23COGBII11H और 23COGBII12H) और नौ विशिष्ट किस्मों (23CO09V, 23CO10V, 23CO11V, 23CO15V, 23CO17V, 23CO19V, 23CO27V, 23CO32V, 23CO35V) में पंखुड़ी का रंग पीला था। विशिष्ट किस्म 23CO54V में पंखुड़ी का रंग भिन्न था, जबकि विशिष्ट किस्मों (23CO22V, 23CO56V) में पंखुड़ी का रंग गहरा पीला था। एक प्रत्याशी हाइब्रिड (2871/2027/H) को छोड़कर,

सभी प्रत्याशी हाइब्रिडों के साथ उनके F1 SMGs, विशिष्ट किस्मों और संदर्भ किस्मों में बाहर को निकला स्टिग्मा था और सात विशिष्ट हाइब्रिडों में एम्बेडेड स्टिग्मा था। बाहर को निकले हुए और एम्बेडेड स्टिग्मा, दोनों को विशिष्ट किस्म (23CO13V) में दर्ज किया गया। सभी प्रत्याशी हाइब्रिडों के साथ-साथ उनके F1 SMG, विशिष्ट किस्मों और संदर्भ किस्मों में, एक प्रत्याशी हाइब्रिड (2871/2027/H) को छोड़कर, स्टिग्मा बाहर को निकला हुआ था और सात विशिष्ट हाइब्रिडों में स्टिग्मा एम्बेडेड टाइप का दर्ज किया गया। बाहर को निकला हुआ स्टिग्मा तथा एम्बेडेड स्टिग्मा, दोनों को विशिष्ट किस्म (23CO13V) में दर्ज किया गया।

2023-24 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सूची	स्रोत/विमोचन/वाणिज्यिक विमोचन की तिथि/ यदि हो
LH 2298, F 2228	पीएयू लुधियाना
H 1157, सुमंगला, J 34, प्रतिमा, NH 452, NH 545, GSHV112, MCU 5, JK 4, बदनावर, अबाधिता, JCC 1, CU 10, लक्ष्मी, ACP 71, कंचन,	सीआईसीआर, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर

प्रत्याशी हाइब्रिड (2873/2486/H) के मामले में पराग के रंग में भिन्नता देखी गई। पराग का रंग पीला था, जबकि F1 SMG में पराग क्रीम रंग का था। प्रत्याशी हाइब्रिड (2873/2511/H) और तीन संदर्भ हाइब्रिडों (23CORCH106H, 23COJEI107H, 23CORA0708H) के पराग का रंग पीला था। 58 विशिष्ट किस्मों में से पंद्रह किस्मों (23CO04V, 23CO09V, 23CO18V, 23CO30V, 23CO35V, 23CO39V, 23CO40V, 23CO41V, 23CO43V 23CO44V, 23CO46V, 23CO47V, 23CO49V, 23CO54V और 23CO59V) में पराग पीले रंग के थे और तीन किस्मों (23CO49V, 23CO54V और 23CO59V) में गहरे पीले रंग के पराग थे।

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़

2023-24 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण: डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार कपास के नमूनों का लक्षणवर्णन करने के लिए पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से जून 2023 के दूसरे सप्ताह के दौरान एआरएस, धारवाड़ फार्म, यूएएस, धारवाड़ में

कुल 64 कपास बीज नमूने प्राप्त किए गए। बीज के नमूनों का माप-तोल किया गया और प्रत्येक पैकेट का वजन 200 ग्रा. दर्ज किया गया। क्षेत्रीय और स्थानीय मानक-किस्मों के साथ 64 डीयूएस परीक्षण वंशावलियों की बुवाई 20 जुलाई 2023 को की गई क्योंकि मानसून में देरी हुई और जुलाई 2023 के तीसरे सप्ताह से ही बारिश हुई। पहले वर्ष के डीयूएस परीक्षण में 15 कपास वंशावलियां (विशिष्ट) और दक्षिण क्षेत्र के लिए अनुशंसित 39 राजपत्र-अधिसूचित वंशावलियों का एक और सेट शामिल था। दूसरे वर्ष के परीक्षण में 10 कपास वंशावलियां (विशिष्ट) शामिल थीं। सभी वंशावलियों को तीन प्रतिकृतियों और कपास की फसल के लिए अन्य निर्धारित दिशानिर्देशों के साथ आरबीडी डिज़ाइन में बोया गया। सीमित वर्षा के बावजूद और जीवन रक्षक सिंचाई के समर्थन से, सभी वंशावलियों में अंकुरण वांछित रूप में हुआ और फसल अच्छी तरह उगी। अनुशंसित उर्वरक खुराक @ 40 N: 20 P: 20 कि.ग्रा. प्रति एकड़ पर प्रयोग किया गया और नाशीजीवों और रोगों को कीटनाशकों यानी थायोमेथोक्सम, इंडोक्साकार्ब, प्रोफेनोफॉस, साइपरमेथ्रिन के अनुप्रयोग के साथ प्रबंधित किया गया। कोई कवकनाशी का प्रयोग नहीं किया गया क्योंकि कोई भी रोग गंभीर नहीं था।

नई किस्में	
प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष
15 + 39	10
39 राजपत्र में अधिसूचित किस्में	





खेत में तथा परीक्षणशाला में त्रिगुणित एवं द्विगुणित, दोनों कपास प्रजातियों के लिए सभी विनिर्दिष्ट गुणों व लक्षणों को रिकॉर्ड किया गया। किसी भी लक्षण के संदर्भ में प्रतिकृतियों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। सभी वंशावलियों में फसल स्थापन एक समान था। कुछ रंग-बिरंगी कपास वंशावलियों में सफेद फाहा/तंतु वाले पौधे प्रेक्षित किए गए और वे ऑफ टाइप्स के बजाय, के बजाय मिश्रण के रूप में पाए गए। तथापि, परीक्षणों के संचालन में कुछ अप्रत्याशित प्रेक्षण भी सामने आए जिनका वर्णन नीचे किया जा रहा है। यह अप्रत्याशित प्रेक्षण यह है कि हालांकि वंशावली सीएनएच-1128 को राजपत्र में *जी. हिर्सुटम* के रूप में अधिसूचित किया गया है, लेकिन खेत में इसने *जी. अर्बोरियम* के लक्षण प्रदर्शित किए। फसल प्रबंधन की सफलता के साथ, डीयूएस परीक्षण भी सफलतापूर्वक संचालित किए गए और 19-02-2024 को कटाई की गई। रेशा गुणवत्ता का आकलन यूएएस, धारवाड़ में सीआईआरसीओटी इकाई में किया गया।

3.1.3. जूट के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय जूट एवं संबद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर एवं क्रिजाफ, बुदबुद, बर्धवान, पश्चिम बंगाल

कोरकोरस की दो प्रजातियों की दस किस्मों अर्थात *ओलिटोरियस* (23JU05T, 23JU06T, 23JU07T, 23JU08T, 23JU09T और 23JU10T) और *कैप्सुलरिस* (23JU01T, 23JU02T, 23JU03T और 23JU04T) का 2023-24 के दौरान डीयूएस परीक्षण में

फसलें	नई
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां
जूट	10



परीक्षण किया गया। बुवाई 15.03.2023 को भाकृअनुप-CRIJAF, बैरकपुर (नोडल केंद्र) में और 23.03.2023 को भाकृअनुप-CSRSJAF, बुदबुद, पश्चिम बंगाल (सह-नोडल केंद्र) में की गई। फसल विकास की पूरी अवधि के दौरान डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश का पालन करते हुए 17 डीयूएस लक्षण दर्ज किए गए। *कैप्सुलरिस* और ओलिटोरियस, दोनों वंशावलियों में लक्षणों की व्यंजकता एक समान थी। *कैप्सुलरिस* किस्मों के मामले में सभी चार किस्मों (23JU01T, 23JU02T, 23JU03T और 23JU04T) के डीयूएस लक्षणों की व्यंजकता एक समान थी। सभी किस्मों में पत्ती लेमिना का रंग



और पत्ती शिरा का रंग हरा (RHS:137 A) था और डंठल का रंग लाल था। अधिकांश किस्मों को तने के रंग (विशेषक-6) के आधार पर पहचाना जा सकता है। किस्म 23JU01T और 23JU04T में तने का रंग तांबे जैसा लाल (178 A) था, 23JU03T में लाल (44 A) था, 23JU02T में बैंगनी (187 D) था। ये दो किस्में (23JU01T और 23JU04T) बीज के आकार (23JU01T में अतिरिक्त बड़ा 3.65 ग्रा. और 23JU04T में बड़ा 3.41 ग्रा.) और रेशे की गुणवत्ता (23JU01T: बहुत महीन और काफी औसत रेशा मजबूती; 23JU04T: मोटा और काफी मजबूत रेशा) भिन्न थे। कैप्सुलरिस की सभी किस्मों में पादप की ऊंचाई मध्यम (303-339 से.मी.) और पत्ती का आकार (विशेषक-7) अंडाकार-नुकीला था। इन सभी कैप्सुलरिस किस्मों में फूल आने का समय (विशेषक-12) विलंबित (>100 दिन) था और बीज का रंग (विशेषक-17) चॉकलेटी भूरा था। किस्म 23JU03T में कैलिक्स का रंग हरा (RHS:137 A) था और 23JU01T, 23JU02T और 23JU04T में लाल था। 23JU03T में फली का रंग हरा (विशेषक-14) था, और 23JU01T, 23JU02T और 23JU04T में लाल था। *ओलिटोरियस* किस्मों के मामले में, तने का रंग (विशेषक-6) हरा (आरएचएस:144 B) था और पत्ती का आकार (विशेषक-7) सभी किस्मों में अंडाकार-नुकीला था। किस्म 23JU07T, 23JU09T और 23JU10T में पौधे की ऊंचाई (विशेषक-8) मध्यम (301-400 से.मी.) थी, जबकि किस्म 23JU05T, 23JU06T और 23JU08T में अधिक (>400 से.मी.) थी। रेशा की शुद्धता (विशेषक-9) किस्म 23JU06T और 23JU08T में उत्कृष्ट (2.8-3.2 टेक्स) थी और 23JU05T, 23JU07T, 23JU09T और 23JU10T में बहुत अच्छी (<2.8 टेक्स) थी, जबकि रेशे की मजबूती (विशेषक-10) 23JU06T में काफी अच्छी (23.5-26.4g/tex) थी, 23JU07T में औसत और कमजोर (20.4g/tex और इससे कम), 23JU05T, 23JU08T, 23JU09T और 23JU10T में दोनों केंद्रों पर काफी औसत (20.5-23.4g/tex) थी। इनमें से अधिकांश किस्में बीज के रंग (विशेषक-17) के आधार पर एक दूसरे से अलग थीं (23JU05T: लाल रिज एवं ऐपेक्स के साथ काला; 23JU06T: स्टील ग्रे (N186 A); 23JU07T: भूरा (RHS: 200 A); 23JU08T: चॉकलेट ब्राउन (RHS: 166 A); 23JU09T: काला (203 A); 23JU10T: स्टील ग्रे (N 200 B)।

3.1.4. मक्का के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप-आईआईएमआर), नई दिल्ली

फसल [मक्का]	नई किस्में		कुल	निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष		
हाइब्रिड	29	26[18 (प्रत्याशी किस्में) + 8 (F1 SMG)	55	19.09.2023
अंत:प्रजात	03	-	03	19.09.2023
अधिसूचित	33	-	33	
कुल	65	26	91	

डीयूएस परीक्षण की बुवाई 23 जुलाई 2023 को की गई। डीयूएस परीक्षण कुल 91 वंशावलियों पर सफलतापूर्वक किया गया जिसमें 55 हाइब्रिड, 3 अंत:प्रजात वंशक्रम और 33 अधिसूचित हाइब्रिड शामिल थे। 55 हाइब्रिडों में से, परीक्षण के पहले सत्र में 29 और दूसरे सत्र में 26 हाइब्रिड थे। दूसरे वर्ष के परीक्षण के लिए हाइब्रिडों (26 किस्में) की स्थिरता का परीक्षण करने हेतु उनके पैतृकों की क्रॉसिंग के द्वारा प्राप्त 8 हाइबिड शामिल थे। अत:, दूसरे सत्र के परीक्षण के 8 प्रत्याशी हाइब्रिडों का परीक्षण उनके पैतृक क्रॉस (F1 हाइब्रिड SMG) के साथ किया गया जबकि शेष 10 प्रत्याशी हाइब्रिडों का परीक्षण दूसरे सत्र में उनके पैतृक क्रॉस (F1 SMG) के बिना किया गया। तुलना में आसानी के लिए दूसरे सत्र के परीक्षण के प्रत्याशी हाइब्रिडों को उनके पैतृक क्रॉस के साथ-साथ बोया गया। डीयूएस परीक्षण में 17 संदर्भ किस्मों (अन-कोडेड) में 9 हाइब्रिड और 7 अंत:प्रजात वंशक्रम शामिल थे। डीयूएस परीक्षण में पादपों का स्थापन, विकास और व्यंजक्ता तीनों प्रतिकृतियों में संतोषजनक थी। हालाँकि, कुछ प्रत्याशी वंशावलियों अर्थात, 2874/2332/H 2879/2844/H (53%), 22 KMH 5 (68%), 22 KMH 11 (51%), 22 KMH 12(65%), 22 KMH 15 (65%), 23MA349917 H (65%), 23MAHM1018 H (46%), 23MAPM311 H (69%), 23MASH319 H (64%), 23MAVI912 H (68%) और 23MAPHW02 (57%) का समग्र अंकुरण प्रतिशत % <80 था और बुवाई के बाद इस बारे में पीपीवी एवं एफआरए को इसकी सूचना दी गई। डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार सभी वंशावलियों के लिए विभिन्न डीयूएस विवर्णकों (डिस्क्रिप्टर) पर डेटा रिकॉर्ड किया गया। कुछ वंशावलियों को छोड़कर, परीक्षण के दूसरे सत्र में वंशावलियों में एकरूपता देखी गई, कुछ वंशावलियों में एक या दो लक्षणों के लिए प्रेक्षित विसंगतियों/बेमेल के विवरणों पर भारत सरकार के पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र के दौरे के दौरान चर्चा की गई। मूल्यांकन के दूसरे वर्ष में प्रत्याशी वंशावली 22KMH 10 (C) ने पूरे भूखंड में 20% छोटे कद के पौधों की व्यापकता प्रदर्शित की, जो मादा पैतृक के समान थे, जबकि F1 हाइब्रिड शिवमोगा, 22KMH 10 (SMG) ने लगभग 15% छोटे कद के पौधे प्रदर्शित किए। इसी तरह, 23MATM4421 H और PMH 5 दोनों ने 20% छोटे कद के पौधे प्रदर्शित किए। इसके अलावा, 22KMH 12, 22KMH 6, 23MAAM3615 H, 23MABI4403 H, 23MADH1720 H, 23MAHM416 H, 23MAP30109 H, 23MAPR110 H, 23MASY0302 H, 23MAVI912 H, और HM 8 ने 15% छोटी ऊंचाई वाले पौधे प्रदर्शित किए, जबकि 22KMH 15, 23MAHM1018 H, 23MASH414 H, 2890/2058/H, 2890/2090/H, और HQPM 1 ने लगभग 10% छोटी ऊंचाई वाले पौधे प्रदर्शित किए। उल्लेखनीय रूप से, 23MADM0822 H में छोटी ऊंचाई वाले पौधों का उच्चतम अनुपात दर्ज किया गया, जो लगभग 25% था। कुछ वंशावलियों को छोड़कर, परीक्षण के दूसरे सत्र में वंशावलियों ने स्थिरता दिखाई। शिवमोगा, कर्नाटक में पीपीवी एवं एफआरए द्वारा उनके पैतृक क्रॉस से उगाए गए बीजों और प्रत्याशी हाइब्रिडों ने एकसमान लक्षण प्रदर्शित किए। कुछ वंशावलियों में एक या दो लक्षणों को छोड़कर, डीयूएस विवर्णकों पर प्रत्याशी हाइब्रिड (F1SMG) के पैतृक क्रॉस में दर्ज किए गए





प्रेक्षण बिल्कुल उसी तरह थे जैसा कि संबंधित प्रत्याशी हाइब्रिडों में विभिन्न डीयूएस विवर्णकों के संदर्भ में दर्ज किए गए थे। प्रत्याशी वंशावली 22KMH 10 (C) से पूरे भूखंड में 20% छोटे कद वाले पौधों की व्यापकता देखी गई, जो मादा पैतृक के समान थे, जबकि F1 हाइब्रिड शिवमोगा, 22KMH 10 (SMG) से लगभग 15% छोटे कद वाले पौधे उगे।

एक या दो डीयूएस विवर्णकों (पत्ती का कोण, पत्ती की प्रकृति, टेसल का कोण, टेसल की प्रकृति, ग्लूम का एंथोसायनिन रंग, आधार को छोड़कर ग्लूम का एंथोसायनिन रंग, रेशम रंजकता, परागकोष का रंग, आदि) के संदर्भ में कुछ वंशावलियों को छोड़कर, दूसरे सत्र में अधिकांश प्रत्याशी वंशावलियां (हाइब्रिड और अंत:प्रजात वंशक्रम) पहले वर्ष में विभिन्न डीयूएस विवर्णकों पर दर्ज प्रेक्षणों के समान थे।

इसी तरह, एक या दो डीयूएस विवर्णकों (22KMH 10, पौधे की ऊँचाई के संबंध में) के लिए कुछ वंशावलियों को छोड़कर, दूसरे सत्र में प्रत्याशी वंशावलियों पर दर्ज प्रेक्षण कर्नाटक के शिवमोगा में पीपीवी एवं एफआरए द्वारा उत्पादित उनके पैतृक क्रॉस (F1SMG) के समान थे।

एसआरटीसी, प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू), हैदराबाद

मक्का में 2023-24 के दौरान डीयूएस प्रायोगिक परीक्षण 52 प्रत्याशी वंशावलियों (जिसमें प्रथम वर्ष के लिए 29 हाइब्रिड और 3 विशिष्ट (प्रथम वर्ष), द्वितीय वर्ष के लिए 10 हाइब्रिड, द्वितीय वर्ष के लिए 10 पैतृक क्रॉस शामिल थे) के साथ तैंतीस (33) राजपत्रित अधिसूचित वंशावलियों और 128 संदर्भ वंशावलियों के संदर्भ में संचालित किए गए।

क्र.सं.	नए		नए	कुल
	हाइब्रिड	अंत:प्रजात वंशक्रम	पैतृक क्रॉस	
प्रथम वर्ष	29	3	-	32
द्वितीय वर्ष	10	3	10	23
राजपत्र में अधिसूचित वंशावलियां	33	-	-	33
संदर्भ	53	75	-	128
कुल	125	81	10	216



मान्य बुवाई स्थितियाँ, बुवाई का विवरण, आदि: पर्याप्त वर्षा होने के बाद सभी हाइब्रिडों की बुवाई 30.7.2023 को की गई। अगस्त 2023 के दौरान फसल अंकुर चरण पर लगातार भारी बारिश हुई, जिसके कारण कुछ वंशावलियों में पादप स्थापन/जमाव प्रारंभ में प्रभावित हुआ। हालांकि पूरे फसल मौसम के दौरान पर्याप्त वर्षा हुई, मगर वर्षा नहीं होने की स्थिति में आवश्यकतानुसार सिंचाई की गई। स्वस्थ फसल उगाने के लिए समय पर पादप संरक्षण और खरपतवार नियंत्रण उपाय किए गए। सभी वंशावलियों में डीयूएस लक्षणों की व्यंजकता अच्छी थी और डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार समय पर डेटा दर्ज किया गया। एक विशिष्ट वंशावली 22MAVQ-202 (द्वितीय वर्ष परीक्षण) पूरी तरह से अंकुरित होने में विफल रही जिसके बारे में सूचना अग्रेसित की गई। अधिकांश वंशावलियों ने एक समान लक्षण और स्पष्ट व्यंजकता प्रदर्शित की। वंशावली के भीतर पादप ऊंचाई वंशावली KMH-4 (द्वितीय वर्ष प्रत्याशी हाइब्रिड) में पौधे की ऊंचाई के संबंध में भिन्नता देखी गई। पौधे की ऊंचाई के संबंध में वंशावली KMH-4 (द्वितीय वर्ष प्रत्याशी हाइब्रिड) के लक्षण उसके SMG हाइब्रिड से भिन्न थे।डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार हाइब्रिड और अंत:प्रजात वंशक्रमों के डीयूएस परीक्षण किए गए। 52 प्रत्याशी वंशावलियों के साथ 3 संदर्भ हाइब्रिडों और 6 अंत:प्रजात संदर्भ हाइब्रिडों का भी डीयूएस मूल्यांकन किया गया।

3.1.5. सोयाबीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा

डीयूएस परीक्षण के लिए खरीफ 2023 के दौरान परीक्षण किया गया। प्राधिकरण के राष्ट्रीय डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का पालन करके फसल के उचित विकास चरणों में सभी प्रकार के डेटा दर्ज किए गए। सभी प्रत्याशी किस्में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों के आधार पर भिन्न थीं। प्रथम वर्ष की वंशावलियों (7), द्वितीय वर्ष की वंशावलियों (8) के साथ-साथ क्षेत्रीय मानक-किस्मों (2) के लिए दर्ज किए गए डेटा को उचित प्रारूप में भरकर पीपीवी एवं एफआरए को भेजा गया।

फसलें	नई		निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां	
सोयाबीन	परीक्षण कोड 2889/2080, 2889/2097, 2889/2098, 2889/2099, 23SOJS6001, 23SOPS2902 एवं 23SOPS4703	परीक्षण कोड 22SB1, 22SB2, 22SB3, 22SB4, 22SB5, 22SB6, 22SB7 एवं 22SB8	28-09-2023



सोयाबीन की 15 वंशावलियां (7 वंशावलियां प्रथम वर्ष के परीक्षण के लिए और 8 वंशावलियां द्वितीय वर्ष के परीक्षण के लिए; पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली से 24 मई, 2023 को प्राप्त की गईं। प्रथम वर्ष के परीक्षण के लिए सोयाबीन वंशावलियों में 2889/2080, 2889/2097, 2889/2098, 2889/2099, 23SOJS6001, 23SOPS2902 और 23SOPS4703 शामिल थीं और द्वितीय वर्ष के परीक्षण के लिए 22SB1, 22SB2, 22SB3, 22SB4, 22SB5, 22SB6, 22SB7 और 22SB8 शामिल थीं। बुवाई 22 जून, 2023 को तीन प्रतिकृतियों में यादृच्छिकृत ब्लॉक डिजाइन में की गई जिसमें वीएल सोया 63 28-09-2023 और वीएल सोया 89 को क्षेत्रीय मानक-किस्म के रूप में शामिल किया गया। दूसरे वर्ष की दो वंशावलियों, 22SB4 और 22SB6 को

फसल	विशेष गुण	एकरूपता/स्थिरता
सोयाबीन	परीक्षण कोड 2889/2080 में कॉम्पेक्ट प्रकार के पादप थे और फली खिलन अच्छा हुआ	परीक्षण कोड 22SB1, 22SB2 & 22SB8 (प्रेक्षित ऑफ टाइप्स) को छोड़कर, सभी प्रत्याशी किस्में एक समान थीं।

छोड़कर, सभी वंशावलियां अच्छी तरह से अंकुरित हुईं। फसल में फूल आना अगस्त-सितंबर के महीने में शुरु हुआ। फसल के उपयुक्त विकास चरणों में डेटा (मात्रात्मक और गुणात्मक) दर्ज किए गए। सभी डेटा प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए उचित प्रारूप में दर्ज किए गए और 6 मार्च, 2024 को पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली को भेजे गए।

फसल	प्रथम मौसम में वंशावलियों की सं.	द्वितीय मौसम	बुवाई की सामान्य स्थितियां	बुवाई/रोपाई के विवरण	डीयूएस डेटा की रिकॉर्डिंग
सोयाबीन	7	8	बारानी	पुनरावर्तन-3, उर्वरक- 08:32:08 NPK/एकड़, अंतराल-45 से.मी. × 10 से.मी., भूखंड आकार-6 मी. × 2.70 मी. (6 पंक्तियां), डिजाइन-अरबीडी, DoS-22.06.2023	राष्ट्रीय डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किए गए डीयूएस लक्षण

प्राधिकरण से प्राप्त सोयाबीन डीयूएस परीक्षण में कुल 15 प्रत्याशी किस्में शामिल थीं (जिनमें 7 प्रथम वर्ष की वंशावलियां अर्थात् 2889/2080, 2889/2097, 2889/2098, 2889/2099, 23SOJS6001, 23SOPS2902, 23SOPS4703 और 8 द्वितीय वर्ष की

वंशावलियां अर्थात् 22SB1, 22SB2, 22SB3, 22SB4, 22SB5, 22SB6, 22SB7 और 22SB8) को दो क्षेत्रीय मानक-किस्मों यानी, वीएल सोया 63 और वीएल सोया 89 के साथ भाकृअनुप-वीपीकेएएस, अल्मोड़ा केंद्र में उगाया गया। हाइपोकोटाइल पर एंथोसायनिन रंजकता के लक्षण के लिए, केवल आठ वंशावलियां (2889/2080, 2889/2098, 23SOJS6001, 22SB1, 22SB2, 22SB3, 22SB5 और 22SB6) बैंगनी रंजकता वाली पाई गईं। प्रत्याशी किस्में 2889/2099, 23SOJS6001, 23SOPS2902, 23SOPS4703, 22SB6 और 22SB8 में पौधा का निश्चायक आकार में फसल विकास पाया गया, जबकि शेष का अर्ध निश्चियक आकार में पाया गया। वंशावली 2889/2080, 23SOJS6001, 23SOPS4703 और 22SB6 में पत्ती प्रकार लांसोलेट अर्थात नुकीला पाया गया, हालाँकि बाकी वंशावलियों में नुकीली अंडाकार पत्ती प्रकार पाई गईं। अधिकांश वंशावलियों में गहरे हरे रंग की पत्तियां थीं, जबकि केवल 4 वंशावलियों (2889/2097, 2889/2098, 23SOPS2902 और 22SB7) में हरे रंग की पत्तियां पाई गईं। परीक्षण कोड 2889/2097, 2889/2099, 23SOPS2902, 23SOPS4703, 22SB7 और 22SB8 में सफ़ेद फूल पाए गए, जबकि परीक्षण कोड 2889/2080, 2889/2098, 23SOJS6001, 22SB1, 22SB2, 22SB3, 22SB5 और 22SB6 में बैंगनी रंग के पुष्प पाए गए। वंशावली 22SB1, 22SB6 और 22SB7 में लम्बे पौधे, वंशावली 23SOJS6001 और 23SOPS2902 में पौधे की ऊँचाई छोटी थी, जबकि शेष वंशावलियों में पौधों की ऊँचाई मध्यम थी। वंशावली 2889/2097, 2889/2098, 23SOPS2902, 23SOPS4703, 22SB7 और 22SB8 में फली रोमिलता मौजूद थी, जबकि शेष वंशावलियों में नहीं थी। जिन वंशावलियों में फली रोमिलता मौजूद थी, उन सभी वंशावलियों में गहरी (भूरे) रोमिलता देखी गई। केवल दो वंशावलियों (2889/2080 और 23SOJS6001) में काले रंग की फलियाँ खिलीं, जबकि शेष वंशावलियों में भूरे रंग की फलियाँ थीं। सभी वंशावलियां गैर-फटन रोग मुक्त, पछेती पुष्पण और पछेती परिपक्वता अवधि वाली थी। परीक्षण कोड 2889/2080 में 100 बीजों का वजन अधिकतम (16.36 ग्रा.) दर्ज किया गया, जबकि 22SB1 में न्यूनतम (9.04 ग्रा.) दर्ज किया गया। बीज के आकार के आधार पर 6 प्रत्याशी वंशावलियां (2889/2080, 23SOJS6001, 23SOPS2902, 22SB5, 22SB6 और 22SB8) लंबे आकार के बीज और पांच वंशावलियों (2889/2097, 2889/2099, 23SOPS4703, 22SB2, 22SB3 और 22SB7) में मध्यम आकार के बीज पाए गए, जबकि केवल दो वंशावलियों (2889/2098 और 22SB1) में छोटे आकार के बीज पाए गए। सभी वंशावलियों में दीर्घवृत्ताकार आकार के साथ पीले रंग के बीज पाए गए। वंशावली 22SB2 और 22SB8 में बीजों की चमक मंद थी, जबकि शेष वंशावलियों में चमकदार बीज थे। वंशावली 2889/2080 और 23SOJS6001 का रंग भूरा अर्थात ग्रे था और चार वंशावलियों अर्थात् 2889/2097, 23SOPS4703, 22SB1 और 22SB7 का रंग भूरा था, जबकि शेष वंशावलियों का रंग काला था। सभी वंशावलियों में बीजों का बीजपत्र पीले रंग का था। 15 वंशावलियों में से, ग्यारह प्रत्याशी वंशावलियां सभी डीयूएस लक्षणों के संबंध में एक समान पाई गईं, लेकिन वंशावली 22SB2, 22SB1 और 22SB8 में अलग-अलग प्रकार के लक्षण देखे गए। ये वंशावलियां पुष्प के रंग, फली की रोमिलता के रंग तथा बीज के हिलम के रंग के संबंध में भिन्नता पाई गई। पीपीवी और एफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया: भाकृअनुप-वीपीकेएएस, अल्मोड़ा और पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से



28-09-2023 को भाकृअनुप-वीपीकेएएस, प्रायोगिक फार्म, हवलबाग अल्मोड़ा, उत्तराखंड में "पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001" पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका



उद्देश्य स्थानीय केवीके के अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, किसानों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितधारकों के बीच पौधों की किस्मों की सुरक्षा के लिए जागरुकता पैदा करना था। कार्यक्रम में लगभग 120 किसानों, पीजीएससी पुरस्कार विजेताओं, एफपीओ के प्रतिनिधियों, छात्रों, केवीके कर्मचारियों, भाकृअनुप-वीपीकेएएस के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। डॉ. लक्ष्मी कांत, निदेशक, भाकृअनुप-वीपीकेएएस, अल्मोड़ा ने पादप प्रजनकों के अधिकारों के संरक्षण, किसानों के अधिकारों के संरक्षण, कृषि नवाचार, आर्थिक लाभ, ज्ञान का प्रसार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में पीपीवीएफआरए की भूमिका के बारे में बताया और किसानों को पीपीवी एवं एफआरए प्राधिकरण, नई दिल्ली के पास पंजीकरण कराकर अपनी किस्मों के लिए स्वामित्व अधिकार सुरक्षित कराने हेतु प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद कुमार पांडे, माननीय निदेशक, भाकृअनुप-डीसीएफआर, भीमताल ने पादप किस्मों पर बौद्धिक संपदा संरक्षण प्रदान करके पादप प्रजनकों और किसानों को सशक्त बनाने में उनके योगदान के लिए पौधा किस्म और कृषक अधिकार प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना की।

श्री दीपल रॉय चौधरी, संयुक्त पंजीयक, पीपीवीएफआरए ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 का विहंगावलोकन प्रस्तुत किया और पादप प्रजनकों तथा किसानों, दोनों के अधिकारों के संरक्षण के लिए बनाए गए विभिन्न प्रावधानों, प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, पंजीकरण संबंधी मानदंड, पीजीएससी पुरस्कार आदि के बारे में बात की। उन्होंने पीपीवीएफआरए के पास पंजीकृत एफवी के विभिन्न सफल उदाहरणों पर प्रकाश डाला जो देश के किसानों के लिए उपयुक्त हैं। उन्होंने दर्शकों के साथ बातचीत भी की और किसानों, वैज्ञानिकों तथा अन्य हितधारकों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर दिए।





डॉ. आर.के. खुल्बे, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-वीपीकेएएस, अल्मोड़ा ने "भौगोलिक संकेतक और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण का विहंगावलोकन" प्रस्तुत किया और राज्य के कई जीआई, प्रक्रियाओं, स्थानीय समुदायों के लिए लाभों पर भी चर्चा की।

प्रगतिशील किसान श्री गोपाल दत्त उप्रेती, पीजीएससी पुरस्कार विजेता (पुरस्कार 2021-22 में व्यक्तिगत श्रेणी) ने अपने अनुभव साझा करते हुए उत्तराखंड के किसानों से आईपीआर अधिकार सुरक्षित कराने के लिए पौधों की किस्मों को पंजीकृत कराने का आग्रह किया। वर्ष 2014-15 में *"ग्रामीण खाद्यान्न संप्रभुता समूह"* पीजीएससी पुरस्कार विजेता (सामुदायिक पुरस्कार श्रेणी में) के एक प्रतिनिधि ने मोटे अनाजों, अनाजों, सब्जियों आदि में कृषि-जैव विविधता के संरक्षण में अपने अनुभव साझा किए। कई किसानों ने पैनलिस्टों और भाकृअनुप-वीपीकेएएस के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की।



3.1.6. गेहूं, डिकोकम, दुरुम और अन्य ट्रिटिकम प्रजातियों के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा

वर्ष 2023-24 के दौरान, ग्यारह वंशावलियों (परीक्षण का दूसरा वर्ष) और 52 वंशावलियों (परीक्षण का पहला वर्ष) से संबंधित डेटा संकलित किया गया और उस पर निर्णय लेने के लिए प्राधिकरण को ईमेल के माध्यम से 29/09/2023 को प्रस्तुत किया। फसल मौसम 2023-24 के दौरान, गेहूं, दुरुम गेहूं और डाइकोकम गेहूं की प्रत्येक वंशावली को प्राधिकरण द्वारा कूटबद्ध अर्थात कोडित किया गया और डीयूएस परीक्षण के संचालन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र को कोड के साथ बीज की आपूर्ति की गई। गेहूं में छह डीयूएस परीक्षण किए गए, जिसमें 93 कोडित वंशावलियों (गेहूं में 61 वंशावलियां, दुरुम में 6 और डाइकोकम में 26) के साथ-साथ राष्ट्रीय मानक-किस्मों (गेहूं में DBW 187, HD 2967, दुरुम गेहूं में HI 8737 एवं MACS 3949 और डाइकोकम गेहूं में DDK1029) का परीक्षण पीपीवी एवं एफआरए द्वारा प्रकाशित 'गेहूं डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों' के अनुसार किया गया। आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल में डीयूएस परीक्षण में किस्मों का विवरण



फसलें	दूसरे वर्ष की वंशावलियां	पहले वर्ष की वंशावलियां
गेहूं	22 BW 1, 22 BW 2, 22 BW 3, 22 BW 4, 22 BW 5, 22 BW 6, 22 BW 7, 22 BW 8, 22 BW 9, 22 BW 10, 22 BW 11, 22 BW 12, 22 BW 13, 22 BW 14, 22 BW 15, 22 BW 16, 22 BW 17, 22 BW 18, 22 BW 19,	2890/2108, 2890/2111, 2890/2110, 2890/2109, 2889/2205, 2889/2177, 23 BRHIE01, 23 BRDB0302, 23 BRDB0703, 23 BRHII04, 23 BRHII05, 23 BRHIA06, 23 BRHD8507, 23 BRWBB210, 23 BRRW4611, 23 BRGW9612, 23 BRHS9013, 23 BRDB2714, 23 BRHIN15, 23

	22 BW 20, 22 BW 21, 22 BW 22, 22 BW 23, 22 BW 24, 22 BW 25, 22 BW 26, 22 BW 27, 22 BW 28, 22 BW 29, 22 BW 30, 22 BRHI 4407, 22 BRHI 0006, 22 BRHI 3405, 22 BRHI 3304, 22 BRDB 1003, 22 BRWH 2402, 22 BRDP 5001, 2889/2139, DBW 187 (C), HD 2967 (C)	BRHIA16, 2890/2134, 2890/2135, 2877/3940,
डिकोकम गेहूं	22 DiW 1, 22 DiW 2, 22 DiW 3, 22 DiW 4, 22 DiW 5, 22 DiW 6, 22 DiW 7, 22 DiW 8, 22 DiW 9, 22 DiW 10, 22 DiW 11, DDK 1029 (C)	2890/2033, 2890/2034, 2890/2035, 2890/2036, 2890/2037, 2890/2038, 2890/2039, 2890/2040, 2890/2041, 2890/2042, 2890/2043, 2890/2044, 23 DIDD2501, 23 DIDD2902, 23 DIHW9803,
दुरुम	22 DuW 1, 22 DuW 2, 22 DuW 3, HI 8737(C)	2890/2112, 23 DUDD4701, 23 DUWH4302, MACS 3949 (C)

गेहूँ की रेफरेंस और एग्जाम्पल किस्मों का अनुरक्षण

गेहूँ में, आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल में 2023-24 के दौरान दुरुम और एस्टिवम की विमोचित किस्मों के 66 संदर्भ संग्रह के अलावा, 185 एग्जाम्पल किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है।

डीयूएस गेहूं परीक्षण की निगरानी



डीयूएस गेहूं और जौ परीक्षणों की निगरानी डॉ. सुशीला कुंडू, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल की अध्यक्षता में डॉ. अरुण गुप्ता, नोडल अधिकारी (डीयूएस गेहूं) और डॉ. चरण सिंह, नोडल अधिकारी (डीयूएस जौ) के साथ दिनांक 22.03.2024 को की गई। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष पीपीवी एवं एफआरए ने प्राधिकरण के कार्मिकों के साथ दिनांक 27 मार्च, 2024 को भाकृअनुप-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल में डीयूएस खेत का दौरा किया।

गेहूं की किस्मों का पंजीकरण

गेहूं की तीन किस्में अर्थात् डीबीडब्ल्यू296, डीबीडब्ल्यू327 और डीबीडब्ल्यू332 पंजीकरण संख्या क्रमशः आरईजी/2021/219, आरईजी/2021/220 और आरईजी/2021/221 के तहत पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली द्वारा विद्यमान श्रेणी के तहत पंजीकृत किया गया। पंजीकरण के लिए पांच नए आवेदन (DBW316, DBW370, DBW371, DBW372 और DDW55) पीपीवी एवं एफआरए को प्रस्तुत किए गए।

भाकृअनुप-कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, इंदौर, मध्य प्रदेश

फसल मौसम 2023-24 में, प्रथम वर्ष के लिए संदर्भ किस्मों सहित 23 विशिष्ट किस्मों और द्वितीय वर्ष के लिए संदर्भ किस्मों सहित 38 विशिष्ट किस्मों का डीयूएस परीक्षण नई/VCK श्रेणी के तहत किया जा रहा है।

डीयूएस गेहूं परीक्षण की निगरानी



डीयूएस गेहूं परीक्षण की निगरानी डॉ. जेबी सिंह, प्रमुख, भाकृअनुप-भाकृअसं, क्षेत्रीय केंद्र, इंदौर और डॉ. डी. के. वर्मा, पीआई, भाकृअनुप-भाकृअसं, क्षेत्रीय केंद्र, इंदौर की अध्यक्षता

में पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली द्वारा गठित एक समिति द्वारा की गई। निगरानी के दौरान की गई महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ निम्न प्रकार हैं;

क) प्रत्येक भूखंड की तस्वीरें ली जानी चाहिए और कुछ किस्में रतुआ से संवेदनशील पाई गई हैं।

ख) संदर्भ किस्म के लिए अनुरक्षण परीक्षण को क्षेत्र के अनुसार समूहीकृत किया जाना चाहिए

ग) एक किस्म में, जौ और गेहूं का मिश्रण है। लेबल के साथ इसकी फोटो लेना और अग्रेषण केंद्रों पर फसल प्रजातियों एवं मिश्रण की पहचान करने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

अनुरक्षण/विशेषता के तहत किस्में: गेहूं की 150 किस्मों का संदर्भ संग्रह भाकृअनुप-भाकृअसं, क्षेत्रीय केंद्र, इंदौर की रेफरल लाइब्रेरी में अनुरक्षित किया जा रहा है।

फसनें	2022-23 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों का नाम एवं सं.
गेहूं	गेहूं की विमोचित किस्में - 100 दुरु की विमोचित किस्में – 45 डाइकोकम की विमोचित किस्में - 05
कुल	**150**

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक

रबी 2023-24 के दौरान, दो दुरुम और दो डाइकोकम गेहूं परीक्षणों सहित कुल चार डीयूएस परीक्षण डीयूएस दुरुम गेहूं केंद्र, यूएएस, धारवाड़ में संचालित किए गए। परीक्षणों का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

वर्ष	टिपिकल	वंशावलियां (एंट्रीज)
प्रथम वर्ष का परीक्षण	दुरुम- 3	2890/2112, DUD4701 एवं 23DWH4
	डाइकोकम - 15	2890/2033 से 2890/2044, 23DIDD2501, 23DIDD2902 एवं 23DIHW9803
द्वितीय वर्ष का परीक्षण	दुरुम - 3	22 Du W 1 से 22 Du W 3
	डाइकोकम - 11	22 Di W 1 से 22 Di W 11

इन वंशावलियों के पादपों के विकास संव्यवहार लक्षणों, ईअर हैड लक्षणों, दाना संबंधी लक्षणों आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले 45 लक्षणों के लिए प्रेक्षण दर्ज किए गए। प्रेक्षणों के अवलोकन में प्रत्याशी और संदर्भ किस्मों के बीच विभिन्न डीयूएस गुणों के आधार पर परिमाणात्मक भिन्नताएं पाई गईं।

प्रथम वर्ष के दुरुम परीक्षण परीक्षण में, DUD4701, 23DWH4, HI 8737 (क्षेत्रीय मानक-किस्म) और MACS 3949 (क्षेत्रीय मानक-किस्म) को संदर्भ किस्मों के रूप में इस्तेमाल किया गया।

केंद्र ने अनुरक्षण प्रजनन के तहत गेहूं की 67 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है।

3.1.7. जौ के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र:

भाकृअनुप-भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा

वर्ष 2023-24 के दौरान, डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार 20 संदर्भ किस्मों के साथ चार किसान किस्मों को डीयूएस परीक्षण में उगाया गया। ये सभी चार किस्में, यानी 2880/3840, 2883/2394, 23 BABC7301 और 23BARANA02 परीक्षण के पहले वर्ष में उगाई गईं। इसके अलावा, 32 जौ डीयूएस लक्षणों के सत्यापन के लिए 49 जौ संदर्भ और 106 जौ विमोचित किस्मों का एक सेट भी उगाया गया। इस अवधि के दौरान, परीक्षणों के लिए सभी प्रत्याशियों और संदर्भ किस्मों के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों में उल्लिखित लक्षणों को दर्ज किया गया। डीयूएस लक्षणों पर डेटा दर्ज किया गया, उसका संकलन प्रक्रियाधीन है और इसे पीपीवी एवं एफआरए प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जाएगा।



राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुर (श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)

फसल मौसम 2023-24 में, डीयूएस परीक्षण केंद्र पर चार प्रत्याशी किसान किस्मों का परीक्षण किया गया। केंद्र ने जौ की 105 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है। सभी वंशावलियों में फसल विकास और आकारिकी लक्षणों की व्यंजकताअच्छी थी। सभी लक्षणों पर प्रेक्षण निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया। इसके अलावा, डीयूएस लक्षणों में स्थिरता भी प्रेक्षित की गई और किस्मों में सभी प्रकार के लक्षण स्थिर पाए गए।

3.1.8. ज्वार के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र:

भाकृअनुप- भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद, तेलंगाना

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, पैतृक (ए/बी/आर) वंशक्रमों और ओपीवी, एक ए/बी युग्म और पांच A × R सहित कुल 139 किस्मों को डीयूएस परीक्षण केंद्र में अनुरक्षण प्रजनन और लक्षणवर्णन के लिए रोपित किया गया।

डीयूएस परीक्षण के तहत किस्मों की सूची

फसलें-ज्वार	नई		एफवी
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां	
खरीफ 2023	-	3	-
रबी 2023-24	3	-	-

खरीफ 2023 और *रबी* 2023-24 :



खरीफ मौसम के दौरान डीयूएस परीक्षण सफलतापूर्वक संचालित किया गया। दो मानक-किस्मों (सीएसएच 24एमएफ और सीएसएच 40एफ) के साथ दूसरे वर्ष के परीक्षण के तहत तीन प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण किया गया। संशोधित डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार डेटा की गणना की गई जिसे पीपीवी और एफआरए को समय पर प्रस्तुत किया गया। खरीफ 2023 के दौरान, खरीफ से अनुकूलित सभी एग्जाम्पल किस्मों को भी लक्षणवर्णन के लिए रोपित किया गया और डीयूएस डेटाबेस को अपडेट करने के लिए डेटा की गणना की गई। रबी 2023-24 के दौरान, तीन प्रत्याशी किस्मों और दो मानक-किस्मों (सीएसएच 13 और सीएसएच 15) को पहले वर्ष के डीयूएस परीक्षण के तहत उगाया गया। रबी 2023-24 मौसम के दौरान हाइब्रिड, पैतृक वंशक्रमों और ओपीवी सहित 139 संदर्भ किस्मों के लिए अनुरक्षण प्रजनन / लक्षणवर्णन किया गया। संदर्भ किस्मों की कटाई की गई और कटाई के बाद प्रेक्षण दर्ज किए जा रहे हैं, और डीयूएस डेटाबेस को पीपीवी और एफआरए को प्रस्तुत करने के लिए अद्यतित किया जाएगा।

महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी, अहमदनगर, महाराष्ट्र

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, इस डीयूएस परीक्षण केंद्र ने 120 ज्वार संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया, जिनमें से 56 ज्वार किस्मों का लक्षणवर्णन *खरीफ* 2023-24 के दौरान और कुल 120 ज्वार किस्मों का लक्षणवर्णन *रबी* 2023-24 में किया गया। 2023-24 के दौरान डीयूएस परीक्षण के तहत ज्वार की कुल 06 प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण किया गया, 03 प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण पहले वर्ष के लिए और 03 प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण दूसरे वर्ष के लिए नई श्रेणी में किया गया। डीयूएस डेटा को पीपीवीएफआरए के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों अनुसार संकलित और उसका अवलोकित किया गया।

3.1.9. बाजरा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

कृषि अनुसंधान केंद्र, मंडोर, जोधपुर



पीपीवीएफआरए के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार वर्ष 2023-24 के दौरान,प्रत्याशी किस्मों के परीक्षण के लिए बाजरा की कुल 54 संदर्भ किस्में (20 हाइब्रिड और 34 पैतृक वंश) डीयूएस परीक्षण केंद्र में अनुरक्षित की गई हैं।

बाजरा की कुल 14 प्रत्याशी किस्में परीक्षण वंशावलियों के रूप में प्राप्त हुईं। इन वंशावलियों का लक्षणवर्णन पीवीएफआरए द्वारा निर्धारित डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार डीयूएस लक्षणों के लिए पुनरावृत्तीय परीक्षणों में संदर्भ किस्मों के सेट (कोडित) के साथ किया गया। संकलित परीक्षण डेटा पीपीवीएफआरए को प्रस्तुत किया गया।

बाजरा अनुसंधान योजना, कृषि महाविद्यालय, धुले, महाराष्ट्र

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, दिशानिर्देशों के अनुसार पहले वर्ष के लिए 06 प्रत्याशी और 02 किसान किस्मों और दूसरे वर्ष के लिए 06 प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण खरीफ 2023 के दौरान सफलतापूर्वक किया गया और डेटा रिकॉर्ड किया गया। प्रत्याशी किस्मों के लिए चरणवार तस्वीरें भी ली गईं। खरीफ 2023 परीक्षण की रिकॉर्ड की गई डेटाशीट और चरणवार तस्वीरें नोडल केंद्र: पी.सी., यूनिट, एआरएस, मंडोर, जोधपुर को प्रस्तुत की गई। संदर्भ किस्मों के लिए डीयूएस लक्षणवर्णन अध्ययन परीक्षण खरीफ 2023 में सफलतापूर्वक संचालित किया गया।

3.1.10. रागी, फॉक्सटेल मिलेट, बर्नयार्ड मिलेट, प्रोसो मिलेट, लिटिल मिलेट, कोदो मिलेट के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

लघु श्रीअन्नों पर एआईसीआरआईपी, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधी कृषि विज्ञान केंद्र, बैंगलोर

2023-24 के दौरान, डीयूएस केंद्र ने मोटा अनाज फसलों में निम्नलिखित संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है:

फसलें	अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सं.
फिंगर मिलेट (रागी)	77
फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	28
कोदो मिलेट (कोदन)	26
लिटिल मिलेट (कुटकी)	17
प्रोसो मिलेट (चेना)	12
बर्नयार्ड मिलेट (सामवा)	12

डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार लघु श्रीअन्न अर्थात मोटा अनाज किस्मों का डीयूएस परीक्षण करने के लिए, रागी की पांच वंशावलियां (2889/2138, 23FIKM3001, 23FIGP2802, 23FIGP6603, और 23FIGP6704) परीक्षण हेतु प्राप्त की गईं जिनका मूल्यांकन खरीफ 2023-24 के दौरान प्रतिकृत (रेप्लीकेटेड) परीक्षणों में किया गया। इन वंशावलियों का लक्षणवर्णन संदर्भ किस्मों के साथ डीयूएस लक्षणों के लिए किया गया और प्रत्येक फसल के लिए पीपीवी एवं एफआरए द्वारा प्रदान किए गए डीयूएस दिशानिर्देशों का पालन करते हुए दूसरे वर्ष का डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। इसके अतिरिक्त, फॉक्सटेल मिलेट, कोदो मिलेट, प्रोसो मिलेट, बार्नयार्ड मिलेट और लिटिल मिलेट के लिए संदर्भ सेट अनुरक्षित किया गया और उनका



लक्षणवर्णन किया गया। प्रत्येक लक्षण के लिए मूल्यों की सीमा/रेंज को डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार कोडित रूप में दर्ज किया गया।

बार्नयार्ड, प्रोसो, कोदो और लिटिल मिलेट

लघु श्रीअन्न उत्कृष्टता केंद्र, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, अथियांदल, तमिलनाडु

2023-24 की अवधि के दौरान, टीएनएयू, अथियांदल में डीयूएस परीक्षण केंद्र ने फसल-वार निम्नलिखित संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया। फॉक्सटेल मिलेट, कोदो मिलेट, लिटिल मिलेट, बर्नयार्ड मिलेट और प्रोसो मिलेट की संदर्भ किस्मों के लिए डीयूएस लक्षणवर्णन को रिकॉर्ड किया गया और डेटा बेस पूरा किया गया।

क्र.सं.	फसलें	संदर्भ किस्मों की सं.
1.	रागी	77
2.	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	28
3.	कोदो मिलेट (कोदो)	26
4.	लिटिल मिलेट (कुटकी)	17
5.	बर्नयार्ड मिलेट (सामवा)	12
6.	प्रोसो मिलेट (चेना)	12

रागी और कंगनी (फॉक्सटेल मिलेट) का डीयूएस परीक्षण

- ✓ खरीफ, 2023 के दौरान पांच (2889/2138, 23FIGP2802, 23K IFM3001, 23FIGP6603 और 23FI GP6704) प्रथम वर्ष की रागी की नई वंशावलियां उगाई गईं और सभी वंशावलियां अंकुरित हुईं।
- ✓ 2889/2138 – मध्यम पुष्पण तक दिन (70 दिन), हल्के हरे रंग का ग्लूम, कॉम्पैक्ट बाली/तंतु (फिंगर)आकार और हल्के भूरे रंग के बीज।
- ✓ 23F1GP2802 - मध्यम पुष्पण तक दिन (68 दिन), गहरे हरे रंग का ग्लूम, सेमी कॉम्पैक्ट कार के आकार के और गहरे भूरे रंग के बीज।
- ✓ 23KIFM3001 - मध्यम पुष्पण तक दिन (72 दिन), हल्के हरे रंग का ग्लूम , कॉम्पैक्ट बाली आकार, बाली में शाखाओं की मौजूद, सभी बालियों में शाखाओं की स्थिति, बहुतायत में बालियां और हल्के भूरे रंग के बीज।
- ✓ 23F1GP6603 - मध्यम पुष्पण तक दिन (67 दिन), गहरे हरे रंग का ग्लूम, अर्ध सघन बाली आकृति, बाली में शाखाओं की मौजूदगी, सभी बालियों में शाखाओं की स्थिति, बहुतायत में बालियों की मौजूदगी और हल्के भूरे रंग के बीज।
- ✓ 23FIGP6704 - मध्यम पुष्पण तक दिन (68 दिन), गहरे हरे रंग का ग्लूम, मुट्ठी जैसी बाली आकृति, शाखाओं की मौजूदगी, थंब फिंगर्स में शाखाओं की स्थिति और तांबा एवं भूरे रंग के बीज।
- ✓ इसके अलावा, रागी और फॉक्सटेल मिलेट की दूसरी वर्ष की वंशावलियां भी उगाई गईं और पीपीवी एवं एफआरए के दिशानिर्देशों के अनुसार उनका मूल्यांकन किया गया।

3.1.11. चने के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

वर्ष 2023-24 के दौरान, डीयूएस परीक्षण केंद्र ने चने की 147 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया।



नई श्रेणी के तहत पहले वर्ष के लिए 04 चने की प्रत्याशी किस्मों और दूसरे वर्ष के लिए 06 प्रत्याशी किस्मों का परीक्षण किया गया। इस वर्ष के दौरान किसान की एक किस्म भी डीयूएस परीक्षण में शामिल की गई। चने के लिए डीयूएस परीक्षण के राष्ट्रीय दिशानिर्देशों में दिए गए 20 डीयूएस लक्षणों के आधार पर प्रत्याशी किस्मों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए।

महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी, अहमदनगर, महाराष्ट्र



वर्ष 2023-24 के दौरान, नई श्रेणी के तहत चने की 11 प्रत्याशी किस्मों में से 05 प्रत्याशी किस्मों का पहले वर्ष के लिए और 06 प्रत्याशी किस्मों का दूसरे वर्ष के लिए और 01 किसान किस्म का डीयूएस परीक्षण किया गया। अनुरक्षण प्रजनन कार्यक्रम के तहत इस केंद्र द्वारा चने की कुल 20 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया गया।

मुख्य उपलब्धियाँ:

- डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार 31 चने की किस्मों (20 संदर्भ किस्में, 01 किसान किस्म और 10 विशिष्ट किस्में) का लक्षणवर्णन किया गया।
- किसान किस्म के पंजीकरण पर एक लोकप्रिय लेख महाराष्ट्र सरकार के कृषि विभाग के शेतकरी मासिक में नवंबर, दिसंबर 2023 में प्रकाशित किया गया।
- पीपीवी एवं एफआरए अधिनियम, 2001 और किसान किस्म पंजीकरण पर मडग्याल गांव, ताल-जाट, जिला-सांगली में 12 दिसंबर, 2023 को किसान जागरुकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

3.1.12. अरहर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश



खरीफ 2023-24 के दौरान, भाकृअनुप-आईआईपीआर, कानपुर में संदर्भ किस्मों के साथ डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए 14 किसान किस्मों (पहले वर्ष डीयूएस परीक्षण के लिए छह किस्में और दूसरे वर्ष डीयूएस परीक्षण के लिए आठ किस्में) को बोया गया। हर पौधा स्वस्थ और अच्छी स्थिति में था। अरहर के लिए डीयूएस परीक्षण के राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार 21 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा रिकॉर्ड और अवलोकित किया गया।

अनुरक्षण के अंतर्गत संदर्भ किस्में (2023-24)

1.	अगेती परिपक्वता वाली संदर्भ किस्में: 25	ICP 84031, AL 15, GT 100, ICPL 151, ICPL 87, पूसा अरहर-16, पूसा 855, पूसा 2001, पूसा 84, पूसा 33, पूसा 991, पूसा 992, पारस, PA 291, AL 2091, AL 1992, AL 201, मानक, GT 101, CORG 9701, TAT 10, VLA 1, PAU 881, UPAS 120, IPA 15-06
2.	मध्यम अवधि परिपक्वता वाली संदर्भ किस्में : 40	BDN 708 LRG 38, ICPL 85063, AK 101, TS 3, WRG 27, BRG 2, LRG 30, GS 1, WRG 53, GC 11-39, JA 4, AKP 1, JKM 7, CO 5, JKM 189, GT 1, TV 1, VIPULA, VAMBAN-2, PT 221, AK 022, WRP 1, T 15-15, TJT 501, C11, ICPL 332, TTV 7, CO 6, VBN 3, PRG 176, आशा, मारुति, BSMR 853, BSMR 736, BDN 2, GNP 2, AGT-2

3.	दीर्घावधि परिपक्वता अवधि वाली किस्में : 29	IPA 15-2,IPA-206, IPA-203, NDA-1, बहार, NDA- 2, MAL-13 , पूसा - 9 , अमर , MA-6, आज़ाद, T-7, DA 11, MA 3, IPA 8F, IPA 9F , IPA 15F, IPA 16F, KPL 43, KPL-44, IPA 2012-1,कुदरत-3, Errama Chchakamti, धोली बौना, राजेन्द्र अरहर- 1, बहार (बैंगनी फली), NDA-1, राजेन्द्र अरहर-2, IPA15-2 (हरी फली)

अरहर और कुसुम

डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला, महाराष्ट्र

वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, इस केंद्र ने अरहर की 101 संदर्भ किस्मों और कुसुम की 23 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षण प्रजनन के तहत अनुरक्षित किया गया है। अरहर की छह किसान किस्मों को पहले वर्ष डीयूएस परीक्षण के लिए प्राप्त किया गया, जिनमें से पांच किस्में अर्थात 23PI PKRA01, 23PI MAHI02, 23PI VILA03, 2889/2142 और 2890/2050 आनुवंशिक रूप से शुद्ध पाई गईं, जिनमें कोई मिश्रण नहीं पाया गया। एक किस्म अर्थात 2881/4110 में पंखुड़ी के आधार का मिश्रित रंग (मानक) (1% मिश्रण) देखा गया। कुसुम की छह किस्मों को पहले वर्ष डीयूएस परीक्षण के लिए प्राप्त किया गया, जिनमें से 5 किस्में अर्थात 22SF2, 22SF3, 22SF4, 22SF5 और 22SF6 आनुवंशिक रूप से शुद्ध पाए गए तथा उनमें किसी प्रकार का मिश्रण नहीं पाया गया। एक किस्म अर्थात 22SF1 में पंखुड़ी का रंग मिश्रित (1% मिश्रण) पाया गया। "अरहर (*कैजनस कैजन* एल.) के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों" के संशोधन के लिए तकनीकी सलाहकार समिति गठित की गई है तथा बैठक शीघ्र ही आयोजित की जाएगी। प्रतिवेदित अवधि के दौरान किसानों की ज्वार, अरहर तथा सोयाबीन किस्मों को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए पी.पी.वी. एवं एफ.आर. प्राधिकरण को पंजीकरण के लिए प्रस्तुत किया गया है।



3.1.13. मसूर, मूंग, उड़द, मटर (दलहन श्रेणी), राजमा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

रबी मौसम (2023-24) में मटर की 61 किस्में, मसूर की 39 किस्में और राजमा की 14 किस्में अनुरक्षित की गईं। इन किस्मों के अनुरक्षण के लिए प्रत्येक किस्म से 10 एकल पौधे चयनित किए गए जिनकी कटाई अलग-अलग की गई।



रबी मौसम (2023-24) में मटर की 4 किस्मों का परीक्षण पहले वर्ष में डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार संदर्भ किस्मों और डेटा के साथ किया गया और किसान की 01 राजमा किस्म का दूसरे वर्ष में परीक्षण संदर्भ किस्मों के साथ किया गया और डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार डेटा दर्ज किया गया । मसूर की 3 किस्मों का दूसरे वर्ष में डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार संदर्भ किस्मों और डेटा के साथ परीक्षण किया गया।

रबी मौसम में हरी मटर अर्थात फील्ड पी 2886/2183 किसान किस्म सब्जी किस्म है, किसान की राजमा किस्म 2879/3769 के पादप का विकास फैलाव में होता है।

वर्ष 2022-23 के लिए अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्में

क्र.सं.	फसल प्रजातियां	संदर्भ किस्मों का नाम
1.	मूंग [*विग्ना रेडिएटा (एल.) विलजेक*]	70

2.	उड़द [*विग्ना मुंगो (एल.) हैपर*]	41
3.	मसूर (*लेंस कुलिनेरिस*)	39
4.	मटर (*पिसम सैटिवम;*	61
5.	राजमा (*फेसियालस वुलगेरिस*)	14

मूंग

डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला, महाराष्ट्र



डॉ. पीडीकेवी, अकोला मूंग के लिए सह-नोडल डीयूएस परीक्षण केंद्र है। इस डीयूएस केंद्र पर मूंग की कुल 86 संदर्भ किस्में अनुरक्षित की गई हैं। प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान परीक्षण के लिए कोई प्रत्याशी किस्म प्राप्त नहीं हुई।

उड़द

राष्ट्रीय दलहन अनुसंधान केंद्र, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, वंबन, तमिलनाडु

प्रतिवेदित अवधि, 2023-24 के दौरान, 03 विशिष्ट किस्मों यानी 22khU 1, 22khU 2 और 22khU 3 सहित 13 वंशावलियां और तेईस संदर्भ किस्मों अर्थात वीबीएन 1, डब्लयूबीयू 108, शेखर 2, आईपीयू 243, एलबीजी 17, केयूजी 479, पंत यू 31, ओबीजी 441, यूजी 338, टीबीजी 123, नवीन, मैश 414, पंत यू 40, इंदिरा, केयू 967, आजाद यू3, आईपीयू 941, वीबीएन 7, टी 9, टीएयू 1, जीयू 1, आजाद उर्द 1, एडीटी 6 को परीक्षण हेतु राष्ट्रीय दलहन अनुसंधान केंद्र, वंबन, पुदुक्कोट्टई जिला, तमिलनाडु ने आईआईपीआर, कानपुर से प्राप्त किया। तीनों विशिष्ट किस्मों को *खरीफ* 2023 के दौरान संदर्भ किस्मों के साथ उगाया गया। सभी 13 किस्मों को डीयूएस केंद्र में अनुरक्षित किए गए संदर्भ किस्मों के साथ उगाया गया।



पौधों और बीज आकारिकी से संबंधित सभी लक्षणों (21) को डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया और प्रेक्षित किए गए डेटा को प्रलेखित किया गया। प्रेक्षित किए गए आंकड़ों के आधार पर, सभी विशिष्ट और संदर्भ किस्मों ने हाइपोकोटिल क्षेत्र पर एंथोसायनिन रंजकता प्रदर्शित की। किस्म TAU 1, T 9, OBGG 41, LBG 17, Mash 414 को छोड़कर, विशिष्ट किस्में और अधिकांश संदर्भ किस्में अगेती परिपक्वता अवधि समूह के अंतर्गत आती हैं। आंकड़ों से पता चला कि सभी परीक्षण वंशावलियां (3 नंबर) और 19 संदर्भ किस्मों की प्रकृति सीधी/लंबवत थी। परीक्षण की गई सभी किस्मों के पादपों का संव्यवहार डिटरमिनेट के रूप में रिकॉर्ड किया गया। संदर्भ किस्म शेखर 2 में हरे रंग के बीज पाए गए, जबकि अन्य वंशावलियों में बीज का रंग काला से भूरा था। सभी विशिष्ट एवं संदर्भ किस्मों के बीजों की चमक मंद थी।

3.1.14. भिंडी, बैंगन, टमाटर, मटर (सब्जी), राजमा, करेला, लौकी, खीरा, कद्दू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

टमाटर



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, टमाटर की कुल 92 संदर्भ किस्मों और 32 टमाटर वंशावलियों के बीज पॉकेट अनुरक्षित किए गए हैं। प्राप्त की गई 32 वंशावलियों में से, एक हाइब्रिड यानी 22 TH 7 हाइब्रिड में कोई अंकुरण नहीं हुआ। अंकुरण के संबंध में रिपोर्ट 25.10.2023 को प्रस्तुत की गई। शेष 31 वंशावलियों की निगरानी 27.03.2024 को डॉ. टी के बेहरा, निदेशक, भाकृअनुप-आईआईवीआर की अध्यक्षता में

की गई। सभी वंशावलियों के लिए डीयूएस लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड किया गया। दूसरे वर्ष की वंशावली 2871/2474/एच एफ1 हाइब्रिड एसएमजी, 2871/2493/एच प्रत्याशी हाइब्रिड और 2871/2493/एच एफ1 हाइब्रिड एसएमजी में ऑफ टाइप्स अर्थात रुग्णता पाई गई । निगरानी रिपोर्ट 10.04.2023 को प्रस्तुत की गई।

भिंडी



वर्ष 2023-24 के दौरान, डीयूएस परीक्षण के तहत कुल 38 भिंडी वंशावलियों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें 12 प्रथम वर्ष के हाइब्रिड, 18 दूसरे वर्ष के हाइब्रिड (7 प्रत्याशी हाइब्रिड + 7 SMG हाइब्रिड + 4 प्रत्याशी हाइब्रिड), 8 विशिष्ट किस्में शामिल थीं। डेटा पीपीवी एवं एफआरए के दिशानिर्देश केअनुसार दर्ज किए गए। प्रत्याशी और शिमोगा हाइब्रिड के बीच कोई भिन्नता नहीं देखी गई और सभी ग्रुपिंग लक्षणों के लिए उन्हें एक समान और स्थिर पाया गया। प्रायोगिक परीक्षण की निगरानी 31.10.2023 को प्राधिकरण द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई। संदर्भ किस्मों के स्व-परागण को अनुरक्षित करने के लिए अनुरक्षण प्रजनन किया गया। वर्तमान में, भिंडी की कुल 42 संदर्भ किस्मों को संदर्भ संग्रह के रूप में अनुरक्षित किया गया जिन्हें प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण के दौरान संदर्भ के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

खीरा और कद्दू

वर्ष के दौरान, 24 खीरा और 25 कद्दू किस्मों को डीयूएस परीक्षण के लिए संदर्भ किस्मों के रूप में एकत्र और अनुरक्षित किया गया। डीयूएस परीक्षण के तहत खीरे की 18 और कद्दू की 12 वंशावलियों का मूल्यांकन किया गया। खीरे की अठारह वंशावलियों में दूसरे वर्ष के चार हाइब्रिड और पहले वर्ष के छह हाइब्रिड तथा आठ विशिष्ट किस्में शामिल थीं। कद्दू की बारह वंशावलियों में पहले वर्ष के पांच हाइब्रिड और सात विशिष्ट किस्में शामिल थीं।

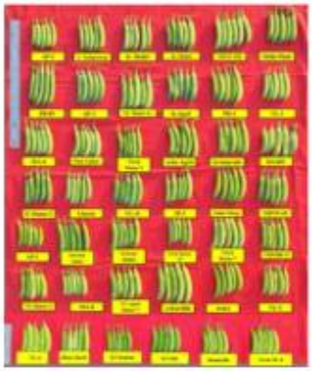
खीरे और कद्दू 2023-24 के डीयूएस परीक्षण की निगरानी 13.05.2024 को की गई और खीरे में बीज से संबंधित लक्षणों के डेटा को रिकॉर्ड किया जा रहा है। कद्दू की निगरानी फिर से की जाएगी क्योंकि 13.05.2024 को खीरे की निगरानी के दौरान यह पाया गया कि कद्दू में पांच प्रत्याशी किस्में पुष्पण चरण में थीं। अध्यक्ष ने खीरे और कद्दू की 2023-24 की प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण के आंकड़ों को संकलित कर पीपीवी और एफआरए को 2024 तक प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है।

लौकी और करेला



वर्ष 2023-24 के दौरान, केंद्र ने करेला की 24 और करेला की 25 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है। करेला के 04 प्रत्याशी (22BIGH-1, 22BIGH-5, 22BIGH-7 और 22BIGH-8) प्राप्त हुए, लेकिन केवल प्रत्याशी हाइब्रिड यानी 22BIGH-1 ही अंकुरित हुआ जिसे खेत में रोपा गया और 03 प्रत्याशी हाइब्रिड (22BOGH-1, 22BOGH-2, 22BOGH-3 के साथ एक प्रत्याशी हाइब्रिड (2877/2991/H) और एक SMG हाइब्रिड (2877/2991/H) की बुवाई की गई। पीपीवी एवं एफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार प्रेक्षण लिए गए । डीयूएस निगरानी टीम ने 22.05.2023 को डीयूएस भूखंड का दौरा किया।

सब्जी मटर और फ्रेंच बीन



2023-24 के दौरान, सब्जी मटर की 42 संदर्भ किस्मों को विभिन्न केंद्रों से एकत्र करके उगाया गया और डीयूएस परीक्षण के लिए संदर्भ किस्मों के रूप में अनुरक्षित किया गया। ये किस्में अनेक केंद्रों यानी आईएआरआई (क्षेत्रीय केंद्र) कटराईं, आईआईवीआर, वाराणसी, आईआईएचआर, बेंगलुरु, डीएआरएल, पिथौरागढ़, एनडीयूए एंड टी, फैजाबाद, जीबीपीयूए एंड टी, पंतनगर, एचएयू, हिसार, एचएआरपी, रांची, पीएयू, लुधियाना, एमपीकेवी, राहुरी, डॉ. वाईएसपीएचयूएफ, सोलन, वीपीकेएएस, अल्मोडा और सीएसएयूएटी, कानपुर से संबंधित थीं और इनका लक्षणवर्णन 20 डीयूएस लक्षणों के लिए किया गया। फ्रेंच बीन में 16 बुश टाइप्स, 11 पोल टाइप्स किस्मों को उगाया गया और 22 डीयूएस लक्षणों के लिए इनका लक्षणवर्णन किया गया

और डेटा पीपीवीएफआरए डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया।

भिंडी, बैंगन, टमाटर, करेला, लौकी, खीरा, कद्दू

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, भाकृअनुप-आईआईएचआर, बेंगलुरु में डीयूएस परीक्षण केंद्र ने फसलवार निम्नलिखित संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया, अर्थात् 19 टमाटर, 40 बैंगन, 20 भिंडी, 16 खीरा, 15 करेला, 25 लौकी और 04 कद्दू किस्में।

टमाटर:

कुल 26 टमाटर की नई/प्रत्याशी किस्में और 6 संदर्भ किस्में डीयूएस परीक्षण के लिए उगाई गई हैं। वर्ष 2023-24 के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार सभी 26 वंशावलियों को 47 आकारिकी लक्षणों के लिए लक्षणवर्णित किया गया। डीयूएस परीक्षणों का निरीक्षण पीपीवी और एफआरए द्वारा गठित समिति द्वारा 09.02.2024 को किया गया, जिसमें डॉ. ए. टी. सदाशिव, पूर्व प्रमुख, सब्जी फसल प्रभाग सह-अध्यक्ष और निदेशक आईआईएचआर आईआईएचआर बैंगलोर, अध्यक्ष थे।

बैंगन:

वर्ष 2023-24 के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 47 आकारिकी लक्षणों के लिए डीयूएस परीक्षण के संचालन के लिए किसानों की कुल 4 बैंगन किस्मों और 6 संदर्भ किस्मों को उगाया गया।

भिंडी:

डीयूएस परीक्षण के संचालन के लिए कुल बीस (20) भिंडी किस्में उगाई गईं जिनमें 12 प्रत्याशी हाइब्रिड, 8 विशिष्ट किस्में और 3 संदर्भ किस्में थीं। वर्ष 2023 के दौरान डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 31 आकारिकी लक्षणों के लिए लक्षणवर्णन किया गया। परीक्षण पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली द्वारा परिकल्पित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया। समिति के सभी सदस्यों ने भिंडी डीयूएस भूखंड का दौरा किया, गहन चर्चा की और उसका निरीक्षण किया।

खीरा: हमें 2023-24 के दौरान कोई किस्म प्राप्त नहीं हुई। खीरे की 12 संदर्भ किस्में उगाई गईं और आगामी उपयोग के लिए स्व-निषेचित बीज एकत्र किए गए।

करेला

करेला संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण: सोलह करेला संदर्भ किस्में अर्थात् पूसा विशेष, पूसा दो-मौसमी, सेल.5, एमसी-84, सेल.1, अर्का हरित, हिरकणी, फुले ग्रीन गोल्ड, फुले उज्ज्वला, मेघना-2, प्रीति, एनडीबीटी-9, कल्याणपुर बारामाशी, एनडीबीटी-7, एचएबीजी-1, को-1 को अनुरक्षित किया गया।

लौकी:

वर्ष 2023-24 के दौरान डीयूएस परीक्षण के लिए 25 लौकी संदर्भ किस्में उगाई गईं और फसल विशिष्ट डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 31 आकारिकी लक्षणों के लिए लक्षणवर्णन किया गया। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान परीक्षण के लिए कोई प्रत्याशी किस्में प्राप्त नहीं हुई। इसलिए, 25 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया जा रहा है।

कद्दू:

वर्ष 2023-24 के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार 32 आकारिकी लक्षणों के लिए डीयूएस परीक्षण के संचालन के लिए सात संदर्भ किस्में (अर्का सूर्यमुखी, अर्का चंदन, काशी हरित, सीओ-1, अम्बिली, सरस और सुवर्णा) उगाई गई। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान परीक्षण के लिए कोई प्रत्याशी किस्म प्राप्त नहीं हुई। इसलिए, 7 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया जा रहा है।

करेला, लौकी, खीरा, कद्दू

भाकृअनुप- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली

वर्ष 2023-24 के दौरान कद्दूवर्गीय फसलों के डीयूएस परीक्षण के तहत, निम्नलिखित सब्जी फसलों का परीक्षण किया गया जिसका निरीक्षण 24.05.2023 को किया गया।

क. लौकी - 03

ख. करेला - 04

ग. खीरा - 08 (4 हाइब्रिड और 4 एफ.वी., विशिष्ट किस्में)

लौकी की तीन किस्मों (3 हाइब्रिड), करेले की चार किस्मों (4 हाइब्रिड) और खीरे की आठ किस्मों (4 हाइब्रिड और 4 एफ.वी., विशिष्ट) का मूल्यांकन किया गया और 2023 के दौरान डेटा रिकॉर्ड किया गया।

केंद्र में अनुरक्षित की गई संदर्भ और एग्जाम्पल किस्मों की संख्या;



क. लौकी - 18 (पंजाब लॉन्ग, केबीजीआर-12, अर्का बहार, काशी गंगा, पंत लौकी-1, कल्याणपुर लॉन्ग ग्रीन, नरेंद्र ज्योति, नरेंद्र रश्मी, एबीजी-1, एनडीबीजी-619, पंत लौकी-3, एनडीबीजी- 132, वीआरबीजी-136, नरेंद्र धारीदार, पूसा समृद्धि, पूसा संतुष्टि, पूसा नवीन और पूसा संदेश)।

ख. करेला - 17 (पंत करेला-1, काशी उर्वशी, पंजाब-14, सीओ-1, फुले उज्वला, प्रीति, एनडीबीटी-7, हिरकानी, कल्याणपुर बारामासी, एनडीबीटी-9, फुले ग्रीन गोल्ड, मेघना-2, एचएबीजी -21, एचएबीजी-22, पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष और अर्का हरित)।

ग. खीरा - 10 (कल्याणपुर ग्रीन, स्वर्ण अगेती, पंजाब नवीन, स्वर्ण शीतल, फुले शुभांगी, जापानी लॉन्ग ग्रीन, हिमांगी, स्वर्ण पूर्णा, पंत खीरा-1 और वीआर-101 (जीनोटाइप)

3.1.15. चौलाय, पालक, तुरई के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

2023-24 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण:

फसलें	नई		वीसीके	एफवी	संदर्भ किस्में	निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां				
चौलाय	1	-	-	-	2+17	-

इस डीयूएस परीक्षण केंद्र ने संदर्भ किस्म के साथ एक चौलाय किस्म का परीक्षण किया और केंद्र ने तुरई की 09 संदर्भ किस्मों, चौलाय की 19 किस्मों और पालक की 05 किस्मों को अनुरक्षित किया है।

प्रमुख उपलब्धियां:



तुरई हाइब्रिड, अर्का विक्रम - आरईजी/2020/50; आईआईएचआर-6-1-1
तुरई हाइब्रिड की मादा पैतृक, अर्का विक्रम- आरईजी/2020/50 पी1; अर्का

प्रासन (आईआईएचआर-53-1-3) तुरई हाइब्रिड का नर पैतृक, अर्का विक्रम- आरईजी/2020/50 पी2 को पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली के पास 12.7.2023 को पंजीकृत किया गया।

भाकृअनुप- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली

वर्ष 2023-24 के दौरान, चौलाय पालक और तुरई के डीयूएस परीक्षण को डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित किया गया। 09 तुरई किस्मों (पूसा नसदर, अर्का सुमीत, गर्ग-1, जयपुर लॉन्ग, पूसा नूतन, फुले सुचेता, अर्का सुजात, Co-1, दीप्ति), 19 चौलाय (अर्का समरक्षा, अर्का वर्ना, अर्का अरुणिमा, रेने श्री, केनरा लोकल , पूसा लाल चौलाय, अर्का सुगुमा, अरुण, पूसा किरण, आरएनए-1, कृष्णा श्री, Co-2] Co-3, Co-4 Co-5, आईआईएचआर-109-1, आईआईएचआर 109-4, आईसी-551606 , IC551608) और 05 पलक किस्मों (पूसा ऑल ग्रीन, पूसा भारती, अर्का अनुपमा, Co-1 और एचएस-23) किस्मों का मूल्यांकन आरबीडी डिजाइन में तीन प्रतिकृति और प्रत्येक प्रतिकृति में 10 पौधों के साथ किया गया। बुवाई के लिए तुरई को 4 पंक्तियों में बोया गया। पंक्ति की लंबाई 4.2 मी., पंक्ति से पंक्ति की दूरी 3.0 मी., पौधे से पौधे की दूरी 60 से.मी.. और चौलाय को 4 पंक्तियों में बोया गया, पंक्ति की लंबाई 3 मी., पंक्ति से पंक्ति की दूरी 50 से.मी.., पौधे से पौधे की दूरी 20 से.मी.. रखी गई। पालक की बुवाई 5 पंक्तियों में की गई, पंक्ति की लंबाई 2 मी., पंक्ति से पंक्ति की दूरी 50 से.मी., पौधे से पौधे की दूरी 20 से.मी. रखी गई।



3.1.16. गोभी और फूलगोभी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली

फसलें	नई		वीसी के	एफवी	निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां			
फूल गोभी (मध्य-अगेती)	02	-	-	-	06/12/2023
फूल गोभी (मध्य-पछेती)	03	05	-	-	
फूल गोभी (मध्य-पछेती)	03	03	-	-	

अनुरक्षण के अंतर्गत किस्में:/लक्षणवर्णित

अधिदेशित फसल प्रजातियां	2020-2021 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सं.
फूल गोभी (अगेती)	पूसा मेघना, पूसा अश्विनी, पूसा दीपाली, सबौर एग्रिम, साबौर मुक्ता, काशी गोभी-25, पूसा कार्तिक संकर, 2829/2127एच, 23 कसुनी 02एच, डीसीएच-1467, डीसीएच-9867, पूसा कार्तिकी
फूल गोभी (मध्य-अगेती एवं (मध्य-पछेती)	सीएमई 22एच1, सीएमई 22एच2, सीएमई 22-1, सीएमई 22-2, सीएमई 22-3, एमएलसी 2022-एच1 एमएलसी 2022-एच2, एमएलसी 2022-एच3, पूसा शरद, पंत शुभ्रा, पूसा पौशजा, पूसा शुक्ति, पूसा हिमज्योति, पीसीएच-3
बंद गोभी	पूसा अगेती

प्रमुख उपलब्धियां



परीक्षण डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार संचालित किया गया। प्रत्याशी किस्मों का मूल्यांकन आरबीडी डिजाइन में तीन प्रतिकृतियों में किया गया और प्रत्येक प्रतिकृति में 50 पौधे थे। अगेती फसल परिपक्वता परीक्षण में

बीज 21.07.2023 को बोए गए और पौधे 06.09.2023 को रोपे गए तथा मध्य-अगेती फसल परिपक्वता परीक्षण में बीज 29.08.2023 को बोए गए और पौधे 18.10.2023 को 60 x 45 से.मी. की दूरी पर रोपे गए। फूलगोभी के डी.यू.एस. परीक्षण के लिए कुल 28 कृषि-आकृति विज्ञान संबंधी लक्षण डी.यू.एस. दिशा-निर्देशों के अनुसार अंकुरण अवस्था, कटाई अवस्था और पुष्पण अवस्था के दौरान दर्ज किए गए।

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, कटराईं, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश



प्रतिवेदित अवधि 2023-2024 के दौरान, केंद्र ने बंद गोभी की 16 संदर्भ किस्में (गोल्डन एकर, पूसा मुक्ता, पूसा ड्रम हेड, 83-1, 6ए, सी-121, प्राइड ऑफ इंडिया, प्राइड ऑफ एशिया, पूसा अगेती, 208ए, 208 बी, सी-122, किन्नर रेड, केटीसीबी-आर3ए, केटीसीबी-आर3बी, केटीसीबी-आर5, और 4 हाइब्रिडों अर्थात पूसा कैबेज-1 (केजीएमआर- 1), पूसा रेड कैबेज हाइब्रिड-1, पूसा हाइब्रिड-81 और पूसा हाइब्रिड-82) तथा फूलगोभी की 11 संदर्भ किस्में (पूसा स्नोबॉल-1, पूसा स्नोबॉल के-1, पूसा हिमज्योति, स्नोबॉल-16, पूसा स्नोबॉल के-25), एसके-1, सेल-27, केटीडीएच-53-1, 33ए-1, केटी-22 और पूसा पर्पल कॉलीफ्लॉवर-1 के साथ-साथ स्नोबॉल कॉलीफ्लॉवर की 3 हाइब्रिड किस्में अर्थात् पूसा स्नोबॉल हाइब्रिड-1, पूसा स्नोबॉल हाइब्रिड-2 और पूसा हाइब्रिड-301) अनुरक्षित की हैं। इन किस्मों का लक्षणवर्णन, परिष्करण किया गया। फूलगोभी की तीन मध्य-परिपक्वता समूह की प्रत्याशी किस्मों अर्थात एमएलसी 2022 एच1, एमएलसी 2022 एच2 और एमएलसी 2022 एच3 का परीक्षण दूसरे वर्ष डीयूएस परीक्षण के तहत किया गया।

3.1.17. आलू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला, हिमाचल प्रदेश

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, उत्कल ट्यूबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की अलीबाबा, मार्वरिक, जावा, कमांडो, बफैलो, बस्टर, अंटार्कटिका जैसी किस्मों और टेक्निको एग्री साइंसेज लिमिटेड फर्म की किंग रसेट, लेडी एलिसिया, लेडी जेन और साउंड जैसी किस्मों का वानस्पतिक और कंद लक्षणों के लिए सीपीआरआई क्षेत्रीय केंद्र मोदीपुरम और जालंधर में मूल्यांकन किया गया। कुफरी पहाड़ियों में ग्रीष्मकालीन फसल मौसम में, प्रत्याशी किस्में अर्थात चैलेंजर, सिफ्रा, सिल्वाना, रोनाल्डो, वॉयलेट क्वीन, डेलिया रेड, हर्मोसा, अलकेंडर, अल्वरस्टोन रसेट, सन रेड, प्राइमाबेल, सुनीता और डबल फन (महिंद्रा एचजेडपीसी), किंग रसेट (टेक्निको एग्री साइंसेज लिमिटेड), उत्कल ट्यूबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की यूटी-320 (अलीबाबा), यूटी-169 (बफेलो), यूटी-722 (जावा), यूटी-650 (मेवरिक) को पुष्प लक्षणों के लिए उगाया गया और तदनुसार डीयूएस डेटा रिकॉर्ड किया गया।



डीयूएस संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण: सीपीआरआई, शिमला में दो सौ अट्ठावन संदर्भ किस्मों (258) को इन विट्रो स्थितियों में अनुरक्षित किया गया, जबकि सीपीआरआई, कुफरी-फागू यूनिट, कुफरी और सीपीआरआई, आरएस, मोदीपुरम में क्रमशः 259 प्रत्येक को क्षेत्र की स्थिति में अनुरक्षित किया गया।

आलू डीयूएस परीक्षणों की निगरानी: मोदीपुरम में आलू डीयूएस परीक्षणों का निरीक्षण 9 जनवरी 2024 को किया गया। पीपीवीएफआरए द्वारा गठित पांच सदस्यों की समिति ने आलू डीयूएस क्षेत्र परीक्षणों का निरीक्षण किया। फसल की निगरानी वानस्पतिक अवस्था में की गई, ताकि बिना किसी मिश्रण के पर्याप्त पौधों की समष्टि अनुरक्षित की जा सके। परीक्षण में 11 प्रत्याशी किस्मों के साथ-साथ उनकी संबंधित संदर्भ किस्मों को स्वस्थ स्थिति में शामिल किया गया, सिवाय दो संदर्भ किस्मों (मेम्फिस और सैन्टाना) को छोड़कर, जिनमें खराब अंकुरण दिखाई दिया। प्रत्याशी किस्मों में से, 3 किस्मों अर्थात किंग रसेट, अलीबाबा और मेवरिक का दूसरे वर्ष के आंकड़ों के लिए परीक्षण किया गया। फसल के लिए निर्दिष्ट सभी कृषि विधियों/पौध संरक्षण उपायों का पालन किया गया। फसल विशिष्ट डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का पालन करते हुए हर चरण में तस्वीरों के साथ डेटा को उचित

रूप से रिकॉर्ड किया गया। फसल कटाई फरवरी के दूसरे सप्ताह में की गई और उसके बाद फसल का पूरा डेटा प्रारूप में दर्ज किया गया।

3.1.18. प्याज और लहसुन के लिए डीयूएस केंद्र

भाकृअनुप-प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे, महाराष्ट्र

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भाकृअनुप-डीओजीआर प्याज और लहसुन के डीयूएस परीक्षण के संचालन के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। इस परियोजना के तहत 47 प्याज, 04 मल्टीप्लायर प्याज और 29 लहसुन किस्मों का अनुरक्षण कर रहा है। प्याज और लहसुन की इन किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में माना जाता है। प्याज में, 45 रबी मौसम की किस्में और 10 खरीफ मौसम की किस्में तथा लहसुन में 29 किस्मों का अनुरक्षण भाकृअनुप-डीओजीआर, राजगुरुनगर, पुणे में किया जा रहा है।



लॉन्ग डे अर्थात टिकाऊ प्याज और लहसुन की किस्मों का अनुरक्षण भाकृअनुप-सीआईटीएच, श्रीनगर में और मल्टीप्लायर प्याज किस्मों का अनुरक्षण टीएनएयू, कोयंबटूर में किया जा रहा है। डीयूएस परियोजना के तहत प्याज और लहसुन की सभी किस्मों में डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश के अनुसार सभी डेटा दर्ज किए गए हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान, डीयूएस परीक्षण के लिए कुल नौ प्याज किस्में प्राप्त हुईं, अर्थात् खरीफ के दौरान 2889/2141, 23ONBHTI02, 23ONBHED04, 23ONBHER05 और रबी के दौरान 2889/2170, 2889/2171, 23ONBHAN01, 23ONBHAJ02, 23ONNH203. डीयूएस निगरानी नवंबर, 2023 के महीने के दौरान की गई।

भाकृअनुप- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली

डीयूएस परीक्षण के लिए किस्मों की संख्या:

भाकृअनुप-भाकृअसं प्याज और लहसुन के डीयूएस परीक्षण के संचालन के लिए सह-नोडल केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। हम इस परियोजना के तहत 29 प्याज और 12 लहसुन की किस्मों का अनुरक्षण कर रहे हैं। प्याज और लहसुन की इन किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में माना जाता है। डीयूएस परियोजना के तहत प्याज और लहसुन की सभी किस्मों में डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार सभी प्रकार के डेटा दर्ज किए जा रहे हैं। सभी पांच वंशावलियों की बुवाई 23/11/2023 को नर्सरी में की गई। दो वंशावलियां अर्थात् 2889/2171 और 2889/2170 अंकुरित नहीं हुईं। इसलिए तीन वंशावलियों यानी, 230 NBHAN 01,230 NBHAJ 02 और 230 NNH 203 को प्रत्याशी किस्म पूसा माधवी के साथ 25/01/2024 को प्रत्यारोपित किया गया। डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार आकारिकी लक्षणों पर डेटा दर्ज किया गया।



3.1.19. मिर्च, शिमला मिर्च और पेपरिका के लिए डीयूएस केंद्र

डॉ. वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय, लाम फार्म, गुंटूर, आंध्र प्रदेश

2023-24 के दौरान, डीयूएस परीक्षण के तहत निम्नलिखित प्रत्याशी किस्में थीं:

फसल	प्रत्याशी/नई किस्में						वीसीके	निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां			द्वितीय वर्ष की वंशावलियां				
	हाइब्रिड	विशिष्ट	एफवी	प्रत्याशी हाइब्रिड	एफ1 हाइब्रिड बनाम	विशिष्ट		

					एसएमजी			
शिमलामिर्च	-	4	-	-	-	-	-	19.02.2024
मिर्च	11	4	-	10	30 (15÷15)	13	-	
कुल	11	8	-	10	30	13	-	
वंशावलियों की कुल संख्या = 72								

प्राप्त की गई 72 वंशावलियों में से, 11 हाइब्रिड, 8 विशिष्ट वंशावलियां, 10 प्रत्याशी हाइब्रिड, 30 F1 हाइब्रिड बनाम SMG और शिमला मिर्च एवं मिर्च की 13 विशिष्ट वंशावलियों का मूल्यांकन डीयूएस लक्षणों के लिए एचआरएस, डॉ वाईएसआरएचयू लाम गुंटूर में 20 संदर्भ किस्मों के साथ किया गया। बीजों को 01-09-2023 को पोर्ट्रे में बोया गया। पोर्ट्रे में बोई गई 72 वंशावलियों में से, शिमला मिर्च की एक वंशावली (2884/2152) अंकुरित नहीं हुई और 30 वंशावलियों में 60% से कम अंकुरण दर्ज किया गया। मूल्यांकन के लिए पौधों को परीक्षण ब्लॉक में 12-10-2023 को प्रत्यारोपित किया गया। डीयूएस परीक्षण भूखंडों को विशिष्टताओं के अनुसार अच्छी तरह से अनुरक्षित किया गया है। डीयूएस लक्षणों को क्रमिक रूप से दर्ज किय गया। कुछ वंशावलियों को *मिर्च पर्ण कुंचन विषाणु (चिली लीफ कर्ल वायरस)* से और काले काष्ठकीटों (ब्लैक थ्रिप्स) से संक्रमित थे । सभी वंशावलियों का लक्षणवर्णन डीयूएस लक्षणों के लिए किया गया।



डीयूएस वंशावलियों का निरीक्षण डॉ. एल. नारम नायडू, अनुसंधान निदेशक, डॉ वाईएसआरएचयू; सह-अध्यक्ष टी एच सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, सब्जी फसल प्रभाग, आईआईएचआर, बेंगलुरु और सदस्य, डॉ प्रभुदेवा एस ऐजप्पलावारा, एसोसिएट प्रोफेसर/पीआई कोलाब्रेटिंग सेंटर (मिर्च पर डीयूएस) की अध्यक्षता में 19-02-24 को सफलतापूर्वक किया गया।

बागवानी अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, देवीहोसुर (यूएचएस, बागलकोट)

2023-24 के दौरान, कुल 72 प्रत्याशी वंशावलियां प्राप्त हुईं। इन वंशावलियों के साथ 19 खुले परागण वाली किस्मों और एक हाइब्रिड को एचआरईसी, देवीहोसुर से संदर्भ किस्मों/हाइब्रिड के रूप में शामिल किया गया। पौधों को पोर्ट्रे में उगाया गया (डीओएस-23 से 26 अगस्त, 2023)। पोर्ट्रे में बोई गई 72 वंशावलियों में से, एक वंशावली (2884/2152) अंकुरित नहीं हुई और 38 वंशावलियों में 50% से कम अंकुरण दर्ज किया गया। 01 से 06 सितंबर 2023 के दौरान उगाए गए पौधों को मूल्यांकन के लिए परीक्षण ब्लॉक में प्रतिरोपित किया गया। फसलों के उत्तरोत्तर चरण में, मिर्च और शिमला मिर्च के पौधे काष्ठकीटों से बुरी तरह प्रभावित पाए गए, इसलिए फसल की देखभाल की गई और नियमित छिड़काव (जैव-अभिकारक और रसायन) कर उन्हें अनुरक्षित किया गया।



2023-24 में प्रत्याशी किस्मों के डीयूएस परीक्षण का विवरण :

फसल	प्रत्याशी/नई किस्में						वीसीके	संदर्भ किस्में	निगरानी की तिथि
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां			द्वितीय वर्ष की वंशावलियां					
	हाइब्रिड	विशिष्ट	एफ वी	प्रत्याशी हाइब्रिड	एफ1 हाइब्रिड बनाम एसएमजी	विशिष्ट			
मिर्च	11	04	-	10	30	-	-	16	29.01.2024

					(15+15)				
	11	08	-	10	30	13	-	19	
शिमला मिर्च		04	-	-	-	13	-	03	

अनुरक्षण के तहत किस्में/लक्षणवर्णित:

अधिदेशित फसल प्रजातियां	2022-23 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों की सं.	डेटा का प्रस्तुतीकरण (अनुरक्षण प्रजनन) हां/ना
मिर्च	25	ना

- डीयूएस भूखंड को अच्छी तरह से अनुरक्षित किया गया और सभी डीयूएस लक्षणों को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया गया।
- फसल विकास के उत्तरोत्तर चरण पर पौधों को काष्ठकीट अर्थात थ्रिप्स से संक्रमित पाया गया ।

3.1.20. तरबूज और खरबूजे के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, राजस्थान



वर्ष 2023 के ग्रीष्म ऋतु के दौरान, प्रत्याशी हाइब्रिड की श्रेणी के अंतर्गत तरबूज की 08 वंशावलियों (22 डब्ल्यूएम एच1 हाइब्रिड, 2879/2943/एच प्रत्याशी हाइब्रिड, 22 डब्ल्यूएम एच2 हाइब्रिड, 2879/2943/एच एफ1 हाइब्रिड एसएमजी, डब्ल्यूएम 22 एच3 प्रत्याशी हाइब्रिड, डब्ल्यूएम 22 एच3 एफ1 हाइब्रिड एसएमजी, डब्ल्यूएम 22 एच1 प्रत्याशी हाइब्रिड, डब्ल्यूएम 22 एच2 प्रत्याशी हाइब्रिड) का डीयूएस परीक्षण किया गया। खरबूजे में, प्रत्याशी हाइब्रिडों (एमएम 22 एच2 प्रत्याशी हाइब्रिड, एमएम 22 एच2 एफ1 हाइब्रिड एसएमजी, एमएम 22 एच4 प्रत्याशी हाइब्रिड) की श्रेणी के



अंतर्गत 03 वंशावलियां, किसान किस्म श्रेणी (22MuFV1, 22 MuFV2) के अंतर्गत 02 वंशावलियां और विशिष्ट श्रेणी (22 एमएम-1 विशिष्ट, 22 एमएम-2 विशिष्ट, 22 एमएम-3 विशिष्ट) के अंतर्गत 03 वंशावलियां प्राप्त हुईं। खरबूजे की सभी वंशावलियों का 2023 के ग्रीष्म ऋतु के दौरान डीयूएस विवर्णकों के अनुसार डीयूएस परीक्षण के लिए मूल्यांकन किया गया। डीयूएस परीक्षण में प्रयोग करने के लिए 07 तरबूजा और 11 खरबूजा की सभी संदर्भ किस्मों के बीजों को अनुरक्षित किया गया है।

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण और पुनर्जनन

तरबूज में कुल दस संदर्भ किस्में (अर्का माणिक, शुगर बेबी, असायी यमातो, क्रिमसन स्वीट, एएचडब्ल्यू -65, दुर्गापुर लाल, दुर्गापुर केसर, थार मानक, अर्का श्यामा, अर्का मुत्तु) और खरबूजे में आठ संदर्भ किस्में (अर्का जेठ, दुर्गापुर मधु, पूसा सरबती, पंजाब सुनहरी, RM-50, RM-43, MHY-3, MHY-5) का अनुरक्षण और पुनरुद्धार किया गया।

तरबूज: प्रथम वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए दो प्रत्याशी हाइब्रिड 22WMHI, 22WMH2, द्वितीय वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए प्रत्याशी हाइब्रिड अर्थात् WM22H1-CH, WM22H2-CH, WM22H3-CH और शिमोगा हाइब्रिड WM22H3- SMG, छह संदर्भ

किस्मों (अर्का माणिक, शुगर बेबी, AHW-65, दुर्गापुर लाल, दुर्गापुर केसर, BIL-53, थार मानक) का परीक्षण पीपीवी एवं एफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया।

खरबूज: प्रथम वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए दो विशिष्ट किस्मों 22 MuFVI और 22 MuFV2 के साथ खरबूजे का डीयूएस परीक्षण किया गया। द्वितीय वर्ष के परीक्षण के लिए तीन हाइब्रिडों यानी एमएम22एच4, एमएम22एच2 और एमएम22एच2-एसएमजी, तीन विशिष्ट किस्मों 22एमएम-1, 22एमएम-2 और 22एमएम-3 तथा पांच संदर्भ किस्मों (अर्का जीठ, पंजाब सुनहरी, आरएम-43, एमएचवाई-3, एमएचवाई-5) का परीक्षण पीपीवीएफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया।

3.1.21. नुकीली लौकी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल



2023-24 में प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण: परवल क्लोनों का डीयूएस लक्षणवर्णन बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नादिया, पश्चिम बंगाल में किया जा रहा है। इस केंद्र में अठारह संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया जा रहा है। अध्ययन में यह उल्लेख पाया कि डीयूएस परीक्षण के लिए परवल के जीनोटाइप का मूल्यांकन करते समय पौधे और फल के आकारिकी लक्षणों, जैसे कि फल का आकार, फूल के अंत-सिरे पर फल के ऐपेक्स का आकार, डंठल की लंबाई, पत्ती के ब्लेड की लंबाई, फल की त्वचा का प्राथमिक रंग और पत्ती के लोबिंग की गहराई पर विचार किया जाना चाहिए। केंद्र द्वारा विकसित डीयूएस विवर्णकों के अनुसार अठारह संदर्भ किस्मों सहित सैंतीस जीनोटाइप को चिह्नित किया गया है। सभी परीक्षण किए गए जीनोटाइप की पोषण संबंधी प्रोफाइल तैयार की गई है।

भाकृअनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश



प्रतिवेदित वित्त वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, ऑब्जेक्टिव रेफरेंस किस्मों, यथा काशी अलंकार, काशी सुफल, काशी अमूल्य, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, वीआरपीजी-221, वीआरपीजी-220, वीआरपीजी-103, वीआरपीजी-126, वीआरपीजी-173, वीआरपीजी-219, वीआरपीजी-141, वीआरपीजी-176-1, वीआरपीजी-105, बीसीपीजी-1, बीसीपीजी-2, बीसीपीजी-4 और बीसीपीजी-5 का क्लोनीकृत रूप से बहुगुणन किया गया और इन्हें अलग से अनुरक्षित किया गया। परवल के डीयूएस दिशा-निर्देशों के आधार पर विभिन्न फसल विवर्णकों से संबंधित डेटा भी दर्ज किया गया। सभी संदर्भ किस्मों के लिए दर्ज किए गए लक्षण डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार थे और उनमें कोई विचलन रिपोर्ट नहीं किया गया।

3.1.22. सहजन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र:

बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट, कर्नाटक



इस केंद्र में, विभिन्न स्थानों से 21 विभिन्न सहजन (मोरिंगा) जीनोटाइप एकत्र किए गए और डीयूएस परीक्षण ब्लॉक में तीन प्रतिकृति में रोपित किए गए। इन सभी जीनोटाइप को डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों लक्षणों के लिए लक्षणवर्णित किया गया। इन जीनोटाइप को संदर्भ किस्मों के रूप में अच्छी परिस्थितियों में अनुरक्षित किया गया। कटिंग के रूप में विभिन्न स्थानों से कुछ और सहजन जीनोटाइप एकत्र किए गए, उन्हें पॉली हाउस में बहुगुणित किया गया और उन्हें मुख्य खेत में रोपित करने का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा, पीपीवी और एफआरए अधिनियम 2001 के विभिन्न प्रावधानों के बारे में किसानों और संकाय सदस्यों के बीच जागरुकता पैदा करने के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। किसान पीपीवी और एफआरए के पास अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने में सुविधा प्रदान करने के लिए डीयूएस केंद्र से संपर्क कर रहे हैं। हमें डीयूएस लक्षणों के लक्षणवग्रन के लिए

एक किसान से बैंगन के चार जीनोटाइप प्राप्त हुए हैं और यह कार्य प्रगति पर है। इस तरह, केंद्र किसानों को किस्मों को पंजीकृत कराने में सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ प्रोत्साहन दे रहा है। केंद्र को महाराष्ट्र और झारखंड से सहजन के ऑनसाइट डीयूएस परीक्षण के लिए दो आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस पर कार्य चालू वर्ष के दौरान किया जाएगा।

3.1.23. पान के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक



2023-24 के दौरान, डीयूएस केंद्र में पान की कुल 40 संदर्भ किस्मों (4 विमोचित, 36 एफवी/ वीसीके/ जर्मप्लाज्म) को अनुरक्षित किया गया है। भाकृअनुप-आईआईएचआर परीक्षण फार्म में 11 एग्जाम्प्ल किस्मों और 29 जर्मप्लाज्म वंशक्रमों में डीयूएस लक्षण दर्ज किए गए। किस्म पाइपर पान (एल.) का संग्रहण करने के लिए ऑनसाइट डेटा 07/08/2023 को कर्नाटक के हावेरी जिले के रानेबेन्नूर और सावनूर क्षेत्रों में एकत्र किया गया। इसके अलावा, हमने केवीके हनुमानमट्टी, रानेबेन्नुरू तालुक का दौरा किया और इलाके में पान पर चल रहे कार्य के बारे में चर्चा की। इसके बाद किसानों के खेतों का दौरा किया, जहाँ किसान पॉलीहाउस और खुले खेत, दोनों में सीबा पेंटेंड्रा का उपयोग जीवित मानक के रूप में कर रहे हैं।

बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल



देश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र किए गए पान के जर्मप्लाज्म को दो स्थानों पर बोराजा भवन के तहत बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय (बीसीकेवी), कल्याणी, नादिया, पश्चिम बंगाल में अनुरक्षित किया जा रहा है। इस केंद्र में कुल 39 वंशक्रम/किस्में लक्षणवर्णन के लिए अनुरक्षित की गई हैं। इसमें डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों में उल्लिखित सभी एग्जाम्प्ल किस्में शामिल हैं। हमें आईजीकेवी, रायपुर से एक पान किस्म (हुईखदान देशी कपूरी पान) प्राप्त हुई है, जिसके बारे में दावा किया गया हे कि वह नया संग्रह है। इस किस्म का परीक्षण उसकी नवीनता के लिए किया गया और इस बारे में प्राधिकरण को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

3.1.24. आंवला (भारतीय रसभरी) के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, फील्ड जीन बैंक में रोपित 08 आंवला किस्मों का लक्षणवर्णन किया गया। फील्ड जीन बैंक में संदर्भ किस्मों (8) को अनुरक्षित किया जा रहा है। प्राधिकरण को पंजीकरण के लिए प्रस्तुत की गई पांच नई किस्मों सहित 1 प्रत्याशी किस्म पर डीयूएस परीक्षण किया गया। यूपी के बागवानी करने वाले उद्यमियों को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के पास अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने के लाभों के बारे में जानकारी दी गई।

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, गोधरा, गुजरात

इस केंद्र ने प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान 14 आंवला संदर्भ किस्मों को डीयूएस परीक्षण केंद्र के तहत फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया है। सभी संदर्भ किस्मों का बागवानी लक्षणों के लिए मूल्यांकन किया गया। किस्म बनारसी, आनंद-1, आनद-2 और कृष्णा में सीधी बढ़वार के साथ फैलने की प्रकृति पाई गई, कंचन और चकैया में सीधी बढ़वार, फ्रांसिस में नीचे की ओर झुकाव की प्रकृति, एनए-10 में पादप फैलाव की प्रकृति पाई गई। पत्ती का आकार एनए-10 में अधिकतम (1.709 x 0.26 से.मी.) दर्ज किया गया, उसके बाद चकैया, गोमा ऐश्वर्या और एनए-7 का स्थान रहा, जबकि कृष्णा में यह न्यूनतम (1.22 x 0.38 से.मी.) दर्ज किया गया। बनारसी, कृष्णा, आनंद-2 की पत्ती का आकार और ऐपेक्स आयताकार-अधिककोणीय आकार का था; चकैया और आनंद-1 आयताकार-नुकीला; कंचन अंडाकार; फ्रांसिस अंडाकार-अधिककोणीय था; जबकि गोमा ऐश्वर्या, एनए-7 और एनए-10 दीर्घवृत्ताकार-अधिककोणीय आकार के थे।

3.1.25. बेल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, गोधरा, गुजरात

2023-24 के दौरान, 21 बेल फसलों की संदर्भ किस्मों को सीएचईएस, गोधरा स्थित केंद्र में फील्ड रिपोजिटरी में रखा गया है और 07 बेल किसान प्रत्याशी किस्मों तथा गोंडा, यूपी जिले की तीन किस्मों, झारखंड से 2 और छत्तीसगढ़ से 2 किस्मों का परीक्षण ऑन-साइट/डीयूएस परीक्षण के तहत किया गया। इनके बारे में डीयूएस डेटा को पीपीवीएफआरए के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया।

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश



इस केंद्र ने बेल की 16 संदर्भ किस्में अनुरक्षित की हैं। फील्ड जीन बैंक में रोपित की गई 12 बेल किस्मों का लक्षणवर्णन किया गया। 07 प्रत्याशी किस्मों पर डीयूएस परीक्षण किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले की तीन किस्में, झारखंड की 2 किस्में और छत्तीसगढ़ की 2 किस्में शामिल हैं। इन्हें पहले ही प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। उत्तर प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ के किसानों को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली में अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने के लाभों के बारे में जागरुक किया गया।

3.1.26. जामुन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ में जामुन की संदर्भ किस्मों (7) को अनुशंसित कृषि विधियों के तहत फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया गया है। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान वृक्ष की बढ़वार और फल गुणवत्ता लक्षणों के लिए डीयूएस विवर्णकों का प्रयोग करके कुल 22 वंशावलियों का लक्षणवर्णन किया गया। किसानों को अपनी जामुन किस्मों को पीपीवी और एफआरए के पास पंजीकृत कराने के बारे में जानकारी प्रदान की गई।



भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, गोधरा, गुजरात

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, आठ प्रत्याशी/संदर्भ किस्मों (गोमा प्रियंका, कोंकण बहादोली, सीआईएसएचजे-42, थार क्रांति, सीआईएसएच जामवंत, गोकक-1, गोकक-2, पारस) को किसानों की किस्मों का परीक्षण करने हेतु सीएचईएस, गोधरा स्थित केंद्र में फील्ड रिपोजिटरी में अनुरक्षित किया गया। टुमकुर, कर्नाटक से किसानों की बारहमासी जामुन किस्म के आकारिकीय विवर्णकों को रिकॉर्ड करके रिपोर्ट किया गया। इस बारहमासी जामुन और धूपदल की रोपण सामग्रियां अक्टूबर, 2023 के दौरान संग्रहीत की गईं।

3.1.27. अमरूद के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, फील्ड जीन बैंक में रोपित की गई अमरूद किस्मों (31) को विभिन्न डीयूएस विवर्णकों का प्रयोग करके लक्षणवर्णित किया गया। संदर्भ किस्मों (40) को फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया गया है। 'जार्वी रेड-1' (आरईजी/2023/0164) और 'अर्का पूर्णा' (आरईजी/2020/19) सहित 2 प्रत्याशी किस्मों पर डीयूएस परीक्षण किया गया और प्राधिकरण को ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के अमरूद उत्पादकों को पीपीवी और एफआरए के पास अपनी किस्मों को पंजीकृत कराने के लाभों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

3.1.28. लीची के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर, बिहार

वर्ष 2023-24 के दौरान, भाकृअनुप-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर, बिहार ने लीची फसल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र में अनुरक्षण प्रजनन के तहत 76 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है। केंद्र डीयूएस परीक्षण ब्लॉक में 06 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षण कर रहा है। लीची जीनोटाइप के कुल 20 जर्मप्लाज्म, यानी *शाही, चाइना, बॉम्बे-II, देहरारोज, गंडकी योगिता, पूर्वी, सीएचएल-5, सीएचईएस-II, अजहोली, बॉम्बे-I, बेदाना, गंडकी लालिमा, गंडकी संपदा, मंदराजी, कलकतिया, रोज सेंटेड, त्रिकोलिया, लोंगिया, ग्रीन, देहरादून* का लक्षणवर्णन नेशनल एक्टिव जर्मप्लाज्म साइट्स (एन ए जी एस) में अनुरक्षित किए जा रहे डीयूएस विवर्णकों के अनुसार किया गया। डीयूएस ब्लॉक में वर्तमान में लीची की एक किसान किस्म और एक किस्म स्वर्ण मधु है जिसका डीयूएस विवर्णकों के अनुसार मूल्यांकन किया जा रहा है।

3.1.29. सीताफल और पपीते के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

पपीता: प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, 13 संदर्भ किस्मों (यथा, रेड लेडी, ड्वार्फ लिली, कूर्ग हनी ड्यू, वाशिंगटन, शिलांग, पिंक फ्लेश स्वीट, पीएयू सलेक्शन, लखनऊ कलेक्शन, पूसा जायंट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, अर्का प्रभात, अर्का सूर्या) को उगाया गया और इन किस्मों के अनुरक्षण के लिए स्व-प्रजनन और सहोदर-निषेचन अर्थात सब-मेटिंग कराई गई। डीयूएस परीक्षण के लिए पपीते की कोई वंशावली प्राप्त नहीं हुई।



शरीफा (कस्टर्ड एप्पल): शरीफा (*ए.स्क्वामोसा* एल.) की तेरह संदर्भ किस्मों, यानी बालानगर, रायदुर्ग, एपीके-1, रेड सीताफल, मैमथ, बारबेडस, वाशिंगटन 07005, वाशिंगटन 98797, ताइवान, एनएमके-1, अर्का नीलाचल विक्रम, फुले जानकी और अर्का साहन को मानक उत्पादन प्रथाओं का पालन करते हुए फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया जा रहा है। वीएनआर माथुर और बालानगर का डीयूएस लक्षणवर्णन जगदलपुर, छत्तीसगढ़ में किया गया। महाराष्ट्र में शरीफा का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण केवीके, बारामती में किया गया। भीमथडी (बारामती) सलेक्शन और बालानगर में आकारिकीय, पुष्प और पुष्प संबंधी लक्षण दर्ज किए गए।

पपीता

तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, खेत में 18 संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया गया। 15 किस्मों पर प्रेक्षण किए गए, जिनमें एकलिंगी अर्थात डायोसिअस (सीओ 1, सीओ 2, सीओ 4, सीओ 5, सीओ 6, टीएनएयू पपीता सीओ 8, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा जायंट, वाशिंगटन, पंत पपीता 2, पीएयू सलेक्शन) और उभयलिंगी अथवा गाइनोडायोसिअस (सीओ 3, सीओ 7, सनराइज सोलो) शामिल हैं। अर्का प्रभात, अर्का सूर्या और कूर्ग हनी ड्यू का लक्षणवर्णन गंभीर पीआरएसवी आपतन के कारण नहीं किया जा सका। 15 किस्मों में डीयूएस लक्षणवर्णन का प्रयास किया गया और प्रेक्षित किए गए लक्षणों के आधार पर किस्मों का समूहीकरण किया गया।

3.1.30. जायफल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, रतनगिरी, महाराष्ट्र



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, 13 किसान किस्मों (प्रत्येक किस्म के 5 पौधे) और वर्ष 2018 की 32 संदर्भ किस्मों को डीयूएस केंद्र, मुल्दे में रोपित किया गया। पंजीकरण के लिए केरल से प्राप्त तीन किसान

किस्में (प्रत्येक किस्म की 11 कलियां) टेटवाली ब्लॉक, सीईएस वाकावली (दापोली) में रोपित की गई हैं। केरल राज्य से 6 किसान किस्मों का ऑनसाइट डीयूएस परीक्षण किया गया और पीपीवीएफआरए को डीयूएस डेटा प्रस्तुत किया गया।

3.1.31. सुपारी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, विट्टल, कर्नाटक



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, डीयूएस केंद्र ने सुपारी की 16 संदर्भ किस्में अनुरक्षित कीं। रत्नागिरी जर्मप्लाज्म के पौधों के डीयूएस विवर्णक लक्षणों को रिकॉर्ड करने के साथ-साथ इन किस्मों के आकारिकी लक्षणों, यानी पौधे की ऊंचाई, तने की ऊंचाई, क्राउन की लंबाई, क्राउन का आकार, परिधि, अंतरग्रंथि की लंबाई, पत्तियों की संख्या, पत्ती की लंबाई, पत्ती की चौड़ाई, पत्ती के आच्छद की लंबाई, पत्ती के आच्छद की चौड़ाई आदि को रिकॉर्ड किया गया, और एग्जाम्प्ल/संदर्भ किस्मों से ताजा अखरोट एवं सूखे अखरोट की लक्षणों, जैसे कि ताजे फल का वजन, फल की लंबाई, फल की चौड़ाई, सूखे अखरोट का वजन, सूखी गिरी का वजन आदि को भी भाकृअनुप-सीपीसीआरआई, क्षेत्रीय केंद्र, विट्टल में रिकॉर्ड किया गया। भाकृअनुप-सीपीसीआरआई, अनुसंधान केंद्र, कहिकुची, गुवाहाटी की पारिस्थितिकी के तहत वानस्पतिक विकास लक्षणों के लिए सुपारी एग्जाम्प्ल/संदर्भ किस्मों की पौधों का अध्ययन करने के उपरांत, प्रेक्षण रिकॉर्ड करने के लिए इन पौधों को खेत में उगाया गया। सुपारी की एग्जाम्प्ल/संदर्भ किस्मों के आकारिकी लक्षणों को हमारे भाकृअनुप-सीपीसीआरआई, अनुसंधान केंद्र, मोहितनगर, पश्चिम बंगाल में दर्ज किया गया।

3.1.32. काजू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तुर, कर्नाटक



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, डीयूएस केंद्र ने अनुशंसित कृषि विधियों का अंगीकरण करते हुए संदर्भ ब्लॉक में 30 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है। दो नई किस्मों यानी, पूर्णिमा (काजू अनुसंधान केंद्र, मदक्कथारा, त्रिशूर, केरल से) और नेत्र उभया (भाकृअनुप-काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तुर, कर्नाटक से) को ऑनसाइट डीयूएस परीक्षण के लिए संगृहीत किया गया है। नेत्र उभया, पूर्णिमा, वेंगुर्ला-9, नेत्र वामन, एच-130 और एच-126 जैसी किस्मों के लिए पच्चीस डीयूएस लक्षणों को उनके संबंधित संदर्भ किस्मों के साथ संकलित किया गया है, जो वर्तमान में डीयूएस परीक्षण के अधीन हैं। सभी प्रत्याशी किस्मों और 30 संदर्भ किस्मों के लिए काजू गिरी द्रव्य (सीएनएसएल) का आकलन किया गया। सभी संदर्भ और प्रत्याशी किस्मों के लिए टैनिन, विटामिन-सी अम्ल और शर्करा जैसे जैव रासायनिक प्राचलों का आकलन किया गया।

नेत्रा उभया- यह एक दोहरे-प्रयोजन वाली किस्म है और इसकी काजू गिरी एवं काजू फल उपज उच्च है। इसमें काजू फल की वांछित विशेषताएं, जैसे कि न्यून टैनिन तत्व और उच्च TSS तत्व हैं। इसमें उच्च छिलका प्रतिशत (34.66%) के साथ मोटे आकार गिरी का फलन होता है। अन्य किस्मों की तुलना में, इसमें टैनिन तत्व (0.034 मि.ग्रा; प्रति मि.ली.) की मात्रा बहुत कम है। इस किस्म में W210 कर्नेल ग्रेड है, जो निर्यात के लिए उपयुक्त है।

पूर्णिमा- यह हाइब्रिड एआरएस-अनक्कयम में BLA-139-1 को K-30-1 के साथ क्रॉस करके विकसित किया गया। इस किस्म में सीधी और कॉम्पैक्ट कैनोपी सहित उल्लेखनीय गुणधर्म हैं, जैसे की उच्च फल वजन (7.8 ग्रा.) और गिरी वजन (2.6 ग्रा.)। इसका उच्च निर्यात ग्रेड (W210) भी है। यह एक उच्च उपज वाली, मध्य-मौसम काजू हाइब्रिड है जिसमें उच्च छिलका प्रतिशत होता है।

3.1.33. चिरौंजी और इमली के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र



केंद्रीय बागवानी परीक्षण केंद्र, भाकृअनुप- केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, गोधरा, गुजरात

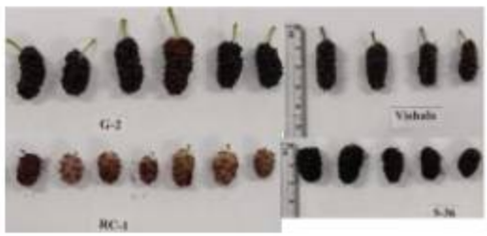
वर्ष 2023-24 के दौरान, इस केंद्र ने इमली की 11 किस्मों, यानी *गोमा प्रतीक, प्रतिष्ठान, टी-263, पीकेएम-1, अजंता, डीटीएस-1, रेड टाइप, स्वीट टाइप, बंतूर, यूरीगम और चेस्ट-10* और चिरौंजी के 10 जीनोटाइप, यानी *धार प्रिया, सीएचईएससी-1, सीएचईएससी-2 सीएचईएससी-3, सीएचईएससी-4 सीएचईएससी-5, सीएचईएससी-6 सीएचईएससी-8, सीएचईएससी-9, सीएचईएससी-10* को डीयूएस परीक्षण केंद्र में अनुरक्षित किया है। डीयूएस परीक्षण के तहत कोई भी प्रत्याशी किस्म नहीं है।

3.1.34. शहतूत के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, मैसूर, कर्नाटक

वर्ष 2023-24 की प्रतिवेदित अवधि के दौरान, प्रगति निम्नानुसार है:

- ✓ नियमित छंटाई, निराई, सिंचाई, उर्वरक अनुप्रयोग और अन्य कृषि कार्यों के साथ 31 एग्जाम्प्ल जीनोटाइप और 19 संदर्भ किस्मों के साथ शहतूत डीयूएस भूखंड को अनुरक्षित किया गया।
- ✓ दस एग्जाम्प्ल जीनोटाइप के पादप अंतराल को भरा गया।
- ✓ दो स्वतंत्र फसल विकास चक्रों के लिए 35 डीयूएस विवर्णकों का उपयोग करके एग्जाम्प्ल जीनोटाइप और संदर्भ किस्मों का लक्षणवर्णन किया गया।



- ✓ एग्जाम्प्ल जीनोटाइप में 35 लक्षणों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें से 6 किस्में द्विरूपी, 23 त्रिरूपी और 6 बहुरूपक थीं, जिनमें किस्मगत लक्षणवर्णन, विशिष्टता का पुष्टिकरण और जीनोटाइप/किस्मों की पहचान की जाने की प्रबल संभावना है।
- ✓ उपलब्ध एग्जाम्प्ल जीनोटाइप में से किसी भी जीनोटाइप में प्ररोह (>1.5 से.मी.) की मोटाई, ट्रिस्टिचस (1/3) फाइलोटैक्सी, बड स्केल स्टिप्यूल प्रकृति, कॉर्डेट, चौड़ी अंडाकार और लांसोलेट पत्ती का आकार, रेपैंड लीफ मार्जिन, गाइनोमोनोशियस सेक्स व्यंजक्ता, मुड़ा हुआ स्टिग्मा, बहुत लंबे (>8 से.मी.) परिपक्व फल की लंबाई, चौड़े (>1.5 से.मी.) परिपक्व फल की चौड़ाई और फल का गहन हरा रंग नहीं दिखा। यह इस आवश्यकता की ओर संकेत करता है कि डीयूएस दिशानिर्देशों में इन लक्षणों में नए एग्जाम्प्ल जीनोटाइप्स को जोड़ा जाए।
- ✓ संदर्भ किस्मों में मूल्यांकन किए गए 35 लक्षणों में से, 3 किस्में मोनोमोर्फिक, 14 डिमॉर्फिक, 15 ट्रिमॉर्फिक और 3 पॉलीमॉर्फिक थीं जिनमें किस्मगत लक्षणवर्णन, विशिष्टता का पुष्टिकरण और जीनोटाइप/किस्मों की पहचान किए जाने की प्रबल संभावना है।
- ✓ G-4 शहतूत किस्म को पीपीवी एवं एफआरए अधिनियम 2001 के तहत पंजीकृत किया गया और पीपीवी एवं एफआरए ने पंजीकरण संख्या REG/2019/117 के साथ पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किया।
- ✓

3.1.35. पोपलर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

वृक्ष सुधार और आनुवंशिक संसाधन विभाग, बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश

वर्ष 2023-24 के दौरान, डीयूएस परीक्षण केंद्र ने वृक्ष सुधार और आनुवंशिक संसाधन विभाग, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय नौनी, सोलन, (हिमाचल प्रदेश) के परीक्षण फार्म में *पॉपुलस डेल्टोइड्स* की पंद्रह प्रत्याशी किस्मों को 60×60 से.मी. के अंतराल पर तीन प्रतिकृतियों के साथ अनुरक्षित किया। पंद्रह संभावित किस्मों का विवरण इस प्रकार है:

प्रजातियों का नाम	किस्मों की सं.		स्रोत	
पॉपुलस डेल्टोइड्स	स्रोत	क्लोन		
	उत्तराखंड वन विभाग	L-61/05, L-30/06, L-62/84, G-48	वन विभाग	
	विम्को सीडलिंग्स रूद्रपुर, उत्तराखंड	S_7 C_{15}, S_7 C_8,WSL-22, WSL-39	WIMCO	
	टीआईजीआर विभाग, यूएचएफ, नौनी	6503, 5503, 1007, L-200/86	राज्य कृषि विश्वविद्यालय	
	वानिकी विभाग, पीएयू, लुधियाना	PL-3, PL-6, PL-7		
	कुल	**15**		



गुणात्मक और मात्रात्मक लक्षणों पर आकारिकी डेटा **(पत्ती और बढ़वार)** क्रमशः अगस्त और दिसंबर 2023 के महीने में दर्ज किया गया। डेटा का विश्लेषण फरवरी 2024 के महीने में किया गया। सभी लक्षण एक समान और स्थिर पाए गए।

3.1.36. विलो के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

वृक्ष सुधार और आनुवंशिक संसाधन विभाग, बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, विभाग के परीक्षण क्षेत्र में 40 × 50 से.मी. के भूखंड आकार के साथ प्रतिकृति परीक्षण (3 प्रतिकृति) के तहत 17 संदर्भ किस्मों/क्लोन को अनुरक्षित किया गया। चार किसान किस्मों का मूल्यांकन एग्जाम्प्ल किस्मों यानी एफएलएस, घागस और देवमाता के साथ किया गया। पत्ती का डेटा अगस्त, 2023 के महीने में, फसल विकास डेटा दिसंबर, 2023 के महीने में और अंकुरण संबंधी डेटा जनवरी-फरवरी 2024 के महीने में दर्ज किया गया। डेटा का विश्लेषण मार्च 2024 के महीने में किया गया। अनुरक्षण परीक्षण के तहत विलो (सैलिक्स प्रजा.) की प्रत्येक किस्म के लिए डीयूएस लक्षणों का वैधीकरण किया गया, जिन्हें पहले ही पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा प्रकाशित किया जा चुका है। चार किसान किस्मों (REG/2021/0128 (डूडर-1); REG/2021/0129 (नाराग-1); REG/2021/0130 (शॉटी-1); REG/2021/031 (सनोग-1) को एग्जाम्प्ल किस्म FLS के विशिष्ट लक्षणों के समान पाया गया और इनमें से किसी को भी उत्कृष्ट नहीं माना जा सकता है, हालांकि, इन्हें अन्य संदर्भ किस्मों के साथ नर्सरी में अनुरक्षित किया जाएगा। इसके अलावा, पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली के पास वानिकी जर्मप्लाज्म के पंजीकरण के महत्व पर गांव लेह, तेह थुनाग जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

3.1.37. कैसुरीना और यूकेलिप्टस के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र:

वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान (आईसीएफआरई), कोयंबटूर, तमिलनाडु



यूकेलिप्टस

यूकेलिप्टस कैमलडुलेंसिस क्लोनल परीक्षण आईएफजीटीबी जर्मप्लाज्म, करुण्य नगर, कालाकुरिची, सलेम और मरक्कनम सहित विभिन्न स्थानों पर संचालित किए गए, जिन्हें पीपीवी और

एफआरए दिशानिर्देशों में वर्णित डीयूएस लक्षणवर्णन के अधीन रखा गया। 33 आकारिकी प्राचलों के अनुसार परीक्षणों का मूल्यांकन सभी प्रतिकृतियों में मात्रात्मक (एमजी) और गुणात्मक लक्षण (वीजी), दोनों सहित किया गया। संदर्भ क्लोनों, यानी की सी7, सी9, सी14, सी19, सी63, सी100, सी111, सी123, सी187, सी188, सी191 की कटाई कुरुम्बापट्टी आरएस, सलेम में क्लोनल परीक्षण में की गई ताकि कुरुम्बापट्टी से एकत्र की गई स्थूण कर्तन अर्थात कापिज से किशोर गुणों को रिकॉर्ड किया जा सके। करुण्य क्लोनल परीक्षण और जीटीआई जर्मप्लाज्म, आईएफजीटीबी (3 मी. x 2 मी. के अंतराल के साथ) दोनों से, 25 से अधिक संदर्भ किस्मों को फेलिंग और भावी कॉपिस संग्रह के लिए चिह्नित किया गया। पुष्पक्रम अर्थात इनफ्ल्यूरोसेंस प्रेक्षणों के लिए दोनों स्थानों पर कई फील्ड दौरे किए गए। इसलिए, भावी गतिविधियों के लिए सभी संदर्भ क्लोनों हेतु डिजिटल दस्तावेजीकरण भी किया गया। टीएनपीएल को उनके दो क्लोनों के पंजीकरण की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से सहायता प्रदान करने के लिए और पीपीवीएफआरए द्वारा उल्लिखित डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार टीएनपीएल यूनिट 1 और 2 में व्यापक फील्ड दौरे के दौरान डेटा एकत्र किया गया। जुवलाइन लक्षणों को प्रलेखित करने और उनके आगे प्रसार के लिए कॉपीस शूट एकत्र करने हेतु करुण्य क्लोनल परीक्षण में चुनिंदा संदर्भ क्लोनों में गिर्डलिंग का प्रदर्शन किया गया।

कैसुरीना

आईएफजीटीबी के लगभग 110 संदर्भ किस्मों का संग्रह वन परिसर, कोयंबटूर में अनुरक्षित किया गया है। वृद्धावस्था वाले पेड़ों की वंशावलियों का प्रसार किया गया और उन्हें पुन: रोपित किया गया ताकि उन्हें जर्मप्लाज्म बैंक में अनुरक्षित किया जा सके। इन वंशावलियों से डीयूएस लक्षण समय-समय पर दर्ज किए जाते हैं। विशेष रूप से, 2015 और 2017 के दौरान पंजीकरण के लिए प्रस्तुत छह प्रत्याशी किस्मों के संदर्भ में सभी प्रकार के लक्षण दर्ज किए गए हैं।जिन उद्योगों में किस्मगत विकास कार्यक्रम चल रहे हैं, उनसे संपर्क किया गया और उन्हें प्राधिकरण के पास अपने क्लोन पंजीकृत कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विशेषतया, आईटीसी लिमिटेड और तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एवं पेपर लिमिटेड, जिनके पास सक्रिय वृक्ष सुधार कार्यक्रम हैं, को डीयूएस लक्षणों की रिकॉर्डिंग और प्राधिकरण को प्रस्तुत करने के लिए आवेदन तैयार करने के बारे में तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।



नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी, गुजरात

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, प्रेक्षण के लिए और *ई. यूरोफिला* पर पुनरुत्पादक संबंधी लक्षणों को अक्टूबर, 2023 के दौरान मैसूर पेपर कंपनी, शिवमोगा में रिकॉर्ड किया गया। *ई. यूरोफिला* से संबंधित डीयूएस लक्षणों पर चर्चा करने के लिए 01.12.2023, 26.01.2024 और 22.03.2024 को तीन ऑनलाइन बैठकें बुलाई गईं। सह-नोडल केंद्र, नवसारी और नोडल केंद्र, कोयंबटूर के संबद्ध वैज्ञानिकों के बीच गहन चर्चा के बाद, *ई. यूरोफिला* पर डीयूएस लक्षणों को अंतिम रूप दिया गया। नोडल अधिकारी, डीयूएस केंद्र यूकेलिप्टस, कोयंबटूर के निर्देशों के अनुसार, यूकेलिप्टस के लिए संशोधित डीयूएस दिशा-निर्देश प्रस्तावित किए गए और ई. यूरोफिला पर प्रलेखित लषणों का उपयोग डीयूएस दिशा-निर्देशों को संशोधित करने के लिए किया गया। संशोधित मसौदा डीयूएस दिशा-निर्देश प्रस्तुत करने की आगे की प्रक्रिया नोडल अधिकारी, कोयंबटूर द्वारा शुरु की गई।

3.1.38. बेर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, राजस्थान

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, संदर्भ (25), एग्जाम्प्ल (85) और अन्य के डीयूएस लक्षणों का गंभीर रूप से क्षेत्र मूल्यांकन और स्थिरता रिकॉर्ड की गई। 2023 (16 जनवरी) के दौरान तापमान में असाधारण रूप से गिरावट आने के बाद ताकड़ी को छोड़कर, बेर फसल बुरी तरह प्रभावित हुई। तथापि, शेष 24 किस्मों ने प्रोलेप्टिक और सेलेप्टिक शाखा में संवेदनशीलता की अलग-अलग डिग्री प्रदर्शित की। धारकी नंबर-1 में प्रति प्रोलेप्टिक शाखा में सूखी सिलेप्टिक शाखाओं का अनुपात काफी कम था और नरमा, उमरान, बनारसी पेवंडी एवं रश्मि में नुकसान अधिक (उच्च वर्नियर कैलिपर) था। "बेर दिवस" पर भाकृअनुप-सीआईएएच, बीकानेर में 08 फरवरी, 2024 को एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।



3.1.39. शकरकंद और कसावा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल



2023-24 के दौरान, कसावा (55) और शकरकंद (52) की संदर्भ किस्मों के जीन बैंक को भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, तिरुवनंतपुरम में खेतों में संरक्षित किया जा रहा है। किसान की दो कसावा किस्मों अर्थात पचीकिझंगु और मन्ना के पंजीकरण के लिए डीयूएस परीक्षण किए गए। कसावा और शकरकंद की किस्मों का पंजीकरण शुरु करने के लिए किसानों को जागरुक किया गया। कसावा की सात विद्यमान किस्मों और शकरकंद की दो किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन तैयार किए गए।

भाकृअनुप- केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, क्षेत्रीय केंद्र, भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, भुवनेश्वर, ओडिशा में शकरकंद से संबंधित 43 संदर्भ वंशक्रमों और कसावा से संबंधित 17 संदर्भ वंशक्रमों के साथ फील्ड जीन बैंक को अनुरक्षित किया गया।

शकरकंद के लिए प्रत्येक संदर्भ वंशक्रम के 19 सस्य'पूर्व और 06 सस्योत्तर लक्षणों और कसावा के लिए प्रत्येक संदर्भ वंशक्रम के 22 सस्य-पूर्व एवं 08 सस्योत्तर लक्षणों की पहचान की गई और उन्हें रिकॉर्ड किया गया। संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित रखने के लिए अनुरक्षण प्रजनन किया गया। किसानों की किस्म मन्ना को दूसरे वर्ष के लिए पूर्व-कटाई लक्षणों जैसे पत्ती का रंग, पौधे की ऊंचाई, पौधे का प्रकार, पौधे की कैनोपी व वितान आदि के अनुसार लक्षणवर्णित किया गया।चूंकि यह क्षेत्र चक्रवातों के प्रति प्रवण व संवेदनशील है, इसलिए हम कसावा और शकरकंद को इन विट्रो में भी संरक्षित कर रहे हैं।

शकरकंद और कसावा की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवी एवं एफआरए ने 12 मई, 2023 को भाकृअनुप-एनआरआरआई, कटक, ओडिशा में पीपीवी एवं एफआरए अधिनियम, 2001 पर क्षेत्रीय कार्यशाला और कृषि-जैव विविधता की प्रदर्शनी के दौरान की। प्रदर्शनी के दौरान शकरकंद और कसावा दोनों के विभिन्न डीयूएस गुणों/लक्षणों को प्रदर्शित किया गया।

भाकृअनुप कन्वेंशन सेंटर, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में 12-15 सितंबर, 2023 के दौरान किसानों के अधिकार पर पहली वैश्विक संगोष्ठी में भाग लिया और प्रदर्शनी में विभिन्न फसलों के डीयूएस दिशा-निर्देशों को प्रदर्शित किया।

3.1.40. जिमीकंद और कचालू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, भुवनेश्वर, ओडिशा में क्षेत्रीय केंद्र के फील्ड जीन बैंक में, 21 कचालू और 18 जिमीकंद वंशक्रमों को संदर्भ संग्रह के रूप में अनुरक्षित किया गया। कचालू के लिए प्रत्येक संदर्भ वंशक्रम के 34 कटाई-पूर्व और 16 कटाई-उपरांत लक्षणों तथा जिमीकंद के लिए प्रत्येक संदर्भ वंशक्रम के 20 कटाई-पूर्व और 18 कटाई-उपरांत लक्षणें की पहचान की गई और उन्हें दर्ज किया गया।

पीपीवी एवं एफआरए से प्राप्त दो कचालू प्रत्याशी किस्मों (गिद्दी मुड़ली और फूला मुड़ली) का लक्षणवर्णन पहले वर्ष के लिए किया गया है। चूंकि यह क्षेत्र चक्रवातों के प्रति प्रवण है, इसलिए हम इन विट्रो में भी ईएफवाई और कचालू किस्मों को संरक्षित कर रहे हैं। कचालू और जिमीकंद की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्र

द्वारा भाकृअनुप-एनआरआरआई, कटक, ओडिशा में पीपीवी एवं एफआरए अधिनियम, 2001 पर 12 मई 2023 को क्षेत्रीय कार्यशाला और कृषि-जैव विविधता की प्रदर्शनी के दौरान की गई। प्रदर्शनी के दौरान कचालू तथा जिमीकंद, दोनों के भिन्न डीयूएस लक्षणों को प्रदर्शित किया गया।

3.1.41. एसिड लाइम, मेंडरिन , मौसम्बी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय सिट्रस अनुसंधान संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र

वित्त वर्ष 2023-24 में, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) द्वारा मूल्यांकन हेतु प्राप्त किस्मों के लिए फसल प्रजनन कार्यक्रम के तहत विभिन्न नींबूवर्गीय किस्मों को भाकृअनुप-केंद्रीय नींबूवर्गीय अनुसंधान संस्थान, नागपुर में सक्रिय रूप से अनुरक्षित किया गया। मेंडरिन के लिए, किस्मों में एनआरसीसी नागपुर मेंडरिन सीडलेस - 4 (एन-4), मुदखेद सीडलेस, सिक्किम मेंडरिन, दार्जिलिंग मंदारिन, एन-28, एन-34 और एन-38 शामिल थे। अनुरक्षण के तहत मौसम्बी किस्मों में एम 3, एम 4, एम 8, मौसम्बी और सतगुडी शामिल थे। एसिड लाइम की किस्मों में विक्रम, प्रमालिनी, साई शरबती, एनआरसीसी नींबू - 2, एनआरसीसी नींबू - 3, एनआरसीसी नींबू - 4, एनआरसीसी नींबू - 5, एनआरसीसी एसिड लाइम - 7 और एनआरसीसी एसिड लाइम - 8 शामिल हैं। भविष्य में कृषि में उपयोग के लिए इन किस्मों के निरंतर विकास और संरक्षण के लिए ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं।



3.1.42. चाय के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान, टोकलाई प्रायोगिक केंद्र, जोरहाट, असम

चाय एक बारहमासी, गैर-अल्कोहल और दुनियाभर में स्वीकृत पेय है। ऐतिहासिक साक्ष्यों से पता चला है कि चाय की खोज दो शताब्दियों से अधिक समय से की जा रही है, जिसमें 2024 तक वांछनीय लक्षणों में निरंतर सुधारों के कारण यह पृथ्वी पर आम तौर पर ग्राह्य और व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला पेय बन गया है। अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए, असम और चायना टी वर्गों की एक स्वतंत्र विरासत ने स्वाद, सुगंध और स्वास्थ्य लाभों के साथ चाय (कैमेलिया साइनेंसिस) को अमरत्व बना दिया है। पीपीवी और एफआरए दिशानिर्देशों के तहत, हमने इन कैमेलिया जीन भंडारों को विशेष तौर पर संग्रहीत और संरक्षित किया है, जो आदिम किस्मों, जंगली प्रजातियों, स्थानिक प्रजातियों, प्राकृतिक हाइब्रिडों, और संबंधित पीढ़ी के मुख्य संग्रह का प्रतिनिधित्व करते हैं। टोकलाई दक्षिण पूर्व एशिया में चाय जर्मप्लाज्म की सबसे बड़ी मात्रा का संरक्षण करता है। टोकलाई में लगभग दो हज़ार कुल जर्मप्लाज्म वंशावलियां हैं, जिन्होंने असम चाय को सबसे लोकप्रिय सीटीसी चाय के मुकाम पर पहुंचाया है। टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान (टीटीआरआई) में वर्तमान में अनुरक्षण प्रजनन के तहत 267 चाय की किस्में हैं।





39 चाय किस्मों (टीआरए गार्डन श्रृंखला क्लोन के तहत 20, 03 एस्टेट क्लोन और 16 बीज किस्में) ने 2023-2024 में डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। हमने तीन प्रतिकृतियों के साथ एक यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन (आर.बी.डी.) का उपयोग करके खेत परीक्षण किया। हमने मार्च से अक्टूबर 2024 तक पत्ती बढ़वार डेटा और नवंबर से फरवरी 2024 तक पुष्प डेटा पर प्रेक्षण दर्ज किए। संदर्भ किस्मों की तुलना के लिए कुल 20 आकारिकी लक्षणों (15 वानस्पतिक और 05 पुष्पीय विवर्णक) पर विचार किया गया। इसलिए, हम इन्हें 2024-2025 के वर्षों में परीक्षण के लिए अन्य संदर्भ किस्मों और लक्षणों के साथ नर्सरी में अनुरक्षित रखेंगे। पीपीवी एवं एफआरए दिशानिर्देशों के तहत, हमने दो चाय किस्मों, TV32 और TV33 को पंजीकृत किया है। हम TV31 और TSS1 (पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली को प्रस्तुत आवेदन और दस्तावेज़) को पंजीकृत करने की प्रक्रिया में हैं। हम निकट भविष्य में दो नई चाय रोपण सामग्री, TV34 और TV35 को पंजीकृत करने की योजना बना रहे हैं।

3.1.43. शीतोष्ण फलों और नट्स, जैसे कि सेब, नाशपाती, आड़ू, बेर, खुबानी, चेरी, बादाम, अखरोट और स्ट्रॉबेरी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली द्वारा विकसित डीयूएस विवर्णक के अनुसार सेब, अखरोट, बादाम, आड़ू, बेर और चेरी का लक्षणवर्णन किया गया। लक्षणवर्णन डेटा को अलग-अलग नोट्स में परिवर्तित किया गया जो किसी भी समय संदर्भ किस्मों के साथ प्रत्याशी किस्मों की तुलना करने के लिए डेटा बेस के रूप में कार्य कर सकते हैं। संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है और सभी विशेषकों/लक्षणों का परीक्षण नोडल केंद्र भाकृअनुप-सीआईटीएच, श्रीनगर में उनकी एकरूपता और स्थिरता के लिए किया जा रहा है। सेब के नए जर्मप्लाज्म ब्लॉक को भाकृअनुप-सीआईटीएच, श्रीनगर द्वारा सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। जर्मप्लाज्म ब्लॉक में सेब की 238 किस्में/हाइब्रिड शामिल हैं, जिससे यह एशिया का पहला भंडार बन गया है जिसमें एक ही स्थान पर एक ही फल प्रजाति की इतनी बड़ी संख्या में किस्में/हाइब्रिड मौजूद हैं।

भाकृअनुप-सीआईटीएच, श्रीनगर में अनुरक्षित की गई संदर्भ किस्में		लक्षणवर्णित संदर्भ किस्में	
फसलें	2023-24 के दौरान अनुरक्षण के तहत किस्मों की संख्या	फसलें	2023-24 के दौरान लक्षणवर्णित किस्मों की संख्या
सेब	130	सेब	35
नाशपाती	21	अखरोट	31
अखरोट	27	बादाम	13
बादाम	13	आड़ू	20
आड़ू	31	आलूबुखारा	14
आलूबुखारा	25	चेरी	09
खुबानी	18	नाशपाती	10
चेरी	10		
स्ट्रॉबेरी	107		

3.1.44. केले के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र, त्रिची, तमिलनाडु

वर्ष 2023-24 के दौरान, इस केंद्र ने भाकृअनुप-एनआरसी केला, त्रिची में 38 केले की किस्मों को अनुरक्षित किया है। मूसा किस्म कदाली (एए) को नेय कदली के लिए संदर्भ किस्म के रूप में शामिल किया गया है। किसान की किस्म नेय कदली तथा संदर्भ वंशावली कदाली के लिए डीयूएस लक्षणवर्णन पूरा हो गया है,और एक मौसम के लिए डेटा प्रस्तुत किया गया है। केएयू ने एफवी चवनियांकल पूवन के पंजीकरण के लिए आवेदन दायर किया है और डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए भाकृअनुप-एनआरसीबी में इसकी रोपण सामग्री प्राप्त हुई है। उन्हें डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए डीयूएस खेत में स्थापित किया गया है। एफवी अर्थात नुमारन और मनोरंजितम के लिए डीयूएस डेटा 14 जून, 2023 के दौरान फिर से प्रस्तुत किया गया और इन्हें पीपीवीएफआरए के पास सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया और प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया।

3.1.45. नोनी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- केंद्रीय प्रायद्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

इस केंद्र ने नोनी फसल संदर्भ/एग्जाम्प्ल किस्मों, सीआईएआरआई – संपदा, सीआईएआरआई-संजीवनी, सीआईएआरआई-रक्षक और सीआईएआरआई-समृद्धि को ब्लॉक (वानस्पतिक रूप से बहुगुणित पादपक) के तहत गाराचरमा और सिपीघाट फार्म में अनुरक्षित किया गया और संदर्भ किस्मों के लक्षणप्ररूपी लक्षणों की रिकॉर्डिंग की गई।



सीआईएआरआई-द्वीप संपदा में 60.63 कि.ग्रा. प्रति वृक्ष की उच्चतम औसत फल उपज दर्ज की गई, जो सीआईएआरआई द्वीप समृद्धि (58.34 कि.ग्रा. प्रति वृक्ष प्रति वर्ष) के बराबर थी, उसके बाद सीआईएआरआई द्वीप संजीवनी (43.70 कि.ग्रा. प्रति वृक्ष प्रति) थी। सीआईएआरआई द्वीप रक्षक में 27.57 कि.ग्रा. प्रति वृक्ष प्रति वर्ष की न्यूनतम फल उपज पाई गई। वृक्षों के भिन्न लक्षणों के परस्पर महत्वपूर्ण विचलन पाए गए। कुल फल उपज पिछले वर्ष की फसल से अधिक थी। तथापि, विभिन्न प्रकार के वृक्षों के बीच प्रति वृक्ष औसत फल उत्पादन में भिन्नताएं थीं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सीआईएआरआई द्वीप संपदा में औसतन 6.40 कि.ग्रा. प्रति वृक्ष के साथ सबसे अधिक औसत वजन था, उसके बाद सीआईएआरआई द्वीप समृद्धि (5.76 कि.ग्रा. प्रति वृक्ष प्रति माह) में थी, वहीं सबसे कम फल उपज सीआईएआरआई द्वीप रक्षक में 2.79 कि.ग्रा. प्रति वृक्ष दर्ज की गई।

3.1.46. धनिया, मेथी, सौंफ और जीरा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीज मसाला तबीजी अनुसंधान केंद्र, अजमेर, राजस्थान

प्रमुख बीज मसालों (धनिया, मेथी, सौंफ और जीरा) का डीयूएस परीक्षण 2023-24 के दौरान एनआरसीएसएस, अजमेर (राजस्थान) में किया गया। इस परीक्षण में धनिया की 38 किस्में (23 संदर्भ और 15 प्रत्याशी), मेथी की 22 किस्में (4 प्रत्याशी), सौंफ की 20 किस्में, जीरे की 09 किस्में अनुरक्षण प्रजनन के लिए शामिल की गईं। प्रत्येक वंशावली में दस पौधों को यादच्छिक रूप से चुना गया ताकि निर्दिष्ट चरणों पर डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार डीयूएस प्रेक्षण रिकॉर्ड किए जा सकें। प्रतिवेदित अवधि के दौरान धनिया की 15 प्रत्याशी किस्मों और मेथी की 03 प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण के तहत परीक्षण किया गया।

बीज मसाले, इसबगोल और कालमेघ

भाकृअनुप- औषधीय एवं संगधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आनंद, गुजरात

2023-24 के खरीफ मौसम के दौरान कालमेघ (एंड्रोग्राफिस पैनिकुलाटा) की संदर्भ/एग्जाम्प्ल किस्मों का अनुरक्षण: कुल 24 संदर्भ/ एग्जाम्प्ल किस्मों का अनुरक्षण किया गया। इन संदर्भ किस्मों में से प्रत्येक के लिए विस्तृत लक्षणवर्णन डेटा इस रिपोर्ट के साथ अलग से उपलब्ध किया गया।



इसबगोल *(प्लांटागो ओवाटा)* की एग्जाम्प्ल/संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण

वर्ष 2023-24 के दौरान, इसबगोल *(प्लांटागो ओवाटा)* की ग्यारह एग्जाम्प्ल किस्मों अर्थात डीएमएपीआर पीओ1, डीएमएपीआर पीओ2, डीएमएपीआर पीओ3, डीएमएपीआर पीओ4, डीएमएपीआर पीओ5, डीएमएपीआर पीओ6, डीएमएपीआर पीओ7, डीएमएपीआर पीओ8, डीएमएपीआर पीओ9, डीएमएपीआर पीओ10 और डीएमएपीआर पीओ11 का अनुरक्षण किया गया।

इस केंद्र ने डीयूएस के तहत बीज मसालों अर्थात धनिया और मेथी की प्रत्याशी किस्मों का भी परीक्षण किया।

3.1.47. आम के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश



वर्ष 2023-24 के दौरान, किसानों की 08 आम किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण किया गया और डेटा प्रस्तुत किया गया। किसानों की आम की 15 किस्मों, यथा मोदी आम (आरईजी/2021/200); शमशुल यूएस स्मार (आरईजी/2014/850); तैमुरिया (आरईजी/2014/837); गोल भदैया (आरईजी/2014/839); आमीन खुर्द (आरईजी/2014/841); मार्केरा (आरईजी/2014/846); हींरे हयात (आरईजी/2014/847); नायाब (आरईजी/2014/848); गिलास (आरईजी/2014/851); आमीन तहसील (आरईजी/2014/853); जौहरी सफेदा (आरईजी/2014/855); आमीन अब्बासी (आरईजी/2014/856); आमीन अब्दुल अहद खान (पंजीकरण/2014/857); लखनवा सफ़ेदा (पंजीकरण/2014/858); सुरैया (पंजीकरण/2014/860) के लिए पीपीवी और एफआरए पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए हैं। (01) सार्वजनिक क्षेत्र की किस्म यानी अंबिका (आरईजी/2016/375) के लिए भी पीपीवी एवं एफआरए द्वारा पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किया गया है।

फील्ड जीन बैंक में उपलब्ध आम की किस्मों (96) का डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। संदर्भ एवं किसान किस्मों (412) को अनुरक्षित किया गया। आम की किस्मों के पंजीकरण के लिए एक जागरुकता अभियान उस क्षेत्र में जहाँ किसानों की आम की किस्में मौजूद हैं, आयोजित किया गया। पीपीवी एवं एफआरए के तहत किसानों की किस्मों (किसान किस्में एवं विद्यमान किस्में) के पंजीकरण के लाभों के बारे में किसानों को शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भाकृअनुप-केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, आरआरएस, मालदा, पश्चिम बंगाल सहयोगात्मक डी.यू.एस. परीक्षण केंद्रों में से एक है।

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा, बेंगलुरु, कर्नाटक

2023-24 में प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण:

फसलें	नई			वीसीके	संदर्भ किस्में
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां	तृतीय वर्ष की वंशावलियां		
आम	15	10	5		10

अनुरक्षण के अंतर्गत किस्में/लक्षणवर्णित:

फसलें	2023-24 में अनुरक्षण प्रजनन के तहत किस्मों का नाम (या) सं.
आम	30

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, डीयूएस भूखंड से नौ आम किस्मों का फल गुणवत्ता लक्षणों और परिणामों के लिए विश्लेषण किया गया। 33 आकारिकी लक्षणों के डीयूएस परीक्षण के लिए कुल 30 किसान किस्मों और 10 संदर्भ किस्मों को डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार अनुरक्षित किया जा रहा है। दो आम हाइब्रिडों (अर्का उदय और अर्का सुप्रभात) और चौदह आम किस्मों को पीपीवीएफआरए के पास पंजीकृत किया गया। आम की प्रत्याशी किस्म (अमेरिकन ब्यूटी) का मूल्यांकन और अवलोकन किया गया।

3.1.48. गन्ना (उष्णकटिबंधीय) के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु और अगाली, केरल

वर्ष 2023-24 के दौरान, भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर (प्रमुख केंद्र) और भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, अनुसंधान केंद्र, अगाली (सहकारी केंद्र) में उष्णकटिबंधीय गन्ना किस्मों के लिए डीयूएस परीक्षण किया जा रहा है। गन्ना की 246 उष्णकटिबंधीय संदर्भ किस्मों (आरवी) को भाकृअनुप-एसबीआई के दोनों केंद्रों पर क्लोनल प्रसार के लिए उगाया गया। केंद्रों ने पांच किस्मों में डीयूएस परीक्षण किए: फुले-11082 (सीओएम 11082), फुले गन्ना 15012 (एमएस 17082), सीओए 14321, सीओए 14323, और सीओएम 0265. डीयूएस परीक्षण करने के लिए सीड केन की दो नई किस्मों (एनवी) अर्थात् वीएसआई, पुणे से वीएसआई 08005 (वीएसआई 12121) और सीएसआरएस, पडेगांव से फुले गन्ना 13007 (एमएस 14082) का बहुगुणन किया गया।

डीयूएस परीक्षण का संचालन: प्रत्याशी किस्म सीओए 14323 (एनवी) का परीक्षण आरवी (सीओसी 773 और सीओ 7527) के साथ डीयूएस लक्षणों, यानी पादप बढ़वार संव्यवहार, लिगूल, आंतरिक ऑरिकल, पत्ती आच्छद वक्रता, अंतरग्रंथि का आकार, अंतरग्रंथि का ज़िग-ज़ैग एलाइमेंट और ग्रोथ क्रैक का पता लगाने के लिए किया गया। यद्यपि ये दो प्रत्याशी किस्में अपनी संबंधित संदर्भ किस्मों से अलग थीं, लेकिन वे केवल कुछ एक लक्षणों, अर्थात लिगूल के आकार और पत्ती ब्लेड वक्रता के आधार पर एक दूसरे से भिन्न थीं। विद्यमान किस्म सीओएम 0265 (ईवी) का परीक्षण RVs (Co 87044 और CoN 07072) के साथ डीयूएस लक्षणों, जैसे कि रोयापन, लिग्यूल, आंतरिक ऑरिकल, ड्यूलैप का रंग, पत्ती ब्लेड की वक्रता, पत्ती के आच्छद की दृढ़ता, अंतरग्रंथि का आकार, ज़िग-ज़ैग एलाइमेंट, ग्रोथ क्रैक, कली का आकार, बड ग्रूव एवं बडटिप का पादव की बढ़वार के साथ संबंध का पता लगाने के लिए किया गया। पीपीवी एवं एफआर अधिनियम पर भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर में 31 जुलाई 2023 को एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 170 किसानों, छात्रों और वैज्ञानिक व्यावसायिकों ने भाग लिया।



3.1.49. गन्ने के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र (उप-उष्णकटिबंधीय)

भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

गन्ना किस्मों के संदर्भ संग्रह का अनुरक्षण: फसल मौसम 2023-24 के दौरान गन्ना डीयूएस परीक्षण के लिए संदर्भ संग्रह के रूप में एक सौ अस्सी गन्ना क्लोनों को अनुरक्षित किया गया। इस संदर्भ संग्रह में सीवीआरसी द्वारा पहचान की गई, विमोचित एवं अधिसूचित की गई सभी किस्में, राज्यों द्वारा विमोचित की गई । किस्में और गन्ने पर काम करने वाले विभिन्न अनुसंधान संगठनों के पास उपलब्ध एआईसीआरपी (एस) के उन्नत किस्मगत परीक्षणों से क्लोन शामिल हैं। गन्ना क्लोनों पर दर्ज डीयूएस परीक्षण के लिए प्रयुक्त विभिन्न आकारिकीय विशेषकों पर प्रेक्षण डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार संदर्भ संग्रह में अनुरक्षित किए गए।

डीयूएस परीक्षण परीक्षण: 2022-23 के दौरान डीयूएस परीक्षण की स्थिति निम्नानुसार थी:

1. डीयूएस परीक्षण के अंतर्गत शामिल पाँच गन्ना किस्मों, यानी CoLk 11203, CoLk 11206, CoLk 12207, CoLk 12209 तथा Co 12029 का परीक्षण वर्ष 2023-24 के दौरान पूरा किया गया। इन पांच किस्मों के प्रमाणित डीयूएस डेटा तथा दो फसल मौसमों के लिए संदर्भ किस्मों को पहले ही प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जा चुका है।



2. डीयूएस प्रायोगिक परीक्षण (2024-25/प्रथम वर्ष) हेतु संदर्भ किस्मों के साथ 04 नव विमोचित गन्ना किस्मों अर्थात CoLk 15201, CoLk 15207, CoLk 15466 तथा Co 16030 को मुख्य डीयूएस परीक्षण केंद्र, लखनऊ में रोपित किया गया। गन्ने में डीयूएस परीक्षण प्रक्रिया के अनुसार डीयूएस लक्षणों पर प्रेक्षण दर्ज किए जाएंगे।

भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, करनाल, हरियाणा

गन्ने की संदर्भ किस्मों (आरवी) का अनुरक्षण: कुल 167 उष्णकटिबंधीय गन्ना संदर्भ किस्मों को भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान-क्षेत्रीय केंद्र, करनाल में पंक्तियों के बीच 6 m L x 0.9 मी. आकार के भूखंड में x 2 प्रति आरवी अंतराल पर रोग रहित स्थितियों के तहत खेत में अनुरक्षित किया गया। संदर्भ किस्मों के डीयूएस विवर्णकों का सत्यापन संदर्भ किस्मों के डीयूएस लक्षणवर्णन के हिस्से के रूप में किया गया।

केंद्र में निम्नलिखित श्रेणी की डीयूएस संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है:

BO श्रृंखला-17 किस्में; CoP श्रृंखला-7; CoB श्रृंखला-1; CoBln श्रृंखला 8; CoH श्रृंखला 12; CoJ श्रृंखला 5; CoPb श्रृंखला4; CoLk श्रृंखला 9; CoPant श्रृंखला 9; CoS श्रृंखला 50; CoSe श्रृंखला 14; CoPk 1; UP श्रृंखला 6 किस्में, Co किस्में 23.
संदर्भ किस्मों का पुनः लक्षणवर्णन: भाकृअनुप-एसबीआइआरसी, करनाल में अनुरक्षित 167 आरवी के डीयूएस लक्षणों को 2022-23 के दौरान सत्यापित/पुनःलक्षणवर्णित किया गया और सभी सत्यापित डीयूएस संदर्भ किस्मों का डेटाबेस पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जा रहा है।



नई गन्ना किस्म के लिए डीयूएस परीक्षण: Co 13035 तथा इसकी संदर्भ किस्मों (Co पंत 97222 एवं CoS 90269) का प्रथम वर्ष डीयूएस परीक्षण और दो नई गन्ना किस्मों, CoLk 11203 एवं CoLk 11206 का दूसरे वर्ष का डीयूएस परीक्षण संदर्भ किस्मों (CoS 8436, CoSe 0235, CoPant 84212 एवं UP 9530) के साथ भाकृअनुप-एसबीआई क्षेत्रीय केंद्र, करनाल में किया गया। प्रत्येक किस्म के एकल कली सेट से प्राप्त कुल एक सौ साठ सेटलिंग को डीयूएस परीक्षण खेत में दो प्रतिकृतियों के साथ आरबीडी डिजाइन में प्रतिरोपित किया गया। भूखंड का आकार 4 पंक्ति x 6 मी. लंबाई x 0.9 मी. का था जिसमें पंक्ति दर पंक्ति का अंतराल रखा गया। प्रत्याशी और संदर्भ किस्मों से सत्ताईस आकारिकी लक्षणों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए। दूसरे वर्ष के परीक्षण के परिणाम से पता चलता है कि प्रत्याशी किस्म CoLk 11203 और CoLk 11206 एक दूसरे से और संदर्भ किस्मों से अलग थी और इन किस्मों की समष्टि दोनों वर्षों में एक समान थी। इन वंशावलियों से दावा किए गए / आवश्यक लक्षणों, जिन्हें रिकॉर्ड किया गया था, ने दूसरे वर्ष में भी स्थिर प्रदर्शन दिखाया।

Co13035 का प्रथम वर्ष डीयूएस परीक्षण पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरा किया गया। डीयूएस परिणामों से संकेत मिलता है कि पहले वर्ष के परीक्षण के दौरान Co13035 की प्रविष्ट एक समान थी।

3.1.50. नारियल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड, केरल

वर्ष 2023-24 के दौरान, डीयूएस केंद्र में नारियल की 14 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित करके उनका लक्षणवर्णन किया गया। एक नई प्रत्याशी किस्म पांचवें वर्ष के लिए डीयूएस परीक्षण के अधीन थी।

प्रत्याशी नारियल किस्म का डीयूएस परीक्षण -REG2015/415

डीयूएस केंद्र में रोपित की गई प्रत्याशी किस्म के बढ़वार माप दर्ज किए गए, और संदर्भ किस्मों की तुलना में प्रत्याशी किस्म में ताड़ की ऊंचाई, पत्ती की लंबाई, पादपक की लंबाई अधिकतम दर्ज की गई। चालू वर्ष के दौरान, प्रत्याशी किस्म के 75% ताड़ पेड़ों में पुष्पण का प्रारंभ देखा गया, जबकि संदर्भ 1 और संदर्भ 2 में 100% पुष्पण और संदर्भ 3 किस्मों में 25% पुष्पण दर्ज किया गया। प्रत्याशी किस्म कोंकण भाटे नारियल हाइब्रिड-1, आरईजी 12015/415 के वयस्क ताड़ों पर ऑनसाइट प्रेक्षण आरसीआरएस, भाटे में किए गए। पुष्पक्रम के लक्षण नवंबर 2022 और 2023 के दो मौसमों के दौरान दर्ज किए गए, जबकि कच्चे खोपरा और फल की विशेषताओं का पहला सेट मई 2023 के दौरान प्रेक्षित किया गया और दूसरा सेट का प्रेक्षण मई 2024 के दौरान किया जाना है। पुष्पक्रम की लंबाई 90-130 से.मी., डंठल की परिधि 9-11 से.मी., स्पाइकलेट की संख्या 30-48 और मादा फूलों की संख्या 12-26 थी, जबकि कच्चे खोपरा की पानी की मात्रा 210-490 मि.ली. के बीच थी। किसान किस्म (आरईजी/2014/1949) के डेटा की ऑन-साइट रिकॉर्डिंग तिरुवनंतपुरम से एडवा लंबा रेशा वाली नारियल किस्म में जारी रखी गई। लक्षणों की डीयूएस तालिका को कुल दो

पौधों, दो युवा ताड़ों तथा पंद्रह वयस्क ताड़ के पेड़ों कप्पिल, एडवा पंचायत में दस किसानों, अर्थात सर्व/श्री समसुदीन, प्रसन्ना कुमारी, एन.एस. बाबू, उषा कुमारी, प्रसाद कप्पिल, शैलजा, एस. श्रीकुमार, श्रीनिवासन, लीला. डी. के, राजेंद्रन के पंद्रह वयस्क ताड़ों से श्री एस. श्रीकुमार, सचिव, कार्शिका कर्मसेना, कप्पिल, एडवा, त्रिवेंद्रम के परामर्श से रिकॉर्ड किया गया। पुष्पगुच्छ की लंबाई 80-120 से.मी., डंठल की परिधि लगभग 11.2-14.2, स्पाइकलेट की संख्या 30-58 और मादा फूल 11-30 के बीच रिकॉर्ड किए गए। सात महीने पुराने के कच्चे खोपरों की तुड़ाई मातृत्व ताड़ों से की गई तथा कच्चे खोपरे में जल तत्व 410 मि.ली. से 610 मि.ली. के बीच थी। परिपक्व फलों की फसल-कटाई की गई और फलों के गुणों के लिए उनका अध्ययन करके रिकॉर्ड किया गया।

3.1.51. मेन्थॉल मिंट, पेरीविंकल, डैमस्क रोज और ब्राह्मी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं संगधीय पौधा संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश



सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं संगधीय पौधा संस्थान, लखनऊ, पौधा किस्म संरक्षण (पीपीवी) और किसान अधिकार प्राधिकरण (एफआरए) के लिए नोडल केंद्रों में से एक है जिसे मेन्थॉल मिंट (मेन्थारवेंसिस एल.), पेरीविंकल (कैथरैन्थसरोसस (एल.) जी.डॉन), डैमस्क रोज (रोजा डैमस्केना मिल.) और ब्राह्मी (बेकोपामोनिएरी (एल.) पेनेल) के डीयूएस परीक्षण के लिए राष्ट्रीय डीयूएस केंद्र द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। वर्तमान में, इस केंद्र में मेन्थॉल मिंट की 14 किस्में (यथा: सक्षम, गोमती, कोसी, हिमालय, सीआईएम-सरयू, एमएएस-1, काल्का, सीआईएम-क्रांति, शिवालिक, कुशल, संभव, डमरू, सीआईएम-विशिष्ट, सीआईएम-उन्नति), पेरीविंकल की 04 किस्में (धवल, निर्मल, प्रबल और सीआईएम-सुशील), डैमस्क गुलाब की 02 किस्में (रानीसाहिबा और नूरजहां) और ब्राह्मी की एक किस्म (सीआईएम-जागृति), जो वर्तमान में अनुरक्षण और लक्षणवर्णन के अधीन हैं, संग्रहीत हैं। किस्म सीआईएम-क्रांति को पीपीवीएफआरए के साथ विद्यमान अधिसूचित किस्म (ईएनवी) के रूप में पंजीकृत किया गया है।



वर्ष 2023-24 के दौरान, सभी चार अधिदेशित संदर्भ किस्मों से संबंधित सभी संदर्भ फसलों का नेमी/सामान्य अनुरक्षण सीएसआईआर-सीआईएमएपी, लखनऊ में "फासल/Phasal" के नाम से अलग से नामित कंजर्वेटरी में किया गया। अधिदेशित फसलों के संरक्षण के अलावा, मेन्थॉल मिंट की सभी संदर्भ किस्मों को चार प्रतिकृतियों के साथ एक यादच्छिक पूर्ण ब्लॉक डिजाइन (RCBD) डिजाइन में उगाया गया और मेन्थॉल मिंट के महत्वपूर्ण विवर्णकों के साथ-साथ अन्य उपज संबंधी विशेषताओं पर नए सिरे से डेटा एकत्र और संकलित किया गया।

3.1.52. काली मिर्च, छोटी इलायची, अदरक और हल्दी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कोझीकोड, केरल



2023-24 के दौरान, भाकृअनुप-भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान मसालों के लिए एक नोडल डीयूएस परीक्षण केंद्र था। चेलावूर और सीएचईएस, चेट्टाल्ली में काली मिर्च की 21 एग्जाम्पल किस्मों का संरक्षण किया जा रहा है। क्षेत्रीय केंद्र, अप्पांगला में इलायची की पंद्रह एग्जाम्पल किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है। भाकृअनुप-आईआईएसआर, कोझीकोड में अदरक की तेईस एग्जाम्पल किस्मों और हल्दी की 35 किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है।

काली मिर्च की प्रत्याशी किस्मों, जैसे कि एमडीबीपी 16 (कोंडागांव, छत्तीसगढ़), वीजे 1, वीजे 2, वीजे 3 और वीजे 4 (शिवमोगा) के लिए ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण मूल्यांकन हेतु संचालित किया गया। मूल्यांकन के लिए नई प्रत्याशी किस्मों, अर्थात् हट्टे सौंठ (अदरक) और एसके 4 (हल्दी) को रोपित किया गया।

काली मिर्च की प्रत्याशी किस्मों, अर्थात् ज़ियोनमुंडी, और इलायची की किस्मों, अर्थात् थडाथिल गोल्ड, पीएनएस वैगई, पप्पलु, पैटचेकाई और अर्जुन की डीयूएस परीक्षण रिपोर्ट प्राधिकरण को सौंपी गई। इसके अतिरिक्त, अदरक की प्रत्याशी किस्मों, जैसे कि अदि लो, सीताराम अदरक, और वैजनाथ अदरक, और हल्दी की किस्मों, यानी संतरा, कंदैला हल्दी, गोंडा, कोइराना, हसोगरा हल्दी, बुधराम हल्दी -1, पहलु हल्दी- 2, देहाती हल्दी, सुरखा, सिकी हल्दी, और फूटी हल्दी के पंजीकरण में सुविधा प्रदान की गई।

3.1.53. खजूर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, राजस्थान

2023-24 की अवधि के दौरान, राष्ट्रीय फील्ड रिपोजिटरी में खजूर के 65 जीनोटाइप को अनुरक्षित किया गया और पुष्पण, फलन, और उपजशील-विशेषताओं के लिए उनका मूल्यांकन किया गया। इनमें से, पश्चिमी राजस्थान की गर्म, शुष्क परिस्थितियों में 26 आकारिकी लक्षणों के लिए विविध मूल के 38 जीनोटाइप का विश्लेषण किया गया। विश्लेषण में सहसंबंध और प्रमुख घटक विश्लेषण (पीसीए) शामिल थे। परिणामों ने खजूर की किस्मों के बीच महत्वपूर्ण फेनोटाइपिक भिन्नता का खुलासा किया। लक्षणों की जांच की गई। पीसीए ने दर्शाया कि कई लक्षण - जैसे कि पादपक की लंबाई, प्रति रेकिस कांटों की संख्या, प्रति पादप गुच्छों की संख्या, डंठल की लंबाई, प्रति गुच्छा स्ट्रान्ड की संख्या, स्ट्रान्ड की लंबाई, गुच्छे का वजन, फल का वजन, फल और गुठली का आकार, गूदा और गुठली का अनुपात, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ (टीएसएस), और प्रति पादप उपज - जीनोटाइप के बीच अत्यधिक परिवर्तनशील थे। इसके अतिरिक्त, सहसंबंध गुणांक विश्लेषण ने विभिन्न खजूर किस्मों के भिन्न वानस्पतिक लक्षणों के बीच मजबूत संबंधों की पहचान की।



3.1.54. अंगूर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, डीयूएस केंद्र ने अंगूर की कुल 57 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है और 17 किसान प्रत्याशी किस्मों के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार 40 लक्षणों के लिए डेटा एकत्र किया गया है। साथ ही, अंगूर की किस्मों के संबंध में 17 संदर्भ किस्मों के लिए 40 लक्षणों का डेटा एकत्र किया गया है। प्रत्याशी किस्मों की तुलना के लिए भाकृअनुप-एनआरसी अनार, पुणे में डीयूएस भूखंड से अंगूर संदर्भ किस्मों से संबद्ध डेटा को एकत्र किया गया है।

अंगूर का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण

वर्ष के दौरान अंगूर लताओं के विकास के विभिन्न चरणों के अनुसार 9 किस्मों के लिए ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण किया गया। इनमें शीगीन 20, इनियाग्रेप वन, शीगीन 21, ब्लागरा टू, शीगीन 13, शीगीन 2, एमएसीएस-516, उत्कर्ष और सैंटी सीडलेस शामिल हैं। अंगूर के डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार चरण-विशेष प्रेक्षण दर्ज किए गए। इन किस्मों की समेकित रिपोर्ट पीपीवी एंड एफआर प्राधिकरण को सौंपी गई ताकि किस्मों के पंजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

इस अवधि के दौरान, 08 प्रत्याशी अंगूर किस्मों को पंजीकरण के लिए मंजूरी दी गई, जिनके नाम हैं: सैंटी सीडलेस, उत्कर्ष, शीगेन 20, शीगेन 13, शीगेन 21, शीगेन 2, चुरगुन, रुकुचन।



3.1.55. अनार के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र अनार, सोलापुर, महाराष्ट्र

2023-24 के दौरान, अनार की 29 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया गया है और पीपीवी एवं एफआरए दिशानिर्देशों के अनुसार 36 डीयूएस लक्षणों के लिए उनका लक्षणवर्णन किया गया। *ऑन-साइट* डीयूएस परीक्षण के लिए श्री राम प्रकाश केशरवानी (ग्राम लखूरी) और श्री दीनदयाल यादव (ग्राम बेहराडीह) के जांजगीर-चांपा (डी), छत्तीसगढ़ स्थित बागों का दौरा किया ताकि प्रत्याशी किस्मों (लखुरी अनार और अनार) के डी.यू.एस. लक्षणों को रिकॉर्ड किया जा सके। 'लखुरीअनार' और 'अनार' दोनों ही किस्मों के मामलों में प्रत्येक किस्म के एकल पौधों को बिना किसी उचित प्रबंधन पद्धति के अनुरक्षित किया गया, इसलिए केवल 15 चरण-विशिष्ट डीयूएस लक्षणों को रिकॉर्ड किया गया। किसानों को पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के डीयूएस विवर्णक के अनुसार प्रत्याशी किस्मों के पूर्ण मूल्यांकन के लिए बेहतर कृषि विधियों के साथ किस्मों की पर्याप्त मात्रा में पौधे उगाने का सुझाव दिया गया।

3.1.56. नीम, करंज और जेट्रोफा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

वन महाविद्यालय और अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, मेट्टुपालयम, तमिलनाडु



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, वन महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, टीएनएयू, मेट्टुपालयम, नीम और करंज के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र का नोडल केंद्र है। इस केंद्र में, नीम और करंज के जर्मप्लाज्म संदर्भ संग्रह को 2014 से अनुरक्षित कियाजा रहा है। इस संस्थान में नीम के लगभग 32 संदर्भ संग्रह और करंज के 33 संदर्भ संग्रह विभिन्न लक्षणों/विवर्णकों (छद्म गुणात्मक, गुणात्मक और मात्रात्मक लक्षण) के साथ अनुरक्षित किए गए हैं। नीम में , कुल इक्कीस (21) विवर्णकों, जिनमें से 11 आवश्यक और 10 वर्णनात्मक विवर्णक को विकसित एवं मानकीकृत किया गया। करंज फसल में, कुल तेईस (23) विवर्णकों, जिनमें से 13 आवश्यक वर्ण और 10 वर्णनात्मक विवर्णक को विकसित और मानकीकृत किया गया।

3.1.57. चमेली के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक



वर्ष 2023-24 के दौरान, अनुरक्षण प्रजनन के तहत चमेली किस्मों यानी *जे.सम्बक* (24 नग), *जे. ऑरिकुलेटम* (6 नग) और *जे. मल्टीफ्लोरम* (3 नग) और *जे. ग्रैंडिफ्लोरम* (4 नग) को अनुरक्षित किया जा रहा हैऔर छह अन्य कम ज्ञात प्रजातियां *(जैस्मीनम रिजिडम, जैस्मीनम नाइटिडम, जैस्मीनम फ्लेक्साइल, जैस्मीनम मालाबारिकम, जैस्मीनम ह्यूमिल और जैस्मीनम प्रिमुलिनम)* को भी फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया जा रहा है। इनका लक्षणवर्णन भी किया गया। किस्म *जे.सम्बक* , *जे. ऑरिकुलेटम* , *जे. मल्टीफ्लोरम, जे. ग्रैंडिफ्लोरम* के जीनोटाइप/जीनप्ररूपों और सात अन्य कम ज्ञात प्रजातियों (*जैस्मीनम रिजिडम, जैस्मीनम नाइटिडम , जैस्मीनम फ्लेक्साइल, जैस्मीनम मालाबारिकम;* का मूल्यांकन आकारिकीय लक्षणों और उनके तदनुरूप राज्यों के आधार पर किया गया और डेटा प्रस्तुत किया गया। *जैस्मीनम* प्रजाति के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश *प्लांट वैरायटी जर्नल ऑफ इंडिया* में प्रकाशित किए गए हैं।

तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, व्यक्तिगत प्रजातियों के लिए निर्मित किए गए डीयूएस दिशानिर्देशों में संशोधन किया और जैस्मीनम प्रजा. जीन-वार के लिए सामान्य डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश तैयार किए गए।

केंद्र ने जर्मप्लाज्म में निम्नलिखित 12 प्रजातियों से संबंधित 65 जीनोटाइप अनुरक्षित किए हैं। प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण अभी तक शुरु नहीं हुआ है, क्योंकि *जैस्मीनम* प्रजातियों के लिए सामान्य संशोधित दिशा-निर्देशों को हाल ही में दिसंबर 2024 में वैधीकृत किया गया था।

पीपीवी और एफआरए के महापंजीयक डॉ. डी. के. अग्रवाल (05.08.2023 और 02.02.2024) द्वारा आयोजित डीयूएस परीक्षण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में भाग लिया और परियोजना में हुई प्रगति का प्रस्तुतीकरण किया गया।

3.1.58. बोगनविलिया के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली



2023-24 के दौरान, बोगनविलिया की कुल 80 संदर्भ किस्में अनुरक्षित की गई हैं। विभिन्न संस्थानों, जैसे कि पीएयू, लुधियाना, डीएफआर, पुणे, एमएचयू करनाल और विभागों (सीपीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, एनडीएमसी), एआईकेजीए, दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के उद्यान प्रेमियों आदि द्वारा विभिन्न बोगनविलिया किस्मों के जर्मप्लाज्म खरीदे गए हैं। इसके अलावा, हमने विभिन्न किस्मों, जैसे कि एशिया, लेडी मैरी बैरिंग, मैरी पामर स्पेशल, महारा, जकरियाना और हवाइन व्हाइट आदि की ठोस एवं कोमल कलियों का उपयोग करके कलम लगाने की विभिन्न तकनीकों, यथा साइड ग्राफ्टिंग, टंग ग्राफ्टिंग द्वारा मल्टीकलर बोगनविलिया विकसित किया है। यह कार्य आर. आर. पाल द्वारा रूट स्टॉक किस्म चित्रा पर किया गया। परिणाम से पता चला कि सभी किस्मों के कोमल कलियों ने ठोस कलियों की तुलना में बेहतर प्रतिशत प्रदर्शित किया।

3.1.59. ग्लेडियोलस के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली



वर्ष 2023-24 के दौरान, किस्म पूसा सिंदूरी को 04.05.2023 को विमोचित और अधिसूचित किया गया। एक और नई ग्लेडियोलस किस्म पूसा रोज डिलाइट की पहचान डीबीआरसी के माध्यम से संभागीय स्तर पर 04.01.2024 को की गई।डीयूएस केंद्र ने संदर्भ/एग्जाम्पल किस्मों को छोड़कर 158 जर्मप्लाज्म/किस्मों और 93 हाइब्रिड किस्मों को अनुरक्षित किया है। दो साल पहले एनबीपीजीआर के जरिए दक्षिण अफ्रीका से ग्लेडियोलस की 09 प्रजातियां प्राप्त हुई थीं, यानी *कार्नियस, क्रैसिफोलियस, डालेनी, हिर्सुटस, विरेसेंस, ट्र कैरिनेटस* और ट्र. *ट्रिस्टिस* को भी टिशु कल्चर परीक्षणशाला में अनुरक्षित किया गया है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि भाकृअसं द्वारा नव विमोचित जीनोटाइप, जैसे कि पूसा सिंदूरी, पूसा शांति, पूसा मनमोहक और पूसा रजत के लिए डीयूएस डेटा रिकॉर्ड अनुरक्षित किया गया है। अन्य गतिविधियाँ, जैसे कि कटाई/खुदाई, सफाई, सभी संदर्भ और अन्य किस्मों के लिए कंदकों की सफाई जैसे कार्य कोल्ड स्टोरेज में भेजने से पहले प्रगति पर हैं।

3.1.60. गुलदाउदी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली



केंद्र ने गुलदाउदी अर्थात क्राइसेंथेमम की 154 किस्मों को अनुरक्षित किया है, जिनमें से 25 का मूल्यांकन प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान पीपीवीएफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों के आधार पर किया गया। दो प्रत्याशी किस्में नई किस्म श्रेणी के तहत डीयूएस परीक्षण के अधीन थीं। संदर्भ

किस्मों को डीयूएस दिशानिर्देशों में उल्लेखित लक्षणों, जैसे कि पौधे की प्रकृति, किस्म की श्रेणी, पुष्प के सिरा की प्रकृति, रे फ्लोरेट, डिस्क की प्रकृति, पुष्प की आकृति और आर्थिक उपयोग के अनुसार समूहीकृत किया गया।

3.1.61. कैना, बोगेनविलिया और ग्लेडियोलस के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

बोगेनविलिया

केंद्र में संदर्भ किस्मों के रूप में कुल 202 किस्मों को संरक्षित और अनुरक्षित किया गया है। 2023-24 के दौरान कोई प्रत्याशी किस्म प्राप्त नहीं हुई। डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के आधार पर आकारिकी लक्षणों का मापन किया गया तथा चयनित किस्मों के तने का रंग, काँटे का आकार, आकृति, पत्ती की आकृति एवं आकार, शाखा का रंग, फूल का आकार और रंग आदि जैसे लक्षणों को रिकॉर्ड किया गया, उनका विश्लेषण किया गया तथा किस्मों में पाए जाने वाले लक्षणों और विविधताओं की पहचान के लिए उनकी तस्वीरें ली गईं। निम्नलिखित संदर्भ किस्मों - जैसे कि सी विच, लॉस बानोस, ब्यूटी सिल्वर मार्जिन, लेडी हडसन ऑफ सीलोन, पोल्टनी स्पेशल, ड्रीम - का लक्षण-वर्णन किया गया तथा उनके वानस्पतिक और प्रजनन भागों की तस्वीरें ली गईं।

कैना

डीयूएस परीक्षण केंद्र के लिए निर्दिष्ट फील्ड बेड (क्षेत्र 3000 वर्ग मी.) में जर्मप्लाज्म (45 कैना किस्में और पाँच कैना प्रजातियाँ) वर्षभर नियमित कृषि कार्यों को निष्पादित करके संरक्षित किया गया है। आकारिकी लक्षणों का मापन डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के आधार पर किया गया। तने का व्यास, आकृति, लंबाई; पत्ती का आकार, संख्या, आकृति, रंग, प्रकंद का रंग, व्यास, नेत्रों की संख्या, पुष्पक्रम की लंबाई, फूलों की संख्या, फूल का आकार, कैलिक्स का आकार, कोरोला का आकार, रंग, पुंकेसर का आकार, आकार, रंग, लेबेलम का आकार, आकृति, रंग, उपजाऊ पुंकेसर का आकार, रंग जैसे लक्षणों को डीयूएस टेस्ट जर्मप्लाज्म संग्रह सुविधा-केंद्र में रिकॉर्ड किया गया, उनका विश्लेषण किया गया और उनकी तस्वीरें ली गईं। निम्नलिखित किस्मों यानी व्योमिंग, रेड डेज़लर, किंग सिटी गोल्ड, बैंकॉक, पिंक सनराइज का लक्षणवर्णन उनके वानस्पतिक एवं पुनरुत्पादक पादप भागों की तस्वीरों के साथ किया गया।

ग्लेडियोलस

कुल 74 विदेशी किस्मों और 50 भारतीय किस्मों को संदर्भ किस्मों के रूप में संरक्षित और अनुरक्षित किया गया है, जबकि कोई प्रत्याशी किस्म प्राप्त नहीं हुई है। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के आधार पर आकारिकी लक्षणों का मापन किया गया। 70ग्लेडियोलस किस्मों के लक्षणों, जैसे कि पादप की ऊँचाई, पत्ती की लंबाई, चौड़ाई, रंग, वक्रता, स्पाइक, रैकिस की लंबाई, फूलों / स्पाइक्स की संख्या, फूलों की व्यवस्था, आकृति, आकार, संव्यवहार, रंग आदि को रिकॉर्ड किया गया, उनका विश्लेषण किया गया और उनकी तस्वीरें ली गईं ताकि इन किस्मों की विशिष्ट विशेषताओं के बारे में जानकारी एकत्र की जा सके और उसे पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 के तहत अन्य नई किस्मों के संरक्षण के लिए संदर्भ किस्मों के रूप में उपयोग किया जा सके। निम्नलिखित किस्मों, जैसे कि निकोल, सहगुन, पालमपुर प्राइड, रोशनी, गार्डन ग्लोरी ऑरेंज के लक्षणवर्णन को वानस्पतिक और पुनरुत्पादक पादप भागों की तस्वीरों के साथ प्रलेखित किया गया।



2023 से 2024 की अवधि के दौरान, पुष्पकृषि फसलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए शैक्षिक सत्रों और आउटरीच पहलों की एक श्रृंखला ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से तथा पारंपरिक भौतिक स्थलों पर आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभागियों और बड़े पैमाने पर जनता को बोगनविलिया, कैना और ग्लेडियोलस के लिए समर्पित डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता) परीक्षण केंद्र के अस्तित्व और महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना था।"

ग्लेडियोलस पर प्रदर्शनी: सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनबीआरआई) वनस्पति उद्यान में अनुरक्षित किए गए ग्लेडियोलस जर्मप्लाज्म को लखनऊ स्थित सीएसआईआर-एनबीआरआई के वनस्पति उद्यान परिसर

में 20 से 21 जनवरी, 2024 के दौरान आयोजित 'गुलाब और ग्लेडियोलस प्रदर्शनी' के दौरान प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में 5000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

3.1.62. गेंदा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, गेंदा फसल के लिए आवश्यक कृषि विधियों के मानक पैकेज का पालन करते हुए गेंदा के 67 जीनोटाइप (23 संदर्भ किस्मों/वंशक्रमों सहित) को अच्छी तरह से अनुरक्षित किया गया। इन किस्मों/वंशक्रमों को नर्सरी में बहुगुणित किया गया तथा नोडल/लीड सेंटर अर्थात पुष्पकृषि एवं भूनिर्माण प्रभाग, भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के अनुसंधान फार्म में मुख्य खेत में प्रतिरोपित किया गया। यौनिक रूप से उत्पन्न संदर्भ किस्मों/वंशक्रमों को जीनोटाइप की शुद्धता बनाए रखने के लिए अवांछित पौधों को हटाने और पुष्पण के पश्चात स्व-प्रजनन के अधीन रखा गया। इसके अतिरिक्त, प्रत्याशी किस्मों (नई किस्म) अर्थात परीक्षण कोड - एमजी22एच1 और परीक्षण कोड-एमजी22एच22 को भी डीयूएस परीक्षण के लिए संदर्भ किस्मों के साथ उगाया गया।

भाकृअनुप भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा, बेंगलुरु, कर्नाटक



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, अनुरक्षण प्रजनन और लक्षणवर्णन के लिए डीयूएस केंद्र में गेंदे की 18 किस्मों को अनुरक्षित किया गया। कुल 18 किस्मों के लिए डीयूएस डेटा की रिकॉर्डिंग की गई, जिनमें से 11 एग्जाम्पल किस्में और शेष 7 संदर्भ किस्में हैं। ये अठारह किस्में डीयूएस परीक्षण के तहत प्रत्याशी किस्मों के अतिरिक्त हैं। एमजी22 एच1 और एमजी22 एच1 एसएमजी प्रत्याशी हाइब्रिड स्थिर और एकसमान हैं, जबकि एमजी22 एच1 और एमजी22 एच1 एसएमजी प्रत्याशी किस्म एमजी22 एच2 से अलग हैं।

3.1.63. सोयाबीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश

प्रत्याशी किस्मों का डीयूएस परीक्षण:

19 आकारिकी और 3 जैव रासायनिक प्राचलों के लिए 7 प्रत्याशी किस्मों का प्रथम वर्षीय परीक्षण किया गया।

सोयाबीन संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण (विमोचित और अधिसूचित सोयाबीन किस्में)

157 विमोचित और अधिसूचित सोयाबीन किस्मों को *खरीफ* 2023 के दौरान अनुरक्षित किया गया और आकारिकी लक्षणों के लिए उनका लक्षणांकन किया गया। उक्त लक्षणों को सोयाबीन के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों को नई रूपरेखा देने के लिए गंभीरता से प्रेक्षित किया गया। हाइपोकोटाइल एंथोसायनिन रंजकता का प्रेक्षण किया गया और पाया गया कि अंकुर के हाइपोकोटाइल क्षेत्र में एंथोसायनिन रंजकता की तीव्रता में भिन्नता थी, जो अति उच्च से लेकर अति न्यून के बीच थे या थे ही नहीं। इसके अलावा, कुछ किस्में अनुपस्थिति श्रेणी में थीं अर्थात जिनमें एंथोसायनिन रंजकता की तीव्रता नहीं थी और उनका हाइपोकोटाइल बिना किसी एंथोसायनिन के पूरी तरह से हरा था। कुछ एक किस्मों में हाइपोकोटाइल में कुछ हद तक एंथोसायनिन रंजकता मौजूद थी। हाइपोकोटाइल रंग की उपस्थिति फूल के रंग से संबद्ध है। रंजकता की उपस्थिति बैंगनी फूल से संबद्ध है और अनुपस्थिति सफेद फूल से संबद्ध है। हाइपोकोटाइल पर हल्की रंजकता भी सफेद फूलों से संबद्ध है। पुष्पक्रम के पैटर्न का भी अध्ययन किया गया

और इस लक्षण के संदर्भ में काफी विचलन पाए गए। इन लक्षणों पर पर्यावरणीय प्रभाव की जाँच करने के लिए इन लक्षणों का आगे भी प्रेक्षण किया जा रहा है।

3.1.64. ऑर्किड के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय ऑर्किड अनुसंधान केंद्र, पाकयोंग, पूर्वी सिक्किम

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, संदर्भ किस्मों यानी 53 विवर्णकों का प्रयोग करते हुए कैटलिया (8 किस्में), 62 विवर्णकों का प्रयोग करते हुए *सिम्बिडियम* (20 किस्में), 61 विवर्णकों का प्रयोग करते हुए *डेंड्रोबियम* (9 किस्में), मोकारा (7 किस्में), 60 विवर्णकों का प्रयोग करते हुए ऑन्सीडियम (6 किस्में), 77 विवर्णकों का प्रयोग करते हुए पैफियोपेडिलम (12 किस्में), 58 विवर्णकों का प्रयोग करते हुए *फेलेनोप्सिस* (08 किस्में) और 54 विवर्णकों का प्रयोग करते हुए वांडा (07 किस्में) का डीयूएस लक्षणवर्णन, डिजिटलीकरण और डेटाबेस प्रबंधन डीयूएस केंद्र में किया गया।

ऑर्किड और कार्नेशन

डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, डीयूएस परीक्षण केंद्र में फ्लोरीकल्चर और लैंडस्केप आर्किटेक्चर विभाग के परीक्षण फार्म पर कार्नेशन की 30 किस्मों की एग्जाम्प्ल किस्मों को वानस्पतिक प्रसार के माध्यम से अनुरक्षित किया जा रहा है, जो एक नियमित गतिविधि है और इसे वर्ष के विभिन्न समयों में दोहराया जाना आवश्यक है। इन किस्मों के अलावा, 20 नई किस्मों को भी उसी प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रसारित किया जा रहा है, जो जनवरी 2024 के दौरान किए गए नए परीक्षण के लिए की गई थी। एग्जाम्प्ल किस्मों को अनुरक्षित किया जाएगा और डेटा रिकॉर्ड जारी रखा जाएगा।

3.1.65. गुलाब के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा, बेंगलुरु, कर्नाटक



2023-24 की अवधि के दौरान, केंद्र ने संदर्भ और एग्जाम्प्ल किस्मों सहित गुलाब की 152 किस्मों को अनुरक्षित किया है। संदर्भ संग्रह में कट फ्लावर, लूज फ्लावर, गार्डन रोज तथा रूटस्टॉक श्रेणियों की गुलाब किस्में हैं। संग्रह में भारतीय और विदेशी गुलाब किस्में शामिल हैं।

भाकृअनुप-पुष्प कृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे, महाराष्ट्र



केंद्र में 218 किस्मों का जर्मप्लाज्म अनुरक्षित किया जा रहा है, जिसमें विदेशी और देशी दोनों किस्में शामिल हैं। वर्ष के दौरान विभिन्न स्रोतों से 10 नई किस्में और 5 जंगली प्रजातियाँ एकत्र की गईं। चयनित किस्मों की विभिन्न विशेषताओं के लिए जाँच की गई। 2023-24 में 12 संदर्भ किस्मों के लिए पुणे की स्थिति के तहत डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। अन्य जर्मप्लाज्म को फील्ड की स्थिति में अनुरक्षित किया जा रहा है। गर्मियों के दौरान अत्यधिक गर्मी और गर्म हवा के झोंके भी कई ग्रीनहाउस किस्मों और नव रोपित युवा पौधों की मृत्यु का कारण थे।

3.1.66. चाइना एस्टर और गुलदाउदी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा, बेंगलुरु, कर्नाटक

डीयूएस चाइना एस्टर



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों (10 वानस्पतिक लक्षण और 11 पुष्पीय लक्षण) के अनुसार कुल 31 जीनोटाइप का लक्षणवर्णन किया गया। सभी 31 जीनोटाइप को बहुगुणित किया गया और बीजों को रेफ्रिजरेटर में रखा गया)।

डीयूएस गुलदाउदी

डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार 77 लक्षणों के लिए कुल 90 जीनोटाइप का लक्षणवर्णन किया गया।

डीयूएस परीक्षण के लिए एनबीआरआई-पुखज और एनबीआरआई-हिमज्योति नामक दो गुलदाउदी प्रत्याशी किस्में प्राप्त हुईं। इन किस्मों को टर्मिनल कटिंग के माध्यम से बहुगुणित किया गया और मुख्य भूखंड में रोपित किया गया। प्रेक्षण प्रगति पर हैं।

3.1.67. चाइना एस्टर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र



राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परियोजना, गणेशखिंड, पुणे, महाराष्ट्र

2023-24 की अवधि के दौरान, केंद्र ने पुष्पकृषि पर एआईसीआरपी, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, गणेशखिंड, पुणे में चाइना एस्टर अर्का पूर्णिमा, अर्का कामिनी, अर्का शशांक, अर्का अर्चना, फुले गणेश व्हाइट, फुले गणेश पर्पल, फुले गणेश वॉयलेट और फुले गणेश पिंक की आठ किस्मों को अनुरक्षित किया है।

3.1.68. सूरजमुखी, कुसुम, अरंडी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना

भाकृअनुप- भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद तीन तिलहन फसलों अर्थात अरंडी, सूरजमुखी और कुसुम के परीक्षण के लिए नोडल केंद्र है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के दौरान किए गए कार्य नीचे प्रस्तुत किए गए हैं।

डीयूस परीक्षण

अरंडी:



दिशा-निर्देशों में परिभाषित परीक्षण भूखंड डिज़ाइन के अनुसार, *खरीफ* 2023 के दौरान एक नई प्रत्याशी वंशावली (2889/2174/H) के साथ अरंडी की दो संदर्भ वंशावलियां (23CAIC6601 H और 23CAGV802 H; प्रथम वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए बोई गईं (DOS 13.07.2023)। 30 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड किया गया है। अरंडी की नई प्रत्याशी वंशावली 2889/2174/H के लिए दो केंद्रों की समेकित डीयूएस परीक्षण रिपोर्ट और दो संदर्भ किस्मों का संकलन किया जा रहा है।

कुसुम:

रबी 2023-24 के दौरान, कुसुम की नई प्रत्याशी किस्मों और संदर्भ वंशावलियों सहित छह कोडित वंशावलियां अर्थात 22Sf 1, 22Sf 2, 22Sf 3, 22Sf 4, 22Sf 5 और 22Sf 6 को दिशानिर्देशों में परिभाषित परीक्षण भूखंड डिज़ाइन के अनुसार दूसरे वर्ष के डीयूएस परीक्षण के लिए बोया गया (DOS 20.10.2023)। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 21 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा दर्ज किया गया है और पाँच कटाई के बाद के प्रेक्षण प्रगति पर हैं।

सूरजमुखी:

रबी 2023-24 के दौरान, एक नई प्रत्याशी वंशावली (2889/2175/H) के साथ सूरजमुखी (23SURS8701 H एवं 23SULS7102 H) की दो संदर्भ वंशावलियों को दिशानिर्देशों में परिभाषित परीक्षण भूखंड डिज़ाइन के अनुसार प्रथम वर्ष डीयूएस परीक्षण के लिए बोया गया (DOS 15.11.2023)। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार 26 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा रिकॉर्ड किया गया है और शेष आठ कटाई के बाद के प्रेक्षण प्रगति पर हैं।

लक्षणवर्णनऔर बीज बहुगुणन

अरंडी:

दस संदर्भ किस्मों (GCH-8, GCH-9, GNCH-1, ICH-66, JP-96, SKP-84, DCS-89, DCS-94, ICS-64 और PCS-124) का प्रारंभिक लक्षणवर्णन प्रत्येक प्रतिकृति के लिए 6 मी. की 5 पंक्तियों के साथ प्रतिकृत परीक्षण में लिया गया। 30 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड किया गया है और डेटा संकलन के अधीन है।

कुसुम:

छह संदर्भ किस्मों (नारी-57, नारी-96, फुले किरण, फुले गोल्ड, फुले नीरा और फुले भीरावा) का प्रारंभिक लक्षणवर्णन प्रत्येक प्रतिकृति के लिए 5 मी. की 3 पंक्तियों के साथ प्रतिकृत परीक्षण में लिया गया। 21 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड किया गया है और पांच कटाई के बाद के प्रेक्षण प्रगति पर हैं।

सूरजमुखी:

सात हाइब्रिडों (KBSH-78, KBSH-85, COH-3, PSH-1962, NDSH-1012, LSFH- 171 और RSFH-1887), पांच A वंशक्रम (CMS-1103A, CMS-903A, COSF-6A, NDCMS-30A और CMS-67A) और पांच R वंशक्रम (RHA-92, GKVK-756, IR- 6, R-893, P-93R) का प्रारंभिक लक्षणवर्णन प्रत्येक प्रतिकृति के लिए 6 मी. की 3 पंक्तियों के साथ प्रतिकृत परीक्षण में किया गया। 26 डीयूएस लक्षणों के लिए डेटा डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड किया गया और आठ कटाई के बाद के प्रेक्षण प्रगति पर हैं।

सूरजमुखी के 15 पैतृक वंशक्रम यानी सीएमएस-10ए/बी, सीएमएस11ए/बी, सीएमएस-17ए/बी, सीएमएस-38ए/बी, सीएमएस-67ए/बी, सीएमएस-104ए/बी और सीएमएस-234ए/बी को अनुरक्षित और बहुगुणित किया गया।

डीयूएस परीक्षण रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण

कुसुम:

कुसुम की नई प्रत्याशी किस्मों और संदर्भ वंशावलियों सहित छह कोडित वंशावलियों अर्थात, 22एसएफ 1, 22एसएफ 2, 22एसएफ 3, 22एसएफ 4, 22एसएफ 5 और 22एसएफ 6 का समेकित डेटा का परीक्षण 2022-23 के दौरान 2 केंद्रों, यानी भाकृअनुप-आईआईओआर, हैदराबाद और डॉ. पीडीकेवी, अकोला में किया गया और डेटा 15.12.2023 को प्रस्तुत किया गया।

डीएसएसटी, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय

इस केंद्र ने दो फसलें यानी धान और सूरजमुखी अनुरक्षित की हैं।



धान: धान की अठारह प्रत्याशी किस्मों और छप्पन राजपत्रित अधिसूचित किस्मों के बीज पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से 2023-24 के दौरान प्राप्त हुए। इन किस्मों का लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया। परीक्षण की गई अठारह प्रत्याशी किस्मों में निम्नलिखित लक्षणों के संबंध में अंतर पाया गया। वंशावली 2890/2092, 2890/2088, 2890/2083, 2890/2087, 23RIRN4804, 23RIBARI06,

23RILUIT07, 23RIBP0408 में ब्लेड की सतह पर रोमिलता अनुपस्थित थी और अन्य सभी वंशावलियों में कमजोर पत्ती रोमिलता दिखाई दी। वंशावली 2890/2083, 2890/2084, 2890/2085 में सीधा कल्म संव्यवहार पाया गया, जबकि अन्य सभी वंशावलियों में यहअर्ध सीधा था। लेम्मा की ग्रेन फिनोल अभिक्रिया वंशावली 2890/2020, 2890/2091, 2890/2086, 2890/2087, 23RIKA302, 23RIBARI06, 23RILUIT07 और 23RISADA11 में मौजूद थी। वंशावली 23RILUIT07 में लाल रंग का दाना प्रेक्षित किया गया। वंशावली 2890/2084 में एमिलोज का भ्रूणपोष तत्व बहुत कम था। परीक्षण में क्षेत्रीय मानक-किस्में के लिए धान किस्मों CO(R)50, CO 51, CO 52, CO 53, CR 1009 Sub 1 और VGD 1 का उपयोग किया गया। परिणाम 24.08.2023 को प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा, डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार 10 धान किस्मों, अर्थात सीओ 43 सब 1, सीओ 51, सीओ 52, सीओ 53, सीओ 54, सीओ 55, टीकेएम 13, टीकेएम 15, टीआरवाई 5 और वीजीडी 1 के लिए अनुरक्षण प्रजनन किया गया।

सूरजमुखी: सूरजमुखी की तीन प्रत्याशी किस्मों अर्थात 2889/2175एच, 23एसयूआरएस 8701एच और 23 एसयूएलएस 7102एच के बीज 2023-24 के दौरान पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली से प्राप्त हुए। लक्षणवर्णन डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार टीएनएयू से प्राप्त संदर्भ किस्मों, अर्थात सीओएसएफ 5, सीओएच 3 और सीओएच 4 के साथ किया गया। परीक्षण की गई तीन प्रत्याशी किस्मों में निम्नलिखित लक्षणों के संदर्भ में अंतर देखा गया।

वंशावली 2889/2175एच में 50% पुष्पण का समय मध्यम था। वंशावली 23SULS8701H में मध्यम आकार की पत्ती पाई गई तथा अन्य दो वंशावलियों में बड़े आकार की पत्ती पाई गई। वंशावली 23SURS7102H में पार्श्व शिराओं का कोण अधिक था। 23SULS8701H में पत्ती ब्लेड की दिशा सीधी थी। वंशावलियों में से 2889/2175H में शीर्षबिंदु का व्यास छोटा था तथा 23SULS8701H में 100 बीजों का वजन अधिक था। प्रत्याशी किस्म की सभी वंशावलियों की जनसंख्या में एकरूपता देखी गई तथा कोई भी ऑफ-टाइप नहीं थे।

3.1.69. अलसी, मसूर तथा मटर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश

वर्ष 2023-24 के दौरान, अलसी की 28 संदर्भ किस्मों, मसूर की 16 संदर्भ किस्मों तथा मटर की 28 संदर्भ किस्मों को तीन प्रतिकृतियों में राष्ट्रीय परीक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार अनुरक्षित किया गया। मटर फसल में, पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 की सांविधिक अपेक्षा के अनुसार फील्ड आधारित जीओटी करने हेतु किसानों की चार किस्में प्लांट वैरायटीज रजिस्ट्री, पीपीवी एवं एफआरए, एनएएससी, नई दिल्ली से प्राप्त हुईं। जीओटी संचालित करते समय पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों और अनुदेशों तथा फसल विशिष्ट डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का भी पालन किया गया। परीक्षण करते समय पीपीवी एवं एफआरए के हितों की रक्षा के लिए सभी सावधानियां बरती गईं और पीपीवी एवं एफआरए द्वारा सलाह दिए जाने पर पीपीवी एवं एफआरए अधिकारियों/ निगरानी टीम/ आवेदकों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण/निगरानी की गई। फील्ड रिकॉर्ड नोटबुक में विधिवत दर्ज फील्ड डेटा; दावा किए गए विशिष्ट लक्षणों की तस्वीरें, प्रेक्षित किए गए ऑफ टाइप्स की संख्या तथा विशिष्टता और एकरूपता पर विशिष्ट टिप्पणियां रिपोर्ट में शामिल की गईं।



अलसी

चंद्र शेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश

2023-24 के दौरान डीयूएस परीक्षण के अंतर्गत प्रत्याशी किस्में:

नई		आरवी/वीसीके	कुल
प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां		
5	12	70	**87**

प्रस्तावित डीयूएस परीक्षण के लिए समय-समय पर सभी अनुशंसित कृषि विधियों को अपनाते हुए 26.10.2023 को उपरोक्त वंशावलियों की बुवाई की गई। प्रत्येक वंशावली के 10 टैग किए गए पौधों पर डेटा तीन प्रतिकृतियों में दर्ज किया गया। अधिकांश वंशावलियां इष्टतम अंकुरण प्रतिशत के साथ समरूप पाई गईं।

किस्मगत अनुरक्षण में सत्तर आरवी पर डेटा दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया। कटाई तीन चरणों (अगेती, मध्यम और पछेती) की परिपक्वता पर की गई। फसल कटाई के उपरांत बीज को आगामी उपयोग के लिए इष्टतम स्थिति में संग्रहीत किया गया है।

3.1.70. तिल और रामतिल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

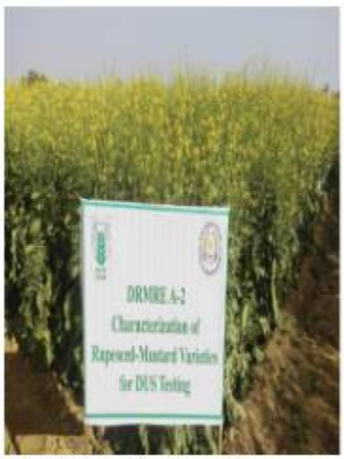
भाकृअनुप- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश



इस केंद्र पर डीयूएस परीक्षण के प्रयोजनार्थ तिल की 91 और रामतिल यानी नाइजर की 23 संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया जा रहा है। किसानों की दो किस्मों अर्थात 2889/2201 और 23GRGT1001 का मूल्यांकन खरीफ 2023-24 के दौरान किया गया। किसान किस्म 2889/2201 में प्रचुर शाखाएँ, घनी पंखुड़ियाँ और रोयेदार कैप्सूल, पौधे की मध्यम ऊँचाई, वैकल्पिक कैप्सूल व्यवस्था और पछेती फसल परिपक्वता देखी गई। साथ ही, अन्य किस्मों की तुलना में इस किस्में में चूर्णिल फफूंद का प्रभाव भी अधिक दिखा। किसान किस्म 23GRGT1001 में उच्च तना रंजकता, प्रचुर शाखाएँ, फूल की पंखुड़ियों में कम रोये, न्यून घना कैप्सूल और तने में रोये तथा पछेती परिपक्वता की स्थिति देखी गई। खरीफ 2023-24 के दौरान अनुरक्षित की गई 91 तिल संदर्भ किस्मों में से, 14 किस्मों, अर्थात सोमा, सूर्या, जीटी-2, जीटी-4, आरटी-351, एन-32, पूर्वा-1, जीजेटी-5 और जीटी-6, ब्रिजेश्वरी (एलटीके-4), जीटी-1, वीआरआई-2, पीकेवी-एनटी-11 और टी-85 में एक से अधिक फूल प्रति पत्ती अक्ष के साथ गुच्छ में कैप्सूल प्रेक्षित किए गए। किस्म प्राची को एंटीगैस्ट्रा कीट से संवेदनशील पाया गया। किस्म वीआरआई 3, उमा, आरटी 103, आरटी-125 किस्में जल्दी पककर तैयार होने वाली पाई गईं और टीएमवी 3, प्राची, जीटी 10, आरटी 346, स्मारक, पीकेडीएस-8, टीसी-289, जेएलटी-408, प्रताप, ई-8, पूर्वा-1, सूर्या, डीएसएस-9, डीएस-5, डीएस-1, सीओ-1, वीआरआई-1, टीएमवी-6, हिमा और आरटी-46 किस्में देरी से पकने वाली पाई गईं।

3.1.71. तोरिया और सरसों के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-तोरिया और सरसों अनुसंधान निदेशालय, सेवर फार्म, भरतपुर, राजस्थान



2023-24 के दौरान, भारतीय सरसों की कुल 26 प्रत्याशी किस्मों/हाइब्रिडों को 24 डीयूएस लक्षणों का प्रयोग करके लक्षणवर्णित किया गया। इनमें से 18 किस्मों को पहले वर्ष के लिए तथा 08 हाइब्रिड किस्मों को दूसरे वर्ष के लिए लक्षणवर्णित किया गया। 18 किस्मों में से एक किस्म (23INVANA02) अंकुरित नहीं हुई। इसके अलावा, उचित परागण तकनीकों के साथ तोरिया-सरसों की कुल 19 किस्मों को अनुरक्षित किया गया। बीज क्षेत्र विकास पर भारत-जर्मन सहयोग के तहत तोरिया-सरसों के उदाहरणोंका प्रयोग करते हुए "पौधा किस्म के परीक्षण में ई-प्रसंस्करण और डीयूएस परीक्षण डेटा के प्रबंधन" पर 25-26 मई, 2023 को पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ऑनलाइन आदान-प्रदान (हाइब्रिड सेमिनार) में भाग लिया। "किसानों के अधिकारों पर प्रथम वैश्विक संगोष्ठी" में भाग लिया जिसका आयोजन 12-15 सितंबर 2023 के दौरान एफएओ, रोम द्वारा एनएएसीसी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में किया गया जबकि उसकी मेज़बानी पीपीवी एवं एफआरए, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। इसके अलावा, "डीयूएस और पीवीपी डेटा प्रबंधन" पर 17 नवंबर, 2023 को पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में भी भाग लिया।

चंद्र शेखर आज़ाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश

2022-23 के दौरान डीयूएस परीक्षण के तहत प्रत्याशी किस्में:

फसलें	नई		आरवी/वीसीके	कुल
	प्रथम वर्ष की वंशावलियां	द्वितीय वर्ष की वंशावलियां		
सरसों	18	8	5	**31**

प्रस्तावित डीयूएस परीक्षण के लिए बुवई समय-समय पर सभी अनुशंसित कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए 26.10.2023 को की गई। परीक्षण कोड 23INVANA02 के बीज सभी प्रतिकृतियों में अंकुरित नहीं हुए। प्रत्येक वंशावली के 10 टैग किए गए पौधों पर डेटा तीन प्रतिकृतियों में रिकॉर्ड किया गया। अधिकांश वंशावलियां इष्टतम अंकुरण प्रतिशत के साथ सजातीय पाई गईं।

पाँच RV का लक्षणवर्णन किया गया, डेटा दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया। फसल परिपक्वता के तीन चरणों के अनुसार कटाई की गई। फसल कटाई के उपरांत बीज को आगामी उपयोग के लिए इष्टतम स्थिति में संग्रहीत किया गया है।

3.1.72. मूंगफली के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़, गुजरात



वर्ष 2023-24 के दौरान, डीयूएस परीक्षण केंद्र ने भाकृअनुप-डीओजीआर, जूनागढ़ में प्रत्याशी किस्मों के परीक्षण के लिए मूंगफली की 30 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है। खरीफ 2023 के दौरान, डीयूएस लक्षणवर्णन के लिए चार वंशावलियां (2889/2156, 2889/2204, 23GRGG201, 23GRSG3402) 11.07.2023 को प्राप्त हुईं। लगातार भारी बारिश, चक्रवात और लगातार बाढ़ के कारण, डीयूएस लक्षणवर्णन नहीं किया जा सका क्योंकि बुवाई की अवधि खत्म हो गई थी। अगले खरीफ मौसम के परीक्षण के लिए वंशक्रमों को कोल्ड स्टोरेज मॉड्यूल में संग्रहीत किया गया।

3.1.73. रजनीगंधा और कारनेशन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

वर्ष 2022-23 के दौरान, डीयूएस परीक्षण केंद्र ने भाकृअनुप-आईआईएचआर, बेंगलुरु में रजनीगंधा की 30 संदर्भ किस्मों और कारनेशन की 50 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है।

रजनीगंधा

रजनीगंधा के 30 जीनोटाइप के साथ-साथ 15 प्रजनन वंशक्रमों का एक संदर्भ संग्रह अनुरक्षण प्रजनन के लिए फील्ड जीन बैंक के तहत अनुरक्षित किया जा रहा है। कुछ महत्वपूर्ण समूहीकरण लक्षणों, जैसे कि पत्ती का रंग-रूप, पत्ती के आधार पर रंजकता, कली का रंग, फूल की प्रकृति, फूल का आकार, स्पाइक की लंबाई, स्टिग्मा की प्रकृति, स्टिग्मा का लोब, डंडी पर रंजकता, फूल आने में लगने वाले दिन और फल में लोक्यूल की संख्या के संदर्भ में प्रेक्षण दर्ज किए गए। रजनीगंधा की 05 वंशावलियों का लक्षणवर्णन किया गया। अर्का प्रज्वल और अर्का सुगंधी रजनीगंधा किस्मों को विद्यमान श्रेणी में पीपीवी एवं एफआरए के साथ पंजीकृत किया गया।

कार्नेशन

कार्नेशन की 50 वंशावलियों के एक संदर्भ संग्रह का बहुगुणन किया गया जिसे अनुरक्षण प्रजनन के लिए फील्ड जीन बैंक के तहत अनुरक्षित किया जा रहा है। महत्वपूर्ण समूहीकरण लक्षणों, जैसे कि पौधे की प्रकृति, फूल की प्रकृति, पंखुड़ी (मुख्य रंग) और पंखुड़ी (द्वितीयक रंग), गुणात्मक और मात्रात्मक लक्षणों के संदर्भ में प्रेक्षण दर्ज किए गए।

रजनीगंधा

भाकृअनुप- पुष्पकृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे, महाराष्ट्र



रजनीगंधा के डीयूएस परीक्षण के तहत, 37 किस्मों को अप्रैल और जून 2023 के दौरान क्रमशः 22 एकल और 15 दोहरे प्रकृति के साथ रोपित किया गया। एक संदर्भ जीनोटाइप, कलकत्ता सिंगल को जर्मप्लाज्म संग्रह में सम्मिलित किया गया। संदर्भ किस्म 'कलकत्ता सिंगल' का डीयूएस परीक्षण 2023-24 के दौरान सह-नोडल केंद्र (भाकृअनुप-पुष्पकृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे) में प्रगति पर है। 2023-24 के दौरान सभी संदर्भ किस्मों और चार नई किस्मों का मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा, रजनीगंधा की नई किस्म सह्याद्रि वामन के पंजीकरण के लिए आवेदन दिनांक 18 अप्रैल, 2023 को पीपीवी एवं एफआरए को प्रस्तुत किया गया।

पौध किस्मों और कृषक अधिकारों के संरक्षण (पीपीवी एवं एफआरए) अधिनियम 2001 पर प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली और पवना पुष्प उत्पादक संघ, पवनानगर के सहयोग से एनआईपीएचटी, तालेगांव दाभाड़े, महाराष्ट्र में 24 जुलाई, 2023 को सफलतापूर्वक किया गया।

3.1.74. क्रॉसेंड्रा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान क्रॉसेंड्रा के लिए नए डीयूएस प्लॉट की स्थापना की गई। 18 जुलाई 2023 को क्रॉसेंड्रा जीनोटाइप के मौजूदा मदर प्लांट से कलमें रोपित की गईं। नए डीयूएस भूखंड की स्थापना के लिए कलमों का बहुगुणन मिस्ट चैंबर में किया गया।



क्रॉसेंड्रा की जड़ युक्त कलमों को 30 से.मी. की ऊँचाई वाली उभरी क्यारियों में 60 से.मी. के पादप दर पादप अंतराल पर 23 नवंबर 2023 को रोपित किया गया। इनलाइन ड्रिपर्स से सिंचाई की व्यवस्था की गई। सभी संदर्भ संग्रहों को टर्मिनल कटिंग के माध्यम से वानस्पतिक रूप से बहुगुणित किया गया। इन संदर्भ संग्रहों को फील्ड जीन बैंक में अनुरक्षित किया गया है। 15 क्रॉसेंड्रा जीनोटाइप यानी अर्का चेन्ना, अर्का श्रेया, अर्का श्रव्य, अर्का कनक, अर्का अंबरा, आईआईएचआर-सीएन-1, आईआईएचआर-जीसी- 1, आईआईएचआर-1, आईआईएचआर-2 (म्यूटेंट 2), आईआईएचआर-3, आईआईएचआर-4 (म्यूटेंट 3), आईआईएचआर-5, आईआईएचआर-एपी-1, आईआईएचआर-बीएल-1 और आईआईएचआर-एमएल-1 को परीक्षण के संचालन के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार निम्नलिखित वानस्पतिक लक्षणों के लिए लक्षणवर्णित किया गया। क्रॉसेंड्रा के नए जीनोटाइप, जैसे कि बैंगलोर लोकल ऑरेंज, मैंगलोर लोकल, चितवेल लोकल, बैंगलोर लोकल येलो, क्रॉसेंड्रा डार्क रेड, क्रॉसेंड्रा लाइट रेड/पिंकिस, क्रॉसेंड्रा लेमन येलो को एकत्र किया गया जिनका लक्षणवर्णन किया जा रहा है। क्रॉसेंड्रा की



निम्नलिखित तीन हाइब्रिड/किस्मों को 14 मार्च, 2024 को राजपत्र में अधिसूचित किया गया: महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों के लिए अर्का कनक तथा महाराष्ट्र एवं कर्नाटक राज्यों के लिए अर्का चेन्ना और कर्नाटक के लिए अर्का अंबारा।

डॉ. वाई.एस.आर. बागवानी विश्वविद्यालय, वेंकटरमन्नगुडेम, आंध्र प्रदेश

2023-24 के दौरान, डॉ. वाई.एस.आर. बागवानी विश्वविद्यालय, वेंकटरमन्नगुडेम, आंध्र प्रदेश के

तहत बागवानी अनुसंधान केंद्र, अनंतराजुपेटा ने क्रॉसेंड्रा की 08 किस्मों को एकत्रित किया, जिनमें से 6 संग्रह एसीएस-1, एसीएस-2, एसीएस-3, एसीएस-4, एसीएस-5, एससीएस-6 आंध्र प्रदेश के पकाला, वाई.कोटा, नागिरी, बायनापल्ली, पुत्तूर, ओबुलापल्ली, रेलवे कोदुर से थे और दो संग्रह यानी रतन अबोली एवं पिशी अबोली गोवा क्षेत्र से थे तथा 5 संदर्भ किस्में यानी आरएफ1,अर्का कनक, आरएफ2- अर्का श्रव्य, आरएफ 3-अर्का श्रिया, आरएफ 4-अर्का चेन्ना, आरएफ 5-अर्का अंबारा को वर्ष 2023-24 के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार 17 गुणात्मक और मात्रात्मक लक्षणों के लिए डीयूएस परीक्षण संचालित करने हेतु उगाया गया। डीयूएस के नए संग्रहों का लक्षणवर्णन प्रगति पर है। यह क्रॉसेंड्रा के लिए दूसरा केंद्र है। मूल्यांकन के लिए इस वर्ष के दौरान आईआईएचआर, बैंगलोर (क्रॉसेंड्रा के लिए पहला डीयूएस केंद्र) से कुछ और लक्षण प्राप्त किए जाएंगे।

3.1.75. कटहल के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधी कृषि विज्ञान केंद्र, बैंगलोर

वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, डीयूएस परीक्षण केंद्र ने कुल 90 एग्जाम्पल/संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है, जिनमें से 30 उपजशील किस्में हैं।



1. चौदह किसान प्रत्याशी किस्मों अर्थात हल्दी रुद्राक्षी-जार, ऑरेंज-आरपीएन, केम्पू रुद्राक्षी-डीएसवी और रेड-आरटीबी, जनगेरे, केटी-17, नेलागुडीगे रेड, केटी-13ए, केटी-13बी, एनआर-1, एसबीएम-1, एसबीआर-1, एससीटी-1 और तेजू का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण वर्ष 2023-2024 में पूरा हो गया है और रिपोर्ट पीपीवी और एफआरए, नई दिल्ली को प्रस्तुत की गई है।
2. वर्ष 2024-2025 के दौरान दो किसान किस्मों यानी टीआरएस-1 और टीकेके-1 का ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण किया जा रहा है।
3. यूएएस, जीकेवीके, बैंगलोर से नई कटहल किस्म जीकेवीके रेड जैक का विमोचन किया गया। जीकेवीके रेड जैक मध्यम आकार के फल के साथ जल्दी फल देने वाली किस्म है। अगर पेड़ों को किचन गार्डन में उगाया जाता है तो फलों का इस्तेमाल घरेलू प्रयोजन के लिए भी किया जा सकता है। तांबे के रंग की तरह लाल रंग के गुच्छे वाले फल बहुत सख्त, कुरकुरे थे और उनमें छोटे आकार के बीज थे। अत:, यह किस्म टेबल पर्पज यानी परोसे जाने के साथ-साथ जैम, जूस, स्क्वैश और पल्प में मूल्यवर्धन के लिए भी उपयुक्त है।
4. कटहल की किस्मों यानी लालबाग मधुरा, बायराचंद्र और जीकेवीके रेड जैक के प्रस्ताव को यूएएचएस बागलकोट में आयोजित राज्य किस्म विमोचन समिति की बैठक में स्वीकार किया गया ।

3.1.76. बड़ा रतालू और रतालू बीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल

वर्ष 2023-24 के दौरान, भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, तिरुवनंतपुरम, केरल में बड़ा रतालू (ग्रेटर येम) और रतालू बीन (येम बीन) के लिए नोडल केंद्र ने सीटीसीआरआई में 461 बड़ा रतालू जर्मप्लाज्म को अनुरक्षित किया, जिसमें स्थानिक प्रजातियां, विदेशी वंशावलियां, मुटेंटऔर हाइब्रिड तथा रतालू बीन की 24 संदर्भ/एग्जाम्पल किस्में शामिल हैं। इन किस्मों के डीयूएस लक्षण दर्ज किए गए। रोपण सामग्री को बहुगुणित किया गया और आगे के मूल्यांकन के लिए उन्हें परीक्षण के तौर पर रोपित किया गया।

भाकृअनुप- केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा



14 बड़ा रतालू वंशावलियों के साथ फील्ड जीन बैंक को अनुरक्षित किया गया, जिसमें पादप जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार के माध्यम से अंडमान, पोर्ट ब्लेयर से प्राप्त सात संदर्भ वंशक्रम और सात वंशक्रम शामिल हैं। ये सभी डीयूएस जीन बैंक में संरक्षित हैं। बड़ा रतालू और रतालू बीन के लिए प्रत्येक संदर्भ वंशक्रम के विशिष्ट लक्षणों की पहचान की गई और पीपीवीएफआरए के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार बड़ा रतालू में 15 लक्षणों के

लिए तथा रतालू बीन में 17 लक्षणों के लिए विशिष्ट लक्षणों व गुणों को रिकॉर्ड किया गया है। फसल कटाई के बाद इन वंशक्रमों के बीजों को भंडारण कक्ष में अगले मौसम में रोपण के लिए संग्रहीत किया गया। इन्हें *इन विट्रो* में अनुरक्षित किया गया क्योंकि भुवनेश्वर चक्रवात प्रवण क्षेत्र है। बड़ा रतालू और रतालू बीन की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली द्वारा 12 मई 2023 को पीपीवी एवं एफआरए अधिनियम, 2001 पर क्षेत्रीय कार्यशाला और भाकृअनुप-एनआरआरआई, कटक, ओडिशा में कृषि-जैव विविधता की प्रदर्शनी के दौरान की गई। प्रदर्शनी के दौरान बड़ा रतालू और रतालू बीन दोनों के अलग- अलग डीयूएस गुणों को प्रदर्शित किया गया।

3.1.77. सीबकथॉर्न के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, डीयूएस केंद्र ने सीबकथॉर्न की 13 संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है। केंद्र में चार किसान किस्में हैं जो प्रेक्षण के अधीन हैं जिनके संबंध में ऑन-साइट डीयूएस परीक्षण पीपीवीएफआरए की मंजूरी के साथ संचालित किया गया जिसे आगे के मूल्यांकन और डेटा रिकॉर्डिंग के लिए जारी रखा गया। इस वर्ष, किसानों की किस्मों का 'ऑन-साइट परीक्षण' किया गया, जहाँ पादप,, पत्ती, कांटे, फल और बीज की गुणात्मक (क्यूएल), छद्म गुणात्मक (पीक्यू) और मात्रात्मक लक्षणों (क्यूएन) पर मॉर्फोलॉजिकल डेटा से संबंधित उपयुक्त गुणों की रिकॉर्डिंग खेत में की गई। लक्षणों की तुलना इन किस्मों के आगे के मूल्यांकन के लिए एग्जाम्पल किस्मों के साथ तुलना की गई, जिसके द्वारा प्रजातियों के जीन पूल क्षेत्रों में अनुरक्षण किस्मों और किसान किस्मों के बीच सीबकथॉर्न पर डीयूएस दिशानिर्देशों के आधार पर सदृश्यता का पता लगाया गया।

3.1.78. सागौन और मेलिया के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, केरल के पन्नमपल्ली अनुसंधान केंद्र, केरल के अनाइकट्टी और तमिलनाडु के थलामलाई में रोपित किए गए संदर्भ क्लोनों के लिए *मेलिया दुबिया* का लक्षणवर्णन किया गया। प्रत्येक जर्मप्लाज्म में प्रति क्लोन 8 रैमेट के साथ 23 संदर्भ क्लोन थे। अधिसूचित दिशा-निर्देशों के अनुसार, पौधों के समूह या पौधों के भागों (वीजी) का एकल प्रेक्षण करके तथा पौधों के समूह या पौधों के भागों (एमजी) का एकल मापन करके दृश्य मूल्यांकन के माध्यम से डीयूएस परीक्षण किया गया, जिसके लिए 25 आकारिकी लक्षणों का प्रयोग किया गया। थंगामलाई कराडू में दो भूखंडों की पहचान की गई: गोबीचेट्टीपलायम, इरोड जिला, और सवाकाट्टुपलायम-नंबियार, इरोड जिला और एक प्रत्याशी क्लोन जीके10 में डीयूएस परीक्षण किया गया। एक ब्लॉक में समान अंतराल पर रोपित किए गए 3-4 वर्ष की आयु सीमा के अठारह पौधों को ऑन-साइट परीक्षण के लिए लिया गया। सभी मात्रात्मक और गुणात्मक लक्षणों को नोट किया गया और वीजी एवं एमजी विधि के माध्यम से उनका विश्लेषण किया गया। इनके पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। पुष्पीय लक्षणों का विश्लेषण माइक्रोस्कोप का प्रयोग करके किया गया। इसके अलावा, सभी क्लोन की स्टोमेटोग्राफी की गई ताकि उनके परस्पर विचलनों के बारे में अध्ययन किया जा सके, और पेपर समीक्षाधीन है।

यह केंद्र सागौन (*टेक्टोना ग्रैंडिस* एल.) फसल से भी संबंधित है जिसे भारत के राजपत्र [एस.ओ. 2221(ई)], दिनांक 18.05.2023 में अधिसूचित किया गया है और यह सभी श्रेणियों के अंतर्गत पंजीकरण के लिए खुला है। पीआई ने डीयूएस केंद्र में 100 सागौन संदर्भ/एग्जाम्पल किस्में अनुरक्षित की हैं।

3.1.79. लघु बीज मसालों (अजवायन, डिल, निगेला, अजवाइन और सौंफ) के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

राष्ट्रीय बीज मसालों पर अनुसंधान केंद्र, तबीजी, अजमेर, राजस्थान

प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, डीयूएस केंद्र में निम्नलिखित संदर्भ किस्में अनुरक्षित की गई हैं

क्र.सं.	फसल प्रजातियां	किस्मों का स्रोत	किस्मों का नाम
1.	अजवाइन	भाकृअनुप एवं एसएयू	AA-1,AA-2,AA-93,NDAz-20,LS-1,LTa-26,GA-1,GA-2
2.	डिल	भाकृअनुप एवं एसएयू	AD-1,AD-2,GD-1,GD-3,GAVD-1
3.	निगेला	भाकृअनुप एवं एसएयू	AN-1, AN-20, Pant कृष्णा, आजाद कालोंगी, NDBC-10
4.	अजवाइन	भाकृअनुप-एनआरसीएसएस	A-Cel-1, A-Cel-5, A-Cel-6, कारनौली-4
5.	सौंफ	भाकृअनुप-एनआरसीएसएस	AAni-1, AAni-17



छोटे बीज मसालों (अजवाइन, डिल, निगेला, अजवाइन और सौंफ) का डीयूएस परीक्षण भाकृअनुप-एनआरसीएसएस, अजमेर (राजस्थान) में किया गया। इस परीक्षण में अजवाइन की 8, डिल की 5, निगेला की 5, अजवाइन की 4 किस्में और सौंफ की 2 किस्मों को संदर्भ किस्मों के अनुरक्षण में शामिल किया गया। संबंधित फसल पौधों के विभिन्न विकास चरणों पर प्रेक्षण दर्ज किए गए।

3.1.80. लोबिया के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक



प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान: परियोजना ने 49 अलग-अलग लोबिया किस्मों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें 28 अनाज, 4 सब्जी और 17 चारा किस्में शामिल हैं। आनुवंशिक विविधता को संरक्षित करने, पौधों की विविधता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में डीयूएस लक्षणवर्णन का काफी महत्व था। 49 लोबिया संदर्भ संग्रहों के बीच तुलनात्मक डीयूएस आकारिकी लक्षणों का अध्ययन किया गया। अनुरक्षण प्रजनन से संदर्भ किस्मों के रूप में विविध लोबिया संग्रहों के संरक्षण और संरक्षण में सहायता मिली, जिन्हें प्रत्येक डीयूएस लक्षण (अनाजी फसल में 24 डीयूएस लक्षण; सब्जी फसल में 19 डीयूएस लक्षण और चारा फसल में 06 डीयूएस लक्षण) के लिए मौजूद विविधता की सीमा को ध्यान में रखते हुए सावधानी से चुना जाता है, क्योंकि ये किस्में प्रमुख रूप से उन्नत विमोचित की गई किस्मों में शामिल की जाती हैं जिनकी भारत के विभिन्न लोबिया उत्पादक राज्यों में खेती की जाती है। यह आनुवंशिक विविधता भावी प्रजनन प्रयासों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करती है, जो उभरती चुनौतियों के लिए लोबिया फसलों की सहिष्णुता और अनुकूलन क्षमता सुनिश्चित करती है। उपरोक्त में उल्लिखित किस्मों को - दस प्रतिनिधि पौधों (जिनकी पहचान सेल्फिंग नेट का प्रयोग करके व्यक्तिगत किस्मगत डीयूएस विशेषकों के आधार पर की गई) के गहन स्व-परागण के जरिए - शुद्धता हेतु अनुरक्षित किया गया। तत्पश्चात, पौध किस्म और कृषक अधिकर संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एवं एफआरए) द्वारा नई दिल्ली में लोबिया फसल के लिए स्थापित विशिष्टता, एकरूपता एवं स्थिरता (डीयूएस) दिशानिर्देशों के अनुसार फसल-कटाई के दौरान अनेक किस्मों का प्रतिनिधित्व करते हुए पादपों का चयन किया गया। डीयूएस विशेषकों को लोबिया डीयूएस दिशा-निर्देशों में निर्धारित फसल विकास के सभी उपयुक्त चरणों में सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड किया गया। प्रमुख डीयूएस विशेषकों व लक्षणों में 50% पुष्पण तक दिवस, पादप विकास की प्रकृति, ऊपर की ओर बढ़ने की प्रवृत्ति, पादप की प्रकृति, फली का आकार, बीज का आकार और बीज का रंग आदि शामिल थे। दस्तावेज़ में अलग-अलग डीयूएस लक्षणों को दर्शाते हुए महत्वपूर्ण तस्वीरें शामिल हैं।



3.1.81. फाबा बीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली



प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, डीयूएस केंद्र पर रबी 2022-23 के दौरान बहुगुणन/प्रेक्षणों की रिकॉर्डिंग के लिए भाकृअनुप- एनबीपीजीआर, इस्सापुर और दिल्ली फार्म में सोलह किस्मों की बुवाई की गई। क्रॉस-परागण से बचने और आनुवंशिक शुद्धता बनाए रखने के लिए पुष्पण अवधि के दौरान जीनोटाइप को कीट-रोधी जालों द्वारा संरक्षित किया गया। 16 किस्मों/संदर्भ जीनोटाइप पर 27 लक्षणों का डेटा एकत्र किया गया और कटाई के बाद, बीजों को रबी 2023-24 के दौरान उगाने के लिए भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली के जर्मप्लाज्म मूल्यांकन प्रभाग में मध्यम अवधि के भंडारण में संग्रहीत किया गया। फाबा बीन फसल के लिए प्लांट ब्रीडिंग एंड जेनेटिक्स विभाग, पीएयू, लुधियाना में दूसरा डीयूएस केंद्र स्थापित किया गया।

3.1.82. कुट्टू और दाना चौलाय के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, क्षेत्रीय केंद्र, फागली, शिमला, हिमाचल प्रदेश



यह केंद्र दो फसलों यानी कुट्टू और दाना चौलाय पर अनुसंधान करता है। पीपीवीएफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों का पालन करते हुए 2023-24 के दौरान कुट्टू संदर्भ जीनोटाइप का डीयूएस मूल्यांकन पूरा किया गया। प्रायोगिक सामग्री में कुट्टू के 21 संदर्भ जीनोटाइप शामिल थे। इनमें से चौदह एफ. टाटारिकम थे, नामत: शिमला बी-1, शिमला बी-3, सांगला बी-1, सांगला बी- 5, हिमप्रिया, हिम्फाफ्रा, सांगला बी-214, सांगला बी-118, सांगला बी-129, आईसी 109729, आईसी 14889, आईसी 412722, आईसी 26594 और आईसी 258233, और एफ. एस्कुलेंटम के सात जीनोटाइप, यानी आईसी 274426, ईसी 323730, आईसी 17371, शिमला-बी-2, वीएल-7, पीआरबी-1 और आईसी 202226 का उपयोग अध्ययन करने में किया गया। परीक्षण तीन प्रतिकृतियों के साथ यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन में संचालित किया गया। सात गुणात्मक लक्षणों सहित 17 लक्षणों के लिए डेटा डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया। दाना चौलाय की 22 संदर्भ/एग्जाम्प्ल किस्मों, यानी अन्नपूर्णा, दुर्गा, सुवर्णा, पीआरए 1, पीआरए 2, गुजरात ऐमरैंथ 1, गुजरात ऐमरैंथ 2, गुजरात ऐमरैंथ 3, बीजीए 2, वीएल 44, वीएल 101, वीएल 102, आईसी 17936, आईसी 21795, आईसी 38129, आईसी 42371, ईसी 169657, आईसी 7918, आईसी 7920, आईसी 7941, आईसी 21925 और ईसी 150200 को पीपीवीएफआरए के डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार लक्षणवर्णित किया गया। इन्हें डीयूएस केंद्र पर अनुरक्षित किया जा रहा है। दाना चौलाय के संदर्भ जीनोटाइप का मूल्यांकन तीन प्रतिकृतियों के साथ एक यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन में किया गया। डेटा को आठ गुणात्मक लक्षणों सहित डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया।



3.1.82. कुट्टू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

सीएसके एचपीकेवी, एमएआरसी सांगला, किन्नौर, हिमाचल प्रदेश



खरीफ 2023 के दौरान, सभी अनुशंसित कृषि विधियों के पैकेज का अनुसरण करते हुए सीएसके एचपीकेवी, पर्वतीय कृषि अनुसंधान और विस्तार केंद्र सांगला, किन्नौर में अनुरक्षण कार्यक्रम के तहत कुट्टू की बीस संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया गया। विभिन्न विशेषकों/गुणों, जैसे कि अंकुरण विशेषक, पत्ती विशेषक, पादप विकास

विशेषक, पुष्प विशेषक, उपज विशेषक, बीज विशेषकों आदि के लिए डेटा डीयूएस दिशानिर्देशों के अनुसार दर्ज किया गया और कोडित रूप में प्रस्तुत किया गया। संभावित फसलों पर एआईसीआरएन के टीएसपी कार्यक्रम के तहत आदिवासी क्षेत्र में बीजोत्पादन और अनुरक्षण, स्थिति और महत्व, फसल-कटाई उपरांत प्रबंधन और मूल्यवर्धित उत्पाद शीर्षकों पर किन्नौर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 16-19 नवंबर, 2023 के दौरान चार प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रत्येक शिविर में आसपास के क्षेत्रों से 50-55 किसान उपस्थित थे। इन कार्यक्रमों के दौरान किसानों को अपने क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण फसल कुट्टू के संरक्षण और पंजीकरण के लिए अभिप्रेरित किया गया और उन्हें पीपीवी एवं एफआरए की भूमिका के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

3.1.84. कॉफी के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

केंद्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान, चिकमगलूर, कर्नाटक

2023-24 की अवधि के दौरान, डीयूएस परीक्षण केंद्र ने 2018-19 से 12 अरेबिका किस्मों और रोबस्टा को अनुरक्षित किया है। सीसीआरआई में संदर्भ ब्लॉक में एक रोबस्टा (बौना रोबस्टा) और एक अरेबिका (एस. 4595) का रोपण किया गया। इस वर्ष, डीयूएस भूखंड को सुदृढ़ करने के लिए आपूर्ति वाली दिशाओं में विभिन्न केंद्रों के चयनों के कुल 180 पौधे रोपित किए गए। संदर्भ किस्मों में ग्रुपिंग लक्षणों के लिए किस्म-वार प्रेक्षण दर्ज किया गया, जिसे डीयूएस दिशानिर्देशों के आधार पर इससे पहले पूरा नहीं किया जा सका था।

3.1.85. एफसीवी (फ्लू क्यूर्ड वर्जिनिया) और बीड़ी तंबाकू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान, राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश

2023-24 की अवधि के दौरान, केंद्र ने 32 एफसीवी किस्मों (16/103, भाव्या, सीएच-1, सीएच-3, चटम, सीएम 12, सीटीआरआई स्पेशल, सीटीआरआई स्पेशल (एमआर), सीटीआरआई सुलक्षणा, डेलक्रेस्ट, धनदायी, एफसीवी स्पेशल, गौतमी, गोदावरी स्पेशल, हेमा, जयलक्ष्मी, जयश्री (एमआर), जयश्री, कनकप्रभा, कंचन, एमसी नायर-12, एन-98, रत्ना, सिरी, स्वर्णा, वीटी-1158, श्रुष्टी, कांति, हेमाद्री, सह्याद्रि, एफसीएच-222 और एलटी-कंचन) तथा 16 बीड़ी किस्मों (ए 119, ए 145, ए 2, एबीडी 19, एबीडी-54, एबीटी 10, भाग्यश्री, जीएबीटी-11, जीटी 4, जीटी 5, जीटी 6, जीटी 7, जीटी 8, जीटी 9, जीटीएच-1 एवं एनपीएन 190) की संदर्भ किस्मों को अनुरक्षण प्रजनन कार्यक्रम के तहत अनुरक्षित और लक्षणवर्णित किया गया।

3.1.86. जरबेरा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक

2023-24 की अवधि के दौरान, केंद्र ने जरबेरा की 12 जीनोटाइप एग्जाम्प्ल/संदर्भ किस्मों को अनुरक्षित किया है, जिन्हें पीपीवीएफआरए के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के अनुसार 33 लक्षणों के लिए लक्षणवर्णित किया गया। विशिष्टता के लिए अलग-अलग विशेषकों की रंग-बिरंगी तस्वीरें ली गईं और आरएचएस रंग चार्ट की मदद से उन्हें रिकॉर्ड किया गया।

3.1.87. कोको के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र



भाकृअनुप- केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, विट्टल, कर्नाटक

वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, डीयूएस केंद्र ने एग्जाम्प्ल/संदर्भ किस्मों के रूप में कोको के 31 क्लोन अनुरक्षित किए हैं। एग्जाम्प्ल किस्मों को अंतराल भरने के लिए ग्राफ के रूप में बहुगुणित किया गया। 21 हाइब्रिडों और 10 उत्कृष्ट क्लोनों सहित इक्तीस कोको जीनोटाइप प्रेक्षित किए गए जिन्हें प्रत्येक तीन पत्ती और पुष्प के लक्षणों, बारह फल और छह बीन लक्षणों तथा वसा तत्व के आधार पर

डीयूएस दिशानिर्देशों द्वारा दिए गए मल्टीस्केल स्कोर के रूप में गुणात्मक प्राचल के रूप में वर्गीकृत किया गया। डीयूएस लक्षणों के अलावा, फूलों में स्टेमिनोड की प्रकृति, गूदे की मिठास और ताजा बीन के रंग के लिए चयनित जीनोटाइप में कुछ उल्लेखनीय भिन्नताएं पाई गई। ये लक्षण अनुसंधानकर्ताओं को किस्मों की पहचान करने की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने तथा फील्ड गाइड के रूप में कार्य कर सकते हैं।

3.1.88. मूली और गाजर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान गाजर की 14 संदर्भ किस्में और मूली की 16 संदर्भ किस्में अनुरक्षित की गईं। गाजर की एक किसान किस्म को डीयूएस विशेषकों के लिए संदर्भ किस्म के साथ लक्षणवर्णित किया गया और डेटा (पादप-वार प्रतिकृति डेटा, प्रमाणित, सॉफ्ट कॉपी और हार्ड कॉपी, दोनों) डीयूएस विशेषकों की तस्वीरों के साथ पीपीवीएफआरए को प्रस्तुत किया गया है।

भाकृअनुप-कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कटराईं, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, इस केंद्र ने गाजर की 23 संदर्भ किस्में (पूसा नयनज्योति (हाइब्रिड), पूसा यमदागिनी, नैनटेस, पूसा नयनज्योति (ए-लाइन), पूसा नयनज्योति (बी-लाइन), पूसा नयनज्योति (सी-लाइन), पूसा वृष्टि, पूसा वसुदा, पूसा रुधिरा, पूसा कुल्फी, पूसा असिता, हिसार गैरिक, कुरोदा-टी-स्ट्रेन, कुरोदा-एस-स्ट्रेन, अश्विनी, एचवीसीआर-003, पंजाब की रानी, केएसपी-135, केएसपी-5333, सोलन गाजर-5, सैमसन-196, रेड लेडी और सोलन रचना) और मूली की 14 संदर्भ किस्में (रैपिड रेड व्हाइट टिप्ड, जापानी व्हाइट, पूसा हिमानी, पंजाब सफ़ेद, हिसार श्वेती, पूसा मृदुला, व्हाइट आइसिकल, अर्का निशांत, पूसा श्वेता, काशी हंस, पूसा चेतकी, पूसा गुलाबी, चाइनीज पिंक, पंजाब पसंद) का लक्षणवर्णन, परिष्करण और पूर्णरूपेण अनुरक्षण किया गया। गाजर की दो किसान किस्मों अर्थात 2890/2082 और 23-CAPUTA01 का डीयूएस परीक्षण के तहत परीक्षण किया गया।

3.1.89. डोलिचोस बीन के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा लेक पोस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, सेम (डोलिचोस) की 13 किस्मों के साथ-साथ संदर्भ किस्मों (05 झाड़ी प्रकार की किस्में अर्का जय, अर्का विजय, अर्का संभ्रम, अर्का सौम्या और अर्का अमोघ तथा 08 पोल टाइप किस्में अर्का स्वागत, अर्का कृष्णा, अर्का विस्तार, अर्का सुप्रिया, अर्का प्रधान, अर्का प्रसिद्धि, अर्का आदर्श और अर्का भवनई) को खेत में अनुरक्षित किया गया है। उपरोक्त किस्मों का प्रजनक बीजोत्पादन किया गया तथा वर्तमान में सभी किस्मों में से प्रत्येक में लगभग 10 कि.ग्रा. प्रजनक बीज अनुरक्षित किए गए।

3.1.90. पेठा, चिंचडा और कुंदू के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश



वर्ष 2023-24 के दौरान, केंद्र ने तीन फसलों यानी पेठा की 09, चिंचडा की 05 और कुंदू की 05 संदर्भ/एग्जाम्प्ल किस्में अनुरक्षित की हैं। पेठा, कुंदू और चिंचडा की संदर्भ और एग्जाम्प्ल किस्मों के बीज और रोपण सामग्री विभिन्न स्रोतों और स्थानों से एकत्र की गईं। चूंकि परियोजना को नवंबर 2023 के दौरान मंजूरी दी गई थी, इसलिए पेठा और चिंचडा की संदर्भ और एग्जाम्प्ल

किस्मों के बीज खरीफ 2024 (जून-जुलाई) में बोए जाएंगे, जबकि कुंद्रू की रोपण सामग्री प्रत्याशी किस्मों के अनुरक्षण, बहुगुणन और परीक्षण के लिए फरवरी, 2024 में रोपित की गई।

3.1.91. केसर के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

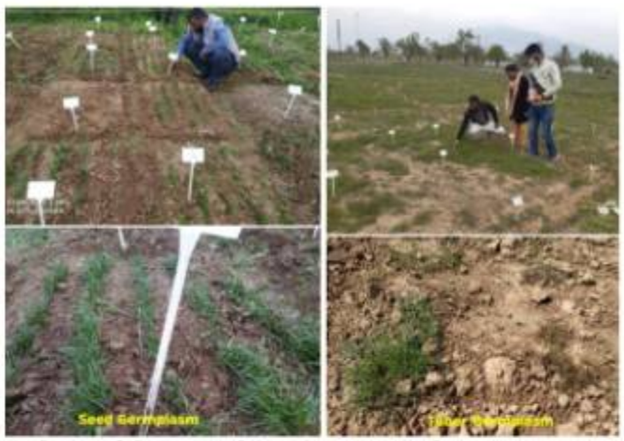
केसर अनुसंधान केंद्र, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, पंपोर, जम्मू और कश्मीर



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, डीयूएस केंद्र ने 268 संदर्भ/एग्जाम्प्ल किस्मों को अनुरक्षित किया है और उनमें से 43 केसर किस्मों को केंद्र में लक्षणवर्णित किया गया है। केसर संदर्भ किस्मों का नया संग्रह और समृद्धता केसर की खेती की निरंतर उन्नति में एक महत्वपूर्ण प्रयास का सूचक है जो केसर की समष्टि के भीतर मौजूदा आनुवंशिक विविधता को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक और व्यवस्थित अभिगम है। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और आनुवंशिक पृष्ठभूमि से विविध केसर जीनोटाइप को शामिल करके इन नई केसर किस्मों के सावधानीपूर्वक लक्षणवर्णन और मूल्यांकन से हमारे पास उपलब्ध आनुवंशिक पूल को व्यापक बनाने का लक्ष्य है। इस प्रयास में, जम्मू और कश्मीर घाटी के विभिन्न स्थानों से 43 केसर जर्मप्लाज्म वंशक्रम एकत्र किए गए जिन्हें ARSSSS, एसकेयूएएसटी-कश्मीर पंपोर के प्रायोगिक क्षेत्र में रोपा गया। सभी वंशक्रमों को पीपीवी एवं एफआरए नई दिल्ली के डीयूएस केसर विवर्णक का प्रयोग करके लक्षणवर्णित किया गया।

3.1.92. कालाजीरा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

केसर अनुसंधान केंद्र, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, पंपोर, जम्मू और कश्मीर



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, डीयूएस केंद्र ने 74 संदर्भ/एग्जाम्प्ल किस्मों को अनुरक्षित किया है, जिनमें से कालाजीरा के 17 बीज जर्मप्लाज्म और कालाजीरा किस्मों के 21 कंद जर्मप्लाज्म को केंद्र में लक्षणवर्णित किया गया। जम्मू और कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों और आनुवंशिक पृष्ठभूमि से कुल 38 कालाजीरा जर्मप्लाज्म वंशक्रम (17-बीज और 21-कंद) एकत्र किए गए, जिससे उपलब्ध आनुवंशिक पूल का विस्तार हुआ। एकत्र की गई सामग्री को केसर और शीतोष्ण बीज मसालों के लिए उन्नत अनुसंधान केंद्र, एसकेयूएएसटी-कश्मीर पंपोर में बोया गया। बीज जर्मप्लाज्म में; फसल अवधि, अंकुर के रंग और पौधे की ऊंचाई में विचलन देखा गया, जबकि कंद जर्मप्लाज्म में; पत्ते के रंग, फूल के रंग, प्रति पौधे शाखाओं की संख्या, छत्र के आकार आदि के संदर्भ में विचलन प्रेक्षित किए गए। इसके अलावा, एक अनूठा जर्मप्लाज्म वंशक्रम भी पाया गया जिसके पौधे झाड़ीनुमा होते हैं, उसमें 7 से अधिक प्राथमिक शाखाएं खिलती हैं। वर्तमान में, फसल फूलने की अवस्था में है और फसल चक्र पूरा होने के बाद पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

3.1.93. कुल्थी मोठ, ग्वार के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

2023-24 की अवधि के दौरान, दो डीयूएस केंद्रों ने डीयूएस परीक्षण केंद्र की स्थापना के लिए प्रस्ताव भेजा है, जिसमें से एक है यूएएस, धारवाड़। इस केंद्र ने ग्वार की 23, मोठ की 28 और कुल्थी की 32 संदर्भ/एग्जाम्प्ल किस्मों को अनुरक्षित किया है। दूसरा प्रस्ताव भाकृअनुप-सीएजेडआरआई, जोधपुर, राजस्थान है। इस केंद्र ने दो फसलों यानी ग्वार फली की 28 और मोठ की 17 संदर्भ/एग्जाम्प्ल किस्मों को अनुरक्षित किया है। कुल्थी, मोठ, ग्वार के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देश भारत के राजपत्र में अधिसूचित किए गए हैं।

3.1.94. कोकम के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, रतनगिरी, महाराष्ट्र



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, कोकम फसल के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास को भारत के राजपत्र [एस.ओ. 1540 (ई)], दिनांक 22.03.2024 में अधिसूचित किया गया है और यह सभी श्रेणियों के तहत पंजीकरण के लिए खुला है। इस केंद्र ने डॉ. बीएसकेकेवी, दापोली में कोकम की 2 संदर्भ और 42 एग्जाम्प्ल किस्में अनुरक्षित की हैं। तदनुसार, यह केंद्र डीयूएस परीक्षण केंद्र में परिवर्तित हो गया है।

3.1.95. लिलियम के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, लिलियम फसल के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास को भारत के राजपत्र [एस.ओ. 1540 (ई)], दिनांक 22.03.2024 में अधिसूचित किया गया है और यह सभी श्रेणियों के अंतर्गत पंजीकरण के लिए खुला है। इस केंद्र में डॉ. वाईएसपीयूएचएफ, नौनी, सोलन में लिलियम की 31 एग्जाम्प्ल किस्में (एशियाटिक हाइब्रिड- 13, एलए हाइब्रिड-11 और ओरिएंटल हाइब्रिड-7) अनुरक्षित की गई हैं। तदनुसार, यह केंद्र डीयूएस परीक्षण केंद्र में परिवर्तित हो गया है।

3.1.96. जैतून के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

भाकृअनुप- केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, लिलियम फसल के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास को भारत के राजपत्र [एस.ओ. 1540 (ई)], दिनांक 22.03.2024 में अधिसूचित किया गया है और यह सभी श्रेणियों के तहत पंजीकरण के लिए खुला है। इस केंद्र ने भाकृअनुप-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान में जैतून की 14 एग्जाम्प्ल किस्मों को अनुरक्षित किया है। तदनुसार, यह केंद्र डीयूएस परीक्षण केंद्र में परिवर्तित हो गया है।

3.1.97. एंथुरियम के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

बागवानी महाविद्यालय, मुदिग्रेरे, चिकमगलूर, कर्नाटक



2023-24 की अवधि के दौरान, एंथुरियम फसल के डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास को भारत के राजपत्र [एस.ओ. 1540 (ई)], दिनांक 22.03.2024 में अधिसूचित किया गया है और यह सभी श्रेणियों के तहत पंजीकरण के लिए खुला है। इस केंद्र ने डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास के लिए एंथुरियम की लगभग 70-80 एग्जाम्प्ल किस्मों का उपयोग किया है।

3.1.98. अश्वगंधा के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र

सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं संगधीय पौधा संस्थान, लखनऊ



वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान अश्वगंधा फसल के डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास को भारत के राजपत्र [एस.ओ. 1540 (ई)], दिनांक 22.03.2024 में अधिसूचित किया गया है तथा यह सभी

श्रेणियों के अंतर्गत पंजीकरण के लिए खुला है। इस केंद्र में सीएसआईआर-सीआईएमएपी, लखनऊ में 12 अश्वगंधा संदर्भ किस्मों का अनुरक्षण किया गया है। तदनुसार, यह केंद्र डीयूएस परीक्षण केंद्र में परिवर्तित हो गया है तथा एक अश्वगंधा किस्म सीआईएम-पुष्टि को पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के अंतर्गत पंजीकरण के लिए प्राधिकरण को भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

3.2 पीपीवी एवं एफआरए के जीन बैंक

पीपीवी एवं एफआरए अधिनियम, 2001 की धारा 27 के अनुसार, प्रजनक अर्थात ब्रीडर को पंजीकृत किस्म के पैतृक वंशक्रम के बीजों सहित बीज और प्रसार सामग्री राष्ट्रीय जीन बैंक में जमा करनी होगी, जैसा कि प्रजनन के उद्देश्य से विनियमों में निर्दिष्ट किया गया है।

पीपीवी एवं एफआरए के राष्ट्रीय जीन बैंक की स्थापना पीपीवी एवं एफआरए में पौधा किस्म पंजीकरण के उद्देश्य से प्रत्याशी किस्मों के पारंपरिक या यथार्थ बीजों (जैसे कि, धान, गेहूं, मक्का, ज्वार, टमाटर, तोरिया-सरसों, जूट आदि) के मध्यम अवधि के भंडारण के लिए भाकृअनुप.-एन.बी.पी.जी.आर. के प्राचीन परिसर में की गई थी।

तथापि, फल वृक्षों (जैसे कि नारियल, आम और नींबू), रोपण प्रजातियों (जैसे कि नीलगिरी और पोपलर), मसालों (काली मिर्च, अदरक और हल्दी), वाणिज्यिक प्रजातियां, जैसे कि रबड़ (जो या तो ख़राब बीज उत्पादित करती हैं ,बीज समान्य रूप से सूखापन को झेल नहीं पाती हैं या कम तापमान के भंडारण को झेल नहीं पाते हैं और पारंपरिक भंडारण स्थितियों के अंतर्गत भंडारण के लिए आसान नहीं होते हैं) के बीजों को *बाह्य स्थाने* परिस्थितियों के तहत फील्ड जीन बैंक में संरक्षित नहीं किया जाता है क्योंकि इनका पुन:जनन चक्र लंबा होता है या वे यौनिक रूप से बंध्य होते हैं। चूंकि आनुवंशिक संसाधनों की पर्याप्तता इन किस्मों के द्वितीयक केंद्रों के प्रारंभिक स्थानों के आसपास होती है या वहीं उनका मूल स्थान होता है, इसलिए संबंधित प्रजाति को स्थानीय कषि-जलवायु स्थितियों (जैसे कि मृदा, जल, तापमान आदि) से अनुकूलित किया जाता है और इन क्षेत्रों में फील्ड जीन बैंक भी रणनीतिक रूप से स्थापित किए जाते हैं।

फील्ड जीन बैंक सुविधा का उपयोग विभिन्न भौगोलिक संदर्भों से उप-प्रजातियों/अंतर-किस्मगत विचलन वाली विमोचित किस्मों (संदर्भ संग्रह) के भंडार के रूप में भी किया जाएगा और उन्हें एक स्थान पर संरक्षित किया जाएगा। फील्ड जीन बैंक पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पंजीकृत किस्मों के प्रतिदर्श पौधों को भी अनुरक्षित करेगा। कई मायनों में जैसे कि किस्मों के स्रोत, पैतृकता, आकारिकी/ लैंगिक/ खेती विशेषताओं, डिजिटलीकरण और डेटाबेस प्रबंधन के बारे में दस्तावेज़ीकरण तकनीकी-कानूनी मुद्दों और विवाद को हल करने में मदद करेगा।

3.2.1 राष्ट्रीय जीन बैंक, एनबीपीजीआर पुराना परिसर, नई दिल्ली

इस परियोजना के अंतर्गत मध्यावधि सुविधा-केंद्र के कामकाज की निगरानी एनबीपीजीआर के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ इस परियोजना के अंतर्गत कार्यरत इलेक्ट्रीशियन द्वारा नियमित रूप से की जा रही है। कोल्ड स्टोर का तापमान +4°C पर कायम किया जाता है और सापेक्ष आर्द्रता को 35% पर समायोजित किया गया है। मध्यम अवधि भंडारण (एमटीएस) मॉड्यूल और डीयूएस परीक्षण भंडार की सापेक्ष आर्द्रता और तापमान को इलेक्ट्रीशियन द्वारा प्रतिदिन रिकॉर्ड किया जाता है और यदि कोई बड़ी समस्या होती है, तो उसे एनबीपीजीआर के तकनीकी कर्मियों के ध्यान में लाया जाता है और तदनुसार हल किया जाता है।

3.2.1.1 पीपीवी और एफआरए जीन बैंक में अनुरक्षण गतिविधियाँ

इस परियोजना के अंतर्गत मध्यम अवधि सुविधा-केंद्र के कामकाज की निगरानी एनबीपीजीआर के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ इस परियोजना के अंतर्गत कार्यरत इलेक्ट्रीशियन द्वारा नियमित रूप से की जा रही है। कोल्ड स्टोर का तापमान +4°C पर कायम किया जाता है और सापेक्ष आर्द्रता को 35% पर समायोजित किया गया है। मध्यम अवधि भंडारण (एमटीएस) मॉड्यूल और डीयूएस परीक्षण भंडार की सापेक्ष आर्द्रता और तापमान को इलेक्ट्रीशियन द्वारा प्रतिदिन रिकॉर्ड किया जाता है और यदि कोई बड़ी समस्या होती है, तो उसे एनबीपीजीआर के तकनीकी कर्मियों के ध्यान में लाया जाता है और तदानुसार हल किया जाता है। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान डीजी सेट की सर्विसिंग और मरम्मत तथा एयर कंडीशनर की सर्विसिंग और मरम्मत पीपीवी और एफआरए जीन बैंक के निर्बाध और सुचारू संचालन के लिए की गई। जीन बैंक के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रेफ्रिजरेशन मापदंडों की दैनिक निगरानी और सभी सुविधाओं का रखरखाव किया गया।

3.2.1.2 अंकुरण और नमी परीक्षण के लिए पंजीकृत किस्मों की निगरानी:

पीपीवी और एफआरए के जीन-बैंक (एमटीएस) में संग्रहीत 267 पंजीकृत किस्मों के बीजों के नमूनों का अनाज, फलियां और सब्जी के बीजों के भंडारण के 5 साल और तिलहन के बीजों के भंडारण के 3 साल बाद अंकुरण और नमी के लिए परीक्षण किया गया।

फसल	नमूनों की सं.	नमी की रेंज (%)	अंकुरण की रेंज (%)
जौ	4	9.65-13.25	0-100
उड़द	3	11.62-14.23	96-100
बैंगन	15	4.59-12.52	4-100
चना	4	10.69-14.76	0-100
डिकोकम गेहूँ	1	8.6-9.54	96-96
द्विगुणित कपास	1	8.68	92
दुरुम गेहूँ	2	9.4-11.4	64-84
फॉक्सटेल मिलेट	1	12.81	92
मसूर	1	13.87	96
मक्का	1	11.23	92
भिंडी	4	6.89-14.79	72-96
प्याज	2	9.32-10.85	32-84
बाजरा	3	9-10.39	24-84
अरहर	3	9.66-13.9	52-96
कद्दू	1	9.10	0
धान/चावल	181	8.2-15.2	0-100
त्रिगुणित कपास	20	7.44-12.87	16-100
टमाटर	8	2.7-9.36	0-80
गेहूँ	9	8.9-12.69	0-100
सोयाबीन	1	8.29	72

3.2.1.3 मध्यावधि भंडारण स्थिति और डीयूएस संग्रह (31 मार्च, 2024 तक)

क्र.सं.	फसलें	डीयूएस परीक्षण संग्रह (एसटीएस)					मध्यावधि भंडारण					सकल योग
		(डीयूएस परीक्षण के लिए प्रत्याशी किस्मों को 22°C पर रखा गया)					(4°C)					
		प्राप्त बीज A					जारी किए गए प्रमाणपत्र B					
		नई	वीसीके + ईडीवी	किसान	विद्यमान अधिसूचित	कुल	नई	वीसीके + ईडीवी	किसान	विद्यमान अधिसूचित	कुल	(A+B)
1	पेठा	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	1
2	जौ	12	5	41	8	66	1	1	27	19	48	114
3	बार्नयार्ड मिलेट	-	-	39	2	41	-	-	-	1	1	42
4	करेला	32	29	17	-	78	-	9	2	1	12	90

5	उड़द	5	2	117	16	140	1	-	9	32	42	182
6	लौकी	13	11	54	-	78	-	6	3	4	13	91
7	बैगन	120	88	98	4	310	29	84	34	13	160	470
8	गोभी	17	1	1	-	19	4	1	-	1	6	25
9	गाजर	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	1
10	गेहूं	55	7	99	29	190	35	10	97	164	306	496
11	अरंडी	6	2	7	-	15	3	3	2	5	13	28
12	फूलगोभी	43	12	13	1	69	16	8	4	3	31	100
13	चना	4	-	78	15	97	2	-	45	55	102	199
14	मिर्च	145	156	24	8	333	-	-	1	8	9	342
15	ग्वार फली	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	1
16	धनिया	1	-	32	-	33	-	-	-	-	-	33
17	लोबिया	-	2	-	5	7	-	-	-	3	3	10
18	खीरा	11	25	38	-	74	-	2	-	2	4	78
19	सेम (डोलिचोस)	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	1
20	सौंफ़	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	1
21	दुरुम गेहूं	2	-	4	5	11	4	-	3	27	34	45
22	डिकोकम गेहूं	8	-	-	-	8	-	-	-	5	5	13
23	द्विगुणित कपास	5	3	2	4	14	12	9	-	30	51	65
24	बाकला	-	-	3	1	4	-	-	-	1	1	5
25	मेथी	-	-	11	-	11	-	-	-	-	-	11
26	रागी	3	-	64	7	74	-	-	-	11	11	85
27	फॉक्सटेल मिलेट	-	-	33	2	35	-	-	-	2	2	37
28	दाना चौलाय	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	1
29	हरी मटर	-	-	-	2	2	-	-	-	2	2	4
30	फ्रास बीन	-	-	4	-	4	-	-	-	-	-	4
31	दाना चौलाय	1	-	4	3	8	-	-	-	-	-	8
32	मूंग	6	4	54	15	79	-	1	8	37	46	125
33	मूंगफली	8	1	19	2	30	1	-	8	38	47	77
34	कुल्थी	-	-	2	-	2	-	-	-	-	-	2
35	जूट	16	2	4	1	23	10	1	-	14	25	48

36	राजमा	-	2	30	1	33	-	4	7	9	20	53
37	कोदो	-	-	102	-	102	-	-	-	-	-	102
38	मसूर	-	-	60	2	62	-	-	16	12	28	90
39	अलसी	-	-	58	2	60	-	-	10	7	17	77
40	लघु मोटा अनाज	-	-	81	1	82	-	-	-	3	3	85
41	मक्का	344	66	324	73	807	201	83	40	109	433	1240
42	गेंदा	6	-	5	-	11	-	-	-	-	-	11
43	खरबूजा	18	-	1	-	19	1	-	1	2	4	23
44	सरसों	35	9	59	7	110	4	14	42	54	114	224
45	भिंडी	96	45	28	3	172	18	21	1	16	56	228
46	प्याज	4	12	10	2	28	2	1	1	11	15	43
47	ओरिएंटल पिकलिंग मेलन	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	1
48	मटर	7	3	98	2	110	-	-	8	29	37	147
49	बाजरा	168	280	29	28	505	75	41	8	58	182	687
50	अरहर	14	3	179	13	209	17	2	46	27	92	301
51	कद्दू	-	4	31	-	35	-	-	8	3	11	46
52	तोरिया	-	-	21	1	22	-	-	30	13	43	65
53	धान	420	63 + 4	2656	143	3286	207	58	2857	293	3415	6701
54	पहाड़ी तुरई	8	2	20	-	30	-	2	5	1	8	38
55	कुसुम	5	-	1	3	9	-	1	-	7	8	17
56	तिल	1	-	68	2	71	-	-	5	10	15	86
57	स्नैप मेलन	-	-	12	-	12	-	-	-	-	-	12
58	ज्वार	67	10	67	23	167	74	38	56	57	225	392
59	सोयाबीन	18	2	23	2	45	5	1	16	36	58	103
60	सूरजमुखी	67	7	-	-	74	39	19	-	11	69	143
61	त्रिगुणित कपास	326	162 + 115	2	32	637	168	230 + 14	1	77	490	1127
62	टमाटर	145	91+3	22	9	270	40	43	17	16	116	386
63	सब्जी चौलाय	-	-	-	-	-	-	-	-	1	1	1
64	वेलवेट बीन	-	-	2	-	2	-	-	-	-	-	2
65	तरबूज़	7	19	-	-	26	-	4	-	-	4	30

कुल	2269	1252	4858	479	8858	969	711	3418	1340	6438	15296

3.2.2 बीज की आवश्यकता

क्र.सं.	फसल	अधिसूचना तिथि	बीज आवश्यकता प्रत्याशी/पैतृक वंशक्रम हाइब्रिड (प्रत्येक) ग्रा में जब तक अन्यथा वर्णन न किया गया हो		अंकुरण %	नमी %	भौतिक शुद्धता %	डीयूएस परीक्षण के लिए बीज प्रस्तुत करने हेतु अस्थायी मौसम – माह	विहित बीज पैकेट का आकार (मि.मी.)
1	धान (*ओरिज़ा सैटिवा* एल.)	01/11/2006	3000	1500	80	11-12	98	*खरीफ* – मार्च - अप्रैल	230x 300
2	गेहूं (*ट्रिटिकम एस्टिवम* एल.)		3000	1500	95	8-9	98	*रबी* – अगस्त	230x 300
3	मक्का (*ज़ी मेस* एल.)		3000	1500	80(इनब्रेड /SCH)90 (var/DC H)	8-10	98	*खरीफ* – मार्च – अप्रैल रबी - अगस्त	230x 300
4	ज्वार (*सोरघम बाइकलर* (एल.) मोएंच)		2000	1000	80	10	98	*खरीफ* - मार्च *रबी*-अगस्त	230x 300
5	बाजरा (*पेनिसेटम ग्लॉकम* (एल.) आर.बी.आर.)		600	300	80(इनब्रेड / SCH) 90(var/D CH)	10	98	*खरीफ* -मार्च	165x 220
6	चना (*साइसर एरिएटिनम*) एल.)		2000 (देसी) 3000 (काबुली)	NA	95	8-9	98	*रबी* - अगस्त	230x 300
7	मूंग (*विग्ना रेडिएट* (एल.) विल्ज़ेक)		1000	NA	95	8-9	98	*खरीफ* -मार्च	230x 300
8	उड़द (*विग्ना मुंगो* (एल.) हेपर)		1000	NA	95	8-9	98	*खरीफ* - मार्च	165x 220
9	हरी मटर (*पाइसम सैटिवम* एल.)		2000	NA	85	8-9	98	*रबी* - अगस्त	230x 300
10	राजमा (*फ़ेज़ियोलस वल्गारिस* एल.)		3000	NA	85	8-9	98	जुन-जुलाई	230x 300
11	मसूर (*लेंस क्यूलिनारिस* मेडिक)		1000	NA	85	8-9	98	*रबी* - अगस्त	230x 300
12	अरहर (*कैजेनस कैजन* (एल .) मिलस्प.)		2000	1500	95	8-9	98	*खरीफ* - मार्च	230x 300
13	कपास (*गॉसिपियम हिर्सुटम* एल.)	31/12/2007	2000	1000	75	10	98	*खरीफ* – उत्तर – फरवरी प्रायद्वीपीय दक्षिण	230x 300

14	कपास (*जी. बारबाडेंस* एल.)		2000	1000	75	10	98	– मई-जून	
15	कपास (*जी. आर्बोरियम* एल.)		1500	750	75	10	98		
16	कपास (*जी. हर्बेशियम* एल.)		1500	750	75	10	98		
17	जूट (*कोरकोरस कैप्सुलारिस* एल.)		1000	500	85	9	97	पूर्व- *खरीफ* - जन. के प्रारंभ में	165x 220
18	जूट (*कोरकोरस ओलिटोरियस* एल.)		1000	500	85	9	97	पूर्व- *खरीफ* – जन. के प्रारंभ में	
19	गन्ना (*सैकरम* एल.)	27/07/2009	400 एकल कलमों का सेट						
20	अदरक (*ज़िंगिबर ऑफ़िसिनेल* Rosc.)		5000 ग्रा. (150 नग प्रत्येक 25-30 ग्रा. के स्वच्छ एवं पूर्ण राइज़ोम						
21	हल्दी (*कुरुम्मा लोंगा* एल.)		6 कि.ग्रा (35-40% नमी तत्व के साथ स्वच्छ एवं पूर्ण ताजा राइजोम)						
22	भारतीय सरसों (*ब्रैसिका जुंसिया* एल. कज़र्न और कॉस)	30/04/2010	500	250	85	8	98	जुन-जुलाई	165x 100
23	करण राई (*ब्रैसिका कैरिनाटा* ए ब्रौन)		500	250	85	8	98	जुन-जुलाई	165x 100
24	तोरिया-सरसों (*ब्रैसिका रैपा* एल.)		500	250	85	8	98	जून-जुलाई	165x 100
25	गोभी सरसों (*ब्रैसिका नेपस* एल.)		500	250	85	8	98	जुन-जुलाई	165x 100
26	मूंगफली (*अराचिस हाइपोगिया* एल.)		3000 (स्पेनिश एवं वेलेंसिया) 8000(गिरी) विर्जिनिया गुच्छ एवं रनर टाइप के लिए	1500 4000	80	9	98	*खरीफ*: मई-जून रबी: अगस्त-सितं.	300x 450
27	सोयाबीन (*ग्लाइसीन मैक्स* (एल.) मेरिल)		3000	NA	70	9	98	अप्रैल-मई	230x 300
28	सूरजमुखी (*हेलियनथस एनुअस* एल.)		3000	2000	70	9	98	जलाई-अगस्त	230x 300
29	कुसुम (*कार्थमस टिनक्टोरियस* एल.)		3000	1500	80	9	98	जुन-जुलाई	230x 300
30	कैस्टर (*रिकिनस कम्युनिस* एल.)		6000	2500	70	10	98	अप्रैल-मई	300x 450

31	सेसमम (*सेसम इंडिकम* एल.)		500	250	80	9	97	अप्रैल-मई	165x 100
32	अलसी (*लिनम यूसिटाटिसिमम* एल.)		500	250	85	9	98	मई-जून	165x 100
33	काली मिर्च (*पाइपर नाइग्रम* एल.)		40 जड़युक्त कलमें						
34	छोटी इलायची (*एलेटेरिया कार्डमम* मैटन)		50 अंकुर/महीन जड़ें						
35	टमाटर (*लाइकोपर्सन लाइकोपर्सिकम* (एल.) कार्स्टन एक्स. फारव.)		15 (खुले खेत वाली) 8 (हरित गृह वाली)	तदैव	85	8	98	अप्रैल-मई	165x 100
36	बैंगन (*सोलनम मेलोंगेना* एल.)		15 (ओपन)	15 (ओपन)	85	8	98	अप्रैल-मई	165x 100
37	भिंडी (*एबेलमोस्कस एस्कुलेंटस* (एल.) मोएंच।)		नई: 300 वीके एवं एफवी: 150 ईएनवी : 60		65	10	99	मई-जून	230 x 300
38	फूलगोभी (*ब्रैसिका ओलेरासिया* एल.वैरा. बोट्रीटिस)		15	15	भारत में सत्यापित बीज के अनुसार			अप्रैल-मई	165x 100
39	पत्तागोभी (*ब्रैसिका ओलेरासिया* एल. वैरा. कैपिटाटा)		15	15	- तदैव -			अप्रैल-मई	165x 100
40	आलू (*सोलेनम ट्यूबरोसम* एल.)		300 पूर्ण रूप से परिपक्व कंद (कंद आकार 3.5-5.0 से.मी. होना चाहिए)						
41	प्याज (*एलियम सेपा* एल.)	02/12/2010	हाइब्रिडऔर पैतृक वंशक्रम: 100 ग्रा., वानस्पतिक रूप से उगाई गई किस्में (गुणक प्याज): 1200 बल्ब, नर बंध्य वंशक्रम: 50 बल्ब	NA	70	सत्यापित बीज मानक के अनुसार		संबंधित बुवाई मौसमों के अनुसार	
42	लहसुन (*एलियम सैटिवम* एल.)		2000 टिकाऊ क्लोव	NA	रोपण सामग्री भारत में विपणन रोपण सामग्री के लिए अंकुरण क्षमता, नमी तत्व और भौतिक शुद्धता की न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करे, और भारत में प्रमाणित बीज के लिए निर्धारित न्यूनतम बीज मानकों की पूर्ति करे।			अगस्त-सितंबर	-

43	गुलाब (*रोजा प्रजा,(आर.डैमासेना* के अलावा)		9 कलमबद्ध/कलमी पादप 9 पादप 12 इंच के या 30 से.मी. भूखंड आकार						
44	गुलदाउदी (*क्राइसेंथेमम प्रजा.*)		100 मातृत्व पादप से ली गई दो ग्रंथियों वाली टर्मिनल जड़युक्त कलमें						
45	आम (*मंगिफेरा इंडिका* एल.)		9 प्रत्येक स्थान के लिए जड़युक्त कलमें						
46	दुरुम गेहूं (*ट्रिटिकम दुरुम* डेस्फ़.)		3000	1500	95	8-9	98	गेहूं की तरह	230x 300
47	डाइकोकम गेहूं (*ट्रिटिकम डाइकोकम* एल.)/ अन्य *ट्रिटिकम प्रजा.*		3000	1500	95	8-9	98	गेहूं की तरह	230x 300
48	इसबगोल (*प्लांटैगो ओवाटा* फोर्स्क)।)		250	NA	95	8-9	98	रबी: नवं.-दिसंबर	230 x 300
49	मेन्थॉल मिंट (*मेंथा अर्वेन्सिस* एल.)	18/08/2011	5 कि.ग्रा. अंकुर (10-15 से.मी. लंबे)						
50	डमस्क गुलाब (*रोजा डमास्केना* मिल)		100 कलमें						
51	पेरीविंकल (*कैथरान्थस रोज़ियस* एल.)		10 ग्रा.	NA	85	8	98	*खरीफ*: जुन-जुलाई	230 x 300
52	ब्राह्मी (*बाकोपा मोनिएरी* एल. पेनेल)		500 कलमें (साफ और पूर्ण वानस्पतिक भाग 10-15 से.मी. लंबे)						
53	नारियल (*कोकोस न्यूसीफेरा* एल.)		30 नग एक वर्षीय पौधे जो मानक पॉटिंग मिश्रण वाले पॉलीबैग में उगाए गए हों						
54	ऑर्किड (*सिमबिडियम एसडब्ल्यू.*)	27/03/2012	20 पौधे (प्रत्येक केंद्र के लिए 10) जिनमें कम से कम दो छद्म बल्ब और एक बैक-बल्ब वाले हों। आयु 3-4 वर्ष						
55	ऑर्किड (*डेंड्रोबियम एसडब्ल्यू.*)		20 पौधे (प्रत्येक केंद्र के लिए 10) जिनमें कम से कम दो प्ररोह हों। आयु 2-3 वर्ष						
56	ऑर्किड (*वंदा जॉस* एक्स आर. बीआर.)		20 पौधे, आयु 2-3 वर्ष						
57	अनार (*पुनिका ग्रैनटम* एल.)	15/04/2014	10 प्रोपेग्यूल, एक वर्ष पुराने तथा जो एयर लेयरिंग या जड़ वाले तने की कलमों से उगाए गए हों (एक ही पेड़ से बहुगुणित किए गए हों) या प्रत्येक स्थान के लिए ऊतक संवर्धन द्वारा उगाए गए पौधे हों।						
58	आर्किड (*कैटलिया लिंड्ल.*)		20 पौधे, दो या तीन वर्ष पुराने और जिनमें कम से कम दो प्ररोह हों						
59	आर्किड (*फैलेनोप्सिस ब्लूम*)		20 फूल वाले पौधे						
60	कैसुरीना (*केसुरिना*								

	इक्विसेटिफोलिया एल.)	50 जड़ वाली कलमें (कम से कम तीन महीने पुरानी), अच्छी तरह से विकसित जड़ प्रणाली के साथ कॉलर से ऐपिकल तक न्यूनतम 20 से.मी. आकार की हों						
61	*कैसुरीना* (*केसुरिना जंघुनिएना* मिक.)							
62	करेला (*मोमोर्डिका चारेंटिया* एल.)	300 ग्रा. या 1500 no	NA	80	8	98	दिसं.-जनवरी	230x 300
63	लौकी (*लेगेनेरिया सिसेरिया* (मोल.) स्टैंडल.)	250 ग्रा. या 1500 no	NA	80	8	98		230x 300
64	खीरा (*कुकुमिस सैटिवस* एल.)	50 ग्रा. या 1500 no	NA	80	8	98		230x 300
65	कद्दू (*कुकुर्बिटा मोस्काटा* डच. एक्स पोइर.)	200 ग्रा. या 1500 no	NA	80	8	98		230x 300
66	जौ (*होर्डियम वल्गारे* एल.)	1500	1000	95	8	98	अगस्त-सितंबर	230x 300
67	धनिया (*कोरिएंडर सैटिवम* एल.)	250	NA	80	8-9	98	जुलाई-अगस्त	165x 100
68	मेथी (*ट्राइगोनेला फोनम ग्रैकम* एल.)	250	NA	80	8-9	98	जुलाई-अगस्त	165x100
69	बादाम (*प्रूनस डलसिस* (मिल.) डी.ए. वेब)	10 कलमी या कोंपल युक्त पौधे						
70	सेब (*मालुस डोमेस्टिका* बोरख)	6 कलमी या कोंपल युक्त पौधे						
71	नाशपाती (*पाइरस कम्युनिस* एल.)	6 कलमी या कोंपल युक्त पौधे						
72	खुबानी (*प्रूनस आर्मेनियाका* एल.)	10 कलमी या कोंपल युक्त पौधे						
73	चेरी (*प्रूनस एवियम* एल.)	10 कलमी या कोंपल युक्त पौधे						
74	अखरोट (*जुग्लंस रेजिया* एल.)	10 कलमी या कोंपल युक्त पौधे						
75	अंगूर (*विटिस* एसपीपी.)	प्रत्येक स्थान के लिए 12 कलमी पौधे (एक वर्ष पुराने)						
76	भारतीय बेर (*ज़िज़िफस मॉरीटियाना* एल. एम्क.)	प्रत्येक डीयूएस केंद्र के लिए 7 पौधे (न्यूनतम आयु 3 महीने)						
77	यूकेलिप्टस (*यूकेलिप्टस कैमलडुलेंसिस* डेन्ह.)							

78	यूकेलिप्टस (*यूकेलिप्टस टेरिटिकोर्निस* एस.एम.)		60 जड़ वाले पौधे (पौधे 250 cc रूट ट्रेनर में होने चाहिए) जिनकी न्यूनतम आयु 6 महीने हो						
79	चाय (*कैमेलिया साइनेंसिस* एल.)	16/10/2014	75 पौधे (15-18 इंच ऊंचाई), युवा पौधे जिनका तना पेंसिल जितना मोटा हो और उनकी अपनी जड़ हो						
80	चाय (*सी. एसामिका*)								
81	चाय (*सी. एसामिका* प्रजा. लैसियोकैलिक्स.)								
82	एसिड लाइम (*सिट्रस ऑरैंटिफोलिया* स्विंगल)		प्रत्येक डीयूएस केंद्र के लिए 10 पौधे। आयु छह महीने से अधिक होनी चाहिए						
83	मंदारिन (*सिट्रस रेटिकुलाटा* ब्लैंको)		प्रत्येक डीयूएस केंद्र के लिए 10 पौधे। आयु छह महीने से अधिक होनी चाहिए						
84	मौसम्बी (*सिट्रस साइनेंसिस* (एल.) ओस्बेक)		प्रत्येक डीयूएस केंद्र के लिए 10 पौधे। आयु छह महीने से अधिक होनी चाहिए						
85	बोगेनविलिया (*बोगेनविलिया कॉम.* एक्स जूस.)		10 अच्छी जड़युक्त और उगे हुए पौधे						
86	केला (*मूसा प्रजा.*)		प्रति स्थान 40 ऊतक संवर्धित पौधे						
87	ऑर्किड (*ऑन्सीडियम स्व.*)		2-3 साल पुराने 20 पौधे जिनमें कम से कम दो छद्म बल्ब/प्ररोह हों						
88	कैना (*कैना* एल.)	21/01/2015	20 युवा पौधे या 20 परिपक्व प्रकंद/ राइजोम						
89	ग्लैडिओलस (*ग्लैडिओलस* एल.)		30 घनकंद (4 - 4.5 से.मी. व्यास)						
90	खरबूज (*कुकुमिस मेलो* एल.)		100 ग्रा. बीज, खुले खेत में खेती के लिए	NA	80	8	98	दिसं.-जनवरी	230x300
91	तरबूज (*सिट्रुलस लैनाटस* (थुनब.) मैन्सफ.)		150 ग्रा. बीज, खुले खेत में खेती के लिए	NA	80	8	98	दिसं.-जनवरी	230x300
92	जैस्मीन (*जैस्मिनम ऑरिकुलैटम* एल.)	02/07/2015	20 कलमी पादप						
93	ट्यूबरोज़ (*पोलियान्थेस ट्यूबरोसा* एल.)		75 बल्ब जो 2 से.मी. से अधिक की हों (सबसे चौड़े भाग पर व्यास के आधार पर) और जिनका वजन 25-30 ग्रा. हो						

94	पपीता (*कैरिका पपाया* एल.)		स्त्रीलिंगी किस्मों के लिए 20 ग्रा., और एकलिंगी किस्मों के लिए 40 ग्रा, दोनों मौसमों में।	NA	60	7	किस्म के लिए 98% और हाइब्रिड के लिए 90%	--	---
95	चाइना एस्टर (*कैलिस्टेफस चिनेंसिस* (एल.) नीस.)		2 ग्रा. प्रत्येक दो पैकेट में	NA	60	6-9	98	---	---
96	आड़ू (*प्रूनस पर्सिका* एल. बत्श.)		10 कलमी या कोंपल युक्त पौधे						
97	जापानी प्लम (*प्रूनस सैलिसिना* एल.)		10 कलमी या कोंपल युक्त पौधे						
98	स्ट्रॉबेरी (*फ्रैगरिया x अनानासन* डच.)		120 रनर या पादप प्रोपेग्यूल या पौध (4-5 पत्ती चरण पर ठोस टिशु कल्चर वाले पादप)						
99	मिर्च, शिमला मिर्च और पेपरीका (*कैप्सीकम एन्नयूम* एल.)		OP किस्म के लिए 15 ग्रा. और हाइब्रिड एवं पैतृक वंशक्रम के लिए 10 ग्रा.	NA	85	8	98	अगस्त-सितंबर	165x100
100	रागी (*एलुसीन कोराकाना* (एल.) गर्टन.)		250 ग्रा. & 10 गुच्छ	NA	80	10-12	97	अप्रैल-मई	230x300
101	फॉक्सटेल मिलेट (*सेटेरिया इटैलिक* (एल.) ब्यूव)		250 ग्रा. & 10 गुच्छ	NA	80	11-12	97	अप्रैल-मई	230x300
102	सब्जी चौलाय (*ऐमरैन्थस ट्राइकोलर* एल.)		150 ग्रा.	NA	80	<8	98	जुलाई-सितंबर	165x100
103	पहाड़ी तुरई (*लफ़ा एक्यूटांगुला* (एल.) रॉक्सब.)		250 ग्रा. या 1500 बीज	NA	80	<8	98	दिसं-जनवरी	230-x300
104	चुकंदर (*बीटा वल्गारिस* वेर. बेंगालेंसिस रॉक्सब.)	19/04/2016	250 ग्रा	NA	80	<8	98	अगस्त-सितंबर	165x100
105	कार्नेशन (*डायन्थस कैरियोफिलस* एल.)		150 जड़युक्त कलमें						
106	आर्किड (*पेफियोपेडिलम* फिट्ज़.)		10 पादप प्रत्येक केंद्र के लिए						
107	नोनी (*मोरिंडा सिट्रिफ़ोलिया* एल.)	13/07/2016	10 कलमी या कोंपलयुक्त पादप प्रत्येक स्थल के लिए						

108	बेल (*एगल मार्मेलोस* (एल.) कोरिया)		5 पौधे प्रत्येक केंद्र के लिए						
109	जामुन/ब्लैक प्लम (*सिज़ीजियम क्यूमिनी*) (एल.) स्कील्स.)		07 कलमें प्रत्येक स्थान के लिए						
110	जायफल (*मिरिस्टिका फ्रेग्रेंस* हाउट.)		10 कलमी या कोंपल युक्त पौधे, प्रत्येक स्थान के लिए						
111	चमेली/मोगरा (*जैस्मीनम सैम्बैक* एल.)		20 जड़युक्त पौधे प्रत्येक स्थान के लिए						
112	शरीफा/शुगर एप्पल (*एनोना स्कामोसा* एल.)		8 कलमें						
113	कालमेघ/किंग ऑफ बिटर्स (*एंड्रोग्राफिस पैनिकुलाटा* (बर्म.एफ.) वॉल. एक्स नीस)		30 ग्रा.	NA	95	8-9	98	*खरीफ*: मई-जून	230 x 300
114	नीम (*अजाडिराक्टा इंडिका* ए. जूस.)	12/05/2017	60 से.मी. की ऊंचाई के साथ 40 क्लोनीकृत जड़युक्त पौधे						
115	करंज (*पोंगामिया पिनाटा* (एल.) पियरे.)		60 से.मी. की ऊंचाई के साथ 40 क्लोनीकृत जड़युक्त पौधे						
116	भारतीय रसभरी (*एम्बिलका ऑफिसिनालिस* गर्टन.)		03-04 माह पुराने पौधे						
117	पान (*पाइपर बेटल* एल.)		जड़युक्त कलम के टर्मिनल प्ररोह 3 महीने पुराने तथा 25 से.मी. ऊंचाई के होने चाहिए						
118	गेंदा (*टैगेट्स एसपीपी.* एल)		10 ग्रा. बीज या 200 जड़युक्त कलमें	NA	80	8 से अधिक नहीं	98	अप्रैल-मई	165x100
119	अमरूद (*सिडियम गुवाजावा* एल)		10 कलमें/ एअर लेयर्स, प्रत्येक स्थान के लिए						
120	लीची (*लीची चिनेंसिस* सोन.)		एअर लेयरिंग के माध्यम से उगाए गए 7 पादप, प्रत्येक स्थान के लिए						
121	देवदार (*सेड्रस देवदारा*) (रॉक्स बी.) जी. डॉन		5 वृक्ष						
122	चीड़ (*पाइनस रोक्सबर्घी*) सार्जेंट		5 वृक्ष						

123	शहतूत (*मोरस* प्रजा.)		12-15 से.मी. लंबाई और 1.0-1.5 से.मी. व्यास की 50 तना कलमें						
124	चमेली (*जैस्मीनम मल्टीफ्लोरम* एल.)		पूर्ण जड़युक्त 6 महीने पुराने 20 पादप						
125	कुट्टू (*फेगोपाइरम एस्कुलेंटम*)		500 ग्रा.	NA	80	≤10%	98	*खरीफ*: मई-जून	165 x 100
126	कुट्टू (*फेगोपाइरम टैटारिकम*)		500 ग्रा.	NA	80	≤10%	98		
127	दाना चौलाय (*ऐमारैंथस हाइपोकॉन्ड्रिकस*)		50 ग्रा.	NA	80	≤10%	98	*खरीफ*: मई-जून रबी: सितं.-अक्टू.	165 x 100
128	दाना चौलाय (*ए. क्रूएंटस*)		50 ग्रा.	NA	80	≤10%	98		
129	दाना चौलाय (*ए कैडैटस*)		50 ग्रा.	NA	80	≤10%	98		
130	दाना चौलाय (*ए. एडुलिस*)		50 ग्रा.	NA	80	≤10%	98		
131	बाकुला (*विसिया फैबा* एल. वैरा. मेजर हार्ज़)		150 ग्रा.	NA	70	≤9%	98	रबी: सितं.-अक्टू.	230 x300
132	जिमीकंद (*अमोर्फोफैलस पैओनीफोलियस*)		प्रत्येक 200-400 ग्रा. के 36 कंद						
133	कचालू/अरबी (*कोलोकैसिया एस्कुलेंटा* वैरा. एस्कुलेंटा, *कोलोकेसिया एस्कुलेंटा* वैरा. एंटीकोरम, *कोलाकेसिया एस्कुलेंटा* वैरा. स्टोलोनिफ़ेरम)		प्रत्येक 30-40 ग्रा. के 37 कंद						
134	कचालू (*क्राइटोस्पर्मा चैमिसोनिस/ सी. मर्कुसी*)		प्रत्येक 30-40 ग्रा. के 37 कंद						
135	जेट्रोफा (*जेट्रोफा करकस* एल.)		60 से.मी. ऊंचाई के साथ 60 जड़युक्त पादप, जिन्हें जून-जुलाई में प्रस्तुत किया जाना है						
136	बर्नयार्ड मिलेट (*इचिनोक्लोआ फ्रुमेंटेसी* (रॉक्सबी.) लिंक)		10 गुच्छों के साथ 250 ग्रा. बीज	NA	80	12	97	अप्रैल-मई	230x 300
137	कोदो (*पास्पलम स्कोर्बिकुलैटम* एल.)		10 गुच्छों के साथ 500 ग्रा. बीज	NA	80	12	97	अप्रैल-मई	230x 300
138	लिटिल मिलेट (*पैनिकम सुमाट्रेंस* रोथ. एक्स रोमर और शुल्ट्स)		10 गुच्छों के साथ 150 ग्रा. बीज	NA	80	12	97	अप्रैल-मई	230x 300

139	प्रोसो मिलेट (*पैनिकम मिलियासीम* एल.)		10 गुच्छों के साथ 200 ग्रा. बीज	NA	80	12	97	अप्रैल-मई	230x 300
140	काजू (*एनाकार्डियम ऑक्सीडेंटेल* एल.)	23/10/2017	8 कलमी पौधे						
141	सुपारी (*एरीका कैश्यू* एल.)		एक वर्ष पुराने 10 पौधे						
142	चिरौंजी (*बुचानिया लैंज़न* स्पर्नग.)	09/01/2018	9 कलमें, प्रत्येक स्थान के लिए						
143	इमली (*टैमारिंडस इंडिका* एल.)		9 कलमें, प्रत्येक स्थान के लिए						
144	शकरकंद (*इपोमिया बटाटास* (एल.) लैम.)		150 वाइन कलमें (5 से 8 कोंपलों के साथ प्रत्येक 30 से.मी. की लंबाई वाले)						
145	कसावा (*मैनिहोट एस्कुलेंटा क्रांट्ज*)		प्रत्येक स्थान के लिए 100 कलमें, न्यूनतम 5 से 8 टिकाऊ कोंपलों के साथ 20 से.मी. लंबाई वाले						
146	चिनार (*पॉपुलस डेल्टौइड्स* एल.)		1 वर्ष पुराने पादपों से 120 कलमें						
147-153	विलो (*सैलिक्स* प्रजाति) *सैलिक्स टेट्रास्पर्मा, सैलिक्स नाइग्रा, सैलिक्स जेसोएन्सिस, सैलिक्स x रुबेंस, सैलिक्स मत्सुदाना, सैलिक्स अल्बा, सैलिक्स एक्मोफिला*	11/07/ 2018	120 ठोस लकड़ वाली कलमें, व्यास 1 से.मी. और लंबाई 20 से. मी.						
154	जई (*एवेना सैटिवा* एल.)		1000	NA	85	10	98	जुलाई-अगस्त	230x300
155	खजूर (*फीनिक्स डेक्टिलिफेरा* एल.)		06 जड़युक्त अंकुर (ऑफशूट्स), वजन 8-10 कि.ग्रा						
156	मोरिंगा (*मोरिंगा ओलीफेरा* एल.)	18/07/2019	30 पादप या 100 शुद्ध बीज, प्रत्येक स्थान के लिए						
157	मेलिया (*मेलिया डुबिया* कैव.)	25/02/ 2019	100 जड़युक्त पादप						
158	परवल (*ट्राइकोसैंथेस डियोइका* रॉक्सब.)	15/12/2020	50 (पचास) कंदीय जड़/ जड़युक्त वाइन कलमें (जिनमें 3 ग्रंथियां हों)						
159	क्रॉसेंड्रा (*क्रॉसेंड्रा इन्फंडिबुलिफॉर्मिस* (एल.) नीस.)	15/12/2020	प्लग्ज या प्रो-ट्रे में 100 टर्मिनल जड़युक्त कलमें (प्रत्येक केंद्र के लिए 50) 6 से 8 से.मी. की।						
160	लोबिया (*विग्ना*	15/12/2020	1000		95	9	98	मई-जून	230x 300

	अंगुइकुलाटा (एल.) वाल्प. *प्रजा. अंगुइकुलाटा* एवं *विग्रा अंगुइकुलाटा* (एल.) वाल्प. *प्रजा. सेसक्विपेडालिस* (एल.) वर्डक)							
161	कटहल (*आर्टोकार्पुस हेटरोफाइलस लैम.*)	23/08/2021	पौध सामग्री को कलमों/कोंपल युक्त पौधों के रूप में आपूर्ति की जानी चाहिए।					
162	बड़ा रतालू (*डियोस्कोरिया अलाटा* एल.)		10 स्वस्थ कंद, 750-1100 ग्रा. के					
163	येम बीन (*चेचिराइजस इरोसस* एल.)		आवेदक द्वारा आपूर्ति की जाने वाली रोपण सामग्री (बीज) की न्यूनतम मात्रा तीन प्रतिकृतियों के लिए 75-100 ग्राम होनी चाहिए।					
164	सीबकथ्रोन (*हिप्पोफे रमनोइड्स* एल.)		रोपण सामग्री की न्यूनतम अपेक्षित मात्रा, पॉली बैग में कम से कम दो टहनियों के साथ कम से कम सात अच्छी तरह से जड़ वाले एक वर्षीय पौधे होने चाहिए।					
165	अजवाइन (*ट्रैकिस्पर्मम अम्मी* एल.)	16/03/2022	नई-50 ग्रा., ईएनवी- 10 ग्रा., वीसीके- 25 ग्रा., एफवी- 25 ग्रा.	65%	8-9%	98%	रबी: अक्टू.-नवंबर	165 x 100
166	सौंफ (*पिम्पेनेला एनिसम* एल.)		नई- 100 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा., वीसीके-50 ग्रा., एफवी-50 ग्रा.	65%	9-10%	98%	रबी: अक्टूबर	
167	अजवाइन (*एपियम ग्रेवोलेंस* एल.)		नई-50 ग्रा., ईएनवी-10 ग्रा., वीसीके-25 ग्रा.,, एफवी-25 ग्रा.	65%	8-9%	98%	रबी: अक्टूबर	
168	जीरा (*क्यूमिनम साइमिनम* एल.)		नई-100 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा., वीसीके-50 ग्रा., एफवी-50 ग्रा.	65%	8-9%	98%	रबी: अक्टूबर	
169	डिल (*एनेथम ग्रेवोलेंस* एल.)		नई-100 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा., वीसीके-50 ग्रा., एफवी-50 ग्रा.	65%	8-9%	98%	रबी: अक्टूबर	
170	डिल (*एनेथम सोवा रॉक्सबी.*)							
171	सौंफ (*फोनीकुलम वलगारे मिल.*)		नई-200 ग्रा., ईएनवी-40 ग्रा., वीसीके-100 ग्रा., एफवी-100 ग्रा.	70%	8-9%	98%	रबी: अक्टूबर	
172	निगेला (*निगेला सैटिवा* एल.)		नई-100 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा., वीसीके-50 ग्रा., एफवी-50 ग्रा.	65%	8-9%	98%	रबी: अक्टूबर	
173	कुल्थी (*मैक्रोटिलोमा यूनिफ्लोरम* (लैम) वर्डसी.)	18/11/2022	नई-1500 ग्रा., वीसीके &एफवी-750 ग्रा., ईएनवी-350 ग्रा.	95%	9%	98%	*खरीफ*: अप्रैल	

174	जरबेरा (*जरबेरा जेमेसोनी* एडलेम एक्स. हूकर एफ.)		8-9 पत्तियों के साथ 15 से.मी. की पादप ऊंचाई और 4-5 से.मी. लंबाई के 4-5 प्ररोह					
175	कॉफी (*कॉफी अरेबिका* एल.)		**अरेबिका:** i) पौध (छह महीने से एक साल पुराने): 50 पौधे ii) बीज (ताजा फसल-कटाई से तैयार टिकाऊ बीज): 100 नग। **रोबस्टा:** i) क्लोन (छह महीने से एक साल पुराने): 50 क्लोन					
176	कॉफी (*कॉफी कैनेफोरा* पियरे एक्स ए. फ्रोहेनर)							
177	फ्लू-क्यूर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) और बीड़ी तम्बाकू (*निकोटियाना टैबैकम* (एल.))		नई-20 ग्रा., वीसीके & एफवी-10 ग्रा., ईएनवी-4 ग्रा.	95%	4%	98%		
178	मोठ [*विग्ना एकोनिटिफोलिया* (जैक.) मारेचल.]		नई-1500 ग्रा., वीसीके&एफवी-750 ग्रा., ईएनवी-300 ग्रा.	95%	9%	98%		
179	ग्वार फली (*सायमोप्सिस टेट्रागोनालोबा* एल. ताउब)		नई-1500 ग्रा., वीसीके&एफवी-750 ग्रा., ईएनवी-300 ग्रा.	95%	9%	98%		
180	कोको (*थियोब्रोमा काकाओ* एल.)	14/02/2023	6 वानस्पातिक रूप से उगे हुए और पॉली बैग में उगाए गए जड़युक्त पौधे					
181	मूली (*राफानस सैटिवस* एल.)		नई-200 ग्रा., वीसीके & एफवी-100 ग्रा., ईएनवी-40 ग्रा.	90%	6%	98%		
182	गाजर (*डौकस कैरोटा* एल.)		नई-100 ग्रा., वीसीके & एफवी-50 ग्रा., ईएनवी-20 ग्रा.	70%	8%	98%		
183	सागौन (*टेक्टोना ग्रैंडिस* एल. एफ.)	18/05/2023	30 जड़युक्त पादप (पादप 400 सीसी रूट ट्रेनर में होने चाहिए) और उनकी आयु न्यूनतम 6 महीने की होनी चाहिए।					
184	कालाजीरा [*बुनियम पर्सिकम* (बायोस.) फेडट्स.]		200 कंद (प्रत्येक 3 - 4 ग्रा. के और न्यूनतम 4 वर्ष पुराने)					
185	केसर (*क्रोकस सैटिवस* एल.)		नई - 300 घनकंद (8- 10 ग्रा. प्रत्येक) वीसीके & एफवी - 150 घनकंद (8- 10 ग्रा. प्रत्येक)					
186	डोलिचोस बीन (*लबलब परप्यूरियस* (एल.) स्वीट)		नई-1000 ग्रा., वीसीके & एफवी-500 ग्रा., ईएनवी-200 ग्रा.	95%	8%	98%	*खरीफ*: जून	230x 300
187	पेठा (*बेनिनकासा हिस्पिडा* (थुनब.) कॉग्न.)		नई-60 ग्रा., वीसीके & एफवी-30 ग्रा., ईएनवी-12 ग्रा.	80%	8%	98%	*खरीफ*: अप्रैल	165 x 100
188	चिंचडा (*ट्राइकोसैंथेस एंगुइना* एल.)		नई- 400 ग्रा., वीसीके & एफवी- 200 ग्रा., ईएनवी- 80 ग्रा.	80%	8%	98%	रबी- नवंबर	165 x 100
189	कुंदू (*कोसिनिया ग्रैंडिस*		पॉली बैग में उगाई गई 50 (पचास) जड़युक्त वाइन कलमें (जिनमें न्यूनतम 3 ग्रंथियां होनी चाहिए)					

	(एल.) वोइग्ट)							
190	कोकम (*गार्सिनिया इंडिका चोइसी*)		20 कलमी पौधे					
191	नींबू (*सिट्रस लिमोन* (एल.) बर्म. एफ.)		एक वर्ष से अधिक आयु के पांच पादप					
192	पुमेलो (*सिट्रस मैक्सिमा* (जे. बर्म.) मेर.)		पांच पादप					
193	लिलियम (*लिलियम* प्रजा., ओरिएंटल, एशियाटिक, एलए हाइब्रिड और ओटी हाइब्रिड)		200 बल्ब प्रति फसल चक्र। आपूर्ति की गई रोपण सामग्री समान आकार की होनी चाहिए (ओरिएंटल हाइब्रिड: 14-16 से.मी; एवं एशियाटिक, LA, OT हाइब्रिड : 12-14 से.मी.)					
194	जैस्मीन (*जैस्मीनम प्रजा.*)	22/03/2024	6 माह पुराने 20 पूर्ण जड़युक्त पादप					
195	अश्वगंधा (*विथेनिया सोम्निफेरा* (एल.) डनल)		60 ग्रा.	70%	8-9%	98%		
196	ओलिव (*ओलिया यूरोपिया* एल.)		वृक्षों की जड़ों पर वृक्ष के रूप में जैतून के 15 पादप (एक वर्ष पुराने) या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट रूटस्टॉक पर कलम लगाए गए एक वर्ष पुराने वृक्ष					
197	एन्थूरियम (*एन्थूरियम एंड्रियानम*)		(क) गमले में उगाने के लिए पौधा किस्में: 300 युवा पौधे (प्रत्येक केंद्र के लिए 150)। (ख) कट फ्लावर के लिए किस्में: 300 युवा पौधे (प्रत्येक केंद्र के लिए 150)।					

3.3 क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, मशोबरा; डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, मशोबरा, शिमला

"शीतोष्ण फल फसलों के क्षेत्र जीन बैंक की स्थापना" नामक परियोजना डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, मशोबरा, शिमला में क्रियान्वित की जा रही है, जिसमें निम्न अधिदेशित फसलें है: सेब, नाशपाती और चेरी।

आर.एच.आर. एवं टी.एस., मशोबरा में क्षेत्र जीन बैंक में विभिन्न लक्षणों के लिए सेब और चेरी किस्मों का लक्षणवर्णन:

- 2023 में, 28 सेब किस्मों को उनकी आकारिकी और फलन विशेषताओं का पता लगाने के लिए लक्षणवर्णित किया गया, जबकि 30 चेरी किस्मों को उनकी वानस्पातिक, पुष्पीय और फल विशेषताओं का पता लगाने के लिए लक्षणवर्णित किया गया।
- यह पाया गया कि पादप की ऊंचाई और तने की परिधि 1.10 मी. (रॉयल रेड हनी क्रिस्प) से 2.14 मी. (क्रिमसन क्रिस्प) और 4.7 से.मी. (रेड हनी क्रिस्प) से 8.67 से.मी. (एज़्टेक फुजी) के बीच थी। किस्म ई-डब्ल्यू में पेड़ का फैलाव 0.33 मी. (रेड हनी क्रिस्प) और 1.08 मी. (गेल गाला ग्राफ्टेड) के बीच था।
- जबकि, किस्म एन-एस में पेड़ का फैलाव 0.30 मी. (रेड हनी क्रिस्प) और 1.09 मी. (गेल गाला) के बीच था।

- एज़्टेक फुजी में पुष्पण सबसे पहले 22 मार्च को हुआ और क्रिमसन क्रिस्प में 1 अप्रैल को देरी से हुआ। एज़्टेक फुजी में आखिरी पुष्पण 30 मार्च को और क्रिमसन क्रिस्प में 6 अप्रैल को हुआ। स्कार्लेट स्पर-II (29 मार्च) में सबसे पहले पूर्ण पुष्पण दर्ज किया गया जबकि क्रिमसन क्रिस्प में अंतिम पुष्पण 3 अप्रैल को हुआ।
- सेब में, पत्ती की लंबाई 6.04 से.मी. से 9.52 से.मी. और पत्ती की चौड़ाई 3.46 से.मी. से 5.16 से.मी. के बीच थी। पत्ती का क्षेत्रफल अधिकतम (33.40 वर्ग से.मी.) बैजेंट गाला में और न्यूनतम (15.64 वर्ग से.मी.) क्रिमसन क्रिस्प में दर्ज किया गया। विभिन्न किस्मों में पत्ती के कौने अर्थात मार्जिन क्रेनेट-बिसरेट से लेकर सेरेट टाइप-II और सेरेट टाइप-I के बीच थे। स्कार्लेट स्पर-II में डंठल की लंबाई अधिकतम (3.70 से.मी.) और गेल गाला में न्यूनतम (1.84 से.मी.) पाई गई। छह किस्मों में पत्ती का रंग मध्यम हरा और शेष किस्मों में गहरा हरा था।
- एज़्टेक फुजी में फूल का रंग सफ़ेद था, जबकि बाकी किस्मों में गुलाबी था। सभी किस्मों में कांटे थे। पंखुड़ियों की स्थिति पूर्ण रूप से खिली हुई (क्रिमसन क्रिस्प, गेल गाला), मध्यम खुली हुई (एज़्टेक फुजी, वैली स्पर, सन फुजी) और अतिव्याप्त खुली (स्कारलेट स्पर- II, श्लेक्ट स्पर) थी।

प्लेट 1: पत्ती और पुष्प के लक्षणों के लिए सेब की किस्मों का लक्षणवर्णन

	
एज्टेक फुजी	बैजेंट गाला
	
क्रिमसन क्रिस्प	गेल गाला
	
सेप्टेम्बर वॉन्डर	स्कारलेट स्पर-II

	
एज्टेक फुजी	बैजेंट गाला
	
क्रिमशन क्रिस्प	गाले गाला
	
सेप्टेम्बर वॉन्डर	श्लेक्ट स्पर III
	
वैली स्पर	
	
सिल्वर स्पर	
	
रेड डिलिसियस	



किंग रोट



अर्ली रेड वन



ग्रैनी स्मिथ



जोनागोल्ड



फुलफोर्ड गाला



बुकये गाला



स्पर्टन



ऑविल अर्ली फुजी



सन फुजी

प्लेट 2: सेब की किस्मों के फलों का लक्षणवर्णन: फलों की लंबाई और चौड़ाई 56.75 मि.मी. (बैजेंट गाला) से 71.69 मि.मी. (स्कारलेट स्पर- II) और 69.13 मि.मी. (बैजेंट गाला) से 80.07 मि.मी. (स्कारलेट स्पर- II) के बीच थी। स्कारलेट स्पर-II और एज़्टेक फुजी में फलों का आकार बेलनाकार था, बैजेंट गाला, श्लेक्ट स्पर में शंकुकार, सन फुजी, फुजी किकू और फुजी राकू राकू में गोलाकार था। बुकेये गाला में फलों का ठोसपन सबसे अधिक (7.72 किग्रा/ वर्ग से.मी.) और श्लेक्ट स्पर में सबसे कम (5.75 किग्रा प्रति वर्ग से.मी.) था। टीएसएस तत्व सन फुजी और स्कार्लेट स्पर-II में 12.82°B, फुलफोर्ड गाला में 11.88°B, बुकेये गाला में 11.86°B, सिल्वर स्पर में 10.53°B और वैली स्पर में 10.2°B था।



वैली स्पर



सन फुजी



सिल्वर स्पर



फुजी किकू



किंग रोट



फुजी राकु राकु





स्पर्टन	बुकये गाला
	
श्लेक्ट स्पर	फुलफोर्ड
	
एज्टेक फुजी	
 	
बैजेंट गाला	
 	
स्कारलेट स्पर-II	

प्लेट 3: पत्ती, फूल और फल के लक्षणों के लिए चेरी किस्मों का लक्षणवर्णन: चेरी में, पत्ती की लंबाई और चौड़ाई क्रमशः 9.82-13.16 से.मी. और 5.10-5.74 से.मी. के बीच थी। तीन किस्मों में पत्ती का आकार ओबोवेट था और शेष किस्मों में लेन्सियोलेट था। सभी किस्मों में नेक्टेराइन थे और नेक्टेराइन का रंग एक किस्म में हल्के लाल से लेकर बाकी किस्मों में बैंगनी था।

		
बेंटन		





चेलन





रेजिना




बेंटन




चेलन




रेजिना	
	
बेंटन	
	
चेलन	
	
रेजिना	

विभिन्न चेरी किस्मों में फलों का वजन, लंबाई और चौड़ाई क्रमशः 4.78-7.71 ग्रा., 18.24-22.31 मि.मी. और 21.43-24.33 ग्रा. के बीच था। रेजिना में फलों का आकार हृदयाकार और शेष किस्मों में रेनिफ़ॉर्म था। डंठल की लंबाई और मोटाई 25.60 मि.मी. (बेंटन) से 48.39 मि.मी. (रेजिना) और 0.74 मि.मी. (चेलन) से 1.50 मि.मी. (रेजिना) के बीच थी। टीएसएस तत्व बेंटन में सबसे अधिक (17.7 डिग्री सेल्सियस) और रेजिना में सबसे कम (15.34 डिग्री सेल्सियस) दर्ज किया गया। अम्लता, कुल शर्करा और अपचायक शर्करा क्रमशः 0.37-0.47%, 10.85-13.19% और 4.25-5.73% के बीच थी।

अनुरक्षण के तहत किस्में /लक्षणवर्णित:

i) सेब की किस्मों का फल लक्षणवर्णन

एज़्टेक फुजी	वैली स्पर	फुजी राकू	रेड वेलोक्स
स्कारलेट स्पर- II	सिल्वर स्पर	बुकये गाला	स्कारलेट गाला
बैजेट गाला	किंग रोट	फुलफ़ोर्ड गाला	सन फुजी
सितंबर वॉन्डर	स्पर्टन	अर्ली रेड वन	सुपर चीफ़
क्रिमसन क्रिस्प	श्लेक्ट स्पर	ग्रैनी स्मिथ	वैगनर

गेल गाला (मलागा)	सन फुजी	ओरेगन स्पर II	वाइनसेप वर्जीनिया
रेड रॉयल हनी क्रिस्प	फुजी किकू	रेड चीफ	विंटर बनाना

ii) चेरी किस्मों के फलों का लक्षणवर्णन

रेजिना	ट्रायम्फ डोमिनी	वैन
लैपिन्स	बिंग	बेडफोर्ड प्रोलिफिक
चेलन	कोरल शैम्पेन	लैपिन्स
Cith -3	स्वीट हार्ट	CITH-15
बेंटन	ग्लोरी	बिगरेरू नेपोलियन
ब्लैक हार्ट	सनबर्स्ट	डेस्ना
लैम्बर्ट	रेड हार्ट	बिगरेरू नॉयर ग्रोसा
फ़ोया ट्रैविडा	CITH-12	जर्मर्सडोफर
ड्यूरोन नीरो-III	स्टेला	नोइर डी गुबेन
प्रारंभिक नदी	वेगा	व्हाइट हार्ट

पीपीवी और एफआरए पर प्रकाशन और अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ: डांगी जी, सिंह डी, चौहान एन, डोगरा आर के., वर्मा पी एवं चौहान ए. 2024. इवेलुवेटिंग जेनेटिक डायवर्सिटी ऑफ मोर्फोफिजियोलॉजीकल ट्रेट्स इन स्वीट चेरी (*प्रुनस एवियम* एल.) कल्टीवर्स यूजिंग मल्टीवेरिएट एनालिसिस। *जेनेटिक रिसोर्सिस एंड क्रॉप इवोलुशन,* 11:1-36.

3.4 डॉ. बी. एस. कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, महाराष्ट्र

परियोजना शीर्षक *'लाइव रिपोजिटरी के माध्यम से फल और रोपण फसलों और तीन मसालों के विवर्णकों का संग्रह, अनुरक्षण, मूल्यांकन और विकास'* को डॉ. बी.ए स. कोंकण कृषि विद्यापीठ दापोली में क्रियान्वित किया जा रहा है।

- आम की नई 50 किस्मों का लक्षणवर्णन पूरा हो चुका है।
- परीक्षण भूखंडों में मानसून-पूर्व कृषि कार्य और रखरखाव।
- खाद का प्रयोग, वार्षिक फसलों, जैसे कि हल्दी, अदरक की रोपण सामग्री तैयार करना और रोपाई करना, पादप संरक्षण उपाय।
- स्थानीय आम, केला और हल्दी किस्मों के संग्रहण के लिए सर्वेक्षण।
- किसानों से स्थानीय धान किस्मों का संग्रहण।
- माननीय कुलपति, डॉ. बी. एस. के.के.वी., दापोली के माध्यम से किसानों की किस्मों के पंजीकरण प्रमाण पत्र वितरित किए गए (किसान का नाम 1. श्री संजीव प्रभाकर समेल 2. श्री दत्ताराम तुकाराम येलमकर 3. श्री दयानंद बाबाजी चौगुले)।

पीपीवी एवं एफआरए परियोजना के तहत पंजीकरण के लिए किसानों की किस्मों का सर्वेक्षण एवं संग्रहण:

क्र.सं.	किसान/ अनुसंधान केंद्र का नाम	फसल	टिप्पणियां
1	श्री उदय जोशी	केला	लाल केला की पहचान की गई
2	श्री उदय जोशी	आम (स्थानीय) रायवाल	पहचान की गई
3	श्री मनोज केलकर	आम (स्थानीय) रायवाल	पहचान की गई
4	श्री आनंद कोलवंकर, अंबदास, चिपलून, रत्नागिरी	केला	पहचान की गई
5	अनुसंधान केंद्र, अवशी	केला	सब्जी प्रयोजनार्थ पहचान की गई
6	श्री अमित सरदेसाई, लांजा	4 स्थानीय (रायवाल) आम	पहचान की गई
7	प्रभुदेसाई नर्सरी	कटहल (अनिल कापा)	पहचान की गई
8	श्री नौशाद चिक्तव अनहवरे, दापोली	आम (रायवाल)	अचार के लिए पहचान की गई
9	श्री सतीश देसाई एवं अन्य किसान	धान	8 किसानों की पहचान की गई जिनकी किस्मों का पंजीकरण पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली में प्रक्रियाधीन है
10	आरएफआरएस वेंगुर्ले	जामुन	स्थानीय जामुन प्रजातियों की पहचान की गई

अनुरक्षण के तहत किस्मों की सूची/लक्षणवर्णित: आम: 33 (किस्में 20, किसानों की किस्में 13, कुल इकोटाइप 60), हल्दी: 44 किस्में (37 किस्में + 7 नए संग्रहित), सिट्रस: 3 प्रजातियाँ, कचई नींबू: 1, काली मिर्च: 15 (नए संग्रहित 9), केला: 50 (41 + नए संग्रहित 9), जायफल: 3 किसानों की किस्में, किसानों का जर्मप्लाज्म: 125.

फील्ड जीन बैंक में पंजीकरण के लिए नामांकित किस्में:

क्र.सं.	प्रजातियों का नाम	नामांकित नाम	नामांकित जर्मप्लाज्म की सं.	स्रोत
1.	नारियल	कोंकण भात्ये नारियल हाइब्रिड-1	30 नट	क्षेत्रीय नारियल अनुसंधान केंद्र, भात्ये, रत्नागिरी
नारियल (कोंकण भात्ये नारियल हाइब्रिड-1) के 30 पादपों में से, 7 पादपों में फूल खिलना और फल आना शुरु हो गया है।				

पीपीवी और एफआरए पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित: पीपीवी और एफआरए के पास पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दापोली के बागवानी महाविद्यालय में आम उत्पादन प्रौद्योगिकी और पुराने बागों के पुनरुद्धार पर आयोजित तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किसानों को दी गई।

4: डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास और जीन बैंकों की स्थापना पर परियोजनाएँ

डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास पर परियोजनाएँ

प्राधिकरण ने विभिन्न संस्थानों की पहचान की है और प्राधिकरण के पंजीकरण क्षेत्र को बढ़ाने के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास के लिए दो/तीन वर्ष की परियोजनाएँ आवंटित की हैं। प्रतिवेदित अवधि के दौरान 1.एलेन्थस, 2. लेमन ग्रास, 3. डहलिया, 4. ब्रोकली, 5. करी पत्ता, 6. तौरी, 7. संरक्षित स्थिति में मिर्च, शिमला मिर्च और पपरिका, 7. हिबिस्कस, 8. रामतिल, 9. सपोता, 10. हरी पत्तेदार यानी वेजिटेबल केल, 11. चौलाय, 12. ब्राउन टॉप मिलेट, 13. जंगली गोभी (नोल-खोल), 14. कश्मीरी प्याज (प्राण), 15. शलजम, 16. बाम्बारा मूंगफली, 17. डेफोडिल्स, 18. ट्यूलिप, 19. आइरिस प्रजाति जैसी कुल 19 फसलें डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के निर्धारण के विभिन्न चरणों में हैं।

4.1. चालू परियोजनाएं

4.1.1. रुचिरा अथवा एवोकेडो (पर्सिया अमेरिकाना मिल) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास

यह परियोजना एवोकेडो (*पर्सिया अमेरिकेना* मिल) के लिए "डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास" हेतु भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक में वित्तीय वर्ष 2022-23 (दिसंबर, 2022 का महीना) के दौरान दिसंबर, 2024 तक के लिए शुरु की गई थी। रुचिरा अथवा एवोकेडो पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास के लिए, इस केंद्र ने पश्चिमी घाटों (कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु) के विभिन्न स्थानों से उत्कृष्ट एवोकैडो जर्मप्लाज्म एकत्र किया और उनका दस्तावेजीकरण किया तथा भाकृअनुप-आईआईएचआर, चेट्टल्ली में स्थित केंद्रीय बागवानी परीक्षण केंद्र में 5 अलग-अलग ब्लॉकों में अनुरक्षित किया जा रहा है। आकारिकीय लक्षणों, पुष्पण और फलन लक्षणों/विशेषकों के लिए डीयूएस लक्षणवर्णन किया गया। सीएचईएस, चेट्टल्ली में अनुरक्षित 168 वंशावलियों (एक्सेशन्स) में डीयूएस लक्षणों के लिए जर्मप्लाज्म संग्रहों का मूल्यांकन और लक्षणवर्णन किया गया। 19 लक्षणों के लिए डीयूएस परीक्षण के विकास के लिए एवोकैडो के कुल 10 उत्कृष्ट रूपों और 9 संदर्भ किस्मों की पहचान की गई। एवोकाडो विशिष्ट किस्मों में, अर्का सुप्रीम ने फैलाव संव्यवहार, हरे प्ररोह की और पुष्पाक्ष पर रंग, टाइप ए वाले पुष्प, चपटा फल आकार, फल का गोल ऐपेक्स, बैंगनी रंग की त्वचा, मक्खन जैसा गूदा और गूदे में कम कड़वाहट प्रदर्शित की। महत्वपूर्ण लक्षणों के लिए कुल 19 एवोकाडो वंशावलियों का मूल्यांकन किया गया।



4.1.2. ड्रैगन फ्रूट (*हाइलोसेरियस प्रजा.*) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास



यह परियोजना "ड्रैगन फ्रूट (*हाइलोसेरियस* प्रजा.) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास" हेतु भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक में वित्तीय वर्ष 2022-23 (दिसंबर, 2022 का महीना) के दौरान दिसंबर, 2024 तक के लिए शुरु की गई थी। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास के लिए केंद्र ने ड्रैगन फ्रूट वंशावलियां एकत्र कीं और भाकृअनुप-आईआईएचआर-सीएचईएस, हायरहेल्ली, तुमकुरु में अनुरक्षित कीं, जहां 29 विदेशी संग्रहण और 26 द्वितीयक संग्रहण हैं। इन एकत्र किए गए संग्रहणों की आनुवंशिक विविधता का

पता लगाने के लिए, *हाइलोसेरियस* प्रजा. के जर्मप्लाज्म अथवा जननद्रव्य में लक्षणवर्णन किया गया। मौजूदा जर्मप्लाज्म में नियमित अंतराल पर प्रेक्षण दर्ज किए गए। कुल 13 संदर्भ किस्मों/अद्वितीय किस्मों की पहचान की गई और 18 अलग- अलग लक्षणों के लिए उनका परीक्षण किया गया। डीयूएस दिशा-निर्देश विकसित करने के लिए आकारिकी, पुष्पण और फलन लक्षणों में भिन्नता दर्ज की गई। मैक्सिकन गोल्ड, थाईलैंड रेड, थाईलैंड व्हाइट, थाई, एलिस व्हाइट आदि संदर्भ किस्में हैं जिन्हें डीयूएस परीक्षण के लिए विचार में रखा जाता है। मूल्यांकन किए गए ड्रैगन फ्रूट की अनूठी किस्मों में, थाईलैंड रेड में कम आर्च ऊंचाई, सपाट मार्जिन पसलियाँ, आयताकार कली का आकार, मध्यम छिलका मोटाई और लाल गूदा रंग दिखाई दिया। ड्रैगन फ्रूट पर डीयूएस दिशा-निर्देशों के विकास के लिए सभी आकारिकी और प्रजनन लक्षण दर्ज किए गए।

4.1.3. एडेनियम के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास



यह परियोजना "एडेनियम के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए एएसपीईई कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, एनएयू, नवसारी में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। डीयूएस परियोजना की स्थापना के बाद एडेनियम के 64 जर्मप्लाज्म एकत्र किए गए तथा एकरूपता का पता लगाने के लिए उनकी नए सिरे से कलमें स्थापित की गईं और उन्हें छंटाई तथा पोषण प्रबंधन जैसी नियमित कृषि प्रथाओं के साथ पॉलीहाउस के तहत अनुरक्षित किया गया है। 2 से 3 महीने बाद पुष्प खिलने लगेंगे। एडेनियम पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास के लिए विभिन्न जर्मप्लाज्मों में भिन्न आकारिकी विशेषताओं का अध्ययन किया जा रहा है तथा प्रेक्षण रिकॉर्ड किए जा रहे हैं।

4.1.4. एलस्ट्रोमेरिया के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास

यह परियोजना "एलस्ट्रोमेरिया के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। परियोजना की स्थापना के बाद केंद्र ने एलस्ट्रोमेरिया पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के आगे के विकास के लिए एलस्ट्रोमेरिया की आकारिकी विशेषताओं के लिए विवर्णकों अथवा डिस्क्रिप्टर्स की पहचान करने के लिए जर्मप्लाज्म का संग्रह करना शुरु कर दिया है।

4.1.5. ओसीमम एसपीपी के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास



यह परियोजना "*ओसीमम प्रजा.* के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए दो स्थानों यानी सीएसआईआर-सीआईएमएपी, लखनऊ और भाकृअनुप-डीएमएपीआर, आनंद, गुजरात में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। परियोजना की स्थापना के बाद परीक्षण अनुसंधान फार्म में काम चल रहा है। वर्तमान कार्य के लिए परीक्षणात्मक सामग्री में कुल 14 विमोचित किस्में शामिल हैं। इन किस्मों के आधार पर, प्रेक्षणों को *ओसीमम प्रजा.* पर डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास के लिए सीआईएमएपी, लखनऊ में *ओसिमम* के 30 आकारिकीय लक्षणों हेतु दर्ज किया जाएगा।

4.1.6 खेजड़ी के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास

यह परियोजना "खेजड़ी के लिए डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों का विकास" के लिए भाकृअनुप-सीआईएएच, बीकानेर में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। परीक्षण कार्य चल रहा है, खेजड़ी जर्मप्लाज्म ब्लॉक की निगरानी की जा रही है और अच्छी खेती प्रथाओं की शुरुआत के लिए रखरखाव योजना तैयार की



जा रही है। प्राथमिक दस्तावेजीकरण के आधार पर, 25 खेजड़ी जीनप्ररूपों (जीनोटाइप) को आकारिकी लक्षणवर्णन के लिए चिह्नित किया गया है। लक्षणवर्णन और डीयूएस दिशानिर्देश विकसित करने के लिए पत्ती, पुष्पक्रम, पुष्पों, फलियों, बीज और पादप बढ़वार संव्यवहारों के संबंध में प्राचलों (पैरामीटर्स) की एक विस्तृत श्रृंखला की पहचान की गई। पुष्पण अवधि (मार्च-अप्रैल) के दौरान, पुष्पक्रम का उद्भव, पूर्ण-पुष्पण/ब्लूम, पुष्पक्रम की लंबाई, प्रति पुष्पक्रम स्पाइक की संख्या, प्रति कली/स्पाइक पुष्प संख्या और स्पाइक की लंबाई चिन्हित खेजड़ी जीनप्ररूपों में दर्ज की गई। खेजड़ी जीनप्ररूपों में लक्षित प्राचलों की दृष्टि से काफी विचलन प्रेक्षित एवं दर्ज किए गए। फली स्थापन और विकास के दौरान मौसम में अनियमितताओं के कारण फली आकारिकी प्राचल दर्ज नहीं किए जा सके। खेजड़ी के पौधों की छंटाई जून महीने में की गई और नए वानस्पतिक विकास के साथ प्रेक्षण रिकॉर्डिंग शुरु की गई। नए अंकुरों (छंटाई के बाद) में दो अलग-अलग रंग यानी बैंगनी और हरा पाया गया।

4.1.7. कीवीफ्रूट के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास

यह परियोजना "कीवीफ्रूट के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। परीक्षण कार्य चल रहा है और फल विज्ञान विभाग, डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश के कीवीफ्रूट जर्मप्लाज्म ब्लॉक में परीक्षण लताओं (वाइन्स) के रूप में 50 पौधों (जीनोटाइप) को चिह्नित किया गया है। कीवीफ्रूट की लताओं की जनवरी के महीने में मानक कृषि प्रबंधन विधियों, जैसे कि छंटाई, मल्चिंग, उर्वरीकरण और सिंचाई की गई। उपलब्ध जर्मप्लाज्म में एक्टिनिडिया चिनेंसिस के 33 जीनोटाइप (जिन्हें परमार सिलेक्शन 1-33 (PS 1-33) का नाम दिया गया है), 7 एक्टिनिडिया डेलिसियोसा किस्में, यानी एलिसन (F), एबॉट, हेवर्ड, ब्रूनो, मोंटी, एलिसन (M) और टॉमौरी (M) तथा एक्टिनिडिया आर्गुटा नामक 10 विदेशी किस्में, यानी रेड ब्यूटी, आर्कटिक ब्यूटी, चुंग बाई, इसाई, कॉर्डिफोलिया, अन्ना, 74-49 (M), मीडर (M), केंस रेड और MSU कीवी सन्निहित हैं। जर्मप्लाज्म ब्लॉक के प्रवेश द्वार पर परियोजना का शीर्षक, वित्तपोषण एजेंसी और परियोजना की अवधि को दर्शाते हुए साइन बोर्ड लगाया गया। इसके अलावा, उसी स्थान पर 2 और कीवी फल के बागों को भी समय-समय पर डीयूएस लक्षणवर्णन करने के लिए चिह्नित किया गया। चयन के बाद, अध्ययन के तहत प्रत्येक चुने गए जीनोटाइप के संदर्भ में कली-खिलने की तिथि, पत्ती स्थापन और पुष्पण की शुरुआत की तिथि के आंकड़े दर्ज किए गए।





4.1.8. मखाना के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास

यह परियोजना "मखाना के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए बागवानी विभाग, बीपीएस कृषि महाविद्यालय, पूर्णिया, बिहार में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। परियोजना की स्थापना के बाद केंद्र ने मखाना पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के आगे के विकास के लिए मखाना की आकारिकी लक्षणों के लिए विवर्णकों (डिस्क्रिप्टर्स) की पहचान के लिए सामक्रियों का संग्रह करना शुरु कर दिया है।

4.1.9. महुआ के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास



यह परियोजना "महुआ के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए भाकृअनुप-सीआईएएच, अनुसंधान केंद्र, सीएचईएस, गोधरा, वेजलपुर, पंचमहल, गुजरात में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। महुआ के जर्मप्लाज्म ब्लॉक परीक्षण फार्म में रोपित सामग्रियों के संग्रहण से लेकर महुआ पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के आगे के विकास के लिए आकारिकी लक्षणों हेतु विवर्णकों की पहचान तक का कार्य किया जा रहा है।



में

4.1.10. ग्रीष्मकालीन स्क्वैश के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास



इस परियोजना को "ग्रीष्मकालीन स्क्वैश के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए दो स्थानों यानी भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली और भाकृअनुप-आईआईएचआर, बैंगलोर में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु किया गया था। कार्य चल रहा है। ग्रीष्मकालीन स्क्वैश के 40 वंशावलियों का मूल्यांकन किया गया और उनकी बढ़वार, पुष्पण, फल और बीज लक्षणों के लिए डीयूएस विवर्णकों का प्रयोग करके उनका लक्षणवर्णन किया गया। ग्रीष्मकालीन स्क्वैश पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के आगे के विकास के लिए पत्ती लंबाई (14.6-26.5 से.मी.), डंठल की लंबाई (19.2-32.2 से.मी.), 50% तक पुष्पण (37.05 से 42.12 दिन), फल की लंबाई (12.3-42.6 से.मी.), फल की परिधि (25.3-46.5 से.मी.), औसत फल वजन (0.206-1.928 कि.ग्रा.) और बीज वजन (10.03 से 100.01 ग्राम/फल) के संदर्भ में इन वंशावलियों में व्यापक भिन्नता देखी गई।

4.1.11. पलीमायरा के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास

यह परियोजना "पलीमायरा के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए एचसीआरआई, टीएनएयू, कोयंबटूर में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। डीयूएस परियोजना की स्थापना के बाद, वर्तमान में पलीमायरा जीनोटाइप की आकारिकी विशेषताओं के लिए डीयूएस विवर्णकों की पहचान की जाएगी, ताकि पलीमायरा पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों को आगे विकसित किया जा सके।

4.1.12. करौंदा के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास

यह परियोजना "करौंदा के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास" के लिए भाकृअनुप-सीआईएसएच, लखनऊ में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। कार्य चल रहा है। नए जीनप्ररूपों के लिए लुधियाना (पंजाब), उधमसिंह नगर (उत्तराखंड) और अयोध्या (उ.प्र.) में अन्वेषण किया गया। उ.प्र. के अयोध्या जिले से एक जर्मप्लाज्म एकत्र किया गया है। संस्थान के फील्ड जीन बैंक (एफजीबी) में करौंदा के 12 जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन किया जा रहा है। करौंदा पर डीयूएस परीक्षण दिशा- निर्देशों के आगे के विकास के लिए एफजीबी में उपलब्ध जीनोटाइप के फलों और पत्तियों की विशेषताओं का लक्षणवर्णन किया जा रहा है।



4.1.13. क्विनोआ प्रजाति के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास [चेनोपोडियम एल्बम, सी. क्विनोआ और चेनोपोडियम क्विनोआ (वन्य)]

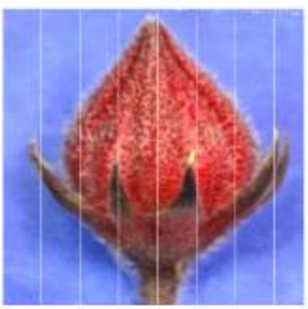
यह परियोजना क्विनोआ प्रजाति *[चेनोपोडियम एल्बम, सी. क्विनोआ]* और यूएएस, जीकेवीके, बैंगलोर में क्विनोआ प्रजाति [(*चेनोपोडियम क्विनोआ* (वन्य)] के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास के लिए दो स्थानों पर वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी, यानी भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, अनुसंधान केंद्र, शिमला। परियोजना की स्थापना के बाद केंद्र ने क्विनोआ पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के आगे के विकास के लिए क्विनोआ की आकारिकी विशेषताओं के लिए विवर्णकों की पहचान हेतु जर्मप्लाज्म का संग्रह करना शुरु कर दिया है।

4.1.14. 'मेस्टा (केनाफ - *हिबिस्कस कैनाबिनस* एल. और रोसेल - *एच. सब्दारिफा* एल) के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास', भाकृअनुप-क्रिजाफ और एआरएस, अमदालवलासा

परियोजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

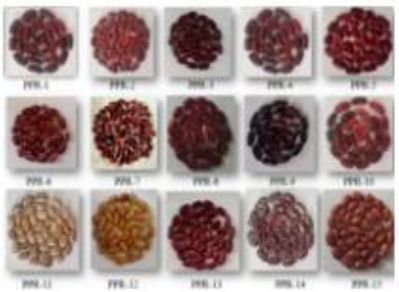
- केनाफ और रोसेल में डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देश विकसित करना।
- डीयूएस की जांच के लिए उपयुक्त लक्षणों की पहचान करना।
- सभी उपलब्ध किस्मों के सामंजस्यपूर्ण विवर्णक तैयार करना।
- सभी संदर्भ किस्मों के डीयूएस लक्षणों को डिजिटल बनाना।

डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों का विकास, संदर्भ और एग्जाम्पल किस्मों का लक्षणवर्णन और अनुरक्षण प्रजनन: पूरे फसल उगाने के मौसम के दौरान, कुल 31 लक्षणों (हाइपोकोटाइल रंजकता, बीजपत्रीय पत्ती मार्जिन का रंग, बीजपत्रीय पत्ती कॉलर की रंजकता, पत्ती लोबिंग का पैटर्न, पत्ती के शिरा का रंग, पत्ती के डंठल की रंजकता, पत्ती के कॉलर कर रंग, पत्ती रोमिलता, पत्ती की लंबाई चौड़ाई का अनुपात, पत्ती के ब्लेड का कोण, स्टिप्यूल का रंग, तने का रंग, तने की रोमिलता, तने पर रीढ़ की उपस्थिति, तने की शाखाओं का संव्यवहार, पौधे की ऊंचाई, 50% तक पुष्पण होने तक दिवस, रेशे की मजबूती, रेशे की उत्कृष्टता, पुष्प की कली का रंग, पुष्प की पंखुड़ी का रंग, पुष्प की आंख क्षेत्र का रंग, पुष्प की आंख क्षेत्र का विस्तार, पुष्प के वर्तिकाग्र अथवा स्टिग्मा का रंग, फल का रंग, बाह्यदलपुंज की लंबाई, फल की रोमिलता, कैप्सूल का खुलना, बीज का आकार, बीज आवरण का रंग, हजार बीजों का वजन) को रिकॉर्ड किया गया। अध्ययन किए गए इन लक्षणों में से 22 लक्षणों (हाइपोकोटाइल की रंजकता, पत्ती के लोबिंग का पैटर्न, पत्ती की नस का रंग, पत्ती के डंठल की रंजकता, पत्ती के कॉलर की रंजकता, पत्ती की रोमिलता, तने पर रीढ़ की उपस्थिति, तना शाखन संव्यवहार, पौधे की ऊंचाई, रेशे की मजबूती, रेशे की उत्कृष्टता, पुष्प की पंखुड़ी का रंग, पुष्प की आंख के क्षेत्र का रंग, पुष्प के वर्तिकाग्र अथवा स्टिग्मा का रंग, फल का रंग, फल की रोमिलता, कैलिक्स की लंबाई, बीज आवरण का रंग, हजार बीजों का वजन) को गत वर्षों के दौरान दोनों स्थानों पर व्यंजकता की दृष्टि से स्थिर और एक समान पाया गया। इन 22 लक्षणों पर विचार करते हुए प्रारूप डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश तैयार किए गए और 18.12.2024 को आयोजित टास्कफोर्स समिति की बैठक के समक्ष प्रस्तुत किए गए। टास्कफोर्स समिति के सदस्यों से प्राप्त सभी सुझावों को समावेशित कर डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया गया और पीपीवीएफआर प्राधिकरण को विचार हेतु प्रस्तुत किया गया। सभी किस्मों/वंशक्रमों को आगामी मौसम में बुवाई के लिए बहुगुणित किया गया। केंद्र केनाफ (18 किस्में) और रोसेल (20 किस्में) में संदर्भ/एग्जाम्पल किस्मों का रखरखाव कर रहे हैं।



किसानों की किस्मों के लक्षणवर्णन के लिए चल रही परियोजनाएँ

4.1.15. मध्य प्रदेश के जैव-विविधता समृद्ध आउटरीच क्षेत्रों में प्रचलित किसानों की किस्मों की खोज, लक्षणवर्णन, परिष्करण और पंजीकरण



यह परियोजना "कश्मीर घाटी से विशिष्ट राजमा स्थानीय प्रजातियों और किसानों की किस्मों के परिष्करण और पंजीकरण" हेतु डीएआरएस, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, रंगरेथ, श्रीनगर में 18 महीने के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान शुरु की गई थी। परियोजना की समयावधि 31 मार्च, 2024 तक है। इस केंद्र ने किसानों की किस्मों की 17 स्थानीय प्रजातियों पर अध्ययन किया है। किसानों की छह राजमा किस्में (PPR-4, PPR-5, PPR-6, PPR-13, PPR-16 और PPR-17) पीपीवीएफआरए में पंजीकरण के लिए प्राप्त हुई हैं।

4.1.16. मध्य प्रदेश के जैव-विविधता समृद्ध आउटरीच क्षेत्रों में प्रचलित किसान किस्मों की खोज, लक्षणवर्णन, परिष्करण और पंजीकरण

यह परियोजना "मध्य प्रदेश के जैव-विविधता समृद्ध आउटरीच क्षेत्रों में प्रचलित किसान किस्मों की खोज, लक्षणवर्णन, परिष्करण और पंजीकरण" के लिए जेएनकेवीवी, जबलपुर में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य मध्य प्रदेश के आदिवासी जिलों से किसान किस्मों का संग्रह करना है। उसके बाद, संग्रह की गई किसान किस्मों का लक्षणवर्णन और परिष्करण किया जाएगा। इस परियोजना के परिणामस्वरूप जेएनकेवीवी, जबलपुर द्वारा किसानों की किस्मों को संग्रह करके उनका संरक्षण होगा।

4.1.17. हिमाचल प्रदेश के उच्च ऊंचाई, शुष्क और आर्द्र शीतोष्ण क्षेत्र से जौ (*होर्डियम वल्गेर* एल.) उत्पादक किसानों की किस्मों का लक्षणवर्णन, परिष्करण और पंजीकरण

यह परियोजना "हिमाचल प्रदेश के उच्च ऊंचाई, शुष्क और आर्द्र शीतोष्ण क्षेत्र से जौ (होर्डियम वल्गेर एल.) उत्पादक किसानों की किस्मों का लक्षणवर्णन, परिष्करण और पंजीकरण" के लिए सीएसकेएचपीकेवी, आरडब्ल्यूआरसी, मालन, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के उच्च ऊंचाई, शुष्क और आर्द्र शीतोष्ण क्षेत्र से किसानों की किस्मों का संग्रह करना है। उसके बाद एकत्र की गई किसान किस्मों का लक्षणवर्णन और परिष्करण किया जाएगा। इस परियोजना के परिणामस्वरूप जौ की एकत्र की गई किस्मों के पंजीकरण के माध्यम से इन किसानों की किस्मों का संरक्षण होगा।

4.1.18. किसानों की अंगूर किस्मों का लक्षणवर्णन और पीपीवीएफआरए, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे के पास पंजीकरण हेतु सुविधा प्रदान करना

यह परियोजना "किसानों की अंगूर किस्मों के लक्षणवर्णन और पीपीवीएफआरए के पास पंजीकरण हेतु सुविधा प्रदान करना" के लिए अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य किसानों को सुविधा प्रदान करना और उनकी किस्मों को एकत्र करना है। उसके बाद एकत्र की गई किसानों की किस्मों का लक्षणवर्णन किया जाएगा और पीपीवीएफआरए के पास पंजीकृत किया जाएगा।

4.1.19. कश्मीर घाटी से आला विशिष्ट पपरिका स्थानीय प्रजातियों और किसानों की किस्मों का परिष्करण एवं पंजीकरण

यह परियोजना "कश्मीर घाटी से आला विशिष्ट पपरिका स्थानीय प्रजातियों और किसानों की किस्मों का परिष्करण और पंजीकरण" के लिए एसकेयूएएसटी-कश्मीर, श्रीनगर में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शुरु की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य घाटी के विभिन्न प्रांतों से किसानों की किस्मों का संग्रह करना है। अब तक भिन्न पारिस्थितिकियों से 10 स्थानीय प्रजातियाँ/FVs एकत्र की गई हैं। एकत्रित किए गए नमूने आकारिकी और विकास की दृष्टि से भिन्न हैं और इनमें विविध पाक विशेषताएं हैं। इन एकत्रित किस्मों का लक्षणवर्णन किया जाएगा तथा पीपीवीएफआरए के पास पंजीकृत किया जाएगा।

5: किसान से संबंधित गतिविधियाँ

5.1. किसानों के अधिकारों पर नई दिल्ली में पहली वैश्विक संगोष्ठी का आयोजन



शासी निकाय के नौवें सत्र के अनुरोध के जवाब में, खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि (आईटीपीजीआरएफए), एफएओ, रोम के सचिवालय ने किसानों के अधिकारों पर पहली वैश्विक संगोष्ठी आयोजित की। संगोष्ठी का उद्देश्य अनुभवों, नवोन्मेषी दृष्टिकोणों, प्रभावी नीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और अंतर्राष्ट्रीय संधि के अनुच्छेद 9 में निर्धारित किसानों के अधिकारों को लागू करने पर एक-दूसरे से सीखना था।

वैश्विक संगोष्ठी का आयोजन भारत सरकार द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए), नई दिल्ली के माध्यम से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप) और राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर) के साथ साझेदारी में 12 से 15 सितंबर 2023 तक भाकृअनुप कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।



वैश्विक संगोष्ठी के मुख्य आकर्षणों में, भारत के माननीय राष्ट्रपति की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति में उद्घाटन समारोह और *"भारतीय जीनोम संरक्षक एवं सामुदायिक पुरस्कार"* प्रदान करना शामिल था। भारत की माननीय राष्ट्रपति ने भारत में किसानों के अधिकारों पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संधि की सराहना की। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कि *"... सभ्यता की शुरुआत से ही हमारे किसान असली □ंजीनियर और वैज्ञानिक हैं। उन्होंने मानवता के लाभार्थ प्रकृति की ऊर्जा और उपहारों का दोहन किया है।"* उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय संधि के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि *"खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि, जिस पर 2001 में हस्ताक्षर किए गए थे, खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, उपयोग और प्रबंधन के लिए सदस्य देशों के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय समझौतों में से एक थी। पहली बार □सने खाद्य और कृषि के लिए दुनिया के पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, विनिमय और सतत उपयोग के माध्यम से खाद्य सुरक्षा की गारंटी देने की बात की।"* □सके अलावा, भारत की राष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की कि *"विश्व में अपनी तरह की यह पहली वैश्विक संगोष्ठी, विश्व बिरादरी को मानवता की आवश्यकता के अनुसार अपनी प्राथमिकताओं और कार्यक्रमों को संरेखित करने तथा किसानों के अधिकारों की पूर्ति के लिए एक साझा प्रतिबद्धता करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करती है"।* भारत के राष्ट्रपति ने छह भारतीय कृषक समुदायों और 20 भारतीय व्यक्तिगत किसानों को पुरस्कार प्रदान किए। □सके अलावा, पीपीवीएफआरए के नए कार्यालय, प्लांट अथॉरिटी भवन का उद्घाटन किया गया और □स अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि द्वारा "किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन करने हेतु पोर्टल" (पीएआरवी) का शुभारंभ किया गया, जो पौधा किस्म पंजीकरण के लिए आवेदन दाखिल करने की एक ऑनला□न प्रणाली है।





माननीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने संबोधन में, पीपीवीएफआर अधिनियम के प्रावधानों के माध्यम से किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। कृषि और किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री मनोज आहूजा ने वैश्विक संगोष्ठी के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी।





तकनीकी सत्रों को पाँच थीमेटिक सत्रों में संरचित किया गया था, जो प्रत्येक सत्र के अंत में खुली चर्चा के साथ किसानों के अधिकारों को लागू करने पर अनुभवों को साझा करने और एक-दूसरे से सीखने को बल देते हैं। ये पाँच थीमेटिक सत्र थे: i) अंतर्राष्ट्रीय संधि के अनुच्छेद 9 में उल्लिखित किसानों के अधिकारों को साकार करने के विकल्प, ii) किसानों के अधिकारों को साकार करने वाले समर्थनकारी कानूनी और अन्य उपाय, iii) किसानों के अधिकारों से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रियाएँ और अन्य मुद्दे, iv) अंतर्राष्ट्रीय संधि के अनुच्छेद 9 के कार्यान्वयन की स्थिति और v) किसानों के अधिकारों पर भविष्य की कार्ययोजना। तकनीकी सत्रों के अलावा, विशिष्ट विषयों पर संकेंद्रित चर्चाओं को बढ़ावा देने के लिए और किसानों के अधिकारों को साकार करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोणों के कार्यान्वयन में सुविधा प्रदान करने वाले विचारों को प्राप्त करने के साथ-साथ किसानों के अधिकारों पर भावी कार्य के लिए संभावित तत्वों का पता लगाने हेतु पैनल चर्चा और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। तीन विशेष सत्र थे : i) किसानों के अधिकारों पर दक्षिण-दक्षिण सहयोग, ii) किसान मंच, और iii) सामुदायिक बीज बैंक एवं मूल्य श्रृंखला।





□स कार्यक्रम में 50 से अधिक देशों के लगभग 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें नीति निर्माता, किसान और किसान संगठन, गैर-सरकारी संगठन, सिविल सोसायटी संगठन और अंतर-सरकारी संगठन तथा भारत के गणमान्य व्यक्ति, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान शामिल थे। वैश्विक संगोष्ठी ने प्रतिभागियों को भारत की फसल विविधता को देखने और भारतीय पादप जीनोम संरक्षक पुरस्कार विजेताओं, किसान-वैज्ञानिकों, किसान-उत्पादकों और भारत में निजी बीज क्षेत्रों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान किया। किसानों, भाकृअनुप के संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों, उद्योग आदि द्वारा पीजीआर के संरक्षण और उपयोग पर एक प्रदर्शनी का



आयोजन किया गया जिसमें 50 स्टाल लगाए गए थे। प्रदर्शनी का उद्घाटन भी भारत के माननीय राष्ट्रपति ने किया। संगोष्ठी के अंतिम दिन, आईएआरआई और एनबीपीजीआर के जीन बैंक के क्षेत्र और फिनोमिक्स सुविधा-केंद्र का दौरा आयोजित किया गया, जिसने खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पीजीआर के संरक्षण और सुधार हेतु भारत के प्रयासों की एक झलक पाने का अवसर प्रदान किया।



वैश्विक संगोष्ठी के परिणामों में, उद्घाटन समारोह की व्यापक कार्यवाही, प्रस्तुतियाँ, और प्रत्येक सत्र और कार्यक्रम में चर्चाएँ शामिल हैं। यह सारांश रिपोर्ट शासी

निकाय के दसवे सत्र के लिए एक सूचनाप्रद दस्तावेज है। विचार-विमर्श के आधार पर, किसान अधिकारों पर दिल्ली फ्रेमवर्क कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार और आईटीपीजीआरएफए की 10वीं जीबी में प्रस्तुति के लिए आईटीपीजीआरएफए को प्रस्तुत किया गया।



5.2 पादप जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार/ अभिज्ञान

पादप जीनोम संरक्षक समुदाय पुरस्कार 2020-21	
1.	याहा मोगी माता स्थानिक बियाने संवर्धन समिति, धडगांव, ब्लॉक-धडगांव, ग्राम-हरनखुरी, पी.ओ.-हरनखुरी, जिला: नंदुरबार, पिन कोड- 425412, महाराष्ट्र
	
2.	दलपुर श्री श्री ज्ञानानंद सरस्वती आश्रम, छतना, दलपुर, खरबाना, बांकुरा, पश्चिम बंगाल- 722137
	
3.	बिहार लीची उत्पादक संघ ग्राम- आदर्श नगर, मझौलिया, पी.ओ.- डुमरी, ब्लॉक- मुशहरी, जिला- मुजफ्फरपुर, पिन कोड- 843113, बिहार
	
पादप जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार 2021-22	

1.	मालाबार का□पाद किसान सोसायटी एज़ोम ग्राम पंचायत कार्यालय, ब्लॉक- कल्लियास्सेरी, ग्राम- एज़ोम, पी.ओ.- एज़ोम, जिला- कन्नूर, पिन कोड- 670334, केरल
	
2.	काला जीरा उत्पादन संघ ब्लॉक-कल्पा, गांव-शोंग, पी.ओ.-शोंग, जिला-किन्नौर, पिन कोड-172105, हिमाचल प्रदेश
	
3.	भागलपुरी कतरनी धन उत्पादक संघ ग्राम-जगदीशपुर, पी.ओ.-जगदीशपुर, ब्लॉक-जगदीशपुर, जिला-भागलपुर, पिन कोड-813105, बिहार
	

पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार 2020-21		
		
1.	श्री रघुवीर नंदम, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	2. श्री बलिन पात्रा, धेमाजी, असम

		
3.	श्री बिजॉय लखी पामे, धेमाजी, असम	4. श्री अर्जुन सिंह, रोहतास, बिहार
		
5.	श्री रमाकांत रामचन्द्र हेगड़े, उत्तर केनरा, कर्नाटक	6.श्री बी. के. देवाराव, दक्षिण कन्नड़, कर्नाटक
		
7.	श्री सलीम पी. एम., वायनाड, केरल	8. श्री प्रसीद कुमार थायिल, वायनाड, केरल
		
9.	श्री सुनील कुमार एम., वायनाड, केरल	

पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार 2021-22		
		
1.	श्री विनोद ई. आर., त्रिशूर, केरल	2.श्री जॉन जोसफ, कोझीकोड, केरल
		
3.	श्री दिलीप कुमार सिंह, रोहतास, बिहार	4.श्री सत्यदेव सिंह, मुंगेर, बिहार
		
5.	श्री अर्जुन मंडल, जमुई, बिहार	6.सुश्री लहरी बाई पाडिया, डिंडोरी, मध्य प्रदेश
		
7.	श्री गोपाल दत उप्रेती, अल्मोड़ा, उत्तराखंड	

पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार 2020-21		
		
1.	श्रीमती पराप्पी ए, तिरुवनंतपुरम, केरल	2.श्री निमई मोंडल, जिला-नादिया, पश्चिम बंगाल
पादप जीनोम संरक्षक कृषक अभिज्ञान 2021-22		
		
1	श्री गरीब दास, पपरोला, हिमाचल प्रदेश	2.श्री श्रीकिशन सुमन, कोटा, राजस्थान

5.3 प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 तथा □सके नियमों एवं विनियमों के विभिन्न प्रावधानों एवं धाराओं पर अनेक प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करता है और भाकृअनुप संस्थानों, आईएआरआई, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों (सीएयू), राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), सीएयू/एसएयू के संबद्ध महाविद्यालयों/ संस्थानों तथा अन्य सरकारी या गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को कृषि वैज्ञानिकों/ शोधकर्ताओं/ शोधार्थियों/ छात्रों/ किसानों तथा अन्य हितधारकों के हित में □स प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 2023-24 की प्रतिवेदित अवधि के दौरान पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने □स प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन/सह-आयोजन के लिए 66,75,563/- रुपये (छियासठ लाख पचहत्तर हजार पांच सौ तिरसठ रुपये मात्र) का वित्त पोषण किया। पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने 2023-24 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन/सह-आयोजन किया;

2023-24 के दौरान आयोजित/सह-आयोजित प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां			
क्र. सं.	**गतिविधियां**	**आवंटित निधि**	**कुल**
1.	जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	रु. 25,55,003/-	29
2.	प्रदर्शनी एवं मेला	रु. 11,70,560/-	10
3.	सेमिनार/ संगोष्ठी/ सम्मेलन	रु. 26,50,000/-	9
सकल योग		**रु. 63,75,563/-**	**48**

1. किसानों के लिए आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर में 7 जून, 2023 को प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

पौधा किस्म संरक्षण और कृषक अधिकार अधिनियम, 2001 पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय (आरवीएसकेवीवी) ग्वालियर, मध्य प्रदेश के सहयोग से 7 जून, 2023 को दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र की अध्यक्षता में किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. महापात्र ने स्थानिक प्रजातियों के महत्व, उनके संरक्षण और पीपीवीएफआरए के पास किसानों की किस्मों के पंजीकरण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आरवीएसकेवीवी के माननीय कुलपति डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला भी उपस्थित थे, जिन्होंने राज्य की किसान किस्मों के बारे में और केवीके के माध्यम से पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बात की। डॉ. आर. सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक (शिक्षा), भाकृअनुप और पूर्व महापंजीयक, पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली ने अतीत में ऐसे किसान जागरुकता कार्यक्रमों के सफल संचालन का वर्णन किया और अंतरराष्ट्रीय संधियों के संदर्भ में अधिनियम के कुछ प्रावधानों पर प्रकाश डाला।





2. भाकृअनुप-सीआईएएच, बीकानेर में 26 जून, 2023 को किसानों के लिए प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन



पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर (भाकृअनुप-सीआईएएच) राजस्थान के सहयोग से 26 जून, 2023 को संस्थान के सभागार में प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भाकृअनुप-सीआईएएच बीकानेर के निदेशक डॉ. जगदीश राणे के स्वागत भाषण से हुई। पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अपने उद्घाटन भाषण में देश के शुष्क क्षेत्र में, विशेष रूप से स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण में किसानों की भूमिका और पीपीवीएफआरए के पास किसानों की किस्मों के पंजीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एसकेआरएयू बीकानेर के अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत भी मौजूद थे, जिन्होंने विश्वविद्यालय में किस्म विकास कार्यक्रम और राज्य के किसानों की किस्मों के बारे में बात की। एनआरसीसी, बीकानेर के निदेशक डॉ. ए. साहू ने किसानों के हित में □स तरह के जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन करने की आवश्यकता को रेखांकित किया और कहा कि पशु नस्लों के लिए भी □सी तरह की व्यवस्था करने की आवश्यकता है। अटारी, जोधपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राज नारायण ने निदेशक, अटारी की ओर से कार्यक्रम में भाग लिया और जोधपुर क्षेत्र के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को शामिल करते हुए क्षेत्रीय स्तर पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

3. पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 पर जीबीपीयूएटी, पंतनगर में 25 जुलाई, 2023 को प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

किसानों, छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए "पौधा किस्मों एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001" पर जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर और पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डॉ. रतन सिंह ऑडिटोरियम, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, जीबीपीयूएटी, पंतनगर, उत्तराखंड में 25-07-2023 को प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। □स अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में, डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवी एवं



एफआरए और पूर्व सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप, नई दिल्ली, उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ मनमोहन सिंह चौहान ने की जब विशेष अतिथि के रूप में डॉ परविंदर कौशल, कुलपति,वीसीएसजी-यूयूएचएफ, भरसार; डॉ लक्ष्मी कांत, निदेशक, वीपीकेएएस, अल्मोड़ा; श्री उमाकांत दुबे, उप पंजीयक, पीपीवी एवं एफआरए; डॉ संजय कुमार, निदेशक, उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद, हल्दी, उत्तराखंड; डॉ ममता आर्य, प्रभारी अधिकारी, भाकृअनुप-एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केंद्र, भवाली; विश्वविद्यालय के डीन और निदेशक, विभिन्न महाविद्यालयों के संकाय, कर्मचारी और छात्र, और उत्तराखंड के पहाड़ी और मैदानी □लाकों के किसान मौजूद थे। तकनीकी सत्र में पीपीवी एवं एफआरए के उप पंजीयक, श्री उमाकांत दुबे ने किसानों और वैज्ञानिकों के हित में पीपीवी एंड एफआर अधिनियम 2001 का विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के बारे में बताया, जो पादप प्रजनकों के साथ-साथ किसानों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 5276 पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। 189 फसल प्रजातियों के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देश पूरे हो चुके हैं। प्राधिकरण ने 35 सामुदायिक पादप जीनोम संरक्षक पुरस्कार, 51 पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार तथा 80 पादप जीनोम संरक्षक कृषक अभिज्ञान पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने किसानों के अधिकारों से संबंधित विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला।



4. पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 पर भाकृअनुप-पुष्पकृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे में 24 जुलाई, 2023 को प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन



पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर भाकृअनुप-पुष्पकृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे द्वारा पादप किस्मों एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय सस्योत्तर प्रौद्योगकी संस्थान अर्थात नेशनल □स्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी (एनआईपीएचटी), तलेगांव दाभाड़े, पुणे में 24 जुलाई, 2023 को प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों में पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 के महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करना था। जागरुकता कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों, निर्यातकों, वैज्ञानिकों और छात्रों सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पादप किस्मों के संरक्षण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई और किसानों को उनके द्वारा संरक्षित या विकसित की जा रही किस्मों के पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया।



5. पीपीवी एवं एफआर अधिनियम, 2001 पर बीएयू, रांची में 31 जुलाई, 2023 को प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन



किसानों, छात्रों, संकाय सदस्यों और अन्य हितधारकों के लिए "पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001" पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची तथा पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के कृषि महाविद्यालय के सभागार में 31-07-2023 को प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए और पूर्व सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भाकृअनुप, नई दिल्ली; मुख्य अतिथि डॉ. मेरी नीलिमा करकेट्टा, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, झारखंड लोक सेवा आयोग, झारखंड; विशेष अतिथि डॉ. दिनेश कुमार सक्सेना, आईएफएस, अपर मुख्य वन संरक्षक, झारखंड सरकार; सम्मानित अतिथि डॉ. ओ. एन. सिंह, कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची; संयोजक डॉ. एस. कर्मकार, डीएसएफ, बीएयू, रांची; डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप-आईआईएबी, रांची; डॉ. अभिजीत कर,

निदेशक, राष्ट्रीय माध्यमिक कृषि संस्थान, रांची; डॉ. विशाल नाथ, ओएसडी, भाकृअनुप-आईएआरआई, झारखंड; डॉ. ए. के. सिंह, प्रमुख, भाकृअनुप-अनुसंधान केंद्र, प्लांडू; डॉ. निमाई प्रसाद मंडल, प्रधान वैज्ञानिक, एनआरआरआई, केंद्र, हजारीबाग; डॉ. शशि भूषण चौधरी, प्रभारी अधिकारी, एनबीपीजीआर, रांची; बीएयू, रांची के डीन और निदेशक, पंजीयक और प्रोफेसर; केवीके के प्रमुख/वैज्ञानिक; विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र और रांची और राज्य के आसपास के जिलों के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसान □स अवसर पर उपस्थित थे।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए और पूर्व सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप, नई दिल्ली ने अपने अध्यक्षीय भाषण में किसानों और पौध प्रजनकों के अधिकारों के बारे में संक्षेप में चर्चा की। उन्होंने प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, पंजीकरण मानदंड, सम्मान और पुरस्कार आदि को रेखांकित किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से प्रतिरोधी परंपरागत किसान किस्मों का पीपीवीएफआरए के पास पंजीकरण कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने □स बात पर बल दिया कि झारखंड में बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा और □स क्षेत्र में प्रगति के लिए केवीके को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कटहल किस्म 'सिद्दू' की देखभाल पर रोशनी डाली और बताया कि □ससे कर्नाटक के उन किसानों को कैसे लाभ हुआ, जिन्होंने □स किस्म को पीपीवीएफआरए के पास पंजीकृत कराया था।



तकनीकी सत्र में पीपीवीएफआरए के उप पंजीयक श्री उमाकांत दुबे ने किसानों, वैज्ञानिकों और छात्रों के लाभार्थ पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 का विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 में विभिन्न प्रावधानों का वर्णन किया, जो पौध प्रजनकों के साथ-साथ किसानों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 5285 पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, जिनमें से लगभग 40% किसानों को जारी किए गए हैं। उन्होंने किसानों के अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और किसानों की किस्मों को संरक्षण प्रदान करने के लिए पीपीवीएफआरए के पास किस्म पंजीकरण कराने में प्रमुख चरणों के बारे में बताया।

6. पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 पर भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर में 31 जुलाई, 2023 को प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का



किसानों, छात्रों, शोधार्थियों और वैज्ञानिक कर्मियों के लाभार्थ पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर और पीपीवीएफआर प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा कोयंबटूर में 31 जुलाई, 2023 को प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता भाकृअनुप-एसबीआई, कोयंबटूर की निदेशक डॉ. जी. हेमप्रभा ने की। पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली के विधिक अधिकारी श्री राज गणेश और भाकृअनुप-एसबीआई के प्रभागाध्यक्ष, अनुभागाध्यक्ष, प्रशासनिक अधिकारी और वित्त एवं लेखा अधिकारी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। कार्यक्रम को अपरिहार्य प्रतिक्रिया मिली। हालांकि शुरू में प्रतिभागियों की संख्या 100 तक सीमित रखी गई थी, लेकिन विभिन्न हितधारकों के अनुरोध के कारण अंततः 170 प्रतिभागियों को नामांकित किया गया। डॉ. एस. अलारमेलु, प्रधान वैज्ञानिक, एवं पीआई-डीयूएस परियोजना, भाकृअनुप-एसबीआई, कोयंबटूर ने सभा में उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया और वक्ताओं का परिचय कराया। डॉ. जी. हेमप्रभा ने अपने उद्घाटन भाषण में किसानों और शोधकर्ताओं के लिए पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की उत्पत्ति, महत्व और लाभों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने पारंपरिक किस्मों के संरक्षण की महत्ता पर जोर दिया और जैव विविधता से संबंधित बैठकों और कार्यक्रमों में महिला किसानों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया। श्रीमती आर. राजलक्ष्मी, अधिवक्ता ने बौद्धिक संपदा अधिकारों और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उनके महत्व पर एक व्याख्यान दिया। श्री राज गणेश, विधिक अधिकारी, पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने प्रतिभागियों को अपने संबोधन में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001



की आवश्यकता और अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डाला। डॉ. आर. करुप्पैयान, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-एसबीआई और नोडल अधिकारी, डीयूएस परियोजना ने अधिनियम के तहत परिकल्पित पादप प्रजनकों के अधिकारों और किसानों के अधिकारों पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. एस. अलारमेलू, प्रधान वैज्ञानिक ने अपने व्याख्यान में पी.पी.वी.एफ.आर. अधिनियम, 2001 के विभिन्न प्रावधानों और भारत में अधिनियम के सफल कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। डॉ. के. रथिनवेल, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर ने पी.पी.वी.एफ.आर. अधिनियम, 2001 के अंतर्गत किसानों की किस्मों और विद्यमान किस्मों के पंजीकरण की प्रक्रिया तथा कपास में डी.यू.एस. दिशा-निर्देशों पर बात की। भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन अनुसंधान संस्थान, कोयंबटूर में डी.यू.एस. परीक्षण सुविधा-केंद्र का क्षेत्रीय दौरा आयोजित किया गया जिसका पर्यवेक्षण डॉ. वी. श्रीनिवास, पीआई-डी.यू.एस. परियोजना, अगाली केंद्र द्वारा किया गया।

7. पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम पर भाकृअनुप-वीपीकेएएस, अल्मोड़ा में 28 सितंबर, 2023 को प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन



"पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001" पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन भाकृअनुप-वीपीकेएएस, अल्मोड़ा एवं पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भाकृअनुप-वीपीकेएएस, परीक्षण फार्म, हवलबाग अल्मोड़ा, उत्तराखंड में 28-09-2023 को संयुक्त रूप से किया गया। □सका उद्देश्य स्थानीय केवीके के अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, किसानों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितधारकों के बीच पादप किस्मों के संरक्षण के लिए जागरुकता पैदा करना था। कार्यक्रम में लगभग 120 किसानों, पीजीएससी पुरस्कार विजेताओं, एफपीओ के प्रतिनिधियों, छात्रों, केवीके कर्मचारियों, भाकृअनुप-वीपीकेएएस के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

डॉ. लक्ष्मी कांत, निदेशक, भाकृअनुप-वीपीकेएएस, अल्मोड़ा ने पादप प्रजनकों अर्थात प्लांट ब्रीडर्स के अधिकारों की सुरक्षा, किसानों के अधिकारों को बढ़ावा देने, कृषि नवोन्मेष, आर्थिक लाभ, ज्ञान का प्रसार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में पीपीवीएफआरए की भूमिका के बारे में बताया और किसानों को पीपीवी और एफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली के पास पंजीकरण कराकर अपनी किस्मों के लिए स्वामित्व अधिकार सुरक्षित करने हेतु प्रोत्साहित किया।

श्री दीपल रॉय चौधरी, संयुक्त पंजीयक, पीपीवीएफआरए ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 का विहंगावलोकन प्रस्तुत किया और पादप प्रजनकों एवं किसानों, दोनों के अधिकारों की रक्षा के लिए अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, पंजीकरण मानदंड, पीजीएससी पुरस्कार आदि के बारे में बात की। उन्होंने पीपीवीएफआरए के पास उन किसानों की किस्मों (एफवी) के पंजीकरण के विभिन्न सफल उदाहरणों पर प्रकाश डाला, जो देश के किसानों को लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने दर्शकों के साथ बातचीत भी की और किसानों, वैज्ञानिकों तथा अन्य हितधारकों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर दिए।



8. पीपीवीएफआर अधिनियम 2001, किसान किस्मों के संरक्षण और पंजीकरण तथा किसानों के अधिकारों पर भाकृअनुप, केवीके, कोट्टायम में जागरुकता और सुग्राहीकरण कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी



केरल, कर्नाटक और लक्षद्वीप के किसानों और केवीके के अधिकारियों को पौधा किस्म और किसान अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 के बारे में जागरुक करने के लिए भाकृअनुप-अटारी बैंगलोर द्वारा आईपीआर, सेल, केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, केरल के सहयोग से 14 अक्टूबर, 2023 को कोट्टायम में एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, भारत सरकार नई दिल्ली और □स

अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ. वेंकटसुब्रमण्यम, निदेशक, अटारी, बेंगलुरु ने सभा का स्वागत किया और देश के पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, सुरक्षा और पंजीकरण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, महापंजीयक, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली ने पी.पी.वी.एफ.आर. अधिनियम की गतिविधियों का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि पी.पी.वी.एफ.आर.ए. के तहत पंजीकरण के लिए प्राप्त 18192 आवेदनों में से 60% किसानों की किस्में हैं। उन्होंने राय व्यक्त की कि कृषि विज्ञान केंद्र प्रत्येक जिले में आनुवंशिक संसाधनों के लक्षणवर्णन और किसानों की किस्मों कर मैपिंग में सहायता कर सकते हैं। □सके अलावा के.वी.के. और यहां तक कि एफ.पी.ओ. मूल्यवान एवं संरक्षित किस्मों के बीजों के बहुगुणन और किसानों को उनकी आपूर्ति में सुविधा प्रदान कर सकते हैं। अपने संबोधन में, क्रीडा, हैदराबाद के निदेशक डॉ. वी. के. सिंह ने कहा कि जलवायु संबंधी बाधाओं को देखते हुए, भारतीय कृषि को पश्चिमी घाटों में उपलब्ध आनुवंशिक संसाधनों में व्यापक विविधता का लाभ उठाना चाहिए। उच्च मूल्य वाली स्थानीय विविधता की जैविक खेती में कार्बन पृथक्करण के लिए तथा खेती को जलवायु अनुकूल बनाने के लिए उच्च क्षमता है। □स संदर्भ में, पी.पी.वी.एफ.आर.ए. और एन.आई.सी.आर. ए के लक्ष्य समान हैं।



डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि देश के किसानों के पास जर्मप्लाज्म का अनूठा संग्रह है जो जलवायु परिवर्तन के तहत बहुत उपयोगी है। उन्होंने किसानों के पास उपलब्ध आनुवंशिक संपदा की रक्षा करने और □से पंजीकृत कराने में उनका समर्थन करने में केवीके द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की। उन्होंने किसानों के पास उपलब्ध आनुवंशिक संपदा को संरक्षित करने में तथा उन्हें पंजीकृत कराने में सहायता प्रदान करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने मूल्य श्रृंखला बनाने और किसानों की किस्मों को अधिक लाभ के लिए बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया। स्वदेशी फसल किस्मों के संरक्षण, सुरक्षा और खेती में योगदान देने के लिए लगभग बीस चयनित किसानों को सम्मानित किया गया।

9. पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 पर भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम द्वारा भाकृअनुप-केवीके, नमक्कल, तमिलनाडु में 26 अक्टूबर 2023 को जागरुकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर किसानों, छात्रों और अन्य हितधारकों के लाभार्थ, भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम द्वारा भाकृअनुप-केवीके नमक्कल, तमिलनाडु में 26 अक्टूबर 2023 को जागरुकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को पीपीवीएफआर प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया था। भाकृअनुप-सीटीसीआरआई के प्रधान वैज्ञानिक और आयोजन सचिव डॉ. पी. मुरुगेसन ने कार्यक्रम की शुरुआत की और उपस्थित लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, तिरुवनंतपुरम के निदेशक डॉ. जी. बायजू ने की। डी. एस. राजगणेश, विधिक सलाहकार, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली; डॉ. एम. सेल्वाराजू, डीन, वीसी एंड आरआई, टीएएनयूवीएएस, नमक्कल और डॉ. पी. पी. मुरुगन, विस्तार शिक्षा निदेशक, टीएनएयू, कोयंबटूर ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। तकनीकी सत्र में, श्री राज गणेश, विधिक सलाहकार, पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की आवश्यकता और अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डाला। डॉ. पी. मुरुगेसन, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-सीटीसीआरआई ने कंद फसलों की विमोचित किस्मों, पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पारंपरिक किस्मों के पंजीकरण में सुविधा और कंद फसलों में डीयूएस दिशानिर्देशों पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. डी. जगन्नाथन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-सीटीसीआरआई, तिरुवनंतपुरम ने कंद फसलों के क्षेत्र के सतत विकास में आईटीके और किसानों के नवोन्मेषों के महत्व पर प्रकाश डाला।



10. प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 24.02.2024 को प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी



पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय (पीआरएसयू), प्रयागराज के सहयोग से प्रशासनिक ब्लॉक, पीआरएसयू, प्रयागराज के सम्मेलन कक्ष में 24 फरवरी, 2024 को प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पीआरएसयू, प्रयागराज के कृषि संकाय के समन्वयक प्रो. राजकुमार गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई। पीपीवीएफआर प्राधिकरण के महापंजीयक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने अपने प्रारंभिक भाषण में पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डाला और किसानों से अपील की कि वे अपनी किस्मों को पंजीकृत करने के लिए आवेदन दाखिल करने हेतु आगे आएं और पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत किसानों के अधिकारों के अन्य लाभों का लाभ उठाएं। पीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अपने उद्घाटन भाषण में गंगा क्षेत्र, विशेष रूप से प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के आसपास के जिलों की स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण में किसानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। □सके अलावा, उन्होंने सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से कम संख्या में आवेदनों के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की और किसानों से उनके द्वारा संरक्षित/उगाई जा रही किस्मों के बीज के साथ आवेदन जमा करने का आग्रह किया।



11. सतत विकास लक्ष्यों पर दीन दयाल शोध संस्थान, चित्रकूट में 25 से 27 फरवरी, 2024 को तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पीपीवीएफआर प्राधिकरण की भागीदारी तथा प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने दीन दयाल शोध संस्थान, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश द्वारा 25 से 27 फरवरी, 2024 को आयोजित सतत विकास लक्ष्यों पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर 26 फरवरी, 2024 को प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन सतत कृषि एवं आजीविका पर काम करने वाले राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की उपस्थिति में 25 फरवरी, 2024 को किया गया। पी.पी.वी.एफ.आर. अधिनियम 2001 पर संस्थान के विवेकानंद सभागार में 26.02.24 को एक विशेष तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पी.पी.वी.एफ.आर.ए. के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने की तथा सह-अध्यक्षता पी.पी.वी.एफ.आर.ए. के महापंजीयक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने की। उप पंजीयक श्री उमा कांत दुबे ने पी.पी.वी.एफ.आर.ए. अधिनियम, 2001 पर एक प्रस्तुति दी तथा उसका विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। पी.पी.वी.एफ.आर.ए. के तकनीकी सलाहकार डॉ. रवि प्रकाश ने पारंपरिक किस्मों के संरक्षण से जुड़े किसानों के अधिकारों के विभिन्न प्रावधानों तथा पी.पी.वी.एफ.आर.ए. अधिनियम 2001 के तहत किसानों की किस्मों के पंजीकरण के लाभ के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, महापंजीयक ने अपने संबोधन में किसानों के हित में □स प्रकार के प्रशिक्षण तथा जागरुकता कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला और किसानों द्वारा संरक्षित की गई किस्मों के पंजीकरण हेतु आवेदन दाखिल करने के लिए आगे आने का आग्रह किया।



डॉ. टी. महापात्र ने अपने उद्घाटन भाषण में स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण में किसानों की भूमिका पर प्रकाश डाला, खासकर उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्रों में, जहां किसान वर्षा आधारित कृषि पर निर्भर हैं। उन्होंने विशेष रूप से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में किसानों के प्रयासों और जैव विविधता संरक्षण के महत्व का वर्णन किया।

12. पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का शिल्पग्राम सभागार देवघर में 5.03.2024 को आयोजन



पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोन-IV, पटना, बिहार के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय केवीके, देवघर द्वारा किया गया और उसका आयोजन शिल्पग्राम सभागार, देवघर, झारखंड में किया गया। कार्यक्रम का पहला सत्र विशेषज्ञ और किसान वार्ता पर था जिसकी अध्यक्षता पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ टी महापात्र ने की और सह-अध्यक्षता बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के माननीय कुलपति डॉ एस. सी. दुबे ने की। डॉ अंजनी कुमार, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, पटना और डॉ दिनेश कुमार अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआरए सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत पीपीवीएफआरए के उप पंजीयक श्री उमा कांत दुबे के स्वागत भाषण से हुई। डॉ रवि प्रकाश, तकनीकी सलाहकार, पीपीवीएफआरए द्वारा किसानों के अधिकारों पर विशेष जोर देने के साथ पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत विभिन्न प्रावधानों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। तकनीकी प्रस्तुति के बाद किसानों, केवीके वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए कार्यक्रम सभी के लिए खुला था।



होटल ली मेरिडियन, कोचीन, केरल में 10-13 अक्टूबर, 2023 के दौरान आयोजित 11वां कृषि विज्ञान सम्मेलन और एएससी प्रदर्शनी में पीपीवीएफआर प्राधिकरण की सहभागिता



16वें कृषि विज्ञान सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (NAAS), NASC कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली द्वारा होटल ली मेरिडियन, कोचीन, केरल में 10-13 अक्टूबर, 2023 के दौरान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 10-10-2023 को माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी, भारत सरकार द्वारा किया गया। पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने सम्मेलन में भाग लिया। डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने 10 अक्टूबर 2023 की दोपहर में डॉ. एच. पाठक, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भाकृअनुप और एनएएएस नई दिल्ली द्वारा दिए गए अध्यक्षीय भाषण की अध्यक्षता की। डॉ. महापात्र ने 11 अक्टूबर, 2023 को "फसल सुधार के लिए जीनोमिक्स और CRISPR-Cas प्रणालियों में प्रगति" पर एक सत्र की सह-अध्यक्षता भी की। प्रस्तुतियों का सारांश देते हुए, डॉ. महापात्र ने देश में जीन संपादित फसलों के तत्काल व्यावसायिक अनुप्रयोग के लिए कुछ कार्य बिंदुओं को सूचीबद्ध किया। □सके अलावा, डॉ. महापात्र ने 12 अक्टूबर 2023 को सुबह 9 बजे "खाद्य प्रणाली को बदलने के लिए जैव विविधता के सतत उपयोग हेतु जैव प्रौद्योगिकी" पर एक प्लेनरी व्याख्यान दिया। व्याख्यान को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

एएससी प्रदर्शनी (एक्सपो) में भागीदारी

कृषि विज्ञान सम्मेलन के दौरान विभिन्न संगठनों के लिए ला□व सामग्री और पोस्टर/ चार्ट/ वीडियो प्रदर्शित करके अपनी गतिविधियों को प्रदर्शित करने हेतु एक प्रदर्शनी की व्यवस्था की गई थी। तदनुसार, पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने प्रदर्शनी में भाग लिया और अपना एक स्टॉल लगाया तथा





पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की गतिविधियों/प्रावधानों पर पोस्टर और चार्ट प्रदर्शित किए। स्टाल पर आए प्रतिभागियों को पी.पी.वी.एफ.आर. अधिनियम 2001, किसान अधिकार और पी.जी.एस.सी. पुरस्कार पर पुस्तिका और ब्रोशर वितरित किए गए। भारत सरकार के मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्री, माननीय श्री पुरुषोत्तम रूपाला जी ने प्रदर्शनी का दौरा किया और उन्हें कर्नाटक के पी.जी.एस. पुरस्कार विजेता किसान श्री एस.एस.परमेश द्वारा "सिद्दू" नामक कटहल की किसान किस्म का पौधा भेंट किया गया।

12.10.2023 को विशेष तकनीकी सत्र



भारत में पौधों की किस्मों और किसानों के अधिकारों के संरक्षण पर 12.10.2023 को एक विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने विशेष तकनीकी सत्र की व्यवस्था की। विशेष सत्र का विषय था "सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कृषि-खाद्य प्रणाली के परिवर्तन पर पीपीवीएफआरए की भूमिका"। सत्र की अध्यक्षता पीपीवीएफआरए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. पी. एल. गौतम ने की और सह-अध्यक्षता सी.ए.यू, □फाल, मणिपुर के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा ने की।

भुवनेश्वर में 09-10 नवंबर, 2023 के दौरान श्रीअन्नों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी



प्रधान सचिव कृषि और किसान विकास, डॉ. अरबिंद कुमार पाधी के समग्र मार्गदर्शन में ओडिशा सरकार द्वारा 09-10 नवंबर, 2023 के दौरान जनता मैदान, भुवनेश्वर में "श्रीअन्नों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन किया गया। □सका उद्घाटन ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने किया। □स दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विदेश के प्रतिनिधियों, भाकृअनुप, एसएयू/सीएयू, विश्वविद्यालयों, सरकारी विभागों, निजी क्षेत्र के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं तथा हजारों की संख्या में किसानों, समुदाय और एसएचजी सदस्यों ने भाग लिया। सम्मेलन की प्रमुख गतिविधियों में, कृषि जैव विविधता पर तकनीकी सत्र; पोषण, उत्पादन और उत्पादकता; मशीनरी एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन; स्टार्ट अप चुनौतियां; नीति पर चर्चा करने हेतु राउंडटेबल सम्मेलन; बिजनेस मीट और श्रीअन्न खाद्यों का पाक महोत्सव जैसी गतिविधियां शामिल थीं।

डॉ त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली की अध्यक्षता में *कृषि जैव विविधता और श्रीअन्नों की स्थानिक प्रजातियों* पर 9 नवंबर, 2023 को एक पूर्णकालीन सत्र अर्थात प्लेनरी सेसन आयोजित किया गया। अभिरक्षक किसानों के अलावा, श्री ताकायुकी हागीवारा, एफएओ कंट्री रिप्रेजेंटेटिव (भारत); डॉ □ज़रा□ल ओलिवियर किंग, निदेशक (जैव विविधता), एमएसएसआरएफ; डॉ जेसी राणा, कंट्री कोऑर्डिनेटर, बायोवर्सिटी □टरनेशनल □स अवसर पर उपस्थित थे। आरंभ में, श्री सुशांत शेखर चौधरी (सत्र के संचालक) ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। विचार-विमर्श में श्रीअन्न उत्पादक किसानों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों और छात्रों ने भाग लिया।



सत्र के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अपनी अंतिम टिप्पणियां देते हुए सत्र में महत्वपूर्ण बिंदुओं को उजागर करने के लिए योगदानकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने पीपीवीएंडएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पौधा किस्म के पंजीकरण और भाकृअनुप-एनबीपीजीआर में विशेषक आधारित जर्मप्लाज्म के पंजीकरण के बारे में बात की। उन्होंने किसानों को श्रीअन्न की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया और श्रीअन्न की खेती, खपत और प्रचार-प्रसार हेतु ओडिशा मिलेट मिशन, ओडिशा सरकार और भारत सरकार को उनके समर्थन के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि ओडिशा ने विभिन्न जिलों में धान की स्थानिक प्रजातियों का श्रमसाध्यता के साथ दस्तावेजीकरण करके और धान की 787 किसान किस्मों को पंजीकृत करके किसानों की किस्मों के पंजीकरण के संदर्भ में अग्रणी भूमिका निभाई, जो आज तक विभिन्न फसलों में पीपीवीएफआर प्राधिकरण के पास पंजीकृत कुल 2537 किसानों की किस्मों का लगभग 31% है। कोरापुट, नयागढ़, रायगढ़,

सुंदरगढ़ आदि जैसे जिलों में श्रीअन्नों की विविधता को देखते हुए, डॉ. महापात्र ने ⊡स बात पर जोर दिया कि ओडिशा से किसानों की श्रीअन्न किस्मों के पंजीकरण के लिए और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए। अध्यक्ष ने किसानों द्वारा अधिकाधिक आय प्राप्त करने के लिए किसानों की किस्मों का उपयोग करके मूल्य श्रृंखला और विशेष ब्रांड बनाने का भी सुझाव दिया।

खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के लिए अगली पीढ़ी की तैयारी पर असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट में 22 से 24 नवंबर, 2023 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागिता



असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट द्वारा टीटाबोर में चावल अनुसंधान केंद्र के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में "खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के लिए अगली पीढ़ी की तैयारी" पर 22 से 24 नवंबर 2023 के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष और पूर्व सचिव और महानिदेशक, भाकृअनुप, भारत सरकार, नई दिल्ली, डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने बुधवार 22 नवंबर, 2023 को किया। उद्घाटन भाषण में डॉ. महापात्र ने उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करके एक स्थायी खाद्य प्रणाली के निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से देश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण में किसानों के योगदान के महत्व और पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 के तहत पीपीवीएफआरए के पास किसानों की किस्मों के पंजीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण पारिस्थितिकी और स्वास्थ्य से समझौता किए बिना कृषि को लाभदायक बनाने की आवश्यकता का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि ⊡स संबंध में पारंपरिक/स्थानीय किस्में, जर्मप्लाज्म संसाधन और जंगली प्रजातियां, जो प्रचुर मात्रा में हैं, बहुत उपयोगी हो सकते हैं।



उद्घाटन सत्र के बाद 11 तकनीकी सत्र और दो विशेष सत्र आयोजित किए गए - एक आईआईआरआई, फिलीपींस पर और दूसरा पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 पर। सम्मेलन में 12 शीर्षत्तम/की-नोट व्याख्यान, 35 प्रमुख व्याख्यान, 18 आमंत्रित व्याख्यान, 134 मौखिक प्रस्तुतियाँ और 203 पोस्टर प्रस्तुतियाँ की गईं। पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 पर विशेष सत्र की अध्यक्षता डॉ. ए. पटनायक, पूर्व निदेशक, वीपीकेएएस और आईआईएबी, रांची ने की, जबकि सह-अध्यक्षता डॉ. भट्टाचार्य, एसोसिएट डीन, कृषि महाविद्यालय, बर्धवान, बीसीकेवी, कल्याणी ने की।

श्री यू. के. दुबे, उप. पंजीयक, पीपीवीएफआरए, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने "पीपीवीएफआरए अधिनियम, 2001 का विहंगावलोकन" पर एक प्रमुख व्याख्यान दिया।

दीमापुर, नागालैंड में 14 दिसंबर 2023 को पूर्वोत्तर कृषि मेला 2023-24 के दौरान आयोजित पूर्वोत्तर भारत किसान सम्मेलन में पीपीवीएफआर प्राधिकरण की सहभागिता और असम राज्य में धान, लेमन ग्रास, चाय और बाँस फसलों से संबंधित डीयूएस केंद्रों का दौरा



पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने 14 दिसंबर 2023 को केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, ⊡फाल, मणिपुर द्वारा दीमापुर, नागालैंड में आयोजित पूर्वोत्तर कृषि मेला 2023-24 के दौरान पूर्वोत्तर भारत किसान सम्मेलन में भाग लिया। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. पी. के. जोशी, कुलपति, सीएयू, ⊡फाल ने डॉ. अनुपम मिश्रा, कुलपति, सीएयू, मणिपुर और विश्वविद्यालय और अटारी जोन गुवाहाटी एवं मेघालय के तहत आने वाले केवीके के अन्य वैज्ञानिकों की उपस्थिति में किया।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम पर एक विशेष तकनीकी सत्र 14 दिसंबर 2023 के पूर्वाह्न में आयोजित किया गया। सत्र की अध्यक्षता पीपीवीएफआरए के महापंजीयक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने की और सह-अध्यक्षता डॉ. नागचेन (Nagchen) पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-आरसी-एनईएच, उमियम, मेघालय ने

की। डॉ. अतुल चंद्र शर्मा, पूर्व संयुक्त निदेशक कृषि, असम सरकार और पूर्व उप पंजीयक, पीपीवीएफआरए, गुवाहाटी शाखा ने देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की पारंपरिक किस्मों के संरक्षण और सुरक्षा पर एक प्रस्तुति दी।

डॉ. रवि प्रकाश, तकनीकी सलाहकार, पीपीवीएफआरए ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001, किसानों के अधिकारों पर विभिन्न प्रावधानों और किसानों द्वारा अनुरक्षित की गई पारंपरिक किस्मों का पंजीकरण कराए जाने से किसानों को मिलने वाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, पंजीयक जनरल ने अपने संबोधन में स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण में किसानों की भूमिका पर प्रकाश डाला, खासकर देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में, जहां किसान प्राकृतिक/जैविक खेती की विधियों पर निर्भर रहते हैं। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी किसानों के प्रयासों और जैव विविधता संरक्षण के महत्व का वर्णन किया। किसानों, छात्रों और प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक सौहार्दपूर्ण संवाद सत्र आयोजित किया गया। अनुभव साझा करते हुए, कई किसानों ने अपनी बात रखते हुए अनाजों, दलहनों, श्रीअन्नों और औषधीय एवं सुगंधीय पौधों की पारंपरिक किस्मों के संरक्षण और उनकी खेती में अपने अनुभवों के बारे में बताया। कार्यक्रम में 200 से अधिक किसानों, छात्रों और केवीके अधिकारियों ने भाग लिया।

उत्तर-पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट का दौरा

उत्तर-पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान की प्रयोगशाला और लेमन ग्रास एवं अन्य औषधीय और सुगंधीय पौधों की प्रजातियों के परीक्षण क्षेत्रों का 14 दिसंबर, 2023 को दोपहर में दौरा किया गया। डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों के विकास के लिए औषधीय और संगधीय पौधों की प्रजातियों की सूची का विस्तार करने की संभावनाओं के बारे में निदेशक और संबंधित वैज्ञानिकों के साथ एक संक्षिप्त बैठक आयोजित की गई।

धान फसल पर डीयूएस परीक्षण केंद्र में खेत का दौरा



असम कृषि विश्वविद्यालय में स्थित धान पर डीयूएस परीक्षण केंद्र के खेत का दौरा 15 दिसंबर के पूर्वाह्न में किया गया तथा केंद्र के उच्चाधिकारियों, पीआई और अन्य वैज्ञानिकों के साथ पारस्परिक बैठक आयोजित की गई।

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान का दौरा



वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (आरएफआरआई), जोरहाट का दौरा 15 दिसंबर, 2023 के अपराह्न में किया गया। बांस की प्रजातियों के लिए डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास पर कार्यक्रम को फिर से शुरु करने की संभावनाओं के बारे में संबंधित वैज्ञानिकों के साथ बैठक की गई। औपचारिक बातचीत के बाद, आरएफआरआई में स्थित फील्ड जीन बैंक और बम्बूसेटम का दौरा किया गया। संस्थान द्वारा अनुरक्षित की गई व्यापक आनुवंशिक विविधता की सराहना की गई।

चाय पर डीयूएस परीक्षण केंद्र के खेत का दौरा

जोरहाट स्थित टोकलाई चाय अनुसंधान केंद्र का दौरा 15 दिसंबर को सायंकाल में किया गया तथा संस्थान के अधिकारियों और वैज्ञानिक कर्मचारियों के साथ पारस्परिक बैठक आयोजित की गई। संस्थान के डीयूएस परीक्षण खेत की निगरानी की गई। 16 दिसंबर, 2023 को बोरघेटा स्थित चाय अनुसंधान संस्थान की चाय नर्सरी और उत्पादन भूखंडों का क्षेत्रीय दौरा किया गया।

पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली द्वारा बीज क्षेत्र विकास पर भारत-जर्मनी सहयोग के तहत जर्मनी के फेडरल प्लांट वैरायटी ऑफिस (बीएसए) के सहयोग से ऑनला□न आदान-प्रदान (हा□ब्रिड सेमिनार) का आयोजन

पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली ने बीज क्षेत्र विकास पर भारत-जर्मनी सहयोग के तहत जर्मनी के फेडरल प्लांट वैरायटी ऑफिस (बीएसए) के सहयोग से डीयूएस परीक्षण के ई-प्रसंस्करण और प्रबंधन पर भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में 25 और 26 मई, 2023 के दौरान दो दिवसीय श्रृंखला के लिए एक ऑनला□न आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया। □समें भारतवर्ष के विभिन्न डीयूएस केंद्रों के पीआई सहित 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। बीज क्षेत्र विकास कार्यक्रम पर भारत-जर्मन



सहयोग के टीम लीडर श्री एकेहार्ड श्रोएडर ने कार्यक्रम के तहत सभी 3 चरणों में की गई गतिविधियों की संक्षिप्त रूपरेखा दी। डॉ. दिनेश के. अग्रवाल, महापंजीयक, पीपीवीएफआरए ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। श्री पंकज यादव, संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अन्य पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम में ऑनला□न भाग लिया और देश के लिए ऐसे कार्यक्रमों की महत्ता को रेखांकित किया। डॉ. जी. पी. सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और अपने दृष्टिकोण साझा किए। पीपीवीएफआरए, भारत सरकार के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने वैश्विक मानकों और अन्यत्र अपनाई गई सर्वोत्तम कृषि विधियों प्रथाओं का पालन करते हुए भारतीय डीयूएस परीक्षण में आधुनिक उपकरणों को अपनाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। डॉ. स्वेनजा टैम्स, बुंडेसोटेनमट ने बीएसए के अध्यक्ष की ओर से सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। जर्मन विशेषज्ञों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर चार प्रस्तुतियाँ दी गईं:

i) डॉ. स्वेनजा टैम्स, अनुभाग प्रमुख, जनरल अफेयर्स ऑफ डीयूएस टेस्टिंग, फेडरल प्लांट वैरायटी ऑफिस (बीएसए), जर्मनी द्वारा फेडरल प्लांट वैरायटी ऑफिस (बीएसए), जर्मनी में डेटा प्रबंधन प्रणाली का विहंगावलोकन।

ii) श्री थॉमस गिल्डमे□स्टर, तिलहन डीयूएस विशेषज्ञ, फेडरल प्लांट वैरायटी ऑफिस (बीएसए), जर्मनी द्वारा शार्नहोर्स्ट में स्थित बीएसए स्टेशन में तोरिया/सरसों पर आवेदन प्रक्रियाओं के उदाहरण।

iii) श्री थॉमस गिल्डमे□स्टर द्वारा शार्नहोर्स्ट में स्थित बीएसए स्टेशन में तोरिया/सरसों पर डेटा आवेदन, डेटा प्रबंधन और गुणवत्ता जांच के लिए फील्ड बुक्स, डेटा लॉगर्स और □मेज एनालिसिस जैसे उपकरणों की भूमिका।



iv) श्री थॉमस गिल्डमे□स्टर द्वारा बीएसए में तोरिया/सरसों पर डीयूएस-परीक्षण डेटा उदाहरण का मूल्यांकन।

पीपीवीएफआरए की ओर से दो दिवसीय कार्यक्रम का समन्वय तकनीकी सलाहकार डॉ. रवि प्रकाश ने किया। भाग लेने वाले अन्य अधिकारियों में श्री डी. आर. चौधरी, संयुक्त पंजीयक, श्री उमा कांत दुबे, उप पंजीयक, श्री डी. एस. राज गणेश और श्री अरुण कुमार, विधिक सलाहकार तथा डॉ. डी. एस. पिलानिया, तकनीकी सहायक; और जर्मनी की ओर से डॉ. सोमिनी सुंकारा, कंसल्टेंट, थे। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ बातचीत की और भारतीय संदर्भ में उसे अपनाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

बीज क्षेत्र विकास पर भारत-जर्मन सहयोग के तहत फेडरल प्लांट वैरायटी ऑफिस (बीएसए), जर्मनी के सहयोग से निर्णयन के लिए डीयूएस डेटाबेस और डीयूएस डेटा के उपयोग पर पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली द्वारा ऑनला□न आदान-प्रदान (हा□ब्रिड सेमिनार) का आयोजन

डीयूएस डेटाबेस और निर्णय लेने के लिए डीयूएस डेटा के उपयोग पर पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली द्वारा बीज क्षेत्र विकास पर भारत-जर्मन सहयोग के तहत फेडरल प्लांट वैरायटी ऑफिस (बीएसए), जर्मनी के सहयोग से 17 नवंबर, 2023 को एनएएएस



समिति कक्ष- I, नई दिल्ली में ऑनला□न आदान-प्रदान (हा□ब्रिड सेमिनार) का आयोजन किया गया। आईआईएचआर के वैज्ञानिकों ने बैंगलोर स्थित संस्थान के कॉन्फ्रेंस हॉल से ऑनला□न भाग लिया। कार्यक्रम में भारतवर्ष के विभिन्न डीयूएस केंद्रों के पीआई सहित 125 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पीपीवी एवं एफआरए के महापंजीयक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। बीज क्षेत्र विकास कार्यक्रम पर भारत-जर्मनी सहयोग के टीम लीडर श्री एकेहार्ड श्रोएडर ने गतिविधियों की एक संक्षिप्त रूपरेखा दी और प्राधिकरण के स्थापना दिवस समारोह के साथ-साथ कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पीपीवीएफआरए को धन्यवाद दिया। पीपीवीएफआरए, भारत सरकार के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने अपने भाषण में पौधों की किस्मों के संरक्षण के लिए डेटा को संसाधित करते समय निर्णय लेने में □स तरह के कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने परियोजना के कार्यान्वयन में सक्रिय दृष्टिकोण और ऑनला□न सेमिनार के लिए विशेषज्ञों की व्यवस्था करने हेतु जर्मन परियोजना टीम के नेता श्री एकेहार्ड श्रोएडर और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की। भारत की ओर से डॉ. डी. आर. चौधरी, संयुक्त पंजीयक, पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली ने भारत में पौधा किस्म पंजीकरण और संरक्षण, डीयूएस परीक्षण और निर्णयन के लिए प्रक्रियाओं और उपकरणों पर एक प्रस्तुति दी। डॉ. विम सैंगस्टर, नक्टु□नबौ (बागवानी के लिए नीदरलैंड निरीक्षण सेवा) में डीयूएस विशेषज्ञ ने नक्टु□नबौ के बारे में एक संक्षिप्त परिचय दिया और डीयूएस परीक्षणों में निर्णयन के लिए डीयूएस डेटा के उपयोग पर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने डीयूएस परीक्षण लेआउट तथा परीक्षणों की योजना - नक्टु□नबौ में अनुभव - पर विस्तृत बातचीत भी की। सीपीवीओ से, डॉ. जेन्स वेगनर, सीपीवीओ में प्लांट वैरायटी एक्सपर्टा□ज यूनिट के विशेषज्ञ ने यूरोप के सीपीवीओ में पीवीपी के लिए आवेदन - प्रणाली और प्रक्रियाएं, राष्ट्रीय पादप किस्म परीक्षण कार्यालयों के साथ सहयोग और सीपीवीओ के वैरायटी फा□डर डेटाबेस के चित्रण पर एक प्रस्तुति दी।

ऑनला□न सेमिनार का समन्वय जर्मन की ओर से राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक डॉ. सौम्यिनी सुनकारा ने किया, जबकि पीपीवीएफआरए की ओर से कार्यक्रम का समन्वय तकनीकी सलाहकार डॉ. रवि प्रकाश ने किया। □स अवसर पर उपस्थित



अन्य अधिकारियों में, श्री डी.आर. चौधरी, संयुक्त पंजीयक, श्री उमा कांत दुबे, उप पंजीयक, श्री डी. एस. राज गणेश और श्री अरुण कुमार, विधिक सलाहकार, डॉ. डी. एस. पिलानिया, तकनीकी सहायक और सभी पीवीईआरए एवं एसआरएफ शामिल थे। आईएआरआई, नई दिल्ली स्थित डीयूएस केंद्र में विभिन्न फसलों के पीआई डॉ. के. जी. चिकप्पा, डॉ. अमीश के. सुरेजा, डॉ. श्रवण सिंह, डॉ. आर. के. यादव, डॉ. गोगराज सिंह और डॉ. अनिल खर ने भाग लिया तथा प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञों से बातचीत की। सेमिनार का समापन पीपीवी एवं एफआरए, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्र के समापन भाषण और विशेषज्ञों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



देश में श्रीअन्न की ब्रांड एंबेसडर मानी जाने वाली सुश्री लहरी बाई ने किसानों की किस्मों के पंजीकरण के लिए 13 फरवरी 2024 को पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्र को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया।

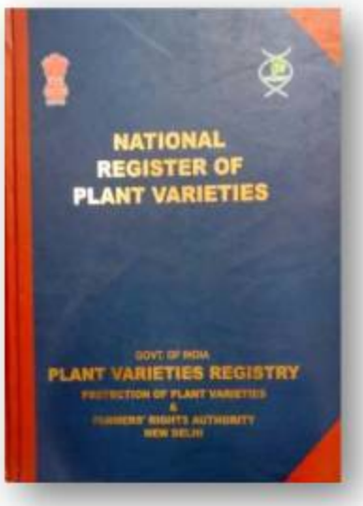
6: भारतीय पौधा किस्म जर्नल, प्राधिकरण का पौधों किस्मों एवं प्रकाशनों का राष्ट्रीय रजिस्टर

6.1 भारतीय पौधा किस्म जर्नल (प्लांट वेराइटी जर्नल ऑफ इंडिया)

पीपीवीएफआर नियम, 2003 के नियम 2 (जी) के अनुसार प्राधिकरण अपने आधिकारिक जर्नल "प्लांट वेराइटी जर्नल ऑफ इंडिया" (पीवीजे) को मासिक प्रकाशन के रूप में प्रकाशित करता है और हर महीने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जनता के लिए उपलब्ध कराता है। इस जर्नल को पीपीवीएफआर विनियम, 2006 के तहत राजपत्र के समकक्ष दर्जा प्राप्त है। जर्नल की विषय-वस्तुओं में आधिकारिक और सार्वजनिक सूचनाएं, राजपत्र अधिसूचनाएं, तस्वीरों के साथ पौधों किस्मों के पासपोर्ट डेटा, विभिन्न फसल प्रजातियों के प्रकाशित डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देश, पंजीकरण प्रमाण पत्र का विवरण और अन्य संबंधित आधिकारिक मामले एवं नोटिस शामिल हैं।

6.2 पौधों की किस्मों का राष्ट्रीय रजिस्टर

पीपीवीएफआर प्राधिकरण ने पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 13 के अनुपालन में पौधा किस्म रजिस्ट्री के मुख्यालय में पौध किस्मों का राष्ट्रीय रजिस्टर खोला है। इसमें सभी पंजीकृत पादप किस्मों के नामों के साथ-साथ संबंधित प्रजनकों के नाम और पते, मूल्यवर्ग, विनिर्देश, मुख्य विशेषताएं आदि का पूरा विवरण होता है।



7: डेटाबेस का विकास, आईआईएनडीयूएस, वेबसाइट और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी)

7.1 वेबसाइट:

पौधा किस्म और किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) की आधिकारिक वेबसाइट (www.plantauthority.gov.in) एनआईसी क्लाउड सर्वर पर उपलब्ध कराई गई है। वेबसाइट को नवीनतम तकनीक का प्रयोग करके द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) विकसित किया गया प्राधिकरण की वेबसाइट के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण में आवश्यकतानुसार वेब पेजों में सुधार किया गया है। नए फसल समूह और उनकी फसल का नाम पेश किया गया है, उसके बाद वानस्पतिक नाम के साथ फसल डीयूएस दिशानिर्देश पीडीएफ में डाउनलोड करने योग्य प्रारूप में दिए गए हैं। कुल 197 फसल प्रजातियों को सूचीबद्ध किया गया है। अन्य डिजाइन और रखरखाव किए गए वेब पेज हैं पादप जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार और पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार और मान्यता, आरटीआई पेज, पादप किस्म रजिस्ट्री से संबंधित सूचना वेबपेज, वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खाता वेबपेज, प्राधिकरण के कर्मचारियों के बारे में, नवीन किस्म की श्रेणी के अंतर्गत पंजीकरण के लिए खुली 197 फसल प्रजातियों की सूची, विद्यमान/कृषक किस्म की श्रेणी के अंतर्गत 197 फसल प्रजातियों और महत्वपूर्ण राजपत्र अधिसूचना वेबपेज आदि।

पौधों की किस्मों के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल यानी पादप किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन करने का पोर्टल (PARV) 12 सितंबर, 2023 को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा कृषक अधिकारों पर प्रथम वैश्विक संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह के दौरान लॉन्च किया गया है।

7.2 सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी)

प्राधिकरण केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (https://eprocure.gov.in/eprocure/app) पर निविदाएं आमंत्रित करता है; सरकारी-ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) से वस्तुओं और सेवाओं का क्रय करता है; जनरल पूल आवासीय आवास (https://esampada.mohua.gov.in/signin/) को अपडेट करता है; ऑनलाइन आरटीआई आवेदन प्राप्त करता है और विभाग द्वारा प्रस्तुत सूचना का समयबद्ध रूप से जवाब देता है तथा आरटीआई आवेदन से संबंधित त्रैमासिक रिपोर्ट को सीआईसी पोर्टल (http://dsscic.nic.in/users/pn-login) पर नियमित रूप से अपडेट करता है; राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली अंशदान लेखा प्रणाली (https://npscan-cra.com/CRA/) में अंशदान जमा करता है; भारत सरकार निगरानी प्रणाली (http://www.rrcps.nic.in/) में पदों और सेवाओं में आरक्षित श्रेणियों के प्रतिनिधित्व की सूचना उपलब्ध करता है। प्राधिकरण राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस की अवधारणा को पूरा करने का भी प्रयास कर रहा है और इस संबंध में उसने कदम उठाए हैं।

7.5 सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस)



प्राधिकरण ने पीएफएमएस, डिजिटल भुगतान प्रणाली और आरटीजीएस/एनईएफटी जैसे ई-भुगतान को लागू किया है। प्राधिकरण ऑफ-लाइन भुगतान प्रणाली को हतोत्साहित करता है, जैसे कि प्राधिकरण के विभिन्न खातों में नकदी जमा करना। प्राधिकरण ने स्वयं को ई-भुगतान प्रणालियों, जैसे कि पीएफएमएस और अन्य डिजिटल भुगतानों पर स्थानांतरित किया है। पीएफएमएस में मैप किए गए संस्थानों की सूची नीचे दी गई है :

पीएफएमएस योजना 3025 में मैप की गई एजेंसियां

क्र.सं.	एजेंसी का नाम	एजेंसी का प्रकार
1	आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय	सांविधिक निकाय
2	कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	सांविधिक निकाय
3	असम कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार संस्थान
4	अटारी गुवाहाटी	केंद्र सरकार
5	अटारी पटना	केंद्र सरकार
6	बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय	सांविधिक निकाय
7	-बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर भागलपुर	सांविधिक निकाय
8	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, रांची, झारखंड	राज्य सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम
9	सी.एस. आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर	सांविधिक निकाय
10	सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	सांविधिक निकाय
11	केंद्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर	केंद्र सरकार
12	केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान श्रीनगर (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
13	केन्द्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान - बालेहोन्नुर	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)

14	केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	केंद्र सरकार
15	केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान नागपुर (भाकृअनुप का संस्थान)	केंद्र सरकार
16	केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान	केंद्र सरकार
17	केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
18	केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
19	केंद्रीय पटसन और समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
20	केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
21	केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
22	केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
23	सीआईएमएपी	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
24	नियंत्रक, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
25	सीएसआर और टीआई मैसूर	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
26	काजू अनुसंधान निदेशालय (पूर्व में काजू के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र)	केंद्र सरकार
27	मूंगफली अनुसंधान निदेशालय (भाकृअनुप संस्थान)	केंद्र सरकार
28	मक्का अनुसंधान निदेशालय	केंद्र सरकार
29	औषधीय एवं संगधीय पादप अनुसंधान निदेशालय	केंद्र सरकार
30	तिलहन अनुसंधान निदेशालय, राजेंद्रनगर, हैदराबाद	केंद्र सरकार
31	चावल अनुसंधान निदेशालय	केंद्र सरकार
32	बीज अनुसंधान निदेशालय, उत्तर प्रदेश	केंद्र सरकार
33	सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)	केंद्र सरकार
34	डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
35	डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला	राज्य सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम

36	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का संस्थान
37	जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर	सांविधिक निकाय
38	भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
39	भाकृअनुप - कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर	केंद्र सरकार
40	भाकृअनुप प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय	केंद्र सरकार
41	भाकृअनुप - आईआईडब्ल्यूबीआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान)	केंद्र सरकार
42	भाकृअनुप उत्तर पूर्वी पर्वतीय कृषि अनुसंधान परिसर	केंद्र सरकार
43	भाकृअनुप अनुसंधान परिसर, गोवा (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)	केंद्र सरकार
44	भाकृअनुप-डीआरएमआर (तोरिया-सरसों अनुसंधान निदेशालय)	केंद्र सरकार
45	भाकृअनुप, अटारी-III	केंद्र सरकार
46	भाकृअनुप, एनआरसी ऑर्किड	केंद्र सरकार
47	भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	केंद्र सरकार
48	भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जबलपुर	केंद्र सरकार
49	भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पुणे	केंद्र सरकार
50	भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन-I	केंद्र सरकार
51	भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता	केंद्र सरकार
52	भाकृअनुप-अटारी, बैंगलोर	केंद्र सरकार
53	भाकृअनुप- राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र (एनआरसीपी), सोलापुर	केंद्र सरकार
54	भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार

55	भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
56	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
57	भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
58	भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार
59	भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
60	भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	केंद्र सरकार
61	भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
62	भारतीय बीज प्रौद्योगिकी सोसायटी	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
63	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
64	वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान (भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद)	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
65	जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय	सांविधिक निकाय
66	जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का संस्थान
67	केरल कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम
68	एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन	ट्रस्ट/ न्यास
69	महात्मा फुले कृषि विश्वविद्यालय, राहुरी	राज्य सरकार का संस्थान
70	नागालैंड विश्वविद्यालय	सांविधिक निकाय
71	नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, फैजाबाद	राज्य सरकार का संस्थान
72	राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
73	राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो - एनबीपीजीआर (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
74	राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र	केंद्र सरकार
75	राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
76	राष्ट्रीय नींबूवर्गीय अनुसंधान केंद्र, नागपुर (भाकृअनुप का संस्थान)	केंद्र सरकार
77	राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
78	राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र	केंद्र सरकार
79	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम

80	पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर)	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
81	जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, राजेंद्रनगर, हैदराबाद	राज्य सरकार का संस्थान
82	पंजाब कृषि विश्वविद्यालय	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
83	सैम हिगिनबॉटम इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंसिस	राज्य सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम
84	सरदार कृषिनगर दांतीवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय	राज्य सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम
85	शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कश्मीर	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
86	श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	राज्य सरकार का संस्थान
87	गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर, (भाकृअनुप)	केंद्र सरकार
88	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
89	चाय बोर्ड डीटीआर एवं डीसी, कुर्सियांग	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
90	चाय अनुसंधान संघ	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
91	कृषि और बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, शिवमोग्गा	सांविधिक निकाय
92	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर	सांविधिक निकाय
93	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़	पंजीकृत सोसायटी (सरकारी, स्वायत्त निकाय)
94	बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट	सांविधिक निकाय
95	वीपीकेएएस (भाकृअनुप), अल्मोड़ा	केंद्र सरकार
96	भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	केंद्र सरकार

8: प्रशासन, अभिशासन और अन्य विविध गतिविधियाँ

8.1 प्रशासन:

प्रतिवेदित अवधि के दौरान पीपीवीएफआर प्राधिकरण में निम्नलिखित घटनाक्रम घटित हुए।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने पीपीवीएफआर प्राधिकरण में अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया।

8.1.1 जनशक्ति:

नोडल मंत्रालय ने प्रतिवेदित अवधि के दौरान 17 नए पदों की मंजूरी प्रदान की। इस प्रतिवेदन को प्रस्तुत किए जाने के समय पर, तीन पंजीयकों के पद रिक्त हैं। पंजीयक के रूप में जनशक्ति सबसे महत्वपूर्ण है और किस्मों का पंजीकरण, किसी भी अपील या आपत्तियों या याचिकाओं पर न्यायिक कार्यवाहियों सहित अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए इन पदों पर पंजीयकों का आसीन रहना बहुत ही आवश्यक है। ऐसी सांविधिक भूमिकाओं को किसी अन्य अधिकारी या अस्थायी अधिकारियों द्वारा निष्पादित नहीं किया जा सकता है। पंजीयकों के तीन पद रिक्त हैं और संयुक्त पंजीयक का भी पद रिक्त है। इन पदों को भरे नहीं जाने के पीछे इस रिपोर्ट के मुद्रण के समय पर एकमात्र कारण है : (क) देश में व्यावसायिक/पेशेवर वैज्ञानिकों के बीच इन पदों के प्रति पर्याप्त आकर्षण नहीं होना। इन पदों का दर्जा विश्वविद्यालयों और भाकृअनुप/सीएसआईआर या अन्य ऐसे संगठनों में समकालीन व समकक्ष पदों से कम है, (ख) दूसरा, इन पदों के लिए शर्तें केवल प्रतिनियुक्ति आधार पर 3-5 वर्षों की हैं। इन दोनों समस्याओं को आने वाले समय में प्राथमिकता के साथ हल करने की आवश्यकता है। नए 17 पदों का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र. सं.	पद का नाम	पे मट्रिक्स में स्तर/लेवल	पदों की संख्या
1.	उप निदेशक (प्रशासन)	स्तर-11	**01**
2.	पौधा किस्म परीक्षक (पीवीई)	स्तर-7	**05**
3.	कार्यकारी सहायक	स्तर-6	**05**
4.	लेखाकार	स्तर-6	**02**
5.	तकनीकी सहायक	स्तर-6	**04**
		कुल	**17**

8.2 विधिक प्रकोष्ठ

प्राधिकरण के विधिक प्रकोष्ठ ने प्राधिकरण के विरुद्ध दायर सभी मुकदमों की सफलतापूर्वक पैरवी की। इसके अलावा, रजिस्ट्री और प्राधिकरण के समक्ष अर्ध-न्यायिक कार्यवाही के मामले में, प्रकोष्ठ द्वारा विधिक इनपुट प्रदान किए गए और दैनिक आदेश पत्रक पक्षकारों को तुरंत भेजे गए। प्राधिकरण का विधिक प्रकोष्ठ LIMBS (विधिक सूचना प्रबंधन और ब्रीफिंग प्रणाली) का अनुपालन करता है और मुकदमों की प्रगति को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है तथा LIMBS में निगरानी की जाती है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 33 मामलों में से 12 मामलों का निपटारा/ समाधान किया गया।

न्यायालयों का विवरण और अधिनिर्णय के लिए लंबित मामलों की संख्या:

केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण	उच्च न्यायालय	उच्चतम न्यायलय	श्रम न्यायालय
2	11	7	1

विधिक प्रकोष्ठ ने प्रतिवेदित अवधि के दौरान प्राधिकरण/पंजीयक द्वारा पारित सभी निर्णयों पर इनपुट भी प्रदान किए।

इस अवधि के दौरान, वर्ष 2022-23 के संदर्भ में, निम्नलिखित राजपत्र अधिसूचनाएँ प्रकाशित की गईं:

- राजपत्र अधिसूचना **एस.ओ. 2028 (ई) दिनांक 2 मई, 2023,** जो डॉ. टी. महापात्र, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए की नियुक्ति के संबंध में थी।
- राजपत्र अधिसूचना **एस.ओ. 2221 (ई) दिनांक 18 मई, 2023,** जो 7 फसल प्रजातियों अर्थात सागौन, कालाजीरा, केसर, डोलिचोस बीन, पेठा अथवा ऐश गॉर्ड, चिचंडा अथवा स्नेक गॉर्ड और कुंदरू अथवा आइवी गॉर्ड की अधिसूचना के संबंध में थी।
- **राजपत्र अधिसूचना 1540 (ई) दिनांक 22 मार्च, 2024,** जो 8 फसल प्रजातियों अर्थात कोकम, नींबू, चकोतरा अथवा प्यूमेलो, लिलियम, चमेली, अश्वगंधा, जैतून और एंथुरियम के पंजीकरण से संबंधित थी ।

8.3 सूचना का अधिकार (आरटीआई)

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत प्रतिवेदित अवधि 2023-24 के दौरान, श्री उमाकांत दुबे, उप पंजीयक और डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, महापंजीयक पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में क्रमशः केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) और प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) के रूप में नामित किए गए थे ताकि सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत सूचना के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों को सूचना प्रदान की जा सके। नामित अधिकारियों का विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट यानी https://plantauthority.gov.in/ पर आरटीआई शीर्षक मेन्यू के अंतर्गत उपलब्ध है। मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) को सूचना प्रस्तुत करने के लिए आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 25(2) के तहत निहित प्रावधानों का अनुपालन नियमित आधार पर किया जा रहा है। प्राधिकरण सीआईसी द्वारा पारदर्शिता लेखापरीक्षा और सीआईसी एवं आरटीआई अधिनियम, 2005 के अनुसार अन्य आवश्यकताओं और अपेक्षाओं का अनुपालन करता है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, प्राधिकरण को आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत सूचना प्राप्त करने हेतु 16 आवेदन या तो सीधे आवेदक से प्राप्त किए गए या अन्य विभागों द्वारा स्थानांतरित किए गए थे। मांगी गई सूचना निर्धारित अवधि के भीतर उपलब्ध कराई गई।

प्राधिकरण द्वारा प्राप्त आवेदनों की स्थिति नियमित आधार पर उसकी वेबसाइट पर अपलोड की जाती है। आवेदनों की तिमाही स्थिति प्राधिकरण और केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) की वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिसमें शुल्क प्राप्ति सहित पूर्ण विवरण भी शामिल है।

8.4 गवर्मेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम)

प्रतिवेदित वर्ष 2023-24 के दौरान, प्राधिकरण ने आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद जेम के माध्यम से **41906708/-** रुपये (चार करोड़ उन्नीस लाख छह हजार सात सौ आठ रुपये मात्र) मूल्य की विभिन्न वस्तुओं का क्रय किया। मूल्य और वस्तुओं सहित क्रय का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	विवरण (उत्पाद एवं सेवाएं)	राशि (रु.)
1	प्रिंटर, ऑल इन वन पीसी, हार्ड डिस्क, प्लास्टिक कुर्सी, टोनर, जेरॉक्स ड्रम, ऑनलाइन यूपीएस, हैंडवाश, टिशू पेपर, पेनड्राइव, फ्रैंकिंग मशीन, लैपटॉप बैग, डेयरी, हैंगिंग पॉलीप्रोपीलीन, नोटशीट, नोटपैड, रजिस्टर, पेपर रिम, स्टेपलर, लिक्विड इलेक्ट्रिक हीटर, झाड़ू, बाइंडर क्लिप आदि।	2705300
2.	सेवाएं:	
	जनशक्ति	26883203
	वाहन किराये पर लेना	2039715
	लेखापरीक्षा सेवा	19436
	पुष्पविक्रेता सेवा	10128
3.	किसानों के अधिकारों पर वैश्विक प्रदर्शनी (भाकृअनुप जेम)	10248926
	कुल	**41906708**

8.5 अभिलेखों का निरीक्षण तथा प्रमाणित प्रतियों की आपूर्ति

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, पीपीवीएफआर अधिनियम, 2001 की धारा 84 तथा पीपीवीएफआर नियम, 2003 के नियम 76 के अंतर्गत अभिलेखों के निरीक्षण तथा प्रमाणित प्रतियों की आपूर्ति के लिए 4 अनुरोध प्राप्त हुए। उपरोक्त प्रयोजन के लिए फीस के रूप में 89,500/- (नवासी हजार पांच सौ रुपए मात्र) की राशि संबंधित आवेदकों द्वारा जमा की गई। फीस प्राप्त होने के पश्चात, संबंधित आवेदकों को प्रमाणित प्रतियां प्रदान की गईं।

8.6 शाखा कार्यालय:

पीपीवीएफआर प्राधिकरण के देश के विभिन्न भागों में पांच शाखा कार्यालय हैं, जिनका प्रमुख उप पंजीयक होता ह जिनका विवरण नीचे दिया गया ह

1. **श्री. यू. के. दुबे (प्रभारी), उप पंजीयक,** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कम्प्यूटर सेंटर बिल्डिंग, दामोदर इंटरनेशनल गेस्ट हाउस के पास, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर, कांके, रांची (झारखंड)-834006.

2. **श्री यू. के. दुबे, उप पंजीयक (प्रभारी),** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, असम कृषि विश्वविद्यालय, प्रशासनिक भवन के पास, खानापाड़ा, गुवाहाटी-781022.

3. **डॉ. स्वर्ण लता, उप पंजीयक (अनुबंध आधार पर),** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, सीएसके एचपी कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश-176061.

4. **श्री आर.एस. सेंगर, उप पंजीयक (प्रभारी),** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, सेंटेनरी भवन, कृषि महाविद्यालय परिसर, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र-411005.

5. **डॉ. ए.के. सिंह, उप पंजीयक (प्रभारी),** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, यूएएचएस शिवमोगा, अब्बलगेरे पोस्ट, शिवमोग्गा, कर्नाटक-577204.

सितंबर, 2018 में, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक), उत्तरी दिल्ली की अध्यक्षता का दायित्व सौंपा गया था। वर्ष के दौरान प्रत्येक छमाही में एक बैठक आयोजित की जाती है तथा समिति में कुल 68 सदस्य कार्यालय शामिल हैं। राजभाषा के विभिन्न प्रावधानों को प्रशासित करने के लिए 10 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया।

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण में राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं हिंदी कार्यशाला

राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए प्राधिकरण में राजभाषा कार्यान्वयन समिति पहले से ही विद्यमान है। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान प्रत्येक तिमाही में बैठकें आयोजित की गईं तथा राजभाषा से संबंधित मुद्दों पर सारगर्भित चर्चा की गई। प्राधिकरण में 30 जून, 2023 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्राधिकरण के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। विधिक सलाहकार श्री डी. एस. राज गणेश ने संपत्ति अधिकारों पर हिंदी कार्यशाला में एक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने हिंदी के महत्व के बारे में अपने सुझाव साझा किए तथा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने की सलाह दी। टोलिक की बैठक 16/11/2023 को आयोजित की गई।

हिंदी दिवस/ सप्ताह/ पखवाड़ा एवं हिंदी चेतना मास का आयोजन

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण में 14 सितम्बर से 13 अक्टूबर, 2023 के दौरान हिंदी चेतना मास मनाया गया। इस दौरान निम्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं:- **1. मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर तथा अर्थ को परिभाषित कर लघुकथा लेखन, 2. निबंध लेखन प्रतियोगिता, 3. टिप्पण एवं प्रारूपण, 4. अंग्रेजी-हिंदी प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता 5. अभिप्रेरक कहानी/कहानी सुनाना प्रतियोगिता** आयोजित की गई, जिनमें स्थायी अधिकारियों सहित अनेक संविदा कर्मचारियों ने भाग लिया। प्राधिकरण में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। हिंदी चेतना मास प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम निम्न प्रकार हैं:-

मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर तथा अर्थ को परिभाषित कर लघुकथा लेखन

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री रामवीर सिंह	प्रथम
2.	श्री धर्मेन्द्र	द्वितीय
3.	श्रीमती रितु यादव	तृतीय
4.	श्री अशोक कुमार	सांत्वना-I
5.	डॉ. ज्योति जायसवाल	सांत्वना-II

मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर तथा अर्थ को परिभाषित कर लघुकथा लेखन (हिंदीत्तर कर्मचारियों के लिए)

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री हर्षवर्धन नंदनवार	प्रथम
2.	श्री डी. एस. राज गणेश	द्वितीय
3.	डॉ. रागुल सुब्रमण्यन	तृतीय

निबंध लेखन प्रतियोगिता

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री रामवीर सिंह	प्रथम
2.	श्रीमती सुदेश	द्वितीय
3.	श्री श्याम नारायण प्रसाद	तृतीय
4.	श्री गौरव ठाकुर	सांत्वना-I
5.	श्रीमती शाहीन प्रवीन	सांत्वना-II

निबंध लेखन प्रतियोगिता (हिंदीत्तर कर्मचारियों के लिए)

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री संगामेश नेवन	प्रथम
2.	सुश्री अंजलि नायक	द्वितीय
3.	डॉ. रागुल सुब्रमण्यन	तृतीय

टिप्पण एवं प्रारूपण

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री धर्मेंद्र	प्रथम
2.	श्रीमती रितु यादव	द्वितीय
3.	श्री संतोष सिंह बिष्ट	तृतीय
4.	डॉ. ज्योति जायसवाल	सांत्वना-I
5.	श्री गौरव कुमार शर्मा	सांत्वना-II

टिप्पण एवं प्रारूपण (हिंदीत्तर कर्मचारियों के लिए)

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री संगामेश नेवन	प्रथम
2.	श्री हर्षवर्धन नंदनवार	द्वितीय

अंग्रेजी-हिंदी प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री गौरव कुमार शर्मा	प्रथम
2.	श्रीमती मनिशा	द्वितीय
3.	सुश्री गरिमा ठाकुर	तृतीय
4.	सुश्री योजना चौधरी	सांत्वना-I
5.	श्री गौरव (जीन बैंक)	सांत्वना-II

अंग्रेजी-हिंदी प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता (हिंदीत्तर कर्मचारियों के लिए)

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	सुश्री अंजलि नायक	प्रथम

अभिप्रेरक कहानी/कहानी सुनाना प्रतियोगिता

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री सुभाष मेहतो	प्रथम
2.	श्रीमती सुदेश	द्वितीय
3.	श्री अरुण कुमार	तृतीय
4.	श्रीमती गरिमा कर्नाटक	सांत्वना-I
5.	श्री पवन पांडे	सांत्वना-II

अभिप्रेरक कहानी/कहानी सुनाना प्रतियोगिता (हिंदीत्तर कर्मचारियों के लिए)

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	श्री डी. एस. राज गणेश	प्रथम

राजभाषा हिंदी का प्रयोग

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यालय में राजभाषा हिंदी का प्रयोग किया जाता है। प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा टिप्पणियां एवं प्रारूप हिंदी भाषा में तैयार किए जाते हैं। राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी आवश्यक दस्तावेज द्विभाषी रूप में जारी किए गए तथा भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार क्षेत्र क, ख और ग के साथ पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है।

8.8. 01.10.2023 को प्रातः 10:00 बजे "स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2023", एक व्यापक स्वच्छता अभियान में पीपीवीएंडएफआर प्राधिकरण की भागीदारी।







आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या 2/8/2019-एसबीएम IV दिनांक 22 सितंबर, 2023 के संदर्भ में, पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान का हिस्सा बनने के लिए सलाह के अनुसार कदम उठाए हैं। प्राधिकरण के सभी कर्मचारियों ने 29 सितंबर, 2023 को "स्वच्छता शपथ" ली। उन्हें कार्यालय, उसके परिसर और अपने-अपने घरों के साथ-साथ अपने आवास के आस-पास सफाई कायम रखने की सलाह दी गई। कर्मचारियों को कार्यालय में फाइलों को श्रेणीबद्ध करने और उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरानी फाइलों को त्यागने के लिए भी कहा गया ताकि सीमित कार्यालय स्थान पर बोझ को कम किया जा सके। प्राधिकरण के कर्मचारियों ने 1 अक्टूबर, 2023 को गांव दशघरा और बस स्टॉप से सटे सार्वजनिक मार्गों और क्षेत्रों की सफाई में भाग लिया। रद्दी कागज, पत्तियां, पॉलीथीन, इस्तेमाल की गई बोतलें, पूराने फर्नीचर के टुकड़ों, फोटो फ्रेम, पूजा-पाठ में उपयोग किए गए फूल एवं अन्य सामग्रियां, आदि को एकत्र करके एमसीडी अपशिष्ट संग्रह वाहन में डाला गया। कचरा संग्रहण स्थल पर मीडिया कर्मियों से बातचीत कर स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्राधिकरण के सभी कर्मचारियों ने एक घंटे से अधिक समय तक इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। नागरिक पोर्टल पर एक साइट बनाई गई जिसमें इस कार्यक्रम की कुछ तस्वीरों के साथ प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध की गई।



8.9. सतर्कता जागरुकता सप्ताह समारोह

हालांकि प्राधिकरण केंद्रीय सतर्कता अधिनियम या केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम (2003) के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है, फिर भी, प्राधिकरण ने स्वयं को किसी भी भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरुपयोग से मुक्त रखने की भावना को बनाए रखने के मद्देनजर, तथा सतर्कता अधिनियम के अनुपालन में सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया और अपने कर्मियों, कर्मचारियों तथा अधिकारियों को शपथ दिलाई ।

प्राधिकरण ने सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया जहां प्राधिकरण के कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से सतर्कता जागरुकता सप्ताह (30 अक्टूबर, 2023 से 5 नवंबर, 2023) के हिस्से के रूप में, भ्रष्टाचार की रोकथाम और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में भाग लिया, जिसका विषय था "भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" (अर्थात भ्रष्टाचार को ना कहें; राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध रहें)।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन सत्यनिष्ठा शपथ लेने के साथ शुरू हुआ।

8.10. पीपीवी और एफआर प्राधिकरण की बठकें

वर्ष 2023-24 के दौरान, पीपीवी और एफआर प्राधिकरण की दो बैठकें आयोजित की गईं तथा बैठकों के विस्तृत विवरण पीपीवी और एफआरए वेबसाइट पर उपलब्ध किए गए। इन बैठकों के मुख्य बिंदु निम्न प्रकार हैं:

8.11. अन्य बठक

8.11.1 पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र की भारत के माननीय राष्ट्रपति से मुलाकात



पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र को 29 मई, 2023 को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से मिलने का अवसर मिला। माननीय राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन के कारण भारतीय कृषि के समक्ष चुनौतियों तथा जैविक और अजैविक तनावों से सहिष्णु किस्मों की पहचान और संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए उनके साथ मिलकर काम करने और इस संबंध में किसानों की किस्मों का उपयोग करने की भी सलाह दी। डॉ. महापात्र ने आश्वासन दिया कि पीपीवीएफआरए प्राधिकरण के समग्र अधिदेश के अनुसार किसानों के साथ मिलकर काम करेगा और राष्ट्रपति के बहुमूल्य सुझावों और मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

8.11.2 बायोवर्सिटी ंटरनेशनल-सीआईएटी एलायंस के महानिदेशक का पीपीवीएफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली में दौरा



बायोवर्सिटी इंटरनेशनल, रोम और सीआईएटी, कैली, कोलंबिया के एलायंस के महानिदेशक श्री जुआन लुकास रेस्ट्रेपो ने 13.06.2023 को पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) का एक शिष्टाचारी दौरा किया। पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और कहा कि कृषि जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग के संदर्भ में पीपीवीएफआरए और एलायंस के बीच तालमेल अत्यधिक प्रासंगिक है। डॉ. महापात्र ने पीपीवीएफआरए द्वारा किए जा रहे कार्यों, विशेष रूप से किसानों की किस्मों और किसानों के अधिकारों के संरक्षण के बारे में संक्षेप में उल्लेख किया। श्री रेस्ट्रेपो ने एलायंस द्वारा की जा रही गतिविधियों का विवरण दिया और भारत में सफलतापूर्वक चलाए जा रहे सामुदायिक बीज बैंकों के कार्यों पर प्रकाश डाला।

8.11.3 पौधा किस्मों और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप) के बीच पारस्परिक बठक



पीपीवीएफआरए और भाकृअनुप के बीच एक पारस्परिक बैठक बोर्ड रूम, इंटरनेशनल गेस्ट हाउस (आईजीएच), एनएएससी, नई दिल्ली में 21 जुलाई, 2023 को सुबह 10:00 बजे आयोजित की गई। डॉ. एच. पाठक, महानिदेशक, भाकृअनुप अपने सहयोगियों डॉ. टी. आर. शर्मा, उप महानिदेशक, (सीएस), डॉ. डी. के. यादव, सहायक महानिदेशक (बीज), डॉ. वी. बी. पटेल, सहायक महानिदेशक (बागवानी) और डॉ. एस. घोष, सहायक महानिदेशक (समुद्री मत्स्य पालन) के साथ इस बैठक में उपस्थित थे। पीपीवीएफआरए की ओर से डॉ. टी. महापात्र, डॉ. डी. के. अग्रवाल और अन्य ने बैठक में भाग लिया।

डॉ. डी. के. अग्रवाल ने निम्नलिखित कार्यसूची मदों अर्थात एजेंडा आइटम पर एक प्रस्तुति दी:

i) भाकृअनुप द्वारा पंजीकृत किस्मों के लिए वार्षिक/नवीनीकरण शुल्क का भुगतान

ii) विद्यमान अधिसूचित किस्मों का पंजीकरण

iii) वीसीयू और डीयूएस परीक्षण का एकीकरण

iv) भाकृअनुप के एजेंट और लाइसेंसधारी का पंजीकरण

v) किसानों के बीच लाभ साझा करने की सुविधा

vi) किसानों की किस्मों के पंजीकरण में सुविधा

vii) सामुदायिक बीज बैंक की स्थापना

उपर्युक्त प्रत्येक कार्यसूची मदों पर चर्चा की गई और उचित निर्णय लिए गए।

8.11.4 पीपीवी एवं एफआरए और एनबीए के बीच एनबीए, चन्नई में 07 अगस्त, 2023 को पारस्परिक बठक

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) तथा राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) के बीच पारस्परिक बैठक राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) कार्यालय, चेन्नई में 7 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई।



पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र, महापंजीयक डॉ. डी. के. अग्रवाल और विधिक सलाहकार श्री डी. एस. राज गणेश एवं डॉ. ए. के. सिंह, एसटीओ बैठक में उपस्थित थे। बैठक में सैद्धांतिक रूप से सहमति हुई कि संचालन के मुख्य क्षेत्रों में अभिसरण और तालमेल पर विचार किया जाएगा ।

(i) राष्ट्रीय जीन कोष के माध्यम से पौधों के आनुवंशिक संसाधनों के इन-सीटू एवं एक्स-सीटू संरक्षण के लिए पीपीवीएफआरए द्वारा बीएमसी को वित्तपोषित करना ।

(ii) राष्ट्रीय जीन फंड और राष्ट्रीय जैव विविधता कोष को दान के लिए आयकर छूट प्राप्त करने हेतु संयुक्त प्रयास कना।

(iii) राष्ट्रीय जीन फंड और राष्ट्रीय जैव विविधता कोष के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निधियां सुनिश्चित एवं संरक्षित करना ।

(iv) किसानों की किस्मों के पंजीकरण के लाभार्थ, पीबीआर का उपयोग करना और बीएमसी द्वारा पादप जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार/ पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार एवं पादप जीनोम संरक्षक कृषक अभिज्ञान पुरस्कार बीएमसी द्वारा प्रदान करने हेतु पुरस्कार विजेताओं का नामांकन किया जाए। यह निर्णय लिया गया कि इस तरह की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए।

पीपीवीएफआरए ने इस बैठक के लिए एनबीए का दौरा किया।

8.12. वर्ष 2023-23 के दौरान विभिन्न बठकों और चर्चाओं में अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए, की सहभागिता

तिथि	विवरण
अप्रल, 2023	
21.04.2023	अध्यक्ष ने हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन राइस ब्रान ऑयल-2023 में सहभागिता की।
22.04.2023	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-एनआरआरआई, कटक, ओडिशा में 78वें स्थापना दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की और और धान दिवस पर व्याख्यान दिया।
मई, 2023	
11.05.2023-12.05.2023	अध्यक्ष ने पीपीवीएफआर अधिनियम और सभी हितधारकों द्वारा इसके प्रभावी कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (एनआरआरआई), कटक में क्षेत्रीय कार्यशाला में सहभागिता की।

15.05.2023	अध्यक्ष ने ओडिशा के भुवनेश्वर में आर्गस कृषि विकास सम्मेलन में "सम्मानित अतिथि" के रूप में सहभागिता की।
22.05.2023-23.05.2023	अध्यक्ष ने खरीफ-2023 के लिए दक्षिणी क्षेत्र डीयूएस केंद्रों की 19वीं वार्षिक डीयूएस समीक्षा बैठक में सहभागिता की जिसका आयोजन आईआईएचआर, बैंगलोर में किया गया था।
24.05.2023	अध्यक्ष ने मैसूर, बैंगलोर में एफपीओ/एफपीसी (सहज बीज) से जुड़े किसानों की किस्मों के बीज उत्पादकों के साथ चर्चा की।
जून, 2023	
12.06.2023	अध्यक्ष ने क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, लाम गुंटूर के सभागार में 59वें स्थापना दिवस समारोह में सहभागिता की।
26.06.2023	अध्यक्ष ने केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर में किसानों के अधिकारों पर जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की।
जुलाई, 2023	
17-20 जुलाई, 2023	अध्यक्ष ने खाद्य और कृषि के लिए आनुवंशिक संसाधनों पर आयोग (सीजीआरएफए) के 19वें नियमित सत्र के दौरान किसानों के अधिकारों पर रोम में स्थित एफएओ मुख्यालय में साइड इवेंट के सह-आयोजन में सहभागिता की।
25 जुलाई,, 2023	अध्यक्ष ने पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम के बारे में जागरुकता पर जीबीपीयूएटी पंत नगर, उत्तराखंड में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।
31 जुलाई, 2023	अध्यक्ष ने बीएयू, रांची में पीपीवीएफआरए पर प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।
अगस्त, 2023	
6-7 अगस्त, 2023	अध्यक्ष ने खाद्य, पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए शक्तिशाली श्रीअन्नों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में और उसके बाद 7 और 8 अगस्त 2023 को एमएसएसआरएफ, चेन्नई में तकनीकी सत्र में सहभागिता की।
25 अगस्त, 2023	अध्यक्ष ने पालमपुर में सीएसआईआर-आईएचबीटी की अनुसंधान परिषद की 65वीं बैठक में सहभागिता की।
सितंबर, 2023	
6-7 अगस्त, 2023	अध्यक्ष ने खाद्य, पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए शक्तिशाली श्रीअन्नों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में और उसके बाद 7 और 8 अगस्त 2023 को एमएसएसआरएफ, चेन्नई में तकनीकी सत्र में सहभागिता की।
25 अगस्त,2023	अध्यक्ष ने पालमपुर में सीएसआईआर-आईएचबीटी की अनुसंधान परिषद की 65वीं बैठक में सहभागिता की।
6-7 अगस्त, 2023	अध्यक्ष ने खाद्य, पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए शक्तिशाली श्रीअन्नों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में और उसके बाद 7 और 8 अगस्त 2023 को एमएसएसआरएफ, चेन्नई में तकनीकी सत्र में सहभागिता

	की।
25 अगस्त, 2023	अध्यक्ष ने पालमपुर में सीएसआईआर-आईएचबीटी की अनुसंधान परिषद की 65वीं बैठक में सहभागिता की।
अक्टूबर, 2023	
10-13 अक्टूबर, 2023	अध्यक्ष ने होटल ली मेरिडन, कोच्चि में चार दिवसीय 16वें राष्ट्रीय कृषि विज्ञान सम्मेलन में सहभागिता की।
13 एवं 14 अक्टूबर, 2023	अध्यक्ष ने कोट्टायाम, करेल में निक्रा-टीडीसी बैठक तथा किसानों के लिए जागरुकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।
नवंबर, 2023	
05 नवंबर, 2023	अध्यक्ष ने कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के जीकेवीके परिसर में धान कार्यात्मक जीनोमिक्स पर 20वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसआरएफजी 2023) में संगोष्ठी की पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।
09 एवं 10 नवंबर, 2023	अध्यक्ष ने श्रीअन्नों पर भुवनेश्वर में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की।
22 नवंबर, 2023	अध्यक्ष ने "खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए अगली पीढ़ी की तैयारी" पर एएयू, जोरहाट असम में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और पूर्णकालीन व्याख्यान में सम्मानित अतिथि के रूप में सहभागिता की।
दिसंबर, 2023	
03 दिसंबर, 2023	अध्यक्ष ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क), डीएई कन्वेंशन सेंटर, अणुशक्तिनगर, मुंबई में एनएएसआई के 93वें वार्षिक सत्र में और "भारत की खाद्य सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ तथा भावी मार्ग" विषय पर चर्चा में सहभागिता की ।
13 दिसंबर, 2023	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-एनआरआई, कटक में भाकृअनुप-पूर्वी क्षेत्र खेल प्रतियोगिता 2023 के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।
13 दिसंबर, 2023	अध्यक्ष ने डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन हॉल, ओयूएटी, भुवनेश्वर में 11वीं शिक्षा परिषद-2023 में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।
22 दिसंबर, 2023	अध्यक्ष ने सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ में सीएसआईआर-एनबीआरआई की 56वीं अनुसंधान परिषद की बैठक में सहभागिता की।
26 दिसंबर, 2023	अध्यक्ष ने भाकृअनुप-राष्ट्रीय माध्यमिक कृषि संस्थान, नामकुम, रांची में 13वां डोरोथी नॉरिस व्याख्यान दिया।
जनवरी, 2024	
01 जनवरी, 2024	अध्यक्ष ने झारखंड के खरसावां में कृषि उन्नति मेले में सहभागिता की।
29-30 जनवरी, 2024	अध्यक्ष ने एनआरआरआई, कटक में 29वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में सहभागिता की।

फरवरी, 2024	
02-04 फरवरी, 2024	अध्यक्ष ने गुजरात के नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी में भारतीय कृषि सांख्यिकी सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की तथा डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान दिया।
07-09 फरवरी, 2024	अध्यक्ष ने "स्थायित्व, लाभप्रदता और पोषण सुरक्षा के लिए तिलहन ब्रासिका" विषय पर आरएआरआई (एसकेएनएयू), दुर्गापुरा, जयपुर में 5वें राष्ट्रीय ब्रासिका सम्मेलन (एनबीसी-2024) में तथा सोसायटी के लाइफ जीवन-पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार समारोह में सहभागिता की।
10 फरवरी, 2024 एवं 11 फरवरी, 2024	अध्यक्ष ने 10 फरवरी 2024 को भुवनेश्वर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज में आईएलएस स्थापना दिवस पर एक अभिप्रेरणात्मक व्याख्यान दिया तथा मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।
17 फरवरी, 2024	अध्यक्ष ने डीडीयू ऑडिटोरियम डीयूवीएएसयू, मथुरा में डॉ. पी. जी. पांडे स्मृति-व्याख्यान में व्याख्यान दिया।
21-22 फरवरी, 2024	अध्यक्ष ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के कृषि विज्ञान संकाय के पौध संरक्षण विभाग में "खाद्य सुरक्षा के लिए बाजरा: जलवायु परिवर्तन, नाशीकीटों और रोगों से स्थायी प्रतिरोध" विषय पर संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की।
24 फरवरी, 2024	अध्यक्ष ने पीआरएसयू, प्रयागराज में "पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम" में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।
25-27 फरवरी, 2024	अध्यक्ष ने चित्रकूट में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय एसडीजी सम्मेलन में 'हम क्या उगाते हैं' सत्र में एसडीजी 2 पर विचार-विमर्श के दौरान 'प्रथम शिक्षा पहल' पर मुख्य भाषण दिया।
26 फरवरी, 2024	अध्यक्ष ने उद्यमिता विद्यापीठ, चित्रकूट (सतना) में "किसानों की किस्मों के संरक्षण और कृषक अधिकार के प्रावधानों के बारे में किसानों में जागरुकता पैदा करना" विषय पर किसान कार्यशाला में सहभागिता की।
मार्च, 2024	
01 मार्च, 2024	अध्यक्ष ने द वेस्टिन कोरेगांव पार्क एनेक्सी, पुणे में "किस्मगत मूल्यांकन, परीक्षण, जर्मप्लाज्म और प्रौद्योगिकी साझाकरण के लिए सार्वजनिक निजी अनुसंधान सहयोग" शीर्षक पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
05 मार्च, 2024	अध्यक्ष ने केवीके, देवघर में माननीय कृषि मंत्री श्री अर्जुन मुंडा जी के साथ प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम में सहभागिता की।
15 मार्च, 2024	अध्यक्ष ने इमेज, भुवनेश्वर में जागरुकता प्रशिक्षण सह प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में सहभागिता की।
15 मार्च, 2024	अध्यक्ष ने बीजू पटनायक सम्मेलन हॉल/डॉ. एस. राधाकृष्णन सम्मेलन हॉल, ओयूएटी भुवनेश्वर में ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बोर्ड प्रबंधन की बैठक में सहभागिता की।
20 मार्च, 2024	अध्यक्ष ने 20 मार्च 2024 को भाकृअनुप-डीएमएपीआर, आनंद, गुजरात में भाकृअनुप-डीएमएपीआर उद्योग इंटरफेस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।

21 मार्च, 2024	अध्यक्ष ने "हरित और स्वस्थ ग्रह के लिए स्थिरता का मार्ग - 2024" पर ऑडिटोरियम हॉल, महात्मा गांधी श्रम संस्थान, ड्रिवेन-इन रोड, मेमनगर, अहमदाबाद, गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में सहभागिता की।
27 मार्च, 2024	अध्यक्ष ने "जलवायु-अनुकूल अनाजों की खेती: प्रतिरोध और स्थिरता के लिए रणनीति" पर भाकृअनुप-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल में 5वें अंतर्राष्ट्रीय समूह बैठक में अध्यक्ष के रूप में उद्घाटन सत्र में सहभागिता की।

8.13 वर्ष 2023-24 के दौरान विभिन्न बठकों और चर्चाओं में महापंजीयक की सहभागिता

माह	विवरण
अप्रल, 2023	
06.04.2023	भाकृअनुप के सहायक महानिदेशक (बीज) की अध्यक्षता में वी.सी. में ओईसीडी लिस्ट ऑफ वैराइटल सार्टिफिकेशन्स में पंजीकरण के लिए प्रस्तावों पर सिफारिशें देने के लिए समिति की बैठक।
10.04.2023	नवाचार और उद्यमिता महोत्सव (फाइन) के दौरान संपदा सृजन और रोजगार के लिए नवाचारों पर राउंडटेबल सम्मेलन के लिए पैनलिस्ट के तौर पर आमंत्रित। भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आरबीसीसी, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में नवाचार और उद्यमिता महोत्सव (फाइन) 2023 का उद्घाटन करेंगी।
10.04.2023	कृषि भवन के समिति कक्ष संख्या 138 में संधि के शासी निकाय के 9वें सत्र के परिणाम पर प्रस्तुतीकरण
12.04.2023	पीपीवी एवं एफआरए के समिति कक्ष में ऑनलाइन आवेदन, उसके कार्य और भूमिका प्रबंधन (एनआईसी) पर बैठक।
13.04.2023	प्रगति और लंबित मामलों की समीक्षा के लिए पीपीवी एवं एफआरए के समिति कक्ष में 13.04.2023 को सुबह 10:00 बजे बैठक।
18.04.2023	वी.सी. में ऑनलाइन शाखा कार्यालयों की बैठक।
26.04.2023	वी.सी. में विश्व बौद्धिक संपदा, 2023 "महिलाएं और आईपी: नवाचार और रचनात्मकता में तेजी"
27.04.2023	"जैतून के लिए डीयूस परीक्षण दिशानिर्देशों का सत्यापन और विवर्णक" पर वी.सी. में टास्क फोर्स की बैठक
मई, 2023	
02.05.2023	पीपीवी एवं एफआरए के समिति कक्ष में ऑनलाइन आवेदन, उसके कार्य और भूमिका प्रबंधन (एनआईसी) पर बैठक।

02.05.2023	किसानों के अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी के आयोजन के लिए बजट को अंतिम रूप देने के लिए कृषि भवन में भारत में बैठक।
04.05.2023 – 11.05.2023	8 मई को आईएफजीटीबी, कोयंबटूर में ऐलेन्थस की टास्क फोर्स की बैठक, 9 और 10 मई को बीज (फसल) पर एआईसीआरपी की वार्षिक समूह बैठक और 11 मई को वन वृक्ष प्रजातियों के संदर्भ किस्मों के संग्रह के लिए पुनमपुल्ली का दौरा।
15.05.2023	दक्षिण एशिया में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण के स्वस्थाने ऑन-फार्म संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आगे बढ़ने हेतु रणनीतिक नीति पर बायोडायवर्सिटी फॉर फूड एंड एग्रीकल्चर द्वारा राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी), नई दिल्ली में आयोजित वार्ता।
18.05. 2023	प्लांट अथॉरिटी भवन के निर्माण की लागत में संशोधन के लिए पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एवं फआरए) के प्रस्ताव पर विचार करने हेतु सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अध्यक्षता में कृषि भवन, नई दिल्ली के कक्ष सं. 138 में डेलिगेटेड इन्वेस्टमेंट बोर्ड की बैठक।
18.05. 2023	पीपीवी एवं आरए से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अध्यक्षता में कक्ष संख्या 142, कृषि भवन, नई दिल्ली में बैठक।
21.05.2023 – 25.05.2023	आईआईएचआर, बंगलौर में खरीफ, 2023 के लिए दक्षिणी क्षेत्र के डीयूएस केंद्रों की 19वीं वार्षिक डीयूएस समीक्षा बैठक में सहभागिता तथा मैसूर में एफपीओ/एफपीसी (सहज बीज) से जुड़े किसानों की किस्मों के बीज उत्पादकों के साथ चर्चा।
25.05.2023	बीज क्षेत्र विकास पर भारत-जर्मन सहयोग के तहत पौधा किस्म परीक्षण में डीयूएस परीक्षण - तोरिया/सरसों के उदाहरण का उपयोग – में डीयूएस परीक्षण डेटा की ई-प्रोसेसिंग और प्रबंधन पर हरभजन सिंह समिति कक्ष, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में ऑनलाइन आदान-प्रदान (हाइब्रिड सेमिनार) बैठक।
31.05.2023	पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में हिंदी राजभाषा पर बैठक।
जून, 2023	
05.06.2023	पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में प्राधिकरण के ऑनलाइन आवेदन के लिए एनआईसी के साथ बैठक।
05.06.2023	एनएएएस स्थापना दिवस, स्थापना दिवस व्याख्यान श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम, आईएएस, सीईओ, नीति आयोग द्वारा दिया जाएगा। नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद ने ए.पी. शिंदे संगोष्ठी हॉल में मुख्य अतिथि बनने के लिए सहमति व्यक्त की है।
06.06.2023	विद्यमान किस्मों के पंजीकरण के लिए समय सीमा से संबंधित मुद्दों और कंपाउंड पंजीकरण के मामले पर विचार करने के लिए डॉ. आर. एस. परोदा, पूर्व सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक, भाकृअनुप की अध्यक्षता में समिति का गठन करने हेतु बैठक।

09.06.2023	पीपीवीएफआर प्राधिकरण में विभिन्न पदों के लिए भर्ती नियम बनाने हेतु पीपीवीएफआर प्राधिकरण के समिति कक्ष में बैठक।
09.06.2023	वी.सी. में आईटीपीजीआरएफए एवं भारत सरकार - किसानों के अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी।
12.06.2023	विदेश मंत्रालय के साउथ ब्लॉक में कक्ष संख्या 79 में किसानों के अधिकारों के संबंध में वैश्विक संगोष्ठी।
12.06.2023	महापंजीयक की अध्यक्षता में रजिस्ट्री कार्य प्रगति की समीक्षा करने के लिए पीपीवी एवं एफआरए समिति कक्ष में बैठक।
14.06.2023	लिलियम पर डीयूएस दिशा-निर्देशों पर आंतरिक चर्चा करने के लिए पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के समिति कक्ष में बैठक।
15.06.2023	एंथुरियम पर डीयूएस दिशा-निर्देशों पर आंतरिक चर्चा करने के लिए पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के समिति कक्ष में बैठक।
16.06.2023	जैतून पर डीयूएस दिशा-निर्देशों पर आंतरिक चर्चा करने के लिए पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के समिति कक्ष में बैठक।
20.06.2023	ओईसीडी लिस्ट ऑफ वैरायठल सार्टिफिकेशन में किस्मों के पंजीकरण के लिए सहायक महानिदेशक (बीज), भाकृअनुप की अध्यक्षता में वी.सी. में बैठक।
21.06.2023	एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण द्वारा कार्यान्वित जीईएफ परियोजना की राष्ट्रीय परियोजना संचालन समिति (एनपीएससी) की बैठक।
21.06.2023	पादप किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एवं एफआरए) के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अध्यक्षता में कृषि भवन, नई दिल्ली के कक्ष संख्या 138 में डेलिगेटेड इन्वेस्टमेंट बोर्ड की बैठक। पौध प्राधिकरण भवन, टोडापुर गांव, नई दिल्ली में हिंदी कार्यशाला। दिल्ली-12
22.06.2023	पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के महापंजीयक की अध्यक्षता में ऑनलाइन आवेदन एवं भूमिका प्रबंधन के कार्यप्रवाह पर चर्चा।
23.06.2023	पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण के महापंजीयक की अध्यक्षता में ऑनलाइन आवेदन एवं भूमिका प्रबंधन के कार्यप्रवाह पर चर्चा।
28.06.2023	पीपीवी एवं एफआरए प्राधिकरण के समिति कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक।
30.06.2023	आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम)-आईपी अभियान – सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनपीएल), पूसा रोड, नई दिल्ली में "राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा महोत्सव" का उत्सव।

30.06.2023	टोडापुर गांव, नई दिल्ली-12 के सामने स्थित पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण में हिंदी कार्यशाला।
जुलाई, 2023	
05.07.2023	समिति के अध्यक्ष प्रो. आर. बी. सिंह, पूर्व कुलाधिपति, सीएयू, इंफाल की अध्यक्षता में समिति कक्ष- I, एनएएएस, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, डीपीएस मार्ग, नई दिल्ली 110012 में पादप जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार 2020-21 और 2021-22 की चयन समिति की हाइब्रिड (ऑफलाइन और ऑनलाइन) मोड में बैठक।
06.07.2023	समिति कक्ष, पीपीवीएफआरए में परियोजना मूल्यांकन समिति की बैठक।
07.07.2023	आनुवंशिक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान से संबद्ध आनुवंशिक संसाधनों से जुड़े पारंपरिक ज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय विधिक लिखत के मसौदा पाठ से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने हेतु सचिव (डीपीआईआईटी) की अध्यक्षता में 225, वाणिज्य भवन, अकबर रोड, नई दिल्ली में बैठक।
11.07.2023	आईटीपीजीआरएफए के साथ किसानों के अधिकारों पर वी. सी. में वैश्विक संगोष्ठी के लिए अगले कदमों पर चर्चा।
14.07.2023	वी. सी. में भारत-जर्मनी बीज परियोजना के संबंध में बैठक।
14.07.2023	डीपीआईआईटी आईपीटी चेयर जुलाई महीने में राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा महोत्सव के अवसर पर वी.सी. में "भारत में पौधा किस्म संरक्षण" के संबंध में आमंत्रित वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन जिसमें मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में सहभागिता।
21.07.2023	विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने हेतु पीपीवीएफआरए और भाकृअनुप अधिकारियों के बीच बोर्ड रूम, आईजीएच, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में बैठक।
22.07.2023	एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110012 में विद्यमान किस्मों के पंजीकरण के लिए समय सीमा और पंजीकरण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा [हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड)]।
23.07.2023 – 25.07.2023	भाकृअनुप-पुष्प कृषि अनुसंधान निदेशालय, पुणे द्वारा आयोजित किसान जागरुकता कार्यक्रम में सहभागिता और पीपीवीएफआरए शाखा कार्यालय, पुणे की गतिविधियों का दौरा और समीक्षा।
27.07.2023	नींबू, चकोतरा और कोकम के लिए डीयूएस दिशानिर्देशों पर वी.सी. में डॉ. टी. महापात्र की अध्यक्षता में बैठक।
28.07.2023	किसान अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी से संबंधित आयोजन समिति की बोर्ड रूम, आईजीएच, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में बैठक।

अगस्त, 2023	
02.08.2023	पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में मासिक बैठक।
03.08.2023	एफआर पर वैश्विक संगोष्ठी - आईटीपीजीआरएफए, एफएओ के साथ वी.सी. में तीसरी प्रिपेटरी बैठक।
04.08.2023 – 08.08.2023	डीयूएस परीक्षण केंद्र की गतिविधियों की समीक्षा और पीपीवीएफआरए और एनबीए के बीच इंटरफेस बैठक।
09.08.2023	किसान अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी के आयोजन के लिए 12 से 15 सितंबर, 2023 तक भाकृअनुप-आईजीएच, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, डीपीएस मार्ग, नई दिल्ली - 110012 के बोर्ड रूम में सलाहकार समिति की बैठक।
10.08.2023	वैश्विक संगोष्ठी के आयोजन के लिए गठित कार्य समितियों का अध्यक्ष और संयोजक, भाकृअनुप-आईजीएच, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, डीपीएस मार्ग, नई दिल्ली - 110012 के बोर्ड रूम में
11.08.2023	आईटीपीजीआरएफए, एफएओ के साथ वीसी में एफआर पर वैश्विक संगोष्ठी-चौथी प्रिपेटरी बैठक।
16.08.2023	बोर्ड रूम, आईजीएच, नई दिल्ली में पीपीवीएफआर प्राधिकरण की 36वीं बैठक।
18.08.2023	आईटीपीजीआरएफए, एफएओ के साथ वीसी में एफआर पर वैश्विक संगोष्ठी-पाचवीं प्रिपेटरी बैठक।
25.08.2023	आईटीपीजीआरएफए, एफएओ के साथ वीसी में एफआर पर वैश्विक संगोष्ठी-छठी प्रिपेटरी बैठक।
30.08.2023	किसानों के अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा के लिए बोर्ड रूम, आईजीएच, भाकृअनुप, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में एक बैठक।
31.08.2023	किसानों के अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा के लिए बोर्ड रूम, आईजीएच, भाकृअनुप, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में एक बैठक।
सितंबर, 2023	
01.09.2023	आईटीपीजीआरएफए, एफएओ के साथ वीसी में एफआर वैश्विक संगोष्ठी-सातवीं प्रिपेटरी बैठक।
04.09.2023	व्याख्यान कक्ष 1, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में एजीएम से पहले तकनीकी सत्र में सम्मानित वक्ता के रूप में आमंत्रित।

05.09.2023	प्राधिकरण की प्रगति की समीक्षा के लिए अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए की अध्यक्षता में प्राधिकरण के समिति कक्ष में मासिक बैठक।
11.09.2023	बोर्ड रूम, आईजीएच, भाकृअनुप, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में सुविधाकर्ताओं/ संचालकों/ वक्ताओं और पैनलिस्टों के साथ एक प्रिपेटरी/ब्रीफिंग संक्षिप्त बैठक।
22.09.2023	12 से 15 सितंबर, 2023 तक किसानों के अधिकारों पर वैश्विक संगोष्ठी के लिए गठित समितियों की बैठक, पीपीवीएफआर प्राधिकरण, व्याख्यान कक्ष, एनएएएस, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।
25.09.2023 – 30.09.2023	नीदरलैंड (नाकटेनबौ) में "टमाटर (ग्रीनहाउस) पर डीयूएस परीक्षण" के लिए एक अध्ययन यात्रा और परामर्श बैठक में भाग लेने के लिए नीदरलैंड का दौरा।
अक्टूबर, 2023	
04.10.2023	अध्यक्ष, पीवीएफआरए की अध्यक्षता में पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में मासिक बैठक।
06.10.2023 – 14.10.2023	कृषि विज्ञान सम्मेलन और जागरुकता कार्यक्रम तथा केवीके, कोट्टायम, केरल द्वारा आयोजित क्षेत्रीय दौरे के दौरान पीपीवीएफआर पर विशेष सत्र में सहभागिता।
19.10.2023	अश्वगंधा के संबंध में दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए वी.सी. में टास्क फोर्स की बैठक।
26.10.2023	पीपीवीएफआरए के विभिन्न पदों के लिए भर्ती नियमों पर चर्चा के लिए पीपीवीएफआर प्राधिकरण में बैठक।
30.10.2023	अश्वगंधा के संबंध में वी.सी. में डीयूएस की बैठक।
31.10.2023	प्रस्तावित परिवर्तनों के साथ मसौदा भर्ती नियमों (आरआर) पर चर्चा के लिए समिति कक्ष, पीपीवीएफआरए में बैठक।
नवंबर, 2023	
01.11.2023	टीईए डीयूएस पीपीवी और एफआरए परियोजना पर वी.सी. में एक बैठक।
03.11.2023	पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में बैठक (विदेश यात्रा पर महापंजीयक द्वारा प्रस्तुति)
06.11.2023	पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में मासिक बैठक।
16.11.2023	"लिलियम पर डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों के विकास और चमेली के संबंध में डीयूएस दिशा-निर्देशों के संशोधन" को अंतिम रूप देने के लिए पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में बैठक।

17.11.2023	"डीयूएस और पीवीपी डेटा प्रबंधन" पर ऑनलाइन/ऑफ़लाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।
19.11.2023 – 25.11.2023	रोम, इटली में खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि के शासी निकाय के दसवें सत्र में सहभागिता।
दिसंबर, 2023	
04.12.2023	अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए की अध्यक्षता में पीपीवीएफआरए में मासिक बैठक।
13.12.2023 – 16.12.2023	दीमापुर में क्षेत्रीय कृषि मेला 2023-24 में भाग लेने और जोरहाट में नींबू, घास, चाय और बांस के डीयूएस केंद्र का दौरा।
22.12.2023	पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में तिमाही बैठक।
जनवरी, 2024	
03.01.2024	पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में मासिक बैठक।
12.01.2024	पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में संयुक्त पंजीयक, डी.आर. चौधरी द्वारा फील्ड जीन बैंक के लिए ऑनलाइन बैठक।
12.01.2024	भारत में एफएओ प्रतिनिधियों के साथ पीपीवीएफआरए में बैठक।
15.01.2024	वी.सी. में भारतीय परिस्थितियों में **प्राण** (*एलियम x प्रोलिफेरम*) के लिए डीयूएस दिशा-निर्देशों का विकास पर बैठक, डॉ. गीतिका मलिक, वैज्ञानिक (बागवानी- सब्जी विज्ञान), सब्जी विज्ञान और पुष्प कृषि विभाग, भाकृअनुप-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर -191132 और बम्बारा **मूंगफली** (*विग्ना सबटेरेनिया* (एल.)*(Verdc)* में डीयूएस परीक्षण करने के लिए दिशा-निर्देशों का विकास। डॉ. नंदिनी, एन., प्रोफेसर, आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, यूएएस, जीकेवीके, बेंगलुरु, कर्नाटक – 560065.
19.01.2024	पीपीवीएफआर प्राधिकरण की जनशक्ति की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए डॉ. पी. एल. गौतम, कुलपति, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में समिति की पहली बैठक, एनएएएस कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110012.
20.01.2024 – 23.01.2024	डिंडोरी के आदिवासी किसानों और कृषि विभाग के कर्मियों के साथ एक गहन सत्र में सहभागिता। पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार पर डिंडोरी में चर्चा तथा एम.एससी. एवं पी.एच.डी. छात्र समुदाय एवं प्रगतिशील कृषकों के साथ जैवविविध स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण में जेएनकेवीवी, जबलपुर में भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण पर कार्यक्रम।
24.01.2024	डॉ. प्रियंका ठाकुर, प्रधान पुष्पकृषि वैज्ञानिक, आरएचआरटीएस, धौला कुआं, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के साथ वी.सी. में चर्चा।

31.01.2024	प्रोफेसर एस.एस. बंगा की अध्यक्षता में समिति कक्ष में ई.डी.वी. समिति की बैठक।
फरवरी, 2024	
01.02.2024 – 04 02 2024	एसबीआई, सीआईसीआर और टीएनएयू में डीयूएस ट्रेल्स की निगरानी करना और एसबीआई, सीआईसीआर, टीएनएयू तथा आईएफजीटीबी, कोयंबटूर में स्थित डीयूएस केंद्रों के कामकाज पर चर्चा और समीक्षा।
02.02.2024	डॉ. जहूर अहमद भट, एसोसिएट प्रोफेसर, फ्लोरीकल्चर लैंडस्केप एंड आर्किटेक्चर विभाग, बागवानी संकाय, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, शालीमार, श्रीनगर के साथ वी.सी. में चर्चा।
05.02.2024	श्री मिशेल वैन एरकेल (कृषि परामर्शदाता) और श्री श्रीतनु चटर्जी (वरिष्ठ नीति सलाहकार) के साथ एनएएससी में बैठक।
06.02.2024	पीएआरवी पोर्टल के कामकाज और इससे जुड़े अन्य तकनीकी मुद्दों पर चर्चा करने हेतु पीपीवीएफआर प्राधिकरण, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110012 में बैठक।
08.02.2024	समिति कक्ष, पीपीवीएफआरए में हिंदी कार्यशाला।
12.02.2024	मौजूदा डीयूएस परीक्षण दिशा-निर्देशों को संशोधित करना तथा नई फसलों की पहचान करना, जिनके लिए डीयूएस दिशा-निर्देश विकसित किए जाने की आवश्यकता है, के संबंध में डॉ. मंगला राय, पूर्व महानिदेशक, भाकृअनुप एवं सचिव, डेयर की अध्यक्षता में आईजीएच बोर्ड रूम, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110012 में चर्चा।
14.02.2024	यह चर्चा करने के लिए क्या हमें पीवीपी नंबर के साथ जारी रहना चाहिए या उसे बंद कर देना चाहिए, इस संबंध में महापंजीयक, पीपीवीएफआरए की अध्यक्षता में समिति कक्ष, पीपीवीएफआरए में बैठक।
19.02.2024	प्लांट अथॉरिटी भवन, नई दिल्ली में शिल्प कार्य पर चर्चा।
19.02.2024	पीएएन-804 से संबंधित मामलों पर पीपीवीएफआरए में चर्चा।
20.02.2024	डॉ. स्वप्न कुमार दत्ता, पूर्व अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए एवं डीडीजी (फसल विज्ञान) की अध्यक्षता में विशेष/गुणवत्ता लक्षणों के लिए दिशा-निर्देश/प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए समिति कक्ष-1, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110012 में हाइब्रिड मोड (भौतिक/वर्चुअल) में बैठक।
24.02.2024 – 26.02.2024	पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण के प्रावधानों पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम में सहभागिता, 24 फरवरी, 2024 को प्रयागराज में और 26 फरवरी, 2024 को डीआरआई, चित्रकूट में।
27.02.2024	पीपीवीएफआरए में पैन-804 से संबंधित मामलों पर चर्चा।
28.02.2024	पीपीवीएफआर प्राधिकरण के अध्यक्ष की अध्यक्षता में सभी शाखा कार्यालयों की समीक्षा के लिए हाइब्रिड मोड में एक समीक्षा बैठक।

29.02.2024 – 03.03.2024	द् वेस्टिंग, कोरेगांव पार्क एनेक्सी, पुणे में "भारत में बीज उद्योग के विकास के लिए पौध विविधता संरक्षण" पर वक्तव्य देने के लिए "बीज क्षेत्र के लिए नीति और विनियामक सुधार" शीर्षक तकनीकी सत्र के लिए आमंत्रित वक्ता के रूप में सहभागिता और पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र की अध्यक्षता में डीयूएस केंद्रों की समीक्षा तथा पुणे के राजगुरुनगर में प्याज और लहसुन के लिए एनआरसी में डीयूएस ट्रेल का दौरा।
मार्च, 2024	
04.03.2024 – 06 03 2024	पीपीवीएफआर अधिनियम और किसानों के अधिकारों पर झारखंड के देवघर स्थित पंचायत भवन में अटारी, पटना द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-जागरुकता कार्यक्रम में सहभागिता।
07.03.2024	2022 के Oppn. No. 1 (बंगबंधु-1) की वीसी में सुनवाई।
08.03.2024	भाकृअनुप प्रायोजित शीतकालीन कार्यशाला (शीर्षक: पौध किस्म और संरक्षण अधिकार: भारतीय परिदृश्य) में सब्जी विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप-आईएआरआई, नई दिल्ली में व्याख्यान की प्रस्तुति।
.03.2024	पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र की अध्यक्षता में पीपीवीएफआरए के समिति कक्ष में पीएआरवी पर बैठक।
11.03.2024	पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र की अध्यक्षता में प्लांट अथॉरिटी भवन में मासिक बैठक।
12.03.2024	डीयूएस परियोजनाओं के निम्नलिखित पीआई पर वीसी में चर्चा।
12.03.2024	डॉ. प्रियंका ठाकुर, प्रधान पुष्पकृषि वैज्ञानिक, क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान प्रशिक्षण केंद्र, धौलाकुंआ, सिरमौर-173031, हिमाचल प्रदेश, के साथ चर्चा करने हेतु बैठक।

9 : 31.03.2024 को प्राधिकरण के वित्तीय विवरण

वित्तीय विवरण सामान्यत: स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए अनिवार्य रूप से लागू लेखा मानको (एएस) तथा महा-लेखानियंत्रक (सीजीए) द्वारा निर्धारित केन्द्रीय स्वायत्तशासी निकायो के लिए प्रस्तुतीकरण संबंधी अपेक्षाओ, के अनुसार ऐतिहासिक लागत अवधारणा के अंतर्गत तैयार किए गए है। प्राधिकरण, जब तक अन्यथा न कहा जाए, व्यय तथा आय की सभी मदो के संदर्भ मे लेखाकरण की अर्जन प्रणाली को अपनाता है । दिनांक 31 मार्च 2024 को तुलन-पत्र तथा 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा प्राप्ति व भुगतान खाता दिये जा रहे है । वर्ष 2023-24 के वार्षिक लेखो का अंकेक्षण भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के द्वारा किया गया है और उनके द्वारा पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन भी जारी कर दिया गया है ।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 की धारा 62 (2) के अनुपालन मे प्राधिकरण ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) को लेखे प्रस्तुत किए है । लेखापरीक्षित लेखे, लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा प्रबंधन के उत्तर के साथ अलग से मंत्रालय को भेजे जाएंगे, ताकि उन्हे संसद के दोनों सदनो मे प्रस्तुत किया जा सके । प्राधिकरण को वर्ष 2023-24 के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से 3,852.04 लाख रुपये की अनुदान सहायता राशि प्राप्त हुई थी तथा 3,322.21 लाख रुपये के व्यय हुए, पिछले वर्ष के अप्रयुक्त शेष 257.15 लाख रुपयो (मन्त्रालय से पुनर्वैधीकरण प्राप्त) को जोड़कर 786.98 लाख रुपये की राशि शेष रहती है ।

31 मार्च 2024 को तुलन पत्र

	राशि (रुपये में)	
कोष/पूंजी निधि तथा देयताएं	**31 मार्च 2024 को**	**31 मार्च 2023 को**
कोष/पूंजी निधि	**2,27,40,05,801**	2,02,85,07,365
संचय और अधिशेष	-	-
चिन्हित/स्थायी निधि	-	-
सुरक्षित ऋण तथा उधारियां	-	-
असुरक्षित ऋण तथा उधारियां	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	-	-
चालू देयताएं और प्रावधान	**29,05,28,167**	26,80,09,393
कुल	**2,56,45,33,968**	**2,29,65,16,758**
परिसम्पत्तियां		
अचल परिसम्पत्तियां	**3,30,84,308**	2,94,80,218

घटाएं: संचयित मूल्यह्रास	**2,68,78,538**	2,48,18,895
निवल स्थायी परिसम्पत्तियां	**62,05,770**	46,61,323
पूंजीगत चालू कार्य	**1,25,23,85,787**	1,21,25,65,799
निवेश - चिन्हित/ स्थायी निधियों से	-	-
निवेश - अन्य	**89,68,00,219**	77,44,35,705
चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	**40,91,42,192**	30,48,53,931
विभिन्न व्यय (जिस सीमा तक अपलिखित न किया गया हो या समायोजित न किया गया हो)	-	-
कुल	**2,56,45,33,968**	**2,29,65,16,758**

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

				राशि (रुपये में)
	प्राधिकरण निधि		**जीन निधि**	
आय	**31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए**
बिक्री/सेवाओं से हुई आय	-	-	-	-
अनुदान/अनुवर्ती	**28,35,88,133**	39,02,25,079	**3,00,00,000**	2,00,00,000
शुल्क/चंदा	**3,42,45,963**	1,88,22,800	**2,90,88,901**	1,04,53,471
निवेशों से हुई आय	**3,16,18,539**	2,23,05,051	**2,67,72,348**	1,89,06,834
रायल्टी, प्रकाशनों आदि से हुई आय	-	-	-	-
अर्जित ब्याज	**29,19,752**	36,35,963	**16,439**	1,82,556
अन्य आय	**1,64,50,086**	3,20,641	**34,96,515**	-
तैयार माल और चालू कार्य के स्टाक में वृद्धि (गिरावट)	-	-	-	-

पूर्व समय समायोजन लेखा	**3,17,61,609**	12,05,600	**3,03,24,266**	10,000
कुल (क)	**40,05,84,082**	**43,65,15,134**	**11,96,98,469**	**4,95,52,861**
व्यय				
स्थापना व्यय	**3,81,48,313**	3,86,42,926	-	-
अन्य प्रशासनिक आय आदि	**7,98,21,388**	20,81,71,204	**1,14,57,857**	3,69,832
अनुदान/अनुवर्ती आदि पर हुआ व्यय	**16,20,62,738**	14,90,14,678	-	-
ब्याज	**13,86,761**	12,33,478	-	-
मूल्यह्रास/परिशोधन मूल्य हानि सहित	**20,59,643**	9,42,917	-	-
पूर्व समय समायोजन लेखा	**2,91,87,931**	63,72,454	**67,970**	14,34,911
कुल (ख)	**31,26,66,774**	**40,43,77,657**	**1,15,25,827**	**18,04,743**
शेष आय का व्यय पर आधिक्य (क-ख)	**8,79,17,308**	**3,21,37,477**	**10,81,72,642**	**4,77,48,118**
विशेष आरक्षित निधि में हस्तांतरण (प्रत्येक को अलग-अलग बताएं)	-	-	-	-
सामान्य आरक्षित निधि को/से हस्तांतरण	-	-	-	-
कोष/पूंजी निधि तक ले जाई गई अधिशेष राशि (घाटा) का शेष	**8,79,17,308**	**3,21,37,477**	**10,81,72,642**	**4,77,48,118**

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान

प्राप्तियां	**31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए**	**भुगतान**	**31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए**
1. प्रारंभिक शेष			1. व्यय		
क) अग्रदाय (रोकड़ शेष)			क) स्थापना व्यय	**2,31,85,025**	2,32,25,041

पालमपुर शाखा	**11,842**	841	ख) प्रशासनिक व्यय ,प्रोजेक्ट सहित	**8,19,18,851**	16,79,14,506
रांची शाखा	**673**	-			
गुवाहाटी शाखा	**1,458**	-	2. निधियों के विरुद्ध किया गया भुगतान		
			क) विद्यमान डीयूएस केन्द्र	**8,77,57,642**	8,49,25,974
ख) बैंक शेष			ख) नया डीयूएस केन्द्र	**2,96,64,902**	2,83,15,185
I चालू खाते में			ग) फील्ड जीन बैंक	**28,94,858**	30,10,629
भारतीय स्टेट बैंक	**11,62,153**	5,94,560			
भारतीय स्टेट बैंक (जीन निधि)	**2,09,95,351**	2,03,93,594	3.अचल सम्पत्तियों व चालू पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
भारतीय स्टेट बैंक पालमपुर शाखा	**16,758**	33,771	क) स्थायी परिसम्पत्ति की खरीद (प्राधिकरण)	**14,50,227**	4,36,165
II जमा खातों में			ख) चालू पूंजीगत कार्य	-	2,16,79,118
भारतीय स्टेट बैंक (जीन निधि)	**7,50,00,000**	7,69,75,000			
केनरा बैंक (जीन निधि)	**15,93,43,786**	12,50,42,176	4. उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को भवन निर्माण	**2,09,85,093**	3,01,44,000

			के लिए दिए गए अग्रिम		
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (जीन निधि)	**12,12,31,037**	10,12,46,700	सॉफ्टवेयर . आईएएसआर आई	**2,55,543**	-
केनरा बैंक (प्राधिकरण)	**25,39,56,570**	21,36,12,151	5- प्रशिक्षण केन्द्रों को जारी अनुदान	**33,75,003**	14,70,000
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (प्राधिकरण)	**16,71,04,312**	18,88,08,444			
भारतीय स्टेट बैंक (प्राधिकरण)	-	22,57,000	6- बाहरी विभागों को अग्रिम	**44,93,697**	46,45,698
III बचत खातों में			7. ब्याज का भुगतान भारत की संचित निधि	**11,78,608**	20,79,288
केनरा बैंक	**3,68,25,577**	1,86,68,834	8.जीन निधि में योगदान	**3,00,00,000**	2,00,00,000
भारतीय स्टेट बैंक गुवाहाटी शाखा	**1,42,396**	1,17,612	9. शुल्क की वापसी/अंशदान /अन्य आय		
भारतीय स्टेट बैंक रांची शाखा	**1,28,540**	1,10,834	आवेदन/पंजीकरण/डीयूएस/ वार्षिक नवीनीकरण /पीवी शुल्क की वापसी	**1,20,200**	1,17,500
केनरा बैंक शिवमोगा शाखा	**5,16,526**	7,06,593			
बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पुणे शाखा	**1,40,540**	1,19,963	10.आईटीपीजी आरएफए को योगदान	**1,06,72,684**	3,73,47,214
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	**14,14,411**	37,202			

			11. अन्य पूर्वावधि समायोजन खाता	**2,39,27,935**	65,91,765
2 भारत सरकार ने प्राप्त अनुदान	**38,52,03,851**	44,59,77,233			
3 बैंक से प्राप्त ब्याज	**3,47,17,640**	2,50,92,985	12. पीपीवी एफआरए के कर्मचारियों को अग्रिम	**10,46,797**	23,89,310
4 संदर्भ प्रयोगशालाओं से अनुदान की वापसी	**16,47,746**	67,065	13. सुरक्षा जमा की वापसी	**60,000**	-
5 प्रशिक्षण केन्द्रों से अनुदान की वापसी	**3,32,309**	6,26,104	14. भुगतान की गई वैधानिक देयताएं	**1,23,52,807**	2,42,45,843
6. डीयूएस दिशानिर्देशों के विकास के लिए अनुदान की वापसी (नया डीयूएस केन्द्र)	**1,05,485**	11,25,000	**15. अन्य प्रेषण**	**1,06,276**	1,65,604
			16. अंत शेष		
7. कर्मचारियों से अग्रिम की वापसी	**3,05,708**	5,46,747	क) अग्रदाय (रोकड़ शेष)		

			शिवमोगा शाखा	**957**	-
8. अवर्गीकृत प्राप्तियां / पार्टियों से प्राप्तियां	-	2,26,01,358	पालमपुर शाखा	**1,066**	11,842
			रांची शाखा	**2,514**	673
9. शुल्क/अंशदान/अन्य आय			गुवाहाटी शाखा	**1,458**	1,458
आवेदन/पंजीकरण शुल्क	**90,79,000**	40,89,800			
पीवी अंशदान शुल्क	**26,25,500**	20,98,500	ख) बैंक शेष		
वार्षिक शुल्क (बीजों की बिक्री से प्राप्त हिस्से सहित) - जीन निधि	**2,25,08,869**	1,03,75,705	I चालू खाते में		
डीयूएस परीक्षण शुल्क	**83,54,150**	57,72,000	भारतीय स्टेट बैंक	**29,69,417**	11,62,153
अन्य आय (पूर्वावधि सहित)	**1,99,29,631**	-	भारतीय स्टेट बैंक (जीन निधि)	**2,44,434**	2,09,95,351
वार्षिक नवीकरण शुल्क	**91,23,313**	70,62,000	भारतीय स्टेट बैंक पालमपुर शाखा	**2,256**	16,758
पुराने समाचार-पत्रों, स्क्रैप की बिक्री	**630**	-			
			II जमा खातों में		

10.प्राधिकरण निधि से योगदान	**3,00,00,000**	2,00,00,000	भारतीय स्टेट बैंक (जीन निधि)	**10,50,00,000**	7,50,00,000
			केनरा बैंक (जीन निधि)	**21,25,32,883**	15,93,43,786
11. टाटा पावर से वापसी	**15,24,729**	-	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया - जीन निधि	**12,57,14,917**	12,12,31,037
			केनरा बैंक (प्राधिकरण)	**37,39,82,973**	25,39,56,570
12. आयकर विभाग से वापसी ब्याज सहित	**21,08,320**	25,35,000	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया - प्राधिकरण	**10,95,69,446**	16,71,04,312
13. जीपीएफ से अधिशेष	**7,20,496**	-	III बचत खातों में		
			केनरा बैंक	**8,13,69,856**	3,68,25,577
			भारतीय स्टेट बैंक गुवाहाटी शाखा	**1,46,289**	1,42,396
			भारतीय स्टेट बैंक रांची शाखा	**27,923**	1,28,540
			केनरा बैंक शिवमोगा शाखा	**3,64,985**	5,16,526
			बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पुणे शाखा	**1,47,392**	1,40,540
			आईसीआईसी आई बैंक	**35,707**	-
			यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	**1,87,18,686**	14,14,411
कुल	**1,36,62,79,307**	**1,29,66,94,772**	**कुल**	**1,36,62,79,307**	**1,29,66,94,772**

10 : नागरिक आचार संहिता (सिटिजन चार्टर)

'10.1 प्राधिकरण का लक्ष्य:

पौधा किस्मों, कृषकों के अधिकारों तथा पादप प्रजनकों के अधिकारों की सुरक्षा करने और पौधों की नवीन किस्मों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रभावी प्रणाली को सुनिश्चित करना।

10.2 प्राधिकरण के उद्देश्य

- पौधा किस्मों एवं कृषकों, पादप प्रजनकों व अनुसंधानकर्मियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक प्रभावी प्रणाली प्रदान करना;
- अनुसंधान एवं विकास में निवेश को बढ़ावा देने और नवीन किस्मों के विकास में सहायता प्रदान करने के लिए पादप प्रजनकों के अधिकारों की सुरक्षा करना;
- नवीन पौधा किस्मों का विकास करने में पादप आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण करने, उसमें सुधार करने तथा उसे उपलब्ध कराने में किसानों द्वारा किए गए योगदान को मान्यता प्रदान करना;
- किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों और रोपण सामग्री का उत्पादन व उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए बीज उद्योग की प्रगति हेतु सुविधा प्रदान करना ।

10.3 प्राधिकरण के कार्य:

- पौधों की नवीन किस्मों के विकास को प्रोत्साहित करना और किसानों व पादप प्रजनकों के अधिकारों की सुरक्षा करना;
- बारहमासी फसलों के लिए खेत जीन बैंकों और परम्परागत बीजों के लिए राष्ट्रीय जीन बैंक की स्थापना;
- पौधों की नवीन एवं प्रचलित अथवा विद्यमान किस्मों का पंजीकरण;
- पंजीकृत पौधा किस्मों के प्रलेखन का विकास करना;
- कृषक किस्मों का दस्तावेजीकरण, सूचीकरण एवं सूची पत्र तैयार करना;
- पौधों की सभी किस्मों के लिए अनिवार्य सूचीपत्र की सुविधा प्रदान करना;
- यह सुनिश्चित करना कि अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत किस्मों के बीज किसानों को उपलब्ध हों और यदि आवश्यकता हो तो अनिवार्य लाइसेंस उपलब्ध कराना;
- पौधा किस्मों के राष्ट्रीय रजिस्टर का रखरखाव सुनिश्चित करना;
- पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण एवं टिकाऊ उपयोग को सहायता देने और इस प्रकार का संरक्षण करने के लिए पंचायतों की क्षमता निर्माण व टिकाऊ उपयोग और लाभ में भागीदारी से संबंधित स्कीमों

के व्यय के साथ साथ हितधारकों को क्षतिपूर्ति के लिए दी जाने वाली राशि पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए जीन निधि का उपयोग करना। पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण)PPV & FRAके हितधारक केन्द्र सरकार (, राज्य सरकार, संघ शासित क्षेत्र, कृषि विश्वविद्यालयों सहित अनुसंधान संगठन, बीज उद्योग, स्वयं सेवी संगठन और इन सबसे बढकर आदिवासी कृषक समुदायों सहित सभी कृषक हैं।

10.4 प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गईं सेवाएं:

- पौधा किस्म पंजीकरण के रूप में किसानों, अनुसंधानकर्मियों अथवा पादप प्रजनकों द्वारा विकसित पौधा किस्मों को बौद्धिक सम्पदा अधिकार की सुरक्षा प्रदान करना;
- पौधा किस्मों के राष्ट्रीय रजिस्टर का रखरखाव करना जिसमें पौधा किस्मों एवं संबंधित प्रजनक के अधिकारों का दस्तावेजीकरण हो।
- यदि कोई पंजीकृत किस्म उस प्रकार का निष्पादन अथवा प्रदर्शन नहीं कर पाती है जिसका दावा प्रजनकों द्वारा किया गया है तब किसानों को क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराना;
- पादप आनुवंशिक संसाधनों के योगदानकृषकों को लाभ में भागीदारी की /साझेदारी के लिए समुदायों/ सुविधा उपलब्ध कराना;
- पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण)PPV & FRअधिनियम (, 2001 को लागू करने की दिशा में पौधा प्रजनकों व किसानों के अधिकारों हेतु जागरूकता का सृजन करना एवं क्षमता निर्माण करना;
- हितधारकों के लिए पौधा किस्मों का डाटाबेस तैयार करना;
- आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, सुधार और परिरक्षण में संलग्न किसानों, कृषक समुदायों विशेषकर आदिवासी एवं ग्रामीण समुदायों को सहायता प्रदान करना तथा पुरस्कृत करना ।

10.5 शिकायतों के निपटान हेतु क्रिया विधि:

सूचना के अधिकार से जुड़े मामलों के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के रूप में महा-पंजीकार, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण को पदनामित किया गया है और उनसे निम्न पते पर सम्पर्क किया जा सकता है :

डॉ. डी.के. अग्रवाल

महा-पंजीकार

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

एस-2, ए ब्लॉक, एनएएससी परिसर, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, नई दिल्ली - 110 012

फोन : 011-25843316, फैक्स : 011-25840478,

ई-मेल : rg-ppvfra@nic.in; www.plantauthority.gov.in

उप रजिस्ट्रार, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण को सूचना का आधिकार मामलों का समाधान करने के लिए केन्द्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी के रूप में पदनामित किया गया है और उनसे निम्न पते पर सम्पर्क किया जा सकता है :

श्री उमा कांत दुबे

उप रजिस्ट्रार

केन्द्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

एस - 2, ए ब्लॉक, एनएएससी परिसर, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग,

नई दिल्ली 110 012

फोन : 011-25843853, फैक्स : 011-25840478

ई-मेल : uk.dubey@gov.in; www.plantauthority.gov.in

अनुबंध I : पीपीवीएफआर प्राधिकरण के सदस्य (31 मार्च 2024 तक)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता
1.	डॉ. पी. के. सिंह	कृषि आयुक्त	कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली – 110 001
2.	डॉ. टी. आर. शर्मा	उप महानिदेशक (फसल विज्ञान)	फसल विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली – 110 001
3.	श्री पंकज यादव	संयुक्त सचिव (बीज)	कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार कृषि भवन, नई दिल्ली – 110 001
4.	डॉ. अंजू राठी राणा	अपर सचिव	विधिक कार्य विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001
5.	डॉ. प्रभात कुमार	बागवानी आयुक्त	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली – 110 001
6.	डॉ. जी. पी. सिंह	निदेशक	राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, पूसा, डीपीएस मार्ग, नई दिल्ली-110012
7.	डॉ. संजय मिश्रा	वरिष्ठ सलाहकार	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 7वीं मंजिल, ब्लॉक-2, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
8.	श्री रघु कुमार कोडाली	वैज्ञानिक 'जी'	सीएस-III (जैव विविधता) प्रभाग, एमओईएफसीसी, नई दिल्ली
9.	श्री तुम्मला अंजनेयुलु (30.09.2023 से रिक्त)	सदस्य	आंध्र प्रदेश गन्ना उत्पादक संघ, ग्राम रेमले, बापुलापाडु मंडल, जिला कृष्णा, आंध्र प्रदेश-521110
10.	श्रीमती जुई पेठे (30.09.2023 से रिक्त)		वनवासी कल्याण आश्रम, 1, श्रीपद, वक्रतुंडा रो, हाउस, राम रमन अपार्टमेंट के सामने, वृन्दावन नगर, कामतवाडे, नासिक- 422010.
11.	श्री वी. वेंकटेश्वरलु (30.09.2023 से रिक्त)	निदेशक	मेसर्स वसंत एग्री बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड 1-3-158/401, बीएसएन रेड्डी कॉम्प्लेक्स, राजेंद्रनगर, महबूबनगर, तेलंगाना - 509001
12.	डॉ. गणेश कुमार कौतु (17.08.2023 से रिक्त)	निदेशक, अनुसंधान सेवाएं	जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, बी-6 कृषि नगर, आधारताल, जबलपुर, मध्य प्रदेश, पिन- 482004.
13.	डॉ. सुधा तिवारी	राष्ट्रीय अध्यक्ष	शक्ति (महिला सशक्तिकरण एनजीओ), 50-51, गुरुकृषि

	(30.09.2023 से रिक्त)		पीए सोसायटी, नाइक नगर, निकट मानेवाड़ा स्क्वेयर - नागपुर -440027
14.	(17.08.2023 से रिक्त)	अपर मुख्य सचिव (कृषि) या/प्रधान सचिव (कृषि)	गुजरात सरकार
15.	(17.08.2023 से रिक्त)	अपर मुख्य सचिव (कृषि) या/प्रधान सचिव (कृषि)	हिमाचल प्रदेश सरकार

अनुबंध II : पीपीवीएफआर प्राधिकरण के मानव संसाधनों का विवरण, 31 मार्च 2024 तक

क्र. सं.	नाम	पदनाम	7वें सीपीसी के अनुसार वेतनमान स्तर
1.	डॉ. टी. महापात्र	अध्यक्ष	स्तर 17 (रु. 225000/-)
2.	दिनेश कुमार अग्रवाल	महा पंजीयक	स्तर 15 (रु. 144200-218200/-)
3.	**रिक्त (01.08.2022 से)**	पंजीयक	स्तर 13 (रु. 123100-215900)
4.	**रिक्त (12.08.2022 से)**	पंजीयक	
5.	**रिक्त (05.12.2018 से)**	पंजीयक	
6.	श्री. विपिन त्यागी	वित्तीय सलाहकार	
7.	श्री. डी. आर. चौधरी	संयुक्त पंजीयक	स्तर 12 (रु. 78800-209200)
8.	**रिक्त (11.11.2017)**	संयुक्त पंजीयक	
9.	श्री. डी. एस. राज गणेश	विधिक सलाहकार	स्तर 11 (रु. 67700-208700)
10.	श्री. यू. के. दुबे	उप पंजीयक	
11.	श्री. आर.एस. सेंगर	उप पंजीयक	
12.	श्री. अरुण कुमार	विधिक सलाहकार	
13.	डॉ. ए. के. सिंह	पीवीई	स्तर 7 (रु. 44900-142400)
14.	डॉ. डी. एस. पिलानिया	तकनीकी सहायक	स्तर 6 (रु. 35400-112400)
15.	श्री. अरविन्द कुमार राय	कंप्यूटर सहायक	
16.	श्री संजय कुमार गुप्ता	कंप्यूटर सहायक	
17.	श्रीमती शिप्रा माथुर	कंप्यूटर सहायक	
18.	श्री. नितेश कुमार वर्मा	कंप्यूटर सहायक	
19.	श्री. श्याम नारायण प्रसाद	कंप्यूटर सहायक	

अनुबंध III : 2023-24 के दौरान नए डीयूएस केंद्रों/परियोजनाओं को जारी की गई निधियों का विवरण

क्र. सं.	नए डीयूएस केंद्र का नाम	फसल	2023-24 के दौरान जारी निधियां (रु. में)
1	आईआईएचआर, भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	पपीता और शरीफा	917,748
2	डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	कार्नेशन	465,000
3	टीएनएयू, कोयंबटूर	पपीता और शरीफा	115,460
4	यूएचएस, बागलकोट	मोरिंगा ओलीफेरा लैम	469,188
5	टीएनएयू, कोयंबटूर	नीम, करंज और जत्रोफा	535,208
6	डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	विलो (सेलिक्स प्रजाति)	446,409
7	एनआरसीएसएस, अजमेर	अजवायन, डिल, निगेला, अजवाइन और सौंफ	300,000
8	आईआईएचआर, भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	जरबेरा	300,000
9	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	सीबकथॉर्न	701,956
10	यूएएस, जीकेवीके, बेंगलुरु	कटहल	902,116
11	एसकेयूएएसटी-कश्मीर, श्रीनगर (केसर)	केसर	930,000
12	एसकेयूएएसटी, श्रीनगर	कालाजीरा	930,000
13	क्रिजाफ, बैरकपुर	मेस्ता और रोसेल	1,211,678
14	आईआईएचआर, बेंगलुरु	सपोता	151,723
15	आईआईओआर, हैदराबाद	रामतिल (नाइजर)	678,658
16	टीएनएयू, कोयंबटूर	उड़द	189,683
17	एसकेयूएएसटी, कश्मीर	जंगली गोभी (नोल-खोल)	255,713
18	आईएआरआई, नई दिल्ली	सलाद पत्ता/लैट्यूस	789,790
19	सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर	चौलाय दाना और कुट्टू	733,397

20	सीआईएमएपी, लखनऊ (अश्वगंधा)	अश्वगंधा	322,900
21	नियंत्रक, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, श्रीनगर (प्राण)	प्राण	650,025
22	नियंत्रक, एसकेयूएएसटी-कश्मीर, श्रीनगर (शलजम)	शलजम	705,526
23	आईआईएचआर, बेंगलुरु (करी पत्ता)	करी पत्ता	289,795
24	लीची पर एनआरसी, मुजफ्फरपुर (लीची और अमरूद)	लीची और अमरूद	787,065
25	यूएएस, जीकेवीके, बेंगलुरु (मिर्च, शिमला मिर्च, और पैपरिका)	मिर्च, बेल पैपरिका	639,840
26	एसकेयूएएसटी-कश्मीर,, श्रीनगर	डैफोडिल्स	164,787
27	सीआईटीएच, श्रीनगर	पार्न	161,556
28	यूएएस, जीकेवीके, बेंगलुरु	बाम्बारा मूंगफली	655,681
29	आईआईवीआर, वाराणसी	सफेद पेठा (ऐश गॉर्ड), चिंचडा, पेटा (आइवी गॉर्ड)	1,130,000
30	अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे	अंगूर	616,000
31	सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर	जौ	352,000
32	जेएनकेवीवी, जबलपुर (किसानों की किस्में)		616,000
33	एसकेयूएएसटी-कश्मीर, श्रीनगर	पैपरिका और लैंड रेस	616,000
34	बीएयू, सबौर, बीपीएस कृषि महाविद्यालय, पूर्णिया	मखाना	781,000
35	सीआईएएच, बीकानेर	खेजड़ी	781,000
36	सीआईएएच, बीकानेर	महुआ	781,000
37	सीआईएसएच, लखनऊ	करोंदा	781,000
38	सीआईएएमपी, लखनऊ	ओसीमम प्रजाति	781,000
39	टीएनएयू, कोयंबटूर	पॉलीमराह	781,000
40	आईएआरआई, नई दिल्ली	समर स्क्वैश	781,000
41	डीएमएपीआर, आनंद, गुजरात	ओसीमम प्रजा.	781,000
42	आईआईएचआर, बैंगलोर	समर स्क्वैश	781,000

43	एनएयू, नवसारी, गुजरात	एडेनियम	781,000
44	एनबीपीजीआर, अनुसंधान केंद्र, शिमला	क्यूनियोआ प्रजा.	781,000
45	यूएएस, जीकेवीके, बैंगलोर	क्रिनोआ प्रजा.	781,000
46	वाईएसपीयूएच एवं एफ, सोलन	एलेस्ट्रोमेरिया	781,000
47	वाईएसपीयूएच एवं एफ, सोलन	किवीफ्रूट	781,000
		कुल	**29,664,902**

अनुबंध IV : 2023-24 के दौरान नए मौजूदा डीयूएस केंद्रों/परियोजनाओं को जारी की गई निधियों का विवरण

क्र.सं.	डीयूएस केंद्र का नाम	फसल	2023-24 के दौरान जारी निधियां (रु. करोड़ में)
1	आईआईएचआर, भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	रजनीगंधा और कार्नेशन	991,911
2	सीटीसीआरआई (केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान), तिरुवनंतपुरम	शकरकंद और कसावा	619,503
3	एनबीआरआई, भाकृअनुप-इकाई, लखनऊ	ग्लेडियोलस, बोगनविलिया और कैना	370,444
4	बीसीकेवी, (बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय), कल्याणी	परवल	664,830
5	आईआईएचआर, भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	चमेली	601,355
6	सीआईटीएच, (केंद्रीय उष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, श्रीनगर	आड़ू, आलुबुखारा, सेब, बादाम, नाशपाती, खुबानी और अखरोट	1,210,702
7	सीआईएसएच (केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, लखनऊ	आम	1,168,602
8	आरएआरआई, दुर्गापुर, जयपुर	जौ	391,368
9	डीएफआर (पुष्पोत्पादन निदेशालय) भाकृअनुप, पुणे	रजनीगंधा	652,652
10	आईएआरआई, पुष्पोत्पादन प्रभाग, नई दिल्ली	बोगनविला	490,901
11	एमपीकेवी, (महात्मा फुले कृषि विश्वविद्यालय), राहुरी (पुणे केंद्र)	चाइना एस्टर	370,989
12	जेएनकेवीवी, जबलपुर	हरी मटर, अलसी और मसूर	518,768
13	सीआईएमएपी, (केंद्रीय औषधीय एवं सगंधीय पादप संस्थान), लखनऊ	औषधीय पौधे	469,989
14	सीआईएएच (केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, बीकानेर	बेर	782,744
15	आईएआरआई, सब्जी उत्पादन प्रभाग विज्ञान, नई दिल्ली	लौकी, करेला, कद्दू और खीरा	783,477
16	आईएआरआई, क्षेत्रीय केंद्र, कटराईन	बंद गोभी और फूल गोभी	629,566
17	आईआईएचआर, भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	आम	582,019

18	एनआरसी, भाकृअनुप-इकाई, त्रिची	केला	757,946
19	टीआरए, टोकलाई	चाय	713,563
20	सीएआरआई, भाकृअनुप-इकाई, पोर्ट ब्लेयर	नोनी	519,519
21	टीएनएयू, कोयंबटूर	लघु श्रीअन्न (स्माल मिलेट)	427,800
22	एनबीपीजीआर, भाकृअनुप-इकाई, नई दिल्ली	चौलाय दाना	715,440
23	टीएनएयू, कोयंबटूर	चमेली	600,551
24	जेएनकेवीवी, जबलपुर	तिल और रामतिल	775,617
25	आईआईएचआर, भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	तरबूजा और खरबूजा	667,712
26	सीएसआरटीआई, (केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान), मैसूर	शहतूत	200,000
27	डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	पोपलर जर्मप्लाज्म	543,461
28	आईएफजीटीबी (वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान), कोयंबटूर	नीलगिरी और कैसुरीना	501,897
29	आईआईएचआर, भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	चौलाय, पालक और तुरई	612,568
30	एनआरसीएसएस, (राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र), भाकृअनुप-इकाई, अजमेर	बीज मसाले	674,912
31	एएयू, (असम कृषि विश्वविद्यालय), जोरहाट	धान (चावल)	708,899
32	पुष्पोत्पादन प्रभाग, आईएआरआई, भाकृअनुप-इकाई, नई दिल्ली	गेंदा	798,224
33	वीपीकेएएस (विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान शाला), भाकृअनुप-इकाई, अल्मोड़ा	राजमा, सोयाबीन और मक्का	1,415,677
34	डीओजीआर (प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय), भाकृअनुप-इकाई, राजगुरुनगर	प्याज और लहसुन	558,400
35	एनआरसीपी, भाकृअनुप-इकाई, शोलापुर	अनार	620,064
36	सब्जी विज्ञान प्रभाग, आईएआरआई, भाकृअनुप-इकाई, नई दिल्ली	प्याज और लहसुन	364,152
37	आईआईएसआर (भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, लखनऊ	गन्ना	300,000

38	आईआईएचआर, भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	पान	604,829
39	आईआईएसआर, (भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, कालीकट	मसाले	953,802
40	डीएसआर (सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय), भाकृअनुप-इकाई, इंदौर	सोयाबीन	778,407
41	आईआईपीआर, (भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, कानपुर	मूंग, उड़द, मसूर, राजमा और मटर	658,500
42	एनआरसी, (राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र), भाकृअनुप-इकाई, पुणे महाराष्ट्र	अंगूर	581,316
43	आईएआरआई, भाकृअनुप-इकाई, क्षेत्रीय केंद्र, करनाल	धान	761,952
44	गन्ना प्रजनन संस्थान, भाकृअनुप-इकाई, कोयंबटूर	गन्ना	1,176,183
45	आईजीकेवी, रायपुर	ग्रो आउट टेस्ट (धान)	795,377
46	गन्ना प्रजनन संस्थान, भाकृअनुप-इकाई, करनाल	गन्ना	300,000
47	आईआईडब्ल्यूबीआर, भाकृअनुप -इकाई, करनाल	जौ और गेहूँ	1,408,490
48	डीआरएमआर (तोरिया और सरसों अनुसंधान निदेशालय), भाकृअनुप-इकाई, भरतपुर	तोरिया और सरसों	602,356
49	पीएयू, (पंजाब कृषि विश्वविद्यालय), लुधियाना	जई, लोबिया और गिनी घास और कपास	725,535
50	केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, भाकृअनुप-इकाई, त्रिवेंद्रम	जिमीकंद, कचालू, रतालू फली (यैम बीन), बड़ा रतालू (ग्रेटर यैम)	785,860
51	एनआरआरआई, (राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, कटक	धान	1,162,685
52	पीडीकेवी, (पंजाब राव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय), अकोला	अरहर काबुली चना, लाल मसूर और कुसुम	575,020
53	सब्जी विज्ञान प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली	चौलाय, पालक, तुरई	616,007
54	डीएमएपीआर (औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय), आणंद	औषधीय और संगधीय पादप	573,681
55	सीसीएसएचएयू (चौधरी चरण सिंह हिसार कृषि विश्वविद्यालय), हिसार	कपास और काबुली चना	1,154,013
56	आईएआरआई, भाकृअनुप-इकाई, क्षेत्रीय केंद्र, इंदौर	गेहूँ	766,765

57	सीपीआरआई (केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, शिमला	आलू	1,110,451
58	एनईएच क्षेत्र बारापानी मणिपुर एवं नागालैंड	धान	1,103,347
59	सब्जी विज्ञान प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली	बंद गोभी और फूल गोभी	716,334
60	पीजेटीएसएयू, (प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय), हैदराबाद	मक्का	1,584,913
61	टीएनएयू (तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय), कोयंबटूर	धान, सूरजमुखी और मूंगफली	716,881
62	सीटीसीआरआई (केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, क्षेत्रीय केंद्र, भुवनेश्वर	शकरकंद और कसावा	577,456
63	आईआईएमआर, भाकृअनुप-इकाई, हैदराबाद	ज्वार	884,135
64	क्रिजाफ, (केंद्रीय जूट एवं संबद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान), बैरकपुर एवं सीएसआरएस, बुदबुद	जूट	836,711
65	एमपीकेवी, राहुरी	कपास	908,373
66	आईआईओआर, भाकृअनुप-इकाई, हैदराबाद	सूरजमुखी, अरंडी और कुसुम	567,152
67	सीपीसीआरआई, भाकृअनुप-इकाई, केरल	नारियल	557,966
68	यूएएस, जीकेवीके, बैंगलोर	लघु मोटे अनाज (स्माल मिलेट)	709,146
69	सीआईएसएच, (केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, लखनऊ	अमरूद और लीची	784,537
70	आईआईपीआर, (भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, कानपुर	चना और अरहर	1,072,471
71	एमपीकेवी, राहुरी	ज्वार, बाजरा और चना	2,372,304
72	यूएएस (कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय), धारवाड़	कपास, सोयाबीन, मूंगफली, दुरुम गेहूं और तिल	826,525
73	आईआईएचआर, (भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, बैंगलोर	गुलाब और गुलदाउदी	871,683
74	आईआईआरआर, हैदराबाद, भाकृअनुप-इकाई, हैदराबाद	धान	1,527,050
75	आईआईएमआर, भाकृअनुप-इकाई, नई दिल्ली	मक्का	2,302,241
76	सीआईसीआर, कोयंबटूर	कपास	539,748

77	सीआईसीआर, भाकृअनुप-इकाई, (केंद्रीय कपास अनुसंधान केंद्र), नागपुर	कपास	2,424,513
78	आईआईवीआर, (भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान), भाकृअनुप-इकाई, वाराणसी	भिंडी, बैंगन, टमाटर, बंद गोभी और फूल गोभी आदि	3,654,518
79	सीसीआरआई, भाकृअनुप-इकाई, नागपुर	सिट्रस, रसराज (एसिड लाइम), मौसम्बी और मैंडरिन	549,803
80	आईएआरआई, नई दिल्ली	गुलदाउदी	514,986
81	आईआईवीआर (भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान), वाराणसी	परवल	300,000
82	आईआईएचआर, बैंगलोर (क्रॉसेंड्रा)	क्रॉसेंड्रा	314,195
83	एएनजीआरएयू, गुंटूर	मेस्टा और रोसेल	195,973
84	डॉ. वाई एस आर बागवानी विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश	मिर्च और लाल शिमला मिर्च (पैपरिका)	437,982
85	सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर	मिर्च, लाल शिमला मिर्च और रंग-बिरंगी शिमला मिर्च (बैलपैपर)	278,339
86	यूएचएस, बागलकोट (मिर्च, लाल शिमला मिर्च एवं रंग-बिरंगी शिमला मिर्च)	मिर्च, लाल शिमला मिर्च एवं रंग-बिरंगी शिमला मिर्च	475,370
87	एसडीएयू, एसके नगर, गुजरात (चौलाय दाना)	चौलाय दाना	620,864
88	पीडीकेवी, अकोला (मूंग) सहयोगात्मक केंद्र	मूंग	300,000
89	सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर (कुट्टू)	कुट्टू	203,960
90	सीएसएयूए एवं टी, कानपुर (अलसी)	अलसी	514,694
91	सीआईएएच, बीकानेर (तरबूजा और खरबूजा)	तरबूजा और खरबूजा	553,275
92	Comp. पीएयू, लुधियाना (बाकुला)	बाकुला (फाबा बीन)	535,000
93	भाकृअनुप, इकाई एनबीपीजीआर, नई दिल्ली (बाकुला)	बाकुला	710,159
94	भाकृअनुप-अनुसंधान निदेशालय पुत्तूर (काजू)	काजू	644,879
95	भाकृअनुप-एआईसीआरपी जोधपुर (बाजरा)	बाजरा	573,109
96	भाकृअनुप इकाई सीटीसीआरआई, तिरुवनंतपुरम (रतालू एवं बड़ा रतालू)	बड़ा रतालू (यैमबीन ग्रेटर)	1,455,069
97	भाकृअनुप, इकाई आईआईएचआर, बैंगलोर (भिंडी,	भिंडी, बैंगन, टमाटर, बिट्टे	2,486,347

	बैंगन, टमाटर, Bitte)		
98	आईआईपीआर कानपुर (अरहर)	अरहर	300,000
99	बीएसकेकेवी, दापोली	जायफल	578,855
100	केंद्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान, कर्नाटक	कॉफी	300,000
101	सीआईएएच, बीकानेर	खजूर	449,947
102	सीआईएएच, बीकानेर	जामुन	161,251
103	सीआईएसएच, लखनऊ	आंवला	506,484
104	सीआईएसएच, लखनऊ	बेल	772,728
105	सीआईएसएच, लखनऊ	जामुन	545,426
106	यूएएस, धारवाड़	दुरुम गेहूं	886,700
107	सीपीसीआरआई, कर्नाटक	सुपारी	530,000
108	सीपीसीआरआई, कर्नाटक	कोको	300,000
109	सीटीआरआई, राजमुंद्री	बीड़ी और तंबाकू	757,403
110	डीएफआर, पुणे	गुलाब	699,623
111	आईएआरआई, नई दिल्ली	ग्लेडियोलस	747,778
112	आईएआरआई, नई दिल्ली	मूली और गाजर	916,174
113	आईएआरआई, क्षेत्रीय केंद्र, कटरैन, कुल्लू	मूली और गाजर	300,000
114	आईएफजीटीबी (वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान), कोयंबटूर	टेक्टोना ग्रैंडिस	250,000
115	आईआईएचआर, बैंगलोर	डोलिचोस बीन	820,000
116	आईआईएचआर, बैंगलोर	गेंदा	544,648
117	एसकेयूएएसटी-कश्मीर, श्रीनगर	राजमा और वैली	321,166
कुल			**87,757,642**

अनुबंध V : 2023-24 के दौरान फील्ड जीन बैंकों को जारी की गई निधियों का विवरण

क्र. सं.	केंद्रों का नाम	2023-24 के दौरान जारी निधियां (रु. में)
1	डॉ. बालासाहेब कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली	507,510
2	एनबीपीजीआर, नई दिल्ली	968,120
3	वाईएसपीयूएच, सोलन (शोतोषण फल) (एफजीबी)	1,419,228
	कुल	**2,894,858**

अनुबंध VI : 2023-24 के दौरान संगठन/केंद्र को जारी की गई निधियों का विवरण

क्र. सं.	लाभार्थी का नाम	2023-24 के दौरान जारी निधियां (रु. में)
1	असम कृषि. विश्वविद्यालय, जोरहाट (एएयू)	150,000
2	बिरसा एग्री. विश्वविद्यालय, रांची (बीएयू)	80,000
3	केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल 136/15	300,000
4	चौधरी एस.के.के. विश्वविद्यालय, पालमपुर 136/15 (कुल्लू, कांगड़ा, सिरमौर, बिलासपुर)	200,000
5	वीपीकेएएस अल्मोड़ा	150,000
6	सीआईएएच, बीकानेर	80,000
7	सीटीसीआरआई त्रिवेन्द्रम	115,003
8	गोबिंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, (जीबीपी यूए एवं टी) पंतनगर, देहरादून	80,000
9	केवीके, धलाई (136/15)	150,000
10	आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर (136/15)	80,000
11	आंचलिक परियोजना निदेशालय-जोन-XI, बैंगलोर	150,000
12	आंचलिक परियोजना, निदेशक, भाकृअनुप, जोन-IV, पटना, बिहार	400,000
13	कार्यक्रम समन्वयक केवीके देवमाली	80,000
14	स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय	150,000
15	एनआरआरआई, कटक	225,000
16	अगघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे	150,000
17	दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकोट, सतना	150,000
18	भाकृअनुप-डीएफआर, पुणे	80,000
19	आईआईपीआर, कानपुर	125,000
20	केवीके, पूर्वी केमांग	80,000
21	प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) प्रयाग राज विश्वविद्यालय	150,000
22	आर एस एम (पी.जी) कॉलेज, बिजनौर	150,000
23	एसबीआई, कोयंबटूर	100,000
	कुल	**3,375,003**

अनुबंध VII : पंजीकरण के तहत फसलें

क्र. सं.	फसल	वानस्पतिक नाम
1.	धान	*ओरिजा सैटिवा* एल.
2.	गेहूँ (ब्रेड व्हीट)	*ग्रीष्मकालीन गेहूं* एल.
3.	मक्का	*जी मेस* एल.
4.	ज्वार	*सोरघम बाइकलर* (एल.) मोएंच
5.	बाजरा	*पेनिसेटम ग्लॉकम* (एल.) आर.बी.आर.
6.	चना	*सिसर एरिएटिनम* एल.
7.	मूंग	*विग्ना रेडियेटा* (एल.) विल्ज़ेक
8.	उड़द	विग्ना मुंगो (एल.) हेपर
9.	मटर	*पिसम सैटिवम* एल.
10.	राजमा (किडनी बीन)	*फेसियोलस वल्गारिस* एल.
13	भारतीय सरसों	*ब्रैसिका जंसिया* एल. कज़र्न एंड कॉस
14	करन राई	*ब्रासिका कैरिनाटा* ए ब्राउन
15	तोरिया	*ब्रैसिका रैपा* एल.
16	गोभी सरसों	*ब्रासिका नैपस* एल.
17	मूंगफली	*अरचिस हाइपोगिया* एल.
18	सोयाबीन	*ग्लाइसिन मैक्स* (एल.) मेरिल
19	सूरजमुखी	*हेलियनथस एनुअस* एल.
20	कुसुम	*कार्थमस टिंकटोरियस* एल.
21	अरंडी	*रिसिनस काम्यूनिस* एल.
22	तिल	*सेसमम इंडिका* एल.
23	अलसी	*लिनम यूसिटेटिसीमम* एल.
24	द्विगुणित कपास	*गॉसिपियम अर्बोरियम* एल.
25	द्विगुणित कपास	*गॉसिपियम हर्बेसियम* एल.
26	त्रिगुणित कपास	*गॉसिपियम हिर्सुटम* एल.

27	त्रिगुणित कपास	*गॉसिपियम बार्बडेंस* एल.
28	जूट (पटसन)	*कोरकोरस ओलिटोरियस* एल.
29	जूट	*कॉर्कोरस कैप्सुलरिस* एल.
30	गन्ना	*सैकेरम* एल.
31	काली मिर्च	*पाइपर निग्रम* एल.
32	छोटी इलायची	*इलेटेरिया कार्डमम* मैटन
33	हल्दी	*कुरुम्मा लौंगा* एल.
34	अदरक	*ज़िंगिबर ऑफ़िसिनेल* रोस्क.
35	टमाटर	*लाइकोपर्सन लाइकोपर्सिकम* (एल.) कार्स्टन एक्स. फारव.
36	बैंगन	*सोलनम मेलॉन्गेना* एल.
37	भिंडी	*एबेलमोस्कस एस्कुलेंटस* (एल.) मोएंच.
38	फूल गोभी	*ब्रैसिका ओलेरासिया* एल.वैरा. *बोट्राइटिस*
39	बंद गोभी	*ब्रैसिका ओलेरासिया* एल. वैरा. *कैपिटाटा*
40	आलू	*सोलनम ट्यूबरोसम* एल.
41	प्याज	*एलियम सेपा* एल.
42	लहसुन	*एलियम सैटिवम एल.*
43	गुलाब	*रोज़ा प्रजा.(आर. डेमस्केना* के अलावा*)*
44	गुलदाउदी	*क्राइसेंथेमम* प्रजा.
45	आम	*मैंगीफेरा इंडिका* एल.
46	दुरुम गेहूँ	*ट्रिटिकम ड्यूरम* डेस्फ.
47	डिकोकम गेहूँ	*ट्रिटिकम डाइकोकम* एल.
48	अन्य ट्रिटिकम प्रजातियाँ	
49	ईसबगोल	*प्लांटैगो ओवाटा फ़ोर्स्क*
50	मेन्थॉल मिंट	*मेंथा अर्वेन्सिस* एल.
51	डमस्क गुलाब	*रोज़ा दमाससेना* मिल
52	पेरीविंकल	*कैथरैन्थस रोज़ियस* एल.

53	ब्राह्मी	*बकोपा मोनिएरी* एल.पेनेल
54	नारियल	*कोकोस न्यूसीफेरा* एल.
55	ऑर्किड	*वंदा*
56	ऑर्किड	*डेंड्रोबियम*
57	ऑर्किड	*सिम्बिडियम*
58	अनार	*पुनिका ग्रैनटम* एल.
59	ऑर्किड	*कैटलिया* लिंड्ल.
60	ऑर्किड	*फेलेनोप्सिस* ब्लूम
61	नीलगिरी	*यूकेलिप्टस कैमलडुलेंसिस* Dehnh.
62	नीलगिरी	*यूकेलिप्टस टेरिटिकोर्निस* एसएम.
63	कैसुरिना	*कैसुरीना इक्विसेटिफ़ोलिया* एल.
64	कैसुरिना	*कैसुरीना जुंगुहनियाना* मिक.
65	करेला	*मोमोर्डिका चारेंटिया* एल.
66	लौकी	*लेगेनारिया सिसेरिया* (मोल.) स्टैंडल.
67	खीरा	*कुकुमिस सैटिवस* एल.
68	कद्दू	*कुकुर्बिटा मोक्षटा* डच. एक्स. पोयर.
69	जौ	*होर्डियम वल्गारे* एल.
70	धनिया	*कोरिएन्ड्रम सैटिवम* एल.
71	मेथी	*ट्राइगोनेला फोनम ग्रेकम* एल.
72	बादाम	*प्रूनस डलसिस* (मिल.) डी.ए. वेब
73	सेब	*मालुस डोमेस्टिका* बोरख
74	नाशपाती	*पाइरस कम्युनिस* एल.
75	खुबानी	*प्रूनस आर्मेनियाका* एल.
76	चेरी	*प्रूनस एवियम* एल.
77	अखरोट	*जुग्लन्स रेजिया* एल.
78	अंगूर	*वाइटिस प्रजा.*

79	भारतीय बेर	*ज़िज़िफ़स मॉरिटिआना* लैमक.
80	चाय	*कैमेलिया साइनेंसिस*
81	चाय	*कैमेलिया एसामिका*
82	चाय	*सी.असामिका* प्रजा. *लैसियोकैलिक्स।*
83	रसराज (एसिड लाइम)	*सिट्रस ऑरैंटिफोलिया* स्विंगल
84	मंडेरिन	*सिट्रस रेटिकुलाटा* ब्लैंको
85	मौसम्बी	*सिट्रस साइनेंसिस* (एल.) ओस्बेक
86	बोगनविलिया	*बोगेनविलिया कॉम. एक्स.* जस.
87	केला	*मूसा* प्रजा.
88	ऑर्किड	*ओन्सीडियम* स्व.
89	कैना	*कन्ना* एल.
90	ग्लेडियोलस	*ग्लैडिओलस* एल.
91	खरबूजा	*कुकुमिस* मेलो एल.
92	तरबूजा	*सिट्रुलस लैनाटस* (थुनब.) मैंसफ.
93	चमेली	*जैस्मीनम ऑरिकुलेटम* एल.
94	रजनीगंधा	*पोलिएंथेस ट्यूबरोज* एल.
95	पपीता	*कैरिका पपीता* एल.
96	चाइना एस्टर	*कैलिस्टेफस चिनेंसिस* (एल.) नीस.
97	आड़ू	*प्रूनस पर्सिका* एल बटस्क.
98	जापानी बेर	*प्रूनस सैलिसिना* एल.
99	स्ट्रॉबेरी	*फ्रैगरिया एक्स अनानासन* डच.
100	मिर्च, रंग-बिरंगी शिमला मिर्च (बैल पैपर) और लाल शिमला मिर्च (पैपरिका)	*कैप्सिकम एन्नयम* एल.
101	रागी/ मंडुआ	*एलुसीन कोराकाना* (एल.) गेयर्टन.
102	फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी)	*सेटेरिया इटैलिक* (एल.) ब्यूव
103	चौलाय पत्ता	*ऐमारैंथस ट्राइकलर* एल.

104	तुरई	*लफ़ा एक्यूटांगुला* (एल.) रॉक्सब.
105	स्पिनेच बीट	*बीटा वल्गेरिस वैरा. बेंगालेंसिस* रॉक्सब.
106	कार्नेशन	*डायन्थस कैरियोफिलस* एल.
107	आर्किड	*पैफियोपेडिलम पफिट्ज़.*
108	नोनी	*मोरिंडा सिट्रिफ़ोलिया* एल.
109	बेल	*एगल मार्मेलोस* (एल.) कोरिया
110	जामुन/काला बेर	*सिज़ीजियम क्यूमिनी* (एल.) स्कील्स।
111	जायफल	*मिरिस्टिका फ्रेग्रेंस* हाउट.
112	चमेली/मोगरा	*जैस्मिनम सैम्बैक* एल.
113	शरीफा/शुगर एप्पल	*एनोना स्क्वैमोसा* एल.
114	कालमेघ/किंग ऑफ बिटर्स	*एंड्रोग्रैफिस पैनिकुलाटा* (बर्म.एफ.) वाल. एक्स. नीस
115	करंज	*पोंगामिया पिनाटा* (एल.) पियरे.
116	नीम	*एजाडिरैक्टा इंडिका* ए. जस.
117	भारतीय रसभरी	*एम्ब्लिका ऑफिसिनैलिस गार्टन.*
118	अमरूद	*सिडियम गुजावा* एल.
119	लीची	*लीची चिनेंसिस* सोन.
120	गेंदा	*टैगेटेस* प्रजा. एल.
121	सुपारी	*पाइपर बेटल* एल.
122	देवदार	*सेड्रस देवदारा* (रॉक्सबी.) जी.डॉन
123	चीड़ /पाइन	*पीनस रॉक्सबर्गी* सार्जेंट
124	शहतूत	*मोरस प्रजा.*
125	चमेली	*जैस्मिनम मल्टीफ्लोरम* एल.
126	कॉमन/ स्वीट बकव्हीट	*फागोपाइरम एस्कुलेंटम*
127	टार्टरी/कड़वा कुट्टू	*फागोपाइरम टैटारिकम*
128	राजगीरा (द् किंग्ज ग्रेन) या रामदाना (भगवान राम के नाम पर	*ऐमारैंथस हाइपोकॉन्ड्रिकस*
129		*ऐमारैंथस क्रुएंटस*

130	अनाज)	*ऐमारैंथस कौडेटस*
131		*ऐमारैंथस एड्यूलिस*
132	फाबा बीन (बाकुला)	*विसिया फैबा* एल.
133	जेट्रोफा (जत्रोफा)	*जेट्रोफा करकस* एल.
134	प्रोसो बाजरा (चेना)	*पैनिकम मैलियासस* एल.
135	बार्नयार्ड मिलेट (सामवा/कुटकी)	*इचिनोक्लोआ फ्रुमेंटेसी (रॉक्सबी.)* लिंक
136	लिटिल मिलेट (कुटकी/सवान)	*पेनिकम सुमाट्रेंस* रॉथ. एक्स. रोइमर एंड स्कुल्टेस
137	कोदो मिलेट (कोदो)	*पस्पालम स्कोर्बिकुलटम* एल.
138	जिमीकंद	*अमोर्फोफैलस पेओनीफोलियस*
139	कचालू	*कोलाकेसिय एस्कयुलेंटा*
140	जियेंट स्वैम्प टैरो	*साइरटोस्पर्मा चैमिशनिस/सी.मेरकुसी*
141	काजू	*एनाकार्डियम ऑक्सिडेंटल* एल.
142	सुपारी	*एरेका कैटेचू* एल.
143	चिरौंजी	*बुकानेनियालेंजेन स्पर्ग.*
144	इमली	*टैमारिंडस इंडिका* एल.
145	शकरकंद	*इपोमिया बटाटास (एल.)* लैम
146	कसावा	*मैनिहोटेस्कुलेंटा* क्रांट्ज.
147	चिनार (पॉपलर)	*पॉपुलस डेल्टोइड्स* बार्ट्र.
148-154	विलो (7 प्रजातियाँ)	*सेलिक्स टेट्रास्पर्मा, सेलिक्स नाइग्रा, सेलिक्स जेसोएंसिस, सेलिक्स एक्स रूबेंस, सेलिक्स मत्सुदाना, सेलिक्स अल्बा, सेलिक्स एकमोफिला।*
155	जई	*एवेना सैटिवा* एल.
156	खजूर	*फीनिक्स डैक्टिलिफ़ेरा एल.*
157	मोरिंगा (सहजन)	*मोरिंगा ओलीफेरा* एल.
158	मेलिया	*मेलिया डुबिया कैव.*
159	परवल	*ट्राइकोसैंथेस डियोइका रॉक्सब.*
160	क्रॉसेंड्रा	*क्रॉसेंड्रा इन्फंडिबुलिफ़ॉर्मिस (एल.) नीस.*

161	लोबिया	*विग्ना अनगुइकुलाटा (एल.) वालप. प्रजा. अनगुइकुलाटा और विग्ना अनगुइकुलाटा (एल.) वाल्प. प्रजा. सेसक्विपेडेलिस (एल.) वर्डक. (एल.) वाल्प.*
162	कटहल	*आर्टोकार्पस हेटरोफिलस* लैम.
163	बड़ा रतालू (ग्रेटर रतालू)	*डायोस्कोरिया अलाटा* एल.
164	यैम बीन	*पेचीरिज़स एरोसस* (एल.)
165	सीबकथ्रोर्न	*हिप्पोफे रमनोइड्स* एल.
166	अजवाइन	*ट्रेचिस्पर्मम अम्मी* एल.
167	सौंफ	*पिम्पेनेला ऐनीज़* एल.
168	अजवाइन	*एपियम ग्रेवोलेंस* एल.
169	जीरा	*कुमिनम साइमिनम* एल.
170	डिल	*एनेथम ग्रेवोलेंस* एल. *और एनेथम सोवा रोक्सब*
171	सौंफ	*फेनिकुलम वल्गारे* मिल.
172	निगेला	*निगेला सैटिवा* एल.
173	कुल्थी	*मैक्रोटिलोमा यूनिफ्लोरम (लैम)* वर्डक
174	जरबेरा	*जरबेरा जेम्सोनी* एडलेम एक्स. हूकर *एफ*
175-176	कॉफी	*कॉफी अरेबिका* एल. *और कॉफ़ी कैनेफ़ोरा* पियरे एक्स. फ्रोइह्वर
177	फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया (FCV) और बीड़ी तंबाकू	*निकोटियाना टैबैकम* (एल.)
178	मोठ	*विग्ना एकोनिटिफ़ोलिया* (जैक.) मारेचल.
179	ग्वार फली	रेफानस सैटिवस एल.
180	कोको	थियोब्रोमा कोको एल.
181	मूली	रफ़ानुसैटिवस एल.
182	गाजर	डौकसकारोटा एल.
183	सागौन	*टेक्टोना ग्रैंडिस* एल. एफ.
184	कालाजीरा	*ब्यूनियम पर्सिकम* (बायोस.) फेडट्स.
185	केसर	*क्रोकस सैटिवस* एल.
186	डोलिचोस बीन	*लैबलैब पुरप्यूरियस (एल.) मीठा*

187	सफेद पेठा (ऐश गार्ड)	*बेनिनकासा हिस्पिडा* (थुनब.) कॉग्न.
188	चिंचडा (स्नेक गार्ड)	*ट्राइकोसैंथेस एंगुइना* एल.
189	कुंदू (आइवी गार्ड)	*कोकिनिया ग्रैंडिस* (एल.)
190	कोकम	गार्सिनिया इंडिका चोइसी
191	नींबू	सिट्रस लिमोन (एल.) बर्म. एफ
192	चकोतरा	सिट्रस मैक्सिमा (जे. बर्म.) मेर.
193	लिलियम	*लिलियम* प्रजा. ओरिएंटल, एशियाटिक, एलए हाइब्रिड और ओटी हाइब्रिड
194	चमेली	*चमेली* प्रजा.
195	अश्वगंधा	*विथानिया सोम्नीफेरा* (एल.) डनल
196	जैतून	*ओलिया यूरोपिया* एल.
197	एन्थूरियम	*एन्थूरियम एंड्रियानम*

अनुबंध VIII : 2023-24 के दौरान जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र

क्र. सं.	पंजीकरण संख्या	किस्म का प्रकार	मूल्यवर्ग	फसल	आवेदक का नाम
1	पंजी./2008/252	नई किस्म	C 5703	त्रिगुणित कपास	महिको प्राइवेट लिमिटेड
2	पंजी./2008/257	नई किस्म	C 5712	त्रिगुणित कपास	महिको प्राइवेट लिमिटेड
3	पंजी./2008/477	नई किस्म	NCHB 991 Bt	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
4	पंजी./2008/541	नई किस्म	NCS 908 Bt	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
5	पंजी./2009/44	विद्यमान (वीसीके)	NM-119	मक्का	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
6	पंजी./2009/45	विद्यमान (वीसीके)	NM-58	मक्का	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
7	पंजी./2009/46	विद्यमान (वीसीके)	NM-206	मक्का	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
8	पंजी./2009/48	विद्यमान (वीसीके)	NM-115	मक्का	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
9	पंजी./2009/82	विद्यमान (वीसीके)	NCS-24	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
10	पंजी./2009/89	विद्यमान (वीसीके)	NCS-27	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
11	पंजी./2009/100	विद्यमान (वीसीके)	NCS-14	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
12	पंजी./2009/222	विद्यमान (वीसीके)	NC-1118	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
13	पंजी./2009/242	विद्यमान (वीसीके)	NC-142 Bt	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
14	पंजी./2009/458	नई किस्म	PKV TARA	अरहर	डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ
15	पंजी./2010/49	नई किस्म	NSCL-63 (स्वीट कॉर्न)	मक्का	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
16	पंजी./2010/246	किसान की किस्म	सफेद झुले सावंत	राजमा	ग्राम पंचायत मल्ला घोरपट्टा
17	पंजी./2010/247	किसान की किस्म	सफेद सावंत	राजमा	ग्राम पंचायत सुरिंग
18	पंजी./2010/248	किसान की किस्म	चितकबरा लाल झुलु सावंत	राजमा	ग्राम पंचायत सरमौली
19	पंजी./2010/256	नई किस्म	NP-210	धान	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
20	पंजी./2010/364	नई किस्म	PRCHB - 601 Bt 2	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
21	पंजी./2010/443	विद्यमान (वीसीके)	S-EP-017	बैंगन	महिको प्राइवेट लिमिटेड
22	पंजी./2010/493	विद्यमान (वीसीके)	BA-1021	टमाटर	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
23	पंजी./2011/173	विद्यमान (वीसीके)	C 5718	त्रिगुणित कपास	महिको प्राइवेट लिमिटेड
24	पंजी./2011/174	नई किस्म	C 5719	त्रिगुणित कपास	महिको प्राइवेट लिमिटेड
25	पंजी./2011/273	किसान की किस्म	लिकिति मच्छी	धान	तपन कुमार पांडा
26	पंजी./2011/357	किसान की किस्म	गोदी कबेरी	धान	श्री माना पाइका
27	पंजी./2011/361	किसान की किस्म	मुक्तामणी	धान	डालिम्बा गदाबा
28	पंजी./2011/369	किसान की किस्म	हुण्डा	धान	त्रिलोचन माझी
29	पंजी./2011/458	नई किस्म	PCH-9605 Bt2	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड

30	पंजी./2011/581	किसान की किस्म	बडिकाबेरी	धान	मंगला माझी
31	पंजी./2011/653	किसान की किस्म	जिराफुला	धान	पतुरी प्रधान
32	पंजी./2011/796	किसान की किस्म	एनबीआर-असमचुडी	धान	नेत्रानंद साहू
33	पंजी./2011/856	किसान की किस्म	एमबीजे-बासुमति	धान	मारकंडा हो
34	पंजी./2011/908	किसान की किस्म	बौड़ियाचंपा-डी	धान	बिरंचि प्रधान
35	पंजी./2011/1012	किसान की किस्म	बलांगीर-सरिया	धान	लक्ष्मण नाइक
36	पंजी./2011/1034	किसान की किस्म	जाजपुर-चामरमानी	धान	लक्ष्मीधर परिडा
37	पंजी./2011/1141	किसान की किस्म	अंतरी	धान	अच्युत राणा
38	पंजी./2011/1172	किसान की किस्म	मगुरा	धान	कचिरी बेहरा
39	पंजी./2011/1175	किसान की किस्म	मगरा-बी	धान	सुरेंद्र उदुरकुलिया
40	पंजी./2011/1178	किसान की किस्म	भारती	धान	दधि चो. पटेल
41	पंजी./2011/1206	किसान की किस्म	कोरापुट-मचाकांटा	धान	निहार रंजन बिसोई
42	पंजी./2011/1212	किसान की किस्म	गंजाम-रतनचूडी-जी	धान	पंचानन प्रधान
43	पंजी./2011/1214	किसान की किस्म	बसुधा	धान	लक्ष्मण परिदा
44	पंजी./2011/1238	किसान की किस्म	कदमफुल	धान	-रामेश्वर महानंद
45	पंजी./2011/1253	किसान की किस्म	हल्दीपानी	धान	दीनबंधु समद
46	पंजी./2011/1258	किसान की किस्म	कृष्ण भोग	धान	युधिष्ठिर साहू
47	पंजी./2011/1267	किसान की किस्म	एंगल-दिगिपादर-चिनामली	धान	चित्तरंजन बिस्वाल
48	पंजी./2011/1348	नई किस्म	S-EP-060	बैंगन	महिको प्राइवेट लिमिटेड
49	पंजी./2012/13	विद्यमान (वीसीके)	PH17H	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
50	पंजी./2012/66	किसान की किस्म	गेहूं 'पंजाब शिंगार'	गेहूं	शिंगारा सिंह
51	पंजी./2012/158	किसान की किस्म	नुआपाड़ा-सिनापाली-महिपाल	धान	सदानंद राउत
52	पंजी./2012/161	किसान की किस्म	चम्पाइसाली	धान	तपन कुमार डे
53	पंजी./2012/165	किसान की किस्म	गुदरी भोग	धान	चमरलाल गंझू
54	पंजी./2012/240	विद्यमान (वीसीके)	NM-130	मक्का	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
55	पंजी./2012/248	विद्यमान (वीसीके)	NM-61	मक्का	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
56	पंजी./2012/253	विद्यमान (वीसीके)	GP-1107	मक्का	यागंती सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
57	पंजी./2012/254	विद्यमान (वीसीके)	GP-225	मक्का	यागंती सीड्स प्राइवेट लिमिटेड

58	पंजी./2012/257	विद्यमान (वीसीके)	GP-5022	मक्का	यागंती सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
59	पंजी./2012/259	विद्यमान (वीसीके)	GP-1098	मक्का	यागंती सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
60	पंजी./2012/266	विद्यमान (वीसीके)	ACH-567	त्रिगुणित कपास	एशियन एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
61	पंजी./2012/318	किसान की किस्म	भोजनी	धान	फ्रांसिस कुजूर
62	पंजी./2012/319	किसान की किस्म	जोंड्रा सैल	धान	सीताराम गंजू
63	पंजी./2012/333	किसान की किस्म	धिया	धान	फ्रांसिस कुजूर
64	पंजी./2012/396	किसान की किस्म	झींटी-मूंग	मूंग	नीलमाधबा पांडा
65	पंजी./2012/397	किसान की किस्म	मूंग-झीन	मूंग	दुष्मंथा प्रधान
66	पंजी./2012/423	किसान की किस्म	खुदी खासा	धान	डॉ. देबल देब
67	पंजी./2012/435	किसान की किस्म	माझी झुलूर	धान	डॉ. देबल देब
68	पंजी./2012/438	किसान की किस्म	मलाबाती=या अमेते	धान	डॉ. देबल देब
69	पंजी./2012/451	किसान की किस्म	सादा गेटु	धान	डॉ. देबल देब
70	पंजी./2012/459	किसान की किस्म	चाहो अमुबी	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
71	पंजी./2012/462	किसान की किस्म	चांगट	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
72	पंजी./2012/463	किसान की किस्म	चांगट पाल	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
73	पंजी./2012/464	किसान की किस्म	चैंगमैन	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
74	पंजी./2012/471	किसान की किस्म	अखान फ़ौ	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
75	पंजी./2012/473	किसान की किस्म	लैंग फू	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
76	पंजी./2012/474	किसान की किस्म	माचांग	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
77	पंजी./2012/476	किसान की किस्म	मकरियो मोबो	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
78	पंजी./2012/481	किसान की किस्म	मेलोंग	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
79	पंजी./2012/483	किसान की किस्म	मोइरांग फू	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स

					कंशोर्शियम (AMAPCON)
80	पंजी./2012/485	किसान की किस्म	मोकरो	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
81	पंजी./2012/486	किसान की किस्म	लैंगमैनबी	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
82	पंजी./2012/487	किसान की किस्म	कोटसिमेई मेट	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
83	पंजी./2012/491	किसान की किस्म	मिक्रोरो एफिमी	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
84	पंजी./2012/495	किसान की किस्म	कैबू जीरो	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
85	पंजी./2012/497	किसान की किस्म	काकचेंग फू	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
86	पंजी./2012/498	किसान की किस्म	कंगलू	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
87	पंजी./2012/502	किसान की किस्म	कोंगथानु	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
88	पंजी./2012/504	किसान की किस्म	नगराह	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
89	पंजी./2012/505	किसान की किस्म	नपांग कोंगकोई	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
90	पंजी./2012/511	किसान की किस्म	पीएचई चारंग	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
91	पंजी./2012/513	किसान की किस्म	फौगाक	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
92	पंजी./2012/514	किसान की किस्म	फ़ोरेल	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
93	पंजी./2012/522	किसान की किस्म	सिरोइमा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
94	पंजी./2012/524	किसान की किस्म	तांगाकाटी-ए	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)

95	पंजी./2012/525	किसान की किस्म	ताओथाबी अंगूबा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
96	पंजी./2012/529	किसान की किस्म	चिंग चांगलेई	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
97	पंजी./2012/530	किसान की किस्म	चिंग चांगलेई-ए	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
98	पंजी./2012/532	किसान की किस्म	चिंग फोरेल	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
99	पंजी./2012/535	किसान की किस्म	दलाई	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
100	पंजी./2012/538	किसान की किस्म	दिशा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
101	पंजी./2012/539	किसान की किस्म	दिशा-ए	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
102	पंजी./2012/540	किसान की किस्म	DZIIKERO	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
103	पंजी./2012/541	किसान की किस्म	हुइकाप फो	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
104	पंजी./2012/571	किसान की किस्म	उरुनिकायमा	धान	पी.वी. सुरेश, फॉर सीड केयर – मालाबार के स्वेदशी एवं पारंपरिक फसल संरक्षकों का संघ
105	पंजी./2012/574	किसान की किस्म	कल्लदियार्यन	धान	पी.वी. सुरेश, फॉर सीड केयर – मालाबार के स्वेदशी एवं पारंपरिक फसल संरक्षकों का संघ
106	पंजी./2012/578	किसान की किस्म	चेतुवेलियान	धान	पी.वी. सुरेश, फॉर सीड केयर – मालाबार के स्वेदशी एवं पारंपरिक फसल संरक्षकों का संघ
107	पंजी./2012/579	किसान की किस्म	कुट्टीवेलियान	धान	पी.वी. सुरेश, फॉर सीड केयर – मालाबार के स्वेदशी एवं पारंपरिक फसल संरक्षकों का संघ
108	पंजी./2012/582	किसान की किस्म	मुलानपुन्चा	धान	पी.वी. सुरेश, फॉर सीड केयर – मालाबार के स्वेदशी एवं पारंपरिक फसल संरक्षकों का संघ
109	पंजी./2012/628	किसान की किस्म	SAFADI	धान	इस्दोर कुल्लू
110	पंजी./2012/633	किसान की किस्म	जेरा मुनि	धान	बोरेनिका कुलु
111	पंजी./2012/634	किसान की किस्म	भैंसा साल	धान	जेम्स सोरेन

112	पंजी./2012/660	किसान की किस्म	चाइना गोडा	धान	इमानुखल डुंगडुंग
113	पंजी./2012/665	किसान की किस्म	काबरी	धान	इमानुखल डुंगडुंग
114	पंजी./2012/671	किसान की किस्म	मणिपुरी	धान	प्रभुदान लकड़ा
115	पंजी./2012/672	किसान की किस्म	करहैनी	धान	निर्यास सोरेन
116	पंजी./2012/677	किसान की किस्म	बुहमान	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
117	पंजी./2012/679	किसान की किस्म	बुहमान कुंगतुम	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
118	पंजी./2012/680	किसान की किस्म	बुहमांटे	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
119	पंजी./2012/686	किसान की किस्म	UTTEIBI	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
120	पंजी./2012/687	किसान की किस्म	वेनुचारा	धान	ऑल मंणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
121	पंजी./2012/698	किसान की किस्म	करंगा गोदा	धान	अंजलियुस डुंगडुंग
122	पंजी./2013/34	किसान की किस्म	भैशा साहिल	धान	रमेश सिंह
123	पंजी./2013/61	किसान की किस्म	भारी भोजन्या	धान	सोंबरी मुंडा
124	पंजी./2013/82	नई किस्म	NC-1108/1 BG-II	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
125	पंजी./2013/90	नई किस्म	NC-5007 BG-I	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
126	पंजी./2013/91	नई किस्म	NC-1157	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
127	पंजी./2013/134	किसान की किस्म	कराड	धान	जंड्रोग पंचायत
128	पंजी./2013/135	किसान की किस्म	चम्बा राजमा	राजमा	भांदल पंचायत
129	पंजी./2013/148	किसान की किस्म	बच्चा कलमदानी	धान	मकरियुस तिर्की
130	पंजी./2013/149	किसान की किस्म	मुड़ी फूटा लाल	धान	मगदली आइंद
131	पंजी./2013/150	किसान की किस्म	मिजड़ी बाबा	धान	मनोज मुंडा
132	पंजी./2013/151	किसान की किस्म	खाल रायसी	धान	मंगू महतो
133	पंजी./2013/154	किसान की किस्म	सिकिनान	धान	सामू पाहन
134	पंजी./2013/158	किसान की किस्म	तिलासेर	धान	मोती साहू
135	पंजी./2013/160	किसान की किस्म	लाल	धान	परमेश्वर भोगता
136	पंजी./2013/165	किसान की किस्म	गुचू आरा बाबा	धान	शिलास मुरहू

137	पंजी./2013/185	नई किस्म	PC - P3812 BG-II	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
138	पंजी./2013/201	नई किस्म	PC - P801/1 BG-II	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
139	पंजी./2013/218	नई किस्म	PSCP 38 BG-I	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइ. लिमि.
140	पंजी./2013/221	नई किस्म	PSCP 35 BG-I	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइ. लिमि.
141	पंजी./2013/225	नई किस्म	PSCP 36 BG-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइ. लिमि.
142	पंजी./2013/226	नई किस्म	PSCP 16 BG-II	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइ. लिमि.
143	पंजी./2013/227	नई किस्म	PSCP 33 BG-I	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइ. लिमि.
144	पंजी./2013/245	नई किस्म	B140	धान	बेयर क्रॉप साइंस एजी
145	पंजी./2013/312	किसान की किस्म	इकारा (एएचयू)	धान	हरियां दब पत्थर परिचलन समिति
146	पंजी./2013/313	किसान की किस्म	कुनकुनी जाहा (1)	धान	हरियां दब पत्थर परिचलन समिति
147	पंजी./2013/315	किसान की किस्म	फूल पखारी	धान	हरियां दब पत्थर परिचलन समिति
148	पंजी./2013/316	किसान की किस्म	चेका बोका	धान	हरियां दब पत्थर परिचलन समिति
149	पंजी./2013/317	किसान की किस्म	बेटगुटी बर्धन	धान	हरियां दब पत्थर परिचलन समिति
150	पंजी./2013/318	किसान की किस्म	बंगला बाओ	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
151	पंजी./2013/319	किसान की किस्म	बच्ची बर्धन	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
152	पंजी./2013/320	किसान की किस्म	केकोवा बाओ	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
153	पंजी./2013/321	किसान की किस्म	मैनागिरी	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
154	पंजी./2013/322	किसान की किस्म	हल्दा बर्धन	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
155	पंजी./2013/323	किसान की किस्म	तुलसी झा	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
156	पंजी./2013/421	विद्यमान (वीसीके)	JKC 1040 BGII	त्रिगुणित कपास	जेके एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड
157	पंजी./2013/466	नई किस्म	बायो-E21	बैंगन	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
158	पंजी./2013/467	नई किस्म	बायो-E22	बैंगन	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
159	पंजी./2013/473	नई किस्म	NC-1167	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
160	पंजी./2013/480	किसान की किस्म	सुकरा	धान	कम्यूनिटी ऑफ फॉर्मर
161	पंजी./2013/546	किसान की किस्म	करसोली	धान	श्री कुशराम बोरा
162	पंजी./2013/547	किसान की किस्म	सोलपोना	धान	श्री दीप कु. नियोग
163	पंजी./2013/550	किसान की किस्म	लक्ष्मण साली	धान	श्री नारायण बोरा
164	पंजी./2013/551	किसान की किस्म	बंग्शी साली	धान	श्री बलिन्द्र नियोग
165	पंजी./2013/553	किसान की किस्म	बोका बोरा	धान	श्री भास्कर बोरा

166	पंजी./2013/555	किसान की किस्म	जेंग बोरा	धान	श्री निरंजन नियोग
167	पंजी./2013/556	किसान की किस्म	तिल बोरा	धान	श्री रोहिणी नियोग
168	पंजी./2013/557	किसान की किस्म	गोबिंद तुलसी जोहा	धान	श्री मृदुल बरुआ
169	पंजी./2013/559	किसान की किस्म	कोन जोहा	धान	श्री हरेन्द्र नियोग
170	पंजी./2013/562	किसान की किस्म	डूम्बोर	धान	एमएस। स्वप्नाली गोगोई
171	पंजी./2013/563	किसान की किस्म	बेटगुटी	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
172	पंजी./2013/565	किसान की किस्म	रोंगडोई	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
173	पंजी./2013/567	किसान की किस्म	एमओयू बोरा	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
174	पंजी./2013/569	किसान की किस्म	कोन्जोहा_जीबीजी	धान	श्री स्वप्नाली गोगोई
175	पंजी./2013/571	किसान की किस्म	जहिंगिया	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
176	पंजी./2013/574	किसान की किस्म	रोंगा करहोली	धान	सचिव, अन्नम ब्रह्मा एस.एच.जी.
177	पंजी./2013/575	किसान की किस्म	सोइमारी	धान	सुश्री अनु गोगोई
178	पंजी./2013/576	किसान की किस्म	SOLPONA_JGG	धान	सुश्री अनु गोगोई
179	पंजी./2013/578	किसान की किस्म	बेटगुटी साली	धान	सुश्री अनु गोगोई
180	पंजी./2013/580	किसान की किस्म	काला बरनी	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
181	पंजी./2013/581	किसान की किस्म	बैचा भोग जाहा	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
182	पंजी./2013/584	किसान की किस्म	चामराज	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
183	पंजी./2013/585	किसान की किस्म	माला बर्धन	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
184	पंजी./2013/586	किसान की किस्म	जुलाई बर्धन	धान	सोनाली पत्थर परिचलन समिति
185	पंजी./2013/610	किसान की किस्म	सलुमा मैमी	धान	लोको फार्मर्स क्लब
186	पंजी./2013/612	किसान की किस्म	बेटी	धान	लोको फार्मर्स क्लब
187	पंजी./2013/613	किसान की किस्म	मैमी तमसा	धान	लोको फार्मर्स क्लब
188	पंजी./2013/617	किसान की किस्म	मैमी उयाकलोंग	धान	लोको फार्मर्स क्लब
189	पंजी./2013/619	किसान की किस्म	मैमी ओंगझा	धान	लोको फार्मर्स क्लब
190	पंजी./2013/620	किसान की किस्म	कार्तिक भिन्नी	धान	लोको फार्मर्स क्लब
191	पंजी./2013/622	किसान की किस्म	मैमी कटारमा	धान	लोको फार्मर्स क्लब
192	पंजी./2013/623	किसान की किस्म	कांचली	धान	लोको फार्मर्स क्लब
193	पंजी./2013/625	किसान की किस्म	मैमी उयाक्राउ	धान	लोको फार्मर्स क्लब

194	पंजी./2013/626	किसान की किस्म	MAISAI	धान	लोको फार्मर्स क्लब
195	पंजी./2013/627	किसान की किस्म	जीआईएएस	धान	जीबन मजूमदार
196	पंजी./2013/631	किसान की किस्म	बेनगूंग	बैंगन	जीबन मजूमदार
197	पंजी./2013/633	किसान की किस्म	चपरांग	धान	गोबिंदा त्रिपुरा
198	पंजी./2013/634	किसान की किस्म	लुमरू	धान	गोबिंदा त्रिपुरा
199	पंजी./2013/635	किसान की किस्म	गालॉन	धान	गोबिंदा त्रिपुरा
200	पंजी./2013/636	किसान की किस्म	तोशलम्पा	धान	गोबिंदा त्रिपुरा
201	पंजी./2013/638	किसान की किस्म	माला-एरी	धान	रतन पटवोरी
202	पंजी./2013/639	किसान की किस्म	ठाकुर भोग	धान	रतन पटवोरी
203	पंजी./2013/640	किसान की किस्म	बिन्नी-I	धान	रतन पटवोरी
204	पंजी./2013/644	किसान की किस्म	कौप्रू चौमा	धान	लोको किसान क्लब
205	पंजी./2013/651	किसान की किस्म	मुरारी धान	धान	श्री. सोना चरण देबबर्मा
206	पंजी./2013/652	किसान की किस्म	अधुमा किटिंग	धान	श्री. सोना चरण देबबर्मा
207	पंजी./2013/653	किसान की किस्म	गणु मालती	धान	श्री. सोना चरण देबबर्मा
208	पंजी./2013/659	किसान की किस्म	गुरिया कसम	धान	बिशुराय देबबर्मा
209	पंजी./2013/662	किसान की किस्म	चिकनसवारी	धान	बिशुराय देबबर्मा
210	पंजी./2013/663	किसान की किस्म	मामी हैंगर	धान	बिशुराय देबबर्मा
211	पंजी./2013/664	किसान की किस्म	मामी वातलक	धान	बिशुराय देबबर्मा
212	पंजी./2013/665	किसान की किस्म	MAIMOR	धान	बिशुराय देबबर्मा
213	पंजी./2013/666	किसान की किस्म	गारो मालती	धान	बिशुराय देबबर्मा
214	पंजी./2013/682	किसान की किस्म	घी गेज (मिर्जा)	धान	अरबिंदा फार्मस क्लब
215	पंजी./2013/683	किसान की किस्म	सोनाली खासा	धान	अरबिंदा फार्मस क्लब
216	पंजी./2013/724	किसान की किस्म	बिन्नी (मिर्जा)	धान	अरबिंदा फार्मस क्लब
217	पंजी./2013/729	किसान की किस्म	घी गोज (पिलाक)	धान	संघाटी फार्मस क्लब
218	पंजी./2013/733	किसान की किस्म	राय (सबरूम)	भारतीय सरसों	इन्द्रानगर फार्मस क्लब
219	पंजी./2013/735	किसान की किस्म	लाल सरसों	तोरिया	इन्द्रानगर फार्मस क्लब
220	पंजी./2013/740	किसान की किस्म	टमाटर (सब्रूम)	टमाटर	इन्द्रानगर फार्मस क्लब
221	पंजी./2013/742	किसान की किस्म	फूटी हलूद	हल्दी	इन्द्रानगर फार्मस क्लब

222	पंजी./2013/745	किसान की किस्म	स्थानीय अरल	अरहर	इन्द्रानगर फार्मस क्लब
223	पंजी./2013/759	किसान की किस्म	साधु भोग	धान	पॉलिनिया कुजूर
224	पंजी./2013/770	किसान की किस्म	कम्पू आसुडी	धान	श्री सिद्धारूडा सवायाव कृषका बलागा और बीजा बैंक
225	पंजी./2013/831	किसान की किस्म	नटी भट्टा	धान	देशी कृषक बलगा
226	पंजी./2013/832	किसान की किस्म	लंका-2	धान	देशी कृषक बलगा
227	पंजी./2013/858	किसान की किस्म	लंका-3	धान	देशी कृषक बलगा
228	पंजी./2013/859	किसान की किस्म	पूनम बसमालती	धान	देशी कृषक बलगा
229	पंजी./2013/893	किसान की किस्म	जंगानी बोरा	धान	श्री अतुल दत्ता
230	पंजी./2013/894	किसान की किस्म	लासलुआ ज़ाली	धान	श्री प्रोफुल्ला बोरा
231	पंजी./2013/895	किसान की किस्म	हुनकोच्चि	धान	श्री सिबा भोराली
232	पंजी./2013/896	किसान की किस्म	भभौली जोहा	धान	श्री जुगेन बोरा
233	पंजी./2013/897	किसान की किस्म	कोनामुसोरि	धान	श्री सिबा भोराली
234	पंजी./2013/898	किसान की किस्म	होरु जाहिंगा	धान	श्री तोगोर बोराह
235	पंजी./2013/899	किसान की किस्म	मागुरी बाव	धान	श्री राजू बोरा
236	पंजी./2013/900	किसान की किस्म	जंगोनी	धान	श्री सिबा भोराली
237	पंजी./2013/901	किसान की किस्म	आमपाखी बोरा	धान	श्री बलिराम बोरा
238	पंजी./2013/902	किसान की किस्म	रंगाली बाव	धान	श्री हेमो दत्ता
239	पंजी./2013/903	किसान की किस्म	मोइमोनसिंगिया बाव	धान	श्री लक्खी कांत दत्ता
240	पंजी./2013/904	किसान की किस्म	देवरी बाव	धान	श्री लक्खी कांत दत्ता
241	पंजी./2013/905	किसान की किस्म	रोंगा मोनुहार	धान	श्री मृदुल बोरा
242	पंजी./2013/906	किसान की किस्म	बोगा मोनुहर	धान	श्री मृदुल बोरा
243	पंजी./2013/907	किसान की किस्म	सोरू नेकेरा	धान	श्री फोनिधर भोराली
244	पंजी./2013/908	किसान की किस्म	मेडेलागुरी	धान	श्री रंजीत भोराली
245	पंजी./2013/909	किसान की किस्म	बोडोल बाव	धान	श्री अरूप कोंवर
246	पंजी./2013/910	किसान की किस्म	होरु सोकुआ	धान	श्री महान चौ. बोराह
247	पंजी./2013/912	किसान की किस्म	जोहा बोरा	धान	श्री पबित्रा बोरा
248	पंजी./2013/942	विद्यमान (वीसीके)	NTH-1009	टमाटर	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
249	पंजी./2013/944	विद्यमान (वीसीके)	NTH-0310	टमाटर	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड

250	पंजी./2013/961	किसान की किस्म	चाखाओ सेम्पाक	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
251	पंजी./2013/965	किसान की किस्म	फ़ौरेल फ़ौजाओ	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
252	पंजी./2013/966	किसान की किस्म	चाखाओ अंगौबा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
253	पंजी./2013/969	किसान की किस्म	हेइमांग झू	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
254	पंजी./2013/970	किसान की किस्म	अहंगरेई	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
255	पंजी./2013/972	किसान की किस्म	अशम जू नगाओ	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
256	पंजी./2013/989	किसान की किस्म	कुम्पी	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
257	पंजी./2013/990	किसान की किस्म	किओ फोउ	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
258	पंजी./2013/991	किसान की किस्म	कुन केइलु	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
259	पंजी./2013/997	किसान की किस्म	खसिया	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
260	पंजी./2013/1002	किसान की किस्म	खैजिया	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
261	पंजी./2013/1096	किसान की किस्म	बादाम सरू	धान	Anjan Kumar Sinha
262	पंजी./2013/1106	किसान की किस्म	हेइतुप फोउ	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
263	पंजी./2013/1108	किसान की किस्म	फोरेन नोइनिंग	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
264	पंजी./2013/1112	किसान की किस्म	चन्द्रिका	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
265	पंजी./2013/1113	किसान की किस्म	चांग पाल	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)

266	पंजी./2013/1115	किसान की किस्म	चिंगफू अंगूबा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
267	पंजी./2013/1117	किसान की किस्म	मुर्शी	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
268	पंजी./2013/1119	किसान की किस्म	महा फिकारा मोनो	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
269	पंजी./2013/1123	किसान की किस्म	MOIMING	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
270	पंजी./2013/1124	किसान की किस्म	नेफ़ामा-ए	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
271	पंजी./2013/1128	किसान की किस्म	मोहोर	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
272	पंजी./2013/1129	किसान की किस्म	गणेश फू	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
273	पंजी./2013/1144	किसान की किस्म	फाउरेल फुडोंगबा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
274	पंजी./2013/1179	किसान की किस्म	रसोम चांगा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
275	पंजी./2013/1180	किसान की किस्म	नफांग डुइमी	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
276	पंजी./2013/1182	किसान की किस्म	तेइमाचांग	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
277	पंजी./2013/1194	किसान की किस्म	चाहो सेम्पक	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
278	पंजी./2013/1196	किसान की किस्म	मैकेनरेई अचेजू	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
279	पंजी./2013/1225	किसान की किस्म	चखाओ अंगंगबा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
280	पंजी./2013/1233	किसान की किस्म	चांग सान	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
281	पंजी./2013/1235	किसान की किस्म	माओबुह	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स

					कंशोर्शियम (AMAPCON)
282	पंजी./2013/1238	किसान की किस्म	खंगामारा	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
283	पंजी./2013/1239	किसान की किस्म	खंगामारा-ए	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
284	पंजी./2013/1240	किसान की किस्म	खसोक झू	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
285	पंजी./2013/1245	किसान की किस्म	जुलियानाप	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
286	पंजी./2013/1246	किसान की किस्म	चांग कोह	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
287	पंजी./2013/1247	किसान की किस्म	नागाबुह	धान	ऑल मणिपुर टेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स प्रमोटर्स कंशोर्शियम (AMAPCON)
288	पंजी./2013/1252	किसान की किस्म	काली मेकरा	धान	जीतेन्द्र नवीन
289	पंजी./2013/1253	किसान की किस्म	कालीजीरा	धान	अब्दुल लतीफ़
290	पंजी./2013/1257	किसान की किस्म	होरी नारायण	धान	इम्दादुर रहमान लस्कर
291	पंजी./2013/1258	किसान की किस्म	प्रसाद भोग	धान	जीतेन्द्र नामसुद्र
292	पंजी./2013/1259	किसान की किस्म	गौरी	धान	अनम उद्दीन चौधरी
293	पंजी./2013/1260	किसान की किस्म	सोया मोरा	धान	अनम उद्दीन चौधरी
294	पंजी./2013/1261	किसान की किस्म	लाल बालम	धान	अयूब अली लस्कर
295	पंजी./2013/1263	किसान की किस्म	लैटी सैल	धान	बलिराम नूनिया
296	पंजी./2013/1266	किसान की किस्म	शंकर भोग	धान	निकुंज मालाकार
297	पंजी./2013/1268	किसान की किस्म	मोरिचा भोग	धान	मस्तकिन अली
298	पंजी./2013/1271	किसान की किस्म	कृष्ण भोग	धान	नारायण दास
299	पंजी./2013/1273	किसान की किस्म	गांधी बिरोइन	धान	अब्दुल लतीफ़
300	पंजी./2013/1274	किसान की किस्म	भेरा पोवा	धान	बलिराम नूनिया
301	पंजी./2013/1279	किसान की किस्म	राजभोग	धान	गोपुर अली
302	पंजी./2013/1280	किसान की किस्म	कसालथ	धान	बीरो सिन्हा
303	पंजी./2013/1285	विद्यमान (वीसीके)	PC - P281	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड

304	पंजी./2013/1287	किसान की किस्म	TOIHA	धान	एन. चोंग लैंग फ़ोम
305	पंजी./2013/1288	किसान की किस्म	नुकगौ	धान	मैं. फोम से मिलना
306	पंजी./2013/1290	किसान की किस्म	कपशो	मक्का	पोंगो ग्राम परिषद
307	पंजी./2013/1295	किसान की किस्म	अमोना बाओ (एल)	धान	श्री बालिन पात्रा
308	पंजी./2013/1318	किसान की किस्म	कनकभोग	धान	अंजन कुमार सिन्हा
309	पंजी./2013/1324	किसान की किस्म	बाली धान	धान	हेमी सोनोवाल
310	पंजी./2013/1337	किसान की किस्म	स्वरागफला बाओ	धान	माणिक सैकिया
311	पंजी./2013/1338	किसान की किस्म	बेदल बाओ	धान	माणिक सैकिया
312	पंजी./2013/1339	किसान की किस्म	बोगा अमोना बाओ	धान	माणिक सैकिया
313	पंजी./2013/1341	किसान की किस्म	बोरजाहिंगा	धान	सुरेन बोरा
314	पंजी./2013/1342	किसान की किस्म	नेपाली चकोवा	धान	सुरेन बोरा
315	पंजी./2013/1343	किसान की किस्म	बिरोई	धान	सुरेन बोरा
316	पंजी./2013/1344	किसान की किस्म	चरैनाखी	धान	सुरेन बोरा
317	पंजी./2013/1345	किसान की किस्म	जुरई खोवा	धान	सुरेन बोरा
318	पंजी./2013/1346	किसान की किस्म	हटी साली	धान	सुरेन बोरा
319	पंजी./2013/1347	किसान की किस्म	नेघेरी बाओ	धान	बीरेन बरुआ
320	पंजी./2013/1348	किसान की किस्म	तरावली	धान	लुहित चेतिया
321	पंजी./2013/1349	किसान की किस्म	साई-मारी बाओ	धान	लुहित चेतिया
322	पंजी./2013/1350	किसान की किस्म	डोलमोरा बाओ	धान	लुहित चेतिया
323	पंजी./2013/1351	किसान की किस्म	मिया बाओ	धान	लुहित चेतिया
324	पंजी./2013/1354	किसान की किस्म	जूल बाओ	धान	धन हजारिका
325	पंजी./2013/1356	किसान की किस्म	कटिनोले	धान	सुनील हजारिका
326	पंजी./2013/1366	किसान की किस्म	इखाजॉय	धान	सबिन दुलकाशोरी
327	पंजी./2013/1369	किसान की किस्म	बोका जाहिंगा बाओ	धान	माणिक सैकिया
328	पंजी./2013/1370	किसान की किस्म	रंगोली बाओ	धान	माणिक सैकिया
329	पंजी./2013/1377	किसान की किस्म	नाल बरनी	धान	सोनाली पाथर परिचलना समिति
330	पंजी./2013/1378	किसान की किस्म	पारा चकुवा बरनी	धान	सोनाली पाथर परिचलना समिति
331	पंजी./2013/1380	किसान की किस्म	मालभोग बोका	धान	सोनाली पाथर परिचलना समिति

332	पंजी./2013/1381	किसान की किस्म	बार एकारा	धान	सोनाली पाथर परिचलना समिति
333	पंजी./2013/1384	किसान की किस्म	शुंगल बरनी	धान	हरिन दब पत्थर प्रचालन समिति
334	पंजी./2013/1386	किसान की किस्म	चेंगा	धान	हरिन दब पत्थर प्रचालन समिति
335	पंजी./2013/1387	किसान की किस्म	दरियाल	धान	हरिन दब पत्थर प्रचालन समिति
336	पंजी./2013/1389	किसान की किस्म	गारो मह	अरहर	सोनाली पाथर परिचलना समिति
337	पंजी./2013/1410	किसान की किस्म	बुह सकी	धान	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
338	पंजी./2013/1418	किसान की किस्म	शान	धान	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
339	पंजी./2013/1419	किसान की किस्म	वुइफिर	धान	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
340	पंजी./2013/1420	किसान की किस्म	FAZU	धान	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
341	पंजी./2013/1421	किसान की किस्म	लियान रान	धान	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
342	पंजी./2013/1422	किसान की किस्म	फ़ैज़ई	धान	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
343	पंजी./2013/1427	किसान की किस्म	IDAW-1	धान	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
344	पंजी./2013/1428	किसान की किस्म	IDAW-2	धान	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
345	पंजी./2013/1436	किसान की किस्म	मिम्पुई सेन	मक्का	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
346	पंजी./2013/1444	किसान की किस्म	पुआक्ज़ो-2	मक्का	ऑल मिजोरम फार्मर्स यूनियन (एएमएफयू)
347	पंजी./2013/1485	किसान की किस्म	चेट्टी गुरमसिया	धान	धरोहर समिति
348	पंजी./2013/1487	किसान की किस्म	दंडकर	धान	धरोहर समिति
349	पंजी./2013/1489	किसान की किस्म	रतन चूड़ी	धान	धरोहर समिति
350	पंजी./2013/1505	किसान की किस्म	सुपर लुचाई	धान	धरोहर समिति
351	पंजी./2013/1511	किसान की किस्म	लोकाती माछी-1	धान	धरोहर समिति
352	पंजी./2013/1535	किसान की किस्म	चोटिया	धान	धरोहर समिति
353	पंजी./2013/1541	किसान की किस्म	चटिया नखी	धान	धरोहर समिति
354	पंजी./2013/1552	किसान की किस्म	गोदावरी	धान	धरोहर समिति
355	पंजी./2013/1555	किसान की किस्म	बंदकटी	धान	धरोहर समिति
356	पंजी./2013/1568	किसान की किस्म	बटारी	मटर	टोकराज बारला

357	पंजी./2013/1579	किसान की किस्म	मुजनी	धान	एम. आर. गुप्ता
358	पंजी./2013/1586	किसान की किस्म	काला जीरा-1	धान	सुंदर साई
359	पंजी./2013/1598	किसान की किस्म	बाथरस	धान	सुदर्शन साईं पैंकरा
360	पंजी./2013/1600	किसान की किस्म	रतनचुरी	धान	सुदर्शन साईं पैंकारा
361	पंजी./2013/1611	किसान की किस्म	गीता	धान	युधिष्ठिर वारिक
362	पंजी./2013/1628	किसान की किस्म	नरपति	धान	श्री बाल साय राजवाड़े
363	पंजी./2013/1629	किसान की किस्म	बैसाधो	धान	रामकुमार राजवाड़े
364	पंजी./2013/1632	किसान की किस्म	सानुचुरिया	धान	परमजीत राजवाड़े
365	पंजी./2013/1647	किसान की किस्म	कालाजीरा	धान	तीर्थराम
366	पंजी./2013/1660	किसान की किस्म	देसी अरहर बेंगारी	अरहर	गेंदू गौड़
367	पंजी./2013/1665	किसान की किस्म	अरहर गणपद	अरहर	गणपद गौड़
368	पंजी./2013/1667	किसान की किस्म	अरहर मानपुर पहाड़ी	अरहर	कोईराम लोधी
369	पंजी./2013/1668	किसान की किस्म	सिवारी धान	धान	नूरझर बैगा
370	पंजी./2014/19	किसान की किस्म	हाति दोतुआ	धान	डिजेन बोरोआ
371	पंजी./2014/20	किसान की किस्म	बिरिया भोंगा बाव	धान	नन्दलाल पथोरी
372	पंजी./2014/21	किसान की किस्म	बोगा केकु बाव	धान	बीजू नराह
373	पंजी./2014/22	किसान की किस्म	खोलिहोई बाव	धान	श्री कोमोला लेइंग
374	पंजी./2014/24	किसान की किस्म	हरई पुवा सोकुआ	धान	पनाब ठाकुर
375	पंजी./2014/25	किसान की किस्म	एडोलिया बाव	धान	पंकज बोरुआ
376	पंजी./2014/28	किसान की किस्म	कोला बोरा	धान	रोनजीत चेट्री
377	पंजी./2014/29	किसान की किस्म	डोरिया	धान	बुलेन भुइयां
378	पंजी./2014/30	किसान की किस्म	रोन्गा सोलपोना	धान	रुहितास्वर फुकोन
379	पंजी./2014/31	किसान की किस्म	कोला आहु	धान	दुलोव ठाकुर
380	पंजी./2014/65	किसान की किस्म	बेकांग-फैंगसिन	सोयाबीन	जोसेफ एच. थंजुआला
381	पंजी./2014/87	किसान की किस्म	बाची	धान	अंजन कुमार सिन्हा
382	पंजी./2014/109	किसान की किस्म	खजूरचारी	धान	अंजन कुमार सिन्हा
383	पंजी./2014/127	किसान की किस्म	कटि साली	धान	बिनंदा पचानी
384	पंजी./2014/129	किसान की किस्म	पाखी बोरा	धान	पोडिप भुइयां

385	पंजी./2014/130	किसान की किस्म	रोंगा जोहा	धान	नोजेन फुकोन
386	पंजी./2014/131	किसान की किस्म	स्वैगमोनी बोरा	धान	गहन सैकिया
387	पंजी./2014/132	किसान की किस्म	सोरू रोंगदोई	धान	दिलीप फुकोन
388	पंजी./2014/133	किसान की किस्म	सोरू सोकुआ	धान	पोडिप बोइरागी
389	पंजी./2014/134	किसान की किस्म	माखोन बोरा	धान	गोपाल बोरा
390	पंजी./2014/135	किसान की किस्म	सियाल नेजिया बोरा	धान	बिनोद छेत्री
391	पंजी./2014/136	किसान की किस्म	कुमकुम	अरहर	परेश बाउरी
392	पंजी./2014/138	किसान की किस्म	आईओआरओ ईपीवाईओ	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
393	पंजी./2014/139	किसान की किस्म	आहा	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
394	पंजी./2014/140	किसान की किस्म	बैंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
395	पंजी./2014/141	किसान की किस्म	नेधन 1	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
396	पंजी./2014/142	किसान की किस्म	ईपीवाईओ	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
397	पंजी./2014/143	किसान की किस्म	IDAW	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
398	पंजी./2014/146	किसान की किस्म	चेकचो	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
399	पंजी./2014/149	किसान की किस्म	ट्राई	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
400	पंजी./2014/150	किसान की किस्म	रेंगकावी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
401	पंजी./2014/151	किसान की किस्म	YULU-69	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
402	पंजी./2014/152	किसान की किस्म	VIET 2	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
403	पंजी./2014/153	किसान की किस्म	HAI BRING	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
404	पंजी./2014/154	किसान की किस्म	सुंदरीधान	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
405	पंजी./2014/158	किसान की किस्म	SHROI	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
406	पंजी./2014/159	किसान की किस्म	वैफेइताई	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
407	पंजी./2014/160	किसान की किस्म	ज़ोट लियर	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
408	पंजी./2014/161	किसान की किस्म	चुस्किंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
409	पंजी./2014/162	किसान की किस्म	क्रोंग फोउ	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
410	पंजी./2014/163	किसान की किस्म	मेसोजोंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
411	पंजी./2014/164	किसान की किस्म	शकु	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
412	पंजी./2014/165	किसान की किस्म	TSUKJI	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप

413	पंजी./2014/167	किसान की किस्म	चंकीमासो	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
414	पंजी./2014/168	किसान की किस्म	खोंग जय फोउ	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
415	पंजी./2014/169	किसान की किस्म	मोटोधान	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
416	पंजी./2014/171	किसान की किस्म	लेस्पा	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
417	पंजी./2014/172	किसान की किस्म	YIMYU	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
418	पंजी./2014/173	किसान की किस्म	बाली	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
419	पंजी./2014/175	किसान की किस्म	रौहुल्ला	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
420	पंजी./2014/181	किसान की किस्म	एसएजीजी (डब्ल्यू)	धान	सीड सेवर फार्मर्स ग्रुप
421	पंजी./2014/201	नई किस्म	पंजाब बासमती 3	धान	पंजाब कृषि विश्वविद्यालय
422	पंजी./2014/208	किसान की किस्म	कामोद	धान	सीड सेवर फार्मर्स ग्रुप
423	पंजी./2014/211	किसान की किस्म	कोलिम	धान	इंद्रमल आदिवासी बीज रक्षक समूह
424	पंजी./2014/215	किसान की किस्म	गवरान लासुन	लहसुन	इंद्रमल आदिवासी बीज रक्षक समूह
425	पंजी./2014/221	किसान की किस्म	ध्यानेश्वर-16	गन्ना	विश्वनाथ बलदेव चव्हाण
426	पंजी./2014/222	किसान की किस्म	मधुरा	थान	मावनजी गणपत पवार
427	पंजी./2014/223	किसान की किस्म	कीर्ति	धान	मावनजी गणपत पवार
428	पंजी./2014/228	किसान की किस्म	चुनुला	मटर	सतीश बाबूराव चव्हाण
429	पंजी./2014/229	किसान की किस्म	सिद्धगिरि-1	थान	तानाजी नाना निकम
430	पंजी./2014/230	किसान की किस्म	लाल-गिरगा	धान	तानाजी नाना निकम
431	पंजी./2014/232	किसान की किस्म	VIET3	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
432	पंजी./2014/233	किसान की किस्म	पासिमोट	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
433	पंजी./2014/234	किसान की किस्म	कलामोनी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
434	पंजी./2014/235	किसान की किस्म	बादल साली	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
435	पंजी./2014/236	किसान की किस्म	मागुरी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
436	पंजी./2014/237	किसान की किस्म	बेओई धान	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
437	पंजी./2014/238	किसान की किस्म	मांगुरी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
438	पंजी./2014/240	किसान की किस्म	सियाल काठी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
439	पंजी./2014/241	किसान की किस्म	टैगूर	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
440	पंजी./2014/243	किसान की किस्म	अमलांग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप

441	पंजी./2014/244	किसान की किस्म	केबांग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
442	पंजी./2014/245	किसान की किस्म	बगिंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
443	पंजी./2014/246	किसान की किस्म	ताकुरी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
444	पंजी./2014/247	किसान की किस्म	PANKANK	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
445	पंजी./2014/248	किसान की किस्म	पौंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
446	पंजी./2014/249	किसान की किस्म	टुडोंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
447	पंजी./2014/250	किसान की किस्म	अम्बे	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
448	पंजी./2014/251	किसान की किस्म	यमुक	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
449	पंजी./2014/252	किसान की किस्म	मुग्मे	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
450	पंजी./2014/253	किसान की किस्म	मिपुन	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
451	पंजी./2014/255	किसान की किस्म	किमिन	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
452	पंजी./2014/256	किसान की किस्म	डगम	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
453	पंजी./2014/257	किसान की किस्म	आमदा	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
454	पंजी./2014/258	किसान की किस्म	नाली धान	थान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
455	पंजी./2014/259	किसान की किस्म	वीएके	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
456	पंजी./2014/262	किसान की किस्म	सबोएग बायियो	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
457	पंजी./2014/263	किसान की किस्म	टोपोलियो 88/76	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
458	पंजी./2014/264	किसान की किस्म	नाम यांग II	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
459	पंजी./2014/265	किसान की किस्म	मणि	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
460	पंजी./2014/266	किसान की किस्म	आईआरईडी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
461	पंजी./2014/267	किसान की किस्म	ज़ियांग ज़ोंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
462	पंजी./2014/268	किसान की किस्म	बोर्डुगोंहा	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
463	पंजी./2014/269	किसान की किस्म	ब्योंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
464	पंजी./2014/270	किसान की किस्म	बिहारी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
465	पंजी./2014/271	किसान की किस्म	बोर्डुगोंहा-2	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
466	पंजी./2014/272	किसान की किस्म	बोर्डुगोंहा-3	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
467	पंजी./2014/273	किसान की किस्म	बोर्डुगोंहा-4	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
468	पंजी./2014/274	किसान की किस्म	बोर्डुगोंहा-5	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप

469	पंजी./2014/275	किसान की किस्म	बोरधान	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
470	पंजी./2014/276	किसान की किस्म	लाहिचर	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
471	पंजी./2014/278	किसान की किस्म	खोंजी-1	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
472	पंजी./2014/279	किसान की किस्म	खोंजी- 3	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
473	पंजी./2014/280	किसान की किस्म	अमोता बाओ	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
474	पंजी./2014/281	किसान की किस्म	जोवाई केबीए	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
475	पंजी./2014/282	किसान की किस्म	उम्सनिंग-2	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
476	पंजी./2014/283	किसान की किस्म	गैन्डोर गोगी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
477	पंजी./2014/284	किसान की किस्म	जियेंग-जियांग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
478	पंजी./2014/285	किसान की किस्म	कोबौलसाली	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
479	पंजी./2014/286	किसान की किस्म	खोलोंग	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
480	पंजी./2014/287	किसान की किस्म	जोवाई जल्दी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
481	पंजी./2014/288	किसान की किस्म	बपनाह (प.)	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
482	पंजी./2014/289	किसान की किस्म	बापना (आर)	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
483	पंजी./2014/290	किसान की किस्म	लिंटर	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
484	पंजी./2014/291	किसान की किस्म	कोबौलसाली	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
485	पंजी./2014/292	किसान की किस्म	बुडोमनी	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
486	पंजी./2014/293	किसान की किस्म	तारा बाली	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
487	पंजी./2014/294	किसान की किस्म	रंगोली	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
488	पंजी./2014/295	किसान की किस्म	MYNRI	धान	ग्रीन फार्मर्स ग्रुप
489	पंजी./2014/297	किसान की किस्म	नीडो	थान	रज़ुवेई हेसुह
490	पंजी./2014/300	किसान की किस्म	न्येलु तान्ये	धान	ज़ापोसेयी न्येखा
491	पंजी./2014/301	किसान की किस्म	रेनो	धान	वेखोरायी लोहे
492	पंजी./2014/303	किसान की किस्म	कोंगुलो आरयू (4)	धान	खेवेन्यिपे खामी
493	पंजी./2014/304	किसान की किस्म	मेक्रू आरयू	धान	खेवेन्यिपे खामी
494	पंजी./2014/305	किसान की किस्म	NYODE	धान	सेवोज़ो मेडियो
495	पंजी./2014/311	किसान की किस्म	केहीपेलो आरयू	धान	खेन्यिपे खामो

496	पंजी./2014/312	किसान की किस्म	टेना	धान	केवेचेपे मेबौ
497	पंजी./2014/314	किसान की किस्म	तेनापुके थाउ	धान	ख्वेनेपे खामो
498	पंजी./2014/315	किसान की किस्म	मेलुरू	धान	केवेचेपे मेबौ
499	पंजी./2014/316	किसान की किस्म	मेनमापो आरयू	धान	केवेचेपे
500	पंजी./2014/319	किसान की किस्म	मेनाबे	धान	वेल्हिपे चिएरो
501	पंजी./2014/320	किसान की किस्म	टेंगाबे	धान	वेल्हिपे चिएरो
502	पंजी./2014/322	किसान की किस्म	थुमुरी (रुंगुज्जु नासा)	धान	सिज़ोप्रा निएनु
503	पंजी./2014/323	किसान की किस्म	कुथिनिगिरि	धान	थुपुखोयी कीहो
504	पंजी./2014/324	किसान की किस्म	कुमुनो	धान	सवेनेयी कीहो
505	पंजी./2014/325	किसान की किस्म	तान्ये (रुंगुज्जु नासा)	धान	सिज़ोप्रा निएनु
506	पंजी./2014/326	किसान की किस्म	इचुमी आरयू	धान	ख्वेनिपे खामो
507	पंजी./2014/328	किसान की किस्म	लोसामिरु	धान	केवेचेपे मेबौ
508	पंजी./2014/337	किसान की किस्म	मेपुरी	धान	जयंत सोनोवाल
509	पंजी./2014/338	किसान की किस्म	मोनी गजोरी	धान	नाजिन तुलचिआरी
510	पंजी./2014/339	किसान की किस्म	चकवुआ	धान	पावल बोरा
511	पंजी./2014/340	किसान की किस्म	थिओमोकोरी	धान	राजीव बसुमतारी
512	पंजी./2014/341	किसान की किस्म	रंगा साली	धान	किरण तुलचिआरी
513	पंजी./2014/342	किसान की किस्म	घेवु बोरा	धान	जगनाथ बोरा
514	पंजी./2014/343	किसान की किस्म	रंगा बाओ	धान	हारा कांता डोले
515	पंजी./2014/345	किसान की किस्म	अमेना बाओ	धान	सुरेश मिसोंग
516	पंजी./2014/346	किसान की किस्म	डेलो साली	धान	प्रशांत गोगोई
517	पंजी./2014/347	किसान की किस्म	बोगी साली	धान	सुरेश ताये
518	पंजी./2014/348	किसान की किस्म	दाल बाओ	धान	पोर्मानंद मिसोंग
519	पंजी./2014/353	नई किस्म	BY778-एनएम	मक्का	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
520	पंजी./2014/359	किसान की किस्म	खामती साली	धान	मोहन मिसोंग
521	पंजी./2014/391	किसान की किस्म	बिहारी साली	धान	पद्मकांता नाथ
522	पंजी./2014/392	किसान की किस्म	कुर्मी साली	धान	पद्मकांता नाथ
523	पंजी./2014/393	किसान की किस्म	हुरुपी कोमल धान	धान	पद्मकांता नाथ

524	पंजी./2014/394	किसान की किस्म	कृष्णा आहु	धान	पद्माकांता नाथ
525	पंजी./2014/395	किसान की किस्म	कालियाकृष्ण साली	धान	पद्माकांता नाथ
526	पंजी./2014/399	किसान की किस्म	बोगी बोरा	धान	पद्माकांता नाथ
527	पंजी./2014/400	किसान की किस्म	बम मागुरी	धान	पद्माकांता नाथ
528	पंजी./2014/401	किसान की किस्म	कोला जोहा (कलियाबोर)	धान	पद्माकांता नाथ
529	पंजी./2014/402	किसान की किस्म	इंद्र नारायण साली	धान	पद्माकांता नाथ
530	पंजी./2014/404	किसान की किस्म	बिहारी बोरो	धान	पद्माकांता नाथ
531	पंजी./2014/405	किसान की किस्म	कटि बोरा	धान	पद्माकांता नाथ
532	पंजी./2014/406	किसान की किस्म	गोदा साली	धान	पद्माकांता नाथ
533	पंजी./2014/408	किसान की किस्म	हरकोना	धान	पद्माकांता नाथ
534	पंजी./2014/411	किसान की किस्म	बम बोगी साली	धान	पद्माकांता नाथ
535	पंजी./2014/413	किसान की किस्म	बांग्ला बोरो	धान	पद्माकांता नाथ
536	पंजी./2014/414	किसान की किस्म	पाताल साली	धान	पद्माकांता नाथ
537	पंजी./2014/415	किसान की किस्म	रोंगा आहु	धान	पद्माकांता नाथ
538	पंजी./2014/419	किसान की किस्म	नंबर 9	धान	पद्माकांता नाथ
539	पंजी./2014/421	किसान की किस्म	गया साली	धान	पद्माकांता नाथ
540	पंजी./2014/430	किसान की किस्म	बिप्लव बोरो (कलियाबोर)	धान	पद्माकांता नाथ
541	पंजी./2014/431	किसान की किस्म	जोलपानिया कोमल	धान	पद्माकांता नाथ
542	पंजी./2014/433	किसान की किस्म	गौतम साली	धान	पद्माकांता नाथ
543	पंजी./2014/434	किसान की किस्म	प्रभात साली	धान	पद्माकांता नाथ
544	पंजी./2014/436	किसान की किस्म	नोल बोरा धान (कलियाबोर)	धान	पद्माकांता नाथ
545	पंजी./2014/437	किसान की किस्म	जलाकिया कोमल धान	धान	पद्माकांता नाथ
546	पंजी./2014/438	किसान की किस्म	पानी मागुरी	धान	पद्माकांता नाथ
547	पंजी./2014/439	किसान की किस्म	बकुल जोहा (टाइप 3)	धान	पद्माकांता नाथ
548	पंजी./2014/440	किसान की किस्म	लोहा डंग	धान	ज्योति प्रसाद बरुआ
549	पंजी./2014/443	किसान की किस्म	स्वर्णगुटी	धान	ज्योति प्रसाद बरुआ

550	पंजी./2014/450	विद्यमान (वीसीके)	PC - P761	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
551	पंजी./2014/452	विद्यमान (वीसीके)	PC - P951 Bt	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
552	पंजी./2014/459	विद्यमान (वीसीके)	PC - P601	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
553	पंजी./2014/478	विद्यमान (वीसीके)	PC - P211	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
554	पंजी./2014/482	किसान की किस्म	रुक्मणि	बाजरा	खामकरण राजपूत गजेंद्र सिंह
555	पंजी./2014/485	किसान की किस्म	राजवती	उड़द	ज्योति प्रसाद बरुआ
556	पंजी./2014/495	किसान की किस्म	तेजपुरिया देफा	धान	ज्योति प्रसाद बरुआ
557	पंजी./2014/497	किसान की किस्म	बादल साली (नोल्टोली)	धान	ज्योति प्रसाद बरुआ
558	पंजी./2014/514	किसान की किस्म	माईगुटी	धान	अजित बोरो
559	पंजी./2014/516	किसान की किस्म	उगनी साली	धान	बोलोरम बोरो
560	पंजी./2014/517	किसान की किस्म	पुनपुनी जोहा	धान	बोलोरम बोरो
561	पंजी./2014/520	किसान की किस्म	करबीपति	धान	मिलोन बोरो
562	पंजी./2014/524	किसान की किस्म	बेरोई साली	धान	गणेश दास
563	पंजी./2014/527	किसान की किस्म	सिदरा बोरा	धान	तरणि बोरो
564	पंजी./2014/528	किसान की किस्म	उखनी साली	धान	अरबिंद राभा
565	पंजी./2014/535	किसान की किस्म	खौजी	धान	अनंता सिंगफो
566	पंजी./2014/536	किसान की किस्म	MOHMDA NNENG	धान	अनंता सिंगफो
567	पंजी./2014/537	किसान की किस्म	मायो निंगनान	धान	अनंता सिंगफो
568	पंजी./2014/538	किसान की किस्म	मायोहोम	धान	ताइसन सिंगफाउ
569	पंजी./2014/539	किसान की किस्म	डुमचांगनेंग	धान	ताइसन सिंगफाउ
570	पंजी./2014/540	किसान की किस्म	नेनेंग चांगहोम	धान	जोगेंद्र नाथ सिंगफाउ
571	पंजी./2014/541	किसान की किस्म	खौलुंग चांग	धान	जोगेंद्र नाथ सिंगफाउ
572	पंजी./2014/542	किसान की किस्म	कोलाबोर	धान	रामलाल कुर्मी
573	पंजी./2014/543	किसान की किस्म	लुहा साली	धान	चौ मृदुल श्याम
574	पंजी./2014/544	किसान की किस्म	चोई लाही	धान	मोहन गोगोई
575	पंजी./2014/545	किसान की किस्म	हिल साली	धान	मोहन गोगोई
576	पंजी./2014/548	किसान की किस्म	बोगा बेटगुटी	धान	अनंता सिंगफाउ
577	पंजी./2014/562	किसान की किस्म	वॉन्डर राइस	धान	मेलहिते केन्ये

578	पंजी./2014/567	किसान की किस्म	केसोल	धान	पीटर संगमा
579	पंजी./2014/572	किसान की किस्म	एमआई-गैंगगेट	धान	पोरेश मराक
580	पंजी./2014/575	किसान की किस्म	एमआईएमए	धान	केप्सन संगमा
581	पंजी./2014/577	किसान की किस्म	MIMITTIM	धान	झोन मराक
582	पंजी./2014/581	किसान की किस्म	लाल मोनोहर	धान	पनिउद्दीन शेख
583	पंजी./2014/589	किसान की किस्म	मोनोहोर (सफ़ेद)	धान	रोचोनाथ राभा
584	पंजी./2014/594	किसान की किस्म	अमन	धान	मालिना मराक
585	पंजी./2014/595	किसान की किस्म	पंगाबासी	धान	लखीनाथ हाजोंग
586	पंजी./2014/597	किसान की किस्म	राजा साली	धान	बार्नेट संगमा
587	पंजी./2014/599	किसान की किस्म	कोटचू गिसिम	धान	ओनिल कोच
588	पंजी./2014/600	किसान की किस्म	चिपचिपा धान (बिन्नी धान)	धान	नामसिंग संगमा
589	पंजी./2014/602	किसान की किस्म	कागा	धान	सुडेटसन संगमा
590	पंजी./2014/606	किसान की किस्म	सीता छतुइया	उड़द	गोपाल शर्मा
591	पंजी./2014/622	किसान की किस्म	चैत अरहर	अरहर	मुनेश्वर एक्का
592	पंजी./2014/625	किसान की किस्म	जीवन	गेहूं	रामसजीवन
593	पंजी./2014/636	किसान की किस्म	मोटा अरहर कार्तिका	अरहर	मांगन खलखो
594	पंजी./2014/637	किसान की किस्म	रवि जीरा फूल	धान	रवीन्द्र प्रताप सिंह
595	पंजी./2014/669	किसान की किस्म	सफ़ेद मक्का	मक्का	अक्षय मांझी
596	पंजी./2014/670	किसान की किस्म	बाघकलमी	धान	अक्षय मांझी
597	पंजी./2014/678	किसान की किस्म	शिवचरण उड़द-2	उड़द	शिवचरण गोप
598	पंजी./2014/681	किसान की किस्म	पनिसयिर	धान	शिवचरण गोप
599	पंजी./2014/683	किसान की किस्म	चैतारी	अरहर	बिगन महतो
600	पंजी./2014/689	किसान की किस्म	बड़का गोरा	धान	धीरजू महतो
601	पंजी./2014/691	किसान की किस्म	धुचरी धान	धान	भोला उराँव
602	पंजी./2014/694	किसान की किस्म	बिसबली	धान	झबुलाल कुम्हार
603	पंजी./2014/706	किसान की किस्म	जुहासल धान	धान	अर्जुन बेदिया
604	पंजी./2014/731	किसान की किस्म	बुधराम बादाम-1	मूंगफली	बुधराम बेदिया
605	पंजी./2014/736	किसान की किस्म	रमेश उड़द-1	उड़द	रमेश बेदिया

606	पंजी./2014/741	किसान की किस्म	बुधराम हल्दी-1	हल्दी	बुधराम बेदिया
607	पंजी./2014/746	किसान की किस्म	सुलेश्वर उर्द-1	उड़द	मनीराम बेदिया
608	पंजी./2014/747	किसान की किस्म	रश्मी हल्दी-1	हल्दी	मनीराम बेदिया
609	पंजी./2014/750	किसान की किस्म	पहलु हल्दी-2	हल्दी	पहलू बेदिया
610	पंजी./2014/756	किसान की किस्म	चंदानी-3	मटर	हरेराम सिंह
611	पंजी./2014/757	किसान की किस्म	भूषण	धान	रंजन कुमार रे
612	पंजी./2014/758	किसान की किस्म	उमेश	धान	बागेंद्र महतो
613	पंजी./2014/813	किसान की किस्म	तसनीम	धान	सैयद अराफात अली
614	पंजी./2014/834	किसान की किस्म	लुटनी राय	भारतीय सरसों (करन राई)	शिव कृपा रुचि स्वयं सहायता समूह
615	पंजी./2014/837	किसान की किस्म	तैमुरिया	आम	मलिहाबाद समुदाय
616	पंजी./2014/839	किसान की किस्म	गोल भदाइयां	आम	मलिहाबाद समुदाय
617	पंजी./2014/841	किसान की किस्म	आमीन खुर्द	आम	मलिहाबाद समुदाय
618	पंजी./2014/846	किसान की किस्म	मार्केरा	आम	मलिहाबाद समुदाय
619	पंजी./2014/847	किसान की किस्म	हीरे हयात	आम	मलिहाबाद समुदाय
620	पंजी./2014/848	किसान की किस्म	नायाब	आम	मलिहाबाद समुदाय
621	पंजी./2014/850	किसान की किस्म	शमशुल यूएस स्मर	आम	मलिहाबाद समुदाय
622	पंजी./2014/851	किसान की किस्म	गिलस	आम	मलिहाबाद समुदाय
623	पंजी./2014/853	किसान की किस्म	आमीन तहसील	आम	मलिहाबाद समुदाय
624	पंजी./2014/855	किसान की किस्म	जौहरी सफेदा	आम	मलिहाबाद समुदाय
625	पंजी./2014/856	किसान की किस्म	आमीन अब्बासी	आम	मलिहाबाद समुदाय
626	पंजी./2014/857	किसान की किस्म	आमीन अब्दुल अहद खान	आम	मलिहाबाद समुदाय
627	पंजी./2014/858	किसान की किस्म	लखनव्वा सफेदा	आम	मलिहाबाद समुदाय
628	पंजी./2014/860	किसान की किस्म	सुरैया	आम	मलिहाबाद समुदाय
629	पंजी./2014/897	किसान की किस्म	लाल बर्मा	धान	करेन वेलफेयर एसोसिएशन
630	पंजी./2014/902	किसान की किस्म	TISI	अलसी	राम चन्द्र प्रसाद सिंह
631	पंजी./2014/908	किसान की किस्म	लहसोनिया	लहसुन	राणा राकेश रमन
632	पंजी./2014/910	विद्यमान (वीसीके)	आरसी467	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड

633	पंजी./2014/944	किसान की किस्म	पत्थर कुची	धान	बिनंदा दास
634	पंजी./2014/947	किसान की किस्म	NADE	धान	जमुना मृधा
635	पंजी./2014/989	किसान की किस्म	घेउश	धान	सचिन कुमार सरदार
636	पंजी./2014/1021	किसान की किस्म	नारायण भोग	धान	जगनारायण चौधरी
637	पंजी./2014/1069	किसान की किस्म	गेहूँ	गेहूं	सतीश चंदर
638	पंजी./2014/1070	किसान की किस्म	मक्का बांसी	मक्का	राम कैलाश
639	पंजी./2014/1072	किसान की किस्म	मसूर	मसूर	प्यारेलाल
640	पंजी./2014/1073	किसान की किस्म	आरएचयू 1	भारतीय सरसों	रविंद्र
641	पंजी./2014/1095	किसान की किस्म	PAMMANIK	धान	इओलांग पाकिनटेन
642	पंजी./2014/1097	किसान की किस्म	पीएनएएच 800	धान	फिबुल डखार
643	पंजी./2014/1098	किसान की किस्म	प्रिन खमुत	धान	जॉयलीफुल पीला
644	पंजी./2014/1100	किसान की किस्म	सुहेम	धान	एल्विस डखार
645	पंजी./2014/1101	किसान की किस्म	लांग्लियांग	धान	हमरान तांग
646	पंजी./2014/1102	किसान की किस्म	लेस्पा जोंग	धान	कोनियाट सुटिंग
647	पंजी./2014/1104	किसान की किस्म	टायरसा (केबीए) भोई)	धान	फिबुल डखर
648	पंजी./2014/1105	किसान की किस्म	लैटकटंग	धान	नेट किंडाइट
649	पंजी./2014/1107	किसान की किस्म	मार्ताँग	धान	बेली डखर
650	पंजी./2014/1108	किसान की किस्म	मूस्टेम	धान	स्टोप चोरमानी
651	पंजी./2014/1109	किसान की किस्म	थारोन	धान	कोंग्का पडित
652	पंजी./2014/1110	किसान की किस्म	लिन्टिर हेह	धान	लिंग पिरतुह
653	पंजी./2014/1111	किसान की किस्म	लासवा (केबीए लुम)	धान	कोएल स्टेन
654	पंजी./2014/1113	किसान की किस्म	पनाह लिह	धान	फिबुल डखार
655	पंजी./2014/1114	किसान की किस्म	खहनार	धान	हार्डिंग नोंगस्पंग
656	पंजी./2014/1115	किसान की किस्म	लीह खिन्रियम	धान	चारा शायला
657	पंजी./2014/1116	किसान की किस्म	सूतांग	धान	अर्की शायला
658	पंजी./2014/1117	किसान की किस्म	शनियाह	धान	मीन चार्मनी
659	पंजी./2014/1118	किसान की किस्म	केबीए टीएनजीईएम माला	धान	पेड्रोवेल पाकेम
660	पंजी./2014/1119	किसान की किस्म	पीली सरसों सलेक्शन	तोरिया	घनश्याम प्रसाद मेहता

			204		
661	पंजी./2014/1123	किसान की किस्म	तोरी 201	तोरिया	सिंघेश्वर प्रसाद मेहता
662	पंजी./2014/1131	किसान की किस्म	झूली	धान	उमा प्रसाद माझी
663	पंजी./2014/1133	किसान की किस्म	मुगड़ी धान	धान	नारायण भोई
664	पंजी./2014/1138	किसान की किस्म	मिरचाखुटी धान	धान	फकीरा माझी
665	पंजी./2014/1158	किसान की किस्म	काली मिस्टी कुमरा	कद्दू	चंदन दास
666	पंजी./2014/1175	किसान की किस्म	ददधानी	धान	पलाश बर्मन चौधरी
667	पंजी./2014/1184	किसान की किस्म	खारा	धान	श्यामल घोष
668	पंजी./2014/1227	किसान की किस्म	अरिंग्का मिनिल	धान	एसिला एम संगमा
669	पंजी./2014/1228	किसान की किस्म	मलसीरा	धान	सेरेला एम संगमा
670	पंजी./2014/1232	किसान की किस्म	खानगामरा मकरेई	धान	शिरुई ग्राम समुदाय
671	पंजी./2014/1251	किसान की किस्म	सारेंग	धान	एल डब्ल्यू नगारनपम
672	पंजी./2014/1281	किसान की किस्म	पुष्कर प्लस	गेहूं	परवीन कुमार
673	पंजी./2014/1283	किसान की किस्म	शरद राजा	अनार	विट्ठल पुंडलीकराव भोसले
674	पंजी./2014/1331	किसान की किस्म	MOTSO	धान	थेचामो लोथा
675	पंजी./2014/1332	किसान की किस्म	त्सुत्सोक	धान	ई. म्होनलुमो हुमत्सो
676	पंजी./2014/1334	किसान की किस्म	मान्या	धान	नज़ान ओखो
677	पंजी./2014/1335	किसान की किस्म	सोमपुरो इफ्यो	धान	बी लोंगत्सु तुग्गो
678	पंजी./2014/1338	किसान की किस्म	उमोम त्सुंगारो	मक्का	मोहन्चन तुंगोए
679	पंजी./2014/1339	किसान की किस्म	एचुंगटा त्सुंगारो	मक्का	नज़ान ओखो
680	पंजी./2014/1388	किसान की किस्म	नर्मदा पीला सरसों	तोरिया	राजकिशोर यादव
681	पंजी./2014/1389	किसान की किस्म	धनुष मक्का	मक्का	धनुष धारी यादव
682	पंजी./2014/1391	किसान की किस्म	राम मक्का	मक्का	मुनेहश्वर राम
683	पंजी./2014/1404	किसान की किस्म	भुधना मसूरी	मसूर	अरेण्ड कृषक समुदाये
684	पंजी./2014/1420	किसान की किस्म	कस्तूरी भोग	धान	अरेण्ड कृषक समुदाये
685	पंजी./2014/1421	किसान की किस्म	बलदुलारी	धान	अरेण्ड कृषक समुदाये
686	पंजी./2014/1422	किसान की किस्म	नैनगा	धान	सर्वेश्वर नागवंशी
687	पंजी./2014/1424	किसान की किस्म	बरिजाता-28	धान	विजय नागवंशी

688	पंजी./2014/1425	किसान की किस्म	रुचि	धान	दुईया राम नागवंशी
689	पंजी./2014/1494	किसान की किस्म	बेड कोसावरी	धान	यशोदा साहनी
690	पंजी./2014/1497	किसान की किस्म	झिल्ली धान	धान	रामेश्वरी मांझी
691	पंजी./2014/1519	किसान की किस्म	सिंहचौरा अरहर	अरहर	रामेश्वर तिवारी
692	पंजी./2014/1564	किसान की किस्म	गंगा बारू-1	धान	बोसाराम अटामी
693	पंजी./2014/1565	किसान की किस्म	बटटिकरा	धान	सुकमन
694	पंजी./2014/1578	किसान की किस्म	देवी धान	धान	देवीचंद
695	पंजी./2014/1585	किसान की किस्म	मुड़मा धान	धान	महेंतर राम
696	पंजी./2014/1597	किसान की किस्म	धान हरदीगाथी देसी	धान	रूपाराम
697	पंजी./2014/1609	किसान की किस्म	अरहर सूर्यकांत	अरहर	सूर्यकान्त यादव
698	पंजी./2014/1664	किसान की किस्म	हरे कृष्ण	धान	धरोहर समिति
699	पंजी./2014/1718	नई किस्म	KCL-15	त्रिगुणित कपास	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
700	पंजी./2014/1724	नई किस्म	KCL-13	त्रिगुणित कपास	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
701	पंजी./2014/1729	नई किस्म	KCL-25	त्रिगुणित कपास	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
702	पंजी./2014/1746	किसान की किस्म	थरथै कटिका	मक्का	शिरुई ग्राम समुदाय
703	पंजी./2014/1753	किसान की किस्म	मारेनकोमटे	मक्का	शाकलेफी लुईराम
704	पंजी./2014/1763	किसान की किस्म	खवटे	बैंगन	एल.आर. शिमरेवोन
705	पंजी./2014/1778	किसान की किस्म	लाल जौ	जौ	ललिया देवी
706	पंजी./2014/1834	किसान की किस्म	गुट्ठी सरसों	तोरिया	गुट्ठी कुमारी
707	पंजी./2014/1837	किसान की किस्म	सरस सरसों	तोरिया	सरस्वती देवी
708	पंजी./2014/1842	किसान की किस्म	निर्मल सुधा	गेहूं	सुरेंद्र कुमार
709	पंजी./2014/1844	किसान की किस्म	कोकुआ बोरा	धान	डॉ. अरुणिमा देब चौधरी
710	पंजी./2014/1845	किसान की किस्म	रोंगा कोमल	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
711	पंजी./2014/1846	किसान की किस्म	सीतल चेनी जोहा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
712	पंजी./2014/1847	किसान की किस्म	शांति कोमल	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
713	पंजी./2014/1848	किसान की किस्म	घेउ बोरा (टाइप-2)	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
714	पंजी./2014/1849	किसान की किस्म	दुबारी कोमल	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
715	पंजी./2014/1854	किसान की किस्म	आमपाखी जहिंगा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी

716	पंजी./2014/1855	किसान की किस्म	हटिदतिया कोमल	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
717	पंजी./2014/1856	किसान की किस्म	कोला जोहा (छोटा)	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
718	पंजी./2014/1857	किसान की किस्म	पुथी बोरा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
719	पंजी./2014/1858	किसान की किस्म	हीरा कोमल	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
720	पंजी./2014/1860	किसान की किस्म	चेनी जोहा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
721	पंजी./2014/1861	किसान की किस्म	कोला जोहा (लंबा)	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
722	पंजी./2014/1862	किसान की किस्म	सिलोथिया बोरा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
723	पंजी./2014/1863	किसान की किस्म	पिशाश बोरा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
724	पंजी./2014/1864	किसान की किस्म	पोइता बोरा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
725	पंजी./2014/1865	किसान की किस्म	तेज़ बोरा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
726	पंजी./2014/1866	किसान की किस्म	गरू चकुआ बोरा	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
727	पंजी./2014/1867	किसान की किस्म	कुनकुनी जोहा (प्रकार 2)	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
728	पंजी./2014/1869	किसान की किस्म	बकुल बोरा (टाइप 2)	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
729	पंजी./2014/1870	किसान की किस्म	रामपाल जोहा (टाइप 2)	धान	डॉ.अरुणिमा देब चौधरी
730	पंजी./2014/1872	किसान की किस्म	देशी लाओ	लौकी	उदय मल्लिक
731	पंजी./2014/1880	किसान की किस्म	भदोरे जोनार	मक्का	परितोष किस्कू
732	पंजी./2014/1885	किसान की किस्म	बुम्बा ट्यूमर	अरहर	अशोक बेरा
733	पंजी./2014/1891	किसान की किस्म	देशी कुमरा	कद्दू	संतु नंदी
734	पंजी./2014/1893	किसान की किस्म	भदोरी कुमरो	कद्दू	सुबेन टुडू
735	पंजी./2014/1932	किसान की किस्म	देसी कुमरो	कद्दू	टिंकू पात्रा
736	पंजी./2014/1935	किसान की किस्म	देशी मसूर-2	मसूर	सिसिर दास
737	पंजी./2014/1942	किसान की किस्म	देसी कराला	करेला	धीरेंद्रनाथ महाता
738	पंजी./2014/1948	किसान की किस्म	देशी मसूर- 1	मसूर	सकुमार बेज
739	पंजी./2014/1987	किसान की किस्म	देहाती हल्दी	हल्दी	अरविंद कुमार
740	पंजी./2014/1991	किसान की किस्म	देहाती मटर	मटर	सुदेश कुमार
741	पंजी./2014/1992	किसान की किस्म	देहाती सरसों	भारतीय सरसों	सुदेश कुमार
742	पंजी./2014/2069	नई किस्म	RC462	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड

743	पंजी./2014/2076	किसान की किस्म	केबीए लवाई	धान	रीमा वारजरी
744	पंजी./2014/2084	किसान की किस्म	केबीए बीएएच	धान	ब्रिक नोंगसीज
745	पंजी./2014/2104	किसान की किस्म	पाइलुन	धान	मोन बीना
746	पंजी./2014/2115	विद्यमान (वीसीके)	फुले चंद्रभागा (एसएसएफ-748)	कुसुम	महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ
747	पंजी./2014/2119	किसान की किस्म	लोटानी-गोटा	भारतीय सरसों	निरंजन पंजियारा
748	पंजी./2014/2134	किसान की किस्म	संतरा	हल्दी	दीनदयाल सिंह
749	पंजी./2014/2138	किसान की किस्म	छोटी मसूर	मसूर	प्रदीप कुमार
750	पंजी./2014/2139	किसान की किस्म	कंदैला हल्दी	हल्दी	संजोग कुमार
751	पंजी./2014/2141	किसान की किस्म	अधिका	मसूर	बिजय बहादुर सिंह
752	पंजी./2014/2142	नई किस्म	टीएमसी 500030	त्रिगुणित कपास	त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेस प्रा. लिमि.
753	पंजी./2014/2154	किसान की किस्म	लहार	भारतीय सरसों	दीनदयाल सिंह
754	पंजी./2014/2155	किसान की किस्म	सुनहरी	मक्का	बिसुनदयाल सिंह
755	पंजी./2014/2156	विद्यमान (वीसीके)	आरसी396	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
756	पंजी./2014/2169	किसान की किस्म	सोथा धान	धान	उधारी सिंह
757	पंजी./2014/2172	किसान की किस्म	कन्नू लॉग 7	धान	सुरेंद्र कुमार
758	पंजी./2014/2175	किसान की किस्म	लक्की 5	धान	सुरेंद्र कुमार
759	पंजी./2014/2180	किसान की किस्म	निशि	टमाटर	सुरेंद्र कुमार
760	पंजी./2014/2186	किसान की किस्म	सुर्खा	हल्दी	सुरेंद्र कुमार
761	पंजी./2014/2197	किसान की किस्म	मोटा	धान	श्याम चंद्र लाला
762	पंजी./2014/2213	किसान की किस्म	अंगूरी-2	धान	माँ सेवा सदन एवं कृषि ग्रामोद्योग संस्थान
763	पंजी./2014/2214	किसान की किस्म	प्रिंस-1	धान	माँ सेवा सदन एवं कृषि ग्रामोद्योग संस्थान
764	पंजी./2014/2215	किसान की किस्म	तारा-3	धान	माँ सेवा सदन एवं कृषि ग्रामोद्योग संस्थान
765	पंजी./2014/2216	किसान की किस्म	राज-4	धान	माँ सेवा सदन एवं कृषि ग्रामोद्योग संस्थान
766	पंजी./2014/2220	किसान की किस्म	एच.जे.पी- 73	धान	जय प्रकाश सिंह
767	पंजी./2014/2228	किसान की किस्म	भगत-ग्राम-1	काबुली चना	मंजीत सिंह सलूजा

768	पंजी./2014/2229	किसान की किस्म	भगत-मटर-1	मटर	मंजीत सिंह सलूजा
769	पंजी./2014/2230	किसान की किस्म	भगत-1	गेहूं	मंजीत सिंह सलूजा
770	पंजी./2014/2235	किसान की किस्म	उरलु तीसी-1	अलसी	उरलू मुंडा
771	पंजी./2014/2245	किसान की किस्म	हम्बल पुंडी बाबा	धान	संदीप बोदरा
772	पंजी./2014/2248	किसान की किस्म	नाना बाबा	धान	संदीप बोदरा
773	पंजी./2014/2252	किसान की किस्म	मिजडी धान	धान	पनारा मुंडा
774	पंजी./2014/2254	किसान की किस्म	मिजडी खरति काली	धान	सोमा हस्सा पूर्ति
775	पंजी./2014/2261	किसान की किस्म	काला दानी	धान	दुर्गा मुंडा
776	पंजी./2014/2274	किसान की किस्म	दुरु धान	धान	बिरसा हस्सा पूर्ति
777	पंजी./2014/2297	किसान की किस्म	खेउच-रान	धान	अमरकानन ग्रामीण सामाजिक-पर्यावरण कल्याण सोसायटी (एआरएसडब्ल्यू सोसायटी)
778	पंजी./2014/2304	किसान की किस्म	चपाखुसी-I	धान	अमरकानन ग्रामीण सामाजिक-पर्यावरण कल्याण सोसायटी (एआरएसडब्ल्यू सोसायटी)
779	पंजी./2014/2392	नई किस्म	आरसी461	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्रा लिमिटेड
780	पंजी./2014/2410	किसान की किस्म	मकराकम-1	धान	श्रवण कुमार
781	पंजी./2015/1	किसान की किस्म	सुगन्धित दाना गुरि	धान	परमेश्वर सिंह चौधरी
782	पंजी./2015/2	किसान की किस्म	जी.डी.बैड	मक्का	हलधर महतो
783	पंजी./2015/3	किसान की किस्म	विक्रम स्वर्ण धान	धान	बद्री महतो
784	पंजी./2015/5	किसान की किस्म	तुलसी सादा सुगन्धित धान	धान	उज्जवल बीज ग्राम जयपुर चुटियारो गोविंदपुर
785	पंजी./2015/7	किसान की किस्म	लाल धूसरी-2 धान	धान	उज्जवल बीज ग्राम जयपुर चुटियारो गोविंदपुर
786	पंजी./2015/23	किसान की किस्म	जिन्नोर मकई	मक्का	संतोष कुमार
787	पंजी./2015/31	किसान की किस्म	कंचन राजमा	राजमा	अरविन्द कुमार
788	पंजी./2015/38	किसान की किस्म	कंचनपुर मकई	मक्का	ललिता देवी
789	पंजी./2015/40	किसान की किस्म	कंचन फूलगोभी	फूलगोभी	ललिता देवी
790	पंजी./2015/51	किसान की किस्म	वैजनाथ अदरक (देसी)	अदरक	वैजनाथ प्रसाद वर्मा
791	पंजी./2015/54	किसान की किस्म	लतानि	भारतीय सरसों	सीमांत मंडल
792	पंजी./2015/61	किसान की किस्म	मक्का ढेबरी	मक्का	प्यार अली अंसारी

793	पंजी./2015/66	किसान की किस्म	अगहनी	अरहर	बासुदेव महतो
794	पंजी./2015/68	किसान की किस्म	देसी रिद्धि	मक्का	नरसिंह महतो
795	पंजी./2015/69	किसान की किस्म	देसी सुमन	मक्का	सारथी मंडल
796	पंजी./2015/74	किसान की किस्म	बद (मकई)	मक्का	गिरिधारी महतो
797	पंजी./2015/94	किसान की किस्म	थुल रज़माह	मोठ	अजाज अहमद पीर
798	पंजी./2015/96	किसान की किस्म	मकई वाज़ेज	मक्का	अब्दुल माजिद माग्रे
799	पंजी./2015/102	किसान की किस्म	चेरी दानी	धान	हबीबुल्लाह खान
800	पंजी./2015/103	किसान की किस्म	फार्मी दानी	धान	अजाज अहमद पीर
801	पंजी./2015/104	किसान की किस्म	जुग	धान	अल्ताफ अहमद मीर
802	पंजी./2015/105	किसान की किस्म	खरकोट	धान	मोहम्मद मकबूल खान
803	पंजी./2015/106	किसान की किस्म	खरखुट	धान	मोहम्मद यूसुफ पीर
804	पंजी./2015/107	किसान की किस्म	एनआईके बुइल	धान	गुलाम मोहम्मद लोन
805	पंजी./2015/108	किसान की किस्म	एलईआर बुइल	धान	फैयाज अहमद खाजा
806	पंजी./2015/111	किसान की किस्म	डबल खाचर	मक्का	शमस-उई-दीन-खान
807	पंजी./2015/123	किसान की किस्म	खसूर दानी गुतेगु	धान	मोहम्मद मकबूल अहंगर और समूह
808	पंजी./2015/125	किसान की किस्म	किर्सी फोकर	मसूर	त्सेवांग डोल्मा
809	पंजी./2015/126	किसान की किस्म	नांगस्टाकमो	जौ	त्सेवांग डोल्मा
810	पंजी./2015/135	किसान की किस्म	कठिया देसी गेहूँ	दुरुम गेहूं	जैव विविधता प्रबंधन समिति
811	पंजी./2015/137	किसान की किस्म	मुगिया	धान	बाबूलाल दहिया
812	पंजी./2015/138	किसान की किस्म	खटकेशरी	धान	बाबूलाल दहिया
813	पंजी./2015/140	किसान की किस्म	करधना	धान	बाबूलाल दहिया
814	पंजी./2015/145	किसान की किस्म	सरिया	धान	बाबूलाल दहिया
815	पंजी./2015/147	किसान की किस्म	शुक्ला फूल	धान	बाबूलाल दहिया
816	पंजी./2015/163	किसान की किस्म	कमल लुचाई	धान	बाबूलाल दहिया
817	पंजी./2015/166	किसान की किस्म	नेबरी	धान	बाबूलाल दहिया
818	पंजी./2015/167	किसान की किस्म	लाल मुनिया	धान	बाबूलाल दहिया
819	पंजी./2015/198	किसान की किस्म	नदावल	धान	बाबूलाल दहिया
820	पंजी./2015/201	किसान की किस्म	ठुंठी	धान	बाबूलाल दहिया

821	पंजी./2015/210	नई किस्म	PM12P017R	बाजरा	रैलीज इंडिया लिमिटेड
822	पंजी./2015/230	किसान की किस्म	करंजा तुअर	अरहर	मोहम्मद इदरीस अहमद क़ादरी
823	पंजी./2015/234	किसान की किस्म	क़ौदार गोल गेहूँ	गेहूं	मोहम्मद इदरीस अहमद क़ादरी
824	पंजी./2015/236	किसान की किस्म	मोगल गोल जवार (रबी)	ज्वार	मोहम्मद इदरीस अहमद क़ादरी
825	पंजी./2015/237	किसान की किस्म	बगदाल देशी बाजरा	बाजरा	मोहम्मद इदरीस अहमद क़ादरी
826	पंजी./2015/238	किसान की किस्म	बगदाल गौरण चना	काबुली चना	मोहम्मद इदरीस अहमद क़ादरी
827	पंजी./2015/290	किसान की किस्म	तिल-7	तिल	श्याम बिहारी सिंह
828	पंजी./2015/293	किसान की किस्म	सरैया तिल	तिल	अशोक कुमार सिंह
829	पंजी./2015/295	किसान की किस्म	तिल सफेद-13	तिल	गुप्तेश्वर सिंह
830	पंजी./2015/365	किसान की किस्म	देहाती मक्का-1	मक्का	चन्द्रशेखर यादव
831	पंजी./2015/366	किसान की किस्म	देसी कला धान-1	धान	दिनेश रजक
832	पंजी./2015/373	किसान की किस्म	देसी जय-1	जौ	अशोक कुमार यादव
833	पंजी./2015/388	किसान की किस्म	देहाती	अरंड	सतेंद्र कुमार सिंह
834	पंजी./2015/389	किसान की किस्म	छोटकी मक्का	मक्का	किशोरी कुमार यादव
835	पंजी./2015/396	किसान की किस्म	देसी मक्का छोटा	मक्का	उदित कुमार यादव
836	पंजी./2015/399	किसान की किस्म	पियारका मक्काई	मक्का	लाखन सिंह
837	पंजी./2015/401	किसान की किस्म	देसी सरसों पीला-1	भारतीय सरसों	राजदेव प्रजापति (सवेरा कृषक अभिरुचि समुह)
838	पंजी./2015/402	किसान की किस्म	देसी जाइ सुंधबाला	जौ	राजदेव प्रजापति (सवेरा कृषक अभिरुचि समुह)
839	पंजी./2015/405	किसान की किस्म	देसी लाल चन्ना	काबुली चना	राजदेव प्रजापति
840	पंजी./2015/411	किसान की किस्म	साथी धान-1	धान	विजय कुमार
841	पंजी./2015/420	किसान की किस्म	चितरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
842	पंजी./2015/424	किसान की किस्म	झूमर	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
843	पंजी./2015/428	किसान की किस्म	कुर्रा फूल	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
844	पंजी./2015/436	किसान की किस्म	पपीता	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
845	पंजी./2015/438	किसान की किस्म	तुलसी मंजरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
846	पंजी./2015/439	किसान की किस्म	कनक चूड़ी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
847	पंजी./2015/447	किसान की किस्म	महा बेकुनी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति

848	पंजी./2015/448	किसान की किस्म	देशी सुरमतिया	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
849	पंजी./2015/450	किसान की किस्म	कोहंडी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
850	पंजी./2015/451	किसान की किस्म	बताशी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
851	पंजी./2015/454	किसान की किस्म	मखना	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
852	पंजी./2015/455	किसान की किस्म	अजान	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
853	पंजी./2015/458	किसान की किस्म	केरा झुल	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
854	पंजी./2015/459	किसान की किस्म	आलचा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
855	पंजी./2015/460	किसान की किस्म	लाल पाना	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
856	पंजी./2015/463	किसान की किस्म	डोकरा डोकरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
857	पंजी./2015/464	किसान की किस्म	रामश्री	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
858	पंजी./2015/466	किसान की किस्म	कारी गोटी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
859	पंजी./2015/469	किसान की किस्म	माई दुबराज	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
860	पंजी./2015/471	किसान की किस्म	झीनी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
861	पंजी./2015/473	किसान की किस्म	अग्नि फाग	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
862	पंजी./2015/474	किसान की किस्म	कंचन	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
863	पंजी./2015/475	किसान की किस्म	बैंडगीर	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
864	पंजी./2015/479	किसान की किस्म	पड़की पोरा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
865	पंजी./2015/480	किसान की किस्म	खुरा बाहो	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
866	पंजी./2015/499	किसान की किस्म	लोकति झुल	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
867	पंजी./2015/501	किसान की किस्म	बैला अँखी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
868	पंजी./2015/502	किसान की किस्म	लेयचा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
869	पंजी./2015/506	किसान की किस्म	अलसाकर	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
870	पंजी./2015/509	किसान की किस्म	मेनपाट-1	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
871	पंजी./2015/510	किसान की किस्म	मायाथ	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
872	पंजी./2015/519	किसान की किस्म	रामझिल्ली	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
873	पंजी./2015/520	किसान की किस्म	सुरमतिया	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
874	पंजी./2015/521	किसान की किस्म	रंग चूड़ी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
875	पंजी./2015/525	किसान की किस्म	अंतर वेद	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति

876	पंजी./2015/527	किसान की किस्म	करिया लहरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
877	पंजी./2015/529	किसान की किस्म	कोकड़ी चूड़ी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
878	पंजी./2015/530	किसान की किस्म	सफ़ेरा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
879	पंजी./2015/535	किसान की किस्म	सदाचार	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
880	पंजी./2015/537	किसान की किस्म	खुरा बाल	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
881	पंजी./2015/544	किसान की किस्म	रघुनाथ	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
882	पंजी./2015/546	किसान की किस्म	लुहागी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
883	पंजी./2015/552	किसान की किस्म	बता नखी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
884	पंजी./2015/557	किसान की किस्म	बकती चूड़ी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
885	पंजी./2015/558	किसान की किस्म	जिली सफ़ारी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
886	पंजी./2015/559	किसान की किस्म	जलसिंघा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
887	पंजी./2015/562	किसान की किस्म	पंवार	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
888	पंजी./2015/565	किसान की किस्म	मोटा सुफ़री	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
889	पंजी./2015/567	किसान की किस्म	बी.डी. सुफरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
890	पंजी./2015/569	किसान की किस्म	बेड महसूरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
891	पंजी./2015/570	किसान की किस्म	बारासिंघा मैदानी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
892	पंजी./2015/573	किसान की किस्म	महा बैसूर	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
893	पंजी./2015/574	किसान की किस्म	बदारी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
894	पंजी./2015/575	किसान की किस्म	पर्वत काल	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
895	पंजी./2015/576	किसान की किस्म	तेंदू फूल	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
896	पंजी./2015/578	किसान की किस्म	पोरती	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
897	पंजी./2015/579	किसान की किस्म	छोटे गुरमतिया	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
898	पंजी./2015/584	किसान की किस्म	हरुना मंसूरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
899	पंजी./2015/585	किसान की किस्म	जोंगहारा धान	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
900	पंजी./2015/592	किसान की किस्म	रामकेरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
901	पंजी./2015/594	किसान की किस्म	सलना पाना	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
902	पंजी./2015/600	किसान की किस्म	हाथी पिंजरा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
903	पंजी./2015/607	किसान की किस्म	रामली चोंच	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति

904	पंजी./2015/608	किसान की किस्म	मेझारी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
905	पंजी./2015/618	किसान की किस्म	कारी ग्लास	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
906	पंजी./2015/628	किसान की किस्म	सुवाल फूल	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
907	पंजी./2015/660	किसान की किस्म	राता झिंगा	धान	रामचन्द्र यादव
908	पंजी./2015/665	किसान की किस्म	रामझूल	धान	राम प्रकाश केश्वरवाणी
909	पंजी./2015/666	किसान की किस्म	महेश्वरफुल	धान	राम प्रकाश केश्वरवाणी
910	पंजी./2015/668	किसान की किस्म	सीजी-माखनसाओ भोग	धान	राम प्रकाश केश्वरवाणी
911	पंजी./2015/670	किसान की किस्म	पार्वती-शिव	धान	राम प्रकाश केश्वरवाणी
912	पंजी./2015/679	नई किस्म	एनजे-7005	जूट	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
913	पंजी./2015/684	किसान की किस्म	सुरेश लच्छे धान	धान	सुरेश/भीम
914	पंजी./2015/704	किसान की किस्म	शंकु धान	धान	सांकु
915	पंजी./2015/712	किसान की किस्म	गायक धान	धान	संभुनाथ सेठिया
916	पंजी./2015/786	किसान की किस्म	मनोहर दहिया धान-1	धान	मनोहर उराँव
917	पंजी./2015/787	किसान की किस्म	मनोहर रात गोली धान-1	धान	मनोहर उराँव
918	पंजी./2015/801	किसान की किस्म	भुटकू धान	धान	सीटू उराँव
919	पंजी./2015/802	किसान की किस्म	गेरवा थोर	धान	सीटू उराँव
920	पंजी./2015/804	किसान की किस्म	डोमा	धान	सीटू उराँव
921	पंजी./2015/812	किसान की किस्म	नागदा सायल	धान	कृष्णा उराँव
922	पंजी./2015/813	किसान की किस्म	भगत जौ-1	जौ	भगत महतो
923	पंजी./2015/835	किसान की किस्म	मेराल	मक्का	कृष्णा ठाकुर
924	पंजी./2015/846	किसान की किस्म	गोंडा	हल्दी	शिवनाथ कुशवाह
925	पंजी./2015/904	किसान की किस्म	हरा अगहनी	बैंगन	रामचन्द्र मेहता
926	पंजी./2015/909	किसान की किस्म	गुलाबी-10	बैंगन	रामचन्द्र मेहता
927	पंजी./2015/914	किसान की किस्म	बांका	अलसी	नूर मोहम्मद अंसारी
928	पंजी./2015/940	किसान की किस्म	कालमेघ	मेथी	रामजवित महतो
929	पंजी./2015/952	किसान की किस्म	कलविरन	भारतीय सरसों	वीरेन्द्र कुमार कुशवाह
930	पंजी./2015/966	किसान की किस्म	पूर्णवा	मेथी	-अवधेश मेहता

931	पंजी./2015/985	किसान की किस्म	कोइराना	हल्दी	बृजकिशोर महतो
932	पंजी./2015/993	किसान की किस्म	बीसा सरसों	भारतीय सरसों	मनीराम बेदिया
933	पंजी./2015/1004	किसान की किस्म	बुधनी धान	धान	बुधराम बेदिया
934	पंजी./2015/1006	किसान की किस्म	सनफूई धान	धान	शिवचरण बेदिया
935	पंजी./2015/1007	नई किस्म	P3511	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
936	पंजी./2015/1008	नई किस्म	PH218V	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
937	पंजी./2015/1014	नई किस्म	P3550	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
938	पंजी./2015/1015	नई किस्म	P3520	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
939	पंजी./2015/1016	नई किस्म	PH1RA5	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
940	पंजी./2015/1017	नई किस्म	PH26WP	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
941	पंजी./2015/1020	किसान की किस्म	चिकारा बोरा	धान	अरबिंद राभा
942	पंजी./2015/1021	किसान की किस्म	अप्लक्ष्मी	धान	अरबिंद राभा
943	पंजी./2015/1023	किसान की किस्म	रंगखांग	धान	दीपशंकर सैकिया
944	पंजी./2015/1024	किसान की किस्म	कबराबलम	धान	तपन सैकिया
945	पंजी./2015/1025	किसान की किस्म	चरणा गुटि	धान	तपन सैकिया
946	पंजी./2015/1026	किसान की किस्म	हजारी	धान	पद्मा कांता सैकिया
947	पंजी./2015/1027	किसान की किस्म	बुद्ध	धान	पद्मा कांता सैकिया
948	पंजी./2015/1162	किसान की किस्म	कामद	धान	गांवों का कृषक समुदाय, जिला: अनंतनाग
949	पंजी./2015/1178	किसान की किस्म	मारिया धान-1	धान	मारिया गोरेती सोरेन
950	पंजी./2015/1191	किसान की किस्म	पोलिना सरसें-1	भारतीय सरसों	पोइल्ना टुडू पोइलना टुडू
951	पंजी./2015/1192	किसान की किस्म	पोलिना सरसों-2	भारतीय सरसों	पोइल्ना टुडू पोइलना टुडू
952	पंजी./2015/1196	किसान की किस्म	मारिया सरसों	भारतीय सरसों	मारिया गोरेती सोरेन
953	पंजी./2015/1235	किसान की किस्म	जबसाल-1	धान	मोहिरुल हसन मंडल
954	पंजी./2015/1288	किसान की किस्म	डोलकोसी	धान	गोबिन दास
955	पंजी./2015/1341	नई किस्म	ईगल-61	सोयाबीन	ईगल सीड्स एंड बायोटेक लिमिटेड
956	पंजी./2015/1342	नई किस्म	ईगल-71	सोयाबीन	ईगल सीड्स एंड बायोटेक लिमिटेड
957	पंजी./2015/1343	नई किस्म	ईगल-81	सोयाबीन	ईगल सीड्स एंड बायोटेक लिमिटेड
958	पंजी./2015/1402	किसान की किस्म	लोटनी देसी	तोरिया	मनदीप यादव

959	पंजी./2015/1405	किसान की किस्म	देसी चिनिया	मूंगफली	कर्मिला देवी
960	पंजी./2015/1407	किसान की किस्म	देसी मूंगफली लाल	मूंगफली	बिनोद भगत
961	पंजी./2015/1408	किसान की किस्म	देसी मुंगफली-2	मूंगफली	निर्मल उराँव
962	पंजी./2015/1409	किसान की किस्म	देसी लाल	मूंगफली	सुरेंद्र उराँव
963	पंजी./2015/1412	किसान की किस्म	देसी-यू	उड़द	रामजी उराँव
964	पंजी./2015/1414	किसान की किस्म	उड़द देसी-5	उड़द	टेम्बा उराँव
965	पंजी./2015/1438	किसान की किस्म	देसी-जी	लहसुन	गिरनी भगत
966	पंजी./2015/1440	किसान की किस्म	लहसुन देसी-जी 3	लहसुन	चंपा भगत
967	पंजी./2015/1442 H	विद्यमान (अधिसूचित)	विवेक मेज हाइब्रिड 51	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
968	पंजी./2015/1442 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	वी 409	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
969	पंजी./2015/1443 H	विद्यमान (अधिसूचित)	विवेक मेज हाइब्रिड 53	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
970	पंजी./2015/1452	किसान की किस्म	पीला सरसों देसी	तोरिया	विनोद भगत
971	पंजी./2015/1453	किसान की किस्म	पीला-एम	तोरिया	शिवनाथ उराँव
972	पंजी./2015/1454	किसान की किस्म	लोटानी-एम	तोरिया	दिलवर खेरवार
973	पंजी./2015/1457	किसान की किस्म	पीला सरसों-1	तोरिया	बिष्णु उराँव
974	पंजी./2015/1622	किसान की किस्म	बैगन मचुआ	धान	पुंजन बर्मन
975	पंजी./2015/1646	किसान की किस्म	जल ध्यापा	धान	पुंजन बर्मन
976	पंजी./2015/1649	किसान की किस्म	जसोया	धान	पुंजन बर्मन
977	पंजी./2015/1650	किसान की किस्म	जोनरोई बुना	धान	आशामंजोन बर्मन
978	पंजी./2015/1687	किसान की किस्म	राधातिलक चयन-1	धान	पुंजन बर्मन
979	पंजी./2015/1713	किसान की किस्म	तराई रिसर्च सोसायटी-1	धान	पुंजन बर्मन
980	पंजी./2015/1716	किसान की किस्म	तराई रिसर्च सोसायटी-4	धान	पुंजन बर्मन
981	पंजी./2015/1751	किसान की किस्म	धान सिरहट्टी	धान	जनार्दन प्रसाद
982	पंजी./2015/1753	किसान की किस्म	काला हीरा धान	धान	नागेन्द्र कुमार
983	पंजी./2015/1800	किसान की किस्म	कार्तिक खास	धान	अमरकानन ग्रामीण सामाजिक-पर्यावरण कल्याण सोसायटी (एआरएसडब्ल्यू सोसायटी)

984	पंजी./2015/1802	किसान की किस्म	औषखस	धान	अमरकानन ग्रामीण सामाजिक-पर्यावरण कल्याण सोसायटी (एआरएसडब्ल्यू सोसायटी)
985	पंजी./2015/1803	किसान की किस्म	सुगंधा-II	धान	अमरकानन ग्रामीण सामाजिक-पर्यावरण कल्याण सोसायटी (एआरएसडब्ल्यू सोसायटी)
986	पंजी./2015/1806	किसान की किस्म	बंगलाजोहा	धान	अमरकानन ग्रामीण सामाजिक-पर्यावरण कल्याण सोसायटी (एआरएसडब्ल्यू सोसायटी)
987	पंजी./2015/1811	किसान की किस्म	केरे भता माकड़ो	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
988	पंजी./2015/1829	किसान की किस्म	केरे गोदावरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
989	पंजी./2015/1830	किसान की किस्म	केरे श्याम जीरा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
990	पंजी./2015/1834	किसान की किस्म	केरे चटिया नखी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
991	पंजी./2015/1837	किसान की किस्म	केरे मोतिया	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
992	पंजी./2015/1839	किसान की किस्म	केरे हरदी चुडी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
993	पंजी./2015/1841	किसान की किस्म	केरे कलेची	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
994	पंजी./2015/1842	किसान की किस्म	केरे कजरी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
995	पंजी./2015/1845	किसान की किस्म	केरे सफारी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
996	पंजी./2015/1849	किसान की किस्म	केरे लुचाई	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
997	पंजी./2015/1854	किसान की किस्म	केरे जेला	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
998	पंजी./2015/1855	किसान की किस्म	केरे कारी आलचा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
999	पंजी./2015/1858	किसान की किस्म	केरे झिल्ली	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
1000	पंजी./2015/1859	किसान की किस्म	केरे लंके श्री	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
1001	पंजी./2015/1863	किसान की किस्म	केरे मोहा	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
1002	पंजी./2015/1865	किसान की किस्म	केरे नोनी	धान	डॉ. रिछारिया किसान संवर्धन समिति
1003	पंजी./2015/1869	नई किस्म	RC505	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1004	पंजी./2015/2077	नई किस्म	P3355	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1005	पंजी./2015/2092	नई किस्म	P1866	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1006	पंजी./2016/256	किसान की किस्म	बेदरा	ज्वार	राममिलन सिंह
1007	पंजी./2016/299	किसान की किस्म	गोरा	धान	ललित कुजूर
1008	पंजी./2016/304	नई किस्म	बीआईओ 545आई0	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड

1009	पंजी./2016/309	किसान की किस्म	बूट-बी	काबुली चना	जोखना उराँव
1010	पंजी./2016/317	किसान की किस्म	खंगारी	धान	बनेश्वर मुंडा
1011	पंजी./2016/321	विद्यमान (वीसीके)	टीटीआरआई (टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान) 2	चाय	टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान
1012	पंजी./2016/322	विद्यमान (वीसीके)	टीटीआरआई (टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान) 1	चाय	टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान
1013	पंजी./2016/323	किसान की किस्म	लोकनी	भारतीय सरसों (करन राई)	रीना उराँव
1014	पंजी./2016/324	किसान की किस्म	करैनी	धान	सीता देवी
1015	पंजी./2016/326	किसान की किस्म	बिलाटी-टीएल	टमाटर	एतवा उराँव
1016	पंजी./2016/331	किसान की किस्म	धुश्री-पीडी	धान	मनुबेल कुजूर
1017	पंजी./2016/346	किसान की किस्म	केथिगोरा	धान	किसुन उराँव
1018	पंजी./2016/347	किसान की किस्म	बालीगोरा	धान	बलदेव महतो
1019	पंजी./2016/349	किसान की किस्म	बिलौटी	टमाटर	बलदेव महतो
1020	पंजी./2016/350	किसान की किस्म	बिलासर	धान	बलदेव महतो
1021	पंजी./2016/356	किसान की किस्म	भवानी	धान	शनिचरण मुंडा
1022	पंजी./2016/359	किसान की किस्म	भाटा	बैंगन	मंगल महतो
1023	पंजी./2016/366	किसान की किस्म	मंगलभूरा	भारतीय सरसों (करन राई)	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1024	पंजी./2016/371	किसान की किस्म	बिलाती-टी	टमाटर	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1025	पंजी./2016/373	किसान की किस्म	केतकी-पी	धान	संगीता ओरांव
1026	पंजी./2016/375	नई किस्म	अंबिका	आम	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1027	पंजी./2016/376	किसान की किस्म	दूधा सायर-एल	धान	अयूब अंसारी
1028	पंजी./2016/378	किसान की किस्म	सुगंधित-एल	धान	सुमंत कुमार भगत
1029	पंजी./2016/379	किसान की किस्म	मोटा-एल	धान	बलदेव महतो
1030	पंजी./2016/382	किसान की किस्म	आदि-लो	अदरक	धनेश्वर महतो
1031	पंजी./2016/391	किसान की किस्म	शेरू	भारतीय सरसों (करन राई)	शेरू उराँव
1032	पंजी./2016/392	किसान की किस्म	चैतीसी	अलसी	मंगल महतो
1033	पंजी./2016/393	किसान की किस्म	कांता भाटा	बैंगन	मंगल महतो

1034	पंजी./2016/394	किसान की किस्म	मलंगा	धान	प्रवीण रौशन लकड़ा
1035	पंजी./2016/397	किसान की किस्म	नदी टिकूर	धान	सुमंत कुमार भगत
1036	पंजी./2016/402	किसान की किस्म	भंजनी-पीडी	धान	बालमुनी कुमारी, विमला उराँव, सोनबा उराँव
1037	पंजी./2016/403	किसान की किस्म	बिलाती गोल	टमाटर	सयूब अंसारी
1038	पंजी./2016/414	किसान की किस्म	पुनबारी	मक्का	पुनवा देवी
1039	पंजी./2016/425	किसान की किस्म	डुमरी	मक्का	नकुलदेव पासवान
1040	पंजी./2016/438	नई किस्म	C 5722	त्रिगुणित कपास	महिको प्राइवेट लिमिटेड
1041	पंजी./2016/440	किसान की किस्म	पत्री पीला	तोरिया	पैट्रिसिया टोप्पो
1042	पंजी./2016/444	किसान की किस्म	सफ़ेदी	मक्का	शत्रुधान प्रजापति
1043	पंजी./2016/490	किसान की किस्म	पोटमी-सीएच	काबुली चना	मुद्रिका प्रसाद यादव
1044	पंजी./2016/493	किसान की किस्म	पलक	गेहूं	संतोष यादव
1045	पंजी./2016/494	किसान की किस्म	शेरायी	गेहूं	राम कुमार दास
1046	पंजी./2016/495	किसान की किस्म	कृष्ण	जौ	पूनम देवी
1047	पंजी./2016/512	किसान की किस्म	मार्गरी	अरंड	राजेश्वर यादव
1048	पंजी./2016/564	किसान की किस्म	वामशु	धान	वांगकांग फार्मस क्लब
1049	पंजी./2016/565	किसान की किस्म	TAHNYU	धान	ग्राम जलवायु अनुकूल प्रबंधन समिति (वीसीआरएमसी)
1050	पंजी./2016/566	किसान की किस्म	याम्न्याक	धान	हिल्स फार्मर्स क्लब
1051	पंजी./2016/567	किसान की किस्म	फुहा-ताह	धान	नगांगचिंग ग्राम परिषद
1052	पंजी./2016/630	किसान की किस्म	भोजना-डब्ल्यू.एस	धान	भुबना गोप
1053	पंजी./2016/631	किसान की किस्म	धुसरी-WS2	धान	छोटराम बिरूबा
1054	पंजी./2016/632	किसान की किस्म	कोरिया	धान	नारायण पिंगुआ
1055	पंजी./2016/635	किसान की किस्म	करमाचा (भोजन)	धान	दुबराज चत्तर
1056	पंजी./2016/638	किसान की किस्म	गंजाई जटा बाबा	धान	रिमिल तिरिया
1057	पंजी./2016/639	किसान की किस्म	चिगरी बाबा	धान	छोटराम बिरूबा
1058	पंजी./2016/642	किसान की किस्म	नारदी	धान	जीवेश कुमार बिरूबा
1059	पंजी./2016/643	किसान की किस्म	विक्रम बाबा	धान	रामचन्द्र पिंगुआ
1060	पंजी./2016/652	किसान की किस्म	सतबुई	धान	अंजनी सिंकु

1061	पंजी./2016/654	किसान की किस्म	ललाट	धान	लैम्बोरा पिंगुआ
1062	पंजी./2016/655	किसान की किस्म	सिमरी कोंटा	धान	सीता सिंकु
1063	पंजी./2016/656	किसान की किस्म	सफ़ेद सोर्नो	धान	सुमित्रा सिंकु
1064	पंजी./2016/660	किसान की किस्म	विक्रम-पी	धान	पीताम्बर पिंगुआ
1065	पंजी./2016/670	किसान की किस्म	जरलाली	धान	सरिता सिंकु
1066	पंजी./2016/671	किसान की किस्म	देसी सोर्नो-पी	धान	रमेशचंद्र सिंकु
1067	पंजी./2016/674	किसान की किस्म	केंसारी	अलसी	विश्वनाथ सिंकु
1068	पंजी./2016/677	किसान की किस्म	चिरिगुड़ी हल्का	धान	प्रसन्न कुमार नायक
1069	पंजी./2016/697	किसान की किस्म	SKF-A1-शिवना	अरहर	एन. एस. सिपानी
1070	पंजी./2016/707	नई किस्म	बायो 5124I2	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
1071	पंजी./2016/708	नई किस्म	बायो 1678ID2I2	त्रिगुणित कपास	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
1072	पंजी./2016/710	किसान की किस्म	राज झिंगा	धान	मनोज कुमार मुखर्जी
1073	पंजी./2016/718	किसान की किस्म	कल्चर	धान	दुर्गा माता फार्मर्स क्लब
1074	पंजी./2016/720	किसान की किस्म	दहर नगरा हुगली	धान	हुगली वेजिटेबल ग्रोवर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड
1075	पंजी./2016/721	किसान की किस्म	बसंत लक्ष्मी	धान	इंचुरा एग्रो प्रोड्यूसर लिमिटेड
1076	पंजी./2016/722	किसान की किस्म	कानपुर सूर्य डहर	धान	कानपुर एस.के.यू.एस. लिमिटेड
1077	पंजी./2016/724	किसान की किस्म	कार्तिक झींगा	धान	इंचुरा एग्रो प्रोड्यूसर लिमिटेड
1078	पंजी./2016/729	विद्यमान (वीसीके)	PH2V73	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1079	पंजी./2016/732	किसान की किस्म	लाल गंधारी	धान	रामधनी मांझी
1080	पंजी./2016/733	किसान की किस्म	आशा गोरा	धान	विजय बेसरा
1081	पंजी./2016/737	किसान की किस्म	करहनी-पप्र	धान	गोविंद गोप
1082	पंजी./2016/738	किसान की किस्म	रतगुलि	धान	होलास सोरेन
1083	पंजी./2016/739	किसान की किस्म	नारदा	धान	दयाली प्रसाद
1084	पंजी./2016/741	किसान की किस्म	केरेदानी	धान	महेंद्र साह
1085	पंजी./2016/742	किसान की किस्म	कांडा	धान	महेंद्र साह
1086	पंजी./2016/747	किसान की किस्म	घोरा	धान	सालिक मांझी
1087	पंजी./2016/751	किसान की किस्म	आका	धान	विजय बेसरा
1088	पंजी./2016/753	किसान की किस्म	कैथकी	धान	शीतल किस्कू

1089	पंजी./2016/755	किसान की किस्म	ASKALMA-PD2	धान	जय प्रकाश सिंह
1090	पंजी./2016/861	किसान की किस्म	तिलारा	तिल	हरिनन्दन महतो
1091	पंजी./2016/873	किसान की किस्म	तेजन	भारतीय सरसों	तेज नारायण राम
1092	पंजी./2016/874	किसान की किस्म	नरेन	तोरिया	तेज नारायण राम
1093	पंजी./2016/875	किसान की किस्म	लोटनी गोल	भारतीय सरसों	वासुदेव सोरेन
1094	पंजी./2016/876	किसान की किस्म	काली	भारतीय सरसों)	फुलवा देवी
1095	पंजी./2016/895	किसान की किस्म	तरी	तोरिया	रघुनंदन महतो
1096	पंजी./2016/897	किसान की किस्म	पीला-आर	तोरिया (गोभी सरसों)	गोविंद गोप
1097	पंजी./2016/898	किसान की किस्म	सांरी	तोरिया	दिनेश कुमार धांगी
1098	पंजी./2016/899	किसान की किस्म	डांगी	भारतीय सरसों	दिनेश कुमार धांगी
1099	पंजी./2016/901	किसान की किस्म	अरक	भारतीय सरसों	संदीप कुमार
1100	पंजी./2016/902	किसान की किस्म	बूरी	भारतीय सरसों	महेश मांझी
1101	पंजी./2016/914	विद्यमान (वीसीके)	7SH382	मक्का	कोर्टेवा क्रॉप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
1102	पंजी./2016/924	किसान की किस्म	मुंडी	गेहूं	देवंती देवी
1103	पंजी./2016/925	किसान की किस्म	खारिया	गेहूं	मुन्नी देवी
1104	पंजी./2016/926	किसान की किस्म	बार्का	गेहूं	सकुंती देवी
1105	पंजी./2016/927	किसान की किस्म	बादाम	गेहूं	नागिया देवी
1106	पंजी./2016/928	किसान की किस्म	गुहुम	गेहूं	पार्वती टुडू
1107	पंजी./2016/977	किसान की किस्म	बैंकसोल	धान	अजीत मुर्मू
1108	पंजी./2016/1000	किसान की किस्म	बकलसा	बैंगन	अमल लारू
1109	पंजी./2016/1003	किसान की किस्म	बरुण-पीडी	धान	बरुण सामंत
1110	पंजी./2016/1015	विद्यमान (वीसीके)	एम162एफ	बाजरा	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1111	पंजी./2016/1018	किसान की किस्म	बबली	धान	बब्लू दास
1112	पंजी./2016/1031	किसान की किस्म	बलाई	धान	बलाई चंद बोरा
1113	पंजी./2016/1032	किसान की किस्म	रंजन	धान	निसिथ रंजन बोरा
1114	पंजी./2016/1035	किसान की किस्म	मंडल-पी	धान	चितरंजन मंडल
1115	पंजी./2016/1036	किसान की किस्म	पंजा-पी	धान	अजीत कुमार पांजा
1116	पंजी./2016/1092	किसान की किस्म	चुरगुन	अंगूर	सोनम त्सोंग

1117	पंजी./2016/1094	किसान की किस्म	रुकुचन	अंगूर	पल्ज़ेस एंगमो
1118	पंजी./2016/1121	विद्यमान (वीसीके)	RC380	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1119	पंजी./2016/1122	किसान की किस्म	शंभयार	आड़ू	अली बेग
1120	पंजी./2016/1124	किसान की किस्म	सुनपो ताकुशु	आड़ू	मोहम्मद इब्राहिम
1121	पंजी./2016/1125	किसान की किस्म	करपोटा	आड़ू	जहूर अहमद
1122	पंजी./2016/1136	किसान की किस्म	क्रेनी-बीएल	धान	बिगल मुंडा
1123	पंजी./2016/1144	किसान की किस्म	दहिया-बी.एल	धान	बिगल मुंडा
1124	पंजी./2016/1145	किसान की किस्म	भंजनी-बी.एल	धान	बिगल मुंडा
1125	पंजी./2016/1147	किसान की किस्म	लक्ष्मण करैनी	धान	लक्ष्मण उराँव
1126	पंजी./2016/1164	किसान की किस्म	बासुदेव मधमलैर	धान	बासुदेव उराँव
1127	पंजी./2016/1182	किसान की किस्म	अर्जुन बिलाटी	टमाटर	अर्जुन उराँव
1128	पंजी./2016/1190	किसान की किस्म	कालदेव लाल गंगा	धान	कालदेव उराँव
1129	पंजी./2016/1297	किसान की किस्म	सीता गरमा	धान	-सीताराम उराँव
1130	पंजी./2016/1298	किसान की किस्म	सीता गंगासैर	धान	-सीताराम उराँव
1131	पंजी./2016/1299	किसान की किस्म	सीता धनिया फूल	धान	-सीताराम उराँव
1132	पंजी./2016/1300	किसान की किस्म	सीता रानीकाजर	धान	-सीताराम उराँव
1133	पंजी./2016/1301	किसान की किस्म	सीता करैनी	धान	-सीताराम उराँव
1134	पंजी./2016/1302	किसान की किस्म	सीता बालगोरा	धान	-सीताराम उराँव
1135	पंजी./2016/1309	किसान की किस्म	मालागर	ज्वार	बुधुवा बैगा
1136	पंजी./2016/1354	किसान की किस्म	सिकी हल्दी	हल्दी	राकेश बेदिया
1137	पंजी./2016/1380	किसान की किस्म	पीरपोटी	टमाटर	बंसी लाल सोढ़ी
1138	पंजी./2016/1382	किसान की किस्म	एसकेटी रत्न	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1139	पंजी./2016/1383	किसान की किस्म	एसकेटी तुलसी	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1140	पंजी./2016/1384	किसान की किस्म	एसकेटी प्रकाश	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1141	पंजी./2016/1396	किसान की किस्म	एसकेटी लाखन	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1142	पंजी./2016/1397	किसान की किस्म	एसकेटी लता	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1143	पंजी./2016/1399	किसान की किस्म	एसकेटी सुषमा	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1144	पंजी./2016/1405	किसान की किस्म	एसकेटी शशि	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी

1145	पंजी./2016/1416	किसान की किस्म	एसकेटी दिसम	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1146	पंजी./2016/1419	किसान की किस्म	एसकेटी बिंदु	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1147	पंजी./2016/1426	किसान की किस्म	एसकेटी लाल	मक्का	शिव कुमार चंद्रवंसी
1148	पंजी./2016/1429	किसान की किस्म	एसकेटी अलख नंदा	बैंगन	शिव कुमार चंद्रवंसी
1149	पंजी./2016/1444	किसान की किस्म	बरसाती बेल	बेल	जय दुर्गा कृषक क्लब
1150	पंजी./2016/1446	किसान की किस्म	अमर बेल	बेल	जय दुर्गा कृषक क्लब
1151	पंजी./2016/1448	किसान की किस्म	स्वाति बेल	बेल	जय दुर्गा कृषक क्लब
1152	पंजी./2016/1572	किसान की किस्म	सधनिया-102	धनिया	कपिल देव सिंह
1153	पंजी./2016/1574	किसान की किस्म	बेरी	भारतीय सरसों	सत्यनारायण सिंह
1154	पंजी./2016/1584	किसान की किस्म	पाल धनिया	धनिया	उदेसी पाल
1155	पंजी./2016/1743	विद्यमान (वीसीके)	M444R	बाजरा	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1156	पंजी./2016/1748	नई किस्म	NRCP H-14	अनार	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1157	पंजी./2016/1749	नई किस्म	NRCP H-4	अनार	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1158	पंजी./2016/2095	किसान की किस्म	तरोई देसी	तुरई	संतोष शर्मा
1159	पंजी./2016/2176	किसान की किस्म	मुर्मू झांती साल	धान	सुराई मुर्मू
1160	पंजी./2016/2180	किसान की किस्म	टुडू सातिया गोरा	धान	रामदास टुडू
1161	पंजी./2016/2181	किसान की किस्म	कुनु-पीई	धान	कुनु मुर्मू
1162	पंजी./2016/2182	किसान की किस्म	बरहा-2	धान	बरहा मुर्मू
1163	पंजी./2016/2184	किसान की किस्म	मार्डी माझारी	धान	गणेश मार्डी
1164	पंजी./2016/2188	किसान की किस्म	मार्डी कांकरी	धान	गणेश मार्डी
1165	पंजी./2016/2189	किसान की किस्म	टुडु बेरा	धान	मसंग टुडु
1166	पंजी./2016/2193	किसान की किस्म	मार्डी अघानी (अरहर)	अरहर	सोबेन मार्डी
1167	पंजी./2016/2197	किसान की किस्म	मुर्मू अगहनी अरहर	अरहर	प्रधान मुर्मू
1168	पंजी./2016/2199	किसान की किस्म	हंसदा मालती	धान	सुनाराम हांसदा
1169	पंजी./2016/2200	किसान की किस्म	मुर्मू चैताली	अरहर	लोगेन मुर्मू
1170	पंजी./2016/2216	किसान की किस्म	सोरेन अघानी (अरहर)	अरहर	राजू सोरेन
1171	पंजी./2016/2224	किसान की किस्म	मुर्मू अघानी (अरहर)-पीएस2	अरहर	दासो मुर्मू
1172	पंजी./2016/2225	किसान की किस्म	टुडु चैताली	अरहर	लाडू टुडू

1173	पंजी./2016/2250	किसान की किस्म	मार्डी	अरहर	मोती लाल मार्डी
1174	पंजी./2016/2254	किसान की किस्म	खंडवाल गुच्चा	अरहर	अजीत खंडवाल
1175	पंजी./2016/2256	किसान की किस्म	सोरेन माधी	अरहर	कुँवर सोरेन
1176	पंजी./2016/2273	किसान की किस्म	सीताराम अदरक	अदरक	सीताराम उराँव
1177	पंजी./2016/2300	किसान की किस्म	लक्ष्मणनारी	तोरिया	लक्ष्मण उराँव
1178	पंजी./2016/2310	किसान की किस्म	जीत बादाम	मूंगफली	जीत उराँव
1179	पंजी./2016/2311	किसान की किस्म	जंवालीजीत	तोरिया	जीत उराँव
1180	पंजी./2016/2320	किसान की किस्म	सीता गंगू राय	भारतीय सरसों (करन राई)	सीताराम उराँव
1181	पंजी./2016/2330	किसान की किस्म	बुधमन कोहरा	कद्दू	बुधमन उराँव
1182	पंजी./2016/2363	किसान की किस्म	कृष्णा बिलाटी	टमाटर	कृष्ण भगत
1183	पंजी./2016/2406	किसान की किस्म	जगय मणि-1	भारतीय सरसों	जागय तूति
1184	पंजी./2016/2430	किसान की किस्म	पूनम-1	भारतीय सरसों	सीमा देवी
1185	पंजी./2016/2443	किसान की किस्म	पोमी	भारतीय सरसों	भीम नायक
1186	पंजी./2017/53	किसान की किस्म	गंगुसीता	भारतीय सरसों	सीताराम उराँव
1187	पंजी./2017/55	किसान की किस्म	सीता बैगन हरा	बैंगन	सीताराम उराँव
1188	पंजी./2017/109 H	विद्यमान (अधिसूचित)	KPH-467	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1189	पंजी./2013/373 A	विद्यमान (अधिसूचित)	KCMS-1090A	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1190	पंजी./2013/373 B	विद्यमान (अधिसूचित)	KCMS-1090B	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1191	पंजी./2017/109 R	विद्यमान (अधिसूचित)	KPGOS-1245	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1192	पंजी./2017/155	किसान की किस्म	सुनिया	धान	सर्वेश्वर महतो
1193	पंजी./2017/167	किसान की किस्म	यूरेसा लालमन	धान	लाल मन
1194	पंजी./2017/171	किसान की किस्म	नवारी संतलाल	धान	संतलाल कुलस्ते
1195	पंजी./2017/174	किसान की किस्म	ककेरा बलिराम	धान	बालीराम
1196	पंजी./2017/176	किसान की किस्म	पूसा खुर्री	धान	पूसा सिंह
1197	पंजी./2017/177	किसान की किस्म	जहरी सुभाष	धान	-सुभाष सिंह
1198	पंजी./2017/178	किसान की किस्म	कोठी सुभाष	धान	-सुभाष सिंह
1199	पंजी./2017/179	किसान की किस्म	गरुड़ लुचाई सुभाष	धान	-सुभाष सिंह
1200	पंजी./2017/180	किसान की किस्म	उरई बूटा बैशाखू	धान	बैसाखू

1201	पंजी./2017/181	किसान की किस्म	गलगलिया देव	धान	देव सिंह
1202	पंजी./2017/182	किसान की किस्म	झुराई भारत	धान	भरत सिंह
1203	पंजी./2017/184	किसान की किस्म	लोहंदी शंकर	धान	शंकर सिंह
1204	पंजी./2017/185	किसान की किस्म	हरौ लुचै गर्जन	धान	गर्जन सिंह
1205	पंजी./2017/187	किसान की किस्म	रामेश्वर गरीबा	धान	गरीबा प्रसाद
1206	पंजी./2017/188	किसान की किस्म	विष्णु भोग सुरेश	धान	सुरेश कार्तिके
1207	पंजी./2017/189	किसान की किस्म	चिंदी कपूर इंगालाल	धान	इंगालाल नायक
1208	पंजी./2017/190	किसान की किस्म	जामुन सुरकी कमलेश्वरी	धान	कमलेश्वरी
1209	पंजी./2017/191	किसान की किस्म	जामुन सुरकी रमाकांत	धान	रमाकांत कार्तिके
1210	पंजी./2017/192	किसान की किस्म	संस्कृति गणेश	धान	गणेश प्रसाद उर्के
1211	पंजी./2017/193	किसान की किस्म	तुलसी अमृत गोपाल	धान	गोपाल सिंह मरावी
1212	पंजी./2017/194	किसान की किस्म	कृष्ण भोग कृपाल	धान	कृपाल सिंह मरावी
1213	पंजी./2017/195	किसान की किस्म	असमकोटि कीर्ति	धान	कीर्ति नामदेव
1214	पंजी./2017/196	किसान की किस्म	झूलर श्याम	धान	श्याम सिंह
1215	पंजी./2017/201	किसान की किस्म	लाखोआ धान ढोकल	धान	धोकल सिंह
1216	पंजी./2017/202	किसान की किस्म	लोहंडी महेंद्र	धान	महेंद्र सिंह
1217	पंजी./2017/204	किसान की किस्म	लाल धान राम	धान	राम कुमार
1218	पंजी./2017/205	किसान की किस्म	पत्थर चट्टी राकेश	धान	राकेश कुमार
1219	पंजी./2017/206	किसान की किस्म	गुरमतिया सुरेश	धान	सुरेश टेकाम
1220	पंजी./2017/211	किसान की किस्म	नवारी पर्वत	धान	पर्वत सिंह
1221	पंजी./2017/213	किसान की किस्म	सरबती फूल सेउरी	गेहूं	फूल सिंह
1222	पंजी./2017/222	किसान की किस्म	रबुता बुध	धान	बुध सिंह
1223	पंजी./2017/223	किसान की किस्म	चपटी गुरमतिया तातार	धान	मोहित राम
1224	पंजी./2017/224	किसान की किस्म	सठियाखुर्द	धान	लोकेन्द्र सिंह यादव
1225	पंजी./2017/225	किसान की किस्म	क्षत्रिय बलिराम	धान	बलिराम चौधरी
1226	पंजी./2017/226	किसान की किस्म	धौर बलिराम	धान	बलिराम चौधरी
1227	पंजी./2017/228	किसान की किस्म	भटाफूल देवेन्द्र	धान	देवेन्द्र शुक्ला

1228	पंजी./2017/229	किसान की किस्म	करनफूल अवध	धान	अवधफूल तिवारी
1229	पंजी./2017/234	किसान की किस्म	फरम बलदेव	धान	बलदेव परस्ते
1230	पंजी./2017/235	किसान की किस्म	करिया पर्वत	धान	पर्वत राम कुंजाम
1231	पंजी./2017/236	किसान की किस्म	करोंदा भूढ़	धान	भूध बाई
1232	पंजी./2017/237	किसान की किस्म	रानीकाजल सलीम	धान	सलीम खान
1233	पंजी./2017/240	किसान की किस्म	करणफूल भान	धान	भानमती बाई
1234	पंजी./2017/241	किसान की किस्म	थारी भारी जग	धान	जगबहादुर सिंह
1235	पंजी./2017/242	किसान की किस्म	भर्री धान पूरण	धान	पूरण सिंह
1236	पंजी./2017/244	किसान की किस्म	अक्लोनी देवी	धान	देवी सिंह मरकाम
1237	पंजी./2017/247	किसान की किस्म	करिया धान झिरिया	धान	जगेन्द्र सिंह परस्ते
1238	पंजी./2017/250	किसान की किस्म	करहनी करकेली	धान	जगबहादुर सिंह
1239	पंजी./2017/253	किसान की किस्म	कुशियारी कटौली	धान	भगत सिंह बघेल
1240	पंजी./2017/254	किसान की किस्म	बासमती पुरानी भगत	धान	भगत सिंह बघेल
1241	पंजी./2017/255	किसान की किस्म	लवांगचोर कटोली	धान	पंकज सिंह
1242	पंजी./2017/256	किसान की किस्म	बैंको कटोली	धान	उपेन्द्र
1243	पंजी./2017/257	किसान की किस्म	तिन पाखिया मूंदौ	धान	मुंडाऊ सिंह चौहान
1244	पंजी./2017/258	किसान की किस्म	बटनागर राम	धान	रामलखन
1245	पंजी./2017/259	किसान की किस्म	मेथीचूर सरेठी	धान	रितु सिंह
1246	पंजी./2017/260	किसान की किस्म	शेरी करही	धान	नेपाल सिंह
1247	पंजी./2017/261	किसान की किस्म	बागरी सरेठी	धान	श्याम सुंदर बैगा
1248	पंजी./2017/262	किसान की किस्म	भाटाफूल करवाही	धान	कमला कांत मिश्र
1249	पंजी./2017/263	किसान की किस्म	जीराफूल करवाही	धान	कमला कांत मिश्र
1250	पंजी./2017/264	किसान की किस्म	नदावल गोविंद	धान	गोविंद प्रसाद गौतम
1251	पंजी./2017/265	किसान की किस्म	हंस कनक करवाही	धान	-उर्मिला प्रसाद दीवान
1252	पंजी./2017/267	किसान की किस्म	लाल लाइची रोसर	धान	बच्छराज सिंह
1253	पंजी./2017/268	किसान की किस्म	करण फूल रामनन्दन	धान	राम नंदन
1254	पंजी./2017/269	किसान की किस्म	दिहुला दशमत	धान	दशमत सिंह
1255	पंजी./2017/271	किसान की किस्म	सिन्दुरी माडो	धान	चक्रपाणि सिंह

1256	पंजी./2017/272	किसान की किस्म	दिहुला सफेद महेश	धान	महेश साकेत
1257	पंजी./2017/273	किसान की किस्म	दिहुला कला मुजरा	धान	श्यामसुंदर पाल
1258	पंजी./2017/274	किसान की किस्म	सोनखार्ची मोजरा	धान	रामसरोज
1259	पंजी./2017/277	किसान की किस्म	लोहंडी रामभजन	धान	राम भजन सिंह
1260	पंजी./2017/278	किसान की किस्म	कोइलारी पपरा	धान	रामस्वरूप
1261	पंजी./2017/279	किसान की किस्म	बिरंजीफूल जानकी	धान	जानकी प्रसाद
1262	पंजी./2017/280	किसान की किस्म	लोहंदी ललितपुर	धान	दसई केवट
1263	पंजी./2017/281	किसान की किस्म	गीता शिवराम	धान	शिवराम मिश्रा
1264	पंजी./2017/282	किसान की किस्म	बिरंजफूल शिवराम	धान	शिवराम मिश्रा
1265	पंजी./2017/285	किसान की किस्म	कोइलारी रामनंदन	धान	राम नंदन
1266	पंजी./2017/289	किसान की किस्म	पसाई धान शिवकुमार	धान	शिवकुमार आदिवासी
1267	पंजी./2017/294	किसान की किस्म	लाल धान रतन	धान	रतन पाल
1268	पंजी./2017/296	किसान की किस्म	धौर गया प्रसाद	धान	गया प्रसाद चौधरी
1269	पंजी./2017/304	किसान की किस्म	धम्मु धान	धान	धम्मू पटेल
1270	पंजी./2017/312	किसान की किस्म	सिकिया विश्वनाथ	धान	विश्वनाथ यादव
1271	पंजी./2017/313	किसान की किस्म	सिकिया कल्लू	धान	कल्लू
1272	पंजी./2017/314	किसान की किस्म	मुलापारा धान	धान	आनंद कुमार
1273	पंजी./2017/320	किसान की किस्म	विक्रमपुर ज्वार	जौ	विश्राम सिंह
1274	पंजी./2017/322	किसान की किस्म	सिंहाई ज्वार	जौ	कपूर सिंह यादव
1275	पंजी./2017/327	किसान की किस्म	निग्हा ज्वार	जौ	निरंजन सिंह यादव
1276	पंजी./2017/338	किसान की किस्म	ठूठ धान कौशल	धान	कौशल सिंह
1277	पंजी./2017/347	किसान की किस्म	तेंढनिया धान कौशल	धान	कौशल सिंह
1278	पंजी./2017/348	किसान की किस्म	सिकिया रूपझिर	धान	गुड्डा खान
1279	पंजी./2017/349	किसान की किस्म	ठूठ कन्हैया	धान	-कन्हैया लाल
1280	पंजी./2017/351	किसान की किस्म	धौर धान कौशल	धान	कौशल सिंह
1281	पंजी./2017/352	किसान की किस्म	सिक्का बब्लू	धान	बब्लू खान
1282	पंजी./2017/354	किसान की किस्म	करधन धान कौशल	धान	कौशल सिंह
1283	पंजी./2017/357	किसान की किस्म	जानकी हेमन्त	धान	हेमन्त सिंह

1284	पंजी./2017/358	किसान की किस्म	चपटी मटवारी	धान	मटवारी सिंह
1285	पंजी./2017/359	किसान की किस्म	छिंदफूल उमेश	धान	उमेश कुमार
1286	पंजी./2017/360	किसान की किस्म	शेरा 2	धान	राम कुमार
1287	पंजी./2017/361	किसान की किस्म	जानकी संकू	धान	संकू सिंह
1288	पंजी./2017/362	किसान की किस्म	रतुआ धनीराम	धान	धनीराम
1289	पंजी./2017/363	किसान की किस्म	खुड्डी अमरदास	धान	अमरदास
1290	पंजी./2017/372	किसान की किस्म	सोयाबीन सरायटोला	सोयाबीन	सीता बाई
1291	पंजी./2017/378	किसान की किस्म	भदेही ज्वार प्रेमलाल	ज्वार	प्रेमलाल उइके
1292	पंजी./2017/382	किसान की किस्म	श्रीजोत रघुवीर	धान	रघुवीर बरकड़े
1293	पंजी./2017/384	किसान की किस्म	बेचो धान शैलकुमार	धान	शैलकुमार उइके
1294	पंजी./2017/388	किसान की किस्म	अमागौर राम	धान	राम साहू
1295	पंजी./2017/391	किसान की किस्म	करधना सरगापुर	धान	प्रेमलाल उइके
1296	पंजी./2017/392	किसान की किस्म	पोंगा सरगापुर	धान	गणेश कुमार उइके
1297	पंजी./2017/394	किसान की किस्म	सूरज रामलाल	धान	रामलाल
1298	पंजी./2017/399	किसान की किस्म	पिरसो सुखलाल	धान	सुखलाल
1299	पंजी./2017/400	किसान की किस्म	मोहनभोग अनिता	धान	अनिता पार्टे
1300	पंजी./2017/402	किसान की किस्म	कदमभोग अजय	धान	अजय सहारे
1301	पंजी./2017/403	किसान की किस्म	काला जीराशंकर अयोध्या	धान	अयोध्या प्रसाद भोयर
1302	पंजी./2017/404	किसान की किस्म	सफेद जीराशंकर युवराज	धान	युवराज गौतम
1303	पंजी./2017/408	किसान की किस्म	झुमकी लम्बी	तुरई	देवेन्द्र भोयर
1304	पंजी./2017/409	किसान की किस्म	गोल झुमकी	तुरई	अयोध्या प्रसाद भोयर
1305	पंजी./2017/415	किसान की किस्म	भेड़री टमाटर	टमाटर	सरिता उइके
1306	पंजी./2017/426	किसान की किस्म	काली कम्मो अजय	धान	अजय सहारे
1307	पंजी./2017/427	किसान की किस्म	राजभोग अजय	धान	अजय सहारे
1308	पंजी./2017/428	किसान की किस्म	माहुआं श्याम	धान	श्याम किशोर सिंह
1309	पंजी./2017/429	किसान की किस्म	भट्टाफूल अरविन्द	धान	अरविन्द सिंह
1310	पंजी./2017/430	किसान की किस्म	सोनिया रामनारायण	धान	रामनारायण तिवारी

1311	पंजी./2017/431	किसान की किस्म	कंका रामनारायण	धान	रामनारायण तिवारी
1312	पंजी./2017/432	किसान की किस्म	भेजरी रामनारायण	धान	रामनारायण तिवारी
1313	पंजी./2017/434	किसान की किस्म	जीरा फूल समयलाल	धान	समय लाल सिंह
1314	पंजी./2017/435	किसान की किस्म	रेकेरा जय	धान	जय सिंह
1315	पंजी./2017/436	किसान की किस्म	सफरी वीरान	धान	वीरन पाव
1316	पंजी./2017/438	किसान की किस्म	शुक्रफूल दशरथ	धान	दशरथ साहू
1317	पंजी./2017/439	किसान की किस्म	कालाजीरा बाबादीन	धान	बाबादीन मेहरा
1318	पंजी./2017/440	किसान की किस्म	बरही बाबादीन	धान	बाबादीन मेहरा
1319	पंजी./2017/441	किसान की किस्म	करहनी सामे	धान	समय लाल पाव
1320	पंजी./2017/442	किसान की किस्म	गुरमतिया हीरा	धान	हीरा सिंह
1321	पंजी./2017/443	किसान की किस्म	वैन्स्कुपी	धान	समहरू सिंह
1322	पंजी./2017/444	किसान की किस्म	केरा खांब	धान	इंद्रपाल सिंह
1323	पंजी./2017/445	किसान की किस्म	मुन्नी लोचाई	धान	मुन्नी सिंह
1324	पंजी./2017/490	किसान की किस्म	उसरी चना	काबुली चना	दुर्गा प्रसाद यादव
1325	पंजी./2017/491	किसान की किस्म	वरपानी ज्वार	ज्वार	अश्लेष यादव
1326	पंजी./2017/492	किसान की किस्म	उसरी ज्वार	ज्वार	-कन्हैया लाल ठाकुर
1327	पंजी./2017/498	किसान की किस्म	मंगला रामजी	गेहूं	रामजी यादव
1328	पंजी./2017/499	किसान की किस्म	मंगला 1	गेहूं	-विमलेश ठाकुर
1329	पंजी./2017/500	किसान की किस्म	मंगला अजय	गेहूं	अजय ठाकुर
1330	पंजी./2017/508	किसान की किस्म	हरप्रसाद धान	धान	हर प्रसाद ठाकुर
1331	पंजी./2017/509	किसान की किस्म	रामनाथ धान	धान	रामनाथ ठाकुर
1332	पंजी./2017/510	किसान की किस्म	अतरलाल धान	धान	अतरलाल ठाकुर
1333	पंजी./2017/511	किसान की किस्म	सीताराम धान	धान	-सीताराम यादव
1334	पंजी./2017/512	किसान की किस्म	बटरो लाल	धान	रूप सिंह ठाकुर
1335	पंजी./2017/513	किसान की किस्म	कमलेश धान	धान	-कमलेश ठाकुर
1336	पंजी./2017/514	किसान की किस्म	श्रीराम वरपाणि	धान	श्रीराम ठाकुर
1337	पंजी./2017/515	किसान की किस्म	लालता धान	धान	लालताबाई ठाकुर
1338	पंजी./2017/516	किसान की किस्म	रमेश धान	धान	रमेश ठाकुर

1339	पंजी./2017/517	किसान की किस्म	धनसिंह धान	धान	धन सिंह ठाकुर
1340	पंजी./2017/518	किसान की किस्म	गोविंद धान	धान	गोविंद यादव
1341	पंजी./2017/519	किसान की किस्म	बादली धान	धान	सोमनाथ ठाकुर
1342	पंजी./2017/520	किसान की किस्म	वरपानी धान	धान	रमेश कुमार ठाकुर
1343	पंजी./2017/521	किसान की किस्म	निहाल धान	धान	निहाल यादव
1344	पंजी./2017/523	किसान की किस्म	रामचन्द्र धान	धान	रामचन्द्र धन
1345	पंजी./2017/524	किसान की किस्म	किशोरी धान	धान	किशोरी ठाकुर
1346	पंजी./2017/525	किसान की किस्म	शंकर रामकेर धान	धान	शंकरलाल ठाकुर
1347	पंजी./2017/526	किसान की किस्म	धान अन्नीलाल	धान	अन्नीलाल ठाकुर
1348	पंजी./2017/527	किसान की किस्म	लाल धान रघुवर	धान	रघुवर सिंह ठाकुर
1349	पंजी./2017/528	किसान की किस्म	धान वरपाणि संतोष	धान	संतोष ठाकुर
1350	पंजी./2017/529	किसान की किस्म	धान प्यारीबाई	धान	प्यारीबाई ठाकुर
1351	पंजी./2017/530	किसान की किस्म	धान धरम	धान	धर्म ठाकुर
1352	पंजी./2017/537	किसान की किस्म	धान जुगल	धान	जुगल किशोर
1353	पंजी./2017/540	किसान की किस्म	निवाड़ी कौशल	धान	कौशल सिंह
1354	पंजी./2017/543	किसान की किस्म	निवाड़ी प्रेम	धान	प्रेम सिंह
1355	पंजी./2017/545	किसान की किस्म	तमातर निम्हा	टमाटर	मुन्ना रायकवार
1356	पंजी./2017/550	किसान की किस्म	टमाटर शिकारपुर	टमाटर	अरुणपाल सिंह बुलडेल
1357	पंजी./2017/551	किसान की किस्म	टमाटर राजेंद्र	टमाटर	राजेंद्र सिंह
1358	पंजी./2017/556	किसान की किस्म	ज्वर प्रह्लाद	ज्वार	प्रह्लाद राजपूत
1359	पंजी./2017/558	किसान की किस्म	धान मूलचन्द्र	धान	मूलचंद्र राजपूत
1360	पंजी./2017/561	किसान की किस्म	करधना धरम	धान	धरम मरावी
1361	पंजी./2017/562	किसान की किस्म	उरईकांत खुदारी	धान	समना
1362	पंजी./2017/563	किसान की किस्म	लाल धान किशन	धान	किशन मरावी
1363	पंजी./2017/576	किसान की किस्म	लडाई पूछ	धान	संतोष सिंह
1364	पंजी./2017/577	किसान की किस्म	बदालि धान निगारि	धान	संतोष सिंह
1365	पंजी./2017/579	किसान की किस्म	नेवारी कचराटोला	धान	रणजीत सिंह
1366	पंजी./2017/582	किसान की किस्म	राकेडा छोटा उमरिया	धान	सुरेश सिंह

1367	पंजी./2017/584	किसान की किस्म	धौर पठारी	धान	छोटे सिंह
1368	पंजी./2017/587	किसान की किस्म	बड़ी परदेशी राम	धान	राम किंकर
1369	पंजी./2017/610	किसान की किस्म	चानी नाया	काबुली चना	टीका सिंह
1370	पंजी./2017/615	किसान की किस्म	झलरी सुनील	ज्वार	सुनील कुमार तिवारी
1371	पंजी./2017/616	किसान की किस्म	भेजरी कछरा	टमाटर	दादूराम कौल
1372	पंजी./2017/621	किसान की किस्म	शरबती राजपाल	गेहूं	राजपाल जाट
1373	पंजी./2017/655	किसान की किस्म	टेमरू ज्वार	ज्वार	रामदयाल भलावी
1374	पंजी./2017/672	किसान की किस्म	गेंहु सरबती पिली	गेहूं	छोटा
1375	पंजी./2017/712	किसान की किस्म	गुलाबी जालेगांव	काबुली चना	ज्ञानेश्वर मरावी
1376	पंजी./2017/725	किसान की किस्म	दीरू चना	काबुली चना	नसरू
1377	पंजी./2017/732	किसान की किस्म	सुकलाल गेहू	गेहूं	सुकलाल
1378	पंजी./2017/734	किसान की किस्म	शिवपाल चना	काबुली चना	शिवपाल धुर्वे
1379	पंजी./2017/748	किसान की किस्म	भारत ज्वार	ज्वार	भरत यादव
1380	पंजी./2017/773	किसान की किस्म	सोमनाथ तेंदनी छोटा चना	काबुली चना	सोमनाथ हरिराम कुम्हारे
1381	पंजी./2017/782	किसान की किस्म	मोहन तेंदनी चना	काबुली चना	मोहन लाल
1382	पंजी./2017/789	किसान की किस्म	छोटा चना ब्रजभान	काबुली चना	ब्रजभान
1383	पंजी./2017/808	किसान की किस्म	वटी चना	काबुली चना	सग्गंसा इवनाती
1384	पंजी./2017/816	किसान की किस्म	राज चना	काबुली चना	मनकाली
1385	पंजी./2017/893	किसान की किस्म	देशी राजेंद्र	काबुली चना	राजेंद्र कुमार यादव
1386	पंजी./2017/894	किसान की किस्म	छोटी गुलाबी	काबुली चना	विजय कुमार यादव
1387	पंजी./2017/926	किसान की किस्म	खजिया धना	काबुली चना	मोहब्बत सिंह
1388	पंजी./2017/995	किसान की किस्म	बिछुआ चना	काबुली चना	सिरपत खापरे
1389	पंजी./2017/997	किसान की किस्म	बिछुआ बाजरा	बाजरा	सिरपत खापरे
1390	पंजी./2017/998	किसान की किस्म	ज्वार बिछुआ संपत	ज्वार	संपत खापरे
1391	पंजी./2017/1000	किसान की किस्म	चना कन्हैया	काबुली चना	-कन्हैया लाल पवार
1392	पंजी./2017/1001	किसान की किस्म	ज्वार जनपत	ज्वार	गणपत पोवार
1393	पंजी./2017/1005	किसान की किस्म	तोराई चंद्रा	तुरई	साहब चंद्र मारपे
1394	पंजी./2017/1007	किसान की किस्म	ज्वारचंद्र	ज्वार	साहब चंद्र मारपे

1395	पंजी./2017/1012	किसान की किस्म	गेहूँ सिपतिया	गेहूं	सिपतिया बाई
1396	पंजी./2017/1035	किसान की किस्म	अंगार ज्वार	ज्वार	राजकुमार अंगारे
1397	पंजी./2017/1038	किसान की किस्म	ज्वार अंगिया	ज्वार	धूरो बाई भारती
1398	पंजी./2017/1041	किसान की किस्म	ज्वार भाटिया	ज्वार	कारे लाल अंगारे
1399	पंजी./2017/1063	किसान की किस्म	छोटी ज्वार सुठिया	ज्वार	सुनील भारती
1400	पंजी./2017/1066	किसान की किस्म	ज्वार उइके	ज्वार	गुलदास
1401	पंजी./2017/1068	किसान की किस्म	ज्वार उइके महरसा	ज्वार	महरसा उइके
1402	पंजी./2017/1071	किसान की किस्म	गेहूँ पासी	गेहूं	फूलन धुर्वे
1403	पंजी./2017/1072	किसान की किस्म	गेहूं गुलजार	गेहूं	रमेश गुलजार
1404	पंजी./2017/1073	किसान की किस्म	ज्वार गाजर	ज्वार	गजरू धुर्वे
1405	पंजी./2017/1076	किसान की किस्म	ज्वार मेहताप	ज्वार	बुधमन
1406	पंजी./2017/1081	किसान की किस्म	ज्वार संतलाल	ज्वार	संत लाल इरपाची
1407	पंजी./2017/1094	किसान की किस्म	राम ज्वार	ज्वार	अजय सिंह
1408	पंजी./2017/1130	किसान की किस्म	सुरेंद्र जावा	जौ	सुरेंद्र सिंह यादव
1409	पंजी./2017/1131	किसान की किस्म	मझगवा सफेद गेहूं	गेहूं	श्रीमान सिंह यादव
1410	पंजी./2017/1132	किसान की किस्म	झुमकुल	मूंगफली	सुरेश कुशवाह
1411	पंजी./2017/1136	किसान की किस्म	मझगवा गेहुँ	गेहूं	मुक्ता प्रसाद
1412	पंजी./2017/1137	किसान की किस्म	खजुआ	काबुली चना	-बृजेश कुशवाह
1413	पंजी./2017/1138	किसान की किस्म	प्रताप जावा	जौ	बीर प्रताप सिंह दांगी
1414	पंजी./2017/1150	किसान की किस्म	कांति गेहुं	गेहूं	नन्द राम कुशवाह
1415	पंजी./2017/1152	किसान की किस्म	हसगोरा हल्दी	हल्दी	सुरेश कुशवाह
1416	पंजी./2017/1157	किसान की किस्म	जुनाई बृज	ज्वार	बृज किशोर लटोरिया
1417	पंजी./2017/1161	किसान की किस्म	कैलाश जुनई	ज्वार	कैलाश प्रसाद कुशवाह
1418	पंजी./2017/1163	किसान की किस्म	राम जावा	जौ	रमा बाई रायकवार
1419	पंजी./2017/1164	किसान की किस्म	महाराज गेहूँ	गेहूं	बती बाई
1420	पंजी./2017/1171	किसान की किस्म	सहवा	गेहूं	मोती लाल सिंह
1421	पंजी./2017/1172	किसान की किस्म	पीलिया	सोयाबीन	मोती लाल सिंह
1422	पंजी./2017/1173	किसान की किस्म	पंचा हीरा	गेहूं	हीरा लाल सिंह

1423	पंजी./2017/1174	किसान की किस्म	पटेल-10	गेहूं	इंद्रजीत सिंह
1424	पंजी./2017/1175	किसान की किस्म	हेमा	गेहूं	अभय राज सिंह
1425	पंजी./2017/1176	किसान की किस्म	सेहरा	गेहूं	महेंद्र सिंह
1426	पंजी./2017/1178	किसान की किस्म	ब्रिटा सुजीत	गेहूं	सुजीत सिंह
1427	पंजी./2017/1179	किसान की किस्म	चपटिया	गेहूं	रामसखा सिंह
1428	पंजी./2017/1180	किसान की किस्म	सेहरिया श्याम	गेहूं	श्याम लाल सिंह
1429	पंजी./2017/1181	किसान की किस्म	बेतैया	गेहूं	ददन पटेल
1430	पंजी./2017/1187	किसान की किस्म	पिली गेहु महेष	गेहूं	रामनरेश त्रिपाठी
1431	पंजी./2017/1188	किसान की किस्म	सुरक्षिती नागेन्द्र	गेहूं	नागेन्द्र त्रिपाठी
1432	पंजी./2017/1190	किसान की किस्म	खुरहरा देवरा	काबुली चना	रामनरेश मिश्र
1433	पंजी./2017/1198	किसान की किस्म	चुरका सफेदी गुरु	गेहूं	गुरु प्रसाद पटेल
1434	पंजी./2017/1199	किसान की किस्म	चपटा हरिया गुरु	सोयाबीन	गुरु प्रसाद पटेल
1435	पंजी./2017/1203	किसान की किस्म	हरकवा रामसखा	सोयाबीन	राम खेलावन पटेल
1436	पंजी./2017/1207	किसान की किस्म	सफेदा जोखू	गेहूं	राकेश पटेल
1437	पंजी./2017/1210	किसान की किस्म	चिकना	जौ	धर्मेन्द्र पटेल
1438	पंजी./2017/1211	किसान की किस्म	हलुका	काबुली चना	द्वारिका प्रसाद कोरी
1439	पंजी./2017/1214	किसान की किस्म	सफेदा	काबुली चना	रामायण पटेल
1440	पंजी./2017/1216	किसान की किस्म	सक्खू	गेहूं	अशोक पटेल
1441	पंजी./2017/1217	किसान की किस्म	स्मृति	गेहूं	अशोक पटेल
1442	पंजी./2017/1220	किसान की किस्म	खिरची	सोयाबीन	केशव प्रसाद पटेल
1443	पंजी./2017/1223	किसान की किस्म	पीला सोना	सोयाबीन	अशोक पटेल
1444	पंजी./2017/1224	किसान की किस्म	कर्वी	मेथी	राम लाल पटेल
1445	पंजी./2017/1227	किसान की किस्म	चातक	गेहूं	राम लाल पटेल
1446	पंजी./2017/1228	किसान की किस्म	सोना	सोयाबीन	राम लाल पटेल
1447	पंजी./2017/1269	किसान की किस्म	डोंगर भाटी	बैंगन	भुजबल सिंह गेहलोत
1448	पंजी./2017/1270	किसान की किस्म	गोल हारा भाटा	बैंगन	भुजबल सिंह गेहलोत
1449	पंजी./2017/1271	किसान की किस्म	लम्बा हरा भाटा	बैंगन	जय शंकर गौतम
1450	पंजी./2017/1338	किसान की किस्म	धौनाशा ज्वार	ज्वार	धोबनासा इवनाती

1451	पंजी./2017/1340	किसान की किस्म	शंकर ज्वार	ज्वार	शंकर
1452	पंजी./2017/1350	किसान की किस्म	शांता ज्वार	ज्वार	शांता
1453	पंजी./2017/1355	किसान की किस्म	लीमा ज्वार	ज्वार	लीमा बाई
1454	पंजी./2017/1430	किसान की किस्म	मुगुडी	धान	बेनुधर जेना
1455	पंजी./2017/1431	किसान की किस्म	चंपा	धान	बेनुधर जेना
1456	पंजी./2017/1615	किसान की किस्म	पोइमिमा	कद्दू	हेडुंगबे मिचुई
1457	पंजी./2017/1616	किसान की किस्म	मसंग	कद्दू	हेडुंगबे मिचुई
1458	पंजी./2017/1649	किसान की किस्म	नुमारान	केला	श्री आर. शशिकुमार
1459	पंजी./2017/1650	किसान की किस्म	करुवज़ई (मनोरंजीतम)	केला	श्री एम. थिरुमलाई
1460	पंजी./2017/1651	किसान की किस्म	GL0109	अखरो)ट	सेवा राम
1461	पंजी./2017/1675	किसान की किस्म	संजीवनी-गुलाबी	भारतीय रसभरी	वालुंज बालासाहब लहानु
1462	पंजी./2017/1700	किसान की किस्म	गेहूँ लाल मुंडिया (जीकेएसएस गेहुं-1)	गेहूं	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1463	पंजी./2017/1702	किसान की किस्म	गेहुँ झुन्सिया (जीकेएसएस गेहुँ-3)	गेहूं	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1464	पंजी./2017/1703	किसान की किस्म	जौ सूरी लोकल (6-पंक्ति) (जीकेएसएस जौ-1)	जौ	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1465	पंजी./2017/1704	किसान की किस्म	जौ सूरी लोकल (4-पंक्ति) (जीकेएसएस जौ-2)	जौ	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1466	पंजी./2017/1705	किसान की किस्म	जौ सूरी स्थानीय कला (जीकेएसएस जौ-3)	जौ	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1467	पंजी./2017/1708	किसान की किस्म	भट सूरी स्थानीय कला (छोटी वरीयता प्राप्त) (जीकेएसएस भट-1)	सोयाबीन	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1468	पंजी./2017/1709	किसान की किस्म	भट सूरी स्थानीय कला (बोल्ड सीडेड) (जीकेएसएस भाट-2)	सोयाबीन	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1469	पंजी./2017/1713	किसान की किस्म	डेन	तोरिया	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1470	पंजी./2017/1714	किसान की किस्म	मेथुआ	मेथी	ग्रामीण खाद्य संप्रभुता समुह
1471	पंजी./2017/1818	नई किस्म	PH219J	मक्का	पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन

1472	पंजी./2017/1823	किसान की किस्म	ऋतुर	गेहूं	रितु देवी
1473	पंजी./2017/1824	किसान की किस्म	बिलासे	गेहूं	बिलासी देवी
1474	पंजी./2017/1825	किसान की किस्म	SHODA	गेहूं	यशोदा देवी
1475	पंजी./2017/1826	किसान की किस्म	सूरजमणि	गेहूं	सूरजमुनि देवी
1476	पंजी./2017/1841	किसान की किस्म	राजाओं	अरहर	राजाराम पहाड़िया
1477	पंजी./2017/1842	किसान की किस्म	मागा राहर	अरहर	मागा पहाड़िया
1478	पंजी./2017/1843	किसान की किस्म	सुनील राहर	अरहर	सुनील कुमार झा
1479	पंजी./2017/1845	किसान की किस्म	कपिल राहर	अरहर	कपिल पहाड़िया
1480	पंजी./2017/1846	किसान की किस्म	चमारा राहर	अरहर	चमरा पहाड़िया
1481	पंजी./2017/1847	किसान की किस्म	आसिया राहर	अरहर	आसिया देवी
1482	पंजी./2017/1848	किसान की किस्म	पाबिया राहर	अरहर	पबिया देवी
1483	पंजी./2017/1849	किसान की किस्म	मंजू राहर	अरहर	मंजू हांसदा
1484	पंजी./2017/1854	किसान की किस्म	निरंजन राय-एम	भारतीय सरसों	निरंजन झा
1485	पंजी./2017/1855	किसान की किस्म	जोम राय-एम	भारतीय सरसों	जोमे पहाड़िया
1486	पंजी./2017/1856	किसान की किस्म	उलोचना	गेहूं	सुलोचना देवी
1487	पंजी./2017/1873	किसान की किस्म	शिव दानिया	धनिया	पुलकित सिंह
1488	पंजी./2017/1926	किसान की किस्म	कंटोली धान (चीन-4)	धान	केसर सिंह भरड़ा
1489	पंजी./2017/2012	किसान की किस्म	YKB-PM	बाजरा	योगेश कुमार
1490	पंजी./2017/2023	किसान की किस्म	AH-PM	बाजरा	अब्दुल हादी खान
1491	पंजी./2017/2128	किसान की किस्म	धनिया सतीश	धनिया	-सतीश कुमार
1492	पंजी./2017/2129	किसान की किस्म	रमईपुर धनिया	धनिया	शैलेश कुमार
1493	पंजी./2017/2132	किसान की किस्म	रामटोल देशी धनिया	धनिया	रामतौल पटेल
1494	पंजी./2017/2181	किसान की किस्म	देवनाथ बजरा	बाजरा	देवनाथ
1495	पंजी./2017/2218	किसान की किस्म	माघे	जौ	नवल किशोर सिंह
1496	पंजी./2017/2227	किसान की किस्म	भगवत धनिया-2	धनिया	प्रभु भगत
1497	पंजी./2017/2259	किसान की किस्म	सुंदरी चानो	काबुली चना	सुनैना बाई पटेल
1498	पंजी./2017/2260	किसान की किस्म	काला चावल	धान	बेला साहू
1499	पंजी./2017/2262	किसान की किस्म	कमल हरा धान	धान	बेला साहू

1500	पंजी./2017/2270	किसान की किस्म	हुइखदान देशी कपूरी पान	पान	बंधु राम महोबिया
1501	पंजी./2017/2404	किसान की किस्म	सरवट-1	धान	दयानन्द बाबाजी चौगुले
1502	पंजी./2017/2405	किसान की किस्म	मुंडगा	धान	दयानन्द बाबाजी चौगुले
1503	पंजी./2018/64	किसान की किस्म	लुब्री-लोह	तोरिया	निम्मी बाक्सला
1504	पंजी./2018/79	किसान की किस्म	कोचुकुडी	जायफल	जोसे मैथ्यू
1505	पंजी./2018/80	किसान की किस्म	पुलन	जायफल	जोस पी. वी.
1506	पंजी./2018/81	किसान की किस्म	पूथरा	जायफल	जोसेफ टी.
1507	पंजी./2018/82	किसान की किस्म	मुंडथनम	जायफल	माइकल जोसेफ
1508	पंजी./2018/106	किसान की किस्म	हसिरुजोला	ज्वार	नामदेव
1509	पंजी./2018/165 H	नई किस्म	जानी (V130005)	भिंडी	एडवांटा एंटरप्राइजेज लिमिटेड
1510	पंजी./2018/293	किसान की किस्म	जागृति-1	मेथी	उदय कुमार
1511	पंजी./2018/326	किसान की किस्म	चना रमईपुर (CCRA-207))	काबुली चना	चंद्रभान सिंह
1512	पंजी./2018/365	किसान की किस्म	WTRA-251	गेहूं	तेज प्रताप पटेल
1513	पंजी./2018/376	किसान की किस्म	BSAB-262	जौ	सुशीला देवी
1514	पंजी./2018/385	किसान की किस्म	WRBA-276	गेहूं	राजबहादुर सिंह
1515	पंजी./2018/390	किसान की किस्म	WGBA-281	गेहूं	ज्ञान सिंह
1516	पंजी./2018/395	किसान की किस्म	BBPC-286	जौ	बजरंगबली सिंह
1517	पंजी./2018/396	किसान की किस्म	BRDJ-287	जौ	राम चन्द्र पटेल
1518	पंजी./2018/401	किसान की किस्म	WRTJ-292	गेहूं	रमेश चन्द्र कुशवाह
1519	पंजी./2018/402	किसान की किस्म	WCTJ-293	गेहूं	चन्द्रशेखर कुशवाह
1520	पंजी./2018/428	किसान की किस्म	WBVRA-320	गेहूं	बनवारी लाल वर्मा
1521	पंजी./2018/462	किसान की किस्म	PVRA-359	अरहर	वरुण कुमार पटेल
1522	पंजी./2018/581	किसान की किस्म	Tanru-M	भारतीय सरसों	बंधना उराँव
1523	पंजी./2018/582	किसान की किस्म	Tanri Lotni	तोरिया	बंधना उराँव
1524	पंजी./2018/589 H	विद्यमान (अधिसूचित)	KPH-459	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1525	पंजी./2018/589 R	विद्यमान (अधिसूचित)	KRMB-395-12-2-1-1-1	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1526	पंजी./2018/590 H	विद्यमान (अधिसूचित)	KPH-473	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड

1527	पंजी./2018/590 A	विद्यमान (अधिसूचित)	KCMS-1020A	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1528	पंजी./2018/590 B	विद्यमान (अधिसूचित)	KCMS-1020B	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1529	पंजी./2018/590 R	विद्यमान (अधिसूचित)	0814-110-3-4-1-1	धान	कावेरी बीज कंपनी लिमिटेड
1530	पंजी./2018/595	नई किस्म	PH1KTF	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1531	पंजी./2018/623	नई किस्म	PH49CW	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1532	पंजी./2018/624	नई किस्म	PH43J9	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1533	पंजी./2018/625	नई किस्म	PH2RBF	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1534	पंजी./2018/626	नई किस्म	PH43G7	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1535	पंजी./2018/645	किसान की किस्म	साथी-2	धान	केशव चंद्र महतो
1536	पंजी./2018/647	किसान की किस्म	यमुना गोरा	धान	जितनी देवी
1537	पंजी./2018/656	किसान की किस्म	बूरा बूरी	धान	मृत्युंजय महतो
1538	पंजी./2018/666	किसान की किस्म	गुलवाड़ी सन्ना	धान	चैतन्य और राय
1539	पंजी./2018/675	किसान की किस्म	सुप्रीम-1112	गेहूं	तुषार मुखी
1540	पंजी./2018/676	किसान की किस्म	सुप्रीम-1111	गेहूं	आलोक मुखी
1541	पंजी./2018/679	किसान की किस्म	लौना सीएच-1	काबुली चना	सत्य देव सिंह
1542	पंजी./2018/686	किसान की किस्म	मघुआ राहर	अरहर	मंगल कापरी
1543	पंजी./2018/689	किसान की किस्म	राहर मघुआ	अरहर	रंजीत कुमार यादव
1544	पंजी./2018/691	किसान की किस्म	मघुआ-01	अरहर	ऋतुराज कुमार
1545	पंजी./2019/33	नई किस्म	M076	धान	बेयर क्रॉप साइंस एलपी
1546	पंजी./2019/34	नई किस्म	M075	धान	बेयर क्रॉप साइंस एलपी
1547	पंजी./2019/50	विद्यमान (वीसीके)	KOSO8ME0004A	धान	कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड
1548	पंजी./2019/57	विद्यमान (अधिसूचित)	Arize 6129 Gold	धान	बेयर क्रॉप साइंस एलपी
1549	पंजी./2019/61	नई किस्म	DHKN 563	मक्का	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
1550	पंजी./2019/62	नई किस्म	DHKN 509	मक्का	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
1551	पंजी./2019/84 H	विद्यमान (वीसीके)	25D51 BGII	त्रिगुणित कपास	धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड
1552	पंजी./2019/84 P1	विद्यमान (वीसीके)	DG 05	त्रिगुणित कपास	धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड
1553	पंजी./2019/84 P2	विद्यमान (वीसीके)	DG 11	त्रिगुणित कपास	धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड

1554	पंजी./2019/117	विद्यमान (वीसीके)	G-4	शहतूत	केंद्रीय रेशम बोर्ड
1555	पंजी./2020/45	विद्यमान (वीसीके)	शेगीन 21	अंगूर	शीहान जेनेटिक्स एलएलसी
1556	पंजी./2020/47	विद्यमान (वीसीके)	शीजीन 20	अंगूर	शीहान जेनेटिक्स एलएलसी
1557	पंजी./2020/50 H	विद्यमान (वीसीके)	अरका विक्रम (आरजीएच-63)	तुरई	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान
1558	पंजी./2020/50 P1	विद्यमान (वीसीके)	IIHR-6-1-1	तुरई	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान
1559	पंजी./2020/50 P2	विद्यमान (वीसीके)	अर्का प्रासन (IIHR-53-1-3)	तुरई	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान
1560	पंजी./2020/60	नई किस्म	बायो HR411136R	धान	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
1561	पंजी./2020/65	किसान की किस्म	WRCB-420	गेहूं	राम अकबाल तिवारी
1562	पंजी./2020/73 H	विद्यमान (वीसीके)	NMH-8352	मक्का	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1563	पंजी./2020/75 H	विद्यमान (वीसीके)	MM 2050	मक्का	महिन्द्रा एग्री सॉल्यूशन्स लिमि.
1564	पंजी./2020/81 H	नई किस्म	ADV7759(ADV759)	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1565	पंजी./2020/81 P1	नई किस्म	330089	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1566	पंजी./2020/81 P2	नई किस्म	330090	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1567	पंजी./2020/82 H	नई किस्म	ADV7757(ADV757)	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1568	पंजी./2020/82 P1	नई किस्म	330093	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1569	पंजी./2020/82 P2	नई किस्म	330094	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1570	पंजी./2020/83 H	नई किस्म	ADV7764(ADV764)	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1571	पंजी./2020/83 P1	नई किस्म	330104	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1572	पंजी./2020/83 P2	नई किस्म	330105	मक्का	यूपीएल लिमिटेड
1573	पंजी./2020/129	विद्यमान (वीसीके)	PH12JB	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1574	पंजी./2020/130	विद्यमान (वीसीके)	PHD1A	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1575	पंजी./2020/131	विद्यमान (वीसीके)	PH13W8	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1576	पंजी./2020/132	विद्यमान (वीसीके)	PH113K	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1577	पंजी./2020/133	विद्यमान (वीसीके)	PH1DTV	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1578	पंजी./2020/134	विद्यमान (वीसीके)	PH15K8	मक्का	पाइनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन
1579	पंजी./2020/177	किसान की किस्म	डुबी	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1580	पंजी./2020/178	किसान की किस्म	बहफोला धान	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)

1581	पंजी./2020/179	किसान की किस्म	सोलपोना सालि	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1582	पंजी./2020/180	किसान की किस्म	सकारू	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1583	पंजी./2020/181	किसान की किस्म	कोला जोहा (डंगधोरा)	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1584	पंजी./2020/182	किसान की किस्म	भदुमनी	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1585	पंजी./2020/183	किसान की किस्म	गोमी बोरा	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1586	पंजी./2020/184	किसान की किस्म	पोकोकोला बोरा	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1587	पंजी./2020/185	किसान की किस्म	बिरिया भोंगा	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1588	पंजी./2020/186	किसान की किस्म	शील साली	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1589	पंजी./2020/187	किसान की किस्म	यूकेमोरा बोरा	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1590	पंजी./2020/188	किसान की किस्म	मिसिरी चौकुआ	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1591	पंजी./2020/189	किसान की किस्म	लेंगेरी बोरा	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1592	पंजी./2020/192	किसान की किस्म	केम्पू जोला	मक्का	मल्लिकार्जुन
1593	पंजी./2020/193	किसान की किस्म	अंबारा	मक्का	मल्लिकार्जुन
1594	पंजी./2020/195	किसान की किस्म	केरकेर साली	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1595	पंजी./2020/196	किसान की किस्म	लेउना बोरा	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1596	पंजी./2020/197	किसान की किस्म	कम्पोन अंबुग	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1597	पंजी./2020/199	किसान की किस्म	लुगुम एम्पे	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1598	पंजी./2020/200	किसान की किस्म	कोपक एम्पे	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1599	पंजी./2020/201	किसान की किस्म	अंबुग	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1600	पंजी./2020/203	किसान की किस्म	अलापकेन एम्पे	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1601	पंजी./2020/204	किसान की किस्म	सारू जहिंगिया	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1602	पंजी./2020/205	किसान की किस्म	बांकी साली	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)

1603	पंजी./2020/206	किसान की किस्म	बोर जहिंगिया	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1604	पंजी./2020/207	किसान की किस्म	याकुम अम्पे	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1605	पंजी./2020/208	किसान की किस्म	मोटोंगा	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1606	पंजी./2020/209	किसान की किस्म	पाइमा एम्पे	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1607	पंजी./2020/210	किसान की किस्म	जेंगोनी एम्पे	धान	तारक पुरुष स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1608	पंजी./2020/211	किसान की किस्म	रोंगा	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1609	पंजी./2020/212	किसान की किस्म	बोंगी	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1610	पंजी./2020/214	किसान की किस्म	सोलपोना जोहा	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1611	पंजी./2020/215	किसान की किस्म	दारिया	धान	बोहुमुखी उत्पदोनि समिति (किसानों का समूह)
1612	पंजी./2020/216	किसान की किस्म	कटि न्यूली	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1613	पंजी./2020/217	किसान की किस्म	बार चकुआ	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1614	पंजी./2020/218	किसान की किस्म	रोंगा जोहा (अलामी)	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1615	पंजी./2020/219	किसान की किस्म	घिसिरी चकुआ	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1616	पंजी./2020/220	किसान की किस्म	सोकुआ बोरा	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1617	पंजी./2020/221	किसान की किस्म	जीरा जोहा	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1618	पंजी./2020/222	किसान की किस्म	रोंगा साकोवा	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1619	पंजी./2020/223	किसान की किस्म	मिगॉन (मिगुन)	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1620	पंजी./2020/224	किसान की किस्म	बान्की	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1621	पंजी./2020/225	किसान की किस्म	सोलनोना	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1622	पंजी./2020/226	किसान की किस्म	लक्ष्मण	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1623	पंजी./2020/227	किसान की किस्म	सोरू सकुआ	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)
1624	पंजी./2020/228	किसान की किस्म	सुआगमोनी स्टिकी	धान	लाकलोंगिया स्वयं सहायता समूह (किसानों का समूह)

1625	पंजी./2020/241	विद्यमान (वीसीके)	रत्नदीप	अमरूद	भाकृअनुप-कृषि विज्ञान केंद्र, बारामती
1626	पंजी./2020/246	विद्यमान (अधिसूचित)	दक्षा (KMP-175)	धान	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
1627	पंजी./2020/251	किसान की किस्म	मुसल्ली	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1628	पंजी./2020/252	किसान की किस्म	नातिबट्टा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1629	पंजी./2020/253	किसान की किस्म	नट्टी जड्डू	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1630	पंजी./2020/254	किसान की किस्म	अंकुरसोना	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1631	पंजी./2020/255	किसान की किस्म	पद्मरेखा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1632	पंजी./2020/257	किसान की किस्म	शिव दप्पावल्य	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1633	पंजी./2020/258	किसान की किस्म	वाल्टिगा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1634	पंजी./2020/261	किसान की किस्म	एंड्रिसल	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1635	पंजी./2020/262	किसान की किस्म	भरमा काला	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1636	पंजी./2020/263	किसान की किस्म	बोरा कुरुवल्ली	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1637	पंजी./2020/264	किसान की किस्म	गौड़ा गाडला	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1638	पंजी./2020/266	किसान की किस्म	हलागा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1639	पंजी./2020/268	किसान की किस्म	कब्बागा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1640	पंजी./2020/269	किसान की किस्म	कनाड़ा तुम्बा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1641	पंजी./2020/270	किसान की किस्म	कर्ण	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1642	पंजी./2020/271	किसान की किस्म	कार्था	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1643	पंजी./2020/272	किसान की किस्म	केम्पुकर	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1644	पंजी./2020/273	किसान की किस्म	किशोर	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1645	पंजी./2020/274	किसान की किस्म	मंजुगुनु सन्ना	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1646	पंजी./2020/275	किसान की किस्म	मसूरीबट्टा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1647	पंजी./2020/279	किसान की किस्म	होन्नुकट्टु	धान	HOOVAPPA C.A
1648	पंजी./2020/280	किसान की किस्म	सलुम सन्ना	धान	श्रीनिवास पाटिल
1649	पंजी./2020/282	किसान की किस्म	सुब्बन्ना	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1650	पंजी./2020/283	किसान की किस्म	अरुन्धती	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1651	पंजी./2020/284	किसान की किस्म	बंगारा गुंडू	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1652	पंजी./2020/287	किसान की किस्म	एडिकुनी	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा

1653	पंजी./2020/289	किसान की किस्म	एच आर मैसूर	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1654	पंजी./2020/291	किसान की किस्म	होनासु	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1655	पंजी./2020/292	किसान की किस्म	होने कट्टू	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1656	पंजी./2020/293	किसान की किस्म	जिग्मारतिगा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1657	पंजी./2020/295	किसान की किस्म	कप्पू बत्ता	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1658	पंजी./2020/298	किसान की किस्म	केम्पुडाडी	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1659	पंजी./2020/299	किसान की किस्म	केम्पुसन्ना	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1660	पंजी./2020/300	किसान की किस्म	कोयमत्तूर सन्ना	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1661	पंजी./2020/310 H	विद्यमान (अधिसूचित)	VGI HI (VaMH 12014)	मक्का	अनुसंधान निदेशक, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय
1662	पंजी./2020/310 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	VIM 357	मक्का	अनुसंधान निदेशक, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय
1663	पंजी./2020/312 H	विद्यमान (वीसीके)	JKMH 4510	मक्का	जे. के. एग्री जेनेटिक्स लिमि.
1664	पंजी./2020/342	किसान की किस्म	न्यारे मिंडा	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1665	पंजी./2020/343	किसान की किस्म	सुब्बन्ना-1	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1666	पंजी./2020/345	किसान की किस्म	चाइनामणि	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1667	पंजी./2020/347	किसान की किस्म	संबामोसम	धान	कृषि प्रयोगा परिवारा
1668	पंजी./2020/348	किसान की किस्म	सिद्धू जैक फ्रूट	कटहल	एस. एस. परमेश
1669	पंजी./2020/349	किसान की किस्म	शंकर जैक फ्रूट	कटहल	शंकरिया
1670	पंजी./2020/366 H	विद्यमान (अधिसूचित)	YCH 7475 Bt2	त्रिगुणित कपास	यागंती सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1671	पंजी./2020/367 H	विद्यमान (अधिसूचित)	PRCH 2799 Bt2	त्रिगुणित कपास	प्रवर्धन सीड्स प्राइ. लिमि.
1672	पंजी./2020/372	विद्यमान (वीसीके)	अर्का सुगंधि	रजनीगंधा	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान
1673	पंजी./2020/377	विद्यमान (अधिसूचित)	राज विजय काबुली ग्राम 101 (जेएससी 42)	काबुली चना	राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय
1674	पंजी./2020/382	विद्यमान (वीसीके)	RC91BGII	त्रिगुणित कपास	रासी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1675	पंजी./2020/383	किसान की किस्म	कालझिनी धान	धान	रमेश चंद
1676	पंजी./2020/384	किसान की किस्म	कसरल वांगी	बैंगन	श्री अनिल सबाजी सावंत, श्री प्रल्हाद थोंडू सावंत, श्री दीपक सबाजी सावंत, श्री प्रवीण जयवंत सावंत, श्री अमोल दीपल सावंत (किसानों का समूह)
1677	पंजी./2021/1	किसान की किस्म	मातलि धान	धान	लुदर चंद

1678	पंजी./2021/2	किसान की किस्म	जट्टू धान	धान	श्याम सिंह कटोच
1679	पंजी./2021/0025	किसान की किस्म	आरएमपी बडाने	बैंगन	टिम्मा रेड्डी
1680	पंजी./2021/0026	किसान की किस्म	मट्टुगुल्ला	बैंगन	मट्टू गुल्ला बेलेगरारा सांगा
1681	पंजी./2021/0035	किसान की किस्म	आर.एस. पुरा बासमती	धान	जोगिंदर लाल और बलकार सिंह
1682	पंजी./2021/0036	किसान की किस्म	अंडानूर सन्ना	धान	अंजनेय ए.एन.
1683	पंजी./2021/0037	किसान की किस्म	सिन्दूरा मधुसेल	धान	अंजनेय ए.एन.
1684	पंजी./2021/0041 H	विद्यमान (अधिसूचित)	सेंट्रल मर्कटा वीएल 55 (एफएच 3605)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1685	पंजी./2015/1443 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	V 407	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1686	पंजी./2015/1442 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	V 405	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1687	पंजी./2021/0127	किसान की किस्म	जार्वी लाल	अमरूद	हीनाबेन जयेशभाई पटेल
1688	पंजी./2021/0138	किसान की किस्म	जनागेरे	कटहल	रवीश जे.आर.
1689	पंजी./2021/0139	किसान की किस्म	नेलुगुडिगे लाल	कटहल	बीरप्पा
1690	पंजी./2021/0142	किसान की किस्म	कछाहल्ली टेबल प्रकार 17	कटहल	शिवकुमार
1691	पंजी./2021/0151 H	विद्यमान (अधिसूचित)	आईक्यूएमएच 202 (एलक्यूएमएच-2) (आईआईएमआरक्यू पीएमएच-1601)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1692	पंजी./2021/0151 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	DQL 2209	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1693	पंजी./2021/0151 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	DMRQPM 106	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1694	पंजी./2021/0152 H	विद्यमान (अधिसूचित)	IQMH 203 (LQMH-1705) (IIMRQPMH-1705)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1695	पंजी./2021/0152 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	DQL 2192	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1696	पंजी./2021/0185	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात आनंद देसी कॉटन 3 (GADC 3: वागड़ गौरव)	द्विगुणित कपास	आणंद कृषि विश्वविद्यालय
1697	पंजी./2021/0191 H	विद्यमान (अधिसूचित)	लाधोवाल पॉपकॉर्न हाइब्रिड 2 (LPCH 2) (IMHP 1535) (हाइब्रिड)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1698	पंजी./2021/0191 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	Dpcl 292	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1699	पंजी./2021/0200	किसान की किस्म	MODI आम	आम	उपेन्द्र कुमार सिंह
1700	पंजी./2021/0206	विद्यमान (अधिसूचित)	GT-104 (NPMK-15-05)	अरहर	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय

1701	पंजी./2021/0207	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात तूर 105 (जीटी-105: जानकी)	अरहर	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय
1702	पंजी./2021/0208	विद्यमान (अधिसूचित)	गुजरात उर्दबीन 3 (जीयू-3: अंजनी)	उड़द	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय
1703	पंजी./2021/0209	विद्यमान (अधिसूचित)	GM-7	मूंग	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय
1704	पंजी./2021/0210	विद्यमान (अधिसूचित)	GM-6 (NMK-15-12)	मूंग	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय
1705	पंजी./2021/0217	विद्यमान (अधिसूचित)	YC 7963 Bt2	त्रिगुणित कपास	यागंती सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
1706	पंजी./2021/0218 H	विद्यमान (अधिसूचित)	PCH 5677 Bt II	त्रिगुणित कपास	प्रभात एग्री बायोटेक लिमिटेड
1707	पंजी./2021/0219	विद्यमान (अधिसूचित)	डीबीडब्ल्यू 296 (करण ऐश्वर्या)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1708	पंजी./2021/0220	विद्यमान (अधिसूचित)	डीबीडब्ल्यू 327 (करण शिवानी)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1709	पंजी./2021/0221	विद्यमान (अधिसूचित)	करण आदित्य (DBW 332)	गेहूं	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1710	पंजी./2021/0222 H	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा HQPM-5 उ संज्ञात (APQH5)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1711	पंजी./2021/0222 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-PV6	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1712	पंजी./2021/0222 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-PV5	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1713	पंजी./2021/0223 H	विद्यमान (अधिसूचित)	Pusa HM-4 उन्नत (AQH-4)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1714	पंजी./2021/0223 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-Q1	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1715	पंजी./2021/0223 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-Q2	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1716	पंजी./2021/0227 H	विद्यमान (अधिसूचित)	SP7670 BGII	त्रिगुणित कपास	बेयर क्रॉप साइंस एलपी
1717	पंजी./2021/0227 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	CF10045B2	त्रिगुणित कपास	बेयर क्रॉप साइंस एलपी
1718	पंजी./2021/0228 H	विद्यमान (अधिसूचित)	Pusa HM-9 उन्नत (AQH-9)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1719	पंजी./2021/0228 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-Q3	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1720	पंजी./2021/0229 H	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा विवेक QPM-9 उन्नत (APQH-9)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1721	पंजी./2021/0229 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-PV1	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1722	पंजी./2021/0229 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-PV2	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1723	पंजी./2021/0230 H	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा विवेक हाइब्रिड-27 उन्नत (APH27)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1724	पंजी./2021/0230 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-PV3	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1725	पंजी./2021/0230 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-PV4	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

1726	पंजी./2021/0231 H	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा HQPM-7 उन्नत (APQH7)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1727	पंजी./2021/0231 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	PMI-PV7	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1728	पंजी./2021/0232 H	विद्यमान (अधिसूचित)	पूसा HM-8 उन्नत (AQH-8)	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1729	पंजी./2021/0232 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	HKI 161	मक्का	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
1730	पंजी./2022/0007 H	विद्यमान (अधिसूचित)	NCS 2778 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1731	पंजी./2022/0007 P1	विद्यमान (अधिसूचित)	NC 6134 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1732	पंजी./2022/0007 P2	विद्यमान (अधिसूचित)	NC 7027 Bt	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1733	पंजी./2022/0009	विद्यमान (अधिसूचित)	हिम पालम जौ 1 (HBL 713)	जौ	सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय
1734	पंजी./2022/0011	विद्यमान (अधिसूचित)	NC 369 Bt2	त्रिगुणित कपास	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1735	पंजी./2022/0013	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 54 (IET 25653) (RP 5943-421-16-1-1-B)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1736	पंजी./2022/0014	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान-55 (RP 5591-123-16-2 (IET 26194)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1737	पंजी./2022/0015	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 51 (IET 25484)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1738	पंजी./2022/0016	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 58	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1739	पंजी./2022/0017	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 59	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1740	पंजी./2022/0018	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 53 [RP-6113-Patho-BB9 (IET 27294)]	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1741	पंजी./2022/0020	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 62	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1742	पंजी./2022/0021	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 48 (IET 24555)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1743	पंजी./2022/0023	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 60	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1744	पंजी./2022/0024	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 57	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1745	पंजी./2022/0035 H	विद्यमान (अधिसूचित)	NBH 5929 (MH 2423)	बाजरा	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1746	पंजी./2022/0035 A	विद्यमान (अधिसूचित)	NB 1121A	बाजरा	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1747	पंजी./2022/0035 B	विद्यमान (अधिसूचित)	NB 1121B	बाजरा	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1748	पंजी./2022/0035 R	विद्यमान (अधिसूचित)	NB 197R	बाजरा	नुजिविदु सीड्स लिमिटेड
1749	पंजी./2022/0037	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 50 (IET 25671)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
1750	पंजी./2022/0039	विद्यमान (अधिसूचित)	डीआरआर धान 52 (IET 23354) (RP 5125-12-5-3-B-IR84898-B)	धान	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

1751	पंजी./2022/0124	किसान की किस्म	SANTY SEEDLESS	अंगूर	संतोष मधुकर मोरे
1752	पंजी./2022/0125	किसान की किस्म	UTKARSHA	अंगूर	रामचन्द्र दगू चुम्भाले
1753	पंजी./2022/0144	किसान की किस्म	HALADI RUDRAKSHI-JAR	कटहल	अनंतमूर्ति जावली
1754	पंजी./2022/0145	किसान की किस्म	ऑरेंज-आरपीएन	कटहल	प्रकाश नायक
1755	पंजी./2022/0146	किसान की किस्म	केम्पू रुद्राक्षी-DSV	कटहल	देवराज एस.
1756	पंजी./2022/0147	किसान की किस्म	मानकाले रेड-आरटीबी	कटहल	राजेंद्र टी.
1757	पंजी./2022/0161	किसान की किस्म	KT 13 A	कटहल	अशोक बी.
1758	पंजी./2022/0162	किसान की किस्म	KT 13 B	कटहल	अशोक बी.
1759	पंजी./2022/0163	किसान की किस्म	NR-1	कटहल	आर नारायणप्पा
1760	पंजी./2022/0168	किसान की किस्म	SBR-I	कटहल	सुब्रमण्य
1761	पंजी./2022/0169	किसान की किस्म	SCT-1	कटहल	श्रीनाथ, एच.आर
1762	पंजी./2022/0170	किसान की किस्म	TEJU	कटहल	सुश्री तेजस्विनी एच.
1763	पंजी./2022/0171	किसान की किस्म	SBM-1	कटहल	सुब्बन्ना

अनुबंध IX : संक्षिप्ताक्षर

एआईसीआरपी	अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना
बीएयू	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
बीएमसी	जैव विविधता प्रबंधन समिति
बी.सी.आई.एल	बायोटेक कंसोर्टियम इंडिया लिमिटेड
सीएजी	भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
कारी (सीएआरआई)	केंद्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान
सीबीडी	जैविक विविधता पर सम्मेलन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
सीएसआईआर	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद
सीएचईएस	केंद्रीय बागवानी प्रयोग केंद्र
सीएसएसआरआई	केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
डीएसी	कृषि एवं सहकारिता विभाग
डीयूएस	विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता
ईवीआरसी	विद्यमान किस्म अनुशंसा समिति
ईटीएल	आर्थिक उच्चतम-सीमा स्तर
जीएटीटी	प्रशुल्क और व्यापार पर सामान्य समझौता
आईएआरआई	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
आईसीएआर	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
आईसीएफआरई	भारतीय वन अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
आईएनडीयूएस	डीयूएस दिशा-निर्देशों के अनुसार भारतीय सूचना प्रणाली
आईपीजीआरआई	अंतर्राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन संस्थान (बायोवर्सिटी इंटरनेशनल)
आईटीपीजीआरएफए	खाद्य एवं कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधन पर अंतर्राष्ट्रीय संधि
केएयू	केरल कृषि विश्वविद्यालय
के.वी.के.	कृषि विज्ञान केंद्र

एनएएससी	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र
एनजीओ	गैर-सरकारी संगठन
एनओआरवी	भारत की अधिसूचित एवं विमोचित किस्में
एनएसएआई	भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ
एनआरसीपीबी	राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र
एनएसआरटीसी	राष्ट्रीय बीज अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र
एमएसईजेड	मैंगलोर विशेष आर्थिक क्षेत्र लिमिटेड
ओईसीडी	आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन
पी.एस.	प्रधान वैज्ञानिक
पी.डी.	परियोजना निदेशक
पीजीआर	पादप आनुवंशिक संसाधन
पीपीवीएफआरए	पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण
पीवीई	पादप किस्म परीक्षक
पी.वी.आई.एस	पादप किस्म सूचना प्रणाली
पीवीजे	भारतीय पादप किस्म जर्नल
आर एंड डी	अनुसंधान एवं विकास
आरटीआई	सूचना का अधिकार
एएओ	वरिष्ठ लेखा अधिकारी
एसएयू	राज्य कृषि विश्वविद्यालय
एस.टी.ओ	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
ट्रिप्स	बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबद्ध पहलू
यूपीओवी	पौधों की नई किस्मों के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ
वीसीके	किस्म सामान्य ज्ञान
डब्ल्यूटीओ	विश्व व्यापार संगठन
पीजीएससी	पादप जीनोम संरक्षक सामुदायिक पुरस्कार
पीजीएसएफआर एंड आर	पादप जीनोम संरक्षक कृषक पुरस्कार और अभिज्ञान
पीएआरवी	किस्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन करने का पोर्टल

दिनांक 03 दिसंबर 2024 पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण , नई दिल्ली की 39वीं बैठक में एजेंडा क्रम सं 07 में वार्षिक प्रतिवेदन 2023 -24 को स्वीकार किया गया।



PPVFRA

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

(संसद के अधिनियम द्वारा निर्मित सांविधिक प्राधिकरण)

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

प्लांट अथॉरिटी भवन, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, एनएएससी कॉम्प्लेक्स के पास,
टोडापुर गांव के सामने, नई दिल्ली –110 012
फोन : 011–25848127, 25843316

www.plantauthority.gov.in